बी.एड. स्पेशल (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा)

स्व-अधिगम सामग्री

SECD-04

Second Year

गामक और बहु विकलांगता का परिचय

(Introduction Locomotor and Multiple Disabilities)

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

बी.एड. स्पेशल (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा)

स्व–अधिगम सामग्री

SECD-04

Second Year

गामक और बहु विकलांगता का परिचय

(Introduction to Locomotor and Multiple Disabilities)

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय,

भोपाल (म.प्र.)

संरक्षक
डॉ० रवीन्द्र कान्हेरे
कुलपति

मार्गदर्शन
श्री अरुण सिंह चौहान
कुलसचिव

संपादक मण्डल

संयोजक
डॉ० वर्षा सागोरकर
निदेशक, बहुमाध्यमीय शिक्षा विभाग

समन्वयक व सलाहकार
डॉ० हेमलता दिनकर
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

समन्वयक
डॉ० कंचन जिज्ञासी
रीडर (शिक्षा)

समन्वयक
डॉ० सालेहा सिद्दीकी
लेक्चरर (शिक्षा)

Printed by : **P Square Solutions** Mini Industrial Area, Barari, Mathura-281005

अनुक्रमणिका

अध्याय-1	प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात	5-52
अध्याय-2	अंग-विच्छेद, पोलियों, रीढ़ की हड्डी एवं पेशी अपविकास	53-91
अध्याय-3	कार्यात्मक कठिनाइयों का आकलन	92-117
अध्याय-4	चिकित्सा विधान Interventin और रेफरल के Provision	118-136
अध्याय-5	शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी घर और स्कूल में पर्यावरण	137-177
अध्याय-6	सुगम अध्यापक-शिक्षा IEP, TLM का विकास, सहायक तकनीक	178-202
अध्याय-7	बहुविकलांगता का अर्थ एवं वर्गीकरण मिर्गी एवं संवेदी स्थिति	203-239
अध्याय-8	कुष्ठ रोग ठीक छात्रों, कंद तथा मल्टीपल स्केलेरोसिस एवं अन्य विकलांगता हालत	240-258
अध्याय-9	शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी घर और स्कूल में पर्यावरण	259-297
अध्याय-10	सुगम अध्यायन-शिक्षा IEP, TLM का विकास, सहायक तकनीक	298-320

1 प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात

NOTES

अध्याय में सम्मिलित विषय-सामग्री :

- प्राक्किथन
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात, अवधारणा
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के लक्षण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के कारण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के बचाव
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात की प्रकृति
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के प्रकार
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के मूल्यांकन में आने वाली कठिनाइयाँ तथा जोड़ों की गति में असमानताओं
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के कार्यात्मक सीमाओं के निहितार्थ
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात वाले बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल तथा घर में कृत्रिम वातावरण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात बच्चों के वैयक्तिक शिक्षण कार्यक्रम
- वैयक्तिक शैक्षणिक योजना
- I. E. P. समूह
- T. L. M.
- परीक्षाउपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—

इस अध्याय के अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे-

- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात, अवधारणा
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के लक्षण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के कारण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के बचाव
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात की प्रकृति
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के प्रकार

NOTES

- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के मूल्यांकन में आने वाली कठिनाइयाँ तथा जोड़ों की गति में असमानताओं
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात के कार्यात्मक सीमाओं के निहितार्थ
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात वाले बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल तथा घर में कृत्रिम वातावरण
- प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात बच्चों के वैयक्तिक शिक्षण कार्यक्रम
- वैयक्तिक शैक्षणिक योजना
- I. E. P. समूह
- T. L. M.

प्राक्कथन

स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का निर्माण होता है। जब तक शरीर स्वस्थ्य नहीं होगा तब तक मानव सामान्य रूप से काम नहीं कर सकता है। प्रमस्तिष्कीय पक्षघात सिर में किसी भी प्रकार की चोट लगने के कारण होती है। इस प्रकार की मस्तिष्क चोट प्राय: गीर्ईवस्था में लगती है। इस प्रकार की अक्षमता में ऐच्छिक शामक क्रिया प्रणाली गड़बड़ा जाती है। अक्षम तथा बीमार दोनों ही प्रकार के बालक विशेष बालकों की श्रेणी में आते है। ये विशेष शिक्षा के माध्यम से इनका शैक्षिक पुर्नवास किया जाता है।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात—अवधारणा (Cerebral Palsy-concept)—इस विकृति को मस्तिष्क व लकवे के रूप में भी जाना जाता है। इसका संबंध मस्तिष्क की उस असामान्य क्षति के कारण है जिसके परिणाम स्वरूप व्यक्ति की शारीरिक स्थिति एवं गति प्रभावित होती है। Cerebral का अर्थ मस्तिष्क के दोनों भागों से Pasly का अर्थ उस क्षति से है जो व्यक्ति को शारीरिक गति के नियंत्रण को नष्ट करता है। इस रोग का सर्वप्रथम विलियम लिट्स ने 1760 में पता लगाया था। नष्ट विकास प्राय: माँसपेशियों शिराओं की कठिनाइयों के परिणाम होता है। जिससे व्यक्ति के शरीर की गति

बैटसो एवं 1986 के अनुसार, "प्रमस्तिष्कीय पक्षघात एक जटिल अप्रगतिशील अवस्था है जो जीवन के प्रारम्भिक वर्षों के हुई मस्तिष्कीय क्षति के कारण उत्पन्न होती है। इसके परिणाम माँसपेशियों में सामंजस्य न होने के कारण शरीर में कमजोरी एवं अपंगता हो जाती है। एक बार मस्तिष्क क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद

पुनः इसको ठीक नहीं किया जा सकता है लेकिन चिकित्साकीय सहायता से शरीर की स्थिति तथा संचालन संबंधी समस्याओं को थोड़ा सुधारा अवश्य जा सकता है।

यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी रिसर्च एण्ड एजुकेशनल फाउण्डेशन ने प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात को निम्न आधार पर परिभाषित किया—

NOTES

(1) यह विकास मस्तिकीय चोट के कारण उत्पन्न होता है।

(2) मस्तिष्कीय क्षति के कारण गामक क्रियाओं में विक्षोम जैसे—कमजोरी, पक्षाघात एवं असुन्तलन उत्पन्न होता है।

(3) इसमें दोष प्रायः बाल्यावस्था में होता है।

(4) इसमें विभिन्न समस्याओं जैसे अधिगम अक्षमता, संवेगात्मक विकृति, मनोवैज्ञानिक समस्यायें एवं आंगिक व्यवहार संबंधी दोषों के लक्षणों का समूह पाया जाता है।

(5) इसके अतिरिक्त प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात स्थिर एंव जैविक चिकित्सकीय के प्रति दृढ़ संकल्पी होता है।

उपरोक्त परिभाषाओं स्पष्ट है कि प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात का संबंध मस्तिष्क की चोट या कमजोरी से है जिसके कारण व्यक्ति की शरीर संचालन करने वाली क्रियायें तथा गति प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति में जिनती अधिक मस्तिष्क की क्षति होगी उतनी ही अधिक मानसिक अक्षमता बढ़ जायेगी। यह रोग प्रायः स्नायुतान्त्रिक दोष के कारण होता है।

(1) सेरेब्रल पाल्सी एक स्नायविक एक गैर प्रगतिशील मस्तिष्क की चोट या कुरूपता जबकि बच्चे के मस्तिष्क के विकास के अंतगर्त है कि तब होता है की वजह से विकार माना जाता है सेरेब्रल पाल्सी मुख्य रूप से शरीर आंदोलन तथा माँसपेशियों में समन्वय को प्रभावित करता है।

(2) सेरेब्रल पाल्सी वास्तव में मस्तिष्क क्षति के कारण होता है। मस्तिष्क क्षति मस्तिष्क की चोट या मस्तिष्क होता है कि जब एक बच्चे के मस्तिष्क अभी भी विकसित कर रहा है कि सेरेब्रल पाल्सी के कारण होता है। जन्म से पहले जन्म के दौरान या जन्त के तुरन्त बाद। सेरेब्रल पाल्सी शरीर आंदोलन, मांसपेशियों पर नियंत्रण, मांसपेशियों में समन्वय, मांसपेशियों टोन पलटा, आसन तथा संतुलन को प्रभावित करता है। इसका भी ठीक मोटर कौशल, सकल मोटर कौशल और मौखिक

NOTES

मोटर कामकाज पर असर पड़ सकता है।

(3) सेरेब्रल पाल्सी एक मस्तिष्क की चोट या मस्तिष्क विकृति का परिणाम है।

(4) सेरिब्रल पाल्सी का उल्लेख उन अवस्थाओं के एक समूह के लिए किया जाता है जो कि गतिविधि और हावभाव के नियंत्रण को प्रभावित करते हैं। गतिविधि को नियंत्रित करने वाले मस्तिष्क के एक या अधिक हिस्से की क्षति के कारण प्रभावित व्यक्ति अपनी मांसपेशियों को सामान्य ढंग से नहीं हिला सकता। इसके लक्षणों का दायरा पक्षाघात के रूपों समेत हल्का से लेकर गंभीर तक हो सकता है।

(5) दुर्घटनाओं, दुरूपयोग, चिकित्सा, कदाचार, लापरवाही, संक्रमण तथा चोट कुछ ज्ञात जोखिम कारक है जो सेरेब्रल पाल्सीको जन्म दे सकती है।

(6) प्राय: सेरिब्रल पैल्सि का निदान तक तक नहीं हो पाता जब तक कि बच्चा दो से तीन वर्ष की उम्र का नहीं हो जाता। तीन साल से अधिक उम्र के 1000 में से लगभग 2 से 3 बच्चों को सेरिब्रल पेल्सि होती है। देश में हर उम्र के लगभग 500,000 बच्चे एवं वयस्क सेरब्रिल पैल्सि से ग्रस्मत हैं।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के लक्षण (Characteristic of Celebral Palys)

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से पीड़ित व्यक्ति में भिन्न-भिन्न लक्षण पाये जाते हैं कई बार एक ही व्यक्ति में समय व अवस्था के अनुसार इस दोष के लक्षण बदल जाते हैं। साधारणतया इस विकृति वाले व्यक्तियों में निम्न लक्षण देखे जा सकते हैं—

(1) इस प्रकार वाले बालकों के दोनों हाथों की क्रियाओं में समन्वय नहीं होता है। एक समय में वो किसी एक ही हाथ का प्रयोग कर सकता है।

(2) ऐसे बालकों का विकास सामान्य बालकों की अपेक्षाकृत धीमा होता है।

(3) इससे ग्रसित बालकों के शरीर में अत्यधिक लचीलापन होता है।

(4) इन बालकों में प्राय: लार टपकती है।

NOTES

(5) ऐसे बालकों जन्म के समय टेरी से रोते हैं और श्वांस लेने में भी कठिनाई महसूस करते हैं। पर्याप्त संतुलन नहीं रहता है। तथा गर्दन नियंत्रित तथा बैठने में अत्यधिक समय लगता है।

(7) इन बालकों का वाणी सेल्पी विकास भी धीरे होता है और संचार में भी समस्यायें आती है।

(8) ऐसे बालक सुस्त एवं मन्द गति के होते हैं तथा प्राय: उदास दिखते हैं।

(9) इन बच्चों का व्यवहार असंयमित होता है। ये अचानक ही रोने और हँसने लग जाते हैं।

(10) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले बालकों को नहलाते तथा बदलते समय शरीर अकड़ जाता है।

(11) इस बच्चों में श्रवण एवं दृष्टि संबंधी दोष भी पाये जाते हैं।

(12) जन्म से प्रारंभिक वर्षों में ऐसे बालकों स्तनपान में असमर्थता दिखाते हैं।

(13) इन बच्चों की चेहरे की मांसपेशियों ऐठीं एवं ढीली होती हैं।

(14) ऐसे बच्चों मानसिक रूप से मन्द होते हैं और प्राय: अधिगम में कमजोर हैं।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के कारण (Causes of Celebral Palsy)

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात बालक के भ्रूण से लेकर उसके जन्म के पश्चात् किसी भी अवस्था में हो सकता है। इस विकार के निम्न कारण हो सकते हैं–

(1) गर्भवती महिला में अत्यधिक स्क्तस्त्राव होने पर इस विकार पैदा हो जाता है।

(2) बालक के जन्म के निश्चित समय के पहले पैदा होने अथवा अपरिपक्व होने पर प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात होने का खतरा रहता है।

(3) जन्मजात बच्चे के फेफड़ों का पर्याप्त विकास नहीं होने पर भी इस विकार के लक्षण आ जाते हैं। ऐसे बच्चों को पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने तथा श्वसन संबंधी परेशानी होने पर भी प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात हो जाता है।

(4) शिशु के प्रसव के दौरान प्रासविक दुर्घटना के कारण भी कई बार मस्तिष्क को क्षति हो जाती है जिससे इस बीमारी के लक्षण प्राय: शीघ्र नजर आने लगते हैं।

(5) इस विकार से पीड़ित बालकों में मस्तिष्क से समुचित शरीर में संदेश भेजने में उन सहाय सफेद पदार्थ की मात्रा में अनियमितता पाई जाती है।

(6) बालकों को चोट लगने पर मस्तिष्क के बाहारी भाग में रक्त स्त्राव होने पर भी प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात दोष हो जाता है।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से बचाव (Prevention of Celebral Palsy)

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात एक बहुत ही गंभीर समस्या है इस कारण इाका बचाव ही उपचार है। इस विकार से बचने के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जाने चाहिए—

(1) गर्भाधान वाली महिला को गर्भावस्था के दौरान उचित चिकित्सकीय देखरेख में रहना चाहिए तथा समय-समय पर अपने रक्त मंत्र एवं रक्तचाप की जाँच करवानी चाहिए।

(2) गर्भावस्था में किसी प्रकार के संक्रमण से बचना चाहिए।

(3) गर्भावस्था में मादक पदार्थो का सेवन नहीं करना चाहिए।

(4) गर्भवती महिला को विभिन्न प्रकार की चोटें तथा अघातों से यथासंभव बचना चाहिए।

(5) जन्म के समय बच्चे की ऑक्सीजन की पूर्ति नियमित रहनी चाहिए।

(6) बच्चा निर्धारित समय पर ही हो अर्थात् अपरिपक्व प्रसव के बचने के लिए चिकित्सकीय परामर्श लेवा चाहिए।

(7) प्रसव के दौरान नवजात शिशु को किसी प्रकार की चोट व आघात नहीं पहुँचाना।

(8) कठिन व लम्बे समय में दर्द निवारक दवा एवं ऑक्सीहेस्ट से बचना चाहिए।

(9) बच्चों को संक्रामक रोगों से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण कराना आवश्यक है।

(10) बच्चों में तेज बुखार, मस्तिष्क, ज्वर, इन्सेफलाइटिस जैसी बीमारी की स्थिति में सीधे उपचार कराना चाहिए।

(11) नवजात शिशु को माँ का नियमित स्तनपान करवाना चाहिए।

NOTES

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की प्रकृति—

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की प्रकृति का अर्थ यह है कि पक्षाघात अधिकांशता मस्तिष्क के आगे के भाग में खराबी से होता है। लेकिन अन्य भागों जैसे अनुमस्तिष्क तथा मस्तिष्क स्तम्भ में खराबियों से यह दशा उत्पन्न हो जाती है। केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र का कोई भी भाग इस पक्षाघात से अछूता नहीं है। किन्तु व्यवहारिक एवं उपचार की दृष्टि से मस्तिष्क की खराबी पर ही ध्यान केन्द्रित रखना ही ठीक होगा और इसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बजाय प्रमस्तिष्कीय अंगाघात कहना उचित रहेगा।

विशिष्ट प्रकार के अंगाघात अर्थ है कि पेशया भली प्रकार काम नहीं कर पाती है, वे या तो बहुत अकड़ जाती है, गति असंतुलित या असमन्वयित हो जाती है या अनैच्छिक रूप से बार-बार बहुत विलम्ब तक सिकुड़ी रहकर दोबारा ढीली हो जाती है आदि आदि।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के प्रकार—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात मस्तिष्क की क्षति तथा तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रभावित अंगों के आधार पर—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात को अंगों पर प्रभाव के आधार पर निम्न प्रकार से विभाजित किया जा सकता है—

(1) मोनोप्लीजिया—इसमें व्यक्ति का कोई एक हाथ या पैर प्रभावित होता है।

(2) हेमीप्लीजिया—इस स्थिति में व्यक्ति के एक और का हाथ व पैर दोनों एक साथ प्रभावित होती हैं।

(3) डाईप्लीनिया—इस अवस्था में व्यक्ति में दोनों हाथ एवं कभी-कभी दोनों पैर भी प्रभावित होते हैं।

(4) पैराप्लीजिया—इस स्थिति में व्यक्ति के कमर के नीचे का हिस्सा तथा दोनों पैर प्रभावित होता है।

(5) क्वाड्रिप्लीजिया—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की इस स्थिति में व्यक्ति का पूर्ण शरीर प्रभावित होता है।

NOTES

प्रमस्तिकीय लक्षणों के अनुसार—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात को चिकित्सकीय लक्षणों के अनुसार निम्न चार प्रकार से विभाजित किया जा सकता है—

(1) स्पास्टिक सेरिब्रल पैल्सि—प्रभावित लोगों में से लगभग 70 से 80 प्रतिशत लोग स्पास्टिक सेरिब्रल पैल्सि से ग्रस्त होते हैं, जिसमें कि मांसपेशियों सख्त होती हैं जो कि गतिविधि को मुश्किल बना देती हैं। जब दोनों टीमें प्रभावित होती हैं (स्पास्टिक डिप्लेजिआ) तो बच्चे को चलने में कठिनाई क्योंकि कूल्हें एवं टांगों की सख्त मांसपेशियों टांगों को अंदर की ओर मोड़ सकती हैं और घुटले का क्रास कर सकती हैं (इसे सिजरिंग कहा जाता है)। अन्य मामलों में शरीर का केवल एक पक्ष प्रभावित होता है (स्पास्टिक हेमिप्लेजिआ), अक्सर बाहें टांगों के मुकाबले ज्यादा गहराई से प्रभावित होती हैं। सर्वाधिक गंभीर स्पास्टिक क्वाडारिपलेजिआ होती है, जिसमें कि असर मुँह तथा जीभ को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियों के साथ-साथ चारों अंग और धड़ा प्रभावित होता है। स्पास्टिक क्वाडरिपलेजिआ वाले बच्चों में मन्दबुद्धि और अन्य समस्याएँ पायी जाती है।

(2) डिसकाइनेटिक सेरिब्रल पैल्सि—लगभग 10 से 20 प्रतिशत में डिसकाइनेटिक रूप होता है जो कि समूचे शरीर को प्रभावित करता है। इसका पता मांसपेशी के टोन में उतार-चढ़ावों (बहुत सख्त से लेकर बहुत अधिक ढीले मतक बदलता रहता है) से चलता है और कई बार सह अनियन्त्रित गतिविधि से जुड़ा होता है (जो कि धीमी एवं मुड़ी हुई या तवरित एवं झटकेदार हो सकती है)। फायदे से बैठने एवं चलने के लिए अपनी शरीर को नियंत्रित करने के लिए बच्चों को अक्सर परेशानी होती है। क्योंकि चेहरे एवं जीभ की मांसपेशियों प्रभावित हो सकती हैख इसके अतिरिक्त चूचने, निगलने और बोलने में भी मुश्किल आ सकती है।

(3) एटाक्सिक सेरिब्रल पैल्सि—लगभग 5 से 10 प्रतिशत इसके एटाक्सिक बैल्सि जो कि संतुलन एवं समन्वयन को प्रभावित करती है। वे अस्थिर चाल के साथ चल सकते हैं तथा उन्हें उन गतियों में मुश्किल आती है, जिनके लिए सटीक समन्वयन की आवश्कता होती है, जैसे कि लेखन। गर्भावस्था के दौरान तथा जन्म के समय के आसपास ऐसी बहुत सी चीजें घटित होती हैं जो कि मस्तिष्क के सामान्य विकास को बाधित कर सकती हैं और जिनके फलस्वरूप सेरिब्रल पैल्सि हो सकती है। लगभग 70 प्रतिशत मामलों में मस्तिष्क को क्षति जन्म से पहले पहुँचती है, हालांकि यह प्रसव के समय के आसपास, या जीवन के पहले महीने या वर्ष में भी घटित होती है।

4. मिश्रित (Mixed Type)—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात में व्यक्ति के मस्तिष्कीय दृष्टिगोचर होते की तीव्रता के आधार पर इस प्रकार का वर्गीकरण किया जाता है। इस वर्गीकरण को निम्न शीर्षकों से अध्ययन किया जा सकता है—

NOTES

(1) अतिअल्प प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (Mild Careblal Palsy)—इस अवस्था में बालक में गामक क्रियाओं की अक्षमता से सम्बन्धित न्यूनतमि कठिनाईयाँ होती हैं। इस अवस्था में विकलांगता न्यूनतम होती है फिर भी अधिगम संबंध समस्याओं का सामाना करना पड़ता है।

(2) अल्प प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (Moderate Carebral Palsy)—इस स्थिति में बालक में प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सेल्फी प्रयास स्पष्ट प्रकार से दिखाई पड़ते हैं। इस अवस्था में बालक को पुर्नवास सेवाओं तथा आवश्यक उपकरणों की सहायता से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

(3) गंभीर प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (Severe Cerebral Palsy)—इस अवस्था में बालक प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की समस्या से पूर्व रूप से ग्रसित होता है। बालक में अपने सामान्य तथा दैनिक कार्यो के लिए भी हमेशा दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। इस स्थिति में बालक पूर्व रूप से अपनी शारीरिक क्रियाओं तथा गामक क्षमताओं के विकास में असमर्थ होता है।

सेरिब्रल पैल्सि का उपचार—स्वास्थ्यकर्ता पेशेवरों की एक टीम बच्चे एवं परिवार के साथ बच्चे की आवश्यकता की पहचान करने के लिए काम करती है। इस टीम में बालराग विशषेज्ञ, भौतिक मेडिसिल और पुनर्वास चिकित्सक, आर्िीपीडिक, सर्जन्स, फिजिकल एवं अक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, नेत्ररोग विशेषज्ञ वक्तृत्व/भाषा पैथोलॉजिस्ट तथा सामाजिक कार्यकर्ता एवं मनोवैज्ञानिक शामिल हो सकते हैं।

बच्चे के निदान के शीघ्र बाद भौतिक चिकित्सा शुरू होती है। इसके प्रेरक पेशी कौशलों (जैसे कि बैठना एवं चलना) में वृद्धि होती है मांपेशी की ताकत बेहतर होती है और कांट्रैक्चर्स (जोड़ की गतिविधि को सीमित करने वाली मांसपेशियों का छोटा होना) को रोकने में सहायता मिलती है। कई बार कांट्रैक्चर्स की रोकने में सहायता करने तथा हाथों एवं टांगों के प्रकार्य को बेहतर बनाने के लिए उपचार के साथ-साथ ब्रेसेस, स्पिंलट्स या कस्ट्स को प्रयोग में लाया जाता है। अगर कांट्रैक्चर्स बहुत अधिक गंभीर हैं तो प्रभावित मांसपेशियों को बड़ा करने के लिए सर्ज न की सिफारित की जा सकती है।

NOTES

दवाओं का प्रयोग स्पास्टिसिटी को शांत करेन या असमान्य गतिविधि को कम करने के लिए किया जा सकता है। बदकिस्मती से मौखिक औषधि उपचार बहुत सहायक नहीं होता। कई बार सीधे स्पास्टिक मांसपेशियों में दवाओं का इंजेक्शन अधिक सहायक होता है, और इसका असर कई महीनों तक बना रह सकता है। सभी चारों अंगों को प्रभवित करने वाली मध्यम से लेकर तीव्र स्पास्टिसिटी वाले बच्चों में एक नये प्रकार का औषधि उपचानर संभावना संपन्न जान पड़ रहा है। शल्यक प्रक्रिया के दौरान त्वचा के नीचे एक पंप बैठा दिया जाता है जो कि एंटी-स्पाज्मोडिक औषधिक बैक्लोफेन की निरंतर आपूर्ति करती है।

दोनों टांगों को प्रभावित करने वाली स्पास्टिसिटी वाले कुछ बच्चों के लिए चुनिंदा पृष्ठीय रिजोटोमी बहुत संभव है कि स्पासिटसिटी को स्थायी रूप से कम कर दें तथा बैठने खड़े होने एवं चलने की क्षमता को बेहतर बना दें। इस प्रक्रिया में डाक्टर कुछ नर्व फाइबर्स को काट देते हैं जो कि स्पास्टिसिटी की सबसे बड़ी वजह होती है। यह प्रक्रिया प्राय: उस समय अपनायी जाती है जब बच्चा दो से छ: वर्ष के बीच कही उम्र का होता है।

अनुसंधान से पता चलता है कि सेरिब्रल पैल्सि की उत्पत्ति गर्भावस्था के शुरू में गलत कोशिका विकास से होती है। उदाहरण के लिए, अनुसंधानकर्ताओं के एक समूह ने हाल ही में पाया कि सेरेब्रल पैल्सि वाले एक तिहाई से अधिक बच्चों में कुछ हों पर दाँहों पर दंतवल्क गायब (एनामेल) था। वैज्ञानिक इसवेह अतिरिक्त अन्य घटनाओं, जैसे कि मस्तिष्क में रक्त स्त्राव, दोरों और सांस तथा संचरण की समस्याओं का भी परीक्षण कर रहें हैं जोकि नवजात बच्चे के मस्तिष्क को खतरे में डालती है। कुछ जाँचकर्ता यह जानने के लिए अध्ययन आयोजित कर रहे हैं कि क्या कुछ दवाइयाँ नवजात शिशु के दौरे को रोकने में सहायता कर सकती हैं तथा अन्य अनुसंधानकर्ता जन्म के समय कम वजन के कारणों का परीक्षण कर रहे हैं। अन्य वैज्ञानिक इस बात का पता लगा रहे हैं कि किस प्रकार से मस्तिष्क की चोटें (जैसे कि ऑक्सीजन या रक्त प्रवाह की कमी से मस्तिष्क की क्षति, मस्तिष्क में रक्तस्त्राव और दौरे) मस्तिष्क के रसायनों के असामान्य स्त्राव का कारण बनकर मस्तिष्क की बीमारी उत्पन्न कर सकती हैं।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के कार्यात्मक मूल्यांकन में आने वाली कठिनाईयों तथा जोड़ों की गति में असमानताएँ

प्रतिस्तष्कीय पक्षाघात वाले बच्चे का जब हम कार्यात्मक मूल्यांकन करते हैं तो बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, बहुत समस्याऐं उत्पन्न होती है—

NOTES

(5) पेशीय जटिलताएँ (Musculor)

(1) पेशीय अवकुंचन

(5) अस्थीय जटिलताएं (Bony)

(1) अस्थि विस्थापना (Bony Dislocation)

(2) हड्डी गलना (Osteoporosis)

(3) हड्डी टूटना (Bony Fracture)

(4) हड्डी एवं मेरूदण्ड का टेड़ा हो जाना (Kyphodocoliosis)

(5) अन्य जटिलताएँ

(1) दर्द एवं पीड़ा होना

(2) कुपोषण (Malnutrition)

(3) अतिपोषण (Over Nutrition)

(4) अल्प पोषण (Under nutrition)

(5) छाती की बीमारियाँ

जोड़ों की गति में असमानताएँ—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले जब बच्चे की जाँच की जाती है तो उनवेह जोड़ों की गति में निम्नलिखित असमानताएँ पायी जाती हैं—

शरीर में प्रभातिव भाग जैसे (हाथ या पाँव) मं अनेक प्रकार के जोड़ों की गति में प्रेरक क्रियात्मक असमानताएँ (Motor Impairments) पायी जाती हैं—

(1) संस्तभंता

(2) अकड़न

(3) दुस्तानता

(4) वलन

(5) लास्य

(6) गति विभ्रम

(7) कम्पन

(8) बैलिस्मस

(9) अल्पतन्यता

(10) मिश्रित

जब प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले बालकों में जोड़ों की गति में असमानताएँ केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क एवं मेरूरज्जु) की कोशिकाओं से उत्पन्न विद्युत पैदा होती हैं इसी तंत्र में कमी अथवा अवरोध होने में जोड़ों की गति में असमानताएँ उत्पन्न होती हैं।

प्रमस्तिकीय पक्षाघात बच्चों के सम्प्रेषण का प्राविधान एवं चिकित्सीय हस्ताक्षेप—

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात का निदान अधिकांशता इस दशा में लक्षणों के आधार पर किया जा सकता है। अतः सिर का सिटी स्कैन या एम.आर.आई. जैसे परिक्षणों की कोई खास जरूरत नहीं पड़ती है।

आनुवांशिक बीमारियों के परीक्षण भी प्रायः इलाज में जरूरी नहीं होते, लेकिन कुछ मेटाबोलिक रोगों का इलाज हो सकता है। अतः अनुभवी विशेषज्ञ से परीक्षण करवा कर बच्चे व माँ के रक्त की जाँच की जा सकती है।

एक और बच्चे को जन्म देने की इच्छा रखने वाले अभिभावकों के लिए टार्च टैस्ट (TORCH TEST) करवाना बहुत ही आवश्यक होता है।

उपचार के निम्नलिखित तरीकों को इनके लिये क्रमानुसार ही प्रयोग में लाया जाना चाहिए—

(1) ब्रेन टॉनिक (Brain Tonic) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की जानकारी होते ही यह दवा दिमाग क्षति के तुरन्त बाद वालू करना चाहिए तथा लगभग 01 वर्ष तक देनी चाहिए।

(2) चिकित्सीय व्यायाम (Therapeutic Exercise) इस अभ्यास से प्रायः शारीरिक ताकत और संतुलन को बढ़ाया जाता है। साथ ही स्वास्टीसिटी को भी कम किया जा सकता है। इस चिकित्सा को सी.पी. में एक विशेष विधि से करना पड़ता है। इसे स्नायु विकास चिकित्सा कहते हैं। इस विधि में तंत्रिका तंत्र को वाह्य विभिन्न प्रकार के स्वम्दनों के द्वारा जागृति एवं विकसित किया जाता है, इसे स्नायु संवेदन नामक चिकित्सा भी कहते हैं।

(i) भौतिक चिकित्सा .... बच्चों के शारीरिक विकास का मूल .... सामान्यता इस चिकित्या के माध्यम से व्यक्ति में एक जगह से दूसरी जगह जाने की क्षमता लाना होता है। इसके अलावा स्थिर अवस्था के विभिन्न भी सुधारा जाता है, जैसे बैठना आदि।

(ii) व्यवसायिक चिकित्सा–सामान्यता व्यवसायिक चिकित्सा हाथों के कार्मो में सुधार हेतु की जाती है। पेशियों के अत्यधिक तनाव (स्पास्टीसिटी) को तंत्रिका रोधक सुई अथवा शल्य चिकित्सा के द्वारा सही समय पर कम कर देने से भौतिक तथा व्यवसायिक चिकित्सा ज्यादा लाभकारी हो सकती है।

यह अवस्था स्थिति बच्चे में सुधार की सम्भावना को कम कर देती है। ऐसी दशा हमारी जागरूकता में कमी, अंधविश्वास तथा अपूर्ण उपचार के कारण बच्चे की स्थिति बिगड़ती जाती है।

प्रमस्तष्कीय पक्षाघात वाले बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल तथा घर के कृत्रिम वातावरण

सामान्य बालक के समान प्रमस्तष्कीय पक्षाघात बालक के लिए भी अच्छी बातों तथा आदतों को सीखना उसके आपसी जलीवन की सफलता के लिए बहुत जरूरी है। कियी बच्चें की शिक्षा की बाता सोचते ही, हम स्कूल के बारे में सोचते हैं किन्तु ऐसे कई क्षमताएँ है जिन्हें बच्चा घर पर अपनी माँ तथा परिवार के अन्य सदस्यों से सीख सकता है। यह सीखना वह स्कूल जाने से पूर्व ही कर लेता है। घर ही मनुष्य की प्रथम पाठशाला है।

इसलिए जो बच्चा प्रमस्तष्कीय पक्षाघात से ग्रस्त है और विद्यालय नहीं जा सकता घर पर रहकर बहुत सी बातें सीख सकता है।

कृत्रिम वातावरण के रूप में हम निम्नलिखित क्रियाकलापों का तैयार करते है।

(1) नित्य क्रिया तथा शिक्षा

(2) शारीरिक और कार्यकारी विकास

(3) स्वास्थ्य सम्बन्धी

(4) कपड़ों के नाम कपड़ों की पहचान

(5) रंगों का नाम व पहवान

(6) बर्तनों का उपयोग तथा पहचान

(7) विभिन्न प्रकार के भोजन की पहचान

(8) पैसे व रुपये की पहचान

(9) सामाजिक व्यवहार की ज्ञान

इस प्रकार के बच्चों के लिए शिक्षा के उद्देश्य के निहितार्थ बहुत समस्त बातों की जानना चाहिए जैसे–

(1) सामान्य शिक्षा

(2) व्यवसायिक प्रशिक्षण

(3) अवकास के समय का सदपयोग

(4) विकल अंगों के अलावा अन्य अंगों का विकास

(5) उपचार सुविधा

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के प्रबंधन हेतु व्यक्तियों रणनीतियाँ एवं पाठ्यक्रम
(Management of Cerebral Palsy)–

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात एक प्रकार की कि स्नायुविक विकृति है जो बालक की गामक क्रियाओं को प्रतिकूल रूप में प्रभावित करती है। इन बालकों की जन्म की प्रारम्भिक वर्षो में पहचान करके शीघ्र ही हस्तक्षेप करना आवश्यक होता है क्योंकि बड़ा होने का इस विकार का उपचार मुश्किल है। इस समस्या से पीड़ित बालकों के प्रबंधन के लिए निम्न उपाय किये जर सकते हैं–

(1) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात में गामक क्रियाओं की अक्षमता के कारण बालक को हर समस दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। अतः उसकली पूर्ण रूप से देख–रेख के लिए उसके माता–पिता व किसी अन्य पारिवारिक सदस्य को ही नियुक्ति करना चाहिए।

(2) इस विकार के शुरूआती चरणों के चिकित्सकों की सहायता लेकर समयानुसार औषधि देनी चाहिए।

(3) इस विकार से ग्रसित बालकों को नियमित रूप से व्यायाम तथा साधारण क्रिया कलाप करने चाहिए।

(4) ऐसे बालक मानसिक मन्द बच्चों की तरह ही होते हैं। इस कारण से किसी प्रशिक्षित एवं दक्ष व्यक्ति से ही उनके समायोजन में सहायता लेनी चाहिए।

(5) समाज के इन बच्चों को सम्मान दिया जाना चाहिए ताकि वह हीनता की भावना के शिकार होने से बच जायें।

NOTES

(6) इन बालकों को भौतिक चिकित्सा से जुड़ी विभिन्न थेरेरियों की सहायता से सक्रिय व्यायाम करना चाहिए।

(7) ऐसे बालकों को उचित परामर्श के लिए नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की सलाह लेनी चाहिए।

(8) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से पीड़ित बालक में गामक संबंधी अक्षमता होती है परिणाम स्वरूप बैठने एवं चलने-फिरने के लिए सहायक उपकरण जैसे कैलीपर या परिमार्जित कुर्सी की व्यवस्था करनी चाहिए।

(9) इन बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षित अध्यापक तथा बच्चों की योग्यता के अनुसार पाठ्यक्रम की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(10) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात विकार के ग्रसित बालकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करके विशेष रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि समाज में उनका उचित समायोजन हो सके।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले बालकों के लिए पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियाँ (Curriculum ofr Cerebral Palsy Affected children)—प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से ग्रस्ति बच्चा प्राय: कई अन्य अक्षमताओं से युक्त होता है। इस कारण उनको शिक्षित करना एक कठिन कार्य है। इस बच्चों के लिए विशेष शिक्षा के साथ-साथ विशेष सामग्री की आवश्यकता होती है। इस विकार से ग्रस्ति बालकों को अधिगम प्रदान करने के लिए निम्न प्रकार का पाठ्यक्रम तथा अक्षमता शिक्षण विधियों का प्रयोग करना चाहिए—

(1) इन बालकों के लिए वैयक्तिक शिक्षा कार्यक्रम (IEP) तैयारी किया जाना चाहिए।

पोलियो (Poliomyelities)—

पोलियों एक वायरस जनित रोग है। यह अक्षमता पोलियों वायरस संक्रमण होने के कारण होती है। यह वायरस बालक की रीड़ की हड्छी की एन्टीरियर हॉर्न सेल को क्षति पहुँचाता है, जिसके फलस्वरूप यह रोग फैलता है। सर्दी जुकाम एवं

NOTES

दस्त से पीड़ित बालकों में पोलियों वायरस के संक्रमण अधिक होती है। विकार जन्म से पहले 5 वर्षो तक ही होता है। पोलियों के अधिकांश के छः माह से 24 माह की अवस्था में होती हैं। इस बालक की प्रतिकूल असर बालक के शरीर की गति को नियंत्रित करने वाली कोशिकाओं पर पड़ता है।

पोलियों की तिमाही अस्वस्थता तथा गन्दे वातावरण के कारण होता है। यह वायरस गन्दी जगह पनपता है। तथा खान-पान की साम्रगी से बालक तक पहुँच जाता है। जहाँ शौचालय की कमी होती है। यह विकास विषाक्त व दूषित भोजन एवं अस्वस्थ पानी पीने से फैलता है। गन्दे स्थानों पर पाली जाने वाली मुधुमक्खियाँ इस वायर की मुख्य वाहन होती है पोलियों के वायरस खाँसी एवं छींके के सहारे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँच जाते हैं। पोलियों वायरय के कारण बालक की रीढ़ की हड्डी (स्पाईना कार्ड) की एन्टीरियर हॉर्न सेल क्षतिग्रसत हो जाती है। इस बीमारी के कारण बालक शरीर का निचना हिस्सा शिथिल होकर काम करना बन्द कर देता है। पोलियों के मुख्यत: तीन वायरस होते हैं—

(1) लियौन, (2) लैंसिग, (3) ब्रान्शाइड।

पोलियो को साधारण भाषा में लकवा भी कहा जाता है। पोलियो के वायरस से निम्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती हैं—

(1) पोलियो से शरीर के अंगों का समुचित विकास नहीं हो पाता है जिस कारण से शिथिल तथा गतिहीन हो जाते हैं।

(2) इस वायरस के कारण माँसपेशियों सिकुड़ जाती है। इससे जोड़ों में संकुचन हो जाता है।

(3) पोलियो के कारण मेरूदण्ड में टेढ़ापन आ जाता है।

(4) पोलियो वायरस का असर व्यक्ति के मस्तिष्क तथा श्वसन प्रक्रिया पर भी पड़ता है।

(5) पोलियों के कारण माँसपेशियों सूख जाती हैं जिसके परिणाम शरीर के अंगों के जोड़ अपने स्थान से खिसक जाते हैं।

1.6.1 पोलियों के बचाव—पोलिया वायरस बालक के जन्म की प्रारंभिक वर्षो में ही शरीर पर आक्रमण करता है। यह बालक की प्रतिरोधक क्षमता पर प्रतिवूल प्रभाव डालता है। पोलियों की बीमारी से बचने के लिए निम्न उपाय किये जाते हैं—

NOTES

(1) जन्म के समय ही बालक को पोलियो की खुराक पिलायें।

(2) नियमित रूप से बालक का टीकाकरण करवायें।

(3) स्वस्थ्य एवं पोषित भोजन-पानी का प्रयोग करें।

(4) अपने आस-पड़ोस के वातावरण को साफ-सुथरा तथा गंदगी मुक्त रखें।

(5) बालक को नियमित रूप से स्तनपान करवायें।

(6) व्यक्तिगत सफाई पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भोजन से पहले साबुन का इस्तेमाल कर हाथों की अच्छी तरह से धोना चाहिए।

(7) सर्दी, खाँसी तथा जुकाम में पोलियों वायरस के संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। अतः ऐसी दशा में बालक का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

(8) घर में मल-मूत्र का सही प्रबंधन होना चाहिए क्योंकि प्रायः पोलियों के वायरय पोलियोग्रस्त बालक के मल से ही उत्पन्न होते हैं।

(9) पोलियों की रोकथाम के लिए जन संचार साधनों का द्वारा प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

जन्मजात विकृति (Congential Anamolies)—गामक सेब्बी अक्षमता जन्मजात एवं जन्म के बाद भी हो सकती है। बालक के जन्म के साथ सम्बन्धित कुछ गामक अक्षमतायें निम्न हैं—

(1) जेनु बेलगम—इस विकार में बच्चे के दोनों घुटने आपस में बिलकुल सटे हुए होते हैं।

(2) सी.टी.वी. (Congentital Telepes equino varys)—इस विकृति में बालक के पैर अन्दर की ओर मुड़े हुए होते हैं।

(3) जेनु रिकवैटम—इस दोष के कारण बालक के पैर खड़ा होने के स्थिति में घुटने पीछे की ओर धंसे हुए होते हैं।

(4) जेनु वेरस —इस विकार में दोनों घुटनों के मध्य अत्यधिक अन्तर पाया जाता है।

(5) मस्कुलर टॉर्टिकोलिस—इस दोष के बालक की गर्दन एक ओर झुकी रहती है। यह लगातार हिलती रहती है। लेकिन दूसरी ओर घुमने में असमर्थ होती है।

NOTES

(6) बालक की जन्मजात विकृतियों में रीढ़ की हड्डी से जुड़ी हुई समस्यायें भी होती हैं। हड्डी में यह टेढ़ापन वंशागम भी होता है। जन्मजात विकृतियों से बचने के लिए गर्भावस्था के दौरान महिनला को मादक पदार्थो का सेवन नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान चिकित्सक की सलाह के बिना किसी प्रकार की अनावश्यक दवाईयाँ नहीं लेनी चाहिए। गर्भ में पल रहे शिशु का नियमित रूप से चैक-अपन होना चाहिए। कभी-कभार ऐसे भ्रूण के हाथ-पैर गायब रहते हैं या फिर अन्दर की तरफ रहते हैं। ऐसे बालक का इलाज विशेषज्ञों कर राय के अनुसार तुरन्त करवाना चाहिए। कई बार गर्भपात करवाने पर भी ऐसी विकृतियाँ आ जाती है। अत: गर्भपात हमेशा चिकित्सक की सहायता से ही करवाना चाहिए।

(4) स्पाइना बाइफिडा (Spina Bitida)—यक एक जन्मजात विकृति है जिसे मेरूदण्ड द्विशाखी भी कहा जाता है। इस दोष के कारण रीढ़ की हड्डी में समस्या पाई जाती है। इस विकार में बालक का जन्म परिपक्व अवस्था में ही हो जाता है जिसके कारण उसका मेरूरज्जु उपर से बन्द नहीं हो पाता है तथा मेरूरज्जू का मुलायम क्षेत्र असुरक्षित रूप में ऐसे ही जुड़ जाता है। यह खुजा भाग एक थैले के रूप में उभर जाता है जिस पर हल्का सा भी आघात लगने पर बालक लकवा गस्त हो जाता है।

स्पाइना बायफिडा बीमारी में जन्म के समय बालक के पेट में सूजन होती है। इन बालकों के जन्म से ही पैर कमजोर होते हैं। इस विकार में चोट इत्यादि के कारण इनकी हड्डियाँ अपने मूल स्थान से थोड़ी अलग हो जाती है जिससे उन्हें चलने-फिरने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उपरोक्त कारणों से बालक की गामक क्षमता का विकास अवरूद्ध हो जाता है जो गामक अक्षमता को दर्शाता है। इस विकाार की पहचान होते ही अतिशीघ्र चिकित्सकीय सलाह लेकर कराना चाहिए।

कुष्ठ रोग युक्त व्यक्ति (Leprosy Used Person)—कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति की संवेदनशील समाप्त हो जाती है। यह एक श्वसन तन्त्रीय संक्रमण रोग है जो मइड्रो बैक्टीरियम सेप्राई नामक जीवाणु से फैलता है। यह रोग विशेष रूप से त्वचा तथा स्नायु को प्रभावित करता है लेकिन इसके सम्पर्क में आने से माँसपेशियों एवं हड्डियों में विकार हो जाता है। कुष्ठ रोग भारत में एक सामाजिक समस्या में देखा जाता है। कुष्ठ रोग मुख्यत: पोषण की कमी तथा अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों में रहने वाले लोगों को होता है। यह समाज में आम धारण बन गई है कि कुष्ठ रोगी के सम्पर्क में आने वाला हर व्यक्ति इस रोग से ग्रस्ति हो जायेगा। इस कारण समाज में इन लोगों के साथ छुआ-छूत की भावना के रूप में अलग रखा जाता है।

कुष्ठ रोग के जीवाणु की पहचान सर्वप्रथम 1873 में हैरमर हैंसन ने की थी। इस रोग का उपचार 1940 में आते-आते सम्भव हुआ। कुष्ठ रोग के कारण व्यक्ति में शारीरिक विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं जिसके कारण इस बीमारी को शारीरिक अक्षमता के अन्तगर्त रखा गया है।

NOTES

नि:शक्त अधिनियम 1995 के अनुसार कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति को निम्नलिखित समस्यायें होती हैं—

(1) हाथ एवं पैर की संवेदनशीलता में कमी।

(2) शरीर के किसी मुख्य भाग में आंशिक पक्षाघात।

(3) आँखों में विकृति तथा पुतली में संवदेन शून्यता।

इन रोग के निम्नलिखित मुख्य लक्षण हैं—

(1) चेहरे और त्वचा पर विशेष प्रकार के धब्बों का उभरना।

(2) इन धब्बों के कारण खुजली तथा जलन तो नहीं होती। किन्तु उस स्थान पर परामर्श बोध पूर्णरूप से समाप्त हो जाता है।

(3) इस रोग के कारण हाथ-पैरों में विकृति आ जाती है तथा कमजोर होने के कारण उनके पैर आगे की ओर झुक जाते हैं।

(4) इस रोग के प्रभाव के कारण व्यक्ति की नसें मोटी हो जाती है और सूजने के कारण उनमें दर्द का अनुभव होता है।

(5) इस विकार के कारण व्यक्ति की त्वचा का रंग लालिमा युक्त हो जाता है।

(6) कुष्ठ रोगियों की भौंह समाप्त हो जाती है तथा नथुना विकृत हो जाता है।

कुष्ठ रोग की पहवान और इलाज (Identification And Treatment Leprosy)—कुष्ठ रोग की पहचान होने पर इसका शीघ्र ही इलाज कराना आवश्यक है। इस रोग की पहचान करने के लिए बच्चों की जाँच करवानी चाहिए। शरीर के किसी भी भाग पर कोई धब्बा हो जाता है तो उस पर निगानी रखनी चाहिए। धब्बे वाले स्थानों पर सुई से हल्के से चुभाकर देखना चाहिए कि स्पर्श बोध कम तो नहीं हो रहा है। बालक की अँगुलियों में ऐंठन या सिकुड़न होने पर भी कुष्ठ रोग की पहचान की जा सकती है। इसके लिए बालक को छोटी अंगुली अथवा कनिष्ठा से उसी हाथ के अंगूठे को छूने को कहा जाना चाहिए। इस रोग क कारण बालक की माँसपेशियों कमजोर हो जाती हैं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है।

कुष्ठ रोग की शीघ्र ही पहचान कर उसका इलाज करना अत्यन्त आवश्यक है। इस बीमारी के उपचार के लिए निम्न उपाय किये जा सकते हैं—

(1) इस रोग की नैदानिक जाँच के सर्वप्रथम धब्बे के स्थान पर एक छोटा चीरा लगाकर उस संक्रमण का परीक्षण करना चाहिए।

(2) रोगी को चिकित्सकीय सलाह अनुसार जीवाणु निरोधक उपचार दिया जाना चाहिए।

(3) रोगी को कुष्ठ रोग विशेषज्ञ की सलाह अनुसार मलटीड्रग थैरेपी की दवाईयों का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए।

(4) शल्य चिकित्सा प्लास्टिक सर्जरी की सहायता से भी इस रोग की गम्भीरता को समाप्त किया जाता है।

(5) कुष्ठ रोग की दवाईयाँ राष्ट्रीय कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम के अन्तगर्त नि:शुल्क वितरण की जाती है।

(6) विभिन्न अंगों के जोड़ों के संचालन के लिए नियमित व्यायाम किया जाना चाहिए।

(7) शरीर के किसी भी भाग पर चोट लगने पर शीघ्र ही प्रतिरोधी मरहम का प्रयोग करना चाहिए।

(8) इस रोग के संक्रमण को आगे फैलने से बचने के लिए शरीर के उस हिस्से को ढक कर रखना चाहिए।

कुष्ठ रोग के बचाव (Prevention of Leoprosy)—कुष्ठ रोग इलाज के पहले उसके बचाव के उपाय ढूँढ़ने चाहिए। इस रोग से बचने के लिए निम्न सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) रोग की पहचान होने पर शीघ्र हो चिकित्सक से मिलें।

(2) कुष्ठ रोग से सम्बन्धित गलत सामाजिक धारणाओं को दूर करने का प्रयास करें।

(3) शुरूआती लक्षण दिखने पर उचित दवाइयों का सेवन करें।

(4) कुष्ठ रोग एक ठीक होने वाला रोग है। इसका सन्देश जन-जन तक पहुँचायें।

(5) विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर इस रोग की जाँच संबंधी शिवरों का आयोजन करना चाहिए।

(6) इस रोग के सम्बन्धित सही जानकारी को जागरूकता के रूप में फैलाना चाहिए।

NOTES

कुष्ठ रोग युक्त व्यक्ति का पुनर्वासन (Rehibilitation of Leprosy Cured Person)—रोग लाइलाज नहीं है। लेकिन इस रोग के उपचार होने के बाद भी शरीर पर कई तरह के प्रभाव देखे जा सकते हैं। कुष्ठ रोग ठीक हो जाने के बाद भी व्यक्ति के शारीरिक अंगों में विकृति आ जाती है जिसके कारण उसकी गामक क्रियायें प्रभावित होती हैं। कुष्ठ रोगियों को अपना समाज हेय दृष्टि से देखता है। कुष्ठ रो ग युक्त व्यक्तियों की पहचान करके उनके पुनर्वास के लिए निम्नलिखित पहलुओं को मध्य नजर रखना चाहिए—

(1) कुष्ठ रोग के कारण बालक के अंगों में विकृति आ जाती है। परिणाम उन्हें दैपिक कार्यो को सम्पन्न करने में परेशानी होती है। इसके लिए ऐसे बालकों को शरीर के अंगों की सहायता से दैनिक कार्य करने का प्रशिक्षण देना चाहिए।

(2) शारीरिक दोष के कारण इस बालकों के हाथ या पैर में परेशानी आ जाती है इसलिए गामक क्रियाओं के संचालन के लिए सहायक उपकरणों की व्यवस्था करनी चाहिए।

(3) ऐसे बालकों की माँसपेशियों में सृजन आ जाती है जिससे उनके जोड़ों में दर्द रहने लगता है। इन बालकों के गति विस्तार को सामान्य बनाने के लिए भौतिक चिकित्सक की सहाया से व्यायाम करवाना चाहिए।

(4) इन बालकों को भविष्य में आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर समाज की मुख्यधारा में लाने के प्रयास करना चाहिए।

(5) कुष्ठ रोग युक्त व्यक्तियों को उनवेह पारिवारिक जीवन यापन के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए।

(6) इन व्यक्तियों को समाज में प्राय: घृणा की दृष्टि से देखा जाता है इसके लिए सर्वप्रथम हमें सामाजिक सोच को बदलना होगा। कुष्ठ रोग के बारे में समाज में फैली भ्रान्ति को विभिन्न संचार-साधनों की सहायता से मिटाना होगा ताकि इन लोगों का सामायोजन हो सके।

चोट के कारण विकृति (Disorder Due To Injury)— दुर्घटना एवं चोट के कारण भी शरीर के गामक अंगों में विकृति आ जाती है। मस्तिष्क तथा

मेरूदण्ड पर चोट लगने से गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं। सर्वाकल क्षेत्र में चोट के लगने से विशेष रूप से हाथ की नसें प्रभावित होती है। इससे हाथ सुन्न हो जाता है और इसके कार्य करने की क्षमता में कमी आ जाती है। मानव शरीर की मुख्य हड्डर मेरूदण्ड पर चोट लग जाने से कई बार व्यक्ति का शौच तथा पेशाब पर भी अपना नियंत्रण नहीं रह जाता है। इस प्रकार की चोट लगने से गंभीर विकृतियाँ का सामना करना पड़ता है। कई बार तो अंग-भंग की स्थिति भी आ जाती है। जिससे व्यक्ति के दैनिक कार्यकलापों का संचालन पूर्ण रूप से प्रभावित हो जाता है।

चोट अथवा दुर्घटना बालक के जन्म के समय से लेकर जीवन के कभी भी हो सकती है। इस विकृति से बचने के लिए निम्न उपाय किये जा सकते हैं—

(1) प्रसव के दौरान शिशु के चोट न लगे इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए।

(2) छोटे बालक को सुई या किसी नुकीली वस्तुओं से न खेलने दें।

(3) प्रारंभिक वर्षो में बालक के गिरने एवं चोट लगने का ध्यान रखना चाहिए।

(4) छोटे बालक को ऐसे स्थान पर बैठायें या लिटायें जहाँ से नीचे गिरने की सम्भावना कम से कम हो।

(5) छोटे बालकों को किसी ऊँचे स्थान पर चढ़ने से रोकना चाहिए।

(6) किसी भी प्रकार की चोट तथा दुर्घटना से बचने के लिए विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

(7) चोट या किसी प्रकार का आघात लगने पर शीघ्र चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

(8) बच्चों को हड्डी की मजबूती के लिए पोष्टिक आहार देना चाहिए।

माँसपेशियाँ क्षरण (Muscular Dystrophy)—माँसपेशियों क्षरण भी व्यक्ति की गतिशीलता को प्रभावित करती है। यह एक वंशानुगम बीमारी है। माना जाता है कि इस बीमारी का असर सात पीढ़ियों तक होता है। इस दोष में बालक का जन्म तो सामान्य होता है परन्तु जन्म के तीन वर्ष बाद उसकी माँसपेशियों में विकृत आना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे-तैसे बालक बड़ा होता है उसके शरीर का लचीलापन कम होता जाता है। इस कारण कई बार हड्डियाँ के टूटने से भी शारीरिक समस्यायें आ जाती हैं। इस विकृति के कारण बाल चलने-फिरने में भी असमर्थ हो जाता है।

माँसपेशियों क्षरण विकार में उम्र बढ़ने के साथ-साथ इस बीमारी की गंभीरता भी नियमित रूप से बढ़ती जाती है। हालांकि इस बीमारी का अभी तक कोई उपचार हो नहीं सका है फिर भी इसके रोकथाम के लिए निम्न सावधानियाँ का प्रयोग किया जा सकता है—

NOTES

(1) यह एक आनुवांशिक बीमारी है अत: आगे आने वाली पीढ़ी में इसका हस्तान्तरण न हो सके इसके लिए उचित कदम उठाये जाने चाहिए।

(2) महिलाओं को गर्भ धारण करते ही चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

(3) इस बीमारी से समाज को जागरूक करने के लिए जनचेतना शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए।

(4) इस विकृति के आरंभिक लक्ष्यों के पता चलते ही चिकित्सक से परामर्श लिया जाये तो समस्या पर कुछ मात्रा तक काबू पाया जा सकता है।

अविकसित अंग (Undeveloped Organs)

यह भी एक जन्मजात विकार है कुछ बालकों में जन्म के समय से ही कुछ अंग गायक होते हैं या फिर उनका पूर्ण रूप से विकास नहीं हो पाता है। इस बीमारी को कोक्रोमोलिया के नाम से भी जाना जाता है। इस विकृति में व्यक्ति की शारीरिक क्रियाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तथा अविकसित अंगों के कारण हैं जिनमें से कुछ कारण कुपोषण हैं।

शरीर के अंगों के समुचित विकास के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं—

(1) गर्भावस्था में माँ को सन्तुलित एवं पौष्टिक आहार देना चाहिए।

(2) गर्भावस्था में बालक के विकास की जानकारी पता करने के लिए नियमित जाँच करवायें।

(3) गर्भावस्था के दौरान आवश्यक टीकाकरण करवाना।

(4) गर्भावस्था में अन्य किसी प्रकार के संक्रमण से बचना चाहिए तथा किसी प्रकार की समस्या आने पर तुरन्त चिकित्सकीय सलाह लें।

(5) चिकित्सक की परामर्श के बगैर गर्भावस्था में किसी भी प्रकार की औषधि का सेवन नहीं करना चाहिए।

(6) गर्भावस्था के पूर्ण होने पर प्रसव विशेषज्ञ से ही करवाना चाहिए।

अस्वस्थ विकलांग बालक (Unhealthy Handicapped Children)—अस्वस्थ विकलांग बालक के बालक होते हैं जो शारीरिक अस्वस्थता तथा शक्तिहीनता के कारण पढ़ाई में अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं तथा जिनके लिए स्कूल में विशेष स्वस्थ सेवा की व्यवस्था करना आवश्यक होती हैं मिर्गी (epilepsy), तपैदिक, (tuberculosis), हृदय रोग (cardiac anomalies), सूखा रोग (berry, berry) श्वास रोग (asthama), रक्त-अल्पता (anamia) आदि रोगों से ग्रस्ति बालक इस वर्ग में शामिल किये हैं।

ये बालक सदैव अस्वस्थ रहने के कारण चिड़चिड़े च दुर्बल हो जाते हैं। समय पर उपचार न होने पर इन रोगों को दूसरों में फैलने का भय भी बना रहता है। उनका शारीरिक विकास रुक जाता है तथा वे शारीरिक श्रम नहीं कर पाते हैं। शीघ्र होने वाली शारीरिक तथा मानसिक थकान के कारण वे अपना ध्यान पढ़ाई में केन्द्रित नहीं कर पाते हैं।

विद्यालय में ऐसे बालकों को सदैव अन्य बालकों के साथ सामाजिक कार्य, खेलकूद आदि में उनकी शारारिक व मानसिक क्षमता के अनुसरर भाग लेने के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए। उचित स्वास्थ्य सेवा व देखरेख में बालक को स्वतंत्र वातावरण में कार्य करने का अवसर देने से स्वास्थ्य लाभ व आत्म-निर्भरता का विकास शीघ्र ही हो सकता। इसके अतिरिक्त उनके लिए सन्तुलित भोजन व्यायाम आदि की भी व्यवस्था घर तथा विद्यालय में होनी चाहिए।

मिरगी (Epilepsy)—हमारे शरीर का नियंत्रणकर्ता हमारा मस्तिष्क (दिमाग) है। यह मस्तिष्क ही दिमाग को चलाता है। इस मस्तिष्क को कभी-कभी सामान्य सा आघात लग जाता है। तो यह अपना सामान्य कार्य करना बन्द कर देता है, इससे सम्पूर्ण शरीर का सन्तुलन बिगड़ जाता है। इस अवस्था को मिरगी या (अपस्मार) कहते हैं। मिरगी सेरीब्रल पालसी से पीड़ित बच्चों में अधिकतर पायी जाती है। क्योंकि यह बच्चे अपने मस्तिष्क में किसी न किसी प्रकार से आघात सहे होते हैं।

मिरगी के प्रकार—मिरगी के दौर तीन प्रकार के होते हैं—(1) सामान्य दौरा (General convulsion), (2) आंशिक दौरा (Partial fits), (3) खुदरा दौरा (Petitmal fits)।

(1) सामान्य दौरा—इस दौरे में रोगी के सम्पूर्ण शरीर पर असर पड़ता है। रोगी अगर खड़ा या बैठा होता है तो दौरा पड़ने पर गिर पड़ता है। कभी-कभी बेहोश भी हो जाता है। रोगी का पूरा शरीर खिंचकर हिलने लगता है, आँखें उपर चढ़ जाती हैं। दाँत भिंच जाते हैं और मुँह से झाग निकलने लगता हैं, रोगी का अपने शरीर पर नियंत्रण नहीं रहता, पेशाब लगने पर वह पैंट में ही पेशाब कर देता है।

NOTES

आप सामान्य दौर की अवस्था में क्या करें ?

- दौरा पड़ने पर रोगी के कपड़े ढीले कर दें अगर वह चश्मा पहनता है तो चश्मा उतार दें। रोगी के सिर के नीचे तकिया रखें या उसका सिर गोद में रख लें, उसे एक तरफ पलट लें। उसका सिर नीचे की ओर कर दें ताकि उसके मुँह से लार बाहर निकल जावं

- उसे पास पड़ी नुकीली चीजों से दूर रखें ताकि उसे किसी से चोट न लगे।

सामान्यतः दौरे में सावधानी की बातें

- रोगी के शरीर के झटके को रोके नहीं

- रोगी के मुँह में अपनी उँगली, किसी भी चाबी का अंश या कलम के नुकीले भाग को न डालें।

- रोगो को मुँह द्वारा कोई दव न दें।

- रोगी को कुछ भी पीने के लिए न दें और न ही उस पर पानी का छिड़काव करें

डाक्टरी सहायता

- पहली बार जब दौरा पड़े।

- पाँच मिनट से अधिक समय तक दौरा रहे।

- दौरा आने से पहले रोगी को फिर से दौरा पड़ जाये।

- यदि रोगी दौरा पड़ने के 15 मिनट बाद तक होश न नहीं आता।

- यदि रोगी को अधिक तथा गहरी चोट लगी है और आप स्वयं उपचार नहीं कर सकते।

- पड़ने पर दौरान उसे गहरी चोट लगी है रोगी दौरा पड़ने के बाद अक्सर गहरी नींद में सो जाता है। वह सो रहा है या अचेत व्यवस्था में हैं इस बात का पता लगाने के लिए उसे चिूमटी काटने पर अगर वह सो रहा है तो वह चौंकेगा।

(2) आंशिक दौरा—आंशिक दौरे कई प्रकार के होते हैं। इनका प्रकार मस्तिष्क के किस भाग में क्षति हुई हैं उस पर निभगर करता है। इस प्रकार का दौरा शरीर के किसी छोटे से हिस्से या अँगुली से आरम्भ होकर सम्पूर्ण शरीर में हो सकता है। कुछ झटके शरीर में शुरू होते ही पूरे शरीर में फैल सकते हैं। यह

NOTES

झटका वहीं समाप्त हो सकता है अधिक बढ़ जाने पर यह पूर्ण दौरे का रूप ले सकता है। ऐसे दौरे का उपचार भी उस प्रकार से करें जैसा कि पूर्ण दौर के लिए किया था।

(3) खुदरा दौरा–मस्तिष्क को हमारी चेतना से संबंधित भाग को आघात लगता है तब खुदरा दौरा पड़ता है। इस दौरे में अपनी चेतना कुछ क्षणों के लिए खो बैठता है लेकिन फिर होश में आ जाता है। कभी–कभी दौरा पहचानना भी मुश्किल होता है। जब बच्चा बेपरवाह एवं बेध्यान रहता है।

इस दौर की पहचान के लिए कुछ सूत्र

आँखों की पुतलियों का घूम जाना।

शरीर का कड़ा हो जाना।

पलकों को बार–बार झपकना।

शरीर के किसी भाग का झटकना या खिंचना।

यह चिन्ह देखेन में साधारण लगते हैं लेकिन फिर भी अपने डाक्टर की सलाह अवश्य लें।

छोटे बच्चों को ज्वर के समय पड़ने वाले दौर क्या होते हैं

बच्चे को ज्वर के समय अगर ज्वर के साथ दौरे पड़ते हैं तो किसी खास इलाज की आवश्यका है उम्र बढ़ने के साथ साथ यह स्वयं बंद हो जाते हैं। यदि बच्चे को दो से अधिक बार दौरा पड़े तथा दौरा 15 मिनट से अधिक तक रहे तो आप अपने डॉक्टर की सलाह लें।

कुछ ध्यान देने योग्य बातें

पहली बार बच्चे को दौरे पड़ने पर अपने डाक्टर से सलाह लें।

अपने स्नायु विशेषज्ञ (Neurologist) के द्वारा लिखित पर्चो के बिना दवा की खुराक को घटाना, बढ़ाना या रोकना नहीं चाहिए।

आपका बच्चा अगर मिरर्गी रोकने की दवा लेता है तो हर 06 मास के अन्तराल में खून की जाँच करवाइए।

आपके बच्चे के आसपास रहने वाले विद्यार्थी, अध्यापकगणों को उसके दौरे के विषय में जानकारी प्रदान करें जिससे कि समय पड़ने नप उसका उपचार हो सके। मिरगी के रोगी को कभी भी अकेले नहीं तैरने देना चाहिए।

विरूपित बालक सी-3 (Crippled Or Orthopaedically Handicapped Child)—कुछ विभिन्न अक्षम अंगों के कारण समाज में अपना समायोजन नहीं कर पाते हैं। यह आंगिक अक्षमता वाले जैसे—शारीरिक रूप से विकलांग विकृत हड्डियों वाले लूले-लँगड़े या विषमांग बालक, विरूपित बालक (cripped children) कहे जाते हैं। इन बालकों की शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिवर्द्धित एवं संशोधित विधियों को प्रयुक्त किया जाता है।

विरूपित बालक, औसत बालक की तुलना में शारीरिक सशक्तता में कम होते हैं। ये सामान्य रूपे से सम्पन्न हो सकते वाले कार्यो में बाधा का अनुभव करते हैं। इसके अतिरिक्त इस बालकों में कुपोषण, बीमारी, पक्षाघात (paralysis), यक्ष्मा (Leprosy), रक्ताल्पता (Anaemia), या अन्य शारीरिक असमानताओं के कारण अथवा सहजतः जीवन शक्ति मन्द होती है। इनके शिक्षण की व्यवस्था करते समय विशेष अपकरण तथा निर्देशन के अतिरिक्त अनुकूल संवेगाात्मक एवं भावात्मक पर्यावरण की भी आवश्यकता होती है। सामान्य रूप से विरूपित बालकों को दो वर्गो में रखा जा सकता है—

(1) पंगुता अथवा शारीरिक विकृति,

(2) रोगों के ग्रसित होने के कारण विकृति।

विरूपण के प्रकार एवं कारण (Types and Causes fo Crippledness)

(1) जन्मजात विरूपण (Congenital Anomalies)—कुछ बालुक तन्त्रिकाओं पेशियों व हड्डियों में दोष होने के कारण अथवा गर्भकाल में दोषपूर्ण विकास के कारण जन्म से ही विकृत शारीरिक अंगों के होते हैं जिसके परिणाम स्वरूप सामान्य शारीरिक एवं शक्ति विकास में बाधा के साथ इसके शिक्षण की गति में भी आरम्भ से ही बाधा उत्पन्न हो जाती है। आधुनिक समय में एड्स की भयावहता के साथ जन्मे बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक अपंगता एवं सामान्य बात हो गयी है। इन जन्मजात विरूपण के लिए चिकित्सा की अपेक्षा शिक्षा एवं कौशल की अधिक आवश्यकता होती है जिसके लिए शिक्षकों तथा अभिभावकों को विशेष उपकरणों व शिक्षण की व्यवस्था करना उचित रहता है।

(2) दुर्घटना अथवा बीमारी के कारण विरूपण (Anomalies Through Infections)—शारीरिक विरूपण का दूसरा कारण दुर्घटना एवं ऐसी रोगावस्थाएँ हैं जिनके कारण बालक की अस्थि-संधियों, पेशियों तथा आकृति में विकृति आ जाती है। इस प्रकार की विरूपित अवस्था मुख्य रूप से चिकित्सा विज्ञान का

विषय होती है लेकिन कुछ स्थितियों में जैसे—अंगक्षति, पक्षाघात अथवा लम्बे समय तक प्रभावित करने वाले रोग, बालकों में सीखने की क्षमता को इस सीमा तक प्रभावित करते हैं कि उसके लिए शिक्षण व्यवस्था को परिवर्तित करना आवश्यक हो जाता है।

(3) स्नायुविक विरूपण—स्नायुविक विरूपण मूलरूप से किसी विशेश बीमारी के कारण, शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण, विषाक्त भोजन तथा किसी ऐसी दवा के सेवन के कारण या पोलिया आदि व्याधियों के कारण होता है। इस समस्याओं में जो सामान्य रूप से देखने को मिलता है – मस्तिष्कीय क्षतिग्रस्तता, मिर्गी रीढ़ की हड्डियों में विकृता, पोलियोग्रस्ता, चक्षुक्षमता के ह्यास आदि हैं। अंग-भंग या अंग विहीनता के कारण ये बालक खेल-कूद मनोरंजनद के कार्य या सामाजिक कार्यक्रमों में शालि नहीं हो पाते हैं। ऐसे बालक-बालिकाओं के लिए उनकी शारीरिक क्षमता के अनुकूल मनोरंजन के खेल आदि का आयोजन करना चाहिए। सामाजिक कार्यो में ऐसे बालकों को उनकी क्षमता के अनुसार काम देना चाहिए। जिससे वे भी अन्य बालकों के समान अपनी भूमिका निभा सकें। इन्हें एकाकी छोड़ देना हानिपद है।

प्राय: अंग विहीन या शिथिल गति वाले बालकों का बौद्धिक स्तर अधिक अच्छा होता हैं उन्हें बौद्धिक कार्य दिये जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त उनमें क्षमता व रूचि के अनुसार किसी कौशल का विकास किया जा सकता है जिससे उनके आत्म-विश्वास तथा आत्मनिर्भरता को मिलेगा। इन बालकों को सहानुभूमि की भी आवश्यकता होती है। इन्हें अंगविहीनता के कारण कहीं भी अपमानित नहीं होने देना चाहिए। इनकी कठिनाइयों को व्यक्तिगत ध्यान देकर दूर करना चाहिए। मित्रों, अध्यापकों व घर के सदस्यों का अच्छा व्यवहार ही इनके संवेगात्मक तनाव को दूर कर सकता है।

विरूपित बालकों की शिक्षा (Education of Crippled Children)—विरूपित बालकों को शिक्षा हमें ऐसी संस्थाओं में प्रदान करनी चाहिए जो कि विशेष प्रकार से विरूपित बालकों की शिक्षा एवं कल्याण के लिए स्थापित की गई हो।

- हमें विरूपति बालकों के विषय में यह सोचना चाहिए कि वे अपनी अपंगता के क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी बातों में सामान्य बालकों वेह समान हैं। अत: से एक तरह से सामान्य बालक ही हैं लेकिन अपनी शारीरिक अपंगता के कारण सामान्य बालकों के समान सक्रिय शारीरिक कार्य कारने में वे उतने सक्षम नहीं होते हैं लेकिन शिक्षकों को इसके साथ यह समझना चाहिए कि उनकी इच्छाएँ

व आकांक्षाऐं बालकों के समान हैं। अत: उन्हें सभी आवश्यक शैक्षिक अवसर प्रदान करने चाहिए जो उनकी अपंगता के अनुरूप हैं।

- विरूपित बालकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम बनाते समय हमें उनकी विशिष्ट शारीरिक अपंगता को सदैव ध्यान में रखना चाहिए तथा उन्हें उसी के अनुरूप विशेष ध्यान, पालन-पोषण, शिक्षा और मार्गदर्शन पर देना चाहिए। विरूपति बालकों की शिक्षा के लिए आदर्श पाठ्यक्रम बहुत व्यापक होना चाहिए ताकि इन विकलांगों का सर्वांगीण विकास हो सके। अत: इनकी शिक्षा व्यवस्था करने के लिए निम्नलिखित को ध्यान में रखना चाहिए—

(1) शारीरिक अपंगता के अनुरूप शैक्षिक पाठ्यक्रम का चयन (Selection of Curriculum According to Physical Handicap)—विरूपित बालकों को उनके अनुसार बनाये गये शैक्षिक पाठ्यचर्या एवं कार्यक्रमों से शिक्षित करना चाहिए जैसे—यदि बच्चे का हाथ कटा हुआ है तथा जिस बच्चे के दोनों पैर कटे हुए है तो उनके लिए समान शैक्षिक कार्यक्रमों की रचना करना गलत निर्णय होगा। विरूपित (Handicappedness) के अनुरूप यदि पाठ्यक्रम बनाया जाये तो विरूपित बालकों को अधिक लाभ प्राप्त होगा।

(2) सांवेगिक समायोजन एवं सुरक्षा प्रदान करना (To provide Emotional Adjustment and Security)—शारीरिक विरूपिता के कारण इस प्रकार के बालकों का सामाजिक तथा सांवेगिक समायोजन बिगड़ जाता है, अत: इनके लिए बनाये गये शिक्षण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था में संवेगात्मक समायोजन की और विशेष ध्यान देना चाहिए। हमें ऐसे कार्यक्रम और विद्यालय में संगठनात्मक वातावरण का निर्माण करना होगा, जिनके द्वारा इन विकलांगों की हीन भावना का उन्मूलन हो सके तथा इनमें पहले आत्मविश्वास (Self-condidence) एवं आत्मनिर्भरता (Self-dependence) विकसित हो।

(3) प्रेरणा एवं दृढ़ निश्चय का होना (To be Motivated and Firm Determination)—अपंगता के कारण उत्पन्न जीवन की निरर्थकता की भावना को समाप्त करने एवं इन विकलांगों में यह भावना भरने के लिए कि वे भी वह सब कुछ कर सकते हैं जो एक सामान्य बालक कर सकता है। शिक्षकों को उनके लिए ऐसे कार्यक्रमों की रचना करनी चाहिए जिनसे उनमें अपने जीवन को सुधारने की अभिलाषा बलवती हो, वे अभिप्रेतिर हों तथा शैक्षिक एवं जीवन के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए दृढ़ निश्चयी बन सकें।

NOTES

(4) शारीरिक दक्षता विकसित करना (To Develop Physical Efficiency)—ऐसे बालकों के लिए ऐसी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक अपंगता पर विजय प्राप्त कर सकें। जो अंग उनके पास नहीं हैं उनके स्थान पर कृत्रिम अंग लगाकर इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाये कि वे सामान्य बालक के समान कार्य कर सकें। कृत्रिम अंग लगे बालकों को उत्पादक अथवा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी शारीरिक दक्षता को विकसित करना चाहिए

(5) शैक्षिक एवं सन्तुलित विकास करना—अधिकतर शिक्षक एवं अभिभावक विरूपति बालकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देना मात्र ही उनकी शिक्षा का एकमात्र उद्देश्स समझते हैं। इस प्रकार विरूपित बालक का एकाकी विकास होता है परन्तु आवश्यकता इस बात की है कि विरूपित बालकों का सर्वागीण विकास भी होना चाहिए। अतः पाठ्यचर्या में सैद्धान्तिक एवं सभी प्रकार के शैक्षिक विषयों को स्थान मिलना चाहिए।

- **चिकित्सा सुविधा प्रदान करना**—शारीरिक अपंगता का निदान तथा उसकी चिकित्सा द्वारा ही विरूपित बालकों को स्वस्थ्य बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य अच्छा होने पर ही वे शैक्षिक तथा व्यावसायिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं।

- अन्त में हम कह सकते हैं कि यदि उपर्युक्त तत्वों को ध्यान में रखकर विरूपित बालकों को शिक्षा प्रदान की जाय तो निश्चय ही वह एक सामान्य प्राणी जैसी जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

- **राष्ट्रीय अपंग विकलांग संस्थान, कोलकाता, 1981 (National institute of orthopaedically Handicapped, Kolkata)**—यह संस्थान भारत सरकार के समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है। वह राष्ट्रीय स्तर पर अपंग व्यक्तियों को डाक्टरी सहायता, उपकरणों की सुविधा, शिक्षा एवं व्यवसाय के लिए तैयार करता है। यह संस्था अपंगों को उनकी अपंगता के अनुसार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं रोजगार प्रदान करके उन्हें स्वावलम्बी एवं समाल का उपयोगी सदस्य बनाती है। यह संस्था अपंगों को कृत्रिम अपंगों को कृत्रिम अंग जैसे वैशाखी, तीन पहिये की साइकिल आदि भी प्रदान है।

प्रमस्तिष्कीय क्षति तथा सेवायें (CEREBRAL PALSY & SERVICES)— इस बात का धीरे-धीरे अनुभव होने लगा है कि समुचित देखभाल, यही प्रशिक्षण तथा अवसर दिए जाने पर विकलांग व्यक्ति भी समाज के

योग्य सदस्य बन सकते हैं, जिन्हें समाज में अयोग्य माना जाता है। पिछले बीस वर्षो में कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने विकलांग बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए ऐसे केन्द्रों की स्थापना की है। जिनूमें इन बच्चों का प्रशिक्षण दिया जाता है। लेकिन सेरिब्रल पौल्सी के कारण अभी भी इस प्रकार के केन्द्रों की कमी है जहाँ इन विकलांग बच्चों का पुनर्वास हो सके।

NOTES

शरीर का विकलांग केन्द्र अर्थात् मस्तिष्क का कोई भाग जो शरीर संचालन से सम्बद्ध है उसमें यदि किसी कारणवश चोट आ जाए तो सेरेब्रल की अवस्था उत्पन्न होती है। सेरेब्रल पौल्सी से पीड़ित बच्चों में अधिकतर किलांगता पाई जाती है। इससे पीड़ित व्यक्ति असंतुलित अंग संचालन के साथ-साथ ठीक से बोलने में, सुनने में और समझने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। हमारे भारत वर्ष में 30 लाख से भी अधिक लोग है जो इससे रोगग्रस्त हैं। अत: इनके लिए अति शीघ्र ऐसी सेवाओं को आरम्भ करने की जरूरत है जो उसकी सही ढंग से मदद कर सकें। इन सेवाओं को कोई भी शुरू कर सकता है जैसे– माता पिता, रिश्तेदार, प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति, इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले लोग या इस समस्या का निदान ढूँढ़ने वाले समाजसेवा। आप स्वयं भी इस दिशा में कदम उठा सकते हैं। इस सूचना पत्र में आपके संशय और सन्देह को दूर करके कुछ सुझाव भी देने की चेष्टा कर रहे हैं।

सेवाएँ—

- आप में कुछ नया करने का आत्म-विश्वास हो।

- आप में विकलांग व्यक्तियों के प्रति सम्मान का दृष्टिकोण हो एवं इनके जीवन को सुधारने की आकांक्षा का होना बहुत आवश्यक है। इस दिशा में रूचि रखने वालों का भी एक दल बना सकते हैं।

- इन सेवाओं को शुरू करने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों की आवश्यकता क्षेत्र में रूचि रचना ही काफी है। कई पत्र-पत्रिका तथा सूचना पत्र आसानी से मिल सकते हैं जिनमें विकलांग बच्चों के शरीर संचालन के सम्बन्ध में अनेक जानकारियाँ मिल सकती हैं।

- अनेक प्रशिक्षण केन्द्र हैं जिनसे जानकारियों के साथ प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जा सकता है।

- सेवाएँ शुरू करने के बाद भी इन्डियन-इन्स्टीट्यूट ऑफ सेरेबल पाल्सी (Indian institute of Cerbral Palsy), Spastics Societies तथा अन्य Spastics सोसायटियों National Training Instiute से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता

NOTES

है। इस प्रकार के विशेष प्रशिक्षणों के सम्बन्ध में और अधिक विस्तृत जानकारियों के लिए पत्र व्यवहार करें।

- लोगों में इस विषय में अधिक रूचि तथा जानकारी बढ़ाने के लिए तथा अधिक से अधिक लोगों का योगदान प्राप्त करने के लिए सभाओं, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है। इस विषय सें संबंधित जानकारी देने वाले पोस्टर, सूचना पत्र, फ्लिप चार्ट तथा विडियों फिल्म Spastic Society of Eaxtern India से ली जा सकती है। कुछ संस्थाओं से स्थायी सम्पर्क बढ़ाने की आवश्यकता है। स्थानीय अस्पताल तथा डॉक्टरों से सम्पर्क स्थापित कीजिए तथा ऐसे बच्चों को जिन्हें इस प्रकार की सेवाओं तथा प्रोत्साहन की जरूरत है उनके पास भेजने के लिए कहिए। इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थाओं से भी सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। सेवाओं के आरम्भ करने के लिए धन की आवश्यकता होगी। इस सूचना पत्र में खर्च का ब्यौरा दिया जा रहा है—

(i) क्लिनिक (Clinic)—प्रारम्भ में आका छोटा हो तो अच्छा जैसे— क्लिनिक। क्लिनिक खोलकर काम करने के शुरूआती प्रयास पर ध्यान देना होगा। यह क्लिनिक सप्ताह में दो या तीन बार केवल दो घंटों के लिए ही खोला जाए। इस क्लिनिक में माता-पिता इस रासेग से पीड़ित अपने बच्चों को नियमित रूप लाएँ तथा बच्चों को देखभाल के तरीकों के सम्बन्ध में सही जानकारी हासिल करें आवश्यकता के अनुसार क्लिनिक का समय भी बढ़ाया जा सकता है। धीरे-धीरे यह पूरे समय चलने वाले दैनिक क्लिनिक बन जाएगा। 25 बच्चों की सेवा में लगे एक पूरे समय में क्लिनिक की निम्नलिखित आवश्यकताएँ होंगी—

- नीचे की मंजिल पर स्थित 100 वर्ग फुट का एक कमरा जो साफ सुथरा हो तथा साथ ही एक शौचालय भी हो।

- बच्चों की सहायता तथा उनके साथ काम करने के लिए कर्मचारी भी चाहिए। प्रारम्भिक संचार विधियाँ जैसे—शरीर संबंधी, अंग संचालन संबंधी तथा शिक्षा संबंधी आसान प्रणालियों पर आधारित है। इन प्रणालियों को बहुत आसानी से सीखा जा सकता है। सेरिबल पौल्सह की संचालन विधियों को सीखने के लिए स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ ईर्स्टन इण्डिया छः सप्ताहों प्रदान करता है। इसके लिए किसी भी प्रकार के अनुभव या प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है।

- आवश्यकता के अनुसार वस्तुएँ भी खरीदनी होगी। बाजार में उपलब्ध चीजों के दामों के अनुसार इन वस्तुओं पर आने वाले खर्च का ब्यौरा नीचे दिया गया है—

दो चटाइयाँ	1200 रू.
दो गावतकिए	300 रू.
एक कोने की कुर्सी	80 रू.
एक फर्सी मेज	90 रू.
एक कुर्सी	300 रू.
एक पौटी	100 रू.
कुछ खिलौने	200 रू.

NOTES

- अपने क्लिनिक के सम्बन्ध में लोगों को अवश्य बताएँ।
- बच्चों को आवश्यकतानुसार चीजें उपलब्ध करवाएँ जिससे बच्चे सहजता तथा स्वाभाविता के अनुसार इनके साथ तालमेल कर सकें।
- इस विषय में अधिक जानकारी के लिए निम्न संस्थाओं से संपर्क करें।

(ii) विषय विद्यालय (Special School) – यदि आवश्यकता महसूस हो तो मस्तिष्क क्षति से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष विद्यालय भी आरम्भ किया जा सकता है। 25 बच्चों वाले विशेष विद्यालय के लिए जिन चीजों की आवश्यकता होगी वे इस प्रकार हैं–

- तीन या चार कमरे या एक बड़ा हॉल जिसे लकड़ी की दीवारों, मोटे गत्तों या फाइबर की दीवारों से विभाजित किया जा सके। आवश्यकतानुसार विभाजित कमरों का बड़ा या छोट कर सकें। साथ ही साथ साफ-सुथरा शौचालय भी हो।
- इसमें एक प्राधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका एक प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक/शिक्षिका, एक चिकित्सा विशेषज्ञ तथा क समाजसेवक/सामजसेविका हो तो अच्छा है। आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सदस्यय को विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण संस्था भी भेजा जा सकता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिए विभिन्न कोर्यो के विषय में आप NPC से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- कुछ जरूरत की चीजें, फर्नीचर भी खरीदनें होंगे। बाजार के दामों के आधार पर व्यय का ब्यौरा इस प्रकार है–

शिक्षा संबंधी उपकरण	5000 रू.
थेरेपी संबंधी उपकरण	6000 रू.
दो चटाइयाँ	1200रू.

चार गावतकिए	1000 रू.
बीस गेटर्स	1600 रू.
दो शेलेटर	1200 रू.
दो जोड़ी बैसाखियाँ	600 रू.
दो पहिएदार कुर्सी	3500 रू.
फर्नीचर आदि	5000 रू.

बच्चों के लिए विशेष फर्नीचर

छ: फर्शी मेजें	550 रू.
छ: कोने वाली कुसियाँ	500 रू.

- कृपया ध्यान रखें, प्रतिमाह होने व्यय जैसे—मकान किराया, वेतन, ब्यौरे में नहीं दिए जा रहे हैं।
- इन व्ययों से निराश होने की आवश्यकता नहीं। आपके पास जितना सामर्थ्य तथा शक्ति है अपनी सेवाएँ शुरू कीजिए और धीरे-धीरे जरूरत की चीजें एकत्रित कीजिए।

सेवाओं का खर्च कैसे चलाएँ ?

- अपने पास के सीमित धन से ही सेवाएँ आरम्भ करें।
- शुभचिन्तकों द्वारा दिए चंदे से आप अपनी शुरू की हुई सेवाओं का खर्च चला सकते हैं।
- योजना बनाकर भी चंदा इकट्ठा कर सकते हैं।
- रोटरी क्लब एवं लायन्स क्लब जैसी संस्थाओं से भी संपर्क स्थापित कर चंदा इकट्ठा किया जा सकता है।
- बच्चों की सेवाओं में कार्यरत ट्रस्टों तथा निजी संस्थाओं से भी चंदा माँगकर इकट्ठा किया जा सकता है।
- विकलांगता के क्षेत्र काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयता करने के लिए जन कल्याण मंत्रालय (Ministry of Walfare) की भी अनेक संस्थाऐ हैं।
- अनेक सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रमों जिनका संबंध विकलांगता से हो, आयोजन करें, उससे मिलने वाले धन को इन सेवाओं में लगायें।

NOTES

- ऐसे नौजवान जो अच्छे रोजगार करने हों उनका ध्यान बच्चें के प्रति आकर्षित करें जिससे कि वे अपने धनराशि का कुछ अंश इस कार्य में लगा सकें।

- औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित उद्योगपतियों से भी चंदा इकट्ठा किया जा सकता है।

सरकार से आर्थिक सहायता कैसे प्राप्त करें ?

- कार्यरत दल को एक सोसायटी बनानी होगी जिसमें एक कार्यकारिणी कमेटी हो।

- पंजीकरण हेतु Registrar fo Society को आवेदन पत्र देना होगा।

- पंजीकरण की विधि के बाद से लेकर दो वर्ष तक आपकी संस्था को कार्यरत रहना चाहिए।

- अपनी संस्था के आय-व्यय का ब्यौरा किसी Chartered Accuntants या किसी सरकारी संस्था द्वारा प्रमाणित किया जाए।

- संस्था के उद्देश्यों का विवरण देते हुए Memorandum of Association तैयार किया जाए।

- संस्था के नियमों का निवारण लिखा जाए।

विस्तृत जानकारी के लिए राज्य के Director Welfare से सम्पर्क स्थापित करें। इसके लिए किसी वकील से भी परामर्श ले सकते हैं।

आर्थिक अनुदान के लिए आवेदन कैसे करें ?

- जन कल्याण मंत्रालय से आर्थिक अनुदान प्राप्त करने का एक निश्चित तरीका है। इस विषय में जन कल्याण निदेशालय से भी जानकारी ले।

- जिस वर्ष के लिए आवेदन पत्र दिया जा रहा है। उस वर्ष के अप्रैल माह तक आवेदन पत्र की दो प्रतियाँ सचिव जन कल्याण विभग तक पहुँच जानी चाहिए।

आयकर छूट के लिए प्रमाण पत्र कैसे प्राप्त करें ?

- आपके दानकर्ता को Section 80G के अन्तगर्त आय कर छूट का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है।

- संस्था के पंजीकृत होने के पश्चात् ही आयकर छूट मिल सकती है।

NOTES

• आयकर छूट के लिए Commission of Income Tax से आवेदन पत्र के अन्य विववरण प्राप्त होंगे।

प्रमस्तिष्कीय क्षति वालों को कपड़ा, खाना तथा शौच संबंधी

• अपने बच्चों को अगर सेरिब्रल पाल्सी है तो आप उसकी ही चीजों के प्रति बारीकी से ध्यान रखें। उसके द्वारा पहने गए कपड़े उसके कोमल शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं लेकिन उसे कपड़े पहनाना और उतारता सिखाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसके लिए आप उसके लिए ऐसे कपड़े खरीदें जिन्हें पहनना आसान हो। अगर आप कपड़े खरीदते समय नीचे लिखी हुई बातों पर ध्यान देंगे तो निश्चय ही आपकों इस कार्य में आसानी होगी तथा सफलता मिलेगी।

• लड़कियों के पहनने के लिए कफतान जो कि कमर से तंग नहीं होते हैं, पहनाने तथ उतारने में आसान रहते हैं। कमर का इलास्टिक नहीं होनी चाहिए। पोशाक की अस्तीनें ढीली और रैगलन कट की होने पर सुन्दर दिखती है। तथा आरामदायक होती हैं।

• आपकी बच्ची की पोशाक आगे से खुली है तो उसे स्वयं ही बन्द या खोला सकती है। यदि पोशाक में हुक या बटन लगाने में परेशानी होती है तो चेन (जिप) लगा दीजिए। इससे उसे लगाने में आसानी होगी। अगर फिर भी बन्द करने में कठिनाई हो ते एक चाबी का रिंग जिप के किनारे पर लगायें। हो सकता है कि इसमें वह अपनी उँगली डालकर जिप खोल सके।

• कालर वाली पोशाक होने पर वह उतारते समय कलर को पकड़ कर उपर की तरफ खींच सकती है जिससे पोशाक उतारना उसके लिए आसान हो सकता है।

सलवार, कमीज और घाघरा

• अपनी बेटी के लिए कम पर इलास्टिक वाली सलवार, स्कर्ट घाघरा खरीदने का चुनाव कीजिए जिससे उसके लिए पहनना आसान हो।

• इलास्टिक वाले पैजामें भी पहनने में आसान होते हैं।

• कमीज तथा जम्फर का गला खुला होना चाहिए तथा आस्तीनें भी ढीली होनी चाहिए।

• कमीज या कुर्ता ढीला होना चाहिए जिससे वह सहजता से शारीरिक अंगों से कार्य कर सके।

स्वैटर

- V-गले वाला स्वैटर को पहनाने तथा उतारने में आसानी रहती है। इसके एक स्वैटर का अगला तथा पिछला हिस्स भी जान सकता है।

- हॉफ स्वैटी तथा आरामदायक सर्दियों वाले जैकेट का प्रयोग कर सकते हैं।

शर्ट व टी शर्ट

- आप अपने बच्चे को ढीली कमीज पहनायें जिससे उसे तथा आपको पहनाने में आसानी होगी।

- पूरी बाँह वाजी कमीज की अपेक्षा आधी बाँह वाली कमीज को आपका बच्चा अधिक आसानी से उतार सकेगा।

- शर्ट की अपेक्षा टी शर्ट पहनना अधिक आसान है।

- टी शर्ट में बटन कम होने के कारण उसे खींचकर उतारना आसान होता है।

- शर्ट या टी शर्ट में आगे की ओर डिजाइन या पाके बना हो तो बच्चे को आगे व पीछे पहचानने में सुविधा होती है तथा वे उनके उपयोग पर ाी ध्यान देते हैं।

फुल पैंट और हाफ पैंट (निकर)

- बड़े लड़कों को हमेशा फुल पैंट पहनना चाहिए। फुल पैंट में आगे बटन की जगह जिन हो तो खोलने तथा बन्द करने में आसानी होती है। जल्दी तथा परिस्थिति में जिप आसीनी तथा सहजता से खुल जाती है।

- फुल पैन्ट की कमर में इलास्टिक होने पर पहनने में तथा उतारने में सुविधा होती है।

- आप अपने बच्चे को हॉफ पैंट पहनाते हैं तो उनमें भी इलास्टिक एवं जिप की सुविधा अवश्य रखिए।

- पैंट के आगे की तरफ पॉकेट या डिजाइन होने पर उसे आगे पीछे पहचानते में आसानी होती है।

- अच्छे फुल पैंट तथा हॉफ पैंट पहनाइए जिससे कि वह अधिक टिकाउ हों।

NOTES

● आवश्यकता से अधिक बड़े-छोटे तथा कसे हुए कपड़े इससे उसका फुर्तीलापन कम हो सकता है।

अन्दर के कपड़े

● जांघिया और चड्ढी में यदि इलास्टिक लगा हो तो पहनने एवं उतारने में आसानी होती है।

● जांघों तक आने वाली पैंट जो टांगों पर कसी हो इससे उसको चहलकदमी एवं खेलने में आसानी रहती है।

● यदि वह बालक टट्टी या पेशाब पर नियंत्रण नहीं रख सकता है तो इस प्रकार के पैंट उसके कपड़े खराब होने से बचायेगी।

● इस प्रकार की पैंट आपके किशोर की हस्तमैथुन की आदत को भी कम करेगी।

● ढीली-ढीली, हाथ कटी, बनियान तथा शमीन आसानी से पहनाई जा सकती है।

● अन्दर के कपड़ों को हमेशा ही साफ पहनायें तथा संक्रमण होने बचायें।

● इन कपड़ों को साफ-सुथरा तथ दाग रहित धोयें एवं धूप में सुखायें

मौजे (जुराबें)

● सूती मोजे पहनने में आसान होते हैं इसलिए नायलोन के मोजे की तुलना में सूती मोजे पहनाइए जो कि आरामदायक भी होते हैं।

● अपने बच्चों के लिए रंगीन धागे के निशान लगे मौजे खरीद दें जिससे कि उन्हें एडी पहचानने में सुविधा हो।

जूते

● अपने बच्चे के लिए टखने तक पहुँचने वाले जूते खरीदें। इस डिजाइन के जूतों को पहने रखना आसान होता है तथा चलने में भी सहारा मिलता है।

● बिना फीतों के गुडगाबी जूते तथा वेलको लगे जूते पहनने में आसान होते हैं। आपकी सहायता के बिना भी वह ऐसे जूतों को सरलता से पहन सकता है।

● आपका बच्चा अगर खास तरह के जूते पहनता है तो उसके जूतों पर फीतों तथा बकल के स्थान पर बेलकों लगायें। इससे वह जूतों को पहनते समय आपकी आवश्यकता अनुभव नहीं करेगा।

NOTES

ध्यान रखिए

- भोजन हमारे जीवन के लिए एक अनिवार्य तत्व है। इसका अपना एक अलग ही आनन्द है जब भोजन किया जाता है, वह समय सबके लिए एक सुखद अनुभव होता है। यही वह अवसर है जब परिवार के सभी सदस्य या मित्र मिलकर खाने के साथ-साथ आपस में बातें भी करते हैं। लेकिन सेरीब्रल-पालसी से पीड़ित बच्चों के लिए उनके माता-पिता के लिए यह समय तब अधिक महत्वपूर्ण होता है जब बच्चे को ठोस खाना खाने में कठिनाई होती है।

- कभी-कभी आपने बच्चे को ठोस खाना खिलाने की कोशिश की हो, लेकिन इसमें आपको सफलता नही मिली हो, इस परिस्थिति में यह समझता आवश्यक है कि बच्चे के बैठकर खाने से गले में या तो खाना अटक जाता हो या फिर वह खाना मुँह में रख नहीं पाता हो। ऐसा अधिकर तब होता है जब पहली बार बच्चे को ठोस खाना खिलाने की कोशिश की जाती है।

- ऐसी परिस्थितियों में यह देखना अत्यन्त आवश्यक है कि बच्चे के बैठने का ढंग कैसा है। जब बच्चा ठीक से न बैठा हो तो खाना गले में अटकने की वजह हो सकती है। इसके लिए बच्चे को पीठ सीधी कर प्यार से बिठायें। अगर बच्चा सीधे तरीके नहीं बैठ पा रही है तो उसे अपना सहारा देकर बिठायें। उसके लिए आप खास कुर्सी का प्रयोग भी कर सकते हैं। अपनी गोद में भी बच्चे बच्चे को बिठाकर सही तरीके से खाना खिला सकती है।

- यह बहुत आवश्यक है कि बच्चे का सिर हमेशा सीधा रहे। सिर अलग, बगल या पीछे न झुका हो तथा उसकी गर्दन भी न हिलती हो।

- सिर पर हाथ रखकर भी सिर सीधा न रह सके तो आप अपने हाथ को बच्चे के गले के पीछे से लाकर उसकी ठोढ़ी को सहारा दे सकते हैं।

- बच्चे को सीधा बैठने की आदत पड़ने में समय लग सकता है। यदि बच्चा शुरू में सीधा न बैठने के लिए रोने लगे या शरीर को कड़ा करके विरोध करे तो आप कदापि निराश न हों बल्कि : धैर्य के साथ शुरू में केवल पाँच मिनट तक ही बिठायें फिर धीरे-धीरे समय बढाते जायें जब तक बच्चा आराम से न बैठने लगे।

- जब बच्चा बिलकुल आराम से सीधा बैठने लगे तब स्नेह से आप उसको ठोस खाना देना आरम्भ कर सकते हैं।

NOTES

- आरम्भ खाना खिलाते समय तरल भोजन को ही गाढ़ा कर खिलायें। जैसे दूध के साथ सूजी या दलिया, या फिर गेहूँ मूँगफली, चिड़वा आदि के पाउडर को दूध में मिलाकर सहज ढंग से खिलाया जा सकता है। खाना चम्मच से ही खिलायें। अगर बच्चे को मुँह बन्द करने में कठिनाई हो रही है तो उसके होठों को अपनी उंगली और अंगूठें से हल्के से दबा कर बन्द कर दें।

- बालकों देते समय खाने को मुँह के अन्दर गाल एवं दाँत के बीच में रखें। इस प्रक्रिया से बच्चे को चबाने की आदत पड़ जाती है। इस तरह बारी-बारी मुँह के दोनों तरफ का प्रयोग करें।

- शुरू-शुरू में बच्चे को चम्मच के द्वारा ठोस खाने में कठिनाई हो सकती है लेकिन जब बच्चा भूखा तभी आप उसे ठोस खाना खिलायें। भूखें होने पर बच्चा स्वयं भी अपनी तरफ से कोशिश करता है जो कि उसके लिए ही फायदेमंद रहती हैं। इसलिए आरम्भ में केवल 5-7 चम्मच ठोस खाना दें, उसके बाद ही तरल खाना दें। लेकिन खाना खिलाते समय यह ध्यान रखें कि बच्चा हमेशा सीधा बैठकर खाना खाये।

- बच्चे के गाढ़ा खाना खाने आदत बढ़ते ही उसके खाने की मात्रा को बढ़ाते जाइए। इस ठोस भोजन के अन्तगर्त उबले आलू, कन्दमूल, उबले पपीते का गूदा, डबलरोटी या बिस्कुट आदि बिना भिगोये या मसल कर देना आरम्भ करें। शुरू में खाद्य सामग्रियों के छोटे-छोटे टुकड़े कर दें फिर बच्चे के इस खाने के अभ्यस्मत होने पर धीरे-धीरे इसे बड़े करते जायें जब तक आम तौर पर भोजन खाना न सीख जाये।

- आप बच्चे को दाँत से खाना काटना भी सिख सकते हैं। इसके लिए बिस्टिक, पके हुए फल या खीर को उसके दाँतों के बीच रखकर उसे चबाने का अभ्यास करवाइए। इसके लिए आप स्वयं भी अपने मुँह के द्वारा चबाने का ढंग दिखाइए बच्चे के नीचे के जबड़े को उपर दबाकर मुँह बन्द करें। लेकिन इस बात का ध्यान रखिए कि बच्चे का सिर पीछे न चला जाए।

ध्यान रखने योग्य तथ्य

(1) हमेशा बच्चे को सीधा बिठाकर ही खाना खिलायें।

(2) तरल खाने को हल्के-हल्के गाढ़ा करते जायें।

(3) बच्चे को अपनी तरफ से की हुई कोशिशों में आप भी सहायता कीजिए।

(4) ठोस खाना खाने में समय लगे तो निराश नहीं हों, कोशिश करते रहें।

(5) बच्चे को खाना खिलाते समय आप खुश रहें जिससे कि बच्चा भी खुश रहेगा और भोजन का भरपूर आनन्द ले सकेगा।

शौच प्रशिक्षण (Toilet Training)—बच्चों के माता-पिता को बच्चों को शौचालय का उचित व्यवहार करने की शिक्षा देने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए कारण निम्नलिखित हो सकते हैं—

- शारीरिक अक्षमता के कारण बच्चा शौचालय तक नहीं जा सकता।
- मानसिक अक्षमता के कारण अपनी शौच जाने की आवश्यकता का संकेत नहीं दे सकता।
- क्या आप अपने बच्चे को शौचालय का व्यवहार सिखा सकते हैं ? हाँ ऐसा हो सकता है इसके लिए प्रत्येक बच्चे शौच प्रतिक्षण प्राप्त कर सकता है।
- इस दशा में कुछ बच्चे पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो सकते हैं। इसके लिए उन्हें दूसरों की जरूरत का मोहताज नहीं बनना पड़ता।
- कुछ संकेतों द्वारा अपनी आवश्यकता बता सकते हैं।
- कुछ बच्चे शौच जाने के समय अपने आपकों तब तक रोक कर रख सकते हैं। जब तक उन्हें शौचालय न ले जाया जाये।
- बच्चे को कैसे सिखाया जाये ?
- शौच प्रशिक्षण को अगर क्रमानुसार सिखाया जाय तो यह सरल तथा बच्चे के लिए आसान हो सकता है।

व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना (Individualised Plan)—व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना का संबंध ध्यानपूर्वक सुनियोजित, सुसंगठित रूप से लागू की गई एवं उद्देश्यपूर्ण तरीके से मूल्यांकित की गई योजना से है जो बच्चे की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बनाई जाती है। बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए व्यक्तिगत योजना अध्यापक की यह सुनिश्चित करने में सहायता करती है कि उद्देश्सित बच्चे विद्यालय में समुचित अध्ययन कर उन्नति कर पा रहे हैं या नहीं। भली प्रकार लिखी व नियोजित की गई व्यक्तिगत योजना एक अध्यापक की विशेष या उद्देशित क्षेत्रों में योजनाबद्ध, संरचनात्मक एवं शृंखलाबद्ध अधिगम में मदद करती है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि विद्यालय में सब कुछ, जो बच्चा सीखता है, सीखेगा या सीखना चाहिए, उसके लिए बनाई गई व्यक्तिगत योजना में सम्मिलित होना चाहिए जबकि व्यक्तिपरक योजनाएँ दिये गये समय में

NOTES

बालक के अधिगम पर मुख्य दबाव देते हुए ध्यान केन्द्रित करती है। यदि इनका उपयुक्त ढंग से प्रयोग यिका जाये तो यह प्रतिदिन के शिक्षण में उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री हो सकती है। इसका सुनियोजित क्रियान्वयन उपयोगी प्रभाव छोड़ता है। व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना बालक विशेष के लिए अत्यन्त सहायक एवं प्रभावी हो सकती है।

व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना के उद्देश्य—व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना के उद्देश्य यह सुनिश्चित करने के लिए होते हैं कि—

- अध्यापकों की जबाबदेही का कुछ स्तर बालक की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।
- विद्यालय में सभी लोगों को एवं बालक संबंधित घर एवं विद्यालय के बीच का संवाद उपयोगी हो।
- बच्चों की कमियाँ सुधारने वाला हो।
- निर्धारति एवं उद्देशित क्षेत्रों में बालक की निपुणता विकसित करने वाला हो।
- बालक का व्यवहार परिवर्तन करे।
- बालक के स्थिति के अनुसार ढालने या व्यवहार करने की भावना विकसित करने वाला होना चाहिए।

उद्देश्य की पूर्ति—किसका दायित्व—व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना एक जटिल प्रक्रिया है। यह किसी एक व्यक्ति विशेष की जिम्मेदारी नहीं है। ठीक उसी प्रकार जैसे एक सफज समावेशी अधिकांश लोगों पर निर्भर करता है, जो बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति या कल्याण से जुड़े हुए हैं, व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना में भी बहुत से लोगों का समूह सम्मिलित होता है। यह पेशेवर लोगों के समूह का सांझा दायित्व है जो व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना टीम या समूह का गठन करते हैं। अधिकांश पाश्चात्यकृत देशों में मुख्याध्यापक, शिक्षा के लिए नियमित अध्यापक या कक्षा अध्यापक, विशिष्ट शिक्षक, बालक के अभिभावक और विशेषज्ञ डॉक्टर या मनोचिकित्सक मिलकर व्यक्तिपरक शैक्षिक योजना की टीम का गठन करते हैं। परिणाम देना इन सबका सामूहिक दायित्व होता है। हमारे देश में विशेषज्ञ डॉक्टर या मनोविशेषज्ञ बच्चे का समुचित मूल्यांकन करने के लिए सदैव उपलब्ध नहीं होते है क्योंकि यहाँ इस प्रकार की व्यवस्था की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में क्या हमें बालक की विशेष आवश्यकताओं के

लिए इस प्रकार के व्यक्तिगत कार्यक्रम की और ध्यान नहीं देना चाहिए ? प्रारम्भ में, भारतीय विद्यालयों में IEP टीम या समूह में निम्नलिखित सदस्य में निम्नलिखित सदस्य हो सकते हैं और जब कभी भी एवं जहाँ कहीं भी विशेषज्ञ डॉक्टरों वे मनोचिकित्सकों की उपलब्धता होगी, हम उनकी सेवा का सदुपयोग कर सकेंगे—

NOTES

IEP समूह

- मुख्याध्यापक या प्राचार्य
- कक्षा अध्यापक
- विशेष अध्यापक
- बालक के अभिभावक

IEP के तत्व

IEP टीम निम्नांकित तत्वों को लेकर गठित हो सकती है—

(i) बालक के प्रदर्शन हेतु वर्तमान स्तर की रिपोर्ट।

(ii) बालक के सीमित-अवधि उद्देश्यों के साथ-साथ वार्षिक उद्देश्यों की रिपोर्ट।

(iii) बालक को प्रदान की जाने वाली विशिष्ट शैक्षिक सेवाओं की रिपोर्ट और वह सीमा जिस प्रकार एक बालक नियमित शैक्षिक योजना में भग लेने योग्य हो जायें।

(iv) ऐसी सेवाओं के आरम्भ एवं अनुमानित अवधि के लिए निर्धारित अवधि।

(v) उपयुक्त मूल्यांकन प्रक्रियाएँ अनुसूचियाँ-यह सुनिश्चित करने हेतु कि निर्देशनात्मक उद्देश्यों की पूर्ति कर ली गई है या नहीं।

IEP के चरण

प्रथम चरण—पुनर्विचार या स्थानान्तरण या रेफरल—बालक पर विचार किया जाता है कि उसकी विशिष्ट आवश्यकताएँ हैं। ऐसे बालक की गतिविधियाँ में सम्मिलित अभिभावक या अध्यापक द्वारा लिखित रूप में उल्लिकखित किया जाना चाहिए अगर रेफलर अध्यापक द्वारा किया जाता है तो इस संदर्भ में अभिभावक को सूचित करना चाहिए।

द्वितीय चरण—मूल्यांकन—मूल्यांकन बच्चे की शिक्षा संबंधित सूचनाओं को सुनियोजित ढंग से एकत्रित करने की प्रक्रिया होती है। इसका प्रमुख उद्देश्य यह जानना होता है कि बालक क्या कर सकता है और क्या नहीं कर सकता है, उसकी ताकत क्या है, उसकी सीमाएँ एवं समस्याएँ क्या हैं? मूल्यांकन तीन प्रकार का हो सकता है—

(i) चिकित्सीय कमियाँ या व्याधि

(ii) मनोवैज्ञानिक अनुकूलता का स्तर

(iii) शैक्षिक स्तर।

चिकित्सीय मूल्यांकन बच्चे की कमियों या बीमारियों की ओर संकेत करता है। यदि बच्चें में कोई बीमारी है और नहीं जाँची जाती तो वह बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन बाल के अनुकूल स्तर, प्रवृत्ति एवं रुचि के स्तर को सामने प्रस्तुत करता है। शैक्षिक मूल्यांकन बालक के शैक्षिक स्तर और उसकी अधिगम शैली को स्पष्ट रूप प्रस्तुत करता है।

मूल्यांकन करने के लिए बालक के पहले से उपलब्ध आँकड़ों को पुन: जाँचा परखा जाता है। कमेटी का प्रधान यह सुनिश्चत करता है कि क्या और अधिक सूचना सम्मिलित किये जाने की आवश्यकता है जिससे संभव सेवाओं के बारे में विचार किया जा सके, अगर ऐसा है तो कौन-सी सूचना चाहिए अगर पर्याप्त सूचना पूर्व में ही उपलब्ध है तो कमेटी की बैठक स्थगित की जाती है ताकि मूल्यांकन रिपोर्ट पर बहस की जा सके। यदि पूर्व में एकत्रित की गई सूचना उपलब्ध नहीं है या सूचना वर्तमान मूल्यांकन के लिए पर्याप्त है तो नए आंकड़े एकत्रित किये जाते हैं।

इस विषय में एक अन्य बात पर ध्यान दिया जातना चाहिए कि मूल्यांकन करने वाली टीम बहु-अनुशासित होनी चाहिए यह पक्षपात दूर हो। उसका जातीय, संस्कृति, सामाजिक-आर्थिक स्थिति के प्रति कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। मूल्यांकन के आंकड़े एकत्रित होने पर तैयार रिपोर्ट पर वार्तालाप कमेटी की बैठक बुलाई जाये। अभिभावक यह निश्चय करें कि एकत्रित किये गये आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट विश्वसनीय है या नहीं।

तृतीय चरण—योजना—मूल्यांकन प्रक्रिया समाप्त होने पर कमेटी उससे संबंधित बनाती है। यह मासिक, त्रैमासिक आधार पर वार्षिक या सीमित अवधि उद्देश्यों का निर्धारण करती है। कमेटी यह भी योजना बनाती है कि कौन-सी सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए जैसे कि भाषण प्रतिशिक्षण या निदानात्मक निर्देशन आदि।

चतुर्थ चरण—क्रियान्वयन—एक पूर्ण रूप से सुनियोजित की गई योजना के पश्चात् उन सेवाओं की योजना के अनुरूप क्रियान्वित किया जाता है। इसमें प्रत्येक सकारात्मक के साथ ही नकारात्मक पक्षों को ध्यान में रखा जाता है।

पंचम चरण—पूर्नमूल्यांकन—पुर्नमूल्यांकन क्रियान्वयन प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा होता है। यह उद्देश्य आधारित होना चाहिए। पुनर्मूल्यांकन मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है। यह ये स्पष्ट करने के लिए होता है कि क्या बालक संतोषजनक उन्नति कर रहा है यानहीं यदि नहीं तो सेवा प्रदान करने में कौन-से बदलाव किये जाने चाहिए।

NOTES

अन्तिम चरण—पूर्णतया या सम्पन्न होना—सभी सेवाएँ तब तक संचालित रहनी चाहिए जब तक कमेटी यह फैसला नहीं कर लेती कि उनकी अब कोई अधिक आवश्यकता नहीं है। तब, यदि उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया गया है तो कमेटी का कार्य सम्पन्न हो जाता है। ये उद्देश्य व्यवहार परिवर्तन या शैक्षिक स्तर में सुधार या व्यवहार हेतु अनुकूलन के विकास से संबंधित हो सकते हैं।

IEP का महत्व—व्यक्तिपरक शैक्षिक योग्यता का महत्व केवल विशिष्ट आवश्यताओं वाले बालक के लिए ही नहीं है, अपितु अध्यापकों एवं अभिभावकों के लिए भी इसका महत्व है। अध्यापन के परम्परागत आयामों में बालक की असफलता के लिए अध्यापक जवाबदेह नहीं होता था। लेकिन IEP कुछ स्तर तक अध्यापकों की जवाबदेही सुनिश्चित करती है।

परम्परागत शिक्षा प्रणाली में घर एवं विद्यालय, अध्यापक एवं अभिभावक के मध्य कोई संबंध नहीं होता था। आमतौर पर अध्यापक अलग रहकर कार्य करता था। IEP नियिमित अध्यापक एवं संसाधन अध्यापक एवं अन्य के मध्य परस्पर संचार को प्रोत्साहित करती है। समावेशी शिक्षा के लिए अध्यापकों एवं अभिभावकों के मध्य बेहतरीन तालमेल एवं सहयोग चाहिए।

IEP बालक में अनिश्चित व्यवहार परिवर्तन को सुनिश्चित करती है और इच्छित व्यवहार के सीखने एवं अनुकूलन में सुधार लाने में सहयोग करती है।

कुछ कठिनाइयाँ—IEP भारतीय विद्यालयों में न केवल एक दुर्लभ विषय है बल्कि एक अत्यधिक कठिन प्रक्रिया है। यहाँ तक कि जरूरतमंद बालकों को विषय शिक्षा प्रदान करने वाले विशिष्ट विद्यालय भी IEP को लागू करने में स्वयं को सक्षम नहीं पाते हैं। निम्नलिखित कुछ मुश्किलें हैं जो IEP को लागू करने में सामने आती हैं—

(i) IEP के सिद्धान्त एवं क्रियान्वयन में अध्यापकों का उचित प्रशिक्षित न होना।

(ii) अधिकांश अध्यापकों की इस योजना पर सही पकड़ का अभाव।

(iii) IEP टीम के गठन हेतु पेशेवर विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक या पुर्नवास अधिकारियों की उपलब्धता का न होना।

(iv) मुख्य अध्यापकों में नेतुत्व का विकास।

(v) अभिभावकों का, अधिकांश मामलों में, फैसला लेने में सम्मिलित न होना।

(vi) IEP समय खर्चीली प्रक्रिया है। इसमें धैर्य की आवश्यकता होती है। परन्तु हमारे अभिभावक इतने महत्वाकांक्षी होते हैं कि वे परिणाम की शीघ्र–अतिशीघ्र उम्मीद करते हैं

(vii) सरकार का IEP की योजना एंव क्रियान्वयन से संबंधित स्पष्ट निर्देश का न होना।

टीएलएम

शिक्षक, स्कूलों और शिक्षा के बोर्ड, योजना अनुदेश हेतु प्रयोजनों के लिए छात्रों का आंकलन समर्थन सेवाएँ प्रदान करने और विशेष जरूरतों के साथ छात्रों की पहवान करने हेतु जिम्मेदार हैं। यहाँ तक कि यदि एक छात्र एक अधिगम विकलांगता होने का संदेह हैं, शिक्षकों हेतु एक औपचारिक मनोवैज्ञानिक शैक्षिक मूल्यांकन के लिए एक रेफरल पर विचार किया जा रहा से पहले व्यक्तिगत हस्तक्षेप और रहने के स्थान की एक किस्म प्रदान करना चाहिए। अनौपारिक मूल्यांकन – इस प्रकार कक्षा आकलन, व्यवस्थित अवलोकन, फाइल समीक्षा और साक्षात्कार के रूप में – औपचारिक उपकरणों का प्रबंध शैक्षिक कौशल विकास के स्तर को निर्धारित करने और सीखने की प्रक्रिया में शक्तियों और कमजोरियों की पहचान के रूप में महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि यह जितनी जल्दी हो सके हस्तक्षेप करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, शिक्षकों को इससे पूर्व कि वे जगह में रणनीति डाल औपचारिक मूल्यांकन के लिए इंतजार नहीं करना चाहिए होने के लिए। एक स्कूल मनोवैज्ञानिक द्वारा मनोवैज्ञानिक शैक्षिक मूल्यांकन के लिए रेफरल जिले के दिशा–निर्देशों का अनुसरण करें। विशेष शिक्ष सेवाएँ नीतियों, प्रक्रियाओं और शिक्षा दिश निर्देशों का एक मैनुअल (www. bced, gov. bc.ca/ special/ppandg.htm ऑनलाइन) एक सीखने विकलांगता होने रूप में एक छात्र

NOTES

की पहचान से संबंधित जिले प्रक्रियाओं के लिए मंत्रालय के दिशा निर्देश प्रदान। आंकलन की पहचान के लिए एक अधिगम विकलांगता परिवार, शिक्षकों, सलाहकारों (यदि शामिल) सहित अनेक स्त्रोतों से जानकारी एकीकृत करना चाहिए, सहायता या अन्य रिकॉर्ड, और किसी प्रांसगिक मेडिकल रिपोर्ट (जैसे भाषण और भाषा पैथोलॉजी के रूप में) सीखने। एक बार एक छात्र को एक औपचारिक मूल्यांकन हेतु निर्दिष्ट किया गया है, एक शिक्षक या प्राचार्य माता-पिता की अनुमति प्राप्त और समझ औपचारिक मूल्यांकन प्रक्रिया के समय जाएगा में छात्र एवं उनके माता-पिता की सहायता के लिए की आवश्यकता होगी। स्कूल मनोवैज्ञानिकों आम तौर पर मूल्यांकन उपकरणों है कि वे औपचारिक प्राप्त रेफरल जानकारी और सवालों के रेफरल जानकारी और सवालों के रेफरल में उत्पन्न के आधार पर मूल्यांकन हेतु उपयोग करेगा का चयन करें। सीखने विकलांग के साथ छात्रों के लिए PSYCHOEDUCATIONAL आंकलन अवधारणात्मक और सूचना संसाधन, भाषा और श्रवण प्रसंस्करण, ध्यान एवं कार्यकारी समारोह, मोटर योग्यता और/या सामाजिक कौशल के साथ-साथ पढ़ने लिखित भाषा या गणित के अन्य में कठिनाइयों का पता चलता है, यह तकनीकी जानकारी बढ़ाती है कि स्कूल स्तर पर शिक्षकों, द्वारा एकत्रित किया और आदेश उचित आवास और सुधार रणनीतियों की योजना बनाने में एक छात्रों की समस्याओं और ताकत को समझने में स्कूल आधारित टीमों पर सकते हैं। निष्कर्ष छात्र, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ साझा किया जाना चाहिए, जो व्यावहारिक रणनीतियों में जानकारी का अनुवाद सहायता की आवश्यकता हो सकती है। मनोवैज्ञानिक शैक्षिक आंकलन के आधार पर, एक निर्णय के बारे में आम तौर पर किया जाए या नहीं एक छात्र को औपचारिक रूप से एक अधिगम विकलांगता होने के रूप में पहचाना जाता है बना है। अधिकांश मामलों में, मूल्यांकन एक सीखने विकलांगता की उपस्थिति का संकेत नहीं है। इस मामले में, शिक्षकों और स्कूल आधारित टीम अभी भी सीखना विकलांग पृष्ठ के साथ एक सहायक छात्रों को विकसित नहीं करेगी में। 46 योजना व्यक्ति आधार है कि छात्र का आंकलन किया जरूरतों, खूबियों, प्रतिभा और हितों संबोधित करते हैं। एक मनोवैज्ञानिकों-शैक्षिक मूल्यांकन के कारण एक अधिगम विकलांगता वे अस्तित्व का संकेत हैं, तो शिक्षा के बोर्ड विशेष आवश्यकता वाले एक छात्र के रूप है कि छात्र की पहचान करने के लिए जिम्मेदार है। छात्र एक सीखने विकलांगता होने के रूप में मंत्रालय को सूचना प्रदान की जाती है जो जिले के पास एक एकल शिक्षा योजना (IEP) के विकास हेतु और कहा कि योजना के अनुसार शैक्षिक कार्यक्रमों और सबंधित सेवाओं के वितरण के लिए जिम्मेदार है।

NOTES

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

(1) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के लक्षण एवं कारण को विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(2) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बचाव के क्या कारण हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(3) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की प्रकृति को सविस्तार समझाइये।

(4) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल का क्या योगदान हैं ? लिखिए।

(5) वैयक्तिक शैक्षणिक योजना से आप क्या समझते हैं ? सविस्तार वर्णन कीजिए।

लघुउत्तरीय प्रश्न

(1) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात अवधारण का क्या तात्पर्य हैं ?

(2) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के प्रकार लिखिए।

(3) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के मूल्यांकन में आने वाली कठिनाइयाँ क्या है, लिखिए।

(4) वैयक्तिक शिक्षण कार्यक्रम क्या हैं ?

(5) T.L.M. से आप क्या समझते हैं ?

2 अंग-विच्छेद, पोलियों, रीढ़ की हड्डी एवं पेशी अपविकास

NOTES

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- प्राक्कथन
- परिभाषा
- लक्षण
- कारण
- विकार
- प्रकार
- निष्कर्ष
- **रीढ़ की हड्डी**
- परिभाषा
- लक्षण
- कारण
- विकारों
- प्रकार
- निष्कर्ष
- **मांसपेशीय दुर्विकास**
- वैज्ञानिक तथ्य
- आयुर्वेदिक उत्पाद के चिकित्सकीय गुण
- लेखन सामग्री
- पेशी कुपोषण
- प्राथमिक लक्षण
- गामक अक्षमता
- गामक अक्षमता का अर्थ
- गामक अक्षम बालकों का वर्गीकरण
- गामक अक्षमता के कारण
- गामक अक्षमता की पहचान
- CPWD के प्रबंधन हेतु युक्तियाँ
- गामक अक्षमता हेतु पाठ्यक्रम
- गामक अक्षमता के प्रकार
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे—

- प्राक्किथन
- परिभाषा
- लक्षण
- कारण
- विकार
- प्रकार
- निष्कर्ष
- **रीढ़ की हड्डी**
- परिभाषा
- लक्षण
- कारण
- विकारों
- प्रकार
- निष्कर्ष
- **मांसपेशीय दुर्विकास**
- वैज्ञानिक तथ्य
- आयुर्वेदिक उत्पाद के चिकित्सकीय गुण
- लेखन सामग्री
- पेशी कुपोषण
- प्राथमिक लक्षण
- गामक अक्षमता
- गामक अक्षमता का अर्थ
- गामक अक्षम बालकों का वर्गीकरण
- गामक अक्षमता के कारण
- गामक अक्षमता की पहचान
- CPWD के प्रबंधन हेतु युक्तियाँ
- गामक अक्षमता हेतु पाठ्यक्रम
- गामक अक्षमता के प्रकार
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

है तथा लक्षणों की विशेषता होती है जो हल्के नॉनपार्लेटिक संक्रमण से घंटों के मामले में कुल पक्षाघात तक सीमित होती है।

विवरण—तीन ज्ञात प्रकार के पोलियोवाइरस (1, 2 और 3) कहते हैं। जिनमें से प्रत्येक ने रोग के एक अलग तनाव पैदा किया है तथा एंटीवायरस के वायरल परिवार (जठरांत्र संबंधी मार्ग को संक्रमित करने वाले वायरस) के सभी सदस्य हैं। प्रकार। महामारी का कारण है, तथा पक्षाघात के कई मामलों, जो संक्रमण का सबसे गंभीर प्रकटीकरए है विषाणु मुख्यत: पर एक हानिरहित है परजीवीमनुष्य के। कुछ आंकड़ों में 200 संक्रमणों में से एक को पक्षाघात का कारण बताता है, जबकि अन्य कहते हैं कि 1,000 मामलों में से एक केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र तक पहुंचता है यह केन्द्रीय तक पहुँचता है सृजन और विनाश रीढ़ की हड्डी मोटर कोशिकाओं की (पूर्वकाल सीग कोशिकाओं) होता है, जो उन्हें मांपेशियों को आवेगों बाहर भेजने से रोक दिया। इससे मांसपेशियों को मुलायम बनने का कारण बनता है, और वे अनुबंध नहीं कर सकते हैं, एक शर्त जो कि flaccid पक्षाघात कहा जाात है तथा यह पोलियों में पाया गया प्रकार है। पक्षघात की मात्रा उस पर निर्भर करती है जहाँ वायरस हमलों और उन कोशिकाओं की संख्या जो इसे नष्ट कर देते हैं। मुख्यत: कुछ अंग की मांसपेशियों को विवश कर दिया जाता है; सिर को उठाण जाने के लिए गर्दन की मांसपेशियों बहुत कमजोर हो सकती हैं चेहरे की मांसपेशियों के पक्षाघात के करण मुहँ को मोड़ जा सकता है। गले अथवा साँस लेने के मांसपेशियों का पक्षाघात होने पर जीवन खतरे में पड़ सकता है।

मनुष्य पोलिओवारस के लिए एकमात्र प्राकृतिक होस्ट हैं, एवं सबसे छोटे बच्चों को संक्रमित करता है, हालांकि बड़े बच्चों एवं वयस्कों को संक्रमित किया जा सकता है। भीड़ रहने की स्थिति तथा गरीब स्वच्छता के प्रसार को प्रोत्साहित पोलियो वायरस। इस लकवाग्रस्त बीमारी के लिए जोखिम कारक बड़ी आयु गर्भावस्था, प्रतिरक्षा प्रणाली की असामान्यताओं तथा जरूरत से ज्यादा जोरदार के हाल के एक प्रकरण में शामिल **व्यायाम** केन्द्रीय तन्त्रिका तंत्र साथ समवर्ती।

कारण एवं लक्षण

पोलियो वायरस आंतों (मल) एवं या नमी इस प्रकार संचरण का प्रमुख मार्ग fecal-oral है, जो मुख्य रूप से खराब सेनिटरी शर्तो के साथ होता है। वायरस को गले में लिम्फाइड ऊतकों में होने वाली प्राथमिक गुणा के साथ मुंह के माध्यम से शरीर में प्रवेश करना माना जाता है, जहाँ यह लगभग एक सप्ताह तक जारी रह सकता है। यह जठरांत्र संबंधी मार्ग से रक्त तथा लिम्फेटिक्स में अवशोषित हो जात

NOTES

है, जहाँ यह रह सकता है एवं गुणा सकता है, कभी-कभी 17 सप्ताह तक के लिए। अवशोषित होने पर यह पूरे शरीर में व्यापक रूप से विभाजित किया जाता है जब तक कि यह अतत: (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) तक नहीं पहुँचता। यह संक्रमण दूसरों को पारित किया जाता है जब खराब हाथ धोने से बाथरूम जाने या खाने के बाद वायरस को हाथ में रहने की अनुमति मिल जाती है। स्थानान्तरण संभव रहता है, जबकि वायरस उत्सर्जित किया जा रहा है तथा जब तक वायरस गले या मल में रहता है तब तक इसे संक्रमित किया जा सकता है। ऊष्मायन अवधि तीन से लेकर 21 दिनों तक होती है, लेकिन लक्षणों की शुरूआत के बाद तथा उसके बाद के मामलों में सात से दस दिनों तक सबसे अधिक संक्रामक होते हैं।

विषाणु के दो बुनियादी पैटर्न हैं: मामूली बीमारी और बड़ी बीमारी (जो लकवाग्रस्त हो सकती है) नैदानिक संक्रमणों में से 80 से 9.0 % तक के लिए मामूली बीमारी खाती है ज्यादातर युवा बच्चों में पाए जाते हैं यह हल्का है तथा इसमें सीएनएस शामिल नहीं है। लक्षण एक मामूली शामिल बुखार, थकार सिर, दर्द, गले में खराश तथा उल्टी जो आम तौर पर जोखिम के बाद तीन से पाँच दिन का विकास। मामूली बीमारी से वसूली 24 से 72 घंटों के भीतर होती है। बड़ी बीमारी के लक्षण मुख्य रूप से के बिना दिखाई देते हैं तथा आमतौर पर बड़े बच्चों एवं वयस्कों को प्रभावित करते हैं।

पोलियों वायरस के संक्रमित लोगों का लगभग 10 प्रतिशत गंभीर सिर दर्द एवं विकसित दर्द तथा गर्दन और पीठ की कठोरता। इस की सूजन की वजह से है मेनिन्जेस (ऊतकों जो रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क को कवर)। इस सिंड्रोम अपूतित कहा जात है **कि मस्तिष्क ज्वर**। एस्टीक शब्द का उपयोग बैक्टीरिया के कारण उन लोगों से मेनिन्जाइटिस के इस प्रकार को अंतर करने के लिए किया जाता है।

पोलियोवायरस से संक्रमित लगभग 1 प्रतिशत लोग सबसे गंभीर रूप विकसित करते हैं। इनमें से कुछ रोगियों में मामूली बीमारी एवं बड़ी बीमारी के बीच दो से तीन लक्षण मुक्त दिन हो सकते हैं, लेकिन ये लक्षण अचानक किसी भी पिछ्ली छोटी बीमारी के बिना दिखाई देते हैं। लक्षणों में फिर से सिरदर्द तथा पीछ तथा गर्दन का दर्द शामिल होता है। हालांकि प्रमुख लक्षण, मोटर नसों के आक्रमण के कारण होते हैं, जो मांसपेशियों के आंदोलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस वायरल आक्रमण में इन नसों की सृजन एवं विनाश का कारण बनता है। इसलिए मांसपेशियों को मस्तिष्क अथवा रीढ़ की हड्डी से कोई संदेश प्राप्त नहीं होता है। मांसपेशियों

कमजोर, फ्लॉपी बन जाती हैं, तथा फिर पूरी तरह से लंगड़ा होता है। सभी मांसपेशियों की टोन प्रभावित अंग में खो जाती है तथा मांसपेशी नरम हो जाती है। (flaccid) कुछ दिनों के भीतर, मांसपेशियों के आकार में कमी शुरू होती है (एरोफी)। प्रभावित मांसपेशियों शरीर (के दोनों किनारों पर हो सकता है सममित पक्षाघात), लेकिन शरीर (असममित पक्षाघात) की असंतुलित भागों पर अक्सर कर रहे हैं।

जब पोलियोवायरस मस्तिष्क तंत्र पर हमला करता है (मस्तिष्क का दाग जो रीढ़ की हड्डी के साथदो सेरब्रल गोलार्धो कोजोड़ता है, जिसे बुल्बार पोलियो कहा जाता है), एक व्यक्ति को साँस लेने तथा निगलने में परेशानी होती है। यदि मस्तिष्क की बुरी आदत खराब होजाती है, जो दिल की दर एवं रक्तचान जैसे महत्वपूर्ण कार्यो के मस्तिष्क का नियंत्रण परेशान हो सकता है, ऐसी स्थिति जिससे मृत्यु हो सकती है।

पक्षाघात की अधिकतम स्थिति मुख्यत: केवल कुछ दिनों के भीतर पहुँच जाता है, शेष, अप्रभावित तंत्रिका तब शाखाएँ बढ़ने की कोशिश करने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, जो नष्ट नसों के लिए क्षतिपूर्ति कर सकती हैं। सौभाग्य से तंत्रिका कोशिकाओं को हमेशा पूरी तरी से नष्ट नही किया जाता है एक महीने के अंत तक तंत्रिका आवेगों ने पर लकवाग्रस्म मांसपेशियों में लौटना शुरू कर दिया एवं छह महीने के अंत एक वसूली लगभग पूर्ण हो गई है। यदि तंत्रिका कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाता है ;

समाधान

एक बच्चे या युवा वयस्कों में सवेदी हानि के बिना बुखार एवं असमतिम विचित्र पक्षाघात लगभग हमेशा पोलियोयोमाइलाइटिस दर्शाता है एक लंबी, पतली सुई पीठ के निचले हिस्से को वापस लेने का डाला का उपयोग रीढ़ की हड्डी में तरल पदार्थ में वृद्धि हुई सफेद रक्त कोशिकाओं तथा बैक्टीरिया (अपूतित दिमागी बुखार) का पता चलता है। अन्य एजेंटों की वजह से अपारदर्शी मैनिजाइटिस से गैर-पारस्परिक पोलियोमाइलाइटिस की चिकित्सकीय रूप से अलग नहीं किया जा सकता है। एक गले पट्टी तथा मल या एक विशिष्ट में वृद्धि का प्रर्दशन रक्त परीक्षण से अलग वायरस एंटीबॉडी निदान की पुष्टि करने की आवश्यकता है।

इलाज

सिंड्रोमेटिक को छोड़कर पोलियों के लिए कोई विशेष उपचार नहीं है थेरेपी मस्तिष्क को अधिक आरामदायक (दर्द दवाओं एवं मांसपेशियों को शांत करने के

NOTES

लिए गर्म पैक) बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, तथा हस्तक्षेप यदि साँस लेने के काम को पूरा करने के लिए) सक्रिय संक्रमण के दौरान, एक फर्म बिस्तर पर आराम संकेत दिया है। वसूली के दौरान पैराऔलिकट पोलियो के प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा शारीरिक चिकित्सा है

रोग का निदान

जब पोलियोवायरस केवल मामूली बीमारी अथवा स्याही मेनिन्जाइटिस का कारण बनता है, तो रोगी को पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद की जा सकती है। बड़ी बीमारी वाले रोगियों में, लगभग 50 प्रतिशत पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं। ऐसे 25 प्रतिशत रोगियों में मामूली विकलांगता है तथा लगभग 25 प्रतिशत स्थायी तथा गंभीर विकलांगता हैं।

पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम (पीपीएम) एक ऐसी अवस्था है जो पोलियों से वसूली के 10 से 40 साल वर्ष बाद कहीं भी पोलियो बचे लोगों को मार सकती है। यह प्रारंभिक पोलियों हमले के बाद रहने वाले मोटर इकाइयों में व्यक्तिगत तंत्रिका टर्मिनलों की मौत के कारण होता है। लक्षणों में थकान, धीरे-धीरे प्रगतिशील मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों एवं जोड़ों के दर्द तथा मांसपेशियों के शोष शामिल हैं पोस्ट पोलियों सिड्रोम की गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि पहले पोलियों हमले से बचे लोगों पर कितना असर पड़ा।

निवारण

संयुक्त राज्य में उपलब्ध दो प्रकार के पोलियों टीकाकरण हैं, लेकिन वर्ष 2000 के बाद से एक शायद ही कभी प्रयोग किया जाता है

सॉल्क वैक्सीन (भी मारे गय बुलाया **पोलियो वैक्सीन** या निष्क्रिय poliovaccine, **आइपीवी)** तीन शॉट कि दो महीने, चार महीने की उम्र में बच्चों को सिर्फ त्वचा के नीचे दिया जाता है कि एक शृंखला है तथा छह से 18 महीने के बीच किसी भी समय के होते हैं एक चौथा इंजेक्यान बूस्टर के रूप में चार से छह वर्ष की उम्र के मध्य दिया गया है। यह प्रतिरक्षण में कोई जीवित वायरस नहीं होात है, केवल वायरस के घटक जो प्राप्तकर्ता की प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेतिर करता है।

मुख्य शर्तें

अपूतित बाँस; कोई सूक्ष्मजीव नहीं है, विशेषकर बैक्टीरिया नहीं

असममित-Not शरीर के दोनों किनारों पर समान रूप से होने वाली।

NOTES

शोष-इस प्रगतिशील बर्बाद एवं शरीर के किसी भाग के समारोह के नुकसान।

मस्तिष्क जो रीढ़ की हडड्ी के साथ दो मस्तिष्क गोलार्द्धो जोड़ता है कि इस डंठल brainsteml यह महत्वपूर्ण कार्यों, आंदोलन, सनसनी तथा सिर एवं गर्दन की आपूर्ति तंत्रिकाओं को नियंत्रित करने में शामिल है।

पाचन अंगों एवं संरचनाओं, पेट और आंतों जैसी **गैस्ट्रोइटेस्टाइनल**-Pertaining।

लसीका-Clear, थोड़ा पीला तरल पदार्थ शरीर के हर हिस्से को पतली नलियों के एक नेटवर्क के द्वारा किया जाता है। कोशिकाएँ जो संक्रमण से लड़ने लसीका में होती हैं। स्वेच्छा से पेशी अथवा तंत्रिका क्षति के कारण शरीर के एक अथवा अधिक भागों स्थानांतरित करने की क्षमता के पक्षाघात-Loss।

वर्ष 2000 के बाद से, सबिन वैक्सीन को संयुक्त राज्य में बंद कर दिया गया है, हांलाकि यह अभी भी अन्य देशों में उपयोग किया जा रहा है। इसमें जीवित है, लेकिन कमजोर, पोलियोवायरस एवं क्योंकि ओपीवी लाइव वायरस का उपयोग करता है, इसमें कमजोर प्रतिरक्षा सुरक्षा वाले व्यक्तियों में संक्रमण का कारण बन सकता है लगभग नौ मामलों में वैक्सीन से संबंधित पोलियों का एक वर्ष संयुक्त राज्य अमेरिका में ओपीवी से जुड़ा था। फिर भी यह क दुर्लभ जटिलता है, जो कि 6.8 मिलियन खुराक में केवल एक में प्रयुक्त होता है तथा हर 6.4. मिलियन डोस में से कए से पोलियों होने का जोखित स्वाभाविक रूप से इसे प्राप्त करने से ज्यादा था।

ग्लोबल पोलियों उन्मूलन अभियान की शुरूआत के बाद मामलों की संख्या अनुमानित 350,000 मामलों से 99% गिर गई, जो 2000 में दुनिया भर में 3,500 से कम मामलों में कम थी। 2000 के अंत में पोलियों से संक्रमित देशों की संख्या लगभग 20 थी। 125. विश्व स्वास्थ्य संगठन के लक्ष्य से पोलियो का सफाया होना चाहिए।

2. उद्देश्य

- सार्थक जीवन जीने के लिए तथा उचित उपचार के माध्सम से आत्मनिर्भर होने के कारण मस्तिष्क पक्षाघात के कारण शारीरिक तथा/या मानसिक विकलांगता में बच्चों युवाओं एवं वयस्कों की सहायता करना।

- प्रमस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों के माता-पिता को भावनात्मक समर्थन प्रदान करने तथा दीर्घकालिक आधार पर उनके निर्भर बच्चों को उपयुक्त सहायता एवं सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए।

- माता-पिता के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हुए उपलब्ध समुदाय संसाधनों के उचित उपयोग के माध्यम से उन सभी प्रमस्तिष्क पक्षाघात पीड़ित मामलों के पुनर्वास के लिए।

- उचित उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं को प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव शक्ति का उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षण का संचालन करना।

- मस्तिष्क पक्षाघात के लिए एक संसाधन केन्द्र के रूप में इस संस्थान को विकसित करना।

- सीपी पर पढ़ने एवं पढ़ने के लिए सीपी की रोकथाम के तरीके के प्रचार के माध्यम से सार्वजनिक जागरूकता का निर्माण करना।

- अंतराष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसियों तथा संगठनों के अनुसंधान के निष्कर्षो से ज्ञान एवं कौशल का उपयोग करने के लाभ।

3. पोलियो

पोलियो अथवा पोलियो, कि पक्षाघात साँस लेने की समस्याओं अथवा यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती एक बेहद संक्रामक वायरल संक्रमण है। अवधि ग्रीक polios जिसका अर्थ है 'ग्रे myelos रीढ़ की हड्डी को सदर्भित है, तथा आईटीआई से है सूजन।

पोलियो को अथवा तो लक्षण अथवा अस्थिरता के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है सभी मामलों में से लगभग 95% कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं होता है और 4% और 8% मामलों के बीच लक्षण दिखाते हैं। लापता पोलियो को एक हल्के रूप में विभाजित किया जा सकता है जिसे नॉनपार्लेटिक अथवा अपरिवर्तनीय पोलियो कहा जाता है तथा एक गंभीर रूप जिसे पैरालिक्टिक पोलियो कहा जाता है।

पैरालिक्टिक पोलियो को भी वर्गीकृत किया जा सकता है :

रीढ़ की हड्डी में पोलियो-रीढ़ की हड्डी में हमलों मोटर न्यूरॉन्स तथा हाथ एवं पैर और साँस लेने की समस्याओं में पक्षाघात का कारण बनता।

कंदाकर पोलियो-दृष्टि, स्वाद निगलने तथा साँस लेने के लिए जिम्मेदार न्यूरॉन्स को प्रभावित करता है।

नॉनपार्लेटिक पोलियो वाले कई लोग पूरी तरह से वसूली करने में सक्षम होते हैं, जबकि लकबाग्रस्त पोलियो वाले लोग मुख्यरूप से स्थायी पक्षाघात के साथ समाप्त होते हैं।

पोलिया कौन पता है ?

कई अन्य संक्रामक रोगों की तरह, पोलियो के शिकार लोगों की आबादी के सबसे कमजोर सदस्य हैं। इसमें बहुत ही युवा, गर्भवमती महिलाओं एवं प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग शामिल हैं जो अन्य चिकित्सा स्थितियों से काफी कमजोर हैं जो भी पोलियो के खिलाफ प्रतिरक्षित नहीं किया गया है, वह विशेष रूप से संक्रमण करने के लिए अतिसंवेदनशील है।

NOTES

पोलियो के लिए अतिरिक्त जोखिम वाले कारकों में ऐसे स्थानों की यात्रा करना शामिल है जहाँ पोलियो स्थानिक है, पोलियो से संक्रमित किसी व्यक्ति के साथ रहना, एक प्रयोगशाला में काम करना, जहाँ रहते पोलियोवायरस तथा आपके टॉन्सिल हटा दिए जाते हैं।

पोलियो के कारण एवं लक्षण

पोलियो पोलीओवायरस के कारण होता है, जो मनुष्यों के लिए एक बेहद संक्रामक वायरस है वायरस मुख्य रूप से कारण किसी व्यक्ति के संक्रमित मल में वातावरण प्रवेश करता है। खराब स्वच्छता वाले क्षेत्रों में, दूषित पानी अथवा भोजन के माध्यम से वायरस आसानी से फैल–मौखिक मार्ग के माध्यम से फैलता है। इसके अतिरिक्त वायरस से संक्रमित व्यक्ति के साथ सीधे संपर्क पोलियो पैदा कर सकता है।

लक्षण

पोलियो अपने सबसे दुर्बल रूपों में लकवा एवं मुत्यु जैसी लक्षण दिखाता है। पोलियो वाले ज्यादातर लोग वास्तव के कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं करते हैं अथवा बीमारी हो जाते हैं। जब लक्षण दिखाई देते हैं, तो पोलियों के प्रकार के आधार पर मतभेद होते हैं Nonparalytic पोलियो (निष्फल पोलियो) जैसे फ्लू जैसे लक्षण है कि कुछ ही दिनों अथवा हफ्तों के लिए पिछले की ओर जाता है **बुखार**, **गले में खराश**, **सिरदर्द**, उल्टी , **थकान**, पीठ एवं गर्दन दर्द हाथ तथा पैर कठोरता मांसपेशियों में कोमलता, मांसपेशियों में ऐंटन एवं **दिमागी बुखार**।

पैरालिक्टिक पोलियो प्राय: नॉनपार्लेटिक पोलियो के समान लक्षणों से होगा, लेकिन अधिक गंभीर लक्षण जैसे कि मांपेशियों की प्रतिक्रियाएँ, गंभीर मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन और ढीली अथवा फ्लॉपी अंगों की प्रगति होती है जो कि शरीर के एक तरफ से अक्सर खराब होती है।

NOTES

• लगभग 6,000 वर्षों तक पोलियो का पता लगाया गया है इस रोग को रोकने में बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है।

• पोलियो के कारण व्यक्ति को अलग-अलग पोलियो वायरस का संचरण होता है।

• पोलियोवायरस से संक्रमित होने के लिए पोलियो वैक्सीन प्राप्त नहीं करना सबसे अधिक जोखिम कारक है प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संपर्क द्वारा ही वायरस मानव को मानव में फैलता है• पोलियो के लक्षण तथा लक्षण कोई लक्षण नहीं होते हैं क्योंकि अंग विकृति, पक्षाघात एवं मृत्यु।

• पोलियो का निदान रोगी के इतिहास, शारीरिक परीक्षा, तथा चल रहे लक्षणों पर आधारित है। निदान की पृष्टि के लिए रोगी के ऊतकों से विषाणु पृथक किया जा सकता है।

• पोलियो का कोई इलाज नहीं है; उपचार मुख्य रूप से सहायक है तथा इसका लक्ष्य मरीज के लक्षणों को सीमित करना या कम करना है।

• टीकाकरण द्वारा पोलियो को रोकना संभव है; पोलियो को समाप्त करना संभव हो सकता है

• कम से कम दो प्रकार पोलियो वैक्सीन (इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन या मौखिक एन्टेन्यूटेड लाइव वैक्सीन) हैं, तथा दोनों प्रकार के पोलियो को रोकने में प्रभावी हैं।

• वर्तमान में कैलिफोर्निया में एक पोलियो जैसी बीमारी की खोज की गई है जो लकवा का उत्पादन करती है जैसे कि कुछ पोलियो रोगियों में देखा जाता है। बच्चों का इलाज करने वाले डॉक्टरों अनुसार यह बीमारी पोलियो नहीं है।

पोलियो संक्रामक रोग में है जो कि वायरस के कारण उत्पन्न होता है जिसके फलस्वरूप रोगियों में विस्तृत लक्षण हो सकते हैं। पोलियो के अन्य नियमों में पोलियोमाइलाइटिस तथा शिशु पक्षाघात सम्मिलित है कि कुछ ही घंटों में हो सकता है।

पोलियो का इतिहास

पोलियो का इतिहास लगभग 6,000 वर्ष है। मिस्त्र के ममियों को सूखे तथा विकृत अंगों के साथ पाया गया है जो पोलियो संक्रमण के कारण हुई थी। 1798 में, पोलियो का पहला वर्णन दर्ज किया गया था तथा 1834 में सेंट हेलेना के द्वीप

पर पहली बार प्रलेखित महामारी हुई थी। 1855 में, डॉ। ग्यॉलीम बेंजामिन अमर ड्यूसेन ने पोलियो की रीढ़ की हड्डी के पूर्वकाल सींग कोशिकाओं में शामिल किया। लोहे के फेफड़े को 1920 के दशक के उत्तरार्ध में विकसित किया गया जिससे पोलियो के साँस लेने वाले लोगों की सहायता की जा सके। पोलियो वाले सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी। रूजवेल्ट (1882-1945) थे। पोलियो वायरस सबसे तथा पहचान गए थे। 1954 के दौरान, डॉ। जोनास साल्क (मृत वायरस टीका) द्वारा विकसित वैक्सी का पहला बड़े पैमाने पर परीक्षण इंजेक्शन द्वारा प्रशासित किया गया था, तथा 1958 में, डॉ। अल्बर्ट सबिन की वैक्सीन को मौखिक रूप से शासित किया गया था। 2000 में, अमेरिका ने इंजेक्शन द्वारा निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन का उपयोग करने के लिए स्विच किया। अन्य देशों में अभी भी मौखिक पोलियो वैक्सीन का प्रयोग हो सकता है। क्योंकि पोलियो वायरस केवल इंसानों में जीवित रहते हैं तथा मानव संपर्क से ही प्रसारित होते हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनियाभर में पोलियो को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। यह प्रयास दुनिया भर में पोलियो संक्रमणों में 99% कमी के साथ अपेक्षाकृत सफल रहा है। हालांकि, अफ्रीका तथा मध्य पूर्व के कुछ देशों में अब भी ऐसे क्षेत्रों के कारण पोलियो के कारण नए संक्रमण होते हैं जो टीका कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं पहुँचा सकते हैं दुर्भाग्य से जब इन क्षेत्रों में युद्ध होता है, तो पोलियो वापसी करता है वैक्सीन प्रयासो में बाधा उत्पन्न होती है। जो अभी भी मानना है कि पोलियो की तरह नाश किया जा सकता है चेचक निकट भविष्य में

NOTES

पोलियो के प्रकार

तीन प्रकार के पोलियो संक्रमण हैं ;

उप नैदानिक: पोलियो के मामलों की लगभग 95 प्रतिशत उन नैदानिक हैं, तथा किसी भी लक्षण अनुभव नहीं हो सकता है। पोलियो का यह रूप केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित नहीं करता है।

गैर लकवाग्रस्त: यह रूप है, जो केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है, केवल हल्के लक्षण पैदा करता है तथा पक्षाघात में परिमाण नहीं करता है।

लकवाग्रस्त: यह पोलियो के नायाब एवं सबसे गंभीर रूप है, जो रोगी में पूर्ण अथवा आंशिक पक्षाघात उत्पादन होता है। तीन प्रकार के पक्षघातक पोलियो हैं: रीढ़ की हड्डी में पोलियो (रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है), बल्बर पोलियो (मस्तिष्क को प्रभावित करता है) तथा बल्बोस्पेनाइल पोलियो (रीढ़ और मस्तिष्क को प्रभावित करता है)।

पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम एक उलझन है सिंड्रोम के लक्षण पोलियो संक्रमण के 35 साल बाद तक हो सकते हैं।

7 के भाग 3: कारण

क्या पोलियो का कारण बनता हैं ?

Poliovirus अक्सर व्यक्ति से व्यक्ति को fecal पदार्थ के माध्यम से प्रेषित होता है चलने वाले पानी अथवा फ्लश शौचालयों तक सीमित पहुँच वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोग प्राय: वायरस से होने वाले वायरस को मानव कचरे से दूषित पानी से प्राप्त करते हैं।

इसके अतिरिक्त दूषित भोजन अथ्रावा पानी अथवा किसी अन्य संक्रमित व्यक्ति के साथ सीधे संपर्क से वायरस फैल सकता है। मई क्लिनिक के मुताबिक, पोलियो का कारण बनने वाला वायरस इतना संसर्गग्रस्त है।

मेयो क्लीनिक

- गर्भवती महिलाओं, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग, जैसे कि एचआईवी + लोग, तथा छोटे बच्चे पोलियो वायरस के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। यदि आपको टीका लगाया नहीं गया है, तो आप पोलियो को संक्रमित करने का जोखिम बढ़ा देते हैं ;
- एक ऐसे इलाके में जा रहे जहाँ हाल ही में पोलियो का प्रकोप हुआ है
- पोलियो से संक्रमित किसी व्यक्ति के साथ देखभाल
- वायरस में एक प्रयोगशाला नमूना से निपटने
- अपने टॉन्सिल हटा दिए गए
- अत्यधिक तनाव, जो प्रतिरक्षा प्रणाली समारोह में समझौता कर सकते हैं

7 के भाग 4: लक्षण

पोलियो के लक्षणों की पहचान

उप-नैदानिक पोलियो ध्यान देते योग्य लक्षणों को ट्रिगर नहीं कर सकता है। संक्रमित मरीजों में से 95% से 99% रोगग्रस्त हैं। पाँच प्रतिशत ोलियो के मामलों में रोगियों के अनुभव के लक्षण होते हैं, वे हल्के से गंभीर तक हो सकते हैं पैरालिक्टिक पोलियो (पक्षाघात की ओर जाता है पोलियो) तथा अधिक गंभीर

लक्षण हैं तथा घातक हो सकते हैं। गैर-पक्षाघात वाले पोलियो के अनुभव वाले मरीजों, हल्के फ्लू जैसे लक्षण

NOTES

उप-क्लिनिकल पोलिया—यदि मरीजों के लक्षण होते हैं, तो वे मुख्य रूप से अथवा उससे कम समय तक रह सकते हैं एवं इनमें शामिल हो सकते हैं :

- सरदर्द
- पीड़ा, लाल गले
- हल्का बुखार
- उल्टी
- सामान्य असुविधा

गैर पैरालिक्टिक पोलियो—गैर पैरालिक्टिक पोलियो के लक्षण कुछ हफ्ते अथवा दो सप्ताह तक रह सकते हैं एवं इसमें सम्मिलित हैं—

- बुखार
- ऊपरी श्वसन संक्रमण के अभाव में गले में गले
- सिरदर्द
- उल्टी
- थकान
- असामान्य सजगता
- पीठ एवं गर्दन में दर्द तथा कठोरता, विशेष रूप से गर्दन की ओर बढ़ने के साथ गले में कठोरता
- हाथ तथा पैर दर्द या कठोरता
- पेशी कोमलता एवं ऐंठन

पैरालिक्टिक पोलियो—लकवाग्रस्त पोलियो वाले लोग पहली बार गैर-पैरालिक्टिक पोलियो से जुड़े लक्षणों का अनभुव करते हैं इसके तुरन्त बाद, निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं :

- सजगता का नुकसान
- गंभीर ऐंठन एवं माँसपेशियों में दर्द

NOTES

- ढीले तथा फ्लॉपी अंग, कभी–कभी शरीर के एक हिस्से पर, यह कमजोरी के कारण होता है जो रीढ़ की हड्डी की भागीदारी से उत्पन्न होता है।
- विकृत अंग उचित अस्थिभंगिक लचीलापन की कमी

पूर्ण पक्षाघात विकतिस हो सकता है किन्तु यह दुर्लभ है। सभी पोलियो मामलों के केव्न एक प्रतिशत के फलस्वरूप एक व्यक्ति स्थायी रूप से लुख जायेगा। उन रोगियों में, जो पक्षाघात का अनुभव करते हैं, पाँच से 10 प्रतिशत मर जाते हैं, जब पक्षाघात उन माँसपेशियों पर हमला करता है जो श्वास को नियंत्रित करते हैं। (सीडीसी)

पोस्ट–पोलिओ सिंड्रोम—पोलियो सिंड्रोम के लक्षण निम्न हैं :

- निरंतर मांसपेशियों एवं संयुक्त कमजोरी
- मांसपेशियों में दर्द जो बदतर हो जाता है
- आसानी से थका हुआ अथवा थका हुआ बनना
- मांसपेशी बर्बाद कर रहे हैं, जिसे मांसपेशी शोष कहा जाता है
- संबंधित श्वास संबंधी समस्याओं
- आसानी से ठंडा हो रहा अथवा
- पहले की नसों वाली मांसपेशियों में कमजोरी की शुरुआत

समाधान

डॉक्टरों ने पोलियों का निदान कैसे किया ?

चिकित्सक रोगी के सूचित लक्षणों का उपयोग यह निर्धारित करने में मदद के लिए करेंगे कि क्या उन्हें पोलियो है अथवा नहीं एक शारीरिक परीक्षा के दौरान, एक चिकित्सक यह देख सकता है कि रोगी ने सफेदता, पीठ एवं गर्दन की कठोरता अथवा झूठ बोलते समय अपने सिर को उठाने में कठिनाई बिगड़ा है।

निश्चित रूप से पोलियों का समाधान करने के लिए, एक डॉक्टर रोगी के गले स्त्राव, मल या मस्तिरूकमेरू तरल पदार्थ का एक नमूना लेगा। नमूने कोतब जाँचने के लिए जाँच की जाती है कि क्या इसमें पोलियोवायरस शामिल है तथा यदि मस्तिष्कशोध द्रव में कोशिकाएँ दर्शाती है कि सड़न रोकनेवाला मेनिनजाइटिस

7 के भाग 6 : उपचार

डॉक्टर किस प्रकार पोलियो का इलाज करते हैं ?

पोलियो का कोई इलाज नहीं है जब डॉक्टर संक्रमण के चलते चलते हैं तो डॉक्टर केवल लक्षणों का इलाज कर सकते हैं। सबसे मुख्य उपचार में शामिल हैं :

- आराम
- सिरदर्द मांसपेशियों में दर्द तथा मांसपेशियों में ऐंठन को राहत देने के लिए दर्द निवारक
- मूत्र पथ के संक्रमण के लिए प्रतिजैविक
- साँस लेने में मदद करने के लिए पोर्टबल वेंटिलेटर
- चलने में मदद करने के लिए भौतिक चिकित्सा
- माँसपेशियों में दर्द तथा ऐंठन को कम करने के लिए हीटिंग पैड अथवा गर्म तौलिए
- भौतिक चिकित्सा प्रभावित माँसपेशियों में दर्द का इलाज करने के लिए
- भौतिक चिकित्सा रोगी के फेफड़े के धीरज को बढ़ाने के लिए के रूप में तीव्र साँस लेने की समस्याओं को बेहतर एवं फेफड़े की समस्याओं और उसके बाद फेफड़े के पुर्नवास को संबोधित करने के
- पैर की कमजोरी के उन्नत मामलों में, जब एक मरीज को चलने में कठिनाई होती है तो उसे व्हीलचेयर अथवा अन्य गतिशीलता डिवाइस की आवश्यकता हो सकती है।

रीढ़ की हड्डी का अवलोकन—रीढ़ की हड्डी मस्तिष्क से जुड़ा है एवं एक मानवीय उंगली के व्यास के बारे में है। मस्तिष्क से रीढ़ की हड्डी पीठ के बीच के नीचे उतरती है तथा घिरी हुई कशेरुका स्तंभों से घिरा तथा संरक्षित है। रीढ़ की हड्डी मस्तिष्क रीढ़ की हड्डी द्रव नामक एक स्पष्ट तरल पदार्थ से घिरा है, जो कशेरुक के अंदर से पीटने से मुलायम तंत्रिका के ऊतकों की रक्षा की लिए एक कुशन के रूप में काम करती है।

रीढ़ की हड्डी की शारीरिक रचना में लाखों नर्वस फाइबर होते हैं जो शरीर के अंगों, ट्रंक तथा अंगों से तथा मस्तिष्क से और पीछे से विद्युत सूचना प्रेषित

करते हैं। नसों जो ऊपरी भाग से रीढ़ की हड्डी से बाहर निकलती हैं, गर्दन नियंत्रण श्वास तथा हथियार। तंत्रिकाएँ जो पीठ के मध्य तथा निचले हिस्से में रीढ़ की हड्डी से बाहर निकलतह हैं, ट्रंक तथा पैरों को नियंत्रित करती हैं, साथ ही साथ मूत्राशय, आंत्र तथा यौन फंक्शन।

तंत्रिका जो मस्तिष्क से मांसपेशियों की जानकारी लेते हैं उन्हें मोटर न्यूरॉन्स कहा जाता है। नसों जो शरीर से मस्तिष्क तक की जानकारी लेते हैं उन्हें संवेदी तंत्रिका तन्त्र कहा जाता है। संवेदी न्यूरॉन्स त्वचा के तापमान, स्पर्श, दर्द तथा संयुक्त स्थिति के बारे में मस्तिष्क को जानकारी लेते हैं।

मस्तिष्क तथा रीढ़ की हड्डी को केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र कहा जाता है, जबकि शरीर में रीढ़ की हड्डी को जोड़ने वाली तंत्रिकाओं को परिधीय तंत्रिका तंत्र (पीएनएस) कहा जाता है।

आरोही तथा अवरोही ट्रेक्टर्स—रीढ़ की हड्डी के भीतर नसों को अलग-अलग बंडलों में समूहीकृत किया जाता है जिन्हें आरोही तथा अवरोही क्षेत्र कहा जाता है।

- रीढ़ की हड्डी के भीतर बढ़ते मार्ग शरीर से ऊपर की तरफ से स्पर्श, त्वचा के तापमान, दर्द तथा संयुक्त स्थिति जैसे मस्तिष्क तक संवेदी जानकारी लेते हैं।

- रीढ़ की हड्डी के भीतर उतरने वाले ट्रेक्ट्स को आंदोलन तथा नियंत्रण शरीर के कार्यों को आरम्भ करने के लिए मस्तिष्क से नीचे की जानकारी लेती है।

रीढ़ की हड्डी की नसे—नसें रीढ़ हड्डी अथवा तंत्रिका जंड़ों को बुलाती हैं, रीढ़ की हड्डी से शाखा होती है तथा प्रत्येक कशेरुकी में एक छेद के माध्यम से बाहर निकलती है जिसे फॉममेन कहा जाता है ये नसें रीढ़ की हड्डी से शरीर के बाकी हिस्सों तथा शरीर से मस्तिष्क तक की जानकारी लेती हैं।

रीढ़ की हड्डी के चार मुख्य समूह हैं, जो रीढ़ की हड्डी के विभिन्न स्तरों से बाहर निकलते हैं। ये कशेरुक स्तम्भ के नीचे अवरोही क्रम में हैं :

- **ग्रीवा नसों 'सी'** : (गर्दन में नसों) की आपूर्ति आंदोलन एवं हथियारों, गर्दन तथा ऊपरी ट्रंक करने के लिए लग रहा है। श्वास को भी नियंत्रित करें।

- **छाती रोगों नसों ''टी''**: ट्रक तथा पेट की आपूर्ति।

- **काठ नसों "L" तथा नसों ''एस''** : (पीठ के निचले हिस्से में तंत्रिकाओं) पैर, मूत्राशय, आंत्र तथा यौन अंगों की आपूर्ति।

NOTES

स्पाइनल गर्भनाल स्तर की संख्या प्रणाली—रीढ़ की हड्डी में रीड़ की हड्छी की नसों को विभिन्न स्तरों को और जानकारी मिलती है। रीढ़ की हड्डी में नसों तथा खंड दोनों को कशेरुकाओं के समान ही गिने जाते हैं। प्वाइंट जिस पर रीढ़ की हड्डी समाप्त होती है, इसे कनुस मेडुलेरिस कहा जाता है, तथा रीढ़ की हड्डी का टर्मिनल अंत है। यह काठ का नसों एल तथा एल 2 के पास होता है। रीढ़ की हड्डी के समाप्त होने के बाद, रीढ़ की हड्डी में तंत्रिकाओं का ऐ बंडल के रूप में जारी रहता है जिसे पुच्छ समान कहा जाता है। कनूस मेडुल्लारियों का ऊपरी छोर मुख्यरूप से अच्छी तरह से परिभाषित नहीं है।

रीढ़ की हड्डी से 31 शाखाएँ हैं जो रीढ़ की हड्डी से बंद होती हैं। रीढ़ की हड्डी के गर्दन क्षेत्र में रीढ़ की हड्डी नसों को कशेरुक से ऊपर से बाहर निकलते हैं। सी 7 रीढ़ की हड्डी के साथ एक बदलाव तब होता है जहाँ C8 रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका भी 7 कशेरूकाओं के नीचे कशेरुक से बाहर निकलता है। इसलिए 8वीं सरवाइकल रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका है, जबकि 8वीं ग्रीवा के कशेरुक नहीं है। थौरेसिक वर्टेबरा नीचे की ओर, सभी रीढ़ की हड्डी नसों उनके बराबर गिने हुए कशेरूक के नीचे निकलते हैं।

रीढ़ की हड्डी को छोड़ने वाले रीढ़ की नसों की रीड़ की हड्डी के स्तंम्भ से बाहार निकलने वाले कशेरुकाओं के अनुसार गिने जाते हैं। रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका टी 4, रीढ़ की हड्डी के माध्यम से चौथे वक्षीय कशेरुकाओं में फोरेमेन के माध्यम से बाहर निकलती है। रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका एल 5 की रीड़ की हड्डी को पत्थर से छोड़ देता है तथा यह पुलाव समीरा के साथ यात्रा करता है जब तक कि यह 5वीं कशेरुक से बाहर नहीं निकलता है

स्पाइनल कॉर्ड सेगमेंट का स्तर वास्तव में कशेरुक निकार्यो के स्तर से संबंधित नहीं है किसी विशेष स्तर पर हड्डी को हानि पहुँचाता है जैसे, एल 5 कशेरुकाओं का मतलब रीढ़ की हड्डी को एक ही रीढ़ की हड्डी के स्तर पर नुकसान नहीं करता है।

रीढ़ की हड्डी की बीमारी क्या है ?

स्नायविक स्तर क्या है ?

क्या विकार रीढ़ की हड्डी में घावों का मुख्य कारण बनता है ?

स्पाइनल कॉर्ड सिंड्रोम क्या है ?

- ढ़ की हड्डी संबंधी विकार के कारण चोटों संक्रमण, एक अवरुद्ध रक्त की आपूर्ति तथा संपीडन में फ्रैक्चर हड्डी या ट्यूमर से।

NOTES

- मुख्यत: मांसपेशियों को कमजोर अथवा लकवा होता है, अनुभूति असामान्य अथवा खो जाती है, और मूत्राशय तथा आंत्र समारोह को नियंत्रित करना मुश्किन हो सकता है।

- चिकित्सकों के लक्षणों तथा शारीरिक परीक्षा एवं इमेजिंग परीक्षणों के परिणामों पर निदान जैसे चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग।

- यदि संभव हो तो रीढ़ की हड्डी की विकार के कारण स्थिति ठीक हो गई है।

- प्राय: पुनर्वास जिनता संभव हो उतना समारोह ठीक करने के लिए की जरूरत है।

रीढ़ की हड्डी मस्तिष्क तथा शरीर के बाकी हिस्सों के बीच संचार का मुख्य मार्ग है। यह एक लंबे नाजुक, tubelike संरचना है कि मस्तिष्क के आधार से नीचे फैली हुई है। कॉर्ड रीढ़ की हड्डी पर वापस (कशेरुकाओं) द्वारा सुरक्षित है। कशेरुकाओं अलग कर दिया तथा उपास्थि से बना डिस्क से गद्देदार कर रहे हैं।

कहाँ स्पाइनल कॉर्ड क्षतिग्रस्त है ?

गर्भाशय ग्रीवा (गर्दन), वक्ष (छाती), काठ (पीठ के निचले हिस्से), तथा त्रिक (श्रोणि): रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कॉलम) रीढ़ की हड्डी जो वर्गों में विभाजित है शामिल हैं। प्रत्येक अनुभाग एक पत्र (सी. टी. एल, या एस) से जाना जाता है।

रीढ़ की हड्डी के प्रत्येक खंड के कशेरुकाओं शीर्ष पर शुरुआत गिने जा रहे हैं। जैसे—गर्भाशय ग्रीवा रीढ़ की हड्डी में पहले बांस सी 1 लेबल किया गया है, गर्भाशय ग्रीवा रीढ़ की हड्डी में दूसरा सी 2 है, वक्ष रीढ़ की हड्डी में दूसरा टी 2 है, लम्बर स्पाइन मं चौथे 1.4 है,

नसों शरीर के एक विशिष्ट क्षेत्र के लिए रीढ़ की हड्डी के एक विशिष्ट स्तर से चलाते हैं। ध्यान देने योग्य बात, जहाँ एक व्यक्ति कमजोरी, पक्षाघात, संवेदी हानि अथवा समारोह के अन्य नुकसान है करके, एक न्यूरोलॉजिस्ट निर्धारित कर सकते हैं जहाँ रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त है।

रीढ़ की हड्डी चार वर्गों में विभक्त है तथा प्रत्येक अनुभाग एक पत्र से जाना जाता है।

- सरवाइकल (सी): गर्दन

- छाती रोगों (टी): छाती
- काठ (एल): पीठ के निचले हिस्से
- त्रिक (एस): श्रोणि

रीढ़ की हड्डी की लम्बाई के साथ रीढ़ की नसों की 31 जोड़ी कशेरुकाओं के बीच रिक्त स्थान के माध्यम से उभरते हैं। प्रत्येक रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका शरीर के एक विशिष्ट क्षेत्र के लिए रीढ़ की हड्डी में एक विशिष्ट बांस से चलाता है। एक चर्म त्वचा जिसका संवेदी तंत्रिकाओं सभी एक ही रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका मूल से आते हैं का एक क्षेत्र है। एक विशेष चर्म में संवेदना में कमी डॉक्टरों जहाँ रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त है।

NOTES

Dermatomes

त्वचा की सतह विशिष्ट क्षेत्रों, कहा जाता detmetomes में बाँटा गया है। एक चर्म त्वचा जिसका संवेदी तंत्रिकाओं सभी एक ही रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका मूल से आते हैं का एक क्षेत्र है।

रीढ़ की हड्डी में जड़ें जोड़े–एक शरीर के प्रत्येक पक्ष पर प्रत्येक जोड़ी के में आते है। वहाँ 31 जोड़े हैं :

- 7 सर्वाइकल वटिब्रा के लिए संवेदी तंत्रिका जड़ों की 8 जोड़े हैं।
- 12 वक्ष, 5 काठ तथा 5 त्रिक कशेरुकाओं के प्रत्येक रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका जड़ों में से एक जोड़ी है।
- इसके अतिरिक्त रीढ़ की हड्डी के अंत में, वहाँ अनुत्रिक तंत्रिका जड़ों, तो toilbone (कोक्सीक्स) के आसपास की त्वचा के एक छोटे से क्षेत्र की आपूर्ति की एक जोड़ी है।

इन तंत्रिका जड़ों से प्रत्येक के लिए dermatomes हैं

एक विशिष्ट चर्म से संवेदी जानकारी एक विशिष्ट बांस की रीढ़ की तंत्रिका मूल के संवेदी तंत्रिका तंतुओं द्वारा यिका जाता है जैसे जांघ की पीठ के साथ त्वचा की एक पट्टी से संवेदी जानकारी, 2 है।

एक रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका दो तंत्रिका जड़ है। एकमात्र अपवाद पहले रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका, जो कोई संवेदी जड़ है। सामने में जड़ तंत्रिका तंतुओं कि मांसपेशियों मांसपेशी आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिए रीढ़ की हड्डी से आवेगों (संकेत) ले जाने में शामिल है। वापस (संवेदी या पीछे रूट) में जड़

NOTES

तंत्रिका तंतुओं कि रीढ़ की हड्डी को स्पर्श स्थिति दर्द तथा तापमान शरीर से के बारे में संवेदी जानकारी ले सकते हैं।

क्या तुम्हें पता था...

- डॉक्टरों प्राय: बता सकते हैं जहाँ रीढ़ की हड्डी के लक्षण तथा एक शारीरिक परीक्षा के परिणामों पर आधारित क्षतिग्रस्त है।

क्या तुम्हें पता था...

- रीढ़ की हड्डी के सबसे कम भागों से नसों पैरों के लिए नहीं गुदा में जाती हैं।

रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में समाप्त होता है वापस लेकिन कम रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका जड़ों, जारी रखने के लिए एक बंडल कि एक घोड़े की पूँछ जैसा दिखता है।

रीढ़ की हड्डी अत्यधिक आयोजित किया जाता है। हड्डी के केन्द्र एक तितली के आकार की तरह ग्रे मैटर के होते हैं। सामने "पंख" (पूर्वकाल या मोटर सींग) तंत्रिका कोशिकाओं है कि मांसपेशियों को मोटी जड़ के माध्यम से मस्तिष्क अथवा स्पाइनल कॉर्ड से संकेत ले जाने के होते हैं। वापस सींग तंत्रिका कोशिकाओं है कि रीढ़ की हड्डी के बाहर कोशिकाओं से संवेदी जड़ के माध्यम ये दर्द, तापमान तथा अन्य संवेउदी जानकारी के बारे में संकेत प्राप्त होते हैं।

रीढ़ की हड्डी का बाहरी हिस्सा सफेद पदार्थ है कि तंत्रिका तंतुओं के रास्ते शामिल होते हैं प्रत्येक पथ तंत्रिका संकेत की एक विशिष्ट प्रकार किया जाता है या तो मस्तिष्क के लिए जा रहा है या मस्तिष्क से (इलाकों उतरते)।

करने के लिए से और ऊपर और रीढ़ की हड्डी के नीचे

रीढ़ की नसों को दो तंत्रिका जड़ों के माध्यम से रीढ़ हड्डी से तंत्रिका आवेगों ले :

मोटर जड़: सामने की ओर स्थित है, यह जड़ माँसपेशी आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिए मांसपेशियों की रीढ़ की हड्डी से आवेगों किया जाता है।

संवेदी (पोस्टीरियर) जड़: पीछे की ओर स्थित है, यह जड़ रीड़ की हड्डी को स्पर्श, स्थिति, दर्द और तापमान शरीर से के बारे में संवेदी जानकारी वहन करती है।

रीढ़ की हड्डी के बीच में, ग्रे मैटर की एक तितली के आकार क्षेत्र के लिए तथा रीढ़ की नसों से रिले आवेगों मदद करता है। इसकी "पंख" सींग कहा जाता है।

NOTES

मोटर (पूर्वकाल) सींग: ये सींग तंत्रिका कोशिकाओं है कि मांसपेशियों को मोटर जड़ के माध्यम से मस्तिष्क अथवा स्पाइनल कॉर्ड से संकेत ले जाने के होते हैं।

पोस्टीरियर (संवेदी) सींग: ये सींग तंत्रिका कोशिकाओं है कि रीढ़ की हड्डी के बाहर तंत्रिका कोशिकाओं से संवेदी जड़ के माध्यम से दर्द, तापमान एवं अन्य संवेदी जानकारी के बारे में संकेत प्राप्त होते हैं।

आवेगों अप (मस्तिष्क के लिए) नीचे (मस्तिष्क से) अलग रास्ते (इलाकों) के माध्यम से रीढ़ की हड्डी यात्रा या। प्रत्येक पथ करने के लिए मस्तिष्क से जा रहा है अथवा तंत्रिका संकेत के एक अलग प्रकार किया जाता है। निम्नलिखित उदाहरण हैं :

पार्श्व spinothalamic पथ: दर्द एवं तापमान के बारे में सिग्नल; संवेदी सींग द्वारा प्राप्त मस्तिष्क को सह पथ के माध्यम से यात्रा।

कॉलम पृष्ठीय: हाथ एवं पैर की स्थिति के बारे में सिग्नल मस्तिष्क के लिए पृष्ठीय कॉल के माध्यम से यात्रा।

Corticospinal इलाकों: सिग्नल मोटर सींग, जो मांसपेशियों के लिए मार्गो उन्हें इन इलाकों माध्यम से मस्तिष्क से एक मांसपेशी यात्रा ले जाने के लिए।

कारण

कुछ रीढ़ की हड्डी विकारों की हड्डी के बाहर ही शुरू हो सकता है अथवा सामान्य गर्भनाल के अंदर।

रीढ़ की हड्डी के बाहर

इन विकारों में सम्मिलिमत हैं

- चोट लगने की घटनाएँ
- संक्रमण
- संपीड़न

NOTES

रीढ़ की हड्डी से संकुचित हो सकती है (ग्रीवा स्पोंडिलोसिस अथवा फ्रैक्चर से हो सकता है जो), रक्त का एक संग्रह एक ट्यूमर मवाद (फोड़ा) के एक जेब अथवा विकृत या हर्नियेटेड डिस्क।

रीढ़ की हड्डी के अंदर—इन विकारों द्रव से भरी कैविटी (syrinxes), रक्त की आपूर्ति की रूकावट, सूजन में शामिल हैं ट्यूमर, फोडे, खून बह रहा (नकसीर), विटामिन बी$_{12}$ या तांबे की कमी, मानव इम्यूनो वायरस के संक्रमण (एचआईवी) एकाधिक काठिन्य तथा उपदंश।

लक्षण

जिस तरह से रीढ़ हड्डी कार्य करता है एवं आयोजित किया जाता है, कि हड्डी को नुकसान अक्सर जहाँ क्षति हुई के आधार पर लक्षणों के विशेष पैटर्न पैदा करता है। निम्नलिखित विभिन्न पैटर्न में हो सकता है :

- दुर्बलता
- सजगता में परिवर्तन
- मूत्राशय पर नियंत्रण की हानि
- आंत्र नियंत्रण की हानि
- इरेक्टाइल डिसफंक्शन
- पक्षाघात
- पीठ दर्द

की पहचान जो कार्यो खो रहे हैं करके, डॉक्टरों बता सकते हैं जो रीढ़ की हड्डी का हिस्सा क्षतिग्रस्त है। लक्षण (उदाहरण के लिए, जो मांसपेशियों को लकवा मार तथा जो शरीर कमी सनसनी के कुछ हिस्सों कर रहे हैं) के विशिष्ट स्थान की पहचान करके, डॉक्टरों निर्धारित कर सकते हैं वास्तव में, जहाँ रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त है।

कार्य पूरी तरह से आंशिक रूप से खो सकते हैं। क्षति ऊपर रीढ़ की हड्डी के क्षेत्रों द्वारा नियंत्रित कार्य प्रभावित नहीं है।

जब कमजोरी अथवा पक्षाघात अचानक होता है, मांसपेशियों को लंगड़ा (झूलता हुआ) जाना, उनके स्वर खोने। मांसपेशियों झूलता हुआ बनने के बाद, माँसपेशी टोन अंत में बढ़ जाती है तथा माँसपेशियों का अनायाय अनुबंध करने के

लिए करते हैं।जब विकारों (जैसे गर्भाशय ग्रीवा स्पोंडिलोसिस और वंशानुगत स्पास्टिक paraparesis के रूप में) धीरे-धीरे रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुँचा है, वे वृद्धि माँसपेशी टोन तथा माँसपेशियों की ऐंठन के साथ पक्षाघात हो सकता।

ऐंठन हो सकता है क्योंकि मस्तिष्क से संकेत क्षतिग्रस्त क्षेत्र के माध्यम से पारित नहीं कर सकते। नतीजतन, सजगता सप्ताह के दिनों में तथा अधिक स्पष्ट हो गया है। फिर, माँसपेशियों पलटा द्वारा नियंत्रित है, कस मुश्किल लग रहा है और समय-समय पर अनियंत्रित ऐंटन हो सकती है।

समाधान

- शारीरिक परीक्षा
- चुंबकीय अनुनाद अथवा गणना टोमोग्राफी साथ कशेरुका दण्ड के नाल

अक्सर डॉक्टरों के लक्षणों की अपनी विशेषमता पैटर्न के आधर पर एक रीढ़ की हड्डी विकार पहचान सकते हैं डॉक्टरों हमेशा एक शारीरिक परीक्षा, जो निदान के लिए सुराग प्रदान और अगर रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त है, में मदद करता है डॉक्टरों का निर्धारण जहाँ क्षति है। एक इमेजिंग परीक्षण निदान की पुष्टि और कारण का पता लगाने के लिए किया जाता है।

चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग रीढ़ की हड्डी विकारों के लिए सबसे सटीक इमेजिंग परीक्षण है। एमआरआई रीढ़ की हड्डी है, साथ ही (जैसे फोड़ें, रक्तगुल्म, ट्यूमर और उठी डिस्क के रूप में) और हड्डी में की हड्डी के चारों ओर कोमल ऊतकों में असामान्यताएँ (जैसे ट्यूतर, भग के रूप में गर्भाशय ग्रीवा स्पोंडिलोसिस) दिखाता है। तो एमआरआई उपलब्ध नहीं है, गणना टोमाग्राफी (सीटी) के साथ कशेरुका दण्ड के नाल के प्रयोग किया जाता है (पेज देखने के **मस्तिष्क रीढ़ की हड्डी तथा तंत्रिका विकार के लिए टेस्ट : कशेरुका दण्ड के नाल**)। सीटी के साथ कशेरुका दण्ड के नाल के लिए सीटी के उपरान्त एक रेडियोपेक डाई रीढ़ की हड्डी के चारों ओर अंतरिक्ष में इंजेक्ट किया जाता किया जाता है।

मांस पेशीय दुर्विकास

Musculoskeletal विकारो तथा जैन के गाय मूल चिकित्सा पद्धति—Swaarnim Naturscience लिमिटेड में हमारी टीम एक विस्तारपूर्वक अध्ययन तथा गाय मूत्र के औषधीय गुणों के अनुसंधान, जिसके बाद हम जैन के गाय मूत्र चिकित्सा, एक प्रभावी तरीका सहित musculoskeletal विकारों के विविध प्रकार से लड़ने के लिए विकसित करने के लिए लेकिन गाउट तक ही सीमित नहीं कर पाए थे।

NOTES

औषधीय क्रियाएँ—विरोधी भड़ाकाऊ, विरोधी गठिया, एनाल्जेसिक, चिकना, उत्तेजक तथा एंटीऑक्सहीडेंट। मूत्रवर्धक (मूत्रक), शामक (निद्राजनन), एंटीपायरेटिक (ज्वर नाशी), विरोधी आमवाती (संधिवातज्वरनाशक), Antistress (तनावनाशक), Immunostimulator (रोगप्रतिरोधक) तथा Antiodem (शोफनाशक) आदि।

चिकित्सकीय दृष्टि से साबित—हम 410 पुरुष तथा 290 महिला रोगियों जो musculoskeletal दोषों के विभिन्न प्रकार से पीड़ित किया गया था में नैदानिक उपचार का आयोजन किया एवं पाया कि हमारे उत्पादों को रोगियों के लिए लगभग 93 प्रतिशत आराम दे सकता है।

वैज्ञानिक तथ्य

- (अमेरिका के पेटेंट # 6,410,059): गाय मूत्र वैज्ञानिक रूप में सिद्ध है एंटीबायोटिक तथा ऐंटिफंगल एजेंटों के विरोधी माइक्रोबियल प्रभव बढ़ाने के लिए। आविष्कार की एक उपन्याय उपयोग से संबंधित है गाय मूत्र गतिविधि बढ़ाने तथा विरोधी संक्रामक एजेंटों सहित जैवसक्रिय अणुओं के लिए उपलब्धता फैसिलिटेटर के रूप में। आविष्कार काफी प्रतिजैविक दवाओं, दवाओं तथा विरोधी संक्रामक एजेंट की खुराक को कम करते हुए जैव सक्रिस अणुओं के अवशोषण की क्षमता बढ़ाने जिससे उपचार की लागत तथा विषाक्तता के कारण दुष्प्रभाव को कम करने में प्रभावकारी है।

- (अमेरिका पेटेंट # 6,896,907, # 7,235, 262): से जैवसक्रिय अंश का प्रयोग गाय विरोधी संक्रामक, विरोधी कैंसर एजेंटों और पोषक तत्व के एक जैव बढ़ाने के रूप में मूत्र। आविष्कार गाय से जैव सक्रिय अंश का एक प्रभावी राशि शमिल एक उपन्यास दवा रचना से संबंधित है

- एक रचना की रक्षा करने और ऑक्सीडेटिव नुकसान से डीएनए की मरम्मत के लिए उपयोगी कहा रवना घटकों benzoic एसिड तथा hexanoic एसिड, 5-15mg/एल तथा वैकल्पिक रूप से विरोधी oxidants के साथ के बीच लेकर रचना की अमोनिया सामग्री के साथ होने गाय मूत्र शामिल तथ रक्षा करने और 1 की संरचना का उपयोग कर ऑक्सीडेटिव नुकसान से डीएनए की मरम्मत करने की एक विधि है, ने कहा विधि जिसमें एक नमूने में मुड़ा हुआ डीएनए की मात्रा का आकलन करने के कदम ने कहा कि डीएनए से कहा रचना मिश्रण से पहले अथवा के जोखिम के बाद oxidatively डीएनए को नुकसान पहुँचाए एजेंट को डीएनए तथा मिश्रण में प्रतिशत जोड़कर डीएनए का निर्धारण करने ऑक्सीडेटिव नुकसान से सुरक्षा और डीएनए की मरम्मत दिखा।

आयुर्वेदिक उत्पाद के चिकित्सकीय गुण—हमारे आयुर्वेदिक उत्पादों की सामग्री निम्न गुण होते हैं—

NOTES

- सूजन तथा को कम मदद करें।
- सहायता लड़ाई गठिया
- दर्द निवारक के रूप में कार्य तथा दर्द से राहत
- के रूप में चिकनी पेशी उत्तेजक तथा मदद संविदा अधिनियम अथवा चिकनी माँसपेशियों को राहत।
- एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य तथा मुक्त कण के हमले के खिलाफ कोशिकाओं की रक्षा।
- तनाव से मुक्ति
- मूत्रवर्धक के रूप में कार्य तथा पेशाब की आवृत्ति में वृद्धि
- के रूप में प्रतिरक्षा-उत्तेजक अधिनियम और प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय

माँसपेशीय दुर्विकास

पेशी अपविकास क्या है?

पेशी कुपोषण बीमारियों की माँसपेशियों को कमजोर तथा समय के साथ कम लचीला बनाने का एक समूह है। यह जीन है कि नियंत्रित करती हैं कि शरीर की माँसपेशियों को स्वस्थ रखता है कुछ लोगों के लिए, बीमारी बचपन में जल्दी शुरू हो जाती है। जब तब वे किशोर अथ्रवा मध्यम आयु वर्ग वयस्क हैं दूसरों के कोई भी लक्षण नहीं है।

आप कैसे पेशी कुपोषण को प्रभावित करता है अथवा आपके बच्चे प्रकार पर निर्भर करता है। अधिक लोग की हालत में समय के साथ बदतर हो जाएगा, तथा कुछ लोगों को चलने के लिए बात करते हैं, अथवा खुद के लिए परवाह नहीं कर पाएँगे। लेकिन उस हर किसी के लिए नहीं होती है। अन्य लोगों को हल्के लक्षण के साथ कई वर्षो के लिए रह सकते हैं।

पेशी अपविकास के 30 से अधिक प्रकार के होते हैं, तथा प्रत्येक के आधार पर अलग है :

- जीन है कि यह कारण
- माँसपेशियों को प्रभावित करता

NOTES

- जल्दी कैसे रोग खराब हो जाता है

लोग मुख्य रूप से इस बीमारी के नौ प्रमुख रूपों में से एक मिलता है :

- **इचेन पेशी अपविकास** (DMD) सबसे आम रूप है यह मुख्य रूप से लड़कों को प्रभातिव करता है तथा उम्र से 3 तथा 5 के बीच शुरू होता है।

- **बेकर पेशी कुपोषण** मामूली छोड़कर, डचेन की तरह है

- **मायोटोनिक पेशी कुपोषण** वयस्कों में सबसे मुख्यत: है जो लोग यह है अपनी माँसपेशियों को आराम नहीं कर सकते वे अनुबंध के बाद। यह दोनों पुरुषों तथा महिलाओं को प्रभावित कर सकते हैं तथा यह आमतौर पर शुरू होता है जब लोगों को अपने 20 में है।

- **जन्मजात पेशी कुपोषण** जन्म के समय अथवा शीघ्र ही बाद में शुरू होता है।

- **अंग-करधनी पेशी कुपोषण** अक्सर एक व्यक्ति के में शुरू होता है किशोर अथवा 201

- Facioscapulohumeral **पेशी कुपोषण** चेहरे, कंधे तथ ऊपरी बाहों की माँसपेशियों को प्रभावित करता। यह अपने 40 में वयस्कों के लिए किशोरों से किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं।

- दूरस्थ पेशी कुपोषण हाथ, पैर, हाथ तथा पैर की माँसपेशियों को प्रभावित करता है। यह मुख्य रूप से पर बाद में जीवन में उम्र 40 तथा 60 के बीच आता है।

- **Oculopharyngeal पेशी कुपोषण** एक व्यक्ति की 40 या 50 के दशक में शुरू होता है। यह कारण बनता है कमजोरी चेहरे, गर्दन एवं कंधे की माँसपेशियों में

- **एमरी-ड्रेडफस पेशी कुपोषण** मुख्य रूप से लड़कों को प्रभावित करता है, आम तौर पर उम्र के आसपास शुरू करने से 10 इस फार्म के साथ लोग अक्सर है दिल माँसपेशियों में कमजोरी के साथ समस्याओं।

पेशी कुपोषष एक की विशेषता विकारों का एक समूह है **माँसपेशियों कर प्रगतिशील हानि** फलस्वरूप **शक्ति की कमी।**

पेशी कुपोषण का सबसे सामान्य रूप **डचेन पेशी अपविकास** – मुख्यरूप से प्रभावित करता है किन्तु अन्य रूपों वयस्कता में हमला कर सकता है।

वर्तमान के पेशी कुपोषण के लिए कोई इलाज नहीं है, लेकिन कुछ शारीरिक तथा औषधीय उपचार लक्षणों में सुधार और रोग कीप्रगति की धीमा कर सकते हैं।

यह लेख निदान, लक्षण पेशी कुपोषण, साथ ही भविष्य उपचार में वर्तमान शोध की जाँच के लिए उपचार पर दिखेगा।

NOTES

लेखन सामग्री

- **पेशी कुपोषण क्या है ?**
- **कारण निदान उपचार**
- **आजकल के संशोधन**

पेशी कुपोषण पर आधारित तथ्य

यहाँ पेशी कुपोषण के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु हैं। जिसकी विस्तार से जानकारी इस लेख में उपलब्ध कराई गई है।

- पेशी कुपोषण माँसपेशी बर्बादी स्थिति का एक संग्रह है
- डचेन पेशी अपविकास सबसे आम प्रकार है
- एक प्रोटीन डिस्ट्रोफिन कहा जाता है कि कमी पेशी कुपोषण का मुख्य कारण है
- बेकर पेशी कुपोषण डचेन पेशी अपविकास के समान है किन्तु प्रगति धीमी तथा कम गंभीर है
- जीन चिकित्सा के वर्तमान में बीमारी से निपटने के परीक्षण किया जा रहा है
- वर्तमान में पेशी कुपोषण के लिए कोई इलाज नहीं है
- शारीरिक एवं दवा के उपचारों रोग के प्रगति को धीमी कर सकते हैं।

पेशी कुपोषण—पेशी कुपोषण कंकाल की माँसपेशी के क्रमिक कमजोर कारण बनता है।

पेशी कुपोषण एक माँसपेशी बर्बाद कर रोग सामान्यत: । 35,000 में पुरुषों को प्रभावित करता है।

हालत आनुवांशिक म्यूटेशनों कि निर्माण तथा स्वस्थ माँसपेशियों बनाए रखने के लिए आवश्यक माँसपेशी प्रोटीन के उत्पादन के साथ हस्तक्षेप के कारण होता है।

NOTES

• **डचेन पेशी अपविकास :** बीमारी का सबसे मुख्यरूप। लक्षण सामान्य रूप से एक बच्चे के तीसरे जन्मदिन से पहले शुरू; वे आम तौर पर व्हीलचेयर से बंधे 12 से तथा उनवेह जल्दी से मध्य-बीस के दर्शक के साँस की विफलता से मर रहे हैं

• **बेकर पेशी कुपोषण:** डचेन के लिए, लेकिन बाद में शुरूआत की तथा धीमी प्रगति के साथ इसी तरह के लक्षण

• **मायोटोनिक** मायोटोनिक प्रपत्र सबसे आम वयस्क शुरूआत रूप है। यह एक माँसपेशी आराम करने के लिए एक बार यह अनुबंध किया है में असमर्थता की विशेषता है। चेहरे तथा गर्दन की माँसपेशियों को अक्सर पहले प्रभावित होते हैं। लक्षण भी शामिल **मोतियाबिंद**, तंद्रा तथा **अतालता**

• **जन्मजात:** इस प्रकार जन्म से अथवा यह लड़कियों और लड़कों को प्रभावित करता है 2. की उम्र से पहले स्पष्ट हो सकता है। कुछ रूपों धीरे-धीरे प्रगति जबकि अन्य तेजी से कदम महत्वपूर्ण हानि का कारण बन सकती।

• **Facioscapulohumeral (FSHD):** शुरुआत में लगभग किसी भी उम्र हो सकता है लेकिन सबसे अधिक किशोरावस्था के समय देखा जाता है। पेशी कमजोरी अक्सर चेहरे और कंधे में शुरू होता है। FSHD के साथ लोगों को उनकी आँखों से थोड़ा खुला के साथ सोने तथा पूरी तरह से उनके पलकों को बन्द करने मुसीबत हो सकती है। जब FSHD के साथ एक व्यक्ति को अपने हथियार को जन्म देते है, उनके कंधे की हड्डियों पंखों की तरह बढ़ाना।

• **अंग-करधनी:** इस प्रकार बचपन अथवा किशोरावस्था में शुरू होता है और पहले कंधे और कूले की मांसपेशियों को प्रभावित करता है।

• **Oculopharyngeal पेशी कुपोषण:** शुरूआत 40 एवं 70 पलकों गले और चेहरे पहले प्रभावित होती हैं, कंधे तथा कमर के बाद की उम्र के बीच है।

पेशी कुपोषण दोनों लिंग में होात है एवं किसी उम्र में हमला कर सकता है। हालांकि, डचेन पेशी अपविकास सबसे आम रूप है तथा सबसे जवान लड़कों में होने की संभावना है।

रोग आनुवांशिक है एवं फलस्वरूप परिवार में पेशी कुपोषण का एक इतिहास एक व्यक्ति की बीमारी के विकास की संभावना बढ़ जाती है।

पेशी कुपोषण के लक्षण—नीचे डचेन पेशी अपविकास के लक्षण, रोग का सबसे आम रूप है। बेकर पेशी कुपोषण के लिए लक्षण समान हैं, लेकिन

मध्य बीस के दशक में शुरू करते हैं अथवा बाद में मामूली हैं तथा अधिक धीरे-धीरे प्रगति।

NOTES

प्राथमिक लक्षण

- एक wadding चाल
- दर्द एवं माँसपेशियों में जकड़न
- चल रहा है तथा कूद के साथ कठिनाई
- पैर की उंगलियों पर चलना
- मुख्य रूप से बड़े पिंडली की मांसपेशियों
- कठिनाई ऊपर बैठे अथवा खड़े
- इस तरह के सामान्य से अधिक बाद में भाषण के विकास के रूप में सीखना विकलांग,

बाद में लक्षण

- चलने के लिए असमर्थता
- माँसपेशियों एवं tendons का एक छोटा, आगे आंदोलन को सीमित
- समस्याओं श्वास इतनी गंभीर है कि सहायता साँस लेने के लिए आवश्यक है हो सकता है
- दिल की मांसपेशियों को कमजोर किया जा सकता है, हृदय की समस्याओं के लिए अग्रणी
- निगलने में कठिनाई; इस आंकाक्षा पैदा कर सकता है **निमोनिया** और एक खिला ट्यूब कभी-कभी आवश्यक है।

गामक का अर्थ—इस प्रकार के बालक मानसिक रूप से स्वस्थ होते है, वे देख सकते हैं सुन सकते है, बोल सकते है एवं सामान्य बालकों की भाँति ही अन्य मानसिक कार्य कर सकते है।

पंगु या अपंग बालकों में शारीरिक दोष होने के कारण यह अपने शरीर के विभिन्न अंगों का सामान्य प्रयोग नहीं कर सकता है यही दोष उनके कार्यों में बाधा डालते हैं। इस तरह के दोष बालकों की हड्डियों ग्रन्थियों अथवा जोड़ों में होते हें जो दुर्घटना एवं बीमारी के कारण उत्पन्न हो जाते है।

NOTES

परिभाषा

ए. एडलर के अनुसार ''गामक अक्षमता वाले बालक अपनी शारारिक कमी को अन्य क्षेत्रों में पूर्ति करने की चेष्टा करते हैं। प्राय: ऐसे बालक किसी अन्य क्षेत्र में विशेष योग्यता/पात्रता रखते हैं। गामक अक्षमता अनेक कारण से हो सकती है अर्थात यह जन्मजात के अलावा जन्म के उपरान्त किसी भी अवस्था में चोट आदि लगने की कमी में भी हो सकती ह।।

चानलाके के मतानुसार—जब तक शरीर स्वस्थ नहीं होगा तब तक मनुष्य सामान्य रूप से कार्य नहीं कर सकता। शारीरिक स्वास्थ्य उसके कार्य व विकास को प्रभावित करता है। विकलांगिक अक्षम बालक शारीरिक रूप से विकलांग कहलाते हैं।

गत्यात्मक बालक, औसत बालक की तुलना में शारीरिक सशक्त होते है। ये सामान्य रूप से सम्पन्न होने वाले कार्यो में बाधा का अनुभव करते है।

इस प्रकार के बालकों में कुपोषण, बीमारी, पक्षाघात, यक्ष्मा, खताल्पता अथवा शारीरिक असमानताओं के कारण जीवन शक्ति मन्द होती है।

गामक अक्षम बालकों का वर्गीकरण

(1) लूले–लँगड़े, हथकटे

(2) एक अथवा इससे अधिक अंगों का लगवा

(3) पॉवाफिरा

(4) मेरुदण्ड का वक्र

(5) विकृत नितम्ब

(6) मेरूदण्डीय द्विशाखी

(7) माँसपेशीय डायसट्रोफी

गामक अक्षमता का कारण

जन्मजात विरूपण—कुछ बालक तन्त्रिकाओं, पेशियों व हड्डियों में दोष होने के कारण अथवा गर्भकाल में दोषपूर्ण विकास के कारण जन्म से ही विकृत शारीरिक अंगों के होते हैं जिसके परिणाम सामान्य शारीरिक और शक्ति विकास में बाधा के साथ–साथ इनके शिक्षण की गति में भी आरम्भ से ही बाधा उत्पन्न हो जाती है।

दुर्घटना अथवा बीमारी के कारण—इसमें बालक की अस्थि सन्धियों, येशियों तथा आकृति में विकृत अथवा जाति है। इसमें अंक्षति, पक्षाघात या लम्बे समय तक प्रभावित करने वाले रोग बालकों में सीखने की क्षमता को इस सीमा तक प्रभातिव करते है।

NOTES

स्नायुविक विरूपण—स्नायुविक विरूपण मूलरूप से किसी विशेष बीमारी के कारण, शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण, विषाक्त भोजन या किसी ऐसी दवा के सेवन के कारण अथवा पोलियो आदि व्याधियों के कारण होता है।

गामक अक्षमता वाले बालकों की समस्यायें

- गामक अक्षमता अथवा शारीरिक विकलांगता नि:शक्त अधिनियम, 1995 में वर्णित सात अक्षमताओं में से एक है। इस विकार के कारण व्यक्ति को शारीरिक क्षमताओं में क्षति आ जाती है। शारीरिक अक्षमता के कारण बालक के निम्न प्रकार के समस्याओं का सामना करना पड़ता है—
- गामक अक्षमता बालक की स्वछन्द क्रियाओं को सीमित कर देती है। उस विकार के कारण बालक अपने घर की चारदीवारी तक ही सिमट जाता है।
- गामक अक्षमता का अर्थ केवल चलने-फिरने से ही नहीं है अपितु उठने-बैठने और लेटने संबंधी क्रियाओं से भी है। ये सभी क्रियायें यारीरिक विकलांगता के कारण बाधित हो जाती हैं।
- गामक अक्षमता के कारण बालक अपनी दैनिक क्रियाओं का संचालन भी स्वयं नहीं कर पाता है।
- इस विकार के ग्रसित बालक को किसी अन्य सदस्य पर निर्भर रहना पड़ता है।
- शारीरिक रूप से विकलां बालक पूर्णरूप से शिक्षा ग्रहण करने से भी वंचित रह जाते हैं।
- ऐसे बालकों को समुचित व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता है।
- इस रोग के कारण बालक को अपने कार्य संचालनों के लिए सहायक उपकरणों की कमी का सामना करना पड़ता है।
- गामक अक्षमता के कारण ऐसे बालकों को समाज में उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है।

• इन बालकों को सामाजिक तथा संवेगात्मक सेवायोजना संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

गामक अक्षमता के पहचान

(1) अन्य बच्चों की तुलना में उस बच्चों को बैठने-उठने अथवा चलने में कठिनाई होती है।

(2) बच्चों को देखने में किसी प्रकार की समस्या होती है।

(3) बच्चों को सुनने में किसी प्रकार की समस्या होती है।

(4) इस प्रका के बच्चों को कभी-कभी दौरे पड़ते हैं।

(5) इस प्रकार के बच्चों में भोजन करने, कपड़ा पहनने या कंघा करने में समस्या उत्पन्न होती है।

(6) दूसरे हम उम्र बच्चों के समान उन बच्चों को काम सीखने में कठिनाई होती है।

(7) बच्चा बार-बार आँखे रगड़ता हो।

(8) इस प्रकर के बच्चे के हाथ से प्राय: चीजें छूट जाती है अथवा दूसरे विद्यार्थी के साथ्रा पंक्तिबद्ध होने से उसे दिक्कत होती है।

(9) किसी नई चीज को सीखने में बच्चा दूसरे बच्चों की तुलना में बहुत अधिक समय लेता है।

(10) यदि बच्चा अध्यापक द्वारा कही गई बात को प्राय: पुनरावृत्ति के लिए कहता है।

CWPD के प्रबंधन हेतु युक्तियाँ एवं रणनीतियाँ

• गत्यात्मक बालक सामान्स स्कूलों की सामान्य कक्षाओं से लाभ नहीं ले पाते हैं अत: उनके लिए विशेष शिक्षण विधियों पाठ्यक्रमों तथा शिक्षकों की आवश्यकता होती है। यदि उनकी ओर ध्यान दिया जाये तो वे समस्यात्मक बालक बन जाते है तथा वे स्वयं परिवार एवं समाज को हानि पहुँचाते है। इसलिये विशिष्ट बालकों के लिए विशिष्ट शिक्षा की व्यवस्था एक अनिवार्य आवश्यकता बन जाती है।

• विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता मानसिक एवं शारीरिक विकलांग बालकों को भी होती है। क्योंकि वे परिवार व समाज में समायोजित होने में कठिनाई

का अनुभव करते है। यदि इन बालकों पर ध्यान न दिया जाये तो ये बालक कुष्ठा तथा भाग्नाशां के ग्रसित होकर मानसिक दृष्टि से बीमार हो जायेंगे तथा समाज के ऊपर बोझ बन जायेंगे।

- विशिष्ट शिक्षा अभिभावकों शिक्षकों तथा प्रबंधकों को विशिष्ट बालकों की समस्याओं को समझने में सहायता प्रदान करती है। इसके माध्यम से गत्यात्मक बालक समाज में समायोजन स्थापित कर लेते है।

- अन्ध, बहरे, गूँगे, बालक को सामान्य बालकों के साथ बैठकर शिक्षित नहीं किया जा सकता है, अतः ऐसे बालकों की शिक्षा के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम शिक्षण विधि तथा शिक्षकों की आवश्यकता होती है।

- विशिष्ट बालकों की शैक्षिक, सामाजिक तथा शारीरिक आवश्यकताएँ सामान्य बालकों से भिन्न होती है। अतः समाज एवं शिक्षाशास्त्रियाकं का यह दायित्व है कि उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विशिष्ट शिक्षा की व्यवस्था करें।

- गत्यात्मक बालक अपनी योग्यताओं तथा क्षमताओं के अनुसार विकास कर सके इसके विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता होती है।

गामक अक्षमता हेतु पाठ्यक्रम

विकलांग के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण के प्रमुख आधार शारीरिक विकलांगता, मानसिक, स्थिति, सामाजिक स्तर, आवेगात्मक अवस्था होनी चाहिए, जिससे बालक स्वावलम्बी बन सके।

उनके पाठ्यक्रम में वे सभी विषय व क्रियाएँ शामिल हो जो उनके शरीर को अधिकतम सक्रियता प्रदान करें, उनमें जीवन मूल्यों, सौन्दर्यात्मक, अनुभूति, सृजन शक्ति तथा सामाजिक समंजन का विकास करके उन्हें पर्याप्त मनोरंजन प्रदान करें।

विशेष परिभ्रामी अध्यापक

विकलांगों के लिए विशिष्ट कक्षाओं का प्रावधान

विकलांग विद्यालय

व्यायाम

गामक अक्षमता हेतु शिक्षा—विरूपित बालकों की शिक्षा हमें ऐसी संस्थओं में करनी चाहिए जो कि विशेष प्रकार से विरूपितबालकों की शिक्षा तथा कल्याण के लिये स्थापित हो गयी हों। हमें विरूपित बालकों के विषय में यह सोचना चाहिए

कि वे आपनी अपंगता के क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी बातें में सामान्य बालकों के समान है, अतः ये एक तरह से सामान्य बालक ही है, लेकिन अपनी शारीरिक अपंगता के कारण सामान्य बालकों के समान सक्रिय शारीरिक कार्य करने में उतने समक्ष नहीं होते है। अतः इनकी शिक्षा व्यवस्था करने के लिसये निम्न तत्वों पर ध्यान रखना चाहिए–

शारीरिक अपंगता के अनुरूप शैक्षिक पाठ्यक्रम का चयन–यदि बच्चे का हाथ कटा हुआ है तथा जिसे बच्चे का दोनों पैर कटे हुए है तो उनके लिए समान शैक्षिक कार्यक्रमों की रचना करना गलत होता। विरूपित के अनुरूप यदि पाठ्यक्रम बनाया जाय तो विरूपित बालकों को अधिक लाभ मिलेगा।

सांवेगिक समायोजन एवं सुरक्षा प्रदान करना–शारीरिक विरूपित के कारण इस प्रकार के बालकों का सामाजिक तथा सावंगिक समायोजन बिगढ़ जाता है, अतः इनके लिए बनाये गये शिक्षण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था में संवेगात्मक समायोजल की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। हमें कार्यक्रम तथा विद्यालय संगठनात्मक वातावरण का निर्माण करना होगा, जिनके द्वारा इन विकलांगों की हीन भावना का उन्मूलन हो सके।

प्रेरणा एवं दृढ़ निश्चय होना–अपंगता के कारण उत्पन्न जीवन की निरर्थकता की भावना को समाप्त करने एवं विकलांगों में यह भावना भरने के लिऐ कि वे भी सब कुछ कर सकते है जो एक सामान्य बालक कर सकता है।

शारीरिक क्षमता विकसित करना–ऐसे बालकों के लिये ऐसी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक अपंगता पर विजय प्राप्त कर सके। जो अंग उनके पास नहीं है उसके स्थान पर कृत्रिम अंग लगाकर इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाय कि वे सामान्स बालक के समान कार्य कर सकें। कृत्रिम अंग लगे बालकों को उत्पादक तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी शारीरिक क्षमता को विकसित करना इनकी शिक्षा का प्रमुख होना चाहिए।

चिकित्सा सुविधा प्रदान करना–शारीरिक अपंगता का निदान एवं उसकी चिकित्सा द्वारा ही विरूपित बालकों को स्वस्थ्स बनाया जा सकता है, स्वास्थ्य अच्छ्ज्ञ होने पर ही वे शैक्षिक एवं व्यावसायिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने में सफल हो सकते है।

विशेष शिक्षा व्यवस्था–विशेष परिभ्रामी अध्यापकों, समाज–सेवियों विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण एवं निर्देशन–इस प्रकार के बालकों को सामान्य कक्षाओं में ही रखकर विशेष शिक्षा की व्यवस्था विशेष परिभ्रामी अध्यापकों

समाज—सेवियों, विभिन्न दोषों के सुधारने एवं विषय विशेषज्ञों की सेवाएँ प्राप्त करके की जा सकती है।

NOTES

- **अतिरिक्त कक्षा की व्यवस्था**—इन बालकों का शिक्षण सामान्य बालकों में ही होता है तथा उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति इन कक्षाओं में हो जाती है।

- **विशेष कक्षा योजना**—ऐसे विद्यालयय में जहाँ विशिष्ट बालकों की संख्या अधिक होती है या उनमें शिक्षा का स्तर इतना उच्च होता है कि उनको सामान्य बालकों के साथ शिक्षा देना असम्भव या निरर्थक होता है। विशेष कक्ष योजना की सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

- **विशेष विद्यालय**—इस प्रकार के बालकों के लिये पृथक विशेष विद्यालयों की व्यवस्था पूर्वकाल में ही देखने को मिलती है। विशेष रूप से ऐसे बालक सामान्य विद्यालयों में किसी भी प्रकार अपने को समायोजित नहीं कर पाते तथा शिक्षण प्रविधियों से शिक्षा ग्रहण करने में अक्षम होते हैं, इन विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करते है।

- **आवासीय विद्यालय**—आवासीय विद्यालय में शिक्षण एवं प्रशिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं रहता बल्कि बालकों द्वारा किये जाने वाले प्रत्येक कार्य में उन्हें उचित निर्देशन के साथ अभ्यास कराया जाता है। उन्हें विशेष यन्त्रों व सामग्री का उचित उपयोग करने, अपने अतिरिक्त समय का सदुपयोग करने व अनुशासन का भी अभ्यास व प्रशिक्षण दिया जाता है।

- **आवागमन के साधन की व्यवस्था**—गामक क्षमता की कमी के कारण शारीरिक रूप से विकलांग बालक स्वयं स्कूल तक अपने में असमर्थ रहते हैं। इन बालकों को विद्यालय तक लाने के लिए वाहन की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि विद्यालय तक सड़क की व्यवस्था हो, तो उन्हें व्हील भी प्रदान की जा सकती है।

- **समावेशी शिक्षा**—गामक अक्षमता वाले बालकों को सामान्य बालकों के साथ ही कक्षा में बैठाकर शिक्षा देनी चाहिए। इससे सामान्य बच्चों में विकलांगता के प्रति सहानुभूति बढ़ेगी और वे उनकी सहायता करने आगे आयेंगे। गम्भीर शारीरिक अक्षमता को छोड़ कर शेष्ज्ञ बालकों को अन्य बालकों के साथ समाजसेवी शिक्षा दी जा सकती है।

- **बालकों के विशिष्ट कौशलों की पहचान**—शारीरिक अक्षमता वाले बालकों में भी विभिन्न प्रकार की अन्य क्षमताएँ पाई जाती हैं। प्रत्येक बालक अन्य बालक से भिन्न होता है। अध्यापक को इन बालकों में दबी हुई प्रतिभा को खोजने

NOTES

का प्रयास करना चाहिए। शिक्षक को प्रत्येक बालक की क्षमता की जानकारी होनी चाहिए तथा उनके कौशलों का विकास करने के लिए पयाप्त अवसर प्रदान करना चाहिए जिससे बालकों की क्षमताओं की सकारात्मक रूप देने के लिए उन्हें निरन्तर प्रोत्साहन देना चाहिए।

- **विद्यालय में उचित शैक्षिक वातावरण**—गामक अक्षमता वाले बालकों के लिए विद्यालय का वातारण भी उनके अनुकूल होना चाहिए ताकि वे शिक्षण प्रक्रिया में रूचि लें। इन बालों के लिए उचित बैठने की व्यवस्था होनी चाहिए। इन बालकों को अन्य बाधिताओं से बचने के लिए सदैव कक्षा में आगे बैठाना चाहिए। इन बालकों के लिए विद्यालय में सीढ़ियों के स्थान पर रैम्प बनवाने चाहिए। शारीरिक विकलांग बलकों के लिए पानी एवं शौचालय की व्यवस्था भी निकट ही करनी चाहिए।

- **समस्या की पहचान एवं निदान**—गामक अक्षमता वाले बालकों की शारीरिक अक्षमता की पहचान समय पर आवश्यक है। अध्यापक को ऐसे बालकों के माता-पिता से मिलकर बच्चों की रूचि, आवश्यकता तथा क्रियाओं की व्यापक जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। बालकों की इस समस्या के निदान के लिए उपयुक्त जाँच पड़ताल आवश्यक है। विद्यालय प्रशासन को इसमें यथा सम्भव सहायता करनी चाहिए। विद्यालय में विभिन्न अक्षमताओं को जानने तथा उन्हें उचित परामर्श देने के लिए एक परामर्शदाता की व्यवस्था करनी चाहिए।

- **समाजीकरण**—साधारणतया अपने समाज में गामक अक्षमता वाले बालकों को उपेक्षित रूप से देखा जाता है। इससे उन बालकों में आत्मग्लानि की भावना घर कर जाती है। विद्यालय प्रशासन को चाहिए कि ऐसे बालकों के लिए विद्यालय में स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण किया जाये ताकि उनकी नैसर्गिक क्षमताओं का पर्याप्त विकास हो सके। गामक अक्षमता वाले बालक सामान्य बालकों के साथ प्रत्यक्ष सम्पर्क में आने पर उनमें सहभागिता बढ़ेगी तथा एक-दूसरे को जानने का अवसर मिलेगा। इससे बालकों का मनोबल बढ़ता है। शारीरिक क्रियाओं से अक्षम बालकों के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए इन बालकों को समाजीकरण की शिक्षा प्रदान दी जाती चाहिए। अध्यापक को शिक्षण विधियों के प्रयोग में इन बालकों को सक्रिय रखना चाहिए।

- **व्यावसायिक प्रशिक्षण**—गामक अक्षमता वाले व्यक्ति अपनी शारीरिक असमर्थताओं के कारण जीवन यापन करना मुश्किल समझते है। इन बालकों को समाज में उचित सम्मान दिलाने के लिए शिक्ष के साथ-साथ व्यावसायिक जानकारी भी देनी चाहिए ताकि वे स्वावलम्बी बन सकें। इन बालकों के लिए प्रशिक्षित

अध्यान की व्यवस्था करनी चाहिए जो इनकी आवश्कता को पहचान सके तथा उसी के अनुरूप इनको स्वरोजगार की जानकारी दे सके। इन बालकों के लिए इस प्रकार का पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जिससे कि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें।

NOTES

- **पुनर्वास**—शिक्षा व्यक्ति की अन्तर्निहित क्षमताओं का विकास करती है। गामक रूप से असमर्थ बालकों को समाज से पूर्ण रूप से मसायोजित करने का दायित्व भी विद्यालय का है। विद्यालय प्रशासन को ऐसे बालकों का परामर्श कर उनसे संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधान तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए। विद्यालय को इन बालकों की क्षमता पहचानकर इनको मुख्यधारा में लाने के लिए पुनर्वासित संस्थाओं से संपर्क कर ऐसे बालकों की सहायता के लिए विचार विमर्श करना चाहिए।

गामक अक्षमता के प्रकार (Types of Locomotor DIsability)

गामक अक्षमता शारीरिक तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या है जिसमें बालक अनेक शारीरिक क्रियाओं में भाग नहीं ले सकता है।

गामक अक्षमतायें कई प्रकार की होती हैं, जिसमें निम्न प्रकार महत्वपूर्ण हैं—

(2) Spinal Bigida द्विशाखी रीढ़ – द्विशाखी रीढ़ एक जन्मजात असामान्यता है जिसमें मेरूदण्ड की हड्डी में रचनात्मक दोष होता है रीढ़ की हड्डी के न्यूरल आर्क के आपस में न जुड़ पाने की स्थिति में दोनों के बाह्य में स्थान रिक्त हो जाता है। जिसमें हड्डी के छेद में सेरेब्रो स्पाइनल द्रव्य भर जाता है और कभी-कभी आवरण के भाग से बाहर भी निकलने लगता है।

(3) मस्तिष्कीय पक्षाघात—

मस्तिष्कीय पक्षघात एक अवस्था या बीमारी है जो जन्म के पहले जन्म के समय एवं जन्म के बाद मस्तिष्क में क्षति होने के वजी से होती है।

(4) माँसपेशियों क्षरण—

यह एक वंशानुगत बीमारी है जो धीरे-धीरे आयु के साथ बढ़ती रहती है। यह स्नायु विकलांगता के समूह में आती है।

(5) मानसिक मंद एंव दृष्टि बाधित —सीखने में कमी तथा सीखने में अक्षत एवं सामान्य परिवेश में वस्तु को स्पष्ट देखने में परेशानी हो तो उसे दृष्टि बाधित तथा मानसिक मंदता कहते हैं।

NOTES

(6) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात एवं मानसिक मंदता—मस्तिष्कीय क्षति होने के साथ-साथ उसके अंग लकवाग्रस्त हो, माँसपेशियों असामान्य हो तथा सोचने, समझने, सीखने तथा निर्णय लेने में सहायक हो तो उसे प्रमस्तिष्कि पक्षाघात एवं मानसिक मंदता से ग्रसिताविकलांग कहते हैं।

(7) गामक क्षमता, श्रवण अक्षम एवं दृष्टि बाधित—श्रव्य तथा दृश्य समस्य के साथ जब किसी व्यक्ति को चोट अथवा दुर्घटना वजह से गामक अक्षमता से ग्रसित बहुविकलांग कहते हैं।

(8) मानसिक मंद व शारीरिक अक्षमता—मानसिक मंदता के साथ यदि उसे शारीरिक कठिनाई होती है जिसका वजह से वह चलने फिरने में असमर्थ हो जाता है उसे मानसिक व शारीरिक विकलांग कहते हैं।

कुष्ठ रोग श्वसन तंत्रीय संक्रमण से फैलता है। यह माइक्रोबैक्टीरिया लेप्री जीवाणु के द्वारा होता है। यह बहुत धीमी गति से अपना प्रभाव दिखाता है। किसी व्यक्ति का प्रथम बार संक्रमण होने के लगभग चार साल बाद इस बीमारी के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

कुष्ठ रोग के कारण—प्राय: कुष्ठ रोग के लक्षणों की जल्दी पहचान कर पाना कठिन होता है। इनकरी जल्द से जल्इ पहचान कर रोक थाम किया जा सकता है। कुष्ठ रोग के लक्षणों को मुख्यत: तीन भागों में विभक्त किया गया है जो इस प्रकार है—

(1) आरम्भिक लक्षण—त्वचा में एक खास प्रकार के धब्बों का उभरना व धब्बों का रंग त्वचा के रंग से भिन्न होता है। इसमें खुजली तथा जलन नहीं होती है। शुरूआता में इन धब्बों में स्पर्श प्राय: सामान्य होता है। धीरे-धीरे धब्बे के भीतर का स्पर्श पूर्णत: खत्म हो जाता है जिससे त्वचा के छूने का आभास नहीं होता।

- कुष्ठ रोग से प्रभाव से उस विशेष स्थान पर हल्का पीला धब्बा हो जाता है।
- इसमें माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री उपस्थिति होता है।
- एनेस्थीसिया इसमें संवेदना बिल्कुल खत्म हो जाती है।
- जिस विशेष भाग में यह रोग होता है उसमें अतिरिक्त उभार आ जाता है।

(2) द्वितीयक लक्षण— हाथ और पैर झुनझुनाहट या स्पर्श की कमी से युक्त होते हैं। पैर आगे की और झुका होता है। हाथ तथा पांव में कमजोरी विकृति आ जाती है। किसी खास नस में सूजन और दर्द होता है एवं नस की वृद्धि हो लगती है। नस ज्यादातर मोटी होने पर त्वचा वेह ऊपर से आसानी से दिखने लगती है।

(3) बाद के लक्षण—त्वचा का ऊपरी भाग मोटा लालिमा युक्त हो सकता है। भौंहे खत्म जाती हैं, नथुना विकृत हो जाता है, कानों के किनारों में लाल-लाल हो जाात है, नाक का उठान धीरे-धीरे सिकुछ़ जाती है। नसों की क्षति तथा लकवा में प्राय: देर से स्पर्शबोध जैसी कमी होती है। पैर में दर्दरहित फोड़े अथवा इत्यादि लक्षणों के आधार पर कुष्ठ रोग का जल्दी ही पहचान कर सकते है।

कुष्ठ रोग के कारण—कुष्ठ रोग का प्रमुख कारण 'माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री' जिसका प्रभाव प्रमुख रूप से चोट लगने के कारण या शारीरिक क्षमता कम होने के कारण होता है। यह दबाब युक्त भाग जैसे हथेली, पैरी की ऐड़ी एवं पैर की अंगुलियों में ज्यातर होता है।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) पोलिया को परिभाषित करते हुए लक्षण एवं कारणों की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

(2) पोलियो कितने प्रकार का होता है। उनका वर्णन कीजिए।

(3) रीढ़ की हड्डी के विकारों को सविस्तार समझाइए।

(4) माँसपेशीय दुर्विकास के प्राथमिक लक्षण क्या हैं समझाइए।

(5) गामक अक्षमता के क्या कारण है ? स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) पोलियो से आप क्या समझते हैं ?

(2) पोलियो के विकार से क्या तात्पर्य है ?

(3) पेशी कुपोषण से क्या अभिप्राय है ?

(4) गामक अक्षमता का क्या अर्थ है ?

(5) गामक अक्षमता की किस प्रकार करेंगे।

NOTES

3 कार्यात्मक कठिनाइयों का आकलन

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- उद्देश्य
- प्राक्कथन
- स्पाइना बाइफिडा के लक्षण
- स्पाइना बाइफिडा के कारण
- वर्गीकरण
- स्पाइना बाइफिडा एक (Neuro developmental) विकार के रूप में
- निदान
- पोलियो के निदान
- रीढ़ की हड्डी में चोट के CHOARD निदान
- परीक्षपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे।

— उद्देश्य

— प्राक्कथन

— स्पाइना बाइफिडा के लक्षण

— स्पाइना बाइफिडा के कारण

— वर्गीकरण

— स्पाइना बाइफिडा एक (Neuro developmental) विकार के रूप में

— निदान

— पोलियो के निदान

— रीढ़ की हड्डी में चोट के CHOARD निदान

प्राक्कथन

NOTES

गर्भाधान के पश्चात् पहले महीने के दौरान भ्रूण न्यूरल ट्यूब के रूप में जाना एक आदिम ऊतक संरचना विकसित करता है। धीरे-धीरे इस संरचना हड्डियों, नसों तथा ऊतक जो अंततः तंत्रिका तंत्र और रीढ़ की हड्डी के आकार में विकसित होता है।

स्पाइना बाइफिडा एक जन्म दोष है कि प्रभावों रीढ़ है।

कुछ न्यूरल ट्यूब और मेरूदंड विकास के साथ गलत हो जाता है अजन्मे बच्चे स्पाइना बाइफिडा है जब-यह पूर्णरूप से बंद नहीं होती है। रीढ़ की हड्डी हड्डी का एक रिज कि रक्षा करता है और नसों चारों ओर से घेरे हैं।

वहाँ स्पाइना बाइफिडा के तीन मुख्य प्रकार हैं:

स्पाइना बाइफिडा (Occulta)

स्पाइना बाइफिडा (Meningocele)

Myelomeningocelel

यह पाठ myelomeningocele के लिए प्रमुख रूप से संदर्भित करता है।

Myelomeningocele सबसे गंभीर प्रकार है और उत्पन्न हुए हर 1,000 शिशुओं में 1 approximated को प्रभावित करता हैं अनेक कशेरुकाओं के साथ मेरूदंड उजागर बनी हुइ है। झिल्ली के रूप में बच्चे की पीठ तथा रीढ़ की हड्डी पर एक थैली रूपों को धक्का। थैली मेनिन्जेस (झिल्ली) के साथ कवर किया जा सकता है।

तंत्रिका तंत्र में संक्रमण, जिनमें से कुछ जीवन के लिए खतरा हो सकता है कि ज्यादा आशंका रहती है। हालांकि सर्जरी दोष सही कर सकते हैं, यह व्यापक क्षति कि पहले से ही उत्पन्न हुई पलट नहीं सकते। बच्चे आंशिक रूप से या पूर्णरूप से पंगु पैर, मूत्र और/या आंत्र असंयम हो सकता है, और त्वचा की अनुभूति खो सकते हैं।

एक शर्त जलशीर्ष के रूप में जाना जाता है-रोगियों के बहुत अधिक सीएसएफ (मस्तिष्कमेरु द्रव) है। सीएसएफ एक पानी तरल पदार्थ जो cavities (निलय) मस्तिष्क के अंदर और भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की सतह के आसपास के द्वारा से बहती है।

स्पाइना बाइफिडा साथ बच्चों के मामलों में, सीएसएफ के संचय की वजह से होता है क्योकि न्यूरल ट्यूब ठीक से विकसित नहीं किया गया हैं जलशीर्ष मस्तिष्क क्षति में परिणाम कर सकते हैं, इसलिए बनाया दबाव सर्जरी के माध्यम से कम किया जाना चाहिए।

के रूप में उपचार के विकल्प में सुधार हुआ है, इसलिए स्पाइना बाइफिडा साथ बच्चों के लिए दृष्टिकोण है। के बारे में 50 साल पहले बच्चों के बहुमत उनके पूर्व बारह महीने से बच नहीं पाएगा। आजकल ज्यादातर रोगियों वयस्कता में अच्छी तरह से जीवित रहते हैं। स्पाइना बाइफिडा के साथ वयस्कों की काफी संख्या को स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं।

स्पाइना बाइफिडा के लक्षण

उद्घाटन रीढ़ के शीर्ष पर होता है, रोगी के पैर अधिक पूर्व रूप से पंगु होने की संभावना है, और वहाँ शरीर के अन्य हिससों में आंदोलन के साथ अन्य समस्याओं हो जाएगा। उद्घाटन मध्य या रीढ़ के आधार में हैं, लक्षण कम गंभीर हो जाते हैं।

Myelomeningocele स्पाइना बाइफिडा के सबसे गंभीर रूप है। जलशीर्ष के साथ उन समस्याओं सीखनें होने का एक बड़ा मौका है।

संज्ञानात्मक लक्षण - न्यूरल ट्यूब में होने वाली परेशानियां मस्तिष्क के विकास पर एक नकारात्मक प्रभाव है। मसितष्क (प्रांतस्था) का मुख्य भाग है, विशेष रूप ललाट हिस्सा ठीक से विकास नहीं करता है, कुछ संज्ञानात्मक समस्याओं के लिए अग्रणी। संज्ञानात्मक अनुभूति को संदर्भित करता है; जागरूकता की प्रक्रिया है, यह सोचकर सीखने, पहचानने तथा जनते हुए भी।

इस मरीज की भाषा संसाधन तथा शारीरिक समन्वय कौशल को प्रभावित कर सकता-वहाँ भी टाइप 2 अनॉल्ड-शियारी कुरूपता, एक असामान्य मस्तिष्क सेरिबैलम से जुड़े विकास हो सकता है।

स्पाइना बाइफिडा के साथ लोगों की लगभग 6% औसत बुद्धि होगा। सामान्य बुद्धि के साथ उ लोगों की एक महत्वपूर्ण प्रतिशत अधिगम विकलांगता के कुछ प्रकार के जो ध्यान के साथ समस्याओं, को सुलझाने, पढ़ना, बोली जाने वाली भाषा को समझने, योजना बनाने, और अमूर्त अवधारणाओं लोभी सम्मिलित हो सकते हैं होगा। वहाँ भी जैसे बटन या जूते का फीता अप कर के रूप में दृश्य और शारीरिक समन्वय के साथ परेशानियाँ हो सकती है।

अधिकांश रोगियों को उनके पैरों में लकवा के कुछ डिग्री की हैं आंशिक पक्षाघात, पैर ब्रेसिज अथवा एक छड़ी के मामलों में आवश्यक हो सकता है। जब पक्षाघात की कुल है, मरीज को एक व्हीलचेयर की जरूरत होगी। निचले अंगों का प्रयोग नहीं कर रहे हैं वे कमजोर हो जाते हैं कर सकते हैं, जो अंततः हड्डी उखड़ गई जोड़ों, कुरूप हड्डियों और बढ़ सकता है स्कोलियोसिस (रीढ़ घटता असामान्य रूप से)।

अधिकांश रोगियों को आंत तथा मूत्र असंयम की है।

स्पाइना बाइफिडा occulta

स्पाइना बाइफिडा occulta mildest रूप है। अधिकांश रोगियों को कोई न्यूरोलॉजिकल संकेत अथवा लक्षण है। वहाँ एक छोटा सा पैदाइशी निशान, डिंपल अथवा बालों का गुच्छा त्वचा जहां रीढ़ की हड्डी में दोष है पर हो सकता हैं। स्पाइना बाइफिडा के इस प्रकार के साथ रोगियों की काफी संख्या कभी नहीं जानते हैं कि वे यह है जब तक एक और कारण के लिए ले जाया एक इमेजिंग परीक्षण किया जाता है।

Meningocele

meningocele (खुला स्पाइना बाइफिडा) में रीढत्र की हड्डी सामान्य रूप से विकसित, मेनिज्जेस (रीढ़ की हड्डी के चारों ओर सुरक्षात्मक झिल्ली) कशेरुकाओं में खोलने के द्वारा धक्का। झिल्ली शल्य चिकित्सा द्वारा हटा दिया जाता है, आम तौर पर तंत्रिका रास्ते अथवा बहुत कम क्षति को कोई हानि के साथ।

स्पाइना बाइफिडा के कारण

कोई भी पूर्णरूप से यकीन है कि क्या स्पाइना बाइफिडा कारण बनता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह विरासत में मिला (आनुवंशिक), पर्यावरण और पोषण संबंधी कारकों के संयोजन की वजह से हुई है।

कुछ सबूत है कि संयंत्र प्रोटीन तथा फोलिक एसिड की कम सेवन स्पाइना बाइफिडा में एक भूमिका निभा सकता है।

जिन महिलाओं को आवश्यक नहीं है **फोलिक एसिड** गर्भावस्था के दौरान स्पाइना बाइफिडा साथ एक बच्चे को जन्म देने की सीावना ज्यादा होती हैं विशेषज्ञों का कहना है कि प्रजनन आयु की महिलाओं सुनिश्चित करें कि उनके फोकि एसिड का सेवन जरूरी है बनाना चाहिए। कोइ भी यकी है कि कैसे फोलिक एसिड का सेवन विकसित करने से स्पाइना बाइफिडा रोकता है। की रिपोर्ट में एक

NOTES

अध्ययन पोषण के जर्नल निष्कर्ष निकाला कि "संयंत्र प्रोटीन, आयरन, की कम preconceptional सेवन **मैग्नीशियम**, और नियासिन स्पाइना बाइफिडा की एक 2-को 5 गुना खतरा बढ़ के साथ जुड़े रहे है।"

एक औरत स्पाइना बाइफिडा साथ एक बच्चे को जन्म देता है, तो वह स्पाइना बाइफिडा भी (लगभग 5% जोखिम) के साथ एक और बच्चे के जन्म के एक उच्च-से-सामान्य खतरनाक है।

इसत तरह के इलाज के लिए कुछ के रूप में कुछ दवाएं, मिर्गी अथवा द्विध्रुवी विकार ऐसे स्पाइना बाइफिडा के रूप में जन्मजात दोष, साथ बच्चों को जन्म देने के एक उच्च जोखिम के साथ संबद्ध किया गया है।

महिलाओं का मधुेह अन्य महिलओं की तुलना में ज्यादा स्पाइना बाइफिडा साथ एक बालक होने की संभावना है।

मोटापे से ग्रस्तमहिलाओं, जिनकी **बीएमआई** (बॉडी मास इंडेक्स) 30 या उससे ज्यादा स्पाइना बाइफिडा साथ एक बच्चा का अधिक खतरा होता है। जोखिम अधिक महिला के बीएमआई 30 से अधिक है, अधिक है।

उद्देश्य

को बढ़ावा देने और स्पाइना बाइफिडा और/या जलशीर्ष के साथ देखभाल तथा व्यक्तियों के कल्याण के विकसित करने के लिए

अपने सदस्यों और स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष की जनता एक स्पष्ट समझ एवं शर्त/एस के साथ लोगों की क्षमताओं के मध्य बनाने के लिए

बैठकों और समूह की गतिविधियों की मदद के लिए माता-पिता, भागीदारों, से निपटने के लिए स्पाइना बाइफिडा और/अथवा जलशीर्ष और दूसरों के साथ लोगों की व्यवस्था और शर्त/s से पैदा होने वाली समस्याओं को समझने के लिए

बनाने के लिए और इसी तरह के समूहों और संगठनों अंतराज्यीय और विदेशी के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए

नवीनतम उपचार और स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष के संबंध में शोध करने के लिए और परेशानियों में लगातार अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के रूप में सूचित किए जाने के अपने सदस्यों को सक्षम करने के लिए

सार्वजनिक अस्पतालों और अन्य संगठनों अंत्यंत स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष अथवा किसी अन्य संगठन के साथ संबंध के साथ सहयोग की भावना

इस संघ यह सहबद्ध करने के लिए जरूरी प्रतीत होता है जिसके साथ बढ़ावा देने के लिए

NOTES

वर्गीकरण

स्पाइना बाइफिडा एक इलाज रीढ़ की हड्डी कुरूपता कि गंभीरता की डिग्री परिवर्तित होती है। न्यूरल ट्यूब की एक दोष के रूप में वर्गीकृत (यानी, भ्रूण संरचना है कि रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में विकसित करता है), यह रूप में लंबे समय के रूप में 4000 साल पहले पहचाना गया था। अवधि myelodysplasia स्पाइना बाइफिडा के लिए एक पर्याय के रूप में इस्तेमाल किया गया है। (रोग-शारीक्रिया विज्ञान और एटियलजि देखें)।

न्यूरल ट्यूब दोष स्पाइना बाइफिडा occulta की रेडियोग्राफिक निष्कर्ष आकस्मिक को स्टीलबर्थ से, प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला है। Myelomeningocele, का एक रूप **स्पाइना बाइफिडा,** जन्म के समय दिखाई देता है (नीचे दी गई छवियों देखें)। दोष के एक स्पेक्ट्रम के साथ उपस्थित myelomeningocele, लेकिन प्राथमिक कार्यात्मक घाटे के साथ मरीजों को निचले बंग पक्षाघात और संवेदी हानि, मूत्राशय तथा आंत्र रोग और संज्ञानात्मक रोग हैं। (नैदानिक प्रस्तुति देखें)।

myelomeningocele साथ एक नवजात शिशु की काठ का क्षेत्र। त्वचा तक सुरक्षित है तथा तंत्रिका ऊतक के placode युक्त अवशेष घाव हैं, जो मस्तिष्कमेरु द्रव से भर जाता है के केंद्र में मनाया जा सकता है।

एक नवजात शिशु में Myelomeningocele।

रक्त परीक्षण, उल्ववेधन, अथवा दोनों न्यूरल दोष के लिए स्क्रीन इस्तेमाल किया जा सकता। ये आमतौर पर भ्रूण अल्ट्रासोनोग्राफी के साथ संयोजन में प्रयोग किया जाता है। (Workup देखें)।

स्पाइना बाइफिडा (cystica) जब गर्भनाल ऊतक meningocele, जिस स्थिति में पुटी एक myelomeningocele कहा जाता है में फैली हुई है एक परेशानी का कारण बनता है। Menelaus के अनुसार, स्पाइना बाइफिडा cystica की myelomeningocele प्रपत्र मामलों के 94% के लिए लेखांकन, स्पाइना बाइफिडा का सबसे महत्वपूर्ण तथा आम प्रकार है। (स्पाइना बाइफिडा occulta यह आंकड़ा में सम्मिलित नहीं है।)

myelomeningocele के साथ पैदा हुआ एक बच्चा एक केंद्र है, जहां नवजात सर्जरी और बंद किया जा सकता है के लिए विशेषता देखभाल और हस्तांतरण की जरूरत है। सर्जरी के कवरेज के लिए पार्श्व मांसपेशियों और त्वचा को मुक्त कराने और कम से कम scarring के साथ तंत्रिका तत्वों की एक बंद के रूप में है, क्योंकि एक टेदर की हड्डी के देर से जटिलता निरन्तर और गंभीर परिणाम है प्रयास करने से सम्मिलित है।

स्पाइना बाइफिडा cystica, वास्तव में सबसे गंभीर प्रकार, का दूसरा रूप myelocele, अथवा myeloschisis, विविधता, जिसमें खुला तंत्रिका प्लेट उपकला के माध्यम से गौणतः कवर किया जाता है। और तंत्रिका प्लेट की सतह पर फैल गया है।

स्पाइना बाइफिडा occulta

अवधि स्पाइना बाइफिडा वास्तव में बाइफिडा occulta है, जो स्वस्थ वयस्कों की एक अत्यन्त बड़ी संख्या में मौजूद हो सकता स्पाइना का उललेख नहीं करता। कुछ तर्क है कि यह स्वस्थ वयस्कों में से एक तिहाई से ऊपर में पाया जा सकता इमेंजिंग अध्ययन पीछे कशेरुकी मेहाब का विश्लेषण करने के लिए उपयोग किया गया है।

Syringomeningocele

Syringomeningocele स्पाइना बाइफिडा का दूसरा रूप है। ग्रीक भाषा Syrinx, जिसका अर्थ है ट्यूब अथवा प्लेट, के साथ संयुक्त है meninx (झिल्ली) और Kele (ट्यूमर)। अवधि इस प्रकार की हड्डी बहुत कम कार्ड पदार्थ के साथ एक झिल्ली से घिरा के बीच नहर के साथ जोड़ने रीढ़ की हड्डी में तरल पदार्थ के साथ, एक खोखले केन्द्र वर्णन करता है।

Syringomyelocele और syringomyelia

Syringomylocele स्पाइना बाइफिडा का एक प्रकार है जो झिल्ली और केन्द्रीय नहर में वृद्धि हुई तरल पदार्थ के लिए रीढ़ की हड्डी सीसा, एक पतली दीवारों थैली के विरुद्ध गर्भनाल ऊतक attenuating का फलाव में। Syringomyelia, अथवा hydrosyringomyelia, रीढ़ की हड्डी में कैविटी की उपस्थिति है, जो gliomatous नई संरचनाओं के टूटने से हो सकता है।

स्पाइना बाइफिडा सबसे आम जन्म केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (सीएनएस) को प्रभावित करने वाले दोष है और अक्सर सबसे जटिल जन्म दोष अस्तित्व [के साथ

संगत के रूप में पहचाना जाता है Liptak और एल सामरा, 2010] । इसकी जटिलता के कारण, निदान तथा स्पाइना बाइफिडा के साथ पैदा हुए शिशुओं के उपचार के जन्म से पूर्व और वयस्कता के माध्यम से शुरू होता है, कई विषयों को शामिल। आश्चर्य नहीं कि अनुसंधान पिछले एक दशक में कई डोमेन के मध्य विकसित हुई है। के इस विशेष अंक के प्रयोजन के विकासात्मक अक्षमता रिसर्च समीक्षा व्यवस्थित स्पाइना बाइफिडा साथ सीधे सम्मिलित विषयों में इस शोध के एकीकरण और जागरूकता को बढ़ावा देने के कोशिश में अलग-अलग डोमेन के भीतर स्पाइना बाइफिडा पर अनुसंधान की समीक्षा करना है। इसके साथ-साथ हम शोधकर्ताओं और चिकित्सकों अन्य विकास विकलांग के साथ सम्मिलित करने के लिए समकालीन अनुसंधान और उपचार रणनीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उम्मीद है। हालांकि स्पाइना बाइफिडा के कुछ पहलुओं को पिछले मुद्दों के भाग के रूप समीक्षा की गई है, इस पत्रिका के पहले अंक विशेष रूप से द्वारा संपादित न्यूरल ट्यूब दोष पर एक मुद्दा के पश्चात् बाइफिडा स्पाइना के लिए समर्पित है [**सेल्स** 1998]।

विशेष लेख कि अनुसंधान की एक संस्था को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए इसके अलावा, इस विशेष अंक की एक विशेषता वर्तमान एपचार दृष्टिकोण और स्वास्थ्य देखभाल के परिणामों तथा बच्चों और स्पाइना बाइफिडा के साथ वयस्कों की आवश्यकता पर लेख के शामिल किए जाने है। इन तरीकों जो कई विषयों को सम्मिलित अनुभव और अनुभवी चिकित्सकों की वकालत की वजह से पिछले दो दशकों में विकसित किया है। इस अंक में कई पत्र का सुझाव के रूप में स्वास्थ्य मनोसामाजिक की multicenter अध्ययन और स्पाइना बाइफिडा है, जो भी इअनुसंध ाान के आनुवंशिक तथा अन्य क्षेत्रों में सुविधा होगी साथ लोगों को प्रभावित कर शिक्षा हस्तक्षेप मुद्दों के लिए एक की आवश्यकता है। यह क्योंकि जो स्पाइना बाइफिडा है जो कई अन्य neurogenetic विकारों की तुलना में अधिक प्रचलित है, अन्य विकासात्कक विकलांग लोगों के लिए उपचार को प्रभावित कर सकता के बारे में सीखा है यह अनुसंधान के करने के लिए महत्वपूर्ण है। वयस्क स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में संक्रमण के मुद्दों के विकास विकलांग (की एक विस्तृत रेंज के साथ अनेक लोगों को प्रभावित Liptak और एल सामरा, 2010; सॉयर और MacNec, 2010] अनुभूति और neurogenetic विकारों भर में मस्तिष्क समारोह में प्ररूपी रूपों को समझने endophenotypes की पहचान करने तथा सीखने और स्वतंत्रता (सुविधाजनक बनाने के लिए और अधिक सामान्य रणनीतियों की पहचान की सुविधा में सहायता मिल सकती। **डेनिस और बार्न्स** 2010। अनुभूति और neurogenetic विकारों भर में मस्तिष्क समारोह में प्ररूपी रूपों को समझने

endophenotypes की पहचान करने और सीखने तथा स्वतंत्रता। सुविधाजनक बनाने के लिए और अधिक सामान्य रणनीतियों की पहचान की सुविधा में सहायता मिल सकती। **डेनिस और बार्न्स**, 2010 अनुभूति और neurogenetic विकारों भर में मस्तिष्क समारोह में प्ररूपी रूपों को समझने endophenotypes की पहचान करने और सीखने और स्वतंत्रता (सुविधाजनक बनाने के लिए और अधिक सामान्य रणनीतियों की पहचान की सुविधा में मदद मिल सकती **डेनिस और बार्न्स**, 2010]।

स्पाइना बाइफिडा एक Neurodevelopmental विकार के रूप में

स्पाइना बाइफिडा एक जटिल एटियलजि कि आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों सम्मिलित है के साथ एक neurogenetic विकार है। स्पाइना बाइफिडा का सबसे सामान्य रूप, myelomeningocele अक्सर स्पाइना बाइफिडा साथ भी किया जाता है। Myelomeningocele आमतौर पर किन्तु हमेशा नहीं) विशेषता प्ररूपी विशेषताएं है कि अनुभूति, व्यवहार और अनुकूलन शामिल हैं, कई भागों के सिस्टम पर मस्तिष्क संबंधी रोगा का अधिक मान्यता प्राप्त जटिल प्रभाव के साथ साथ मस्तिष्क को प्रभावित करने वाले। अन्य neurogenetic विकार है कि शामिल जीन, मस्तिष्क और व्यवहार के विपरीत, स्पाइना बाइफिडा myelomeningocele कम सामान्यतः भले ही मोडल संज्ञानात्मक और व्यवहार प्ररूपी सुविधाओं अन्य न्मजात विकासात्मक विकारों (के साथ कुछ हड़ताली समानताएँ, एक neurogenetic विकार के रूप में देखा जाता है **डेनिस अतथा बार्न्स**, 2010 इस तरह के कुछ भाषण तथा भाषा विशेषताओं, hypersociality, अच्छा शब्द पढ़ने के संरक्षण, लेकिन भाषा के गरीब विकास/पढ़ने समझ और गणित के रूप में। हालांकि, इन सुविधाओं एक सैद्धांतिक तरीके से मनुष्य के साथ बदलती हैं। बौद्धिक रूप से विकलांग निराला कर रहे हैं और सबसे आम परिणाम, संज्ञानात्मक शैक्षिक व्यवहार और अनुकूली कौशल में शक्तियों और कमजोरियों सम्मिलित है।

जनता की धारणा बनीह हुई है जिसमें स्पाइना बाइफिडा क्योंकि तत्काल स्पष्ट कर रहे हैं ambulation के साथ परेशानियों भाषा और सामाजिक कौशल में ताकत है कि स्पाइना बाइफिडा के साथ कई विशेषताएँ की एक आर्थोपेडिक विकार के रूप में देखा जाता है, और तथ्य यह है कि स्पाइना के कुछ लगातार कम रूपों बाइफिडा मस्तिष्क विसंगतियों से संबद्ध नहीं है। पब्लिक स्कूलों में, विशेष शिक्षा के लिए वर्गीकरण सबसे अधिक बार एक आर्थोपेडिक हानि और सीखने की परेशानी अभी भी प्रेरक और व्यवहार कारकों भले ही स्पाइना बाइफिडा।

NOTES

myelomeningocele साथ ज्यादातर लोगों के मस्तिष्क और जलशीर्ष (का जन्मजात विरूपताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है के रूप में है डेल bigio, 2010; Juranek और सलमान 2010] इस संबंध में, स्पाइना बाइफिडा न्यूरल ट्यूब के आरम्भिक गठन है, जो तंत्र इस plasticity अंतर्निहित की गहन वैज्ञानिक अध्ययन के लिए नेतृत्व चाहिए के साथ शुरुआत प्रतिकूल घटनाओं की एक झरना के बाद संरक्षण और कौशल और अनुकूली क्षमताओं के विकास को देखते हुए तंत्रिका plasticity का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। इसके अलावा, स्पाइना बाइफिडा अधिक विशिष्ट चिकित्सा और पुनर्वास उपचार की तुलना में अनेक neurogenetic विकार [की खासियत है की जरूरत है Liptak और एल सामरा, 2010; वेब 2010] उसके उपचार को प्रभावित कैसे एक या एक से अधिक साझा सुविाओं (जैसे, जलशीर्ष) के साथ अन्य पुरानी बीमारियों का इलाज किया जास कात है के साथ। जो तंत्र इस plasticity अंतर्निहित की गहन वैज्ञानिक अध्ययन के लिए नेतृत्व चाहिए। इसके अलावा, स्पाइना बाइफिडा अधिक विशिष्ट चिकित्सा और पुनर्वास उपचार की तुलना में अनेक neurogenetic विकार [की खासियत है की आवश्यकता है Liptak और एल सामरा, 2010; वेब 2010] उसके उपचार को प्रभावित कैसे एक अधिक एक से अधिक साझा सुविधाओं (जैसे, जलशीर्ष) के साथ अन्य पुररानी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है के साथ।

स्पाइना बाइफिडा occulta

स्पाइना बाइफिडा occulta हर 10 लोगों में लगभग 1 में होता है और शायद ही कभी किसी भी लक्षण अथवा समस्याओं का कारण बनता। स्पाइना बाइफिडा occulta स्पाइना बाइफिडा के कम से कम गंभीर प्रकार है। रीढ़ की हड्डी में उद्घाटन एक अथवा रीढ़ की हड्डी (कशेरुकाओं) नहीं सही तरीके से लिखे की हड्डियों के अधिक के साथ बहुत छोटा है। रीढ़ की हड्डी में उद्घाटन त्वचा के साथ कवर किया जाता है, तो अंतर को बाहर से दिखाई नहीं है।

स्पाइना बाइफिडा occulta आमतौर पर किसी भी लक्षण नहीं कारण नहीं है और अधिकतर लोगों अनजान वे हालत होती है। ऐसे मामलों में कोई इलाज की आवश्यकता है। अन्य मामलों में, इस तरह के मूत्राशय और आंत्र समस्याओं, अथवा एक के रूप में कुछ लक्षण, हो सकता है। **रीढ़ (स्कोलियोसिस) की असामान्य अवस्था।**

स्पाइना बाइफिडा cystica

स्पाइना बाइफिडा cystica तब होता है जब रीढ़ की हड्डी की परत (झिल्ली) और कभी कभी रीढ़ की हड्डी में दोष के द्वारा बाहर धक्का। स्पाइना

NOTES

बाइफिडा cystica के दो मुख्य प्रकार meningocele तथा myelomeningocele कहा जाता है।

Meningocele

स्पाइना बाइफिडा meningocele स्पाइना बाइफिडा की नायाब प्रकार है। सुरक्षात्मक झिल्ली (मेनिन्जेस) रीढ़ की हड्डी के आसपास के कशेरुकाओं में खुलने के मध्य बाहर धक्का दे दिया जाता है। Meningocele कभी-कभी त्वचा की एक परत से आच्छादित हैं वहाँ फैला हुआ थैली में कोई रीढ़ की हड्डी नसों है। झिल्ली आमतौर पर सर्जरी से हटाया जा सकता।

लक्षण बहुत चर हो सकता है। कभी-कभी कुछ या कोई लक्षण अथवा समस्याएं हैं। दूसरों पैर तथा भी मूत्राशय और आंत्र समस्याओं की गंभीर कमजोरी के साथ पीड़ित हो सकता है।

Myelomeningocele

यह स्पाइना बाइफिडा के सबसे गंभीर प्रकार है। के बारे में एक में हर 1,000 गर्भधारण ब्रिटेन में प्रभावित होते हैं। रीढ़ की हड्डी को बनाने हड्डियों के साथ खुला रहता है। झिल्ली और रीढ़ की हड्डी बाहर धक्का बच्चे की पीठ पर एक थैली बनाने के लिए। इससे कभी-कभी संक्रमण है कि जीवन के लिए खतरा हो सकता है के जोखिम में तंत्रिका तंत्र छोड़ देता है।

myelomeningocele के ज्यादातर मामलों में, सर्जरी दोष बंद करने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, तंत्रिका तंत्र को नुकसान आम तौर पर पूर्व से ही जगह ले लिया है जाएगा। तंत्रिका क्षति पैरों की कमजोरी (पक्षाघात) और पैरों की त्वचा में महसूस की नुकसान सहित, लक्षण की एक श्रृंखला उत्पन्न कर सकता हैं वहाँ भी गुजर वी (मूत्र) और पू (मल, मल या गति) के साथ समस्याऐं हो सकती है।

स्पाइना बाइफिडा के लक्षण क्या हैं?

स्पाइना बाइफिडा occulta रीढ़ से ज्यादा तवचा के किसी भी दोष का कारण नहीं है और किसी का ध्यान नहीं जा सकते हैं। स्पाइना बाइफिडा occulta overlying त्वचा में अंतर के साथ जुड़ा हो सकता है। उदाहरण के लिए वहाँ त्वचा के रंग में बदलाव, एक बालों पैच, एक पूर्व से ही निशान या त्ववचा में एक गड्ढे हो सकता है।

NOTES

स्पाइना बाइफिडा occulta रीढ़ की हड्डी में दोष पर एक सूजन का कारण बनता है तथा इस तंत्रिका (रीढ़ की हड्डी) ऊतक हो सकती है। Meningocele और myelomeningocele आम तौर पर एक द्रव से भरी थैली, जो पीठ पर देखा जा सकता है। सम्मिलित है। meningocele में, थैली त्वचा की एक पतली परत के द्वारा कवर किया जा सकता है। myelomeningocele के अधिकतर मामलों में, वहाँ थैली और असामान्य रीढत्र की हड्डी के ऊतकों के एक क्षेत्र को कवर त्वचा की कोई परत देखा जा सकता है।

स्पाइना बाइफिडा कैसे पता चलता है?

अधिकतर मामलों में, स्पाइना बाइफिडा जन्म से पहले पता चला है। कुछ हल्क मामलों के जन्म के पश्चात् जब तक किसी का ध्यान नहीं जा सकते हैं। बहुत हल्के रूपों (रीढ़ की हड्डी में बाइफिडा occulta) जिसमें कोई लक्षण नहीं देखते हैं, कभी नहीं पता लगाया जा सकता है।

जन्म से पहले

सबसे आम स्क्रीनिंग गर्भावस्था के दौरान स्पाइना बाइफिडा देखने के लिए उपयोग किया तरीकों अल्फा-भ्रूणप्रोटीन और अल्टासाउण्ड स्कैन, जो नियमित रूप से गर्भावस्था के 16-18 सप्ताह में प्रदर्शन कर रहे हैं के लिए रक्त परीक्षण कर रहे हैं। पर अलग पत्रक देखें **स्क्रीनिंग टेस्ट गर्भावस्था।**

जन्म के बाद

स्पाइना बाइफिडा (occulta) के हल्के मामले से जनम के पश्चात् पता लगाया जा सकता **सादे फिल्म एक्स-रे परीक्षा।** स्पाइना बाइफिडा की अधिक गंभीर रूप से शिशुओं अक्सर अपने पैरों, कूल्हों तथा पैर कि विकृति है कि जन्म के समय मौजूद हो सकता है में परिणाम में मांसपेशियों में कमजोरी है। कमर, टांगों और पैरों के आगे एक्स-रे की जरूरत हो सकती।

चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) या एक गणना टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन रीढ़ की हड्डी और कशेरुकाओं के स्पष्ट स्थिति पाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता हैं जलाीर्ष (नीचे देखें) संदिग्ध है, तो डॉक्टर मस्तिष्क के अंदर अधिक तरल पदार्थ के लक्षण के लिए देखनके कि लिए अपने बच्चे के सिर के सीटी स्कैन का अनुरोध कर सकते।

इसके अतिरिक्त परीक्षण भी जरूरत हो सकती। इन परीक्षणों के लिए किसी भी संबंधित समस्याओं पर निर्भर करेगा, लेकिन गुर्दे और मूत्राशय के एक अल्ट्रासाउंड सम्मिलित हो सकते हैं।

NOTES

स्पाइना बाइफिडा की जटिलताओं क्या है?

स्पाइना बाइफिडा की जटिलता गंभीर शारीरिक विकलांगता के कोई परेशानी से भिनन हो सकते हैं। स्पाइना बाइफिडा साथ ज्यादातर लोगों को सामान्य बुद्धि के है। स्पाइना बाइफिडा की वजह से समस्याओं आकार और दोष की स्थिति रीढ़ की हड्डी में पर निर्भर करते हैं, चाहे वक कवर किया जाता है, और जो रीढ़ की नसों सम्मिलित हैं सभी दोष के नीचे स्थित तंत्रिकाओं को कुछ हद तक प्रभावित हो जाएगा। इसलिए, उच्च्व दोष तंत्रिका क्षति और बाहुबल तथा संवेदना में कमी की राशि पीछ पर होता है ज्यादा से ज्यादा।

जलशीर्ष

myelomeningocele के साथ अधिकतरम बच्चों को भी मस्तिष्क आसपास के तरल पदार्थ की एक अलावा का विकास होगा-यह मष्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ) कहा जाता है। यह मस्तिष्क (जलशीर्ष) में एक दबाव बढ़ा कारण बनता है। जलशीर्ष, तुरनत इलाज किया जाना है मस्तिष्क पर दबाव मस्तिष्क क्षति हो सकती है के रूप में की आवश्यकता है। जलशीर्ष अक्सर एक ऑपरेशन से किया जाता ह। पेट (पेट) को मस्तिष्क से एक खोखले ट्यूब (शंट) शामिल करने के लिए अतिरिक्त तरल पदार्थ के निकास के लिए।

शियारी द्वितीय कुरूपता

Myelomeningocele भी गंभीर हालत के साथ संबद्ध किया जा सकता नामक एक शियारी malformation, This हालत मस्तिष्क के भाग के नीचे धक्का दे दिया जा रहा है और शामिल है खोपड़ी से बाहर तथा गर्दन में रीढ़ की हड्डी में नहर में।

यह रीढ़ की हड्डी के (संपीडन) कुचलने के लिए नेतृत्व कर सकते है। इस खिलाने के साथ कठिनाइयों सहित, निगलने, समस्याओं और हाथ कमजोरी साँस लेने में लक्षण की एक किस्म का कारण हो सकता। एक Chiari कुरूपता की सीएसएफ (जलशीर्ष) की रुकावट हो सकती है।

मस्तिष्कावरण शोथ

Myelomeningocele साथ कुछ नवजात शिशुओं का विकास हो सकता **दिमागी बुखार** मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) की परत में एक संक्रमण। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क की चोट के कारण हो सकता है और जीवन के लिए खतरा हो सकता है।

अन्य जटिलताओं

NOTES

स्पाइना बाइफिडा रीढ़ की हड्डी के असामान्य वक्रता (स्कोलियोसिस) के साथ जुड़ा हो सकता है। जैसे, असामान्य कूल्हों, असमान पैर की लंबाई अथवा क्लब पैर-स्पाइना बाइफिडा साथ एक बच्चा भी पैर और पैर असमान्यताओं हो सकता है।

वहाँ जुड़ा हो सकता हैं मूत्राय समस्याओं-जैसे, समस्याओं मूत्र अथवा नियंत्रण गुजर मूत्र (के नुकसान गुजर **मूत्र असंयम**)। आंत्र परेशानी भी हो सकती है-जैसे, कठिन पू (कब्ज), बार-बार पानी ढीला पू (दस्त) या पू (असंयम) पास करने का नियंत्रण खो गुजर।

दोनों myelomeningocele और जलशीर्ष के साथ बच्चे परेशानी का भुगतान ध्यान, भाषा और पढ़ने और मुसीबत सीखने गणित के साथ समस्याओं सहित विकलांग सीखने, हो सकता है। हालांकि, स्पाइना बाइफिडा साथ अधिकतर लोगों सामान्य बुद्धि हैं।

myelomeningocele साथ कुछ बच्चों को एक शर्त प्रगतिशील टेदरिंग (टीदर की हड्डी सिंड्रोम) कहा जाता है विकास। रीढ़ की हड्डी (overling झिल्ली और हड्डियों (कशेरुकाओं) करने के लिए अटक गया हो जाता है। यह के रूप में अपने बच्चे को बढ़ता है। फैला बनने के रीढ़ की हड्डी का कारण बनता हैं यह पैरों में बाहुबल की हानि हो सकती है। यह भी आंत्र और मूत्राशय समस्याएं उत्पन्न कर सकता। एक टेदर रीढ़ की हड्डी पर प्रारंभिक सर्जरी रीढ़ की हड्डी को ज्यादा नुकसान रोक सकता है।

स्पाइना बाइफिडा का इलाज कैसे किया जा सकता है?

अलग उपचार की एक संख्या स्पाइना बाइफिडा से जुड़े लक्षण अथवा शर्तों का इलाज किया जा सकता है।

वहाँ स्पाइना बाइफिडा के लिए कोई इलाज नहीं है। तंत्रिका ऊतक कि क्षतिग्रस्त है मरम्मत नहीं की जा सकती है। उपचार के प्रकार और स्पाइना बाइफिडा की गंभीरता पर निर्भर करता है। आम तौर पर, स्पाइना बाइफिडा के mildest रूप के साथ बच्चों, कोई इलाज की आवश्यकता के रूप में वे बड़े होते हैं, हालांकि कुछ शल्य चिकित्सा की जरूरत हो सकती है।

स्पाइना बाइफिडा cystica के साथ पैदा हुए एक बच्चे को आमतौर पर सर्जरी दोष को बंद करने और जीवन के पूर्व कुछ दिनों के भीतर संक्रमण अथवा

चचोट के जोखिम को कम करना होगा। यह दिखाया गया है कि जन्म से पूर्व अपने बच्चे पर काम भी प्रभावी हो सकता है।

कुछ बच्चों को आगे आपरेशन की जरूरत है पैर, कमर, रीढ़ के साथ कठिनाइयों का प्रबंधन करने होंगे। मस्तिष्क (जलशीर्ष) पर अधिक दबाव पड़ने के साथ बच्चे मस्तिष्क के दबाव के कम करने के लिए इस्तेमाल अलग धकेलना को बदलने के लिए आगे के संचालन की जरूरत होगी।

इस तरह के भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा और स्पीच थेरेपी के रूप में चिकित्सा की जरूरत हो सकती। इस तरह के एड्स और एक व्हीलचेयर चलने के रूप में उपकरण की आवश्यकता हो सकती। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर स्कूल और लेखन के साथ सहायता करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता।

मूत्राशय और आंत्र समस्याओं के लिए उपचार आमतौर पर जन्म के पश्चात् जल्द ही शुरू होता है। उपचार समस्याओं के कारण किया जा रहा पर निर्भर करती है।

परिणाम (रोग का निदान) क्या हैं?

यह स्पाइना बाइफिडा के प्रकार और रीढ़ की हड्डी अथवा मस्तिष्क के लिए किसी भी स्थायी क्षति पर निर्भर करेगा। स्पाइना बाइफिडा साथ कुछ लोगों को गंभीर शारीरिक विकलांगता और सीखने की परेशानियाँ होगी।

हालांकि, स्पाइना बाइफिडा साथ कई बच्चों सक्रिय जीवन जी और वयस्कता में अच्छी तरह से जीवित रह सकते हैं। स्पाइना बाइफिडा साथ अधिकतर बच्चों को सामान्य बुद्धि है। स्पाइना बाइफिडा के साथ कई वयस्कों स्वतंत्र और पूर्ण जीवन जीने में सक्षम हैं।

स्पाइना बाइफिडा कैसे रोका जा सकता है?

अपने बच्चे होन स्पइाना बाइडिा को रोकने के लिए सबसे अच्छा तरीका है दोनों फोलिक एसिड की खुराक लेने के लिए है **से पहले और गर्भावस्था के दौरान।** यह अनुशंसा की जाती है कि समस्त महिलाएं गर्भवती हो सकती है एक लेना चाहिए **फोलिक एसिड की दैनिक पूरक।**

फोलिक एसिड गर्भावस्था के पहले 12 सप्ताह के लिए लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह जब अपने बच्चे की रीढ़ ही हड्डी विकसित कर रहा है। आप फोलिक एसिड की एक उच्च खुराक की जरूरत हो सकती। आप स्पाइना बाइफिडा साथ एक बच्चा होने का खतरा बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए, आप

खतरा बढ़ जाता है अगर आपको मधुमेह है अथवा आप दवाएं ले रही है मिर्गी के इलाज के लिए।

यह भी भोजन की फोलिक एसिड में सक्षम है खाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन खाद्य पदार्थों अंधेरे हरी सब्जियां, अंडे की जर्दी और कुद फल सम्मिलित है। जैसे, कुछ नाश्ता अनाज, कुछ ब्रेड flours, पास्ता और भूरे रंग के चावल-अनेक खाद्य पदार्थ फोलिक एसिड जोडत्र लिया है।

NOTES

निदान

सेरेब्रल पाल्सी का निदान

निदान सेरेब्रल पाल्सी समय लगता है। कोई परीक्षण है कि इस बात की पुष्टि अथवा बाहर सेरेब्रल पाल्सी नियम है।

गंभीर मामलों में, बच्चे को जल्द ही जन्म के पश्चात् निदान किया जा सकता है, लेकिन बहुमत के लिए, निदान पहले दो वर्षो में बनाया जा सकता है।

मामूली लक्षण्ध के साथ उन लोगों के लिए, एक निदान जब तक मस्तिष्क पूर्णरूप से उम्र के तीन से पांच साल में विकसित की है रेंडर नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, स्पास्टिक diplegia, सेरेब्रल पाल्सी का एक बहुत ही साध ारण रूप है, के साथ एक बच्चे के लिए निदान की औसतम उम्र 18 महीने है।

यह माता पिता जो कुछ संदेह है अपने बच्चे के बारे में भिन्न हो सकता है के लिए एक कठिन समय हो सकता हैं अक्सर, माता-पिता को नोटिस अपने बच्चे को उम्र के हिसाब विकासात्मक मील के पत्थर में से एक याद किया गया है पहले कर रहे हैं।

एक वृद्धि कारक देरी हो रही है, तो माता-पिता आशा कर सकते हैं कि उनके बच्चे केवल एक धीमी स्टार्टर जो जाएगा "पकड़ने।" इस मामले ही सेतमा है, मता-पिता की चिंताओं की बालक के डॉक्टर, फिर भी सूचित करना चाहिए।

सेरब्रल पाल्सी की पुष्टि अनेक कदम शामिल कर सकते हैं। पहले इस तरह के रूप में महत्वपूर्ण संकेतक के लिए दृष्टिगत है।

जब बच्चा ऊँचाई और वजन के लिए विकास के मील के पत्थर और विकास चार्ट मानकों तक पहुँचने करता है?

बच्चे कैसे हैं 'रो सजगता प्रतिक्रिया?

NOTES

यह अगर बच्चे पर ध्यान केद्रित करने और उसके अथवा उसकी देखभाल करने वालों को सुनने के लिए सक्षम है के रूप में प्रतीत होता है?

आसन और आंदोलन असमामान्य लग रहे हैं?

डॉक्टरों सजगता, मांसपेशी टोन, मुद्रा, समन्वय और अन्य कारकों, जो समस्त महीने या साल से अधिक विकसित कर सकते हैं परीक्षण किया जाएगा। प्राथमिक देखभाल चिकित्सक चिकित्सा विशेषज्ञों अथवा ऐसे MRIs के रूप में आदेश परीक्षण, कपाल ultrasounds, या सीटी स्कैन से परामर्श करने के मस्तिष्क की एक छवि प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। यहां तक कि एक बार सेरेब्रल पाल्सी का निदान किया जाता है, माता/पिता गलतनिदान से इनकार करने के लिए एक दूसरे की राय की खोज के लिए इच्छा हो सकती है।

क्यों निदान महतवपूण हैं?

निदान अनेक कारणों से महत्वपूर्ण हैं;

बच्चे को समझने के लिए एक स्वास्थ्य की स्थिति

शीघ्र हस्तक्षेप और उपचार शुरू करने के लिए

की नहीं जानते हुए भ संदेह और डर को निकालने के लिए

खोजनके लिए और लाीा को सुरक्षित सेरेब्रल पाल्सी के साथ एक बच्चे को जुटाने की लागत की भरपाई के लिए करने के लिए

लाभ कार्यक्रमों की एक किस्म विकलांगता अथवा नुकसान के साथ बच्चों के लिए उपलब्ध हैं। इन कार्यक्रमों के लिए अर्हता प्राप्त करेन के लिए, बच्चे को एक औपचारिक निदान होना जरूरी है। क निदान के बिना, माता-पिता एक लम्बे पैटर्न में गिर सकता है।

कौन निदान देखभाल टीम पर है?

सेरेब्रल पाल्सी क निदान के लिए प्रक्रिया आम तौर पर बच्चे की प्राथमिक देखभाल चिकितसक, आमतौर पर एक बच्चों का चिकित्सक, और अच्चके के माता-पिता के माध्यम से किए गए प्रेक्षणों के साथ शुरू होता है। वहाँ कुछ अपवाद हैं।

एक बच्चे कको समय से पहले ही उत्पन्न होता है, तो या जन्म के समय कम वजन में, अथवा वह बारीकी से अस्पताल के नवजात गहन किकित्सा कक्ष में जन्म के समय से नजर रखी जाती हैं। बच्चे के दुरुपयोग अथवा हिल बेबी सिंड्रोम

के गंभीर मामलों में एक बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजिस्ट अस्पताल के आपातकालीन अथवा NICU इकाई के लिए कहा जाता है बच्चे की हालत का उपचार होगा।

अधिकांश मामलों में बच्चे को नियमित रूप से अच्छी तरह से बच्चे का दौरा जहां बच्चों का चिकित्सक पहली परीक्षा के चलते सेरेब्रल पाल्सी के लक्षण का खुलासा भाग लेंगे। कुछ मामलों में, यह माता पिता जो लक्षण वे इन यात्राओं के दौरान बच्चे के डॉक्टर के लिए रिले नोटिस है।

विकासात्मक देरी, असामान्य वृद्धि चार्ट, बिगड़ा मांसपेशी टोन और असामान्य सजगता सेरेब्रल पाल्सी के शुरुआती संकेत हैं। क्योंकि वहाँ कोई परीक्षण है कि निश्चित रूप से इस बात की पुष्टि अथवा सेरेब्रल पाल्सी बाहर नियम हैं, अन्य शर्तों संभावित कारणों की सूची से बाहर रखा जाना चाहिए, और सेरेब्रल पाल्सी पूर्णरूप से विचार किया जाना चाहिए। अन्य विकारों और शर्तों सेरेब्रल पाल्सी के रूप में दर्शा सकते हैं और सेरेब्रल पाल्सी अक्सर संबद्ध स्थिति है कि निदान करने की प्रक्रिया को जटिल बना के साथ है।

क्या परीक्षण वे प्रयोग करते हैं?

चूंकि कोई निश्चित परीक्षण है कि सेरेब्रल पाल्सी का निदान कर सकते है, डॉक्टर के एक, अथवा एक संयोजन, निदान प्रक्रिया में मदद करने के लिए निम्न में से उपयोग कर सकते हैं;

प्रजनन स्वारुय कारकों का आकलन

पैतृक स्वास्थ्य रिकॉर्ड की समीक्षा

की समीक्षा गर्भावस्था, प्रसव तथा प्रसव रिकॉर्ड

जनम के समय आयोजित नवजात स्क्रीन की समीक्षा

को ध्यान में रखते Apgar स्कोर

बच्चे जन्म, चिकित्सा, विकास तथा विकास रिकॉर्ड की समीक्षा

बच्चे की एक शारीरिक परीक्षा प्रदर्शन

अतिरिक्त स्क्रीन (श्रवण, फैटी एसिड, अमीनो एसिड और hemoglobinopathies) प्रदर्शन न्यूरोइमेजिंग परीक्षणों के संचालन निर्धारित करने के लिए मस्तिष्क क्षति उपस्थित रहने पर

NOTES

प्रदर्शन electroencephalography (ईईजी) विद्युतपेशीलेखन (EMG) तंत्रिका तंत्र का विश्लेषण करने के

आयोजन प्रयोगशाला परीक्षण (खून का काम करते हैं, यूरीनालिसिसि अथवा आनुवंशिक परीक्षण)

आयोजन मूल्यांकन (गतिशीलता, चाल, भाषण, श्रवण, दृष्टि, खिलाने एवं पाचन, संज्ञानात्मक तथा पुनर्वास की आवश्यकता है।

ऐतिहासिक रूप से, डॉक्टरों एक निश्चित परीक्षण तंत्र की कमी के कारण बहुत अधिक सतर्क जब सेरेब्रल पाल्सी तथा अन्य विकासात्मक देरी के निदान, भाग में किया गया है, और क्योंकि वे परीक्षण के परिणाम महसूस निर्णायक नहीं हो सकता। जब तक मस्तिष्क पूर्णरूप से 3 से 5 साल के मध्य में कहीं विकसित की है उम्र के। यह महसूस करते हुए परिवारों उनके युवा बच्चे के साथ संयोजजित करना चाहते थे, और बच्चे अपने अथवा अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए कि यह एक महतवपूर्ण समय था, कुछ पारंपरिक ज्ञान इस धारणा के तहत है कि एक औपचारिक निदान संबंध के लिए एक बच्चे के विकास और क्षमता में रूकावट हो सकती है। अन्य लोगों को एक गलत निदान भय था और प्रतीक्षा करेन के लिए जब तक उनके निदान के निर्णायक चाहता था।

दर्शकों के लिए, वर्ष के लिए महीनों में सेरेब्रल पाल्सी सम्मिलित अवलोकन के निदान के विकास के मील के पत्थर चार्टिंग और ध्यान देने योग्य बात विकास चार्ट कमजोरियों के लिए प्रोटोकॉल। यह माता-पिता जो अपने बच्चे की हालत के बारे में चिंता के लिए एक अत्यंत बार प्रयत्न कर रहा है, और चिकित्सा उपलब्ध ा कराने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप की तैनाती और अपने बच्चे की क्षमता का प्रबंधन करने के अनुकूली उपकरणों की खरीद और उसके एवज् में आंदोलन और समन्वय में शिथिलता को कम से कम आवश्यकता के बारे में चिंता है, कर सकते हैं। कुछ माता निता का कहना है कि उनके बच्चे के साथ संबंध अनुदित देरी के लिए किसी दिए गए तथा कहा कि चिंता का विषय नहीं होना चाएि कारण है।

और निराश, माता-पिता की एक छोटी संख्या अपने संदेह को अपने बच्चे की निदान मुकदमेबाजी पर सीमाओं के कानून के कारण देरी हो रही है कि क्या अपने बच्चे की सेरेब्रल पाल्सी चिकित्सा कदाचार या लापरवाही के कारण हुई है चाहिए पर व्यक्त की है। यह जानने के लिए की है कि कुछ बच्चों 8 साल की उम्र में या परे हैं और अभी भी एक औपचारिक निदान के बिना मस्तिष्क के विकास के चरण से अच्छी तरह से कर रहे हैं अनसुना नहीं है।

गाइड चिकितसकों सहायता करने के लिए; चिंतित है कि चिकित्सकों ज्यादा खतरे में एक बच्चे के उपचार प्रगति रखने की हद तक सतर्क जा रहे थे, 27 मई पर बाल चिकित्सा अकादमी अमेरिकी, 2013 शीर्षक से एक नैदानिक रिपोर्ट, ''प्रारंभिक पहचान तथा मूल्यांकन मोटर विलंब'' जारी निदान की एक 12-कदम प्रक्रिया के माध्यम से। उम्मीद है कि एक औपचारिक निदान के साथ, बच्चों तो जल्दी ही हस्तक्षेप, चिकित्सा, उपचार और सरकारी मदद के लिए अर्हता प्राप्त करने में सक्षम है।

NOTES

आप नैदानिक रिपोर्ट के बारे में जानने के लिए देखें ''**बाल रोग मुद्दे नैदानिक रिपोर्ट आग्रह प्रारंभिक सेरेब्रल पाल्सी के निदान के अमेरिकन अकादमी।**'' नैदानिक रिपोर्ट की एक प्रति डाउनलोड करने के लिए यहाँ जाएँ ''**मोटर विलंबः। शीघ्र पहचान तथा मूल्यांकन** चिकित्सा परीक्षा प्रक्रिया अनेक डॉकटरों, परीक्षण और नियुक्तियों को सम्मिलित कर सकते हैं। इस समय के दौरान डॉक्टरों जैसे अन्य इसी तरह की स्थिति से इनकार होगा :

अपक्षयी स्नायु संबंधी विकारों

आनुवांशिक रोगों

मांसपेशियों की बीमारियों

चयापचय विकारों

तंत्रिका तंत्र ट्यूमर

जमावट विकारों

अन्य चोटों अथवा विकरों जो प्रारंभिक विकास में देरी, जिनमें से कुछ हो सकता है'' पार कर दी''।

आम परीक्षण है कि तंत्रिका विज्ञान या neuroradiologists सम्मिलित है, इस तरह के कपाल अल्ट्रासाउंड के रूप में न्यूरोइमेजिंग, कम्प्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन (सीटी स्कैन) और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग स्कैन (MRIs) शामिल हैं। इन परीक्षणों तंत्रिका विज्ञान वास्तव में करने के लिए मस्तिष्क ''देख'' अनुमति देते हैं। विभिन्न विकारों, चोटों और स्थिति परिणाम है। ये सेरेब्रल पाल्सी से इनकार करने के लिए उपयोग किया जा सकता।

बच्चे जो एक विकासात्मक विकार के लिए सकारात्मक का परीक्षण आगे मूल्यांकन के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए भेजा जा सकता है।

एक बच्चा एक आर्थेपेडिक सर्जन के लिए भेजा जा सकता है मोटर विकास, आदिम सजगता का रिकॉर्ड हठ में देरी, उखड़ कूल्हों के लिए जांच की पता लगाने के लिए तथा असामान्य मुद्रा के लिए मूल्यांकन।

चिकितसा विशेषज्ञों में लाया जाता है श्रवण, दृष्टि तथा धारणा है, साथ ही संज्ञानात्मक व्यवहार एवं शारीरिक विकास का परीक्षण करने के।

एक आनुवंशिक विशेषज्ञ वंशानुगत घटकों के लिए विचार-विमर्श किया जा सकता है।

बचों का चिकित्सक सभी निगरानी, स्क्रीनिंग, मूल्यांकन और रेफरल बच्चे के स्वास्थ्य रिकॉर्ड में गतिविधियों दस्तावेज होगा।

लंबी और विस्तृत प्रक्रिया में सहायता कर सकने से इनकार या सेरेब्रल पाल्सी की पुष्टि करें। एक औपचारिक निदान आमतौर पर एक बार मस्तिष्क पूर्णरूप से साल की उम्र 2 से 5 के बीच विकसित की है बना है।

पोलिया के 2.6 निदान

पोलियो एक वायरल संक्रमण के कारण होता है। ज्यादातर मामलों में (95% संक्रमण) वहाँ कोई नैदानिक लक्षण हैं और इन संक्रमणों के इ[illegible] की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि? इन रोगियों को अपने मल में वायरस शेड और संक्रमण के जलाशयों के रूप में काम कर रहे हैं।

पोलियों के गैर लकवाग्रस्त तथा लकवाग्रस्त रूपों के साथ उन चिकित्सकीय रोग लक्षण पोलियों का निदान चिकित्सा के इतिहास, शारीरिक परीक्षा और इसके आगे भी सम्मिलित है।

चिकित्सा का इतिहास

रोगी की चिकित्सा के इतिहास पोलियों का मामला करने के लिए जोखिम के बारे में जांच भी सम्मिलित है। यह एक ऐसा क्षेत्र के लिए यात्रा भी शामिल है जहां पोलियो संक्रमण के साथ एक व्यक्ति की नाक अथवा बलगम स्राव के साथ स्थानिक, संपर्क में पोलियो।

इतिहास या पोलियो टीकाकरण भी महत्वपूर्ण है। निष्क्रिय इंजेक्शन पोलियो वैक्सीन अथवा आइपीवी उदाहरण के लिए संक्रमण से % से आसपास 90 सुरक्षा का एक प्रभावशीलता है। जिन लोगों को टीका लगाया जाता है साधारणतः पर

संक्रमण से सुरक्षित हैं।

चिकित्सा के इइतिहास भी बीमारी और बुखार की भावना भी सम्मिलित है।

NOTES

शारीरिक परीक्षा

इस सिस्टम की एक पूण जांच सम्मिलित है। श्वास मांसपेशियों रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क स्टेम श्वास मांसपेशियों को प्रभावित कर सकता है को प्रभावित करने वाले पोलियों के रूप में समारोह के लिए जांच की जाती है।

स्नायु सजगता परीक्षण कर रहे हैं। आमतौर सजगता का पता चलता है। वहाँ एक कड़ी गर्दन और पीछ की मांसपेशियों को कड़ा हो सकता है। वहाँ सिर या पैर उठाने जब पीठ के बल झूठ बोलने में गर्दन तथा कठिनाई झुकने में परेशानी हो सकती है।

एक्यूट झूलता हुआ पक्षाघात

एक्यूट झूलता हुआ पक्षाघात (एएफपी) पोलियो के एक आम नैदानिक अभिव्यक्ति है। एएफपी एक या अधिक अंगों में झूलता हुआ पक्षाघात के अकस्मात् शुरू होने के रूप में परिभाषित किया गया है।

एएफपी भी Guillain-Barre सिंड्रोम और अनुप्रस्थ मेरुरज्जूशोथ के कारण होता है। एएफपी जंगली वारस उपप्रकार के कारण निकट दुनया भर में पोलियो के मामलों आवारा पता लगाने के लिए निगरानी रखी जाती है।

प्रयोग शाला निदान

प्रयोगशाला निदान नियति रक्त परीक्षण भी सम्मिलित है। सफेद रक्त कोशिकाओं वहाँ उठाया जा सकता है।

मस्तिष्कमेरु द्रव परीक्षा

मस्तिष्कमेरु द्रव रीढ़ की हडडी और मस्तिष्क नहाता है। यह सीएफएफ एक काठ का पंचर का उपयोग कर परीक्षण किया जाता है। काठ का चर कशेरुकाओं के मध्य एक लंबी पतली सुई के प्रविष्टि सम्मिलित है। यह सीएसएफ की एक छोटी राशि के मूल्यांकन के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाता है कि बाहर खींचता है।

रीढ़ की हड्डी में चोट के CHOARD 2.7 निदान

एक रीढ़ की हड्डी की चोट के निदान में पहला कदम एक चिकित्सा इतिहास तथा शारीरिक परीक्षा है। रोगी के चिकित्सक एक चिकित्सा के इतिहास

की चोट समय आस-पास के विवरण के बारे में सवाल पूछ प्राप्त करेंगे। चोट के पश्चात् के समय की राशि महत्वपूर्ण है क्योंकि रीढ़ की हड्डी की चोट एक आपातकालीन चिकित्सा है। जल्दी रोगी उपचार, बेहतर वसूली के लिए अवसरों को प्राप्त करता है। चिकित्सा के इतिहास के अन्य विवरण अथवा किसी भी पूर्व गर्दन के विवरण रीढ़ की चोट से या सर्जरी, की उपस्थिति शामिल हो सकते हैं। दर्द बाहों में गर्दन में या पीठ, हाथ पैर में किसी भी कमजोरी, आंत्र या मूत्राशय पर नियंत्रण की नुकसान संवेदना मेंकमी या पैर, अन्य पिछले चिकित्सा की शर्तों।

शारीरिक परीक्षा यदि छूने के लिए सनसनी हाथ और पैर के साथ ही परीक्षण मांसपेशियों की शक्ति और सजगता हाथ और पैर में से उपस्थित है देखने के लिए परीक्षण शामिल होंगे। मरीज को एक गर्भाशय ग्रीवा कॉलर में या एक बैकबोर्ड जब तक चिकित्सक निर्धारित करता है अथवा नहीं, मरीज को एक रीढ़ की हड्डी मे चोट है उन्हें स्थिर पर रखा जा सकता है।

अगले चरण के लिए गर्दन या पीठ के अक्सर एक्स रे है। ये एक फ्रैक्चर या कशेरुकाओं के अव्ययवस्था की पहचान कर सकते हैं। ये या रीढ़ की हड्डी में चोट की वजह से उपस्थित नहीं हो सकता है। यह कशेरुकाओं में चोट के बिना एक रीढ़ की हड्डी की चोट के लिए संभव है। एक्स-रे भी एक ट्यूमर या संक्रमण या गंभीर की पहचान में सहायता कर सकते। **गठिया** कि रीढ़ की हड्डी की चोट के कारण बन सकता।

एक गणना टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन एक और अधिक उन्नत इमेजिंग परीक्षण है कि चिकित्सक कशेरुकाओं का एक अनोखा दृश्य देस कते हैं। सीटी साधारण एक्स-रे पर नहीं देखा कशेरुकाओं को कुछ चोटों पहचान कर सकते हैं। एक **चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई)** स्कैन एक और अधिक उननत इमेजिंग अध्ययन है कि एक रीढ़ की हड्डी की चोट की पहचान कर सकते हैं। एमआइआई स्नायु, intervertebral।डिस्क, नसों और रीढ़ की हड्डी सहित कोमल ऊतकों का मूल्यांकन में बेहतर है। एमआरआई स्कैन भी रीढ़ की हड्डी के अंदर चोट के सबूत दिखा सकते हैं।

रीढ़ की हड्ड की चोट का सबसे आम कारण आघात है। लगभग चोटों के आधे मोटर वाहन दुर्घटनाओं के कारण कर रहे हैं। आघात क अन्य प्रकार में सम्मिलित हैं;

ऊँचाई से गिर जाता है,

हिंसा (रीढ़ की हड्डी में छुरा या गोली के घा) और

खेल चोटों (डाइविंग, फुटबॉल, रग्बी, घुड़सवारी, आदि)।

रीढ़ की हड्डी में चोट भी एक ट्यूमर, संक्रमण अथवा सूजन की हड्डी के संपीड़न की वजह से हो सकता है। कुछ रोगियों को सामान्य रीढ़ ही हड्डी में नहर (बुलाया स्पाइनल स्टेनोसिस) की तुलना में उसका छोटा और रीढ़ की हड्डी मेंच चोट के एक उच्च जोखिम में हैं।

रीढ़ की हड्डी सहित अपने शरीर के समस्त ऊतकों ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों के देने के लिए एक अच्छा रक्त की आपूर्ति की जरूरत है। रीढ़ की हड्डी को यह रकत की आपूर्ति की विफलता रीढ़ की हड्डी की चोट का कारण बन सकती। यह एक धमनीविस्फार (एक रक्त वाहिका के गुब्बारों), संपीडन रक्त वाहिका की या में एक लंबे समय तक ड्रॉप की वजह से हो सकता है, **रक्तचाप।**

क्या हैं लक्षण रीढ़ की हड्डी की चोट के?

रीढ़ की हड्डी की चोट के लक्षण जहां रीढ़ की हड्डी घायल हो जाती है पर और चाहे अथवा नहीं चोट पूर्ण या अपूर्ण है निर्भर करत हैं। अधूरा चोटों में, मरीजों, चोट के स्तर के नीचे अपने शरीर के कुछ शेष समारोह है, जबकि पूरा चोटों में वे चोट के स्तर के नीचे कोई समारोह नहीं हैं।

रीढ़ की हड्डी को चोट लगने की घटनाएं उत्पन्न कर सकता है। **कमजोरी** या चोट के स्तर के नीचे शरीर में पेशी समारोह तथा संवेदना में कमी की पूर्णहानि आंत और मूत्राशय के नियंत्रण की हानि, और सामान्य यौन समारोह के नुकसान। ऊपरी गर्दन के रीढ़ की हड्डी चोट या साँस लेने में परेशानी उत्पन्न कर सकता है और एक श्वास मशीन के उपयोगी क आवश्यकता हो सकती है, वेंटीलेटर।

एनआईएच रीढ़ की हड्डी में चोट : उपचार और पुनर्वास

रीढ़ की हड्डी की चोट के उपचार के एक लघु इतिहास

रीढ़ की हड्डी की चोटों और उनके इलाज प्राचीन युग की है, भले ही इस तरह के एक विनाशकारी चोट से उबरने की संभावना बहुत कम था के खातों। शीघ्र ही एक मिस्र पेपिरस रोल पांडुलिपि लगभग 1700 ईसा पूर्व में लिखा है कि फ्रैक्चर अथवा गर्दन कशेरुकाओं पक्षाघात के साथ की अव्यवस्था से जुड़े दो रीढ़ की हड्डी की चोटों का वर्णन करता है में पाया जाता है। प्रत्येक का वर्णन था, "एक बीमारी का इलाज किया जा करने के लिए नहीं है।"

NOTES

सदियों पश्चात् ग्रीस में, रीढ़ की हड्डी की चोटों के लिए इलाज थोड़ा बदल गया था। यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स (460-377 ईसा पूर्व) के अनुसार रीढ़ की हड्डी की चोटों कि पक्षाघात के फलस्वरूप के लिए कोई उपचार के विकल्प थे; दुर्भाग्य से, उन रोगियों मरने के लिए किस्मत थे लेकिन हिप्पोक्रेट्स कर्षण के अल्पविकसित रूपों का उपयोग किया था पक्षाघात के बिना रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के इलाज के लिए। हिप्पोक्रेटिक सीढ़ी एक युक्ति है कि आवश्यक रोगी बाध्य होने के लिए, पायदान उल्टा है, तथा सख्ती हिल रीढ़ की वक्रता का कम करने से बंधा था। एक और आविष्कार, हिप्पोक्रेटिक बोर्ड, डॉक्टर या तो अपने हाथों और का उपयोग कर स्थिर रोगी के वापस करने के लिए कर्षण आवेदन करेन की अनुमति पैर अथवा एक पहिया और एक्सल व्यवस्था।

हिंदू, अरब, और चीनी चिकित्सकों भी कर्षण के बुनियादी रूपों विकसित रीढ़ की हड्डी में विकृति को दूर करने के। कर्षण की यही सिद्धांत वर्तमान में भी लागू होते हैं।

के बारे में 200 ई. में, रोमन चिकित्सक गैलेन केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की अवध ारणा प्रस्तुत की जब उन्होंने प्रस्ताव किया कि रीढ़ की हड्डी मस्तिष्क के भाग और वापस कने के लिए सनसनी किए का ही विस्तार था। सातवीं शताब्दी ईसवी तक, एजीना पौलुस हड्डी के टुकड़े है कि वह आश्वस्त था दूर करने के लिए रीढ़ की हड्डी फ्रैक्चर के लिए शल्य चिकित्सा की सिफारिश की गई थी पक्षाघात का कारण बना।

अपने प्रभावशाली शरीर रचना 1543 में प्रकाशित पुस्तक में, पुनर्जागरण चिकित्सक और शिक्षक Vesalius वर्णित है और इसके समस्त भागों में रीढ़ की हड्डी सचित्र। अपनी पुस्ताकें में चित्र, प्रत्यक्ष अवलोकन और रीढ़ की हड्डी के विच्छेदन के आधार पर, चिकित्सकों रीढ़ की हड्डी और रीढ़ की हड्डी बुनियादी संरचना को समझने के लिए एक मार्ग दिया और क्या हो सकता है। जब यह घायल हो गया। शब्द हम आज का उपेयाग करीढ़ कीहड्डी के क्षेत्रों में cervical, वक्ष, काठ, त्रिक और अनुत्रिक पहचान करने के लिए Vesalius से सीधे आते हैं।

बड़े पैमने पर उन्नसीवीं सदी के अंत में शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में एंटीसेप्टिक तथा नसबंदी के उपयोग के साथ, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी अंत में संक्रमण का एक बहुत कम जोखिम के साथ किया जा सकता है। एक्स-रे उपयोग, 1920 के दशक की शुरुआत में दे दी है एक तरह से ठीक चोट का पता लगाने का सर्जनों और भी निदान और परिणम और ज्यादा सटीक की भविष्यवाणी कर दिया। बीसवीं सदी के मध्य तक, रीढत्र की हड्डी की चोटों के इलाज का एक

मानक पद्धति स्थापित किया गया था–रीढ़ की हड्डी का स्थान, जगह में इसे ठीक कर, और विकलांग पुनर्वास **व्यायाम**। 1990 के दशक में, खोज है कि स्टेरॉयड दवा methylprednisolone तंत्रिका कोशिकाओं की हानि को कम कर सकता है, तो काफी पहले दिए गए के बाद चोट डॉक्टरों दिया एक अलावा उपचार विकल्प।

NOTES

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. स्पाइना बाइफिडा के क्या लक्षण है? लिखिए।
2. स्पाइना बाइफिडा के क्या कारण है? विस्तार पूर्वक लिखिए।
3. स्पाइना बाइफिडा का वर्गीकरण कीजिए।
4. पोलियो के निदान के बारे में लिखिए।
5. पोलियो से क्या अभिप्राय है? विस्तार पूर्वक लिखिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. स्पाइना बाइफिडा के मुख्य प्रकार लिखिए।
2. जलशीर्ष क्या है?
3. स्पाइना बाइफिडा एक न्यूरोडवलयमेंटल विकार के रूप में किस प्रकार है?
4. पोलियो से बचाव किस प्रकार किया जा सकता है?
5. रीढ़ की हड्डी में चोट के CHOARD के निदान किस प्रकार किया जाता है?

4 चिकित्सा विधान INTERVENTIN और रेफरल के PROVISION

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- उद्देश्य।
- प्राक्कथन।
- CEBERAL प्लासी के THERAPY
- सेरेब्रल प्लासी के PREVALNCE
- सेरेब्रल प्लासी के साथ CHILDREN
- आनुवांशिकी
- परीक्षपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे।

- उद्देश्य।
- प्राक्कथन।
- CEBERAL प्लासी के THERAPY
- सेरेब्रल प्लासी के PREVALNCE

प्राक्कथन

NOTES

पोलियो एक संक्रामक रोग है जो तंत्रिका तंत्र पर हमला और अपरिवर्तनीय पक्षाघात तथा यहां तक कि मौत की वजह बन सकती है।

यह अधिक संक्रामक है, और कमजोर कर देने वाली प्रभाव पड़ सकता है। यह किसी को भी हमला कर सकता है, वहीं किसी भी उम्र में, रोग प्रमुख रूप से पांच साल के कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।

50 के दशक---पोलियो के दौरान 1930 के दशक में दुनिया भर में बह व्यापक डर और आतंक के कारण। विद्यालयों को बंद किया गया है, सावजनिक स्थलों को बंद कर दिया और परिवारों के लिए खुद को अपने घरों में मोर्चाबंदी इस संभावित घातक रोग का तीव्रता से प्रसार के खिलाफ अपेने बच्चों की रक्षा के लिए। समस्त लाइलाज बीमारी का एक परिणाम के रूप में—

अस्पताल लोहा फेफड़े और निर्माताओं से भर वार्डों बैसाखी के लिए मांग के साथ रखने के लिए के रूप में पूर्ण से स्वस्थ बच्चों को उनके गतिशीलता खो दया है और लकवा मार गया था संघर्ष किया।

2012 में 223 से अधिक 350,000 से....अब, टीकाकरण कार्यक्रम में निवेश के दशकों के लिए धन्यवाद, पोलियों के मामलों में 99% धन्यवाद, पोलियो के मामलों में 99% तक कम किया गया है और पोलियो स्थानिक देशों की संख्या तीन (अफगानिस्तान, नाइजीरिया और पाकिस्तान को 125 से कम हो गया है)। भारत एक देश बहुत से विचार इस रोग को रोकने कभी नहीं होगा, एक साल एक भी मामला बिना जनवरी 2012 में पारित कर दिया लेकिन रोग हमारे दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से कुछ में बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है।

दुनिया जगह इस रोग को हरा में उपकरणों और रणनीति साबित हो गया हैं; और पूर्ण वित्त पोषण के साथ, ग्लोबल पोलियो उन्मूलन पहल-सार्वजिनिक-निजी भागीदारी उन्मूलन के कोशिशों में अग्रणी-मामलों के अंतित 1% से निपटने पर कर सकते हैं। लेकिन एक के वित्त पोषण की कमी वर्तमान में उन्मूलन के प्रयासों का भय है।

हम जानते हैं कि कमजोर कर देने वाली बीमारी के सतत अस्तित्व आजीविका तथा कमजोर समुदायों के वायदा जोखिम; उन्हें गरीबी के चक्र में गहरी खींच की ध मकी दी।

एक साधारण सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप सिर्फ इस रोग की दुर्बल प्रभावों से भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा नहीं कर सका, लेकिन यह भी सफलता की एक कहानी है कि विदेशी मदद निवेश के जीवन को बदलने के प्रभाव के लिए जन समर्थन को पुनर्जीवित होगा लिखते हैं, और इसके विरुद्ध लड़ाई में प्रगति साबित अधिक गरीबी संभव नहीं है-यह अभी हो रहा है।

उद्देश्य

को बढ़ावा देने और स्पाइना बाइफिडा और/या जलशीर्ष के साथ देखभाल और मनुष्यों के कल्याण के विकसित करने के लिए

अपने सदस्यों और स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष की जनता एक स्पष्ट समझ और शर्त के साथ लोगों की क्षमताओं के मध्य बनाने के लिए

बैठकसें असै समूहों की गतिविधियों की मदद के लिए माता-पिता, भागीदारों, से निपटने के लिए स्पाइना बाइफिडा और/या जलशीर्ष और दूसरों के साथ लोगों की व्यवस्था और शर्त/s से पैदा होने वाली समस्याओं को समझने के लिए

बनाने के लिए और इसी प्रकार के समूहों और संगठनों अंतराराज्यीय और विदेशी के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए

नवीनतम उपचार और स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष के विषय में शोध करने के लिए और समस्याओं में लगातार अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिरूप में सूचित किए जाने के अपने सदस्यों को सक्षम करने के सार्वजनिक अस्पतालों और अन्य संगठनों अत्यंत स्पाइना बाइफिडा और जलशीर्ष, या किसी अन्य संगठन के साथ संबंध के साथ सहयोग की भावना इस संघ यह सहबद्ध करने के लिए जरूरी प्रतीत होता है जिसके साथ बढ़ावा देने के लिए

CEBRAL प्लासी के 3.3 THERAPY

सेरेब्रल पाल्सी के लिए चिकित्सा

शारीरिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, भाषण और भाषा चिकित्सा, अनुकूली उपकरणों के साथ, सेरेब्रल पाल्सी के साथ बच्चों के लिए उपचार के लोकप्रिय रूप हैं। एक समन्वित, व्यापक उपचार योजना के भीतर प्रयुक्त, चिकित्सा शारीरिक नुकसान का प्रबंधन करते हुए प्रतिशीलता के अनुकूलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। थेरेपी, हानि प्रमुख रूप से काठिन्य, अवकुंचन और मांसपेशी टोन) का प्रबंधन दर्द प्रबंधन, और बढ़ावा देने कार्यक्षमता, आत्म देखभाल और स्वतंत्रता से जीवन का इष्टतम गुणवत्ता प्रदान करेन के रूप में है। थेरेपी भी

सेरब्रल पाल्सी के साथ व्यक्तियों के लिए मानसिक, भावनात्मक, शैक्षिक तथा सामाजिक लाभ जबर्दस्त।

NOTES

एक शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम जबकि बालक अभी भी विकसित कर रहा है के भाग के रूप में लागू किया, तो सेरेब्रल पाल्सी के लिए कुद चिकित्सा हानि के प्रभाव को कम तथा साहचर्य की स्थिति के विकास के लिए बच्चे की क्षमता को कम कर सकते हैं।

थेरेपी ऐसी दवा चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, सहायक तकनीक, पूरक चिकित्सा तथा वैकल्पिक interventions, When चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम के रूप में अन्य उपचार के विकल्प, के साथ उपयोग किया जजा सकता। बच्चे की देखभाल की योजना के लक्ष्यों को निर्धारित करता है, वे उचित चिकित्सा विकल्पों का निर्धारण करेगा। समय के साथ बच्चे को विकसित करता हैं और के रूप मे की स्थिति उत्पन्न होती हैं, अन्य उपचारों पर भी विचार किया जा सकता है।

विकित्सा बच्चे तक सीमित नहीं है। चिकित्सा देखभाल करने वालों और माता-पिता के लिए उपयोगी है, साथ ही हो सकता है। उदाहरण के लिए, पोषण परामर्श सहायता कर सकते हैं एक देखभालकर्ता बच्चे के आहार की आवश्यकता को समझते हैं। व्यवहार थेरेपी एक माता-पिता सीखें कि कैसे सबसे अच्छा एक सकारात्मक तरीके से बच्चे की चिकित्सा प्रगति को सुदृढ़ करने में सहायता कर सकते हैं।

CENBERAL प्लासी के 3.4 trate जाहिर

सेरेब्रल पाल्सी का इलाज लगभग के रूप में परिसर के रूप हालत है, और कोई कुकी कटर दृष्टिकोण है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अलग रूप से प्रीज्ञावित रहा हैं हालांकि मस्तिष्क की चोट है कि सेरेब्रल पाल्सी का कारण बनता है ठीक नहीं किया जा सकता है, जिसके फलस्वरूप शारीरिक हानि उपचार और चिकित्सा की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ प्रबंधित किया जा सकता है। हालांकि कोई सार्वभौमिक सभी मामलों के लिए विकसित प्रोटोकॉल है, सेरेब्रल पाल्सी, नुकसान की हद तक है, और गंभीतरा स्तर सहायता की एक व्यक्ति के रूप में देखभाल निर्धारित करने के लिए।

सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार क्या है?

चिकित्सा और अनुकूली उपकरण सेरेब्रल पाल्सी के लिए प्राथमिक उपचार प्रोटोकॉल हैं, एक व्यक्ति भी दवा चिकित्सा और शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप की जरूरत हो सकती। कुछ परिवारों, सावधानी और चिकित्सक मार्गदर्शन के साथ

अतिरिक्त मदद के लिए पूरक और वैकल्पिक चिकितसा के लिए बदल जाते हैं।

हालांकि प्रत्येक चिकित्सा विशेषज्ञ विशिष्ट देखभाल उनकी विशेषता तथा व्यक्ति की अद्‌वितीय स्थिति से संबंधित लक्ष्यों को हो सकता है, सेरेब्रल पाल्सी के साथ उन व्यक्तियों के लिए अधिभावी उपचार लक्ष्य के लिए है;

गतिशीलता का अनुकूलन

प्राथमिक ीी स्थिति का प्रबंधन करें

नियंत्रण दर्द

रोकें और जटिलताओं, साहचर्य की स्थिति और सह कम करने वाले कारकों का प्रबंधन

स्वतंत्रता को अधिकतम

फोस्टर आत्म देखभाल

संवाद करने की क्षमता का अनुकूलन

संभावित सीखने को अधिकतम

जीवन की गुणवत्ता प्रदान करें

पारंपरिक पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा

परम्परागत उपचार विधियों प्रणाली, प्रथाओं और उत्पादों के लिए शोध किया गया है। परीक्षण किया है कि उपचार के स्वीकार्य के रूपें के चिकित्सा समुदाय द्‌वारा अनुमोदित सम्मिलित है। पूरक चिकित्सा के रूप में यह अभी तक पूर्ण रूप नहीं परीक्षण किया गया है या मंजूरी दे दी, लेकिन चिचाराधीन हो सकता है पारंपरिक से अलग है। पूरक चिकित्सा, जब चिकित्सक के पर्यवेक्षण के अंतर्गत प्रयोग किया जाता है, एक मौजूदा उपचार योजना के पूरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक चिकित्सा एक उपचार विधि है कि पारंपरिक चिकित्सा को बदलने के लिए प्रयोग किया जाता है।

चिकित्सा के पूरक अथवा वैकल्पिक रूपों का उपयोग कर तो एक सीएएम पर विचार किसी को भी उपचार के इन रूपों में उलझानें से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए में सम्मिलित जोखिम भी हैं।

NOTES

एक व्यापक उपचार योजना क्या है?

बच्चे को शारीरिक नुकसान उसके प्राथमिक शर्त माना जाता है। प्राथमिक शारीरिक हानि मांसपेशी टोन, सजगता, आसन, संतुलन, ठीक मोटर कामकाज, सकल मोटर कामकाज तथा मौखिक मोटर कामकाज से चुनौतियाँ सम्मिलित हो सकती है। इन शर्तों में बारी में माध्यमिक की स्थिति है क्यों कि यह भी उपचार की जरूरत बना सकते हैं। सेरेब्रल पाल्सी के प्रबंधन आगे नहीं एक ही मस्तिष्क की चोट है कि सेरेब्रल पाल्सी की वजह से कम करने वाले कारकों के कारण जटिल है किन्तु वह अब भी एक अलग हालत एक साथ उपचार की जरूरत के रूप में बच्चे में उपस्थित है।

उदाहरण के लिए, बच्चे के सेरेब्रल पाल्सी चेहरे मांसपेशी नियंत्रण और समन्वय के साथ एक परेशानी हो सकती है। यह एक प्राथमिक शर्त पर विचार किया जाएगा। चेहरे की मांसपेशियों को नियंत्रण में कमी के कारण, बच्चे यह मुश्किल, चबाना निगल अथवा संवाद माध्यमिक स्थितियाँ हैं जो करने के लिए मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, एक बच्चे जैसे अस्थमा, जो एक सह कम करने करने के कारक पर विचार किया जाएगा के रूप में एक असंबंधित हाल हो सकती है।

सेरेब्रल पाल्सी के प्रकार, स्थान और नुकसान की गंभीरता में बदलाव है। बच्चे की प्राथमिक देखभाल चिकित्सक, आम तौर पर बच्चों का चिकित्सक, बच्चे के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करते समय ध्यान में परिवार की गतिशीलता लेने बच्चे की अद्वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए एक व्यापक उपचार योजना विकसित करने क लिए होगा। प्राथमिक, माध्यमिक, साहचर्य और सह कम करने की स्थिति-एक व्यापक उपचार योजना सभी शर्तों का ध्यान समन्वय करने के लिए आवश्यक है। स्थिति को संबोधित करने की जरूरत है की विविध् ाता के कारण, एक उपचार योजना आम तौर पर चिकित्सा बच्चे के बच्चों का चिकित्सक की स्थापना और देखभाल लक्ष्यों को पूरा करने के साथ मिलकर काम विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम सम्मिलित है। माता-पिता अथवा कानूनी अभिभावक बहु अनुशासनिक टीम के साथ मिलकर काम।

एक व्यापक उपचार योजना को ध्यान में बच्चे की क्षमताओं, साथ ही अपने अथवा अपने सामाजिक-आर्थिक स्थिति और घर पर देखभाल गतिशीतला लेता है। स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए महत्वपूर्ण है और सारकार के सूत्रों, नियोक्ता लाभ कार्यक्रम अथवा निजी प्रदाताओं के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता। जबकि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली अपने या अपने स्कूल उम्र के साल और

NOTES

वयस्कता के लिए संक्रमण के दौरान एक बच्चे की विशेष आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिए सरकार द्वारा अनिवार्य है सरकारी मदद समुदाय का समर्थन और पेशेवर सेवाओं में से कई रास्ते, इन जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए तैयार कर रहे हैं।

सेरेब्रल प्लासी के 3.5 PREVALNCE

सेरेब्रल पाल्सी हर हजार संयुक्त राज्य अमेरिका में से बाहर लगभग तीन जीवित जन्मों को प्रभावित करने, समस्त बचपन विकलांग की सबसे आम है। सही मायने में समझने के लिए कैसे बड़े पैमाने पर हालत संयुक्त राज्य अमेरिका में बच्चों और वयस्कों में से एक है-या एक विशेष समुदाय में-यह घटना और प्रसार के बीच अंतर को समझने के लिए सहायता करता है। कैसे आम सेरेबल पाल्सी हैं?

पिछले अनेक दशकों से अधिक अध्ययन निम्नलिखित आंकड़े, आमतौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्धृत प्रदान की हैं:

के बारे में 764,000 बच्चों और वयस्कों वर्तमान में सेरेब्रल पाल्सी है।

18 से कम उम्र के बारे में 500,000 बच्चों वर्तमान में सेरेब्रल पाल्सी है।

हर 1,000 से बाहर के बारे में दो से तीन बच्चों सेरेब्रल पाल्सी (उच्च के रूप में 3.6 प्रति 1,000 बच्चों को 2.31,000 बच्चों प्रति जितनी कम संयुक्त राज्य अमेरिका के अध्ययन मिले हैं दर) है।

के बारे में 10,000 हर साल उत्पन्न होने वाले बच्चों सेरेब्रल पाल्सी का विकास होगा।

सेरेब्रल पाल्सी के साथ प्रति वर्श 8,000 से 10,000 बच्चों और शिशुओं के निदान कर रहे हैं चारों ओर।

सेरेब्रल पाल्सी के साथ प्रति वर्ष 1,200 को 1,500 पूर्वस्कूली-आयु वर्ग के बच्चों का निदान कर रहे हैं।

प्रसार और सेरेब्रल पाल्सी की घटनाओं के बीच का अंतर

शब्द ''प्रसार'' और ''घटना'' अक्सर गल रूप से आपस में बदल रहे हैं। पहली नजर में, यह जाहिर होता थोड़ा अंतर मौजूद है, लेकिन , सही तरीके से इस्तेमाल, प्रसार एक निर्धारित तिथि पर एक विशेष स्थिति में रहने के सदस्यों की संख्या का इशारा भी है। उदारहण के लिए, 31 दिसंबर 2009 को वहाँ 20,000

व्यक्तियों की शर्त के साथ निदान किया गया। घटना नंबर जो शर्त के साथ एक निश्चित समयावधि के दौरान निदान कर रहे हैं से संबंधित है। उदाहरण के लिए, 28 बच्चों को एक साल शर्त के साथ का निदान कर रहे हैं, या 14 बच्चों की हालत हर छह महीने के साथ का निदान कर रहे हैं।

प्रसार

संयुक्त राज्य अमेरिका-किसी निश्चित तिथि में प्रसार साधारणतः पर एक नंबर या अनुपात के रूप में व्यक्त, एक निश्चित जगह में सेरेब्रल पाल्सी के साथ लोगों की कुल संख्या है। प्रसार आंकड़े सवाल का जवाब'' **कैसे सेरेब्रल पाल्सी है संयुक्त राज्य अमेरिका में अनेक लोगों कोद्य''** उदाहरण के लिए, यह अनुमान है 764,000 बच्चों और संयुक्त राज्य अमेरिका में सेरेब्रल पाल्सी के साथ रहने वाले वयस्कों को देखते हैं। शोधकर्ताओं ने अन्य देशों में प्रसार आंकड़ों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रसार तुलना कर सकते हैं। अथवा वे साल दर साल के प्रचलन में उतार-चढ़ाव की तुलना करें।

घटना

घटना, आमतोर पर एक दर के रूप में व्यक्त, एक विशेष समय अवधि के भीतर सेरेब्रल पाल्सी के साथ उत्पन्न हुए बच्चों की संख्या को देखता है और सवाल का जवाब **''सेरेब्रल पाल्सी कितनी बार होती है''** घटना दर है, तो के दौरान पता चला नए मामलों की संख्या discerns एक विशिष्ट समय। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में, यह लगभग 8,000 से 10,000 हर साल उत्पन्न हुआ सेरेब्रल पाल्सी का विकास होगा बच्चों का अनुमान है।

दोनों ही तरीकों से समान है, फिर भी भिन्न मायनों में उपयोगी होते हैं।

दुनिया भर में प्रयासों घ्ज्ञटनाओं और प्रसार के अध्ययन साझा करने के लिए किए जा रहे है और भी बहुत कुछ अध्ययनों का विश्लेषण करने और अध्ययन करने के लिएअध्ययन, समुदाय-टू-समुदाय, विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों के मध्य और भर में राष्ट्रीय सीमाओं से अध्ययन के परिणामों की तुलना द्वारा सीखना पड़ता है। जहां की स्थिति और अधिक प्रचलित जहां रोकथाम जागरूकता अभियान अधिक उपयोगी हो सकते हैं। डेटा के इस तरह के संकेत देगा, और जहां स्वास्थ्य देखभाल संसाधनों सुधार किया जा सकता। सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों का उपयोग सहायता के लिए धन appropriating जबकि जहां जरूरत स्वास्थ्य की स्थिति पर नजर रखने के प्रसार तथा घटना के आंकड़े कैसे बड़े पैमान पर सेरेब्रल पाल्सी है कि समझ के साथ सेरेब्रल पाल्सी से छुआ उन प्रदान करते हैं। वे जानते

हुए भी वे अकेले नहीं है। हम आराम के कुछ डिग्री अनुभव कर सकते हैं।

चार प्रमुख पढ़ाई अमेरिका के भीतर आयोजित

के बाद से 1980 के बीच में, शोधकर्ताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रसार और सेरेब्रल पाल्सी की घटनाओं का निर्धारण करने के उद्देश्य से अध्ययन का एक संख्या का आयोजन किया है। अनेक के माध्यम से या रोग नियंत्रण तथा रोकथाम (सीडीसी) जो अटलांटा, जॉर्जिया में आधारित है के लिए केन्द्र के लिए प्रदर्शन किया गया है।

अध्यन के परिणामों को भिन्न किया, लेकिन उपयोगी सामान्यीकरण के कैसे सेरेब्रल पाल्सी के साथ कई व्यक्तियों संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हैं, और जो प्रकार और सेरेब्रल पाल्सी के रूपों सबसे सामान्य हैं एक समझ प्रदान कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यापकता तथा घ्ल्नटनाओं पर प्रर्दान अध्ययन के अधिकांश यद्यपि अब लगभग एक दशक की आयु में पुरानी है। अध्ययनों से भी एक पूरे के रूप राष्ट्र को लागू करेन के लिए वाग्विस्तार परिणामों के साथ एक छोटे से परीक्षण बाजार में प्रदर्शन किया गया।

इन अध्ययनों, समग्र के अनुसार;

अंधव्यवस्थात्मक सेरेब्रल पाल्सी सबसे आम है, समस्त सेरेब्रल पाल्सी के मामलों की 76.9 प्रतिशत करने के लिए 61 प्रतिशत रही

अध्ययन के विवरण और निष्कर्ष, कालानुक्रमिक क्रम में उतरते सबसे हाल ही में शुरुआत के साथ, निम्नलिखित सम्मिलित हैं।

2002 का अध्ययन

"2002 में संयुक्त राज्य अमेरिका के तीन क्षेत्रों में 8 वर्षीय में सेरेब्रल पाल्सी का प्रचलन बच्चे: एक एकाधि सहयोग"

(पर रोग नियंत्रण और रोकथाम मेट्रोपोलिटन अटलांटा विकासात्मक अक्षमता निगरानी कार्यक्रम के लिए केन्द्र आधार पर, आत्मकेन्द्रित और विकासात्मक अक्षमता निगरानी नेटवर्क से जांचकर्ताओं निगरानी का आयोजन किया।)

पहले बहु राज्य अध्ययन में, 8 वर्षीय बच्चों के मध्य सेरेब्रल पाल्सी के प्रसार उत्तरी अलबामा, महानगरीय अटलांटा, दक्षिण–पूर्व स्किॉन्सिन में सर्वेक्षण किया गया है। 114,897 बच्चों से डेटा का विश्लेषण किया गया था। सेरेब्रल पाल्सी 1,000 बच्चों के प्रति 3.6 मामलों की दर से हुई अंधव्यवस्थात्मक सेरेब्रल

पाल्सी सबसे सामान्य रूप था, जो समस्त मामलों में से 76.9 प्रतिशत के लिए लेखांकन।

इस अध्ययन सेरेब्रल पाल्सी के जन्म के बाद का अधिग्रहण भी सम्मिलित है।

अध्ययन डेटा के स्रोत के रूप में प्रलेखन पर भरोसा किया। अलबामा और विस्कॉन्सिल साइटों स्कूल रिकॉर्ड, शायद विकलांग बचों की पहचान रने के सबसे अच्छें तरीकों में से एक है, एक कारक है जो underreporting फलस्वरूप हो सकता है के लिए उपयोग नहीं था। इसके विरीत, शोधकर्ताओं ने एक सेरेब्रल पाल्सी निदान के पक्ष में भटक गए हैं। करने के लिए जब अस्पष्ट मेडिकल रिकॉर्ड है, जो फुलाया संख्या हो सकती है की समीक्षा करने का दावा।

सेरेब्रल प्लासी के साथ 3.6 CHILEDREN

नृत्य फेस छोटे लीग खेल, और नवीन दोस्त: ये बचपन के साथ जुड़े प्रतीक हैं। जब एक माता-पिता की उम्मीदों और उनके बच्चे के भविष्य के लिए सपने संदेह में हैं, यह माता-पिता के लिए दर्द का एक स्रोत हो सकता है। सौभाग्य से, कैसे लोगों को विकलांगता अनुभव में है और कैसे विवि‍ा आबादियों स्वीकार कर रहे हैं न आमूलचूल बदलाव सुनिश्चित किया है कि बचपन के इन स्टेपल मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों की मुठ्ठी में है। एक छोटे से रचनात्मकता, कुछ संसाधनों और उन्हें दोबारा गर्भ धारण कैसे बच्चों हिस्सा लेने और बातचीत क्षमता के साथ, लाभदायक अनुभव है कि एक बच्चे को खुश और पूरी बनाते हैं, वे सभी बच्चों के लिए उपलब्ध हैं-कोई बात नहीं की क्षमता के अपने स्तर सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) कई विकारों की सामान्य, स्वस्थ आंदोलन को प्रभावित करने के लिए एक कंबल शब्द है। 10,000 से ज्यादा बच्चों को हर साल सीपी के साथ का निदान कर रहे हैं।

सेरेब्रल पाल्सी को समझना

मस्तिष्क पक्षाघात (आमतौर पर वाणिज्यिक पत्र के रूप में) शरीर के विभिन्न हिस्सों में सामान्य आंदोलन को प्रभावित करता है और गंभीरता के अनेक डिग्री है।

सी.पी. आसन, चाल, मांसपेशी टोन और साथ परेशानियों का कारण बनता

आंदोलन के समन्वय

NOTES

शब्द ''मस्तिष्क'' मस्तिष्के मस्तिष्क है, जो मस्तिष्क मोटर समारोह को नियंत्रित करता है कि का भाग है को दर्शाता है। ''पाल्सी'' कुछ शरीर के अंगों मं स्वैच्छिक आंदोलन के एक पक्षाघात का वर्णन है।

सीपी के साथ कुछ बच्चों को भी **स्थिति** coexisting, दृष्टि की तरह और सुनवाई हानि। इन विकारों मस्तिष्क क्षति के कारण होता है और मस्तिष्क पक्षाघात होनेन का एक सीधाा परिणाम नहीं हैं।

मस्तिष्क पक्षाघात सामान्यत: प्रभावित नहीं करता है **जीवन प्रत्याशा**/कैसे हालत प्रबंधित किया जाता है के आधार पर, मोटर कौशल में सुधार अथवा जीवन भर अस्वीकार कर सकते हैं। हालांकि सी.पी. प्रत्येक व्यक्ति में अलग होता है, इस विकलांगता के साथ अधिकतर बच्चे अभी भी पूर्ण, समृद्ध जीवन के लिए सक्षम हैं।

सेरेब्रल पाल्सी और मोटर नियंत्रण

मस्तिष्क है कि लोगों के रूप में स्वतंत्र रूप से संभव के रूप में रहने के लिए अनुमति देने के मोटर समारोह के समस्त प्रकार नियंत्रित करता है। मोटर नियंत्रण इस तरह के पहुंचने किसी के हाथ हिला के रूप में, स्वैच्छिक हो सकता है। यह भी इस तरह के पलटा जब एक डॉक्टर केवल एक रोगी के घ्ुटने के नीचे एक स्थान पर टैप के रूप में, अनैच्छिक हो सकता है। जब मस्तिष्क में मोटर नियंत्रण केन्द्र क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, स्वैच्छिक और अस्वैच्छिक मोटर कौशल ठीक ढंग से काम नहीं करते। यह विषमता सीमा नियंत्रण और मसितष्क पक्षाघात के साथ बच्चों में आंदोलन के समन्वय।

आम सेरेब्रल पाल्सी मिथकों

सीपी के साथ बच्चे सुन या नहीं समझ सकता। कभी-कभी मस्तिष्क की चोटों कि मस्तिष्क पक्षाघात का कारण सुनने और भाषा को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, केवल इसलिए कि किसी को भाषण के साथ संघर्ष मतलब यह नहीं है कि वे कर सकते हैं 'टी सुन अथवा समझ सकते हैं।

सीपी के साथ बच्चे व्हीलचेयर तक ही सीमित हैं। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ कुछ बच्चों को एक व्हीलचेयर की मदद की आवश्यकता होती है, अधिकतर स्वतंत्र रूप से या बैसाखी के साथ चलने में सक्षम है।

सी.पी बदतर होता जाता है। हालांकि मस्तिष्क पक्षाघात मस्तिष्क के सामान्य विकास को प्रभावित करता है से पहले अथवा जल्दी जनम के बाद, इस मस्तिष्क

क्षति नहीं करता है' टी बदतर हो। उचित देखभाल और **उपचार** समय के साथ गतिशीलता में सुधार कर सकते है।

NOTES

सी.पी. इलाज संभव हैं कोई है इलाज इस हालत के लिए, लेकिन वहाँ एक पूर्ण जीवन जीने मस्तिष्क पक्षघात के साथ बच्चों की सहायता के लिए अनेक उपचार कर रहे हैं।

कारण और जोखिम कारक

मस्तिष्क पक्षाघात भ्रूण अथवा शिशु मस्तिष्क क्षति के कारण होता है। यह तब होता है जब मस्तिष्क संबंधी क्षति से पूर्व है, उसके दौरान या कि ठीक से विकसित करने से मस्तिष्क को रोकता है जन्म के पांच साल के भीतर। मस्तिष्क के कुछ भागों मोटर समारोह को नियंत्रित कि को नुकसान आसन, संतुलन और आंदोलन के साथ संघर्ष सीपी के साथ बच्चों का कारण बनता हैं हालांकि इस विकलांगता मांसपेशी आंदोलन को प्रभावित करता है, यह वास्तजविक मांसपेशियों अथवा के साथ समस्याओं के कारण नहीं है नसों-यह सख्ती से विकास मस्तिष्क क्षति के कारण होता है।

प्रथम सवाल माता-पिता अक्सर पूछते हैं; क्या मेरे बच्चे की मस्तिष्क की चोट के कारण होता है? वहाँ अनेक मुद्दें है कि एक मस्तिजष्क की चोट के कारण हो सकता है।

सेरेब्रल पाल्सी के सामान्य कारणों :

वैक्टीरियाल और वायल संक्रमण

मस्तिष्क में रक्त स्राव (hemorrhaging)

पहले मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी के दौरान या जन्म के पश्चात् (श्वासावरोध)

नशीली दवाओं तथा शराब के लिए प्रसव पूर्व जोखिम, मछली और कच्चे/अध ापका मांस से टोक्सोप्लाजमोसिज से पारा विषाक्तता

सिर की चोटों के जन्म के दौरान या आरम्भिक अवस्था के पहले कुछ वर्षों में लगातार नहीं मस्तिष्क पक्षाघात के हर मामले में एक स्पष्ट कटौती व्याख्या हैं यह अनुमान लगाया गया है कि मामलों का प्रतिशत 20 से 50 अज्ञात कारणों की है।

समय से पहले ही उत्पन्न हुए शिशुओं एक उच्च्व पर हैं **मस्तिष्क पक्षाघात विकसित होने का खतरा** है क्योंकि जटिलताओं, इस तरह के मस्तिष्क में खून

बह रहा है के रूप में है कि समय से पूर्व जन्म में अधिक बार पैदा की। अनुमान बताते है कि मस्तिष्क पक्षाघात के साथ प्रतिशत लोग 10 से 30 उत्पन्न हुए थे समय से पहले-एक कम जन्म के समय वजन सीपी के एक उच्च जोखिम के साथ मेल खाती है।

जोखिम कारक सेरब्रल पाल्सी का विकास के लिए:

इस तरह के एक बीच जन्म के रूप में असामान्य प्रसव, (पैर पहले)

मातृ मधुमेह अथवा उच्च रक्तचाप

गरीब मातृ स्वास्थ्य

सेरेब्रल पाल्सी जन्म चोट लगने की घटनाएं की वजह से कुछ बालकों को एक के परिणाम के रूप मस्तिष्क पक्षाघात का विकास **जन्म चोट** लापरवाही की वजह से। इन मामलों दुर्लभ एक प्रसव कक्ष मंदी के उत्पाद हैं और सामान्य तौर पर। जो अभिभावक अपने बालक को शक घायल हो गया था की वजह से कदाचार करने के लिए एक को आगे बढ़ाने का अधिकार है **मुकदमा।** एक वकील अगर वहाँ पर्याप्त कानूनी सबूत बच्चे के पसव के दौरान चिकित्सा उपेक्षा का सुझाव देना है यह निर्धारित करने के मामले के तथ्यों का ूल्यांकन कर सकते हैं। आप एक दावा दर्ज विचार कर रहे हैं, यह एक वकील जो जन्म चोट लापरवाही की कारण मामलों में माहिर हैं खोजने के लिए महत्वपूर्ण है।

सेरेब्रस प्लासी के साथ AULDTS

यह एक सामान्य सवाल है कि बच्चों को समय के सभी के लिए कहा जाता है, "तुम होने के लिए जब आप बड़े हो क्या चाहते हो ?" यही कारण है कि सवाल समस्त बच्चों के लिए संभावित जवाब के हजारों है-मस्तिष्क पक्षाघात के साथ उन सहित। वहाँ व्यवसा है, जिसमें विकलांग लोगों सफलता नहीं मिली है; वास्तव में, वहाँ जीवन का कोई भाग नहीं है, जिसमें मसितष्क पक्षाघात के साथ लोगों को खुशी और समर्थन नहीं मिला है। वयस्कता की उन पहलुओं के सभी एक बच्चे के सपने के सच होने उत्पन्न करते हैं। सपना कैरियर, प्रेम और शादी, पिता और एक सुखी घर मस्तिष्क पक्षाघात के साथ व्यक्तियों के लिए समस्त संभावनाओं कर रहे हैं-और वहाँ ऐसा करने के लिए रहने के लिए बहुत कुछ है।

आनुवंशिकी

मस्तिष्क पक्षाघात लंबे समय से एक मस्तिष्क की चोट है कि के दौरान, अथवा कि ठीक से विकसित करने से मस्तिष्क को रोकता है जन्म के पांच साल

के भतीर से पहले होता है का नतीजा माना गया है।

सेरेब्रस पाल्सी के सामान्य कारण बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण, मस्तिष्क में खून बह रहा है और दूसरों के बीच भ्रूण के मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी सम्मिलित है।

NOTES

लक्षण के आधार पर भिन्न **सीपी के प्रकार** के एक बच्चा है, लेकिन सामान्य लक्षण में सम्मिलित हैं:

मोटर कार्यों के नियंत्रण की कमी

अनैच्छिक सजगता

कड़ी मांसपेशियों और मासंपेशी टोन में कमी आई

बरामदगी और मिरगी

सीखना विकारों

नवीन शोध तरीके कि एक बच्चे की आनुवंशिक मेकअप सी.पी. विकासशील के अपने अवसरों को प्रभावित कर सकता है में अंतदृष्टि ग्राउण्डब्रेकिंग उपलब्ध करा सकता है।

सेरेब्रल पाल्सी और जेनेटिक्स पर रिसर्च

यह अतीत है कि सीपी का प्राथमिक कारण है मैं स्वीकार किया गया है जबकि **जन्म के दौरान मस्तिष्क क्षति**, बीमार बच्चों के लिए टोरंटो के असपताल में वैज्ञानिकों का सुझाव है कि इसे और ज्यादा सीधे एक बच्चे की आनुवंशिक मेकअप से जोड़ा जा सकता।

Geisinger स्वास्थ्य प्रणाली के जीनोमिक चिकित्सा संस्थान से एक अध ययन के अनुसार, 6 में जाना जाता है जीन है अंतिम तौर बच्चों में मस्तिष्क पक्षाघात का कारण बन रहे हैं।

टोरंटो अस्पताल अनुसंधान टीम 115 बच्चों मस्तिष्क पक्षाघात तथा उनके माता पिता के साथ का निदान पर जीनोम अनुक्रमण परीक्षण किए। आनुवंशिक परीक्षण में पाया गया है कि समस्त मामलों में से 10 प्रतिशत में, डीएनए में संरचनात्मक परिवर्तन दिखाई हालत को जन्म दिया है। करने के लिए। इस 10 प्रतिशत के बीच, समस्त डीएनए परिवर्तन पाए गए। डीएनए में इन परिवर्तनों को इस तरह के मस्तिष्क पक्षाघात जैसी स्थिति को जन्म दे सकता है।

NOTES

लेकिन यह ध्यान रखें कि मामलों है कि डीएनए में संरचनात्मक परिवर्तन का प्रदर्शन किया। 10 प्रतिशत के भीतर, सिर्फ 5 प्रतिशत एक बच्चे की आनुवंशिकी और उनके पश्चात् सीपी के बीच एक निर्णायक सहसंबंध दिखाया महत्वपूर्ण हैं। डीएनए में कम उल्लेखनीय परिवर्तन का प्रदर्शन किया बच्चों, सिर्फ जीन अपने माता-पिता से विरासत में मिला के अन्य 5 प्रतिशत सीपी के अपने बच्चे के विकास के लिए सह-संबंध में किसी प्रकार का है करने के लिए माना जाता है।

आनुवंशिकी अनुसंधान के लाभ सेरेब्रल पाल्सी के लिए

आनुवंशिकी औश्र मस्तिष्क पक्षाघात के मध्य संबंध के बारे में अनुसंधान के सबसे लाभप्रद पहलू यह है कि इसके लिए एक कि इसके लिए एक विवरणप्रदान करता है। **माता-पिता** जो सोच क्यों और कैसे अपने बच्चे को विकसित सी.पी. हो सकता है।

मामले कोई स्पष्ट जन्म के पहले का घटना या जन्म के समय आघात था कि मैं, माता-पिता क्यों अपने बच्चे को विकसित सीपी के रूप में जवाब के बिना छोड़ दिया जाता हैं इस प्रकार के प्रश्नों के साथ माता पिता को छोड़ कर सकते हैं; हम कुछ गलत किया? हम इस किसी भी तरह रोका सकते हैं?

जिन तरीकों से CP सहज मामलों एक बच्चे के डीएनए के संबंध में विकसित कर सकते हैं का एक और समझ होने से, इस कोई चिंता माता-पिता क्या अपने बच्चे की हालत की वजह से किया जा सकता है के बारे में हो सकता है। राहत देने में सहायता कर सकते हैं।

जैसा कि हाल ही में अनुसंधान से दिखाया गया है, कुछ मामलों में, जवाब बस कि यह केवल एक यादृच्छिक आनुवंशिक उत्परिवर्तन हुआ था हो सकता है।

क्या होगा अगर मेरे बच्चे की सी.पी. जेनेटिक नहीं था?

जबकि वहाँ वाणिज्यिक पत्र और आनुवंशिकी के बीच की कड़ी के बारे में सबूत नही है, यह अभी भी जानकारी का एक शरीर है कि दिन व दिन विकसित कर रहा है। हालांकि, वहाँ बहुत अधिक जानकारी उपलब्ध प्रभाव है कि एक के बारे में **है कम प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ के पश्चात्** में जन्म चोटों और इस तरह के मस्तिष्क पक्षाघात जैसी आजीवन की स्थिति, पर हो सकता है। उदाहरण के लिए, इस तरह के रूप में जन्म की मदद उपकरणों के प्रयोग संदेश और वैक्यूम एक्सट्रैक्टर्स जन्म के समय चोट पहुँचाने के लिए अगर अनुचित तरीके से उपयोग दिखा गया है।

लक्षण है कि आपके बच्चे के मस्तिष्क पक्षाघात एक मददगार उपकरण के कारण हो सकता है सम्मिलित हैं :

NOTES

नस की क्षति

खोपड़ी अस्थिभंग

कमजोरी या एक तरफ का पक्षाघात

शिशु सिर कुरूप है

जन्म चोटों के अलावा, चिकित्सक अथवा अस्पताल की ओर से लापरवाही भी सीपी के संभावित कारण होते हैं।

चिकित्सक या अस्पाताल की लापरवाही का सबूत में सम्मिलित है;

एक आवश्यक सीजेरियन सेक्शन प्रदर्शन नहीं कर रहा

अनुचित तरीके से बच्चे की निगरानी वितरण भर से ऑक्सीजन का स्तर

नवजात शिशु में गंभीर पीलिया का इलाज करने में विफलता

आपको संदेह है कि आपके बच्चे की हालत सहायक उपकरणों या मेडिकल स्टाफ अथवा अस्पताल की लापरवाही का अनुचित प्रयोग का परिणाम है, तो आप हो सकता है **वित्तीय क्षतिपूर्ति के हकदार** / साथ **सी.पी. के साथ एक बच्चे की देखभाल की लागत** अपने जीवनकाल में $ 1 मिलियन श्रेष्ठ है, यह सहायता करने के लिए **अनुभवी वकीलों की हमारी टीम से मुक्त मामले मूल्यांकन**।

कारण और जोखिम कारक

Erb का पक्षाघात का सबसे आम कारण अधिक खींच या एक योनि जन्म के दौरान एक शिशु के सिर और कंधे में खिंचाव है। उदाहरण के लिए यदि एक शिशु के सिर और गर्दन एक ही समय में और करने के लिए खींच रहे हैं के रूप में कंधे जन्म नाली के द्वारा पारित, इस Erb का पक्षाघात हो सकता है।

इस **जन्म चोट** भी अत्यधिक एक सिर पहले प्रसव के दौरान कंधों पर खींच से, या एक पैर पहले प्रसव के समय शिशु के उठाया बाहों पर दबाव से परिणाम कर सकते हैं। यह आमतौर पर जब सिर ''फंस'' है जन्म नाली में, कठिन खींचने के लिए बच्चे को बाहर निकालने के लिए कार्यवाहक की जरूरत होती है तब होता है।

NOTES

ERB का पक्षाघात भी जन्म नाली में शिशु की स्थिति के आधार पर विकसित कर सकते हैं। इस हाल व्यापक कंधों के साथ बड़े बच्चों में आम हैं क्या सामान्य तौर पर होता यह है कि शिशु सिर जन्म नाली में चला जाता है, किन्तु एक कंधे माँ की जघन हड्डी से वापस आयोजित किया जाता है। के रूप में बच्चे का सिर जन्म नहर में कम धकेल दिया जाता है, नसों में फैला रहे हैं, Erb का पक्षाघात हो जाती है।

एक बच्चे Erb का पक्षाघात विकसित होने का खतरा लगभग तीन गुनी अगर वे जन्म के समय कंधे dystocia का विकास। यह जब शिशु के सिर से वतिरति किया जाता है, परन्तु अपने कंधे के दोनों मां के पेट के भीतर अटक ।

अतिरिक्त **जोखिम वाले कारकों** Erb का पक्षाघात के सम्मिलित हैं:

प्रसव के दौरान निष्कर्ष उपकरण का उपयोग

श्रम के दूसरे चरण में एक घंटे से ज्यादा समय तक चलने वाले

बड़े शिश आकार

अत्यधिक मातृ वजन

संकेत और लक्षण

लक्षण Erb का पक्षाघात के प्रकार तथा पक्षाघात की गंभीरता के आधार पर बदलती है। लक्षण कमजोरी अथवा हाथ की पूर्ण पक्षाघात के लिए व्यवस्था से लेकर।

Erb का पक्षाघात का सबसे आम लक्षण हैं:

एक हाथ में कमजोरी

शाखा कोहनी पर तुला हुआ है और शरीर के विरुद्ध आयोजित किया जाता है।

प्रभावित तरफ के हाथ में पकड़ ताकत में कमी

हाथ्स में सुननता

बिगड़ा, संचार, मांसपेशियों और तंत्रिका विकास

हाथ के आंशिक अथवा पूर्ण पक्षाघात

इलाज

एक हल्के खिंचा या आंसू के मामले में अधिकतर बच्चों के जन्म के पश्चात् तीन से छह महीने के भीतर अपने दम पर ठीक हो जाएंगे। हालांकि, अगर एक डॉक्टर Erb का पक्षाघात छह महीने के पश्चात् एक साथ बच्चे को फिर से जांच करता है और निर्धारित करता है कि विकास तथा आंदोलन के स्तर पका उन्हें होना चाहिए पर नहीं हैं, वहाँ उपलब्ध अतिरिक्त उपचार विकल्प है।

NOTES

भौतिक चिकित्सा

आमतौर पर Erb का पक्षाघात, के हल्के मामलों का इलाज किया जाता है। प्रथम तरीकों में से एक **भौतिक चिकित्सा** एक बच्चे के हाथ अथवा कंधे में किसी भी कठोरता या गतिहीनता बेहतर बनाने में सहायता कर सकते हैं। एक भौतिक चिकित्सक हल्की मालिश और व्यायाम तकनीकों का उपयोग मांसपेशियों और नसों में आंदोलन में सुधार करने होंगे। चिकितसक भी इस तरह के सत्र के समय व्यायाम गेंदों या वजह है, जो प्रभावित हाथ में एक बच्चे की पकड़ को मजबूत सहायता कर सकते हैं। के रूप में उपकरण का उपयोग करें।

व्यावसायिक चिकित्सा

व्यावसायिक चिकित्सा अक्सर Erb का पक्षाघात कि दो से चार महीने के पश्चात् अपने दम पर सुधार नहीं हुआ है के मामलों में किया जात हैं व्यावसायिक चिकित्सा सहायकात कर सकते हैं। एक बच्चे को शक्ति इस तरह के एक खिलौना या बोतल उठा के रूप में रोजमर्रा की गतिविधियों, प्रदर्शन करने के लिए विकसित करना। एक व्यावसायिक चिकित्सक संयुक्त समारोह तथा मांसपेशी टोन में सुधार करने के लिए आंदोलन व्यायाम की एक श्रेणी का उपयोग करेगा।

सर्जरी

Erb का पक्षाघात के गंभीर मामलों के साथ बच्चे सामान्य तौर पर आवश्यकता होगी। **सर्जरी** तंत्रिका क्षति और हाथ, हाथ, कोहनी या में पक्षाघात की मरम्मत के लिए। अपने चिकित्सक से तीन से छह महीने के पश्चात् सर्जरी की सिफारिश की है, तो यह संभव के रूप में जल्दी के रूप में किया जाना चाहिए। अध्ययनों से पता चला है कि Erb का पक्षाघात के लिए सर्जरी स्थगित सफलता तथा वसूली की संभावना को कम कर सकते हैं।

सर्जरी की प्रमुख प्रकार इस हाल का इलाज किया जाता है कि एक तंत्रिका भ्रष्टाचार है। यह है जब एक स्वस्थ तंत्रिका शरीर के किसी अन्य क्षेत्र से हटाया

और अबाधित तंत्रिका को सिले रहा है। सर्जरी शारीरिक और व्यावसायिक चिकित्सा के साथ मिलाया जाता है, यह बच्चों के धीरे-धीरे हाथ में गति और ताकत का विकास करने के लिए होगा।

समर्थन विकल्प है कि सेरेब्रल पाल्सी गाइड आप और आपके परिचार, जो बच्चों और वाणिज्यिक पत्र के साथ एक बच्चे के माता-पिता के लिए में गहराई सेजानकारी के 60 से ज्यादा पृष्ठ सम्मिलित हैं पेशकश कर सकते हैं कि इस बारे में ज्यादा जानने के लिए।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. CEBRAL प्लासी THERPY क्या हैं? सविस्तार समझाइये।
2. सेरेब्रल प्लासी के PRWVALNCE के बारे में समझाइए।
3. आनुवंशिकी से आप क्या समझते हैं?
4. मस्तिष्क पक्षाघात क्या है? समझाइये।
5. मस्तिष्क पक्षाघात से बचाव के क्या उपाय हैं?

लघुउत्तरीय प्रश्न

1. स्पाइना बाइफिड़ा का उद्देश्य क्या है?
2. सेरेब्रल पाल्सी के उपचार के क्या लक्ष्य हैं? लिखिए।
3. व्यापक उपचार योजना क्या है?
4. सेरेब्रल पाल्सी को किस प्रकार समझा जा सकता है?
5. आनुवंशिकी के बारे में समझाइए।

5 शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी घर और स्कूल में पर्यावरण

NOTES

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- उद्देश्य।
- प्राक्कथन।
- शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी स्वीकृति शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ
- घर पर पर्यावरण
- निष्कर्ष
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय में अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे।

- प्राक्कथन
- शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी स्वीकृति शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ
- घर पर पर्यावरण
- निष्कर्ष
- परीक्षाउपयोगी प्रश्न।

NOTES

प्राक्कथन

एक बच्चे के लिए सेरेब्रल पाल्सी की सीमाएँ

मस्तिष्क पक्षाघात के साथ एक बच्चा सीमाओं के एक नंबर होगा। ये सीमाएं बड़े मोटर कौशल, छोटे मोटर कौशल में ये अथवा अतिरिक्त आंदोलनों कि अनैच्छिक हैं में घाटे से संबंधित हो सकता है। यह एक बच्चे कि आसामान्य स्थिति लग रही है कि किसी भी बदलने या यहां तक आराम से, जबकि करने के लिए कोशिकश कर रहा है हो सकता है कि विभिन्न सीमाओं कि सीपी के साथ एक बच्चे के साथ सौदा करना चाहिए पर दृष्टि डालते हैं :—

मोंशन रेंज में सीमाओं। दिमाग पक्षाघात के साथ बच्चे अक्सर काठिन्य की है। यदि यह पैरों में काठिन्य, वे पैरों की कैंची उपस्थिति जब पैर बढ़ाया जाता है हो सकता है कि ambulation सीमित हो जाता है कि बच्चे व्हीलचेयर बाध्य होने के लिए अथवा एक वॉकर या अन्य सहायक उपकरण के उपयोग के साथ चल सकता है कि आवश्यकता है शायद।

ऊपरी पैरों की गति की सीमा सीमित किया जा सकता। सामान्य तौर पर इस फ्रोजेन शोल्डर और flexed कोहनी की स्थिति में जमे हुए हथियार होने सम्मिलित है। कलाई flexed की स्थिति में जमे हुए किया जा सकता है और हाथ clenched हो सकता है। इन बच्चों को सामान्यत: आदेश से तो एक साथ clenched किया जा रहा है। हाथ रखने के लिए इस तरह के रूप जमाने हाथ तौलिए लुढ़का दिया जाता है।

ललित मोटर नियंत्रण की सीमाएं। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चे चम्मच, कांटे, पेंसिल और crayons की तरह हर रोज चीजों के साथ परेशानी हो सकती है। इसका मतलब यह हो सकता है कि अपने आप को द्वारा खाने सहायक उपकरणों कि पकड़े और लोभी के साथ सहायता कर सकते हैं गिबना मुश्किल है। स्कूल पेंसिल और crayons का उपयोग करने में असमर्थता द्वारा सीमित किया जा सकता है। एक है कि मस्तिष्क पक्षाघात के साथ एक बच्चे में हिस्सा नहीं ले सकते, तो उनके ठीक मोटर नियंत्रण प्रभावित होता है-बच्चों लिए रंग सामान्यत: एक सामाजिक गतिविधि है। कुछ बच्चों को अपने हाथ पैरों कि खिला और कैसे सहायक उपकरणों के बिना लगभग असंभव लिखने के लिए सीखने की तरह बातें कर के झटके की है।

भाषा की सीमाएं। सीपी के साथ बच्चे भीषण अथवा चेहरे grimaces कि सुगम भाषण बात करने की क्षमता को प्रभावित slurred हो सकते हैं। उन्होंने यह भी

एक "आवाज कंपन" कि आवाज निरन्तर tremulous बनता है हो सकता है। मुश्किल भाषण के साथ, बच्चे को हो रही है। क्योंकि लोग उन्हें समझ में नहीं आता उनके अन्य आवश्यकताओं को पूरा में सीमाओं हो सकता है। इस कारण से, कुछ बच्चों को भाषाण की सहायक उपकरणों की जरूरत है। दूसरों के साथ संवाद करने में सक्षम हो। भाषण चिकित्सा भी कुछ बच्चों को सही तरीके से और बुद्धिमानी से बात करने के लिए सीखने में सहायता कर सकते हैं। के रूप में बच्चे के भाषण और वयस्कता के लिए जारी रखना शुरू होगा। इस प्रकार के भाषण चिकित्सा के रूप में जल्द शुरू कर सकते हैं। कुछ बच्चों को चिकित्सा के इस प्रकार के साथ बहुत अच्छी तरह से करते हैं, जबकि दूसरों सुगम भाषण अपना पूरा जीवन के साथ परेशानी है।

आंत्र और मूत्राशय समारोह की सीमाएं। जहां मस्तिष्क क्षति सीपी के मामलों में किया जाता है के आधार पर, बच्चों को उनके आंत्र और मूत्राशय समारोह में दोष हैं, आंत्र और मूत्राशय की अनिवार्य रूप से असंयमी जा रहा है कर सकते हैं। मस्तिष्क से तंत्रिका समारोह पाचन तंत्र अथवा मूत्राशय और मूत्राशय में कैथेटर के लिए उचित संकेत नहीं भेजता रखा जा करना पड़ सकता है या रोगी वयस्कता के द्वारा diapered करना पड़ सकता है।

अनुभूति की सीमाएं। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ अनेक बच्चों में रहते हैं जबकि अनिवार्य रूप से पंगु निकायों और बरकरार दिमाग, दूसरों के महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक क्षमताआं तथा सीखने की समस्याओं, गरीब नींद ने और बढ़ा दिया है। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों में संज्ञानात्मक क्षमता की सीमा बहुत अच्छा है। कुछ स्कूल में हिस्सा लेने या अन्य बच्चों के साथ खेलने में हिस्सा लेने जबकि दूसरों को जानने के लिए और सार्थ तरीके से समाज में शामिल होने के लिए कुछ करने की क्षमता है करने के लिए कोई क्षमता है।

Truncal आसन की सीमाएं। मस्तिष्क पक्षाघत के साथ कुछ बालकों को एक मुद्रा धारण करने के लिए, यानी उनके ट्रक की स्थिति बनाए रखने के लिए करने में असमर्थता है। इन बच्चों को नियमित रूप से व्हीलचेयर में अच्छी तरह से नहीं करते हैं परंतु ढाला कुर्सियों कि उनके ।असान को बनाए रखने का निवासी होना जरूरी है। कुछ बच्चे में, गरीब आसन स्कोलियोसिस या रीढ़ कि ट्रंक और रीढ़ की हड्डी क्षेत्र के स्थायी विरूपण की ओर जाता है कि वक्रता की ओर जाता है। अन्य बच्चों को अंतरिक्ष में उनकी गर्दन पकड़ समस्या है और आगे एक ईमानदार मुद्रा बनाए रखने के लिए ब्रेसिंग की आवश्यकता है।

NOTES

सामाजिक और भावनात्मक विकास की सीमाएं। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चे अक्सर बहिष्कृत के रूप में इलाज कर रहे हैं, छेड़ा अन्य बच्चों के माध्यम से दोस्तों और सार्थियों के बिना अकेला जीवन जीते हैं। इन बच्चों को उचित सामाजिक विकास नहीं सीखते हैं और इस रूप में आम बच्चों भावनात्मक साक्षमताओं की सीमा नहीं हैं इस का कारण बनता है और मस्तिष्क पक्षाघात की सुविधाओं के लिए इन बच्चों को अधिक उनके साथियों के माध्यम से स्वीकार किया जाता है। बच्चों की शिक्षा के द्वारा कभी–कभी allayed जा सकता हैं इन बच्चों भाई बहन हैं, इसके रूप में वे अधिक उनके साथियों द्वारा स्वीकार किए जाने की संभावना है एक बेहतर सामजिक तथा भावनात्मक विकास हो जाते हैं।

Ambulation की सीमाएं। मसितष्क पक्षाघात के साथ कुछ बच्चों को उचित दक्षता के साथ चलना है, वहीं अन्य सहायक उपकरणों अथवा बिल्कुल बिना च नहीं सकता। गंभीर मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चे दिन के अधिक असमर्थ भ व्हीलचेयर क्योंकि पैर, घुटने और कूल्हों की अवकुंचन की जमीन पर कदम के लिए किसी भी क्षमता है करने के लिए बाध्यक रक रहे है। यह एक परेशानी यह है कि भौतिक चिकित्सा के साथ दूर किया जा सकता है कि अगर यह चिकित्सा कम आयु में ही शुरू हो गया है तो हो रहा है।

सौभाग्य से, यह शारीरिक और व्यावसायिक चिकित्सा जहां बच्चे की सीमाओं के अनेक कामयाब रहे अथवा बच्चे के जीवन को आसान बनाने के दूर किया जा सकता है। इस युग में बड़े मोटर कौशल ऐसे वॉकर और कंस कि ambulation सुरक्षित और तेज बनाने के रूप में भौतिक चिकित्सा और सहायक उपकरणों, के द्वारा सुधार किया जा सकता है। यदि ambulation संभव नहीं है, व्हीलचेयर और कुसियों के अन्य प्रकार के अलग प्रकार के अवकुंचन को कम करने और हाथ पैरों के उपयोग को अधिकतम करने के लिए बनाया जा सकता है। एक ही truncal आसान और छोटे मोटर कौशल के साथ सच है। व्यावसायिक और भौतिक चिकित्सा अभ्यास के उपयोग के माध्यम तथा सहायक उपकरणों के उपयोग के माध्यम समारोह को अधिकतम करने के लिए बच्चे को स्वतंत्र रूप से खाने अथवा एक लेखन को लागू उपयोग कर सकते हैं। उपयोग किया जा सकता है।

व्यक्तिगत और पारिवारिक चिकित्सा जब बच्चे सेरेब्रल पाल्सी होने का परिणाम के रूप में भावनात्मक परेशानियों का सामना कर रहा है तो नियोजित किया जा सकता है। पूरे परिवार, ताकि सभी लोग प्रभावित बच्चे को समर्थन कर सकते तथा परिवार की घटनाओं और समारोहों में पीड़ित बच्चे को सम्मिलित

करने के तरीके सीख सकते हैं शामिल करने की जरूरत हो सकती है। सामान्य मनोभाव के साथ बच्चे अवसाद का एक विशेष जोखिम पर उनकी हालत की वजह से होते हैं और वे भिन्न-भिन्न मनोचिकित्सा से लाभ होगा।

NOTES

4.2 उद्देश्य

सेरेब्रल पाल्सी की वजह से बच्चों, युवाओं और शारीरिक और/अथवा मानसिक विकलांगता की स्थिति में वयस्कों में सहायता करने के लिए एक सरल जीवन व्यतीत करने और आत्मनिर्भर उचित इलाज के द्वारा किया जाता है।

मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों के माता-पिता के लिए भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के लिए और मकसद के लिए उन्हें एक लंबी अवधि के आध ार पर उचित मदद और सेवाओं उनके आश्रित बच्चों के लिए प्रदान करते हैं।

माता-पिता के साथ निकट संबंध बनाए रखने के माध्यम उपलब्ध सामुदायिक संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से उन समस्त सीपी पीड़ि मामलों के पुनर्वास के लिए।

प्रशिक्षण आयोजित करेन के आदमी शक्ति उचित इलाज और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेन के लिए जरूरी निर्माण करने के लिए।

सेरेब्रल पाल्सी के लिए एक संसाधन केन्द्र के रूप में इस संस्थान का विकास करना।

सीपी पर सीपी तथा पठन सामग्री की रोकथाम के लिए तरीके का प्रचार के माध्यम से जनता में जागरूकता का निर्माण करने के लिए।

जनता में जागरूकता एजेंसियों और संगठनों के अनुसंधान के निष्कषोड से ज्ञान तथा कौशल का उपयोग करने के लाभ।

शिक्षक के लिए 4.3 शिक्षण तकनीकों की स्वीकृति शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ

कक्षाएं पारंपरिक कक्षाओं में विशेष जरूरत वाले बच्चों को मुख्य धारा के साथ, छात्रों को शैक्षिक तथा सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से पहले कहीं अध िक प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ

शिक्षक हमारे समाज में गुमनाम नायक है। वे सुनिश्चित युवा लोगों को जानकारी वे उत्पादक वयस्कों को बनने के लिए आवश्यक के साथ सशस्त्र रहे

हैं। वे उ ारोत्तर ऊपर की ओर छाया को स्थानांतरिक करने के लिए जारी रखें। परिदृश्यों का सबसे अच्छा में, शिक्षकों के बालकों के लिए सब कुछ वे इतिहास, विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के बारे में पता करने की जरूरत सिखाना। उन्होंने यह भी बच्चों को खुद को भीतर गहरे खुदाई करेन के लिए अच्छी तरह से गोल व्यक्तियों बनने के लिए और अन्य लोगों की आवश्कताओं के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

सामान्यत: शिक्षकों को समस्त लोगों के लिए सब बातों का होना करने के लिए मजबूर किया गया है। एक वैकल्पिक फैशन में एक बच्चे के सीख्खने के माहौल में भाग लेने के एक विकलांगता है कि भले ही वे अलग ढंग से संवाद, या पूरे काम को प्रोत्साहित करने के लिए: शिक्षकों की उनकी कक्षाओं में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए है के मामले में, वहाँ एक और काम है।

भागीदारी विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए स्वीकृति की ओर जाता है, क्योंकि यह सहायता करता है उन्हें पता चलता है कि वे कक्षा के वातावरण के साथ काम कर सकते हैं। यह उन्हें दूसरों वे समझ वर्ग सबक करने में सक्षम हैं दिखाने के लिए अनुमति देता हैं और वे रिश्तों को बनाने में सक्षम है। यह सहायता करता है। बच्चे निर्भरता से दूर कदम उठाना, और यह उनहें असाधारण, सामाजिक रूप से समायोजित वयस्कों में विकसित सहायता करता है। यह भी में और कक्षा के बाहर नकारात्मक सहकर्मी बातचीत कम करता है।

यहाँ 10 तरीके एक शिक्षक विशेष आवश्यकताओं के छात्रों की स्वीकृति प्रोत्साहित कर सकते हैं और कर रहे हैं।

1. एक बच्चे की विकलांगता की प्रकृति के समझना।

शिक्षक की सहायता से एक बच्चे सकारात्मक आत्मसम्मान को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आत्मविश्वास एक बच्चे की प्रमुख चिंताओं में सम्मिलित है, खासकर यदि वह यह वह विशेष जरूरतें है। बनाने का एक भाग यकीन है। कि एक बच्चे को एक स्वथ आत्म छवि विकसित करता है, और सीखता है। कक्षा को समझने के लिए बालक के विकलांग सीखने के लिए उनकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है। एक बच्चे को एक भाषण पीढ़ी डिवाइस का उपयोग संचार करते हैं, वे कक्षा में एक समय पर फैशन में प्रतिक्रिया करेन के लिए तत्पर हो जाएगा? अगर वे एक व्हीलचेयर का उपयोग, वे कैसे शारीरिक शिक्षा, अवकाश, कक्षा निष्पादन तथा प्रयोगशाला अभ्यास में भाग ले सकते? एक बार एक शिक्षक एक बच्चे की योग्यता व चुनौतियों को समझता है, वह या वह कैसे सबक योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के बारे में एक बेहतर विचार होगा।

2. देखने के एक दयालु बिंदु से सिखाओ।

NOTES

जब एक शिक्षक कक्षा परियोजना है कि एक सीधा व्याख्यान अथवा परीक्षण की तुलना में अधिक जटिल है विचार कर रहा है, पर विचार कैस विशेष जरूरतों के साथ एक बच्चे काम पूर्ण होगा। जीवन में यह एक समय हो गया है जब बच्चों में फिट करने के लिए पसंद करते हैं परियोजना को पूरा मतलब है कि विशेष आवश्यकताओं के साथ एक बच्चे एक तरीका है कि सहपाठियों से बहुत ज्यादा ध्‍ यान आकर्षित करता है इसके बारे में जाना होगा, तो–विकलांग बच्चे को पहले से ही बाहर खड़े करने के बाद उसके बारे में चिंतित है। शायद यह पूर्ण कक्षा के लिए काम पर पुनर्विचार करने के लिए सबसे अच्छा है। कई मामलों में, विशेष जरूरतों बच्चों के एक बार अपने लाभ के लिए उतारा जरूरत नहीं है। लेकिन वे भी जरूरतों को तो बेहद तरीका अन्य छात्रों के काम है कि यह अवांछित ध्यान आकर्षित करती है को संतुष्ट से भिन्न हो नहीं करना चाहती।

3. सुनिश्चित करें कि छात्रों को संवेदनशीलता दिखा रहे हैं।

अध्ययन बताते हैं कि विशेष जरूरत वाले बच्चों को अन्य छात्रों की तुलना में सामान्यत: तंग कर रहे है और यह बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। आज, बदमाशी रोकथाम स्कूल की गतिविधियों के क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ, नए कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के बच्चों के मध्य दयालुता के आदर्श होते जा रहे हैं। लेकिन अक्सर, स्थितियों छात्रों के मध्य हो जाएगा। यदि इन पाए जाते हैं, छात्रों को एक तरफ पता लगाने के लिए कि समसया क्या है ले लो। इसका कारण बताएं बदमाशी गलत हैं, और क्यों एक छात्र के रुख बदलने के लिए की आवश्यक है। और अगर ऐ चेतावनी काम नहीं करता है, यह सुनिश्चित करने के लिए एक कक्षा समस्त युवा लोगों के लिए एक सुरक्षित, शैक्षिक और मजेदार माहौल है एक छात्र के माता–पिता से बात करने के भय मत बनो।

4. व्याख्यान के दौरान एक विशेष जरूरतों पर छात्र को बुलाया गया।

यह एक साधारा लग कता है, किंतु ये विकलांग छात्र कक्षा में भाग लेना चाहते। अगर वे बातचीत करने के लिए विकल्प अथवा सहायक उपकरणों का उपयोग करें, उनहें इसका उपयोग करने के सवालों के जवाब देने की अनुमति है। छात्रों पर कॉल, जब वे एक सवाल का उत्तर देने के लिए आगे आए, या वे नहीं है, तब भी जब।

यह सबसे अच्छा एक छात्र की paraprofessional अथवा सहयोगी, या उसके माता–पिता के साथ पूरा करने के लिए हो सकता है, तो एक शिक्षक कैसे एक बच्चे को कक्षा में भाग ले सकते हैं के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह, एक शिक्षक पर्याप्त रूप से एक छात्र की इनपुट के लिए योजना बना सकते हैं।

NOTES

5. तरीके शारीरिक हिस्सा लेने के लिए इसी तरह के मार्गों का पता लगाएं।

शारीरिक कठिनाइयों के साथ बच्चे अक्सर मुसीबत गतिविधियों में हिस्सा लेने की है। शिक्षक है कि कक्षाओं कि इस तरह के जिम या संगीत के रूप में भौतिक भागीदारी की आवश्यकता होती है। हिदायत, विशेष जरूरतों का हिस्सा लेने के साथ एक छात्र के लिए तरीकों की पहचान करनी चाहिए। यह स्वीकार्य एक जिम शिक्षक विकलांग एक टीम के मैनेजर के साथ एक छात्र बनाने के लिए नहीं हैं, वे खेल खेलने के लिए चाहिते हैं। छात्रों बेसबॉल खेल रहे हैं, तो ठिकानों के आसपास एक छात्र पहिया जाने अथवा अगर कोई अनुकूली उपकरण प्रापत करेन की संभावना है, एक शिक्षक इस पर गौर करना चाहता है।

6. बच्चों की जानकारी के लिए सहपाठी की विकलांगता के बारे में जरूरत के सब दे।

कारण विशेष जरूरतों बच्चों को कटा हुआ अनुभव का हिस्सा अन्य बच्चों के लिए, वहाँ रहस्य की एक हवा है कि विकलांगता चारों ओर से घेरे है कि शिक्षकों बच्चों कि एक विशेष जरूरतों छात्र की तुलना में भिन्न वे करते स्थानांतरित कर सकते हैं। समझा जाना चाहिए। या, वे अलग ढंग से की तुलना में वे करते हैं बात कर सकता हूँ। हालांकि, वे हितों है कि अन्य बच्चों के समान हैं, और अनेक मामलों में, वे अपने साथियों के साथ आम में एक बहुत कुद है। छात्रों के समान हैं, और अनेक मामलों में, वे अनपे साथियों के सा आम में एक बहुत कुछ है। छात्रों के साथ एक संवाद शुरू करें। एक छात्र, या ऐसा नहीं कर सकते कर सकते हैं के बारे में अपने सभी प्रश्नों के उत्तर दें। उन्हें पता है विशेष जरूरते वाले छात्रों सब कुछ वे उन्हें कहते हैं कि समझते है कि चलो, तो यह ठीक है अगर वे छात्र से बात करना चाहते। छात्रों को पता है कि अगर वे सज्जन कर रहे हैं, वे स्पर्श तथा छात्र के साथ खेल सकते हैं। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक अतिथि वक्ता लगता है और अधिक उपयोगी हो सकता है, स्कूल के लिए किसी को आमंत्रित करते हैं। माहौल है जहां हर कोई आराम से बनाया जा रहा है समस्त छात्रों के लिए उपयोगी है।

7. विविधता और सामाजिक स्वीकृति के महत्व पर चर्चा।

जब तक बच्चे स्कूल जाते हैं, वे अक्सर एक निर्वात में रहते हैं। घर पर लोगों को सबसे अधिक बार समान स्वयं को कर रहे हैं, और नए लोगों से है कि अलग हैं अजीब लग सकता है। एक शिक्षक की मदद कर सकते। छात्रों वहाँ दुनिया में लोगों के समक्ष विभिन्न प्रकार हैं कि देखते हैं, और हर किसी को कुछ योगदान करने के लिए है। छात्रों लोग हैं कि विकलांग है कि कुछ दुनिया के लिए अद्‌वितीय योगदान दिया है के उदाहरण दे। इसत तरह, वे पृथक किया जा रहा है। देखेंगे मूल्यवान है।

8. के अर्थ को ध्वस्त "सामान्य"।

प्रत्येक व्यक्ति को क्या सामान्य है की अपनी परिभाषा है। विकलांग लोगों को वे दिन में पूर्ण कार्यों की एक निश्चित संख है, और कुछ मायनों में वे लक्ष्यों को पूर्ण किया है। शिक्षक की व्याख्या कर सकते हैं कि इस विशेष आवश्यकता वाले छात्र के रूप में सामान्य है के रूप में एक और छात्र की दैनिक दिनचर्या अपने अथवा खुद के लिए है।

9. एक बच्चे से पूछो-किसी भी बच्चे-अगर आप उनहें सहायता कर सकते है।

एक बचे को एक कठिन समय तक पहुंचने अथवा भाग लेने वाले होने जा रहा है, तो उन्हें सीधे पूछते हैं कि एक शिक्षक कर सकते हैं। कि विशेष जरूरतों और अपने अथवा अपने सहपाठियों के साथ एक छात्र के मध्य बर्फ तोड़ने का मतलब है, तो क्यों कुछ समूह कार्य शेड्यूल नहीं तो छात्र एक दूसरे को बेहतर जानते हैं कर सकते हैं?

10 पता लकीर के फकीर।

नकरात्मक धारणाओं को तोड़ने के लिए irritatingly मुश्किल हो सकता है। परन्तु बच्चों, वयस्कों की तुलना में अधिक है, क्षमता पाठ्यक्रम को बदलने और एक और अधिक सकारात्मक सड़क ले जाना है। सभी बच्चों को-न सिर्फ विकलांगों-जरूरत को पता है कि वे अद्वतीय है। समस्त यु लोगों को उन से पहलुओं है कि दूसरों को विचार नहीं कर सकते हैं; लोगों को ढालना है कि लकीर से फकीर भी अक्सर बनाए रखने में फिट नहीं बैठते। शिक्षक सहायता करने के लिए बच्चों को पिछले लकीर के फकीर ले जाते हैं, और हर मोड़ पर, यह बच्चों को खुद को प्यार करने के लिए जानने में सहायता करता है और दूसरों के वे समझते हैं कि किसी को पृथक है की क्षमता है कि भूमिका मॉडल है।

ध्यान भंग क्या' एस वास्तव में महत्वपूर्ण भावनात्मक तथा नैतिक समर्थन के अपने बच्चे को बहुत दे रही है।

अपने खुद के विशेषज्ञ बनें। अपने स्वयं के अनुसंधान करने व विकलांगता कार्यक्रम चिकित्सा, और शैक्षिक तकनीक सीखने में नवीन घ्र्लटनाघ्म से अवगत रह सकते। आप दूसरों को देखने के लिए परीक्षा जा सकता है-शिक्षकों, चिकित्सक, डॉक्टरों-विशेष रूप से पहली बार में, समाधान के लिए। लेकिन आप' अपने बच्चे पर अग्रणी विशेषज्ञ कर रहे हैं, तो प्रभार लेने जब यह उपकरण वह या वह आदेश जानने कि लिए की आवश्यकता है पोन के लिए आता है।

NOTES

अपने बच्चे के लिए एक वकील हो। आप अपने बच्चे के लिए विशेष आवश्यकता पाने के लिए फिर से समय और समय को बात करेन के लिए हो सकता। एक सक्रिय माता-पिता और अपने संचार कौशल पर काम के रूप में अपनी भूमिका को गले। यह समय पर निराशा हो सकती है, लेकिन शांत तथा उचित है, फिर भी फर्म शेष द्वारा, आप अपने बच्चे के लिए एक बड़ा अंतर कर सकते हैं।

अन्य समस्त outweights अपने प्रभाव है कि याद रखें। आपके बच्चे को अपने नेतृत्व का पालन करेंगे। आप आशावाद, कड़ी मेहनत, और हास्य की भाावना के साथ चुनौतियों सीखने के दृष्टिकोण, तो आपके बच्चे अपने दृष्टिकोण को गले लगाने के लिए की संभावना है। अथवा कम से कम एक गति टक्कर, बजाय एक अवरोध के रूप में चुनौतियों को देखते हैं। क्या अपने बचचे के लिए कार्य करता है। सीखने और यह ससबसे अच्छा तुम कर सकते हो लागू करेन पर अपनी सामर्थ्य ध्यान दें।

ताकत ही नहीं, कमजोरियों पर ध्यान दें

आपका बच्चा अपनी अधिगम विकलांगता से परिभाषित नहीं है। एक अधि ाकम विकलांगता कमजोरी के एक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वहाँ ताकत के अनेक और अधिक क्षेत्र है। अपने बच्चे के उपहार तथा प्रतिभा पर ध्यान दें। आपके बच्चे के जीवन और समय नहीं करना चाहिए सीखने विकलांगता के चारों ओर घूमना। गतिविधियों जहां वह या वह समझने की शक्ति स पोषण, और उनके लिए बहुत समय बनाते हैं।

विकलांग टिप 1 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: आपके बच्चे की शिक्षा के प्रभारी ले लो अंतहीन बजट में कटौती और अपर्याप्त वित्त पोषित विद्यालयों के इस युग में, आपके बच्चे की शिक्षण में अपनी भूमिका को पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। आराम से बैठें और किसी तथा उपकरण वे सीखने की आवश्यकता है। के साथ अपने बच्चे को प्रदान करने के लिए जिम्मकदार हो सकता है। आप और आपके बच्चे की शिक्षा में एक सक्रिया भूमिका ले जाना चाहिए।

अगर वहाँ शैक्षणिक आवश्यकता का प्रदर्शन किया है, स्कूल कानून द्वारा जरूरी है एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) है कि उद्वार विकसित करने के लिए कुछ एक है कि छात्र उपलब्धि अधिकतम शैक्षिक लाभ, लेकिन आवश्यक नहीं कि माता पिता, जो अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छा चाहते हैं तो इस मानक निराशा मिल सकता है। विशेष शिक्षा के कानूनों और सेवाओं के लिए अपने स्कूल

के दिशा-निर्देशों को समझना तुम विद्यालय में अपने बच्चे के लिए सबसे अच्छा समर्थन प्राप्त करने में मदद करेगा। आपके बच्चे के आवास और मदद सेवाओं के कई प्रकार के लिए पात्र हो सकता है, किन्तु स्कूल सेवाएं प्रदान नहीं हो सकती है जब तक आप उनके लिए पूछना।

NOTES

अपने बच्चे के विद्यालय के साथ संवाद स्थापित करने की युक्तियाँ

अपने बच्चे के लिए एक मुखर वकील होने के नाते चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप एक उचित शिक्षा के लिए अपने बच्चे के अधिकार की रक्षा के लिए बेहतर संचार और बातचीत कौशल, तथा विश्वास की जरूरत होगी।

अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें। बैठकों से पहले, लिख आप क्या हासिल करना चाहते हैं। तय करें कि सबसे महत्वपूर्ण है, और आप क्या बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

एक अच्छे श्रोता बनो। विद्यालय के अधिकारियों को अपनी राय समझाने दें। आप डॉन हैं 'टी समझते हैं कि किसी व्यक्ति को कह रहा है, स्पष्टीकरण के लिए पूछना।'' क्या मैंने सुना है आप है....'' यह सुनिश्चित करें कि दोनों दलों को समझने में सहायता कर सकते हैं।

फोकस रखें। स्कूल प्रणाली बच्चों की एक बड़ी संख्या के साथ कार्य कर रहा है; आप केवल अपने बच्चे के साथ संबंध है। अपने बच्चे पर ध्यान केंद्रित बैठक की सहायता करें। अपने बच्चे का उल्लेख' नाम अक्सर, डॉन' सामान्यीकरण में टी बहाव तथा बड़े युद्ध की इच्छा को रोकना।

शांत रहो, एकत्र और सकरात्मक। यह सोचते हैं कि हर किसी की सहायता करना चाहता है। बैठक में जाओ। यदि आप आपके द्वारा अफसोस कहना है, तो बस माफी मांगता हूँ और ट्रैक पर वापस पाने के लिए कोशिश करें।

डॉन टी आसानी से हार। यदि आप 'स्कूल से संतुष्ट नहीं फिर' रों प्रतिक्रिया, फिर प्रयास करें।

स्कूल प्रणाली की सीमाओं को पहचानो।

माता-पिता को कभी कभी अपने बालक के अधिगम विकलांगता के लिए प्राथमिक समाधान के रूप में स्कूल में अपने समय और ऊर्जा के सभी निवेश की गलती। यह पहचान करने के लिए हैं कि अपने बच्चे के लिए विद्यालय स्थिति शायद कभी नहीं सही नहीं होगें बेहतर है। बहुत सारे नियमों और सीमित फंडिंग कि सेवाओं मतलब है व रहने की जगह अपने बच्चे को प्राप्त करता है। नहीं हो सकता है। वास्तव में आप उनके लिए क्या कल्पना है, तथा शायद आप कुंठा, क्रोध

ा और तनाव का कारण होगा।

पहचान करेन के लिए है कि स्कूल अपने बच्चे के लिए समाधान का सिर्फ एक भाग हो सकता है और तनाव से कुछ पीछे छोड़ देंगे प्रयास करो। (समर्थन, प्रोत्साहन और आशावाद की) आपका रवैया अपने बच्चे पर सबसे स्थायी प्रभाव पड़ेगा।

विकलांग टिप 2 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना; पहचानें कैसे अपने बच्चे को सबसे अच्छा सीखता है।

हर कोई–अधिगम विकलांगता या अपने खुद के अद्‌वितीय सीखने की शैली नहीं–नहीं है। कुछ लोगों को ऐसा करने से दूसरों को देखने अथवा सुनने से पढ़ने; दूसरों को, और अभी भी द्‌वारा सबसे अच्छा सीखते हैं। आप उसके प्राथमिक सीखने की शैल की पहचान करके एक अधिगम विकलांगता के साथ एक बच्चे पर सकते है।

अपने बच्चे को क दृश्य शक्षार्थी, एक श्रवण शिक्षार्थी, अथवा एक kinesthetic शिक्षार्थी है? एक बार जब आप समझ गए होंगे कि कैसे वह या वह सबसे अच्छा सीखता है, तो आप यह सुनिश्चित करें कि सीखने के प्रकार कक्षा में और घर अध्ययन के समय प्रबलित है बनाने के लिए कदम उठा सकते हैं। निम्न सूची में सहायता मिलेगी आप यह निर्धारित शिक्षार्थी की किस प्रकार आपका बचा है।

अपने बालक को एक दृश्य शिक्षार्थी हैं?

यदि आपका बच्चा एक दृश्य शिक्षार्थी है, वह अथवा वह:

देखने अथवा पढ़ने से सबसे अच्छा सीखता

जब सामग्री प्रस्तुत किया और नेत्रहीन, मौखिक रूप से नहीं परीक्षण किया जाता है अच्छी तरह से करता है।

लिखित नोट्स, निर्देश, चित्र, चार्ट, नक्शे तथा चित्रों से लाभ।

आकर्षित पढ़ा है, और लिखने के लिए प्यार कर सकते है; शायद एक अच्छा स्पेलर है।

अपने बालक को एक श्रवण शिक्षाथी है?

यदि आपका बालक एक श्रवण शिक्षार्थी है, वह या वह:

सुनकर सबसे अच्छा सीखता है।

व्याख्यान आधारित अधिगम वातावरण में तथा मौखिक रिपोर्ट और परीक्षण पर अच्छी प्रकार से करता है।

कक्षा चर्चा, बोले गए दिशा निर्देश, अध्ययन समूहों से लाभ।

संगीत, भाषा और मंख पर किया जा रहा है प्यार कर सकते है।

अपने बच्चे को एक kinesthetic शिक्षार्थी है?

यदि आपका बच्चा एक kinesthetic शिक्षार्थी है, वह या वह:

कर रहे हैं ले जाकर सबसे अच्छा सीखता

जब वह, स्थानांतरित कर सकते हैं स्पर्श करते हैं, का पता लगाने तथा बनाने के क्रम में जानने के लिए अच्छी तरह से करता है।

से गतिविधियों, प्रयोगशाला कक्षाएं, सहारा, नाटकों और क्षेत्र यात्राएं हाथ लाभ

खेल, नाटक, नृत्य, मार्शल आर्ट, व कला और शिल्प प्यार मई।

शिक्षाथिर्सयों के विभिन्न प्रकार के लिए पढ़ टिप्स

दृश्य शिक्षार्थियों के लिए सुझाव: किताबें, वीडियो, कम्प्यूटर, दृश्य एड्स तथा फ्लैशकार्ड का प्रयोग करें।	श्रवण शिक्षार्थियों के लिए सुझाव: नोट पढ़ें या जोर से माल बाहर अध्ययन करते हैं।	kinesthetic शिक्षार्थियों के लिए सुझाव: पर हाथ प्राप्त करें। प्रयोग करो तथा क्षेत्र यात्राएं ले।
विस्तृत, कलर कोडेड अथवा प्रकाश डाला बनाओ नोटो।	करने के लिए शब्द संघों और मौखिक पुनरावृत्ति का उपयोग करें याद।	गतिविधि आधारित अध्ययन उपकरण, रोल प्लेइंग अथवा मॉडल की तरह प्रयोग करें निर्माण।
रूपरेखा, चित्र और सूची बनाएँ। रंग में)। कक्षा में विस्तृत नोट ले लो।	अन्य छात्रों के साथ अध्ययन करने के टेप या अन्य ऑडियो रिकॉर्डिंग पर पर पुस्तकों को सुनें। पश्चात् फिर से व्याख्यान को सुनने के लिए एक टेप रिकॉर्डर का उपयोग करें।	छोटे समूहों में अध्ययन तथा बार-बार ब्रेक लें। पृष्ठभूमि में पर संगीत के साथ अध्ययन करें।

विकलांग टिप 3 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: लगता है कि जीवन की सफलता, बल्कि विद्यालय की सफलता से सफलता अलग-अलग लोगों को भिन्न-भिन्न बातें मतलब है, लेकिन अपनी आशाओं और अपने बच्चे के लिए सपने शायद अच्छी रिपोर्ट कार्ड से बाहर भी। शायद तुम उम्मतमीद है कि आपके बच्चे के भविष्य के लिए एक पूरा काम और संतोषजनक रिश्ते, उदाहरण के लिए अथवा एक खुश परिवार और संतोष की भावना भी शामिल है।

NOTES

मुद्दा यह है कि में सफलता है जीवन केवल स्कूल में rather सफलता–निर्भर करता है, शिक्षाविदों पर नहीं है, बल्कि स्वयं की एक स्वस्थ भावना जैसी चीजों पर, इच्छा के लिए पूछने के लिए और मदद को स्वीकार करने, चुनौतियों के बावजूद की प्रयास करते रहें दृढ़ संकल्प दूसरों के साथ स्वस्थ संबंधों, और अन्य गुण है कि ग्रेड तथा SAT स्कोर के रूप में अंदाजा लगाना उतना मुमकीन नहीं हैं बनाने की क्षमता।

एक 20 साल के अध्ययन है कि वयस्कता में विकलांग सीखने के साथ बालकों का पालन पहचान के पश्चात् छह ''जीवन सफलता'' जिम्मेदार बतो हैं। इन व्यापक कौशल पर ध्यान केन्द्रित करके, आप अपने बालक के जीवन में एक बहुत बड़ा पैर छोड़ देना कर सकते है।

सीखना विकलांग और #1 सफलता: आत्म जागरूकता तथा आत्मविश्वास

सीखने विकलांग, आतम जागरूकता और आतमविश्वास (शक्तियों, कमजोरियों और विशेष प्रतिभा के बारे में ज्ञान) के साथ बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कक्षा में संघर्ष बालकों को उनकी क्षमता पर संदेह और अपनी शक्ति पर सवाल खड़ा हो सकता है।

अपने बच्चे से पूछे अपने अथवा अपने शक्तियों और कमजोरियों की सूची और अपने स्वयं के शक्तियों और अपने बच्चे के साथ कमजोरियों के बारे में बात करेन के लिए।

सीखने विकलांग के साथ वयस्कों के लिए बात करने के लिए अपने बालक को प्रोत्साहित करें और उनकी चुनौतियों और साथ ही अपनी शक्ति के बारे में पूदने के लिए।

गतिविधियों है कि उसके अथवा उसकी क्षमताओं के भीतर हैं पर अपने बच्चे के साथ कार्य करें। इस सफलता और योग्यता की भावनाओं को बनाने में सहायता मिलेगी।

अपने बच्चे को अपने अथवा अपने शक्तियों और जुनून का विकास में सहायता करें। एक क्षेत्र में भावुक और कुशल लग रहा है भी और क्षेत्रों में कड़ी ेहनत के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

सीखना विकलांग और सफलता # 2: सक्रिय होने के नाते

एक सक्रिय व्यक्ति निर्णय लेने और समस्याआं को हल करने अथवा लक्ष्यों को प्राप्त करेन के लिए कार्रवाई करने में सक्षम है। सीखने विकलांग लोगों के

लिए, सक्रिय किया जा रहा है तो भी खुद वकालत (उदाहरण के लिए, कक्षा के सम्मुख में एक सीट के लिए पूछ) सम्मिलित है और विकल्पों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए इच्छा।

NOTES

परेशानी को हल करने के बारे में अपने सीखने विकलांग बच्चे से बात करें और साझा करें अपने जीवन में समस्याओं के दृष्टिकोण।

अपने बच्चे से पूछो तो वह कैसे समस्याओं दृष्टिकोण। कैसे समस्याओं उसे कर सकता हूँ अथवा उसकी लग रहा है? वह या वह क्या कार्रवाई करेन के लिए कैस तय करता है?

यदि आपका बच्चा विकल्प बनाने और कार्रवाई करने में संकोच है, कुछ प्रदान करने का प्रयास सुरक्षित क्या रात के खाने के लिए बनाने के लिए चुनने अथवा कोई शेड्यूलिंग विरोध के लिए एक समाधान के बारे में सोच की तरह, पानी की परीक्षण करने स्थितियाँ।

विभिन्न समस्याओं, संभव निर्णय और अपने बच्चे के साथ परिणामों पर चर्चा करें। अपने बच्चे को स्थिति का भाग हो सकता है और अपने खुद के निर्णय लेने का नाटक है।

विकलांग सीखने और सफलता #3: दृढ़ता

दृढ़ता चुनौतियों और विफलताओं और लचीलापन के लिए जा रहा है, तो चीजें काम नहीं कर रहे योजनाओं को बदलने के लिए रखने के लिए ड्राइव है। बच्चे (या वयस्क) सीखने के लिए विकलांग के साथ उनके विकलांगता के कारण कठिन तथा लंबे समय तक काम करने के लिए जरूरत हो सकती है।

अपेन समय के बारे में विकलांग बच्चे सीखने के साथ बातकरें जब वह बच गया-क्यों वह आगे बढ़ते रहने के लिए किया? जब आप चुनौतियों से लड़ना चाहिए और नहीं किया है तो इसके बारे में शेयर कहानियों को त्याग दिया।

अपने बच्चे को बहुत मेहनत की है, बल्कि अपने या अपने लक्ष्य को प्राप्त करने आगे बढ़ने के लिए विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा सफल नहीं रही है।

सीखना विकलांग तथा सफलता #4: लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता

यथार्थवादी और प्राप्य लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता जीवन की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल हैं यह भी लचीलापन अनुकूल और बदलती परिस्थितियों, सीमाओं अथवा चुनौतियों के अनुसार लक्ष्यों को समायोजित करने के सम्मिलित है।

NOTES

अपने बच्चे को कुछ कम या दीर्घकालिक लक्ष्यों की पहचान करने और उठाए जाने वाले कदम और एक समय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लिखने में सहायता करें। समय-समय पर चेक इन प्रगति के बारे में बात करते हैं और उसमें जरूरत के अनुसार फेरबदल कर सकते हैं।

आप क्या करते हैं जब आप मुश्किलों का सामना के रूप में अपने बच्चे के साथ अपनी खुद की छोटी और लंबी अवधि के लक्ष्यों के बारे में बात करके, साथ ही।

अपने बच्चे के साथ मनाते हैं जब वह एक लक्ष्य प्राप्त होता है। कुछ लक्ष्यों भी प्राप्त करने के लिए कठिन साबित हो रहे हैं, तो क्या और कैसे की योजना अथवा लक्ष्य उन्हें संभव बनाने के लिए समायोजित किया जा सकता है के बारे में बात करते हैं।

अपने बच्चे के साथ मनाते हैं जब वह एक लक्ष्य प्राप्त होता है। कुछ लक्ष्यों को भी प्राप्त करने के लिए कठिन साबित हो रहे हैं, तो क्यों और कैसे की योजना अथ्वा लक्ष्य उन्हें संभव बनाने के लिए समायोजित किया जा सकता है के बारे में बात करते हैं।

सीखना विकलांग और सफलता #5: यह जानते हुए सहायता के लिए पूछना करने के लिए कैसे मजबूत समर्थन प्रणाली सीखने विकलांग लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सफल लोग जब वे इसकी आवश्यकता मदद के लिए पूछना और समर्थन के लिए दूसरों तक पहुंचने के लिए सक्षम हैं।

अपने बच्चे को पोषण मदद और अच्छे संबंधों को विकसित। मॉडल क्या यह इतना अपने बच्चे को जानता है क्या यह सहायता और दूसरों का समर्थन करने का मतलब है एक अच्छा दोस्त और रिश्तेदार होने का क्या मतलब।

अपने बच्चे को प्रदर्शित परिवार स्थितियों में सहायता के लिए पूछना करने के लिए कैसे। लोगों के शेयर उदाहरण। रोल प्ले परिस्थितियों में आपको मदद की जरूरत हो सकती है साथ अपने बालक को प्रस्तुत करते हैं।

सीखना विकलांग और सफलता # 6: तनाव को संभालने की क्षमता

सीखने विकलांग बच्चों सीखें कि कैसे करने के लिए, तो **तनाव को विनियमित और को शांत करने में,** वे ज्यादा बेहतर चुनौतियों को पार करने के लिए सुसज्जित किया जाएगा।

शब्दों का प्रयोग करें भावनाओं की पहचान करने और अपने बच्चे को विशेष भावनाओं की पहचान करना सीखने में सहायता करेगा।

अपने बच्चे को क्या शब्द वे तनाव का वर्णन करने के प्रयोग करेंगे पूछो। अपने बालक को पहचान करता है जब वह या वह जोर दिया अनुभव रक रही है?

अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें की पहचान करने और गतिविधियों है कि सहायता के खेल, खेल, संगीत की तरह तनाव को कम अथवा एक पत्रिका में लिखित रूप में हिस्सा लेने के लिए।

अपने बच्चे से पूछो गतिविधियों और स्थितियों उन्हें जोर देकर कहा है कि लग रहा है, वर्णन करने के लिए। परिदृश्यों पर विभाजित करें और कैसे तनाव और निराशा की भारी भावनाओं से बचा जा सकता है के बारे में बात करते हैं।

अपने बच्चे में तनाव को स्वीकार करते हुए

यह भिन्न-भिन्न तरीकों से तनाव प्रकट कर सकते हैं के बारे में पता होना जरूरी है। आपके बच्चे को बहुत अलग तरीके से व्यवहार आप जब वह तानव में है कर सकते हैं। तनाव के कुछ लक्षण अधिक स्पष्ट कर रहे हैं; आंदोलन, मुसीबत सो और चिंता है कि बंद नहीं होगे। बल्कि कुछ लोगों को बच्चों के नीचे बाहर शामिल-बंद, अंतरिक्ष, और जब जोर देकर कहा वापस लेने। यह इन इशारों को नजरअंदाज, इसलिए किसी भी व्यवहार साधारण से बाहर है कि बचाव का ध्यान रखें आसान है।

विकलांग टिप 4 सीखने के साथ बालकों क मदद करना; पर बल देना चाहिए स्वस्थ जीवन शैली का आदतों।

यह समान्य ज्ञान है कि शिक्षा शरीर सम्मिलित है और साथ ही मस्तिष्क, लेकिन अपने बच्चे के खाने, पीने की तरह लग सकता है, और व्यायाम की आदतों और भी अधिक महत्वपूर्ण से आपको लगता है हो सकता है। सीखने विलांग बच्चों सही भोजन और पर्याप्त नींद और व्यायाम मिल रहे हैं, वे बेहतर, धन केन्द्रित है, और कड़ी मेहनत करने में तत्पर हो जाएगा।

व्यायाम-व्याम शरीर के लिए केवल अच्छा नहीं है। यह 'मन के लिए रो अच्छा। नियमित शारीरिक गतिविधि मूड़, ऊर्जा और मानिसिक स्पष्टता में बड़ा अंतर पड़ता है। बाहर मिलता है, ले जाते हैं। और खेलने के लिए अपने सीखने विकलांग बच्चे को प्रोत्साहित करे। बल्कि अपने बच्चे को थका और विद्यालय से दूर ले जा रही है की तुलना में, नियमित रूप से व्यायाम वास्तव में उसे मानाने

NOTES

चेतावनी और दिन भर में चौकस में सहायता मिलेगी। व्यायाम भी तनाव और हताशा के लिए एक महान स्मारक है।

आहार–एक स्वस्थ, पोषक तत्व अमीर आहार अपने बच्चे को मदद करेगा। रो' वृद्धि और विकास। एक आहार साबुत अनाज, फल, सब्जियां और दुबला प्रोटीन से भरा में सहायता मिलेगी। मानसिक फोकस को बढ़ावा देने के। सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे को एक अच्छा नाश्ते के साथ दिन शुरू होता है हो सकता है औ नहीं करता हैं 'टी भोजन अथवा नाश्ते के बीच अधिक से अधिक 4 घंटे चले जाते हैं। यह मदद मिलेगी अपने अथवा अपने ऊर्जा का स्तर स्थिर रखने के।

नींद–विकलांगता या नहीं सीखना, अपने बच्चे को मुसीबत यदि वह अच्छी तरह से आराम किया नहीं है सीखने के लिए जा रहा है। बच्चे अधिक की आवश्यकता **नींद** वयस्कों की तुलना में है। औसत पर, preschoolers प्रति रात 11-13 घंटे से, मिडिल स्कूल के बालकों के बारे में 10-11 घंटे की जरूरत की जरूरत है, और किशोर और preteens 8 से जरूरत साढ़े 10 घण्टे। आप सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे को नींद वह या वह एक सेट सोनपे से लागू करने की आवश्यकता हो रही है। बनाने में मदद कर सकते हैं। प्रकाश ाके प्रकार के इलेक्ट्राफनिक स्क्रीन (कम्प्यूटर, टी.वी., आइपॉड और ipads, पोर्टेबल वीडियो प्लेयर आदि) द्वारा उत्सर्जित मस्तिष्क को सक्रिय कर रहा है। तो अगर आप भी बाहर कम से कम समस्त इलेक्ट्रॉनिक्स एक या दो घंटे का पावर बंद रोशनी से पहले से कर सकते है।

प्रोत्साहित स्वस्थ भावनात्मक आदतों

स्वस्थ शारीरिक आदतों के अतिरिक्त आप भी स्वस्थ भावनात्मक आदतों के लिए बच्चों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप की तरह, वे उनके सीखने की विकलांगता द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों से निराश हो सकता है। उनका गुस्सा, कुंठा, अथवा निराशा की भावनाओं को व्यक्त करने के लिए उनहें दुकानों देनें की कोशिश करें। सुनो, जब वे बात करते हैं और एक ऐसा माहौल अभिव्यक्ति के लिए खुला बनाना चाहते हैं। ऐसा करने से उन्हें अपनी भावनाओं के साथ कनेक्ट और अंततः कैसे को शांत करने और अपनी भावनाओं को विनियमित करेन के लिए सीखने में सहायता करेगा।

विकलांग टिप 5 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: अपने आप का ध्यान रखना भी कभी–कभी माता पिता का सबसे मुश्किल हिस्सा आप की देखभाल करेन के याद कर रहा है। यह है कि आपके बच्चे की आवश्यकता में

पकड़े करेन के लिए अपनी जरूरतों को भूलने जबकि आसान है। लेकिन आगर आप अपने आप को देखभाल नहीं है, आप जल के जोखिम को चलाते हैं।

यह आपके शरीरिक और भावनात्मक जरूरतों को पूर्ण करने, ताकि, आप अपने बच्चे के लिए एक स्वस्थ अंतरिक्ष में है। महत्वपूर्ण है। आप अपने बच्चे को मदद करने में सक्षम अगर आप परेशान कर रहे है। नष्ट हो, और भापनात्मक रूप से समाप्त नहीं किया जाएगा। जब आप शांत कर रहे है और ध्यान केन्द्रित दूसरे हाथ पर तो आप बेहतर अपने बच्चे के साथ जुड़ने और उसकी मदद करने में सक्षम हो अथवा उसके शांता हो सता है और भी जो दिया।

NOTES

आप एक तरह से उन्हें शामिल और मदद के लिए पूछना जब आपको उसकी जरूरत जानने के लिए मिल सकता है अपने पति अथवा पत्नी, दोस्तों और परिवार के सदस्यों को उपयोगी टीम के साथी हो सकता है।

खुद की देखभाल के लिए टिप्स

जाने कि कैसे तनाव का प्रबंधन अपने जीवन में। स्वयं को आराम और संपीड़ित के लिए दैनिक समय बनाओ।

संचार अपने पति या पत्नी, परिवार और दोस्तों के साथ खुला की तर्ज रखें। जब आपको जरूरत हो सहायता के लिए कहें।

अच्छी तरह से खाने, व्यायाम और पर्याप्त आराम हो रही द्‌वारा अपना ख्याल रखना।

एक सीखने विकार सहायत ासमूह में सम्मिलित हों। प्रोत्साहन और सलाह आप 'अन्य माता-पिता से प्राप्त करेंगे अमूल्य हो सकता है।

जब भी संभव हो दिन के लिए दिन के शैक्षणिक जिम्मेदारियों के लिए जिम्मेदारी के कुछ साझा करने के लिए शिक्षकों, चिकित्सक तथा ट्यूटर्स भर्ती।

परिवार और दोस्तों के अपने बच्चे की अधिगम विकलांगता के बारे में के साथ वार्तालाप

कुछ माता पिता अपने बच्चे की सीखने की विकलांगता एक गुप्त, जो यहां तक कि सबसे अच्छा इरादों के साथ, शर्म की बात है या अपराध की तरह लग सकता है रखने के लिए। जानने के बिना, विस्तारित परिवार और दोस्तों के विकलांगता समझते हैं अथवा लगता है कि अपने बच्चे के व्यवहार आलस्य अथवा सक्रियता से उत्पन्न कर रहा है नहीं हो सकता है। एक बार जब वे क्या हो रहा है के बारेमें पता कर रहे हैं वे अपने बच्चे की प्रगति का समर्थन कर सकते हैं।

परिवार के भतीर, भाई बहन महसूस कर सकते हैं कि उनके भाई अथवा बहन एक सीखने विकलांगता के साथ और अधिक ध्यान, कम अनुशासन और अधिमान्य उपचार हो रही है। यहा तक कि अगर अपने अन्य बालकों समझते हैं कि अधिगम विकलांगता विशेष चुनौतियों बनाता है, वे आसानी से जलन हो रही है या उपेक्षित महसूस कर सकते हैं। माता-पिता को अपने बच्चों है कि वे प्यार करता था कर रहे हैं के सभ आश्वस्त गृहकार्य में मदद प्रदान करके इन भावनाओं पर अंकुश लगाने के लिए, और एक सीखने विकलांग बच्चे के लिए कोई विशेष दिनचया में परिवार के सदस्यों को सम्मिलित करके कर सकते हैं।

घर पर 4.4 पर्यावरण

विकलांग छात्रों के स्कूल के अनुभवों सकारात्मक या नकारात्मक नजरिए तथा छात्र और कर्मचारी के व्यवहार से और सामान्य स्कूल नीतियों से प्रभावित किया जा सकता है। स्कूल सलाहकारों विकलांग छात्रों से संबंध में स्कूल जलवायु का आकलन करने और हस्तक्षेप की शुरुआत अथवा बदलाव के लिए वकालत जब उचित में बढ़त बनाने के कर सकते हैं। यह लेख कारकों हस्तक्षेप के कोशिशों के लिए विकलांग और सुझावों के साथ छात्रों के लिए सकारात्मक स्कूल, अनुभव बनाने में विचार करने के लिए एक सिंहावलोकन प्रदान करता है।

विकलांग व्यक्तियों अक्सर कलंकित कर रहे हैं, दोनों के कार्य में और दैनिक जीवन में व्यवहार और शारीरिक बाधाओं का सामना। हालांकि संघीय कानून (जैसे 1990 की अमेरिकी विकलांगता अधिनियम) विकलांग व्यक्तियों के निहित अधिकारों की रक्षा करता है कि कानूनू हेशा भेदभाव और पूर्वागब्रह की सक्ष्म रूपों से बचाने नहीं कर सकते। विकलांग के साथ स्कूल आयु के छात्रों को अक्सर अपने एक विलांगता होने से संबंधित नकारात्मक स्कूल अनुभवों, और स्कूल सलाहकारों, प्रशासकों और शिक्षकों को और अधिक सकारात्मक स्कूल अनुभव है कि उनके शैक्षिक, कैरियर तथा व्यक्तिगत/सामाजिक विकास को बढ़ावा देने बनाने के लिए कर सकते हैं। नजरिए और स्कूल स्टाफ के व्यवहार और छात्रों के साथ-साथ प्रणालीगत कारकों स्कूल से संबंधित जांच करके, अन्य स्कूल कमियों के सहयोग से विद्यालय सलाहकारों हस्तक्षेप के लिए क्षेत्रों को निध ारित और तदनुसार उत्तर कर सकते हैं।

विकलांग छात्रों के प्रति रुक्ष

पिछले 20 वर्षों के लिए, शोधकर्ताओं ने विकलांग व्यक्तियां की ओर पेशेवरों की एक किस्म के नजरिए की जांच की है। हालांकि अनेक शोधकर्ताओं ने

पाया कि सामान्य रूप में लोगों को विकलांग (Gething, Lacour, और व्हीलर, 1994; Yuker, 1994) के साथ व्यक्तियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण के अधि ाकारी, अधिकतर अनुसंधान सकारात्मक अथवा के रूप में व्यवहार पहचान के बिना प्रदान की एक और कने के लिए व्यक्तियों का सिर्फ एक ही समूह की तुलना नकारात्मक। स्कूल सलाहकारों और शिक्षकों के संबंध में, बहुत कम शोध पिछले 10 वर्षों में आयोजित किया गया हे, और कहा कि अनुसंधान के सबसे शिक्षकों पर ध्यान केन्द्रि करने तथा/या के रूप में विशेष रूप से विकलांग छात्रों के प्रति रवैया का विरोध करने के सम्मिलित किए जाने के प्रति रवैया की जांच की है, किया है। अनुसंधान का सारांश नीचे चलता है कि स्कूल कर्मयों और छात्रों विकलांग छात्रों की ओर थोड़ा नकारात्मक नजरिए के अधिकारी हो सकता है और विद्यालय सलाहकारों के नजरिए के लिए इस तरह, अगर नहीं की तुलना में ज्यादा सकारात्मक अन्य स्कूल कर्मियों के हैं कि।

NOTES

हाल के शोध से पता चलता है कि छात्रों और शिक्षकों के नि:शक्त छात्रों की ओर कुछ हद तक नकारात्मक नजरिए के अधिकारी, अथवा वे के रूप में से व्यक्तियों के लिए अलग तथा अवर विकलांग के बिना के साथ व्यक्तियों को देखना है कि (Gething एट, अल/1994)/1990 से 2000 के मध्य प्रकाशित शोध ा अध्ययन, विकलांग, नोविकी और Sandieson (2002) के साथ बालकों के प्रति रवैया की जांच के अपने मेटा-विश्लेषण से यह निष्कष निकाला है कि विकलांग बच्चों के बिना साधारणत: या तो शारीरिक या बौद्धिक विकलांग के बिना बच्चों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी। सके अतिरिक्त, McDougall, Dewit, राजा, मिलर और killip (2004) नि:शक्त छात्रों की ओर नौवें ग्रेड छात्रों के व्यवहार की जांच की और पाया कि, हालांकि बहुत नजरिए सकारात्मक करने के लिए के रूप में तटस्थ वर्गीकृत किया था, 20 से कुछ अधिक % नकारात्मक नजरिए था। उन्होंने यह भी पाया कि महिलाओं से थोड़ा ज्यादा सकारात्मक दृष्टिकोण से किया पुरुषों और छात्रों को, जो एक विकलांगता के साथ एक दोस्त अथवा सहपाठी था। विकलांग छात्रों के साथ सीधे संपर्क के बिना उन छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण था। आखिर में हेस्टिंग्स और Oakford (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों संज्ञानात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की ओर से व्यवहार और/या भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रों की ओर अधिक नकारातमक नजरिए के पास थी। पूर्व स्कूल पर और अन्य छात्रों पर एक और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था। हेस्टिंग्स और Oakford (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों व्यवहार और/या संज्ञानात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की ओर से भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रों की ओर अधिक

नाकरात्मक नजररिए के पास थी। पूर्व स्कूल पर और अन्य छात्रों पर एक और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था। हेस्टिंग्स और Oakford (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों व्यवहार और/या संज्ञज्ञनात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की ओर से भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रों की ओर अधिक नकारात्मक नजरिए के पास थी। पूर्व स्कूल पर और अन्य छात्रों पर एक और अधि‍क नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था।

विकलांग छात्रों की ओर विभिन्न पेशेवरों के व्यवहार की तुलना में, Yuker (1994) नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों, विशेष शिक्षा शिक्षकों, प्रशासकों तथा विकलांग छात्रों की ओर अन्य शिक्षकों के व्यवहार के मध्य कुछ मतभेद की सूचना दी। लेकिन वह राज्य नहीं कहा कि क्या उनके नजरिए की प्रवृत्ति सकारात्मक या नाकरात्मक हो। साथ ही, कार्नी और कोबिया (1994) परामर्शदाता शिक्षा स्नातक छात्रों के व्यहार की जांच की और पाया कि स्कूल परामर्श कार्यक्रम में छात्रों समुदाय परामर्श कार्यक्रम में छात्रों की तुलना में काफी ज्यादा सकारात्मक दृष्टिकोण है, लेकिन पुनर्सुधार परामर्श दात्रों की तुलनामें काफी कम सकारात्मक दृष्टिकोण था। फिर से, और अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ मनुष्यों है कि क्या वासतव में सकारात्मक दृष्टिकोण या बस कम नाकरात्मक नजरिए के पास स्पष्ट नहीं है। आखिरकार Milsom (2001) स्कूल सलाहकारों पाया Eichinger, रीजो द्वारा रिपोर्ट पूर्व सेवा शिक्षकों के समान ही विकलांग विद्यार्थी के प्रति रवैया है, और Sirotnik (1991)।

सम्मिलित किए जाने के बारे में दृष्टिकोण के संबंध में, Isaacs, ग्रीन और Valesky (1998) प्राथमिक स्कूल सलाहकारों सर्वेक्षण किया और पाया है ककि वे सम्मिलित किए जाने के बारे में कुछ हद तक सकारात्मक दृष्टिकोण था। इसके विपरीत, Praisner (2003) में पाया गया कि स्कूल प्रिंसिपलों के बहुत शमिल किए जाने की ओर या तो नकारात्मक या उभयभावी नजरिए था। वह पाया गया कि प्रिंसिपलों जो अधिक प्रशिक्षण पूर्ण किया था (दोनों पूर्व सेवा और सेवाकालीन) शामिल किए जाने और विशेष शिक्षा से संबंधित और अधिक अनुकूल व्यवहार किया था। विकलांग छात्रों के साथ पहले सकारात्मक अनुभव भी प्रिंसिपलों के मध्‍य शामिल किए जाने की ओर अधिक सकारातमक दृष्टिकोण में हुई।

Yuker और ब्लॉक (1986) की रिपोर्ट है कि विकलांग व्यक्तियों के प्रति रवैया सकारात्मक मुख्य धारा की ओर व्यवहार के साथ सहसंबद्ध होते हैं। हालांकि मुख्य धारा और सम्मिलित किए जाने धारणात्मक अलग हैं (गली देखते हैं, nd, इन अवधारणाओं की परिभाषा के लिए), दोनों नियमित शिक्षा कक्षाओं में विकलांग

के साथ छात्रों को एकीकृत करने के विचार से संबंधित है। वहाँ सम्मिलित किए जाने और विकलांग छात्रों के प्रति रवैया के बारे में दृष्टिकोण के बीच सकारात्मक सहसंबंध समर्थन करने के लिए कोई शोध है, हालांकि विकलांग और मुख्य धारा में लाने के प्रति रवैया के साथ छात्रों के प्रति रवैया के बीच सकारात्मक संबंध को देखते हुए यह संभावना है कि ऐसे रिश्ते हो सकता है लगता है।

NOTES

विकलांग व्यक्तियों के प्रति व्यवहार

सिर्फ इसलिए कि एक शिक्षक अथवा एक छात्र एक नकारात्मक रवैया के पास आवश्यक नहीं है कि व्यक्ति एक विकलांगता के साथ एक छात्र की ओर नकारात्मक कार्य करेगा। विचारों तथा कार्यों अक्सर पृथक कर रहे हैं; हालांकि, नकारात्मक नजरिए पूर्वाग्रह और भेदभाव (Millington, Strrohmer, रीड और स्पेंगलर, 1996) से जोड़ा गया है। वास्तव में, शिक्षकों जो नि: शक्त विद्यार्थियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण है कम उपलब्धि और उन छात्रों (बीएटी, एंडरसन और Antanak, 1997) और नकारातमक नजरिए विभिन्न तरीकों से में खुद को प्रकट कर सकते हैं।

Praisner (2003) ने सुझाव दिया कि स्कूल प्रिंसिपलों के नजरिए (पी 136) ''या तो छात्रों सामान्य शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया जा करने के लिए के लिए बढ़ा अवसरों में अथवा विशेष शिक्षा सेवाओं की अलग प्रकृति को कम करने के लिए सीमित कोशिशों में परिणाम सकता है। वह पाया या है सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रिंसिपलों से नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रिंसिपलों विकलांग छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा नयुक्तियों की अनुशंसा करने के लिए तथा अधिक संभावना थी। संक्षेप में, विकलांग के साथ छात्रों के लिए भविष्य के अवसरों एक मुख्य है जो एक नाकरात्मक रवैया के पास से प्रभावित किया जा सकता है। खासकर अगर उन छात्रों को रोका अथवा नियमित रूप से शैक्षिक पाठ्यक्रम (जैसे, बीजगणित) एक 4 साल कॉलेज में प्रवेश के लिए जरूरत को पूरा करने से हस्तोत्साहित किया जाता है।

एक स्कूल काउंसलर, जो नि:शक्त छात्रों की ओर एक नकारात्मक रवैया के पास की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा हो सकता है। तो, के रूप में हन्ना (1988) ने सुझाव दिया, शिक्षकों, जो नकारात्मक दृष्टिकोण है अक्सर विकलांग छात्रों को पढ़ाने के लिए अनिच्छुक रहे हैं, यह संभावना है कि स्कूल सलाहकारों जो नकारात्मक नजरिए विकलांग छात्रों के साथ सम्मिलित होने के लिए अनिच्छुक होगा लगता हैं पेशेवरों जो व्यक्तियों जो विकलांग उन व्यक्तियों अथवा ''अपने ग्राहकों के विकास के लिए उपेक्षा अवसर'' के साथ संपर्क से बचने के सकात है के साथ असहज

NOTES

महसूसू करते हैं। (बेकविथ और मैथ्यू, 1994, पी। 53) इस प्रकार, स्कूल सलाहकारों जो नि: शक्त विद्यार्थियों के साथ असहज महसूसू करते हैं। व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम बैठकों में भाग लेने से बचने के लिए चुन सकते हैं और/या उन छात्रों के संबोधित करेन के लिए अन्य स्कूल कर्मियों पर विश्वास कर सकते हैं। शैक्षिक, कैरियर, और व्यक्तिगत/सामाजिक जरूरतों। इसके अलावा, बोवेन और ग्लेन (1998) ने सुझाव दिया कि विकलांग छात्रों के विरुद्ध स्कूल काउंसलर पूर्वाग्रह एक स्कूल परामर्शदाता विकलांग छात्रों के लिए कम उम्मीदों होने में परिणाम सकता है। इस अर्थ में, स्कूल परामर्शदाता विलांग छात्रों के लिए कम उम्मीदों होने में परिणाम सकता है। इस अर्थ में, स्कूल सलाहकारों जिसका व्यवहार उनके नकारात्मक दृष्टिकोण के अनुरूप अध्ययन के एवं अधिक ठोर पाठ्यक्रमों संभवत: उनके भविष्य के करियर विकल्प को सीमित करने से नि: शक्त छात्रों को हतोत्साहित कर सकते हैं कर रहे हैं। वास्तव में, Janiga तथा Costenbader (2002) सूचना विकलांग छात्रों को सबसे अधिक बार व्यावसायिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस अर्थ में, स्कूल सलाहकारों जिसका व्यवहार उनके नकारात्मक दृष्टिकोण के अनुरूप अध्ययन के और ज्यादा कठोर पाठ्यक्रमों संभवत: उनके भविष्य करियर विकल्प को सीमित करने से नि:शक्त छात्रों को हतोत्साहित करर सकते हैं कर रहे हैं। वास्तव में, Juniga और Costenbader (2002) सूचना विलांग छात्रों को सबसे अधिक बार व्यावसायिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस आशय में, स्कूल सलाहकाररों जिसका व्यवहार उनके नाकरात्मक दृष्टिकोण के अनुरूप अध्ययन के और अधिक कठोर पाठ्यक्रमों, संभवत: उनके भविष्य के करियर विकल्प को सीमित करने से नि:शक्त छात्रों को हतोत्साहित कर सकते हैं। कर रहे हैं। वास्तव में, Janiga और Costenbader (2002) सूचना विकलांग छात्रों को सबसे ज्यादा बार व्यावसायिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

शिक्षकों जो नि: शक्त छात्रों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण है कम उपलब्धि ा तथा उन छात्रों से अनुचित व्यवहार की उम्मीद करते हैं।

छात्र विकलांग अपने साथियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण से संबंधित व्यवहार भी जांच करने के लिए महत्वपूर्ण है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की, छात्रों को नि: शक्त (नोविकी और Sandieson, 2002) के बिना साथियों के साथ बातचीत के पसंद करते हैं, और कहा कि खोज से संबंधित, Heinrichs (2003) ने इशारा दिया कि विकलांग छात्रों अधिक अस्वीकृति का अनुभव साथियों द्वारा की तुलना में विकलांग के बिना छात्रों से करते हैं। विकलांग छात्रों की ओर निर्देशित धमकाने

वाला सामान्य है, और Heinrichs कि इन छात्रों में से, संज्ञानात्मक व्यवहार, और/या शारीरिक मतभेद इनहें "आसान लक्ष्य" (पी। 196) बनाने का सुझाव दिया। धमकाना अनेक रूपों ले सकते हैं, तथा अस्वीकृति लंबे समय तक चलने प्रभाव (बीस और स्कॉट, 2001) हो सकता है।

NOTES

नकारात्मक नजरिए और व्यवहार से संबंधित छात्र परिणामों

विकलांग व्यक्तियों अक्सर नकारात्मक नजरिए (Brillhart, जे, और Wyrs, 1990) भली। इसके अतिरिक्त नकारात्मक नजरिए और दूसरों के कार्यों को नकारात्मक रूप से विकलांग (Yuker, 1994), क्योंकि उनके आत्म धारणा बहुत नजरिए तथा दूसरों की अपेक्षाओं से प्रभावित हैं के साथ व्यवहार, सामाजिक संबंधों, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और व्यक्तियों के (Oermann प्रभावित कर सकते हैं और लिंड्ग्रेन, 1995)। उदाहरण के लिए, यदि शिक्षकों विकलांग छात्रों से शैक्षणिक उपलब्धि और उचित व्यवहार के मामले में कम उमींदें हैं (बीएटी एट अल। 1997) तो उन छात्रों अधिक अपेक्षा के अनुरूप व्यवहार करने की संभावना हो सकती है। यही कारण है कि वे अनुचित व्यवहार प्रदर्शन तथा स्कूल मे कम कोशिश डाल सकता है, है।

मदीना और लूना (2004) मैक्सिकन अमेरिकी छात्रों के अनुभवों विशेष शिक्षा में दाखिला लिया और नकारात्मक शैक्षिक और सामाजिक व्यक्तिगत/परिणामों की सूचना दी का पता लगाया। छात्रों, शिक्षकों के माध्यम अपमान महसूसू कर सूचना दी संकेत दिया है कि शिक्षकों को विकलांग के बिना उनके साथियों दवारा उन पर निर्देशित अपमानजनक टिप्पणियां नोटिस नहीं किया था और बताया कि वे विश्वास नहीं था कि उनके शिक्षकों उनके बारे में परवाह। उन्होनें यह भी लग रहा है "अलगाव की भावना, उदासीनता तथा उनकी कक्षाओं, शिक्षकों और सहपाठियों के बारे में चिंता" (मदीना और लूना, पी। 15) की सूचना दी। इसी तरह, Rodis, Garrod, और Bascardin (2001) की रिपोर्ट है कि नि: शक्त छात्रों को ज्यादातर महसूस किया दोनों शिक्षकों और साथियों के माध्यम से गलत समझा।

सभी छात्रों के लिए, नकारात्मक नजरिए तथा व्यवहार साथियों द्वारा प्रदर्शित लंबे समय तक चलने प्रभाव हो सकता है।

सभी छात्रों के लिए, नकारात्मक नजरिए तथा व्यवहार साथियों द्वारा प्रदर्शित लंबे समय से स्थायी प्रभाव हो सकता हैं धमकी और रिलेशन्ल आक्रामकता हाल पेशेवर साहित्य में संबोधित किया गया है, तथा परिहार या विकलांग के साथ छात्रों की अस्वीकृति अपने साथियों के साथ ही संभावित शारीरिक या मौखिक आक्रामकता

NOTES

से उन्हें की ओर निर्देशित बदमाशी के रूप में दखो जाना चाहिए और इस तरह के रूप में संबोधित किया। कई नकारात्मक परिणामों बदमाशी (सील एंड यंग, 2003) से जुड़े हुए हैं, और सामान्य परिणामों शैक्षिक समस्याओं, अनुपस्थिति, अकेलापन और मित्र (रॉबर्टस् एंड Coursol, 1996) की हानि सम्मिलित हैं।

व्यवहार को समण्ना

नकारातमक नजरिए और विकलांग के साथ अपने साथियों की ओर छात्रों के व्यवहार में अनेक कारणों से हो सकता है, लेकिन अनुभवजन्य अनुसंधान कसी भी विशिष्ट कारणों की पहचान नहीं की है। फिर भी, छात्र व्यवहार का आकलन करने के लिए किसी भी विद्यालय आधारित हस्तक्षेप को लागू त्रकरने से पूर्व महत्वपूर्ण है। Salend (1994) sociograms, प्रत्यक्ष अवलोकन, और औपचारिक व्यवहार आकलन सहित विकलांग, के साथ छात्रों की ओर नियमित शिक्षा छात्रों के व्यवहार का आकलन करने के लिए तरीके का एक नंबर की पहचान की।

हालांकि अनुसंधान नकारात्मक छात्र व्यवहार के लिए वजहों की पहचान करने दुर्लभ है, निः शक्त छात्रों की ओर शिक्षकों की ओर से नकरात्मकता के लिए स्पष्टीकरण के एक नंबर का प्रस्ताव हैं अनुसंधान पूर्व से उद्धृत (यानी Praisner, 2003) पता चलता है कि एक कारण स्कूल कर्मियों विकलांग छात्रों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण के अधिकारी हो सकता है कि वे उन व्यक्तियों के बारे में अधिकतर प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया था और इसलिए प्रभावी रूप से विकलांग छात्रों के लिए सेवाएं प्रदान करेन के लिए तैयार नहीं लग रहा है। इस विषय लगातार दोनों स्कूल सलाहकारों और शिक्षकों से संबंधित साहित्य में उभरा है। स्कूल Milsom (2002) दवारा सर्वेक्षण किया सलाहकारों से पूर्व स्कूल सलाहकारो के रूप में कार्यरत किया जा रहा करने के लिए कम से कम औपचारिक विकलांग छात्रों से संबंधित प्रशिक्षण पूरा करने की सूचना दी है और संकेत दिया कि वे कुछ हद तक विकलांग छात्रों के लिए सेवाएं प्रदान करेन के लिए तैयार महसूस किया। साथ ही Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग विद्यार्थियों के साथ काम करने के कारण वे ज्ञान के अधिकारी नहीं था अथवा सक्षम महसूसू बल दिया महसूस किया। अंत में Pavri (2004) में पाया गया है कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के किसको विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोई पूर्व सेवा प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्राप्त किया। वास्तव में, विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी। Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग छात्रों क साथ काम करेन के वजह वे ज्ञान

के अधिकारी नहीं था अथवा सक्षम महसूस बल दिया महसूसू किया। अंत में, Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों की विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोइ पूर्व सेवा प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्रापत किया। वास्तव में, विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था। नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी। Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग छात्रों के साथ काम करने के कारण वे ज्ञान के अधिकारी नहीं था अथवा सक्षम महसूस बल दिया महसूस किया। अंत में, Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोई पूर्व सेवा प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्राप्त किया। वास्तव में विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था। नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी।

NOTES

महसूस कर तैयार नहीं करने के अतिरिक्त, स्कूल कर्मियों भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन पर रखा मांगों को सम्मुख करना पड़ता है। विकलांगता कानून (जैसे, विकलांग शिक्षा अधिनियम के साथ व्यक्तियों) और कोई बाल वाम पीछे, सिस्टम है, जिसमें स्कूल कर्मियों छात्र परिणामों के लिए उत्तरदायी आयोजित कर रहे है बनाने सहित वर्तमान शैक्षिक सुधारों। Forlin (2001) में पया गया कि शिक्षकों को तनाव का उच्च स्तर की सूचना दी। जब वे व्यक्तिगत रूप से विकलांग छात्रों की शैक्षिक परिणामों के लिए उत्तरदायी आयोजित की जाएगी महसूस किया शिक्षकों ने भी चिंतित है कि अधिक समय विकलांग छात्रों की आवश्यकताओं को संबोधित खर्च उनके होने में कम समय में परिणाम विकलांग के बिना छात्रों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। "तनाव के उच्चतम स्तर पर एक शिक्षक की व्यक्तिगत प्रतिबद्धा से उनकी कक्षाओं में समस्त छात्रों के लिए प्रभी शिक्षण बनाए रखने के लिए आते दिखाई देते हैं।" Forlin, पी। 242)।

इस प्रकार , जाहर है, नकारात्मक नजरिए शिक्षकों, जो छात्रों के बारे में और के बारे में प्रभावी रहा है, लेकिन जा अपने काम के लिए पर थोड़ा नियंत्रण या समर्थन हो सकता है परवाह चिन्हित करने के लिए लग रहे हैं। तनाव तथा हताशा स्वाभाविक परिणाम, ऐसी स्थितियों में होने लगते हैं। यह संभावना है कि शिक्षकों के बहुमत अधिक सकारात्मक अगर वे विकलांग तथा उन छात्रों के साथ काम करने के लिए प्रभावी रणनीति के साथ छात्रों के बारे में अधिक ज्ञान था होगा।

हस्तक्षेप के नजरिए में सुधार करने के लिए विकलांग छात्रों के लिए अधिवक्ताओं के रूप में, स्कूल सलाहकारों, उनके भवनों में बढ़त बनाने के लिए

NOTES

सुनिश्चित करने के लिए कि इन विद्यार्थीं को सकारात्मक स्कूल अनुभव भविष्य के शैक्षणिक और कैरियर की सफलता के लिए कौशल का विकास, सामाजिक कौशल विकसित और भावनात्मक स्वास्थ्य का आनंद तैनात है। कार्यक्रमों की एक संख्या स्कूल कर्मियों के प्रशिक्षण आवश्यकतों को पूरा करने और सभी छात्रों के बीच सकारात्मक बातचीत की सुविधा के लिए एक प्रयास में शुरू किया जा सकता है। आत्म जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है, यद्यपि और स्कूल सलाहकारों समय देने के लिए ईमानदारी से अपने स्वयं के विश्वासों का आकलन करने के से लाभ उठा सकते के बारे में और स्वीकार करने या स्कूल आधारित हस्तक्षेप पर काम करने के लिए स्वयं सेवा करने से पहले विकलांग छात्रों के प्रति व्यवहार। स्कूल सलाहकारों जो नाकरात्मक दृष्टिकोण के अधिकारी (Milsom देखने के व्यावसायिक विकास गतिविधियों में हिस्सा लेने की सोच सकते हैं, 2002) अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को संबोधित करने के। क्योकि स्कूल सलाहकारों के साथ नि:शक्त छात्रों को एक पेशेवर, नैतिक और multiculturally सक्षम स्कूल काउसंलर के महत्वपूर्ण गुणों के रूप में देखी जा सकती है काम कर की ओर से समस्त छात्रों, आराम और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं।

लक्ष्य निर्धारण स्कूल कार्मिक

अनेक स्कूल कर्मियों द्वारा पूरा विकलांग छात्रों से संबंधित प्रशिक्षण के सीमित मात्रा को देखते हुए, और अनुसंधान सुझाव है कि अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण उचित पूर्व सेवा शिक्षा के अधिक से अधिक मात्रा के साथ जुड़े रहे दिए गए, इन-सेवा अथवा अन्य व्यावसायिक विकास गतिविधियों के रूप में देखी जा सकती है एक महत्वपूर्ण विकलांग छात्रों के लिए सकारात्मक स्कूल अनुभव बनाने से संबंधित हस्तक्षेप। Praisner (2003) नियमित रूप से शिक्षा छात्र शिक्षक पर्यवेक्षकों के मध्य नि:शक्त छात्रों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी व्यावसायिक विकास सेमिनार पाया। हालांकि, अन्य शोधकर्ताओं एक विशिष्ट सामग्री क्षेत्र की पहचान करने की सिफारिश की है (जैसे), नि: शक्त छात्रों को शिक्षक व्यावसायिक विकास के लिए के रूप में महत्वपूर्ण के लिए व्यवहार उपायों।

कई शोधकर्ताओं (लिबरमैन, जेम्स और Ludwa, 2004; Pavri, 2004; Schepis, रीड Owenbey तथा Clary, 2003) की सिफारिश की है कि स्कूल स्टाफ विकलांग के बिना और छात्रों विकलांग छात्रों के बीच सहकारी संबंधों को बढ़ावा देने में सहायता करने के लिए प्रशिक्षित किया जा। उनहोंनेंने सुझाव दिया कि इन छात्रों के मध्य सफल बातचीत अक्सर प्राकृतिक रूप से नहीं होती है, और

शिक्षकों अगर वे विकलांग छात्रों को अपने साथियों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े करना चाहते हैं प्रभावी तरीके से बातचीत की सुविधा के लिए सक्षम होना चाहिए। साथ ही, Salend (1994) ने संकेत दिया नियमित रूप से शिक्षा कक्षाओं में विकलांग छात्रों के लिए है कि सफल सम्मिलित किए जाने छात्रों विकलांग छात्रों के बीच सहकारी बातचीत की जरूरत है।

NOTES

Parvi (2004) में पाया गया कि दोनों सामान्य और विशेष शिक्षा के शिक्षकों की शुरुआत और विकलांग के बिना तथा छात्रों विकलांग छात्रों के बीच सहकारी सामाजिक संबंधों का समर्थन करने के लिए विचारों की जरूरत है। साथ ही अपने अनुसंधान Scheois एट अइल के द्वारा (2003) में पाया गया कि पूर्वस्कूली शिक्षकों जो एक पेशेवर विकास प्रशिक्षण उन्हें छात्रों बातचीत और विकलांग छात्रों विकलांग के बिना उन लोगों के मध्य पारस्परिक बातचीत में वृद्धि करने में सक्षम थे की सहायता करने के लिए रएनीति दे के लिए बनाया पूरा किया। समय के साथ छात्र बातचीत में वृद्धि हुई दोनों जब शिक्षकों को उपस्थित थे और जब वे नहीं थे, सुझाव ह कि शिक्षकों को इन छात्रों के मध्य सहकारी संबंधों की सुविधाके लिए सीख सकते हैं और विद्यार्थी को अगर वे अवसरों और/अथवा प्रोत्साहन के साथ प्रदान की जाती हैं कैस बातचीत करने के लिए सीख सकते हैं कि व्यावसायिक विकास गतिविधियों को भी कक्षा में शिक्षकों की सहायता करने के लिए बनाया जा सकता है। वॉन (2002) और कॉर्बेट (2001) सुझाव स्कूलों बेहतर सभी शिक्षाथियों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं कि अगर शिक्षकों तरीके कि सीखने के लिए किसी भी कक्षा में उपस्थित शैलियों की सीमा को फायदा होगा में कक्षा के सबक को संशोधित करने के बारे में जानें। नि: शक्ते छात्रों को सिर्फ छात्रों को, जो शिक्षा और मूल्यांकन के रचनात्मक तरीकों से लाभ उठा सकते नहीं हैं, और शिक्षकों को शायद मददकर रहा तरह वे सामान्य रूप में शिक्षण दृष्टिकोण विकलांग छात्रों को समायोजित करने के लिए होने से संबंधित कम हताशा का परिणाम देगाा reframe। स्कूल प्रिंसिपलों मॉडल कर सकते हैं या नवीन तकनीकों (डोयल, 2002) में अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के कोशिशों में सह सिखाने।

यह संभावना है कि शिक्षकों के बहुमत अधिक सकारात्मक अगर वे विकलांग और उन छात्रों के साथ छात्रों क बारे में अधिक ज्ञान था होगा।

कैसे स्कूल सलाहकारों, जो भी इस तरह की सामग्री के सीमित ज्ञान हो सकता है कर सकते हैं, इस प्रक्रियो मे नेतृत्व की भूमिका किसी भी प्रकार ले? पहला वे प्रशासकों के ध्यान में इस सामग्री क्षेत्र में प्रशिक्षण और समर्थन की जरूरत पर लाने के लिए और वकालत कि सेवाकालीन समय विकलांग छात्रों के

NOTES

साथ काम करने के लिए प्रभावी प्रथाओं को संबोधित करने के लिए समर्पित किया जा सकता है। स्कूल सलाहकारों तो समन्वयकों तथा सहयोगियों के रूप में काम कर सकते हैं व्यक्तियों जो प्रशिक्षण के इस प्रकार प्रदान कर सकते हैं की पहचान। विकलांग छात्रों के बारे में सीमित ज्ञान के साथ विद्यालय सलाहकारों भी इस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीख संभावना होगी।

छात्रों के साथ हस्तक्षेप

शिक्षक सहायता करने के लिए छात्रों को सहकारी संबंधों को विकसित करने, और अनुसंधान विकलांग अपने साथियों की ओर छात्र व्यवहार की जाँच है कि विकलांग छात्रों के साथ संपर्क सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म दे सकता का सुझाव दिया है के लिए उत्साहित किया जा रहा है। वास्तव में लिबरमैन एट अल। (2004) ने कहा कि छात्रों की समझ और विकलांग छात्रों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करने सिर्फ प्रभावी तरीका है नि: शक्त छात्रों के साथ सकारात्मक संपर्क। इसलिए, छात्र बातचीत एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, और संरचित गतिविधियों छात्रों का सफलतापूर्वक एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए कौशल के विकास सहायता करने के संबंध में सिफारिस की गई है। विशिष्ट सुझाव के एक नंबर साहित्य में प्रदान किया गया है।

सेलिसबरी, Gallucci, Palombaro, और पेक (1995) के साथ और विकलांग के निबा छात्रों के मध्य सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए सिफारिश प्रदान की है। अपनी सूची में शामिल सहकारी शिक्षण समूहों जो वे विकलांग छात्रों के लिए दोनों सामाजिक और शैक्षणिक लाभ प्रदान कर सकता है इशोर दिया थे। साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया है कि शिक्षकों को विद्यार्थियों विकलांग छात्रों से संबंधित चिंताओं के लिए एक आवाज प्रदान करने के लिए और उनहें समझ या सहानुभूति विकसित करने में सहायता करने के लिए सहयोगी समस्या को सुलझाने के (जैसे, नियमित रूप से कक्षा बैठकों के माध्यम से) में छात्रों को व्यस्त हैं। विशेष रूप से छात्रों को जो एक विकलांगता एक खास रूप से व्यवहार कर के साथ एक छात्र के लिए संभावित कारणों उत्पन्न करना होगा कि छात्र के लिए का एक बड़ा समझ और सहानुभूति का विकास हो सकता है सहकर्मी ट्यूटर्स भी दोनों एक रूप से अकादमिक विकलांग छात्रों की सहायता करने के लिए और छात्रों के बीच सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देने के रूप में सुझाव दिया गया था। आखिर में सेलिसबरी एट अल। एक प्रभावी तरीका के रूप में शिक्षकों से सिफारिश की मॉडलिंग छात्रों को पढ़ाने कैसे बातचीत करने के लिए करने के लिए। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत

NOTES

देश के द्वारा अन्य छात्रों के लिए न सिर्फ कि छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक आंख दृश्य नुकसान है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाई आंख) लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत देख के द्वारा अन्य छात्रों के लिए न केवल कि छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक दाएँ आंख दृश्य नुकसान है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाईं आंख), लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक दाएँ आंखे दृश्य नुकसार है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाई आंख) लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे।

रिसर्च विकलांग अपने साथियों की ओर छात्र व्यवहार की जांच के नि:शक्त छात्रों के साथ है कि संपर्क का सुझाव दिया है सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म दे सकता है।

एक दूसरे के साथ मिलकर बीताचीत करने में सक्षम होने के अतिरिक्त छात्रों को सामान्य रूप में विविधता के लिए का प्रशंसा पाने से लाभ होता है Heinrichs (2003) सुझाव स्कूलों में मदद कर सकते है कि छात्रों को सहानुभूति और क्रोध प्रबंधन कौशल शिक्षण और सामान्य पाठ्यक्रम के माध्यम से दूसरों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने से अंतर के लिए सहिष्णुता तथा सम्मान का विकास। चरित्र शिक्षा उपलब्ध प्रोग्राम के अलग प्रकार के एक आधार है जहाँ से विचार विमर्श और गतिविधियों विकलांग छात्रों के लिए विशिष्ट सम्मिलित किया जा सकता के रूप में इस्तममाल किया जा सकता।

स्कूल सलाकारों छात्रों के साथ सीधे सेवा गतिविधियों के माध्यम से समान एजेंडा (यानी, विविधता तथा सहयोग) को बढ़ावा देने क कर सकते हैं। दोनों छोटे समूह और कक्षा मार्गदर्शन गतिविधियों के साथ और विकलांग के बिना छात्रों के मध्य मतभेद और बातचीत के लिए सम्मान को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही स्कूल सलाहाकारों सहकर्मी ट्यूशन कार्यक्रमों के समन्वयको के रूप में सेवा तथा कक्षा आधारित गतिविधियों के कार्यान्वयन में शिक्षकों के साथ सहयोग कर सकते हैं।

स्कूल-व्यापी विचार

प्रोग्रामिंग के किसी भी प्रकार के सफल क्रियान्वयन के प्रशासकों और स्कूल कर्मियों से सहकारी कोशिशों के समर्थ पर निर्भर करता है। वॉन (2002) ने सिफारिश की कि स्कूलों तथा प्रक्रियाओं के साथ-साथ नीतियों (विकलांग छात्रों के बारे में यानी, नजरिए और विश्वासों) उनकी संस्कृतियों का आकलन करने के समय करते हैं। नकारात्मक संदेशों अनजाने भाषा अथवा प्रक्रियाओं के माध्यम से छात्रों को नहीं भेजी जा सकती है। उदाहरण के लिए स्कूलों है कि विभिन्न विकलांग छात्रों विशेष तौर (जैसे, विशेष शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए विशेष डिप्लोमा जार करने) बजाय स्वीकार करते हैं कि समस्त छात्रों को अलग ढंग से जानने के लिए अनजाने उन छात्रों है कि वे अन्य छात्रों की तुलना में कम योग्य हैं से वर्तालाप कर सकते हैं। छात्र स्कूल कर्मियों की मान्यताओं के प्रेमी है तब भी जब उन मान्यताओं verbalized नहीं कर रहे हैं। शिक्षकों चाहिए "व्यक्तिगत प्रतिबद्धता, आशा तथा आशावाद के उच्च स्तर दिखाने (Attfield और विलियम्स, 2003, पृ। 32) इतना है कि छात्रों को अपनी आकांक्षाओं को सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए आमंत्रित और कॉलेज मेलों में भाग लेने के या कॉलेज के लिए रजिस्टर छात्रों को प्रोत्साहित करने के द्‌वारा प्रवेश परीक्षा, स्कूल कर्मियों उनका विश्वास है कि सभी छात्रों के पश्चात माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ाने का अधि ाकार है संवाद।

बाहर किया जा रहा से विकलांग छात्रों को रोकने के लिए एक और कोशिश में स्कूल कर्मियों स्कूल के नियमों के अपने प्रवर्तन पड़ताल करनी चाहिए। सभी छात्रों को स्कूल के नियमों का पालन करने की कोशिश की जानी चाहिए और अनुशासनात्मक कार्रवाई न्यायसंगत होना चाहिए (सेलिसबरी एट अल। 1995)। धमकी और चिढ़ा संभावना पीछो जब कुद छात्रों को दूसरों की तुलना में विभिन्न मानकों करने के लिए आयोजित कर रहे हैं। इसी तरह दोनों व्यवहार और शिक्षाविदों के संबंध में सभी छात्रों के लिए अधिक उम्मीदें (कॉर्बेट, 2001;। सेलिसबरी एट अल) के छात्रों को मदद मिलेगी विकलांग की संभावनाओं को वास्तविकता के साथ और सहायता अन्य छात्रों के एक समझ है कि विकलांग छात्रों हर में विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं है विकसित उनके जीवन का क्षेत्र।

अंत में schoolwide पहल को बढ़ावा देने विविधता का जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है (kugelmass, 2001)। उदाहरण के लिए छात्र परियोजनाओं स्कूल की गतिविधियों और दीवारों पर कलाकृति पर प्रकाश डाला जा सकता है। McDougall एट अल। (2004) स्कूल आधारित कार्यक्रमों है कि

बजाय समस्त छात्रों को प्रेतियोगिता के साथ-साथ प्रोग्राम हैं जो सम्मान और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सफलता पर जो के कार्यान्वयन की सिफारिश की।

NOTES

4.5 निष्कर्ष

स्कूल सलाहकारों उनके प्रशिक्षण से आकर्षित कर सकते हैं तथा आचरण के मूल्यांकन की जरूरत है क्रम में विकलांग छात्रों के लिए सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए परिवर्तन के लिए क्षमता, व्यवस्थित कार्यक्रम संबंधी और व्यवहार क्षेत्रों की पहचान करने। अन्य स्कूल कर्मियों के सहयोग से वे स्कूल नीतियों कि समस्त छात्रों के लिए न्यायसंगत परिणामों में सम्मान, अधिक उम्मीदें, और ब्याज संवाद स्थापित करने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने यह भी विकलांग छात्रों के साथ काम करने के संबंध में स्कूल कर्मियों के लिए चल रहे व्यावसायिक विकास के महत्व को प्रशासकों के ध्यान में ला सकते हैं। यह प्रत्यक्ष सेवाओं के छात्रों के लिए अथवा शिक्षकों के सहयोग से की पेशकश की के माध्यम से हो या नहीं स्कूल सलाहकारों कोशिश कर सकते हैं छात्रों को सफलतापूर्वक उनसे बातचीत करने के लिए और संबंधित कौशल विकलांग छात्रों के लिए प्रशंसा का विकास। आखिरकार अधिक उम्मीदें संवाद स्थापित करने और सहायता प्रदान करके, स्कूल सलाहकारों की सहायता कर सकते हैं विकलांग छात्रों को समझते हैं कि उनके विकलांग अपनी आकांक्षाओं को सीमित करने के कारणों नहीं होना चाहिए।

Scis हमेशा तुरंत पहचानने योग्य नहीं हैं। निम्नलिखित चोटों रीढ़ की हड्डी को संभावित नुकसान के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए:

- सिर की चोटों विशेष रूप से सामना करने के लिए आघात के साथ उन
- श्रोणि भंग
- रीढ़ की हड्डी के क्षेत्र में चोटों मर्मज्ञ
- ऊंचाई से गिरने से चोट लगने की घटनाएँ

इन चोटों के कोई भी लक्षण (तीव्र सिर, गर्दन अथवा पीठ दर्द जैस कि ऊपर उल्लेख से किसी के साथ एक साथ होते हैं, हाथ पैरों में महसूस की गिरावट शरीर का भाग पर नियंत्रण की कमी, मूत्र या आंत्र समस्याओं, चलने में परेशानी दर्द या छाती क्षेत्र में दबाव बैंड, साँस लेने के कठिनाई सिर अथवा रीढ़ गांठ) तो एससीआई फंसा हो सकता है।

एक एससीआई ध्यान से किया जाना चाहिए होने का संदेह एक व्यक्ति को आगे चोट रीढ़ एक आपातकालीन कमरे अथवा ट्रॉमा सेंटर स्थिर करने के लिए रखा जाना चाहिए जाया करने से रोकते है। एक डॉक्टर दुर्घटना की प्रकृति का निध ाारण व्यक्ति पर सवाल खड़ा होगा, तथा मेडिकल स्टाफ संवेदी समारोह और आंदोलन के लिए रोगी का परीक्षण कर सकते हैं। घायल व्यक्ति गर्दन में दर्द की शिकायत है तो पूर्ण रूप से जाग रही है या कमजोरी या न्यूरोलॉजिकल चोट के साफ चिहन हैं, नैदानिक परीक्षण प्रदर्शन किया जाएगा।

इन परीक्षणों सम्मिलित हो सकते हैं

• एक सीटी (''बिल्ली'') स्कैन। यह दृष्टिकोण कम्प्यूटर का उपयोग करता पार अनुभागीय छवियों कि स्थान तथा नुकसान की मात्रा दिखाने के लिए और इस तरह के खून के थक्के (रक्तगुल्म) के रूप में समस्याओं प्रकट हो सकता है कि एक श्रृंखला बनाने के लिए।

• एक एमआरआई (चुबकीय अनुनाद इमेजिंग) स्कैन। एक एमआरआई मशीन घायल क्षेत्र के एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और रेडियों तरंगों का उपयोग करते हुए ''एक तस्वीर लेता है''। एक कंम्प्यूटर रीढ़ हर्नियेटेड डिस्क तथा अन्य असमान्यताओं का खुलासा करेन के लिए की एक छवि बनाता।

• एक myelogram/ यह रीढ़ की हड्डी एक डाई के पश्चात ही लिया की एक एक्स-रे इंजेक्ट किया जाता है।

• somatosensory क्षमता (SSEP) परीक्षण या चुंबकीय उत्तेजना उत्पन्न की। इन परीक्षणों प्रदर्शन तंत्रिका संकेतो रीढ़ की हड्डी के द्वारा पारित कर सकते हैं यदि दिखा सकते हैं।

• रीढ़ एक्स-रे ये रीढ़ की हड्डियों के फ्रैक्चर अथवा नुकसान दिखा सकते हैं।

चोट के बाद तीसरे दिन के बारे में पर, डॉक्टर मरीजों चोट की गंभीरता का निदान करने के लिए एक पूर्ण तंत्रिका विज्ञान की परीक्षा में सुधार के होने की संभावना हद तक भविष्यवाणी देने के लिए और। इस मरीज की मांसपेशियों की शक्ति और हल्के स्पर्श और एक चिढ़ को अनुभव करने की क्षमता शामिल है। डॉक्टरों इस निदान के लिए मानक एशिय (अमेरिका रीढ़ की हड्डी में चोट एसोसिएशन) हानि स्केल का उपयोग करें। एक्स-रे एमआरआई या अधिक उन्नत इमेजिंग तकनीक भी रीढ़ की हड्डी की पूर्ण लंबाई कल्पना करने के लिए उपयोग किया जाता हैं

एशिया हानि स्केल, पाँच वर्गीकरण स्तर है प्रभावित क्षेत्र में तंत्रिका समारोह का पूर्ण नुकसान से लेकर पूरी तरह से सामान्य:

NOTES

• एक हानि पूरा हो गया है। कोई मोटर अथवा संवेदी समारोह चोट के स्तर के नीचे छोड़ दिया है।

• बी: नुकसान अधूरा है। संवेदी समारोह, लेकिन नहीं मोटर समारोह, तंत्रिका संबंधी स्तर (चोट के स्तर से ऊपर पहले सामान्य स्तर) के नीचे संरक्षित है और कुछ सनसनी चित्र1 खंडों एस 4 और S5 में संरक्षित है।

• सी: हानि अधूरा है। मोटर समारोह तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे सरंक्षित है बल्कि तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे कुंजी मांसपेशियों के आधे से अधिक एक मांसपेशी ग्रेड है कम से कम 3 (यानी वे काफी मजबूत गुरूत्वाकर्षण के विरूद्ध स्थानांतरित करने के लिऐ नहीं है)।

• डी: हानि अधूरा है। मोटर समारोह तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे संरक्षित है, और तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे कुंजी मांसपेशियों के कम से कम आधे के 3 अथवा उससे अधिक (यानी, जोड़ों संबंधी स्तर से नीचे कुंजी मांसपेशियों के कम से कम आधे के 3 अथवा उससे अधिक (यानी जोड़ो गुरूत्वाकर्षण के खिलाफ ले जाया जा सकता) एक मांसपेशी ग्रेड है।

• ई: रोगी के कार्यों सामान्य है। समस्त मोटर और संवादी कार्यों निर्बाध रहे है।

इसे समझने के लिए एक व्यक्ति को एशिया पैमाने कार्यों बी स्तर पर एक मनुष्य की तुला में बेहतर पर सी स्तर के रूप में बर्गीकृत। समय था, एक मरीज को एक सी 4 quadriplegic चिह्नित किया गया हो सकता है। आज, यद्यपि1 एशिया के पैमाने का उपयोग वर्गीकरण सी 4 एशिया एक tetraplegic हो सकता है। मांसपेशी शक्ति ग्रेड के बारे में शून्य मांसपेशी आंदोलने के अभाव को पूरा करने के लिए इसी, सबसे कम है। पाँच पूर्ण, सामान्य शक्ति का प्रतिनिधित्व, सबसे ज्यादा है।

CRPD और आईसीएफ दोनों की सुविधा अथवा विकलांग लोगों1 के लिए भागीदारी सीमित में माहौल की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस रिपोर्ट बाधाओं के व्यापके सबूत निम्नलिखित सहित दस्तावेजों

• अपर्याप्त नीतियों तथा मानकों। नीति डिजाइन हमेशा विकलांग लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखता है, या मौजूदा नीतियों और मानकों के लागू नहीं कर रहे

NOTES

है। उदाहरण के लिए समावेशी शिक्षा नीतियों के लिए 28 देशों की समीक्षा शिक्षा में हिस्सा लेने वाले सभी फास्ट ट्रैक पहल भागीदारी के लिए पाया गया है कि 18 देशों या तो अपने प्रस्तावित रणनीतियों की बहुत कम विस्तार प्रदान की स्कूलों में विकलांग बच्चों को शामिल करने या विकलांगता का उल्लेख नहीं किया था या सम्मिलित किए जाने पर समस्त। शिक्षा नीति में आम अंतराल विकलांग बच्चों स्कूले में भाग लेने के लिए वित्तीय और अन्य लक्षित प्रोत्साहन की कमी के साथ है विकलांग और उनके परिवारों के साथ बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा और मदद सेवाओं की कमी सम्मिलित हैं।

- नकारात्मक नजरिए। विश्वासों और पूर्वाग्रहों शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक भागीदारी के लिए बाधाओं का गठन। उदाहरण के लिए, शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों, अन्य बच्चों तथा यहाँ तक कि परिवार के सदस्यों के नजरिए मुख्य धारा के स्कूलों मे विकलांग बच्चों के सम्मिलित किए जाने प्रभावित करते हैं। उपलब्ध समायोजन के बारे में नियोक्ताओं द्वारा गलत धारणाएँ कि विकलांग लोगों को उनके गैर विकलांग सहयोगियों की तुलना में उत्पादक हैं, तथा अज्ञानता व्यवस्था सीमा रोजगार के अवसरे काम करने के लिए।

- सेवाओं के प्रावधाने का अभाव। विकलांग लोगों को विशेष रूप से इस तरह के स्वास्थे की देखभाल, पुनर्वास और समर्थन और मदद के रूप में सेवाओं में कमी के भय रहता है। चार दक्षिणी अफ्रीकी देशों से डाटा में पाया गया कि लोगों के सिर्फ 26 - 55% चिकित्सा पुनर्वास वे आवश्यक प्राप्त 17-37% सहायक उपकरणों वे आवश्य प्राप्त; 523% व्यावसायिक प्रशिक्षण वे आवश्यके प्राप्त; और 5-24% कल्याण सेवाओं वे जरूरत (7-10) प्राप्त किया। भारत के उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में एक शोध में पाया है कि लागत के पश्चात् क्षेत्र में सेवाएँ की कमी स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग नहीं कर विकलांग लोगों के लिए दूसरा सबसे लगातार कारण था।

- सेवा प्रदान करने के साथ कोई समस्या। सेवाओं की खराब समन्वय अपर्याप्त स्टाफ और कमजोर स्टाफ दक्षताओं विकलांग व्यक्तियों के लिए गुणवत्ता पहुंच तथा सेवाओं की पर्याप्तता को प्रभावित कर सकते है। 51 देशों से विश्व स्वस्थय सर्वेक्षण डेटा से पता चला कि विकलांग लोगों के रूप में दो बार उनकी आवश्यकताओं चार गुना अधिक बुरी तरह से इलाज किया जा की संभावना और लगभग तीन गुना अधिक होने की संभावना को पूरा करने के लिए अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाग प्रदाता कौशल खोजने की संभावना की तुलना में अधिक थे करने क लिए हो सकता है से इनकार जरूरत स्वास्थ्य देखभाल। अनेक व्यक्तिगत

समर्थन कार्यकर्ताओं खराब भुगतान किया है औश्र अपर्याप्त प्रशिक्षण दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अध्ययन में पाया है कि सामाजिक देखभाल कार्यकर्ता के 80% कोई औपचारिक योग्यता अथवा प्रशिक्षण नहीं लिया था।

NOTES

• अपर्याप्त धन। को लागू करने की नीतियों और योजनाओं के लिए आवंटित संसाधन अक्सर अपर्याप्त है प्रभावी वित्तपोषण की कमी समस्त आय सेटिंग्स भर में स्थायी सेवाओं के लिए एक प्रमुख बाधा है। उदाहरण के लिए, उच्च आय वाले देशों, 20% और विकलांग लोगों के 40% के मध्य में आम तौर पर सारांश 10 नहीं है उनकी जरूरतों को प्रतिदिन की गतिविधियों (13-18) के साथ मदद के लिए मुलाकात की है। कई कम आय और मध्यम आय वाले देशों में सरकारों प्रदान नहीं कर सकते पर्याप्त सेवाओं और वाणिज्यिक सेवा प्रदाताओं अनुपलब्धे या ज्यादातर घरों के लिए सस्ती नहीं है। 51 देशों में 2002-04 विश्व स्वास्थ्य सर्वेक्षण से विश्लेण से पता चला कि विकलांग लोगों के स्वास्थ्य देखभाल की लागत में से छूट अथवा कटौती प्राप्त करने में विकलांग के बिना लोगों की तुलनो में अधिक पेरशानियाँ था।

• पहुँच का अभाव। कई बनाया वातावरण परिवहन व्यवस्था और जानकारी (सार्वजनिक स्थानों सहित) समस्त के लिए सुलभ नहीं है। परिवहन के लिए उपयोग की कमी के कारण किसी विकलांग व्यक्ति के लिए कए लगातार कारण काम की तलाश अथवा स्वासथ्य देखभाल तक पहुँचने से रोका से हतोत्साहित किया जा रहा है। पहुँच पर कानून यहा तक कि 20 से 40 साल पूर्व से डेटिंग कर उन के साथ देशों से रिपोर्ट, अनुपालन (19-22) का स्तर कम की पुष्टि करें। लिटिल जानकारी उपयोग में आसान प्रारूप में उपलब्ध है, और विकलांग लोंगों के अनेक संचार जरूरतों unmet की हैं। बहरे लोगों को मुसीबत सांकेतिक भाषा व्याख्या पर पहुँचने में समस्या: 93 देशों के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 31 देशों कोई व्याख्या सेवा था परन्तु 30 देशों में 20 या इससे कम योग्य दुभाषिए (23) था। विकलांग लोगों को गैर-विकलांग लोगों की तुलना में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपयोग की काफी कम दर है, और कुछ मामलों में वे जैसे टेलीफोन, टेलीविजन, और इंटरनेट के रूप में भी बुनियादी उत्पादों तथा सेवाओं को एक्सेस नहीं कर सकता हैं

• परामर्श तथा भागीदारी का अभाव। विकलांग के साथ बहुत से लोग मामलों में निर्णय लेने से बाहर रखा गया सीधे, अपने जीवन को प्रभावित उदाहरण के लिए जहाँ विकलांग लोगों के कैसे समर्थन अपने घरों में उन्हें प्रदान की जाती है पर विकल्प तथा नियंत्रण की कमी के लिए।

1-320T (Disabilities) and Multiple Disabilities (Vol. 10 Locomotor and Multiple Disabilities) 1-320T

NOTES

• डेटा और सबूत का अभाव। प्रोग्राम हैं जो काम समझ तथा कार्रवाई बाधित कर सकते हैं पर विकलांगता और सबूत पर कठोर और तुलनीय डेटा की कमी। विकलांग और उनके परिस्थितियों के साथ लोगों की संख्या को समझना अक्षम करने बाधाओं को हटाने तथ विकलांग लोगों के भाग लेने के लिए अनुमति देने के लिए सेवाएं प्रदान करने के कोशिश को बढा सकते हैं। उदाहरण के लिए, पर्यावरण उपायों की पहचान की सुविधा के लिए विकसित करने की आवश्यकता। विकलांग लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं? अक्षम करने बाधाओं नुकसान विकलांग लोगों के माध्यम से अनुभव करने के लिए योगदान करते हैं। गरीब स्वास्थ्य परिणामों बढ़ाने से प्रमाण बताते हैं कि विकलांग लोगों के सामान्य आबादी को रोका जा सकता माध्यमिक की स्थिति सह morbidities, और आयु से संबंधित शर्तों के अधिक से अधिक जोखिम हो सकता है। कुछ अध्ययनों से हय भी संकेत दिया है कि विकलांग लोगों के जैसे धूमपान, गरीब आहार और शारीरिक निष्क्रियता के रूप में जोखिम भरा व्यवहार की उच्च दर है। विकलांग मनुष्यों को भी हिंसा के संपर्क में होने का जोखिम भरा व्यवहार की उच्च दर है। विकलांग मनुष्यों को भी हिंसा के संपर्क में होने का अधिक खतरा है। विकलांगता स्वास्थय की स्थिति में गिरावट, गतिविधि सीमाओं, भागीदारी प्रतिबंध और जीवन के कम गुणवत्ता सहित विकलांग मनुष्यों के लिए गरीब परिणामों परिणाम कर सकते हैं विकलांग के साथ लोअर शैक्षिक उपलब्धियों बच्चे कम विकलांग के बिना अपने साथियों से स्कूल शुरू तथा रहने की कम दर की संभावना और स्कूलों में प्रचारित किया जा रहा है। शिक्षा पूरी होने के बाद पैटर्न गरीब देशों में और अधिक स्पष्ट के साथ दोनों कम आय और उच्च आय वाले देशों प्राथमिक विदयालय पर्वतमाला में हिस्सा लेने की इंडोनेशिया में 60% तक भारत में 10% से प्रतिशत के बीच का अंतर। माध्यमिक शिक्षा में उपस्थिति में अंतर कंबोडिया में 15% sसे इंडोनेशिया में 58% (24) के मध्य है। यहाँ तक कि इस ढंग के पूर्वी यूरोप में उन के रूप में उच्च प्राथमिक विद्यालय नामांकन दारें, साथ देशों मतें विकलांग के साथ अनेक बच्चों स्कूल में भाग लेने नहीं है। कम विकलांग आर्थिक भागीदारी करने वाले लोगों के बेरोजगार होने के लिए और जब कार्यरत सामान्य तौर पर कम भी कमाने की संभावना है। विश्व स्वास्थ्य सर्वेक्षण से वैश्विक डेटा बताते हैं कि रोजगार दरों विकलांग पुरूषों (53%) तथा विकलांग महिलाओं (20%) गैर विकलांग पुरूषों (65%) और महिलाओं (30%) के लिए की तुलना मे कम कर रहे हैं के लिए। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) (25) से एक ताजा अध्ययन स पता चला है 27 देशों में workingage कि विकलांग व्यक्तियों का अनुभव महत्वपूर्ण श्रम बाजार नुकसान तथा विकलांग के बिना workingage व्यक्तियों से भी बदतर

NOTES

श्रम बाजार परिणामें। औसत पर, अपने रोजगार की दर 44% पर, आधे से ज्यादा है कि लोगों के लिए विकलांगता (75%) के बिना किया गया था। निष्क्रियता दर विकलांगता के बिना व्यक्तियों के मध्य लगभग 2.5 गुना अधिक है (49% और 20% क्रमशः) विकलांग के साथ गरीबी लोग की उच्चा दर इस प्रकार गैर–विकलांग लोगों की तुलना में गरीबी की उच्च दर का अनुभव। व्यक्तियों और एक के बिना घरों की तुलना में तथा कम संपत्ति–खाद्य असुरक्षा, गरीब आवास, सुरक्षित पानी और स्वच्छता के लिए उपयोग की कमी, और स्वास्थ्य देखभाल के लिए अपर्याप्त उपयोग सहित–औसत पर विकलांग और एक विकलांग सदस्य के साथ परिवारों के साथ लोगों को कमी की उच्च दर का अनुभव विकलांगता। विकलांग लोगों को व्यक्तिगत समर्थन के लिए या चिकित्सा देखभाल या सहायक उपकरणों के लिए अतिरिक्त लागत हो सकती है। क्योंकि इन ज्यादा लागत की विकलांग तथा उनके परिवारों के साथ लोगों को समान आय के साथ गैर–विकलांग लोगों की तुलना में गरीब होने ककी कोशिश है। कम आय वाले देशों में विकलांग लोगों को 50% अधिक गैर–विकलांग लोगों (4) से आपत्तिजनक स्वास्थ्य व्यय अनुभव होने की संभावना है। बढ़ी हुई निर्भरता और संस्थागत समाधान पर प्रतिबंधित भागीदारी रिलायंस, समुदाय में रहने वाले और अपर्याप्त सेवाओं की कमी पृथक और दूसरों पर निर्भर विकलांग लोगों के छोड़ दें। संयुक्त राज्य अमेरिका में विकलांगता के साथ 1505 गैर बुजुर्ग वयस्कों के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 42% में या एक बिस्तर अथवा एक कुर्सी से बाहर ले जाने के लिए विफल होने की जानकारी दी है क्योंकि कोई भी सहायता करने के लिए (26) उपलब्ध था। आवासीय संस्थानों सारांश 12 स्वायत्तता की कमी व्यापक समुदाय से विकलांग लोगों के अलगाव, और अन्य मानव अधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार होने की सूचना हैं। अधिकांश समर्थन परिवार के सदस्यों अथवा सामाजिक नेटवर्क से आता है। लेकिन अनौपचारिक समर्थन पर विशेष निर्भरता देखभाल करने वालों के लिए प्रतिकूल परिणामों, तनाव अलगाव, और खो सामाजिके आर्थिक अवसरों सहित हो सकता है। इन परेशानी परिवार के सदस्यों को उम्र के रूप में वृद्धि हुई है। विकास विकलांग बच्चों के परिवारों के संयुक्त राज्य अमेरिका के सदस्यों में अन्य परिवारों में उन लोगों की तुलना में कम घंटे कार्य करते हैं, है और अधिक उनके रोजगार को छोड़ दिया है की संभावना है और ज्यादा गंभीर वित्तीय समस्या है, और कम एक नवीन काम पर ले जाने की संभावना है। बाधाओं और असमानताओं को संबोधित करते यह रिपोर्ट कैसे बाधाओं को जो विकलांग लोगों के स्वास्थ्य, पुनर्वास, समर्थन और मदद वातावरण, शिक्षा और रोजगार में सामना काबू पाने के लिए पर सबसे अच्छा उपलब्ध वैज्ञानिक स्कूल संश्लेषण करती। विस्तृीत जानकारी

NOTES

की रिपोर्ट अध्यायों में पाया जा सकता है, समीक्षा यहाँ CRPD के साथ लाइन में विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार लाने के लिए दिशा प्रदान करता है। अधिक समावेशरी मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के समस्त स्तरों बनाने और सर्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों विकलांग स्वास्थ्य असमानताओं और unmet की आवश्यकता कम हो जाएगा के साथ लोगों को सुलभ बनाने के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए बाधाओं को संबोधित करते। दृष्टिकोण की एक किस्म, इस प्रकार की सुविधाओं के लिए संरचनात्मक संशोधनों के रूप में भौतिक, संचार और सूचना बाधाओं को दूर करने, सार्वभौमिक डिजाइन सुविधाओं के समक्ष उपकरणों का उपयोग उचित प्रारूप में सूचना संप्रेषण, नियुक्ति प्रणाली में समायोजन करने और के वैकल्पिक मॉडल का उपयोग मुख्य धारा स्वास्थ्य देखभाल सेंटिग्स में इस्तेमाल किया गया है सेवा प्रदान करना। समुदाय आधारित पुनर्वास मौजूदा सेवाओं में तथा सेटिंग्स में सफल रहा है। उच्च आय वाले देशों में विकलांगता का उपयोग और गुणवत्ता मानकों सार्वाजनिक, निर्जी, और स्वैच्छिक सेवा प्रदाताओं के साथ अनुबंध में सम्मिलित किया गया है। सेवाओं को लक्षित, व्यक्तिगत देखभाल की योजना का विकासित करने, और की पहचान करने के लिए एक देखभाल समन्वयक जटिल स्वास्थ्य जरूरतों तथा मुश्किल से पहुंच के समूहों के साथ लोगों तक पहुँच सकते हैं के रूप में इस तरह के उपायो। विकलांग लोगों को प्राथमिक देखभाल टीमों से सेवाओं, बल्कि विशेषज्ञ सेवाओं, संगठनों प्राप्त करना चाहिए, तथा जब व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए संस्थानों उपलब्ध होना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता व्यवहार, ज्ञान, और कौशल में सुधार करने के लिए, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए शिक्षा प्रासंगिक विकलांगता जानकारी हो की आवश्यकता है। विकलांग लोगों को सम्मिलित शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रदाताओं ज्ञान और व्यवहार में सुधार कर सकते हैं। विकलांग लोगों के सशक्तिकरण बेहतर आत्म प्रबंधन पाठ्यक्रम, साथियों के समर्थन के माध्यम से अपने स्वास्थ्य का प्रबंधन करने, तथा जानकारी प्रावधान स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने में प्रभावी है और स्वास्थ्य का प्रबंधन करने, तथा जानकारी प्रावधान स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने में प्रभावी है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम कर सकते हैं। वित्तपोषण विकल्पों की एक सीमा कवरेज तथा स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की सामर्थ्य में सुधार करने की क्षमता है। ये विकलांगता पर है कि बीमा और विश्व रिपोर्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 13 copayments विकलांग लोगों के लिए सस्ती कर रहे हैं सुनिश्चित करने में शार्मिल हैं। विकलांग लोगों के जो वित्तापोषण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के अन्य साधन, बाहर की जेब से भुगतान को कम करने, और आय सहायता प्रदान करने अप्रत्यक्ष को पूर्ण करने के

स्वास्थ्य देखभाल में विकलांग बच्चों के शामिल किए जाने सार्वभौमिक प्राथमिक पूर्ण होने से बढ़ावा देता है, लागत प्रभावी है और भेदभाव के उन्मूलन के लिए योगदान देता है। शिक्षा के क्षेत्र में विकलांग बच्चों सहित प्रणालियों और स्कूलों में बदलाव की आवश्यकता है। शिक्षा के समावेशी सिस्टम की सफलता बहुत हद तक एक देश की उचित कानून को अपनाने के लिए प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है; स्पष्ट नीति दिशा प्रदान करते है; कार्रवाई की राष्ट्रीय योजना विकसित करना; कार्यान्वयन के लिए बुनियादी ढांचे तथा क्षमता की स्थापना; और लंबी अवधि के वित्त पोषण से लाभ। यह सुनिश्चित करना शिक्षा का एक ही मानक हो सकता है कि विकलांग बच्चों के रूप में अपने साथियों ज्यादातर वृद्धि वित्तपोषण की आवश्यकता है। एक सामवेशी सीखने के माहौल बनाना सीखने ओर अपनी क्षमता को प्राप्त करने में सभी बच्चों को करेंगे। शिक्षा प्रणाली परीक्षा प्रणाली के पाठ्यक्रम में परिवर्तन, शिक्षण विधियों और सामग्री, और मूल्यांकन और के साथ और ज्यादा शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। कई देशों में एक उपकरण शैक्षिक सेटिंग्स में विकलांग बच्चों के सम्मिलित किए जाने का समर्थन करने के रूप में अलग-अलग शिक्षा योजनाओं को अपनाया है। शारीरिक बाधाओं के साथ के क्षेत्र में विकलांग सारांश 16 चेहरे बच्चों को आसानी से इस प्रकार के कक्षाओं के लेआउट बदलने के रूप में सरल उपायों के साथ दूर किया जा सकता से कई। कुछ बच्चों को, विशेषज्ञ शिक्षा के शिक्षको, कक्षा सहायकों सहित अतिरिक्त सहायता सेवाओं के लिए उपयोग की जरूरत होगी और चिकित्सा सेवाओं।

NOTES

NOTES

6 सुगम अध्यापक-शिक्षा IEP, TLM का विकास, सहायक तकनीक

उद्देश्य

- प्राक्कथन
- शिक्षक के लिए मार्ग दर्शन
- टी एल. एम.
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों काके समझ सकेंगे—

- प्राक्कथन
- शिक्षण के लिए मार्ग दर्शन
- टीएल एम
- टी एल एम
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्राक्कथन

एक संघीय कानून कहा जाता **विकलांग शिक्षा अधिनियम क साथ व्यक्तियों** (आईडिया) की जरूरत है कि पब्लिक स्कूलों प्राप्त हर बच्चे के लिए एक IEP बनाने **विशेष शिक्षा** सेवाओं। हाई स्कूल स्नातक या 22 की एक अधिकतम उम्र (जो भी पहले हो) के माध्यम से 3 साल की उम्र से बालकों कको एक IEP लिए योग्य हो सकते।

IEP प्रत्येक बच्चे की अद्वितीय सीखने मुद्दों का समाधान करने के लिए होती है तथा विशिष्ट शैक्षिक लक्ष्यों को शामिल किया गया है। यह एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज है। विद्यालय सब कुछ यह IEP में वादा किया प्रदान करनी चाहिए। यहाँ एक IEP में शामिल करना चाहिए पर एक नजर, कानून के माध्यम से बताया गया है :

- अपने बच्चे का विवरण प्रदर्शन (खटखटाने) की रों वर्तमान स्तर–यह कैसे आपका बालक विद्यालय में अब कर रहा है।
- आपके बच्चे वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों
- विशेष शिक्षा का समर्थन करता है तथा सेवाओं है कि विद्यालय प्रदान करेगा अपने बच्चे को लक्ष्य हासिल कर पाएं।
- **संशोधन** और **रहने की जगह** स्कूल में सहायता करने के लिए अपने बच्चे प्रगति प्रदान करेगा।
- अपने बालकों को जब मानकीकृत परीक्षणों लेने की अनुमति दी जाएगी आवास।
- कैसे और कब विद्यालय के लिए अपने बच्चे को मापने होगा वार्षिक लक्ष्य की ओर प्रगति।
- संक्रमण की योजना बना है कि हाई स्कूल के पश्चात् जीवन क लिए तैयार करता है किशोर कौन एक IEP के लिए उत्तीर्ण।

आपका बच्चा गणित वर्ग में संघर्ष, और स्कूल के पश्चात् शिक्षक की हस्तक्षेप अलावा मदद, उसकी गलतियों है–इसे मदद सही करने के लिए एक

NOTES

मौका। इस तरह एक परिदृश्य अपने बच्चे को नहीं है एक IEP के लिए पात्र। पूर्व में एक बच्चे विशेष शिक्षा सेवाओं प्राप्त कर सकते हैं दो बातें होती हैं चाहिए।

1. **एक मूल्यांकन—**माता-पिता, शिक्षकों, एक परामर्शदाता, एक चिकित्सक अथवा जो एक बच्चे को शक है किसी और को कर सकते हैं जूझ रहा है **एक मूल्यांकन का अनुरोध**। स्कूल मनोवैज्ञानिक और अन्य पेशेवरों के लिए अपने बच्चे भिन्न-भिन्न परीक्षणों दे सकता है। उन्होंने यह भी कक्षा में अपने बालक को देख सकते हैं।

ध्यान रखें कि एक चिकित्सक अथवा अन्य चिकित्सा पेशेवर-नहीं स्कूल निदान चिकित्सा शर्तों, सहित **एडीएचडी**। स्कूल मूल्यांकनकर्ताओं "निदान"। की पेशकश नहीं के बारे में और ज्यादा जानकारी प्राप्त **व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया**।

2. **एक निर्णय—**IEP टीम है, जो माता-पिता तथा स्कूल के अधिकारियों, सम्मिलित हैं का फैसला करता है या नहीं, अपने बालक को आदेश जानने के लिए विशेष शिक्षा सेवाओं की जरूरत **सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम**। आईडिया का कहना है कि हो रही **13 विकलांग के किसी भी** विशेष शिक्षा के लिए एक बालक अर्हता प्राप्त कर सकते। स्कूल और माता पिता के मूल्यांकन समीक्षा करेंगे और निर्धारित परिणाम बताते हैं कि क्या है कि आपके बालक सेवाओं और समर्थन की जरूरत है।

IEP टीम इस बात से सहमत हैं कि आपका बच्चा सेवाओं की आवश्यकता है, तो अगले कदम के एक IEP तैयार करना है। अपने बच्चे को अयोग्य पाया जाता है, तो **आप अभी भी सेवाएँ प्राप्त करने की कोशिश कर सकते हैं** अपने बालक के लिए।

एक IEP में क्या है?

IEP को बच्चों की अद्वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन कर रहे हैं। इसका मतलब है कि हर IEP भिन्न दिखेगा। लेकिन कानून द्वारा सभी IEP को निम्नलिखित तत्व शामिल होना चाहिए। आपके बालक के शैक्षिक प्रदर्शन (खटखटाने) के वर्तमान स्तर: यह आपके बालकक की वर्तमान क्षमताओं, कौशल, कमजोरियों और ताकत का पूर्ण रूप से वर्णन है। यह IEP का हिस्सा बताते हैं कि कैसे अपने बच्चे की सीखने मुद्दों सामान्य शिक्षा पाठयक्रम जानने के लिए अपनी क्षमता को प्रभावित कर रहा है। **खटखटाने से** (भी कभी कभी पीएपी अथवा PLAAFP कहा जाता है) पर कैसे अपने बच्चे को शैक्षिक विषयों और हर रोज अथवा "कार्यात्मक" गतिविधियों, सामाजिक तरह संभालती विवरण सम्मिलित हैं।

खटखटाने से शिक्षक टिप्पणियों पर आधारित होना चाहिए तथा उद्देश्य डेटा, परीक्षण के परिणाम की तरह। यह महत्वपूर्ण है कि खटखटाने से बस कॉपी नहीं है एक वर्ष की IEP से अगले करने के लिए "जैसा है"। हर साल अपने बालक को परिपक्व होती है और स्वामी कौशल। और हर साल काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। तो अपने प्रदर्शन और आवश्यकताएं बदल जाएगा।

अपने बालकों के मूल्यांकन और परीक्षण के परिणाम: इस जिले में व्यापक तथा राज्य आकलन शामिल होना चाहिए।

विशेष शिक्षा और **संबंधित सेवाओं के** प्रदान करने की IEP बाहर मंत्र क्या मदद और सेवाओं के प्रकार अपने बालक को प्राप्त होगा। अपने बालक के लिए जा रहा है। स्पीच थेरेपी, उदाहरण के लिए, यह कहना होगा कितने मिनट एक सप्ताह वह इस चिकित्सा प्राप्त होगा।

आवास और संशोधन—ये सहायता अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा पाठ्क्रम सीखते हैं। **आवास** में बदलाव कर रहे हैं कि कैसे एक बच्चे को पता चलता है कि वह क्या सीखा है। वे उसके सीखने मुद्दों पर अपने बच्चे को काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, वह परीक्षण पर अलावा समय दिया जा सकता है।

संशोधन में बदलाव कर रहे हैं क्या करने के लिए सिखाया या एक छात्र की उम्मीद है। कुछ IEP को यह ग्रेड-स्तर उम्मीदों एक बच्चे अगले ग्रेड पर जाने के लिए पूर्ण करना होगा का प्रतिशत को परिभाषित करता है क्या कहते हैं है "संशोधित प्रचार मापदंड।"

पूरक एड्स तथा सेवाओं— इनका समर्थन करता है एक बच्चे को सामान्य शिक्षा कक्षा में जानने में मदद कर रहे हैं। वे एक एक पर एक सहयोगी सम्मिलित हो सकता है कक्षा नोट्स, उपकरण अथवा प्रकाश डाला **सहायक तकनीक** इस तरह के सॉफ्टवेयर के रूप में।

वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों—ये, यथार्थवादी प्राप्त तथा मध्यम श्रेणी का होना चाहिए। IEP शैक्षिक और सूचीबद्ध करता है। **कार्यात्मक कौशल** कि IEP टीम सोचता है कि अपने बालक को साल के अंत तक प्राप्त कर सकते हैं। **वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों** की मदद करनी चाहिए। अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा में हिस्सा लेते हैं।

अपने बच्चे को एकाधिक या गंभीर विकलांग है, तो कानून है कि IEP सूची अल्पकालिक लक्ष्यों की जरूररत है। ये भी उद्देश्यों या मानक कहा जाता है।

NOTES

कैसे अपने बच्चे की प्रगति मापा जाएगा तथा सूचना के लिए आप का विवरण कानून के अनुसार, IEP समझाने चाहिए कि कैसे स्कूल लक्ष्य की ओर अपने बालक की प्रगति को ट्रैक करेगा। और यह वर्णन करना चाहिए कि कैसे विद्यालय आप के साथ उन परिणामों को साझा करेंगे।

उदाहरण के लिए, एक लक्ष्य हो सकता है कि आपके बालक एक तीसरे ग्रेड स्तर पर पढ़ने में सक्षम हो। IEP के लिए उदाहरण तथा कितनी बार उन परिणामों आप के लिए सूचित किया जाएगा, कि कैसे हो जाएगा पर नजर रखी-अनौपचारिक तथा औपचारिक आकलन निर्दिष्ट करेगा। इन अंतरिम रिपोर्ट दिखाती है कि आपके बच्चे की प्रगति रुक गई है, तो आप और IEP टीम नवीन उपायों पर चर्चा हो सकती है।

कितना अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा वर्गों और गतिविधियों में हिस्सा लेंगे के बारे में स्पष्टीकरण: पूरा स्तर संभव पर भागीदारी कानून द्वारा जरूरी है। यह कहा जाता है **कम से कम प्रतिबंध वातावरण**।

तारीख IEP में लागू होंगे—अनेक राज्यों में इस के लिए औपचारिक समय है।

आपके बच्चे की उम्र और स्थिति पर निर्भर करता है, उसकी IEP भी सम्मिलित हो सकता है।

एक संक्रमण योजना—इस में लात मारता है, जब आपका बच्चा 16 बदल जाता है। **संक्रमण की योजना बना** सेवाओं और समर्थन भी सम्मिलित है उच्च विद्यालय से एक छात्र स्नातक में मदद और पश्चात् के उच्च विद्यालय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए।

विस्तारित स्कूल वर्ष सेवाएँ—कुछ छात्रों में इस तरह के रूप में गर्मियों क समय नियमित रूप से स्कूल वर्ष के बाहर विशेष शिक्षा सेवाओं, प्राप्त अथवा कम सामान्य, सर्दियों तोड़ने की तरह विस्तारित ब्रेक के दौरान।

कौन एक IEP उत्पन्न करता है?

आपके बच्चे के IEP टीम IEP पैदा करता है। टीम पर प्रत्येक व्यक्ति को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कानून के अनुसार, टीम में सम्मिलित हैं:

- तुम्हें पता है, छात्र s माता पिता (रों)। आईडिया अभिभावकों को अपने बच्चे के सभी में हिस्सा लेने के कानूनी अधिकार देता है। रों IEP

बैठकों। अभिभावकों के रूप में, आप की टीम के एक पूर्ण और समान सदस्य रहे हैं। सब के पश्चात् आप शायद अपने बच्चे को पता है कि एस शक्तियों और किसी और की तुलना में बेहतर संघर्ष। अपनी चिंताओं तथा उनकी शिक्षा के बारे में सुझाव अमूल्य रहे हैं।

NOTES

- कम से कम अपने बच्चे में से एक s सामान्य शिक्षा के शिक्षकों।
- कम से कम एक विशेष शिक्षा शिक्षक अथवा अन्य विशेष शिक्षा प्रदाता।
- एक स्कूल जिला प्रतिनिधि दोनों सामान्य शिक्षा तथा विशेष शिक्षा के बारे में जानकार। इस व्यक्ति को भी निर्णय है कि स्कूल संसाधनों को सम्मिलित करने के लिए अधिकार होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, स्कूल प्रतिनिधि सोचता है कि यदि आपके बालक स्पीच थेरेपी दी जानी चाहिए, वह ऐसा करने के लिए अधिकार होना चाहिए।
- एक स्कूल मनोवैज्ञानिक अथवा अन्य विशेषज्ञ जो छात्र व्याख्या कर सकते हैं। एस मूल्यांकन और परीक्षण के परिणाम।
- जब अपने बच्चे को 16 बदल जाता है, वह उसकी IEP टीम के एक सदस्य के रूप में हिस्सा लेने और एक संक्रमण योजना विकसित करने में सहायता की उम्मीद की जा जाएगा। कोई बाहरी एजेंसी से, इस तरह के एक पोस्ट के रूप में एक प्रतिनिधि–उच्च विद्यालय व्यावसायिक कार्यक्रम, बैठकों में सम्मिलित हो सकते। तुम भी अपने बच्चे की IEP बैठक में भाग लेने अन्य लोगों को आमंत्रित करने का अधिकार है। और सहभागियों के स्कूल अग्रिम लिखित नोटिस भेजने के लिए सुनिश्चित करें। आप इसे उपयोगी आमंत्रित करने के लिए मिल सकता है।
- आप एक पेशेवर कार्य पर रखा गया है, जो ज्ञान अथवा आपके बच्चे के बारे में विशेषज्ञता हासिल है। उदाहरण : एक निजी शिक्षक अथवा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर (जैसे कि एक के रूप में भाषण भाषा रोगविज्ञानी)।

- एक दोस्त एक के रूप में सेवा करने के लिए "कान के अतिरिक्त जोड़ी" अथवा आप के लिए नोट लेने के लिए।

- एक अनुवादक, यदि आप बहरा फिर या डॉन टी बोलते हैं या धारा प्रवाह अंग्रेजी पढ़ें। आप विद्यालय एक अनुवादक प्रदान करने के लिए कह सकता है। आईडिया की आवश्यकता है कि स्कूल जिलों माता-पिता जो इस सेवा की जरूरत है समायोजित करने के लिए उनकी पूर्ण कोशिश।

- तुम्हारा बच्चा यदि आपका बालक जवान है, तो आप इस से अधिक IEP टीम के साथ बात करने के लिए कर सकते हैं। अपने बच्चे पर विचार करें, रों उम्र कैसे उसकी हालत उसे, परिपक्वता के बारे में उनकी स्तर तथा सूचना एक IEP बैठक के दौरान चर्चा को समझने के लिए अपनी क्षमता को प्रभावित करता है।

IEP को में लक्ष्यों को किस प्रकार कर रहे हैं?

कानून की जरूरत है कि हर IEP शामिल वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों को छात्र के लिए IEP लक्ष्यों, विशिष्ट यथार्थवादी और मध्यम श्रेणी का होना चाहिए। यह बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह है कि कैसे आप और टीम यदि आपके बालक अच्छी प्रगति कर रहा है बता सकते हैं।

"जेक अपने पढ़ने कौशल में सुधार होगा" है नहीं एक विशिष्ट अथवा औसत दर्जे का लक्ष्य। आप उसक सुधार कैसे मापते हैं? सुधार कितना पर्याप्त है ?

यहाँ कैसे एक, विशिष्ट यथार्थवादी तथा मध्यम श्रेणी का लक्ष्य बनाने के लिए का एक उदाहरण है। एक दूसरे ग्रेड किताब को देखते हुए, जेक यादृच्छिक गलतियों के साथ 110-130 wpm में मौखिक रूप से एक मार्ग को पढ़ने के लिए (प्रति मिनट शब्द) में सक्षम हो जाएगा।"

IEP टीम की बैठक में लक्ष्यों को उत्पन्न करता है। जब लक्ष्यों का मूल्यांकन, आप चर्चा :

- अपने बच्चे को दिखा माप लक्ष्य की ओर प्रगति। मानकीकृत परीक्षण तथा पाठ्यक्रम आधारित माप (सीबीएम) प्रगति को मापने के दो उद्देश्य ढंग हैं। सीबीएम लगातार प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों को शामिल

संक्षिप्त परीक्षण निर्धारित करने के लिए कितनी अच्छी प्रकार एक छात्र प्रगति पर है। IEP लक्ष्यों को एक विशिष्ट और मध्यम श्रेणी का रास्ता में लिखे गये हैं, तो यह जानकारी आप कैसे अपने बालक को क्या कर रहा है की एक अच्छी तस्वीर पेश करेंगे।

NOTES

- लक्ष्य की ओर प्रगति को सूचित किया जाएगा। यह नियमित रूप से किया जाना चाहिए। बस नहीं एक बार एक साल। आप करूँगा सामान्य तौर पर लक्ष्य की ओर प्रगति पर एक रिपोर्ट भेजी जानी जब रिपोर्ट कार्ड जारी किए जाते हैं।

क्या IEP बैठकों में क्या होता है?

कानून एक साल में कम से कम एक बार IEP की समीक्षा करने के IEP टीम की जरूरत है, लेकिन IEP टीम किसी भी समय आप या स्कूल एक बैठक चाहते मिल सकते हैं। कई टीमें साल में एक बार की तुलना में अधिकांश मिलते हैं।

IEP बैठक सुनिश्चित करते हुए अपने बच्चे की IEP उसके लिए कार्य कर रहा है के लिए महत्वपूर्ण है। यह आप शिक्षकों आपक बच्चों की कमजोरियों और शक्ति के साथ चर्चा करने का मौका देता है। आपका बच्चा किसी भी या अपने लक्ष्यों को पूर्ण नहीं किया, तो उस तिमाही, आप अपने बच्चे को मदद करने के लिए नए तरीके बाहर हथौड़ा कर सकते हैं। यह लक्ष्य को संशोधित करने और उम्मीदों का समायोजन हो सकता है। या यह अपने बच्चे को अधिक अथवा सेवाओं तथा समर्थन के विभिन्न प्रकार देने के हो सकता है।

IEP बैठक है, जब आप, शिक्षकों तथा स्कूल देने के लिए और कैसे अपने बच्चे को क्या कर रहा है पर इनपुट मिलता है। आप पर चर्चा करेंगे कि क्या कारगर है, क्या बदलने की आवश्यकता है, और अपने बच्चे को हो रहा है या आगे पीछे रहा। आपके बच्चे की भावनाओं और मंशा, बातचीत में सम्मिलित किया जाना चाहिए या नहीं, वह IEP बैठक में आती है।

यहाँ कुछ अन्य मुख्य बातें आप तथा टीम के बाकी वार्षिक दौरान चर्चा कर सकते हैं IEP समीक्षा बैठक :

- आपके बालक s ताकत। किसी भी सफलता के लिए अपने बच्चे स्कूल के बाहर किया गया है साझा करें। चलो एस कहना अपने बालक को ध्यान मुद्दों और सामाजिक कौशल के साथ संघर्ष। उनकी IEP टीम है कि वह यह आसान अपने फुटबॉल कोच से निर्देशों का

NOTES

पालन करने के लिए मिलता है तथा टीम के साथी के साथ सहयोग में बेहतर है जानना चाहता हूँ जाएगा।

- अपनी चिंताओं तथा अपने बच्चे को सुधारने के लिए सुझाव शिक्षा। बैठक साझा करने के लिए जहाँ आप अभी भी देखने के लिए अपने बच्चे के लिए संघर्ष एक अच्छा समय है। वह अभी भी एक कठिन समय वर्तनी है ? वह निरंतर कार्य खो रहा है? आप उसके लिए आसान इन कार्यों को करने के लिए किसी भी विचार है, तो आप उन्हें साझा कर सकते हैं।

- कितनी सही प्रकार से संशोधन और (जैसे कि आवास सहायक तकनीक) की सहायता कर रहे हैं। यदि वे नहीं कर रहे टी की उम्मीद के रूप में अपने बच्चे की सहायता करने, टीम उन्नयन पर चर्चा कर सकते हैं, बंद किए जा रहे हैं या उन्हें जगह। टीम ने किसी भी नवीन शिक्षा और प्रौद्योगिकी उपकरण है कि आपके बच्चे के लिए सही हो सकता है पर विचार कर सकते हैं।

- अपने बच्चे के परिणाम पहला अथवा हाल ही में मूल्यांकन, अगर वहाँ एक है। आपके बच्चे को प्रत्येक तीन साल में मूल्यांकन किया जाना चाहिए। स्कूल मनोवैज्ञानिक या पेशेवर मूल्यांकन का आयोजन सामान्य तौर पर IEP बैठक में परिणामों की व्याख्या करेगा।

बैठक के दौरान दल के नेता शैक्षणिक और कार्यात्मक प्रदर्शन (खटखटाने) और लक्ष्यों की आपके बच्चे के अभी के स्तर के बारे में एक बयान लिखेंगे। बयान क्या आप और टीम की बैठक में चर्चा की है पर आधारित है। दल के नेता भी IEP में कोई बदलाव है कि टीम सहित आप है पर सहमति दस्तावेज होगा।

कैसे एक IEP प्रभाव में चला जाता है?

स्कूल विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान जब तक आप अपने अनुमति है, जो कानून के रूप में के लिए संदर्भित कर देना शुरू नहीं कर सकते "सहमति" तुम IEP बैठक के आखिर में कहा जा सकता है प्रस्तावित IEP हेतु अपनी सहमति देने के लिए। (कुछ राज्य माता-पिता की जरूरत होती है एक हस्ताक्षर की तरह, लिखित अनुमति देने के लिए। कुछ राज्यों में नहीं है।)

आप मौके पर अंतिम निर्णय लेने से सहज अनुभव नहीं करते हैं, तो आप इसकी समीक्षा करने IEP घर ले जाने का अधिकार है। कुछ स्कूलों में जल्द ही

बैठक के पश्चात् आप के लिए प्रस्तावित IEP की एक प्रति डाक और अपने हस्ताक्षर के लिए पूछना। सुनिश्चित करें हस्ताक्षर करने से पहले उसमें जो कुछ अच्छी तरह जाँचें।

आय पूर्णरूप से प्रस्तावित IEP से संतुष्ट नहीं है, तो आप कुछ ही विकल्प हैं :

- आप प्रस्तावित IEP के सिर्फ भागों स्वीकार कर सकते हैं। जो आइटम आप से सहमत हैं और जो आइटम आप के साथ अथवा विवाद असहमत कहो। लिखित रूप से अपनी असहमति के बारे में बताएं और आपकी आपत्तियों के लिए पूछना IEP में सम्मिलित किया जाना। IEP टीम IEP दस्तावेज के परिशिष्ट के रूप अपनी आपत्तियाँ शामिल होंगे। सिर्फ IEP के कुछ हिस्सों आप लागू किया जाएगा करने के लिए सहमत हैं।

- समस्त प्रस्तावित IEP इंकार कर दिया। IEP फार्म पर अपनी असहमति नोट। यदि आप IEP बैठक में अपनी उपस्थिति का संकेत करने के IEP पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा रहे हैं, सुनिश्चित करें, कि आपके हस्ताक्षर स्पष्ट रूप से सिर्फ अपनी उपस्थिति प्रस्तावित IEP के लिए आपकी सहमति नहीं इंगित करता हो।

- एक दूसरी बैठक के लिए पूछें अपनी चिंताओं पर चर्चा की। आप कानूनी किसी भी समय एक IEP टीम मीटिंग कॉल करने के लिए अधिकार नहीं है। आप IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अच्छे रिश्ते हैं, तो आप शायद चीजों को बाहर कार्य कर सकते हैं।

यह भी जब एक स्कूल अपने बच्चे की IEP बदलना चाहता है, विद्यालय आप देने के लिए क्या कहते हैं है कि ध्यान देना महत्वपूर्ण है **"पूर्व लिखित नोटिस**।" उदाहरण के लिए, अगर स्कूल में, अपने बच्चे की सेवाओं को कम करने के लिए उन्हें जोड़ने अथवा परिवर्तित उन्हें करना चाहता है किसी भी तरह से, यह लिखित रूप से समय में बताने के लिए है। पूर्व लिखित सूचना माता-पिता अपने सहमति वापस लेने और स्कूल के साथ विवाद को सुलझाने के मार्ग तलाशने के लिए एक अवसर देता है।

क्या होगा यदि आप एक विवाद है?

NOTES

वहाँ एक समय था जब आप और विद्यालय आँख से आँख नहीं दिख रहा है और अपने मतभेदों के माध्यम से बात नहीं कर सकते हो सकता है। अगर ऐसा होता है, आईडिया माता-पिता देता है अनेक विकल्प।

आप निम्नलिखित चरणों का, ले जा सकते हैं सामान्य तौर पर दिखाए गए क्रम में कर रहे हैं :

1. एक मध्यस्थता सत्र के लिए पूछें। स्कूल स्वचालित रूप से एक मध यस्थता सत्र प्रदान नहीं करता है, तो आप एक अनुरोध कर सकते हैं। (लिखित रूप में ऐसा करने के लिए सुनिश्चित करें।) इस बैठक में एक मध्यस्थ सहायता करता है हर पार्टी अपनी स्थिति को व्यक्त करने और अन्य दलों के उन को समझते हैं। मध्यस्थ चर्चा का प्रबंधन और सहायता करता है समूह किसी समझौते पर पहुँचने। मध्यस्थ समाधान की सिफारिश अथवा पक्ष लेना नहीं है।

2. एक फाइल **कारण प्रक्रिया शिकायत**। आप वास्तव में मध्यस्थ के परिणामों से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप एक प्रार्थना कर सकते हैं। **कारण प्रक्रिया सुनवाई** एक आधिकारिक पत्र लिख कर, यह भी एक "शिकायत।" नामक एक **कारण प्रक्रिया सुनवाई** एक औपचारिक बैठक जहाँ माता-पिता और विद्यालय के अधिकारियों वर्तमान तर्क और सबूत हैं एक सुनवाई अधिकारी या प्रशासनिक कानून न्यायाधीश करने के लिए। इस व्यक्ति को है नहीं विद्यालय जिले का एक कर्मचारी।

माता-पिता और जिला वकीलों तथा वर्तमान सबूत लाने के लिए अनुमति दी जाती है। (प्रत्येक राज्य तरीके अलग-अलग है, शिक्षा के अपने राज्य विभाग से परामर्श इस शिकायत दर्ज करने और क्या उसमें सम्मिलित करने के लिए पता लगाने के लिए।

3. एक पकड़ो **संकल्प सत्र**। कारण प्रक्रिया सुनवाई से पहले, जिला विद्यालय धारण करने के लिए क्या एक कहा जाता है की आवश्यकता है **संकल्प सत्र**। यह आपको के मध्य एक बैठक है, IEP टीम और किसी की प्रमुख सदस्य जिले के लिए निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया। आप (अपने खर्च पर) एक वकील ला सकते हैं, परन्तु आप के लिए आवश्यक नहीं कर रहे हैं। जिला स्कूल सिर्फ एक वकील ला सकता है अगर आप कर रहे हैं।

4. एक दीवानी मुकदमा दायर करें। यह अगले विकल्प है यदि आप उचित प्रक्रिया सुनवाई के परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं है। यह सबसे चरम विकल्प माता-पिता के लिए उपलब्ध है। ऐसा नहीं है कि माता-पिता एक वकील किराया तथा व्यापक

कानूनी कार्यवाही के द्वारा जाने की आवश्यकता है।

5. जब एक समझौता किया है, यह लिखित रूप में मिलता है। बल्कि अगर आप एक समझौते के दौरान मध्यस्थता तक पहुँचते हैं, एक संकल्प सत्र अथवा सिविल सूट आप इसकी एक प्रति लिखित रूप में की आवश्यकता है। वास्तव में, अपने बच्चे की IEP में किए गए परिवर्तन और कदम स्कूल ले जाएगा प्रलेखित किया जाना चाहिए।

NOTES

निजी स्कूलों IEP को है?

निजी विद्यालयों कानून द्वारा अपेक्षित विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान करने के लिए नहीं कर रहे हैं। यदि आपका बच्चा एक में है **निजी स्कूल**, आप पब्लिक स्कूल जिले विशेष शिक्षा सेवाओं के लिए अपने बालक का मूल्यांकन करने के लिए कह सकते हैं। जिले आपके अनुरोध करने के लिए सहमत हैं, तो मूल्यांकन आप कोई शुल्क लिए आयोजित की जाएगी।

आईडिया प्रदान करने के लिए सार्वजनिक धन भिन्न सेट करने के स्कूल जिलों की आवश्यकता **निजी स्कूल में छात्रों के लिए विशेष शिक्षा सेवाओं।** लेकिन इस वित्त पोषण सीमित है। अपने बच्चे के स्कूल जिले के साथ कार्य करने के लिए सहमत हैं, वे एक साथ बनाने के लिए क्या एक कहा जाता है काम कर सकते हैं "सेवाओं योजना"। यह योजना कम सेवाएं प्रदान करने की तुलना में अपने बालक को एक पब्लिक स्कूल में प्राप्त होगा की संभावना है।

क्या यात्रा को आसान बनाने के कर सकते हैं?

के पश्चात आप अपने बच्चे की IEP से सहमत हैं और एक प्रति प्राप्त हुआ है, यह इसे दूर फाइल और भूल जाएं आकर्षक हो सकता है, परन्तु ध्यान दे अपने बच्चे को सुनिश्चित करने में मदद करेगा सेवाओं का वादा किया जाता है। के बाद से अनेक लोगों IEP बााहर ले जाने के लिए जिम्मदार हैं, कभी कभी विवरण अनदेखी की जा सकती है।

- IEP दल के नेता से संपर्क करें आप चिंता है जब। टीम पर कोई भी आपकी परेशानियों का समाधान कर सकते हैं, तो आप जिले विशेष शिक्षा निदेशक संपर्क कर सकते हैं। आप डॉन हैं टी जवाब तथा कार्रवाई मिलता है, एक IEP बैठक का अनुरोध करें। आप डॉन टी वार्षिक IEP बैठक के लिए प्रतीक्षा करने के लिए है।

NOTES

- अपने नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक कॉन्फ्रेंस के दौरान IEP का उल्लेख करना सुनिश्चित करें। यह अगर IEP पीछा किया जा रहा है शिक्षक पूछने का अवसर है। आप किसी भी चिंताओं पर आप आधारित है व्यक्त कर सकते हैं कि तुम क्या को देख फिर से अपने बच्चे और उनके विद्यालयों में।

- इन सबसे ऊपर, याद रखें कि IEP अपने बच्चे को प्रतिबिंबित करने के लिए की आवश्यकता है। s वर्तमान जरूरतों। आपक बच्चे, स्कूल, मास्टर कौशल में प्रगति ज्ञान प्राप्त करने के लिए जा रहा है और शायद नवीन चुनौतियों में चलाने। यही कारण है कि s क्यों यह महत्वपूर्ण है उसकी IEP विकसित करने के लिए। यह दस्तावेज होना चाहिए कि वह s में महारत हासिल है और नवीन लक्ष्य और आवास सूचीबद्ध करना चाहिए।

और अधिक व्यावहारिक सुझावों के लिए हमारे काम का उपयोग करके देखें। **IEP बैठक टूलकिट** आप हर IEP बैठक के लिए तैयार करने में सहायता करने के लिए और अन्य IEP संसाधनों। आप यह भी कर सकते हैं। **हमारे विशेषज्ञों की ओर रुख** कैसे समझते हैं और अपने बालक की IEP के सबसे बनाने के लिए पर सलाह के लिए।

5.2 उद्देश्य

- सेरेब्रल पाल्सी के कारण बच्चों, युवाओं और शारीरिक और / या मानसिक विकलांगता की स्थिति में वयस्कों में मदद करने के लिए एक सरल जीवन व्यतीत करने और आत्मनिर्भर उचित इलाज के द्वारा किया जाना है।

- मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों के माता-पिता के लिए भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के लिए और मकसद के लिए उन्हें एक लंबी अवधि के आध ार पर उचित मदद और सेवाओं उनक आश्रित बालकों के लिए प्रदान करते हैं।

- माता-पिता के साथ निकट संबंध बनाए रखने के माध्यम से उपलब्ध सामुदायिक संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से उन सभी सीपी पीड़ित मामलों के पुनर्वास के लिए।

- प्रशिक्षण आयोजित करने के आदमी शक्ति उचित इलाज और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए जरूरी निर्माण करने के लिए।

NOTES

● सेरेब्रल पाल्सी के लिए एक संसाधन केन्द्र के रूप में इस संस्थान का विकास करना।

● सीपी पर सीपी और पठन सामग्री की रोकथाम के लिए तौर-तरीके का प्रचार के माध्यम से जनता में जागरूकता का निर्माण करने के लिए।

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसियों और संगठनों के अनुसंधान के निष्कर्षों से ज्ञान तथा कौशल का उपयोग करने के लाभ।

शिक्षकों के लिए 5.3 मार्गदर्शन

चरण 1 बाल संभवत: विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं की जरूरत होगी, के रूप में पहचान की है।

"बाल का पता लगाएं।" राज्य में विकलांग जो विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं की आवश्यकता के साथ, की पहचान करनी चाहिए का पता लगाने, और मूल्यांकन सभी बच्चों। ऐसा करने के लिए, राज्यों का संचालन "बाल खोजें" गतिविधियों। एक बच्चे "का पता लगाएं बाल," के माध्यम से पहचान की जा सकती है और यदि "बाल खोजें" प्रणाली अपने बच्चे का मूल्यांकन कर सकते माता-पिता कहा जा सकता है। माता-पिता भी "बाल खोजें" प्रणाली फोन ज्यादा चाहते हैं कि उनके बच्चे का मूल्यांकन किया जा सकता है। अथवा

रेफल या मूल्यांकन के लिए अनुरोध। एक विद्यालय पेशेवर पूछ सकते हैं कि एक बच्चे अगर वह या वह एक विकलांगता को देखने के लिए मूल्यांकन किया जाना। माता-पिता भी पूछने के लिए कि उनके बच्चे का मूल्यांकन किया जा बच्चे के शिक्षक अथवा अन्य स्कूल पेशेवर संपर्क कर सकते हैं। यह अनुरोध मौखिक या लिखित रूप में हो सकता है। पहले बच्चे मूल्यांकन किया जा सकता अभिभावकों की सहमति की जरूरत है। मूल्यांकन एक उचित समय माता-पिता के पश्चात् सहमति देता है के अंदर पूर्ण किया जाना चाहिए।

मूल्यांकन बच्चे की संदिग्ध विकलांगता से संबंधित समस्त क्षेत्रों में बच्चे का आकलन करना चाहिए। मूल्यांकन परिणाम विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए बच्चे की पात्रता तय करने के लिए और बच्चे के लिए एक उपयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम के बारे में निर्णय लेने के लिए प्रयोग किया जाएगा। माता-पिता के मूल्यांकन से असहमत हैं, वे एक स्वतंत्र शैक्षिक मूल्यांकन (IEE) के लिए अपने बच्चे को लेने का अधिकार है। वे पाते हैं कि विद्यालय प्रणाली इस IEE के लिए भुगतान पूछ सकते हैं।

NOTES

योग्य पेशेवरों तथा माता-पिता के एक समूह ने बच्चे के मूल्यांकन परिणाम देखें। साथ में, वे यह निर्णय करें कि बालक, "एक विलांग बालक" एक के रूप में विचार से परिभाषित किया। माता-पिता को पात्रता निर्णय को चुनौती देने की एक सुनवाई के लिए कह सकता है। के रूप में आईडिया द्वारा परिभाषित बच्चे, "एक विकलांग बच्चे" एक होना पाया मिलता है, तो वह या वह विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए पात्र है। 30 कैलेंडर दिनों एक बच्चे के पश्चात् पात्र निध ारित किया जाता है के भीतर, IEP टीम बच्चे के लिए एक IEP लिखनने के लिए पूर्ण करना होगा।

चरण 5. IEP बैठक निर्धारित है।

स्कूल प्रणाली कार्यक्रम तथा IEP बैठक आयोजित करता है। स्कूल स्टाफ करना होगा :

- माता-पिता सहित प्रतिभागियों से संपर्क करें;
- काफी पूर्व सुनिश्चित करें कि वे भाग लेने के लिए एक अवसर बनाने के लिए माता-पिता को देगा;
- एक समय में बैठक अनुसूची और माता-पिता तथा स्कूल के लिए सहमत जगह;
- माता-पिता का बता उद्देश्य, समय, तथा बैठक का स्थान;
- माता पिता जो में हिस्सा लेने दिया जाएगा बताओ; तथा
- माता-पिता बतात हैं कि वे बैठक जो ज्ञान अथवा बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता के लिए लोगों को आमंत्रित कर सकते हैं।

IEP टीम बच्चे की आवश्यकताओं के बारे में बात करते हैं और छात्र की IEP लिखने के लिए एकत्रित करता है। माता-पिता और छात्र (जब उचित) टीम का हिस्सा है। बच्चे की नियुक्ति एक अलग समूह द्वारा निर्णय लिया गया है, तो माता-पिता के साथ-साथ उस समूह का भाग होना चाहिए।

इससे पहले कि स्कूल प्रणाली प्रथम बार के लिए बच्चे के लिए विशेष शिक्षा और सम्बन्धित सेवाओं के प्रदान कर सकता है, माता-पिता की सहमति देना चाहिए। बच्चे बैठक के बाद जितनी जल्दी हो सके सेवाओं को प्राप्त करने शुरू होता है।

NOTES

माता-पिता IEP और प्लेसमेंट से सहमत नही हैं, वे IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अपनी चिंताओं पर चर्चा करने और एक समझौते पर बाहर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। अगर वे अब भी असहमत हैं, माता-पिता मध्यस्थता के लिए पूछ सकते हैं, अथवा स्कूल मध्यस्थता की पेशकश कर सकते। माता-पिता को राज्य शिक्षा एजेंसी के साथ एक शिकायत दर्ज कर सकते हैं और एक उचित प्रक्रिया सुनवाई, जिस पर समय मध्यस्थता उपलब्ध होना चाहिए अनुरोध कर सकते हैं।

विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि बच्चे की IEP किया जा रहा है के रूप में यह लिखा गया था बनाता है। माता-पिता को IEP की एक प्रति दी जाती है। बच्चे के शिक्षकों तथा सेवा प्रदाताओं में से प्रत्येक IEP की पहुंच है और IEP बाहर ले जाने के लिए अपने या अपने विशिष्ट जिम्मेदारियों को जानता है। यह आवास, संशोधन और समर्थन करता है कि IEP ध्यान में रखते हुए बालक को प्रदान किया जाना चाहिए, भी सम्मिलित है।

वार्षिक लक्ष्य की ओर बच्चे की प्रगति, मापा के रूप में IEP में कहा गया है। उसके माता-पिता को नियमित रूप से अपने बच्चे की उन्नति के बारे में सूचित कर रहे हैं और कहा कि प्रगति के लिए कि क्या पर्याप्त है बच्चे साल के अंत तक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए। ये प्रगति रिपोर्ट में कम से कम के रूप में अधिकांश माता-पिता को दिया जाना चाहिए के रूप में माता-पिता अपने nondisabled बच्चों की प्रगति के बारे में सूचित कर रहे हैं।

बच्चे की IEP कम से कम एक बार एक वर्ष IEP टीम के माध्यम से समीक्षा की जाती है, या अधिक बार अगर माता-पिता या स्कूल की समीक्षा के लिए पूछना। यदि जरूरी हो, IEP संशोधित किया गया है। माता-पिता, टीम के सदस्यों के रूप में, इन बैठकों में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। माता-पिता को परिवर्तन के लिए सुझाव कर सकते हैं, इस बात से सहमत कर सकते हैं या IEP लक्ष्यों से असहमत हैं, और इस बात से सहमत अथवा नियुक्ति से असहमतत हैं।

माता-पिता IEP और प्लेसमेंट से सहमत नहीं हैं, वे IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अपनी चिंताओं पर चर्चा करने और एक समझौते पर बाहर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। वहाँ अतिरिक्त, परीक्षण, एक स्वतंत्र मूल्यांकन, या मध्यस्थता के लिए पूछ (यदि उपलब्ध हो) या एक कारण प्रक्रिया सुनवाई सहित कई विकल्प, कर रहे हैं। उन्होंने यह भी राज्य शिक्षा एजेंसी के साथ एक शिकायत दर्ज कर सकते हैं। कम से कम हर तीन साल पर बच्चे को दुबारा मूल्यांकन किया

NOTES

जाना चाहिए। यह मूल्यांकन अक्सर एक "त्रैवार्षिक" कहा जाता है इसका उद्देश्य के रूप में आईडिया द्वारा परिभाषित जानने के लिए कि बालक को एक बना हुआ है कि "एक विकलांग बच्चे" और बच्चे की शैक्षिक आवश्यकताओं क्या कर रहे हैं। हालांकि, बच्चे को अधिक बार बच्चे के माता-पिता या अध्यापक एक नया मूल्यांकन के लिए पूछता है कि स्थिति वारंट अथवा यदि पुनः मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

जाहिर है, IEP विकलांग और जो लोग उन्हें शिक्षित करने में सम्मिलित कर रहे हैं के लिए बच्चों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है। सही तरीके से किया, IEP शिक्षण, शिक्षा और परिणामों में सुधार करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे के IEP का वर्णन करता है, अन्य बातों के शैक्षिक कार्यक्रम हैं कि उस बच्चे के अद्वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन किया गया है के मध्य में। गाइड के इस भाग को कैसे IEP लिखा है पर और किसके माध्यम से बारीकी से लग रहा है, और क्या जानकारी चाहिए, कम से कम, होते हैं।

कानून के अनुसार, IEP बच्चे और शैक्षिक अपने या अपने अद्वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन कार्यक्रम के बारे में कुछ जानकारी सम्मिलित करना चाहिए। संक्षेप में, यह जानकारी है :

- वर्तमान प्रदर्शन IEP राज्य कैसे बच्चे को वर्तमान में विद्यालय (शैक्षिक प्रदर्शन के वर्तमान स्तर के रूप में जाना जाता है) में कर रहा है चाहिए। यह जानकारी सामान्य तौर पर इस तरह के कक्षा परीक्षण और कार्य, अलग-अलग सेवाओं के लिए या पुनर्मूल्यांकन के दौरान पात्रता तय करने के लिए दिए गए परीक्षण तथा अभिभावकों, शिक्षकों, संबंधित सेवा प्रदाताओं द्वारा की गई टिप्पणियों और अन्य स्कूल स्टॉफ के रूप में मूल्यांकन के परिणाम से आता है। "वर्तमान प्रदर्शन" के बारे में बयान कैसे बच्चे की विकलांगता उसके भागीदारी और सामान्य पाठ्यक्रम में प्रगति को प्रभावित करता है भी सम्मिलित है।

- वार्षिक लक्ष्यों। इन लक्ष्यों को उस बच्चे यथोचित एक वर्ष में पूर्ण कर सकते हैं कर रहे हैं। लक्ष्यों को अल्पकालिक उद्देश्यों या मानक में टूट जाते हैं। लक्ष्य शैक्षिक हो सकता है, सामाजिक अथवा व्यवहार जरूरतों को पूरा, शारीरिक जरूरतों से संबंधित हैं, या अन्य शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा। लक्ष्यों को औसत दर्ज का अर्थ हो सकता है कि यह मापने के लिए छात्र के लक्ष्य को प्राप्त किया है या नहीं संभव होना चाहिए।

NOTES

- विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं IEP को सूचीबद्ध करना चाहिए विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के बच्चे की ओर से बच्चे को उपलब्ध कराई जाने वाली या। यह पूरक एड्स और सेवाओं है कि बच्चे की आवश्यकता भी शामिल है। यह भी संसोधनों के कार्यक्रम के लिए (परिवर्तन) भी सम्मिलितत है या के लिए समर्थन करता है, स्कूल कर्मियों इस तरह के प्रशिक्षण या व्यावसायिक विकास उस बच्चे की मदद के लिए प्रदान किया जाएगा के रूप में।

- Nondisabled बच्चों के साथ भागीदारी IEP हद तक समझाने चाहिए (यदि हो तो) के लिए जो बच्चे नियमित रूप से कक्षा में nondisabled बच्चों और अन्य स्कूल की गतिविधियों के साथ हिस्सा लेने के नहीं होंगे।

- राज्य और जिला चौड़ा परीक्षण में भाग लेना। ज्यादातर राज्यों तथा जिलों कुछ ग्रेड या आयु समूह में बच्चों के लिए उपलब्धि परीक्षण दे। IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए इन परीक्षणों के प्रशासन में क्या संशोधन बच्चे की जरूरत होगी। एक परीक्षण बच्चे के लिए उचित नहीं है, तो IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए क्यों परीक्षण उचित और कैसे बच्चे के बजाय परीक्षण किया जाएगा नहीं है।

- तिथि और स्थानों IEP राज्य जब सेवाओं, शुरू हो जाएगा कि वे कितनी बार प्रदान किया जाएगा, जहाँ वे उपलब्ध कराया जाएगा, और कितनी देर तक वे चलेगा चाहिए।

- संक्रमण सेवा की आवश्यकता है। शुरूआत जब बच्चे (या छोटी यदि उपयुक्त हो) 14 साल की उम्र है, IEP (IEP के लागू भागों के भीतर) को संबोधित करना चाहिए पाठ्यक्रमों वह या वह अपने या अपने पश्चात् स्कूल के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए ले जाने की जरूरत है। संक्रमण सेवाओं की जरूरत का विवरण भी बच्चे के पश्चात् IEP को में से प्रत्येक में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

- जरूरत संक्रमण सेवाओं। शुरूआत जब बच्चे (या छोटी यदि उपयुक्त हो) 16 साल की उम्र है, IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए क्या संक्रमण सेवाओं में सहायता करने के बच्चे को स्कूल छोड़ने के लिए तैयार की आवश्यकता है।

- बालिग होने की उम्र। कम से कम एक साल से पूर्व बच्चे वयस्कता की उम्र तक पहुँच जाता है। शुरू IEP एक बयान है कि छात्र है कि बहुमत की उम्र में उसके समक्ष स्थानांतरित करेंगे किसी भी अधिकार के बारे में बताया जा चुका है सम्मिलित करना चाहिए। (यह बयान केवल कहा गया है कि बहुमत की उम्र में अधिकारों का हस्तांतरण में जरूरत होगी।)

- मापने प्रगति IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए ंकि कैसे बालक की प्रगति मापा जाएगा और कैसे माता-पिता है कि प्रगति के बारे में सूचित कर दिया जाएगा।

अधिक जानकारी इन IEP भागों पश्चात् इस गाइड में के बारे में दिया जाएगा। यह नमूना IEP रूप है, प्रस्तुत किया जाएगा का वर्णन संघीय नियमों के साथ "IEP की सामग्री" आप किस प्रकार की जानकारी एक IEP में एक बालक के बारे में कब्जा करने के लिए महत्वपूर्ण है की पूरी समझ पाने में सहायता करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बच्चे के IEP भिन्न है उपयोगी है। दस्तावेज है कि बच्चे के लिए ही तैयार किया जाता है। ऐसा नहीं है कि बच्चे की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए डिजाइन व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम का वर्णन है।

अमेरिका और स्कूल प्रणाली जानकारी वे एक IEP में आवश्यकता के बारे में लचीलेपन का एक बड़ा सौदा है। कुछ राज्यों और स्कूल प्रणाली IEP में अलावा जानकारी में शामिल करने के लिए अन्य राज्य और संघीय आवश्यकताओं के साथ अपने अनुपालन दस्तावेज के लिए चुना है। (संघीय कानून है कि स्कूल जिलों प्रलेखन बनाए रखने के लिए संघीय जरूरतों के साथ उनके अनुपालन प्रदर्शित करने की आवश्यकता है।) सामान्य शब्दों में, IEP को में अतिरिक्त तत्वों दस्तावेज के लिए है कि राज्य या जिला स्कूल जैसे संघीय या राज्य के कानून के कुछ पहलुओं, से मुलाकात की है सम्मिलित किया जा सकता:

- बैठक के आयोजन में लिखने के लिए, समीक्षा और यदि आवश्यक हो, एक समय पर तरीके से एक बच्चे के IEP को संशोधित;

- प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों वे कानून के तहत राशि की एक प्रति के साथ माता-पिता प्रदान करने,

- कम से कम प्रतिबंधक वातावरण में बच्चे को रखने; तथा

- माता-पिता की सहमति प्राप्त करने के।

विभिन्न स्थानों में IEP प्रपत्र

NOTES

जबकि कानून हमें बताता है कि कौनसी जानकारी IEP में सम्मिलितत किया जाना चाहिए, यह करता है नहीं क्या IEP की तरह दिखना चाहिए। निर्दिष्ट करें। कोई एक अथवा दृष्टिकोण या उपस्थिति की आवश्यकता है या यह भी सुझाव दिया है। हर राज्य की क्या अपने IEP को कैसा लगेगा फैसला कर सकते हैं। कुछ राज्यों में भिन्न-भिन्न स्कूल प्रणाली के लिए अपने स्वयं IEP रूपों डिजाइन।

इस प्रकार, संयुक्त राज्य भर में अनेक अलग अलग रूपों IEP कियिा जाता है। क्या महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक फार्म के रूप में स्पष्ट है कि संभव के रूप में उपयोगी हो, ताकि माता-पिता, शिक्षकों, संबंधित सेवा प्रदाताओं, प्रशासकों तथा दूसरों को आसानी से कर सकते हैं का उपयोग लिखने और विकलांग के साथ अपने छात्रों के लिए प्रभावी IEP को लागू करने के लिए प्रपत्र।

कानून के अनुसार, कुछ व्यक्तियों एक बच्चे की Individualized शिक्षा कार्यक्रम लेखन में सम्मिलित किया जाना चाहिए। ये बाईं गए चित्र में पहचाने जाते हैं। ध्यान दें कि एक IEP टीम के सदस्य टीम पदों अगर ठीक से योग्य तथा नामित के एक से अधिक भर सकते हैं। उदाहरण के लिए, स्कूल प्रणाली प्रतिनिधि भी व्यक्ति जो बच्चे के मूल्यांकन परिणामों की उल्लेखना कर सकते हैं हो सकता है।

इन लोगों को एक टीम के बच्चे की IEP लिखने के रूप में एक साथ कार्य करना चाहिए। IEP लिखने के लिए एक बैठक का निर्णय लेने से है कि बच्चे विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए पात्र हैं के 30 कैलेंडर दिनों के भीतर आयोजित किया जाना चाहिए।

प्रत्येक टीम के सदस्य IEP बैठक के लिए महत्वपूर्ण जानकारी लाता है। सदस्य अपने जानकारी साझा करने और एक साथ कार्य बच्चे के Individualized शिक्षा कार्यक्रम लिखने के लिए। प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी बच्चे की टीम की समझ और क्या सेवाओं बच्चे जरूरतों को कहते हैं।

माता-पिता को IEP टीम के प्रमुख सदस्य हैं। वे अपने बच्चे को बहुत अच्छे ढंग से जानते हैं और अपने बच्चे की शक्तियों तथा जरूरतों के साथ ही उनके बच्चे की शिक्षा को बढ़ाने के लिए अपने विचारों के बारे में बात कर सकते हैं। वे बच्चे हैं कि सिर्फ एक माता पिता को पता कर सकते हैं कि अन्य पहलुओं कैसे अपने बच्चे को सीखता है में अंतदृष्टि प्रदान कर सकते हैं, क्या उससे अथवा उसके हितों रहे हैं, और। वे क्या टीम के अन्य सदस्यों को लगता है कि उनके बच्चे स्कूल में पर काम करने और अपने सुझाव साझा की आवश्यकता है सुन सकते हैं। उन्होंने

यह भी कौशल बच्चे स्कूल में सीख रहा है घर पर उपयोग किया जा रहा है कि क्या पर रिपोर्ट कर सकते हैं।

शिक्षक IEP बैठक में महत्वपूर्ण प्रतिभागियों के रूप में अच्छी तरह से कर रहे हैं। कम से कम बच्चे की नियमित शिक्षा के शिक्षकों में से एक पर IEP टीम पर होना चाहिए अगर बच्चे है (या हो सकता है) नियमित रूप से शिक्षा वातावरण में हिस्सा लेने। नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका टीम के साथ साझा करने के लिए एक महान सौदा है। उदाहरण के लिए, वह अथवा वह बारे में बात कर सकते हैं :

- नियमित रूप से कक्षा में सामान्य पाठ्यक्रम;
- एड्स, सेवाएं या सहायता मिलेगी बच्चे को सीखने और प्राप्त शैक्षिक कार्यक्रम में परिवर्तन; तथा
- रणनीतियों, व्यवहार के साथ बच्चे को सहायता करने के लिए करता है, तो व्यवहार एक मुद्दा है।

नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका भी IEP टीम के साथ चर्चा कर सकते हैं स्कूल स्टाफ है कि इतना है कि बच्चे को यह कर सकते हैं कि आवश्यकता है के लिए समर्थन करता है :

- उसके वार्षिक लक्ष्य की ओर अग्रिम;
- शामिल है और सामान्य पाठ्यक्रम में प्रगति हो;
- पाठ्येत्तर तथा अन्य गतिविधियों में भाग लेने; तथा
- अन्य बालक दोनों के साथ और विकलांग के बिना साथ शिक्षित किया।

स्कूल स्टॉफ के लिए समर्थन व्यावसायिक विकास अथवा अधिक प्रशिक्षण शामिल हो सकते हैं। व्यावसायिक विकास और प्रशिक्षण शिक्षकों, प्रशासकों, बस चालकों, कैफेटेरिया कार्यकर्ताओं, और अन्य जो विकलांग बालकों के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बच्चे की विशेष शिक्षा शिक्षक महत्वपूर्ण जानकारी और कैसे विकलांग बच्चों को शिक्षित करने के बारे में अनुभव योगदान देता है। विशेष शिक्षा के क्षेत्र में अपने या अपने प्रशिक्षण के कारण इस शिक्षक के रूप में इस तरह के मुद्दों के बारे में बात कर सकते हैं :

NOTES

- कैसे सहायता करने के लिए बच्चे को सीखने में सामान्य पाठ्यक्रम संशोधित करने के लिए;
- अनुपूरक एड्स और सेवाओं है कि बच्चे नियमित रूप से कक्षा और अन्य स्थानों में सफल होने के लिए जरूरत हो सकती है;
- कैसे परीक्षण संशोधित करने के लिए इतना है कि छात्र को दिखा सकते हैं वह अथवा वह क्या सीखा है; तथा
- Individualizing अनुदेश के अन्य पहलुओं छात्र की खास आवश्यकताओं को ध्यान।

IEP लिखने के लिए मदद करने के अतिरिक्त विशेष शिक्षक छात्र के साथ काम करने IEP बाहर ले जाने के लिए जिम्मेदारी है। यह या वह हो सकता है;

- एक संसाधन कक्ष अथवा विशेष शिक्षा सेवाओं को प्राप्त करने के लिए छात्रों के लिए समर्पित कक्षा में छात्र के साथ कार्य करते हैं;
- टीम नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक के साथ सिखाना; तथा
- अन्य स्कूल स्टाफ, विशेष रूप से नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक, के साथ काम बच्चे के अद्वितीय आवश्यकताओं को संबोधित के बारे में विशेषज्ञता प्रदान करने।

IEP टीम का एक अन्य महत्वपूर्ण सदस्य है व्यक्ति जो व्याख्या कर सकते हैं क्या बालकों के मूल्यांकन क परिणाम मतलब उचित अनुदेश को डिजाइन करने के संदर्भ में। मूल्यांकन परिणाम का निर्धारण करने में बहुत उपयोगी कैसे बच्चे को वर्तमान में विद्यालय में क्या कर रहा है और किस क्षेत्रों बच्चा है की आवश्यकता है। यह IEP टीम के सदस्य बच्चे के मूल्यांकन के परिणामों के शिक्षण निहितार्थ है, जो टीम की योजना उचित अनुदेश बच्चे की जरूरतों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी के बारे में बात करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

भिन्न-भिन्न स्कूल प्रणाली का प्रतिनिधित्व भी एक मूल्यवान टीम के सदस्य है। इस व्यक्ति को विशेष शिक्षा सेवाओं और विकलांग बच्चों को शिक्षित करने के बारे में बहुत कुछ जानता है। वह या वह जरूरी स्कूल संसाधनों के बारे में बात कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इस व्यक्ति का अधिकार संसाधनों के लिए प्रतिबद्ध है और है कि जो कुछ सेवाओं IEP में निर्धारित कर रहे हैं वास्तव में प्रदान किया जाएगा सुनिश्चित करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

IEP टीम भी अतिरिक्त सम्मिलित हो सकते हैं ज्ञान या बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता के साथ व्यक्तियों। माता-पिता या स्कूल प्रणाली टीम पर भाग लेने के

NOTES

लिए इन व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं। माता-पिता, उदाहरण के लिए, जो बालक के बारे में बात कर सकते हैं (जैसे कि एक व्यावसायिक शिक्षक जो बच्चे के साथ काम कर रहा है के रूप में), एक वकील जो बालक को जनता है, बच्चे और उसके अथवा उसकी विकलांगता, या दूसरों के बारे में विशेष विशेषता के साथ एक पेशेवर आमंत्रित कर सकते हैं। शक्ति और या जरूरतों। स्कूल प्रणाली एक या अधिक व्यक्तियों, जो इस तरह के एक paraprofessional या संबंधित सेवाओं पेशेवर के रूप में बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता या ज्ञान की पेशकश कर सकते, आमंत्रित कर सकते हैं। क्योंकि विकासशील एक IEP (बॉक्स में पिछले पृष्ठ पर संबंधित सेवाओं की सूची देखें) संबंधित सेवाओं के लिए एक बच्चे की आवश्यक विचार कर रहा है का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, संबंधित सेवा पेशेवरों अक्सर IEP टीम के सदस्यों या प्रतिभागियों के रूप में सम्मिलित कर रहे हैं। वे बच्चे की जरूरतों और कैसे अपने स्वयं के पेशेवर सेवाओं के उन जरूरतों को पूरा कर सकते हैं के बारे में उनके विशेष विशेषज्ञता साझा करें। बच्चे की व्यक्तिगत जरूरतों के आधार, पर कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने अथवा अन्यथा IEP विकसित करने के लिए व्यावसायिक या भौतिक चिकित्सक, अनुकूली शारीरिक शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक, या भाषण भाषा पैथोलॉजिस्ट शामिल हो सकता है की सहायता करने। कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने या अन्यथा IEP विकसित करने के लिए व्यावसायिक या भौतिक चिकित्सक, अनुकूली शारीरिक शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक, या भाषण भाषा पैथोलॉजिस्ट सम्मिलित हो सकता है की मदद करने/कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने या अन्यथा IEP विकसित करने के लिए व्यावसायिक अथवा भौतिक चिकित्सक, अनुकूली शारीरिक शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक या भाषण भाषा पैथोलॉजिस्ट शामिल हो सकता है की सहायता करने।

एक IEP संक्रमण उम्र के एक छात्र के लिए विकसित किया जा रहा है, संक्रमण सेवा एजेन्सियों के प्रतिनिधियों महत्वपूर्ण प्रतिभागियों हो सकता है। (संक्रमण के बारे में अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए बॉक्स देखें।) जब भी बैठक का एक उद्देश्य जरूरी संक्रमण सेवाओं पर विचार करना है, स्कूल किसी अन्य एजेंसी है कि उपलब्ध कराने अथवा संक्रमण सेवाओं के लिए भुगतान के लिए जिम्मेदार होने की संभावना है के एक प्रतिनिधि को आमंत्रित करना चाहिए। इस व्यक्ति ने टीम की योजना किसी भी संक्रमण सेवाओं छात्र की जरूरत कर सकते हैं। वह भी के लिए भुगतान या जरूरी संक्रमण सेवाएं प्रदान करने के एजेंसी के संसाधनों के लिए प्रतिबद्ध कर सकते हैं। वह या वह बैठक में हिस्सा लेने नहीं करता है, तो स्कूल के छात्र के संक्रमण सेवाओं की योजना बनाने में एजेंसी की भागीदारी प्राप्त करने के लिए वैकल्पिक कदम उठाने चाहिए।

और, पिछले कम से कम नहीं परन्तु छात्र, भी IEP टीम के एक सदस्य हो सकता है। संक्रमण सेवा की जरूरत है अथवा संक्रमण सेवाओं की बैठक में चर्चा

होने जा रहे हैं, छात्र भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। अधिकांश छात्रों में भाग ले रहे हैं और यहाँ तक अपने स्वयं के IEP बैठकों अग्रणी। यह उन्हें अपने शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत आवाज के लिए और उन्हें खुद वकालत और आत्मनिर्णय के बारे में बहुत कुछ सिखा सकते हैं अनुमति देता है।

टीएलएम

नियमित रूप से शिक्षक IEP टीम का भाग के रूप में पार्ट बी के लिए संघीय नियमों का एक परिशिष्ट के विचार IEP के बारे में अनेक सवालों के जबाव। प्रश्न 24 IEP टीम पर नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक की भूमिका संबोधित करते हैं। यहाँ जबाव से एक अंश है :

जबकि एक नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका IEP टीम के एक सदस्य होना चाहिए अगर बच्चा है, अथवा हो सकता है, नियमित रूप से शिक्ष वातावरण में भाग लेने वाले, शिक्षक (बच्चे की जरूरतों पर निर्भर करता है की जरूरत नहीं है और विशिष्ट IEP के प्रयोजन टीम की बैठक) की बैठक की या भाग के रूप में किए गए समस्त फैसलों में भाग लेने के लिए आवश्यक हो पूरी बैठक में उपस्थित हो सकता है या हर बैठक में भाग लेने। उदाहरण के लिए, नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक जो IEP टीम के एक सदस्य चर्चाओं और फैसलों में हिस्सा लेने चाहिए कैसे बच्चे की भागीदारी और सामान्य पाठ्यक्रम तथा नियमित रूप से शिक्षा वातावरण में भागीदारी में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से कक्षा में सामान्य पाठ्यक्रम को संशोधित करने के बारे में।

विशिष्ट परिस्थितियों के आधार पर, यद्यपि यह आवश्यक नहीं है नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक, उदाहरण के लिए, चर्चा, और के बारे में निर्णय में हिस्सा लेने के लिए बच्चे की भौतिक चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है, यदि शिक्षक के उस भाग को लागू करने के लिए जिम्मेदार नहीं है बच्चे की IEP।

"IEP बैठकों में नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका की भागीदारी की सीमा निर्धारित करने में, सार्वजनिक एजेन्सियों और माता-पिता के सन्दर्भ में बात और पर समझौते तक पहुँचने का प्रयास करना चाहिए कि क्या बच्चे की नियमित शिक्षा शिक्षक IEP टीम के एक सदस्य के लिए एक विशेष IEP बैठक में उपस्थित होना चाहिए कि और यदि हाँ, तो समय की अवधि के लिए क्या। किस हद तक यह IEP टीम IEP बैठकों में हिस्सा लेने के की नियमित शिक्षा शिक्षक सदस्य के लिए उपयुक्त होगा मामला-दर-मामला आधार पर निर्णय लिया जाना चाहिए।"

सारांश

Scis हमेशा तुरंन्त पहचानने योग्य नहीं है। निम्नलिखित चोटों रीढ़ की हड्डी को संभावित क्षति के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए :

NOTES

- सिर की चोटों, विशेष रूप से सामना करने के लिए आघात के साथ उन
- श्रोणि भंग
- रीढ़ की हड्डी के क्षेत्र में चोटों मर्मज्ञ
- ऊँचाई से गिरने से चोट लगने की घटनाएं

इन चोटों के किसी भी प्रकार लक्षण (तीव्र सिर, गर्दन, या पीठ दर्द जैसा कि ऊपर उल्लेख से किसी के साथ एक साथ होते हैं, हाथ पैरों में महसूस की गिरावट; शरीर का हिस्सा पर नियंत्रण की कमी, मूत्र या आंत्र समस्याओं, चलने में परेशानी दर्द या छाती क्षेत्र में दबाव बैंड, साँस लेने में कठिनाई, सिर या रीढ़ गांठ), तो एससीआई फंसा हो सकता है।

एक एससीआई ध्यान से किया जाना चाहिए होने का संदेह एक मनुष्य को आगे चोट रीढ़ एक आपातकालीन करने अथवा ट्रॉमा सेंटर स्थिर करने के लिए रखा जाना चाहिए जाया करने से रोकते हैं। एक डॉक्टर दुर्घटना की प्रकृति का निध ्रािरण व्यक्ति पर सवाल खड़ा होगा तथा मेडिकल स्टॉफ संवेदी समारोह और आंदोलन के लिए रोगी का परीक्षण कर सकते हैं। घायल व्यक्ति ग्रीवा में दर्द की शिकायत है, तो पूर्ण रूप से जाग रही है या कमजोरी या न्यूरोलॉजिकल चोट के साफ चिन्ह हैं, नैदानिक परीक्षण प्रदर्शन किया जाएगा। इन परीक्षणों सम्मिलित हो सकते हैं।

7 बहुविकलांगता का अर्थ एवं वर्गीकरण मिर्गी एवं संवेदी स्थिति

NOTES

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- प्राक्कथन
- विशेषताएँ
- मन्द बुद्धि के साथ गतिविषयक विकलांगता
- इन्द्रिय अक्षम बच्चे
- शैक्षणिक प्रावधान
- शिक्षण विधियाँ
- मिर्गी, लक्षण
- निदान
- उद्देश्य
- मिर्गी तथा जीवन प्रत्याशा
- मिर्गी के लक्षण
- संवेदी विकास
- संवेदी प्रसंस्करण विकार के कारण
- संवेदी प्रसंस्करण विकार
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

उद्देश्य—इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे—

- विशेषताएँ
- मन्द बुद्धि के साथ गतिविषयक विकलांगता
- इन्द्रिय अक्षम बच्चे
- शैक्षणिक प्रावधान

- शिक्षण विधियाँ
- मिर्गी, लक्षण
- निदान
- उद्देश्य
- मिर्गी तथा जीवन प्रत्याशा
- मिर्गी के लक्षण
- संवेदी विकार
- संवेदी प्रसंस्करण विकार के कारण
- संवेदी प्रसंस्करण विकार

प्राक्कथन

आम व्यक्ति के दृष्टिकोण से बहुविकलांगता से साधारण तौर पर अर्थ एक से अधिक विकलांगता है। शैक्षणिक उद्देश्य के लिए बहुविकलांग व्यक्तियों को इस प्रकार परिभाषित करते हैं—

अगर अक्षमता के कारणों के संयोजनों से जैसे गंभीर शैक्षणिक कठिनाइयाँ उत्पन्न हों जिन्हें मात्र एक अक्षमता के लिए विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम में समायोजित न किया जा सकता है, ऐसे बच्चों को बहुविकलांग माना जाता है।

(यू. एस. फेडरल रजिस्टर 1977)

यह परिभाषा यह भी इंगित करती है कि एक विकलांगता के लिए शैक्षणिक प्रावधान ऐसे बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। हम यहाँ देखते हैं कि ऐसे बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं।

शारीरिक और मानसिक विकलांगता बालक को विशिष्ट बालकों की श्रेणी में होते हैं। कुछ बालक ऐसे होते हैं जिनमें कई प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक विकलांगता होती है। इन्हें बहुल विकलांग बालक कहते हैं। सचवार्टज ने बहुल विकलांग बालक परिभाषा इस प्रकार दी है—

परिभाषानुसार बहुल विकलांग बालक में दो या दो से अधिक अयोग्यताएं हैं जिन्हें उनकी देखरेख शिक्षा तथा युवा जीवन की योजना के लिए ध्यान में रखना चाहिए।

(By definition, multiple, handicapped, individuals have two or disabilities that have to be considered in regard to their rcare. Education planning for adult life.)

NOTES

बहुविकलांगता व्यक्ति कौन है?

जैसा ऊपर देखा गया कि कोई मनुष्य जिससे विकलांगता का संयोजन हो, बहुविकलांग होता है।

संयोजन मन्द बुद्धि का श्रवण अक्षमता तथा / अथवा दृष्टि अक्षमता तथा / अथवा शारीरिक विकलांगता जिसमें हाथ पैर सम्मिलित है जैसे वे विरूपताएँ जो दुर्घटना स्वरूप उत्पन्न होती हैं, जन्मजात दोष या सेरेवल पाल्सी हो सकती है। बहुविकलांगता ऊपर दर्शायी गयी दो या अधिक विकलांगताओं का संयोजन हो सकता है। जैसा कि हमारा केन्द्र बिन्दु मानसिकस विकलांगता है हम उन पर ध्यान देते हैं मानसिक विकलांगता के साथ-साथ दृष्टि, श्रवण अथवा गतिविषयक विकलांग है।

विशेषताएँ

जैसा पहले देखा गया है कि गंभीर/अति गंभीर मानसिक विकलांग बच्चों में अलावा विकलांगता हो सकती है। यह भी संभव है कि अति अल्प/अल्प मानसिक विकलांग बच्चों में भी दृष्टि, श्रवण अथवा गति विषयक विकलांगता हो सकती है।

मन्दबुद्धि के साथ गतिविषयक विकलांगता

बहुविकलांग बच्चों में बहुत अधिक संख्या में बच्चों के साथ गामक समस्यायें होती हैं। कई गंभीर/अति गंभीर विकलांग प्रकृति रूप से असंचारी होती है। अन्य को वाक समस्यायें जन्मजात कुरूपता, सेरेब्रल पाल्सी या संक्रमण की वजह से तथा दुर्घटनाओं के कारण होती हैं।

मन्दबुद्धि तथा गति विषयक विकलांग बच्चे प्रायः सेरेब्रल पाल्सी (CP) से प्रभावित पाये जाते हैं। कुछ कम संख्या में बच्चे दोनों दोषों से प्रभावित देखे जाते हैं। कई CP बच्चों की बुद्धि सामान्य या सामान्य से अधिक होती है लेकिन अधिक मन्दबुद्धि होते हैं।

स्कूल तैयारी के लिए प्रकार

एक CP बच्चा टनी, संकुचित पेशियों के साथ स्पास्टिक हो सकता है। एथेटव्याड के साथ सिर हाथ पैर तथा आँखों की लगातार अनियंत्रित गति कठोर

तथा तनी हुई पेशियाँ जो उनको चलाने में प्रतिरोध उत्पन्न करती है। एटेन्जिक में कमजोर सन्तुलन जिससे लड़खड़ाकर चलना तथा/या गिर जाता है।

हाथ पैर शामिल होने के आधार उन्हें मोमोप्लीजिया, डाइप्लीजिया या हेमीप्लीजिया बच्चे कहा जाता है।

बहुविकलांगता के प्रकार—

यह प्राय: निम्नलिखित प्रकार की हो सकती है—

1. **श्रवण अक्षम एवं दृष्टि बाधित—**जब मनुष्य बाह्य वातावरण की ध्वनि को सुनने में अक्षम होने के साथ-साथ किसी वस्तु इत्यादि को सामान्य दूरी पर स्पष्ट रूप से देखने में सक्षम होता है तो उसे श्रवण तथा दृष्टि बाधित बहुविकलांग कहते हैं।

2. **मानसिक मंद, श्रवण अक्षम एवं दृष्टि बाधित—**जब किसी मनुष्य में सोचने, समझने, सीखने, निर्णय लेने आदि में देरी अथवा अक्षमता हो, बाह्य वातावरण को ध्वनि को सुनने में अक्षम हो एवं सामान्य दूरी पर किसी वस्तु को स्पष्ट देखने में परेशानी हो रही हो तो उसे दृष्टि बाधित, श्रवण अक्षम एवं मानसिक मंदता से ग्रसित बहुविकलांग कहते हैं।

3. **मानसिक मंद एवं दृष्टि बाधित—**सीखने में कमी व सीखने में अक्षम एवं सामान्य परिवेश में वस्तु का स्पष्ट देखने में कठिनाई हो, तो उसे दृष्टिबाधित तथा मानसिक मंदता कहते हैं।

1. **प्रमस्तिष्किय पक्षाघात एवं मानसिक मंदता—**मस्तिष्किय क्षति होने के साथ-साथ उसके अंग लकवाग्रस्त हो, माँसपेशिया असामान्य हो तथा सोचने, समझने, सीखने एवं निर्णय लेने में अक्षम अथवा परेशानी हो तो उसे प्रमस्तिष्किय पक्षाघात एवं मानसिक मंदता से ग्रसित विकलांग कहते हैं।

2. **गामक क्षमता, श्रवण अक्षम एवं दृष्टि बाधित—**श्रव्य एवं दृश्य समस्या के साथ जब किसी मनुष्य को चोट अथवा दुर्घटना की वजह से शारीरिक विकलांगता हो जाती है तो उसे दृष्टि बाधित, श्रवण अक्षम एवं गामक अक्षमता से ग्रसित बहुविकलांग कहते हैं।

3. **मानसिक मंद व शारीरिक अक्षमता—**मानसिक मदता के साथ यदि उसे शारीरिक कठिनाई होती है जिसके कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ हो जाता है तो उसे मानसिक व शारीरिक विकलांग कहते हैं।

बहुविकलांगता के लक्षण

बहुविकलांगता दो या दो से ज्यादा विकलांगता का मिला-जुला रूप होता है, अलग-अलग प्रकार की विकलांगता से जुड़े बहुविकलांगता के निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं–

बहुविकलांगता में बच्चों की शारीरिक विकास की प्रक्रिया मंद होती है। जैसे गर्दन नियंत्रण, बैठना, घुटने के बल चलना, खड़ा होना इत्यादि।

- शौच नियंत्रण की कमी होती हैं।
- कुछ बच्चों को निगलने, चबाने हाथ के उपयोग आदि कौशल में अक्षमता होती है।
- वे आसानी से देखने, सुनने, स्पर्श, गंध स्वाद की नहीं समझते हैं।
- वे स्पष्ट रूप से अपनी भावनाओं, विचारों तथा आवश्यकताओं को व्यक्त नहीं कर सकते हैं।
- वे उन नवीन कौशलों को नहीं सीख पाते हैं जिसे दूसरे को करते देखते हैं।
- वे सीखन में धीमे या अक्षम होते हैं।

(4) बहुल विकलांगता के कारण (Causes of Multiple Handicappedness)

बहुल विकलांगता के कुछ कारण निम्नलिखित हैं–

(i) माँ की बीमारी।

(ii) माँ द्वारा ली गई दवाइयों का प्रभाव, प्रमुखत: उन दवाइयों का जो थैलीडेन (Thalidomite) से बनायी जाती हैं।

(iii) दुर्घटना में मिली चोटें।

(iv) रोगग्रस्त।

इन्द्रिय अक्षम बच्चे

इससे अर्थ बच्चों से है जिनमें दृष्टि तथा / या श्रवण अक्षमता होती है। ऐसे बच्चों को सीखने में कठिनाई होती है। हम जानते हैं कि मन्दबुद्धि बच्चे बहुइन्द्रिय निवेश द्वारा अच्छा सीखते हैं तथा इन बच्चों में इन्द्रिय योग्यता की कमी होती है।

उदाहरणार्थ मन्द बुद्धि बच्चों का विकास धीमा होता है तथा हम उनको विभिन्न क्रियाओं द्वारा प्रेरित करते हैं जिसमें दृष्टि, श्रवण स्पर्श, गन्ध तथा स्वाद शामिल है। जब देखने की क्षमता मौजूद नहीं होती तो बच्चा सामने के खिलौने से आकर्षित नहीं होगा तथा उनकी तरफ नहीं जाएगा। इस तरह संचलनशीलता की गामक क्रिया धीमी हो जाती है। उसी प्रकार बच्चा, जिसमें मन्दबुद्धिता पहले से है उनका भाषा-विकास मंद होता है। जब वह कोई ध्वनि नहीं सुन पाते हैं तो निश्चित रूप से वाच्य एवं संप्रेषण में और मंदापन आ जाता है। इस तरह से मन्दबुद्धि बच्चे तथा अतिरिक्त इन्द्रिय/गामक विकलांगताएँ पूर्ण रूप से अलग-अलग क्रियाओं, दैनिक जीवन, संचलनशीलता संप्रेषण कौशल के शिक्षण में चुनौतियाँ खड़ी करती हैं।

शैक्षणिक प्रावधान

विशेष स्कूल के रूप में इसके लिए शैक्षणिक सेवाएं या किसी दूसरे रूप में देश में बहुत कम हैं। इसके बहुत कारण हैं :

- विकलांगताओं के संयोजन इतने भिन्न हैं कि एक विशेष कार्यक्रम विकसित नहीं किया जा सकता।
- अवस्था अपने आप में ही कम दर की हैं, इसलिए विशेष विद्यालयों में भी इनकी संख्या ज्यादा नहीं हो सकती।
- इस छोटी सी संख्या के लिए विशिष्ट विद्यालयों को खोलना आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है क्योंकि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के उपकरण व्यावसायिक जिनमें वाच्य, शारीरिक व्यावसायिक, चिकित्सक, विशेष शिक्षक, उन्मुखीकरण तथा संचलनशीलता निर्देशक तथा चिकित्सा व्यावसायिक शामिल हैं।
- ऐसी सुविधओं को स्थापित करने के लिए परिवहन सुविधाओं की कमी भी एक साधारण कारण है।
- देश में बहुविकलांगता के क्षेत्र में प्रशिक्षित अभिभावकों की अल्पता है।

इन सभी कमियों के बावजूद भी देश में कई सेवा संगठन हैं। भारत के बड़े शहरों में प्लास्टिक सोसाइटीज, विशेष, संगठन, सेरेब्रल पाल्सी व्यक्तियों के लिए खोले हैं। श्रवण तथा दृष्टि से अक्षम बच्चों के लिए कुछ सुविधाएँ विकसित की

जा रही हैं। इसके साथ गूँगे, तथा दृष्टिहीन लोगों के लिए काम कर रहा है तथा इन्द्रिय अक्षम मनुष्यों के लिए कार्य करने वाले संगठनों के विकास को बढ़ाता है।

NOTES

सामुदायिक आधारित पुनर्वास तथा गृह आधारित प्रशिक्षण भी बहुविकलांग मनुष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए जागरूकता उतनी ही व्यावहारिक पायी गयी है।

दूसरा व्यवहार्य मॉडल बहुविकलांग बच्चों को एक विकलांगता प्रभावित बच्चों के साथ स्कूलों में प्रवेश देकर तथा इन सर्विस कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित कर दे जिससे वे ऐसे बालकों को कक्षाओं में प्रबंधन करने में सक्षम हो जाते हैं।

पाठ्यक्रम विषय

मन्दबुद्धि तथा कम गामक विकलांग बच्चे के पाठ्यक्रम विषय में बैठने की अवस्था, संचलनशीलता, आत्मनिर्भर बनाने वाली कार्यात्मक क्रियाओं के लिए हाथों और पैरों का प्रभावी प्रयोग संप्रेषण, सामाजीकरण तथा अगर उसमें क्षमता है तो कार्यात्मक शिक्षा में प्रमुख रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

अनेक बार बच्चे बिना लिखाई-पढ़ाई के भी व्यावसायिक कौशल सीख सकते हैं जो आम होते हैं तथा जिनको बार-बार दिनचर्या में करना पड़ता है। इसे पहले व्यावसायिक स्तर के पाठ्यक्रम में अवश्य सम्मिलित किया जाना चाहिए। शिक्षण के लिए अगर जरूरी है तो अनुकूलित सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है। मन्दबुद्धि तथा इन्द्रिय अक्षम बच्चों के लिए संचलनशीलता, संप्रेषण, रोजमर्रा के कौशलों में आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक कौशलों को पाठ्यक्रम में अवश्य शामिल किया जाना चाहिए।

अनुकूलन बच्चे के अनुरूप हो। चाहे समस्या गामक या इन्द्रिय हो पाठ्यक्रम का उद्देश्य बच्चे को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना होना चाहिए। ये नीचे कुछ साधारण अनुकूलन प्रतिदिन के कौशलों के लिए दिए गए हैं।

शिक्षक को बालकों का कार्यात्मक स्तर, आवश्यकताएँ तथा योग्यताएँ ध्यान में रखते हुए अनुकूलन विकसित करने के लिए शिक्षक का अन्वेषी तथा सृजनशील होना जरूरी है।

शिक्षण विधियाँ

शिक्षण विधियाँ एक या बहुविकलांग बच्चों के लिए एक जैसी ही हैं। स्पर्श, इन्द्रिय तथा उचित उपकरणों का प्रयोग बहुविकलांग बच्चों के लिए करना बहुत

NOTES

जरूरी है।

यन्त्र/उपकरण दो प्रकार के हो सकते हैं—(1) शिक्षण यंत्र/उपकरण (2) कार्यात्मक उपकरण। शिक्षण उपकरणों का प्रयोग शिक्षण के समय किया जाता है तथा कृत्य सीखने के बाद उनकी जरूरत नहीं होती है (जैसे गिनने के लिए ब्लाक)। कार्यात्मक उपकरण काम के निष्पादन में आवश्यक होते हैं। जैसे श्रव्य उपकरण या व्हील चेयर। यह निर्णय लेते समय कि किस बच्चे का कौनसा उपकरण जरूरी हैं शिक्षक को बुद्धिमानी से काम लेना चाहिए।

सारणी—3 इन्द्रिय प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए क्रियाओं के उदाहरण

प्रेरित की गई इन्द्रिय	सुझाई गई क्रियाएँ
दृष्टि	(1) विद्यार्थी को साथ-साथ चलाये या फर्श पर बने नमूने को खोजें।
	(2) अलग-अलग आकार तथा रंगों की चलती-फिरती वस्तुओं का विद्यार्थी से ढुंढ़वाएँ।
	(3) बढ़ते क्रम की बाधाओं से बालकों को पार करवाएँ।
	(4) सीसे के प्रयोग से शरीर के अंगों को पहचानना तथा शरीर की गतियों की नकल करना।
	(5) गहरे रंगों वाली वस्तुओं को छाँटना तथा मिलाना या विभिन्न रंगों वाली आकृतियाँ।
	(6) पहुँच में होने वाली पसंदीदा वस्तुओं को पकड़ना तथा गति और पकड़ को उत्साहित करें।
श्रवण	(1) लय में ध्वनि करें तथा उसकी नकल करने को कहें।
	(2) विशेष ध्वनि के फलस्वरूप एक डण्डी पर छल्ला डालना (गंभीर गामक विकलांगता में बालक पलक फटका सकता है।)
	(3) सुखद ध्वनि देने वाली वस्तुओं से खेलने को प्रोत्साहित करें। (घंटी, संगीतमय खिलौने आदि)

NOTES

(4) ध्वनि उत्पन्न करने वाले खिलौने को छुपा दें तथा उसको विद्यार्थी से खोजवायें।

(5) संगीत खेल (साइमन संज, म्यूजिकल चेयर्स इत्यादि)

(6) बच्चे की स्वर ध्वनि की नकल करें तथा देखें कि बालक आपकी नकल करता है।

स्पर्श

(1) सम कणदार संरचना को पृथक करना तथा मिलान करना (फैब्रिक, सैण्ड पेपर इत्यादि)

(2) ऐसी कणदार संरचना से बालक को मलें जो उसे सुखदायी महसूस हो, तत्पश्चात् इस विधि को शरीर के अंगों के नाम सिखाने में करें।

(3) विद्यार्थी को विभिन्न तापमानों वाली वस्तुओं को अनुभव करवायें (गरम पानी, बर्फ के टुकड़े इत्यादि)

(4) विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के चेहरे महसूस करने को कहें तथा उनके शरीरों को अन्वेषण करने को कहें (डानलान और वरटन 1976) मौखिक तथा गैर मौखिक क्रियाओं को भी जोड़ लें।

(5) फार्म बोर्ड के आकारों अथवा साधारण पजल्स को स्पर्श से अलग करना।

(6) बालक को नंगे पैर क्षेत्र को महसूस करने दें।

सूँघना

(1) अलग-अलग प्रकार की सुगन्धों (खुशबू) को घर के चारों ओर महसूस करने को प्रोत्साहन करें।

(2) विशेष सुगन्धों से बालक की जानकारी करायें।

(3 सामुदायिक अनुभव प्रदान करें, सुपर मार्केट, जूते की दुकान और भोजनालय की सुगन्धों में अन्तर बताने के लिए महत्वपूर्ण स्रोत है तथा शिक्षक अवसर प्रदान करते हैं।

स्वाद

(1) अलग–अलग व्यंजनों से प्रयोग करें।

(2) सुखदायी स्वादों को अच्छे किये गये कार्यों से युग्म बनाएँ।

(3) अच्छे स्वादों को उनके व्यंजनों से सम्बन्धित करें या तो स्वर या संकेतों से उनके नाम बताएँ।

मिर्गी (Epilesy)

मिर्गी एक मस्तिष्क विकार है जिसमें एक व्यक्ति दोहराया गया है। बरामदगी समय के साथ। बरामदगी कि ध्यान अथवा व्यवहार में परिवर्तन का कारण हो सकता मस्तिष्क की कोशिकाओं के अनियंत्रित तथा असामान्य फायरिंग के प्रकरणों हैं।

कारण—मिर्गी तब होता है जब मस्तिष्क में स्थायी परिवर्तन यह भी उत्तेजनीय अथवा चिड़चिड़ा होने का कारण बना नतीजतन, मस्तिष्क असामान्य संकत भेजता हैं यह दोहराया, अप्रत्याशित बरामदगी की ओर जाता है।

मिर्गी कि मस्तिष्क को प्रभावित करता एक चिकित्सा हालत अथवा चोट की वजह से हो सकता है। अथवा कारण अज्ञात हो सकता है।

मिर्गी के सामान्य कारणों में शामिल हैं :

- स्ट्रोक अथवा क्षणिक ischemic हमले (TIA)
- मनोभ्रंश जैसे अल्जाइमर रोग के रूप में,
- मस्तिष्क की चोट
- संक्रमण, सहित मस्तिष्क फोड़ा, दिमागी बुखार, इन्सेफेलाइटिस, एवं एचआईवी/एड्स।
- मस्तिष्क की समस्याओं है कि जन्म के समय मौजूद हैं (जन्मजात मस्तिष्क दोष)।
- मस्तिष्क की चोट के दौरान अथवा जन्म के पास होता है।
- जन्म के समय मौजूद चयापचय विकारों (जैसे phenylketonuria)
- मस्तिष्क का ट्यूमर
- मस्तिष्क में असामान्य रक्त वाहिकाओं

- अन्य बीमारी है कि नुकसान अथवा नष्ट कर देता है मस्तिष्क के ऊतकों।

मिर्गी के दौरों आमतौर पर उम्र के 5 तथा 20 के बीच शुरू हो लेकिन वे किसी भी उम्र में हो सकता है। वहाँ दौरे अथवा मिर्गी का पारिवारिक इतिहास हो सकता है।

NOTES

लक्षण—लक्षण हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो। कुछ लोगों को सरल घूर मंत्र हो सकता है। अनेक लोग हिंसक झटकों तथा सतर्कता की हानि की है। जब्ती के प्रकार के मस्तिष्क की प्रभावित होता है की ओर से निर्भर करता है।

अधिकांश समय, जब्ती यह पहले एक के समान है। मिर्गी के साथ कुछ लोगों को प्रत्येक जब्ती से पहले एक अजीब अनुभूति होती है। उत्तेजना झुनझुनी किया जा सकता है, एक गंध है कि वास्तव में वहाँ नहीं है, अथवा भावनात्मक परिवर्तन महक। यह एक प्रभामंडल कहा जाता है।

आपका डॉक्टर जब्ती आप हो सकता है कि विशिष्ट प्रकार क बारे में अधिक आप बता सकते हैं :

- अनुपस्थिति (पेटिट मल) जब्ती (घूर मंत्र)
- सामान्यीकृत tonic अवमोटर (भव्य मल) जब्ती (आभा, कठोर मांसपेशियों तथा सतर्कता की हानि सहित पूरे शरीर, शामिल है)
- आंशिक (फोकल) जब्ती (जहाँ मस्तिष्क में जब्ती शुरू होता है के आधार पर लक्षण ऊपर वर्णित के किसी भी शामिल कर सकते हैं)।

परीक्षा तथा टेस्ट—डॉक्टर एक शारीरिक परीक्षा प्रदर्शन करेंगे। यह मस्तिष्क तथा तंत्रिका तंत्र को विस्तार से देखा शामिल होंगे।

एक **ईईजी** (electroencephalogram) मस्तिष्क में विद्युतीय गतिविधि की जांच करने से किया जाएगा। मिर्गी के साथ लोग बहुधा असामान्य विद्युतीय गतिविधि इस परीक्षण पर देखा है। कुछ मामलों में, परीक्षण मस्तिष्क जहाँ बरामदगी शुरू में क्षेत्र को दर्शाता है। मस्तिष्क एक जब्ती के बाद अथवा बरामदगी के बीच सामान्य दिख सकता है।

मिर्गी सर्जरी के लिए मिर्गी अथवा योजना का निदान करने के लिए, आप की जरूरत हो सकता है :

NOTES

- दिनों अथवा हफ्तों क लिए एक ईईजी रिकॉर्डर पहनें के रूप में आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के बारे में जाना।
- एक विशेष अस्पताल जहाँ मस्तिष्क की गतिविधियों को वीडियो कैमरे पर देखा जा सकता है में रहते हैं। यह वीडियो ईईजी कहा जाता है।

टेस्ट किया जा सकता है शामिल हैं :

- रक्त रसायन
- ब्लड शुगर
- सीबीसी (पूर्ण रक्त गणना)
- किडनी फंक्शन टेस्ट
- लिवर फंक्शन परीक्षण
- काठ का पंचर (रीढ़ की हड्डी में नल)
- संक्रामक रोगों के लिए टेस्ट

प्रमुख सीटी अथवा एमआरआई अक्सर कारण तथा मस्तिष्क में समस्या का स्थान खोजने के लिए किया स्कैन।

इलाज—मिर्गी के लिए उपचार दवाएं ले, जीवन शैली में परिवर्तन, एवं कभी-कभी सर्जरी भी शामिल है। तो मिर्गी एक ट्यूमर की वजह से है, असामान्य रक्त वाहिकाओं, अथवा मस्तिष्क में खून बह रहा है, इन विकारों के इलाज के लिए सर्जरी बरामदगी को रोकने कर सकते हैं। दवाओं दौरे, कहा जाता आक्षेपरोधी को रोकने के लिए, भविष्य बरामदगी की संख्या को कम कर सकते हैं :

- इन दवाओं मुँह से लिया जाता है। आप किस प्रकार के निर्धारित कर रहे हैं बरामदगी के प्रकार पर आश्रित है।
- आपको खुराक समय-समय पर परिवर्तित करने की आवश्यकता हो सकती है। आप साइड इफेक्ट के लिए जाँच करने के लिए नियमित रूप से रक्त परीक्षण करना पड़ सकता है।

- हमेशा समय पर एवं निर्देशित के रूप में अपनी दवा ले लो। एक खुराक गुम आप एक जब्ती के लिए हो सकता है। लेना बंद अथवा अपने दम पर दवाओं नहीं बदलते। पहले अपने डॉक्टर से बात।

- कई मिर्गी दवाओं जन्म दोष उत्पन्न। जो महिलाएं गर्भवती बनने की योजना क्रम दवाओं को समायोजित करने के लिए अग्रिम में अपने डॉक्टर को बताना चाहिए।

NOTES

कई मिर्गी दवाओं अपनी हड्डियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। के बारे में आप विटामिन तथा अन्य की खुराक की जरूरत है कि क्या अपने डॉक्टर से बात। मिर्गी कि दो अथवा तीन विरोधी जब्ती दवाओं कोशिश की गई है के बाद बेहतर नहीं मिलता है "चिकित्सा की दृष्टि से दुर्दम्य मिर्गी।" कहा जाता है इस मामले में, डॉक्टर के पास सर्जरी की सिफारिश कर सकती :

- असामान्य मस्तिष्क की कोशिकाओं को बरामदगी के कारण निकालें।

- एक वेगस तंत्रिका संबंधी तंत्रिका उत्तेजक (VNS) रखें। यह डिवाइस एक हृदय पेसमेकर के समान है। यह बरामदगी की संख्या को कम कर सकते हैं।

कुछ बच्चों को एक विशिष्ट आहार पर रखा जाता है दौरे को रोकने में मदद करने के लिए। सबसे लोकप्रिय एक ketogenic आहार है। कार्बोहाइड्रेट में एक आहार कम, इस तरह के Atkins आहार के रूप में, यह भी कुछ वयस्कों में सहायक हो सकता है। उन्हें प्रयास करने से पहले अपने चिकित्सक के साथ इन विकल्पों पर चर्चा करना न भूलें।

जीवन शैली अथवा चिकित्सा परिवर्तन में एक जब्ती का खतरा बढ़ सकता वयस्कों तथा बच्चों मिर्गी के साथ। के बारे में अपने डॉक्टर से बात :

- न्यू निर्धारित दवाओं, विटामिन अथवा पूरक
- भावनात्मक तनाव
- बीमारी, विशेष रूप से संक्रमण
- नींद की कमी
- गर्भावस्था

NOTES

- मिर्गी दवाओं की खुराक छोड़ा जा रहा है
- शराब अथवा अन्य मनोरंजक दवाओं के उपयोग

अन्य बातें :

- मिर्गी के साथ लोगों को चिकित्सा चेतावनी गहने पहनना चाहिए अगर एक जब्ती होता शीघ्र चिकित्सा उपचार प्राप्त किया जा सकता।
- खराब नियंत्रित मिर्गी क साथ लोगों को ड्राइव नहीं करना चाहिए। अपने राज्य के कानून के बारे में जो बरामदगी के इतिहास के साथ लोगों को ड्राइव करने के लिए अनुमति दी जाती है की जाँच करें।
- मशीनरी का उपयोग नहीं करते अथवा गतिविधियों, इस तरह, उच्च स्थानों के लिए चढ़ाई बाइकिंग, तथा अकेले तैराकी के रूप में है कि जागरूकता के नुकसान का कारण सकता है।

सहायता समूहों—मिर्गी होने अथवा मिर्गी के साथ किसी के कार्यवाहक होने का तनाव अक्सर एक में शामिल होने से मदद की जा सकती सहायता समूह। इन समूहों में, सदस्यों आम अनुभवों तथा समस्याओं को साझा करें।

रोग का निदान—मिर्गी के साथ कुछ लोगों को कम करने के लिए अथवा यहाँ तक कि कई वर्षों के लिए कोई बरामदगी होने के बाद उनके विरोधी जब्ती दवाओं को रोकने में सक्षम हो सकता है। बचपन मिर्गी के कुछ प्रकार, चले जाओ अथवा आम तौर पर देर से किशोर या 20 में उम्र के साथ सुधार होगा। कई लोगों के लिए, मिर्गी एक आजीवन शर्त है। इन मामलों में, विरोधी जब्ती दवाओं जारी रखा जाना चाहिए। वहाँ मिर्गी के साथ अचानक मौत का एक बहुत ही कम जोखिम है।

- संभव जटिलताओं
- जटिलताओं शामिल हो सकते हैं;
- कठिनाई सीखने
- एक जब्ती के दौरान फेफड़ों में भोजन अथवा लार में श्वास, आकांक्षा निमोनिया हो सकता है जो

- एक जब्ती के दौरान गिरता है, धक्कों, आत्म प्रवृत्त काटने, ड्राइविंग अथवा ऑपरेटिंग मशीनरी से चोट।
- स्थायी मस्तिष्क क्षति
- दवाओं के साइड इफेक्ट

NOTES

जब एक चिकित्सास पेशेवर संपर्क करें (जैसे 911 के रूप में) है, तो अपने स्थानीय आपातकालीन नंबर पर कॉल करें :

- यह पहली बार एक व्यक्ति को दौरा किया है
- एक जब्ती कोई है जो एक चिकित्सा आईडी कंगन नहीं पहने हुए में होता है।
- किसी के मामले है जो पहले दौरा पड़ा है, इन आपात स्थितियों में से किसी के लिए 911 पर कॉल करें :
- यह एक लंबे समय तक जब्ती व्यक्ति सामान्य रूप से है की तुलना में अथवा व्यक्ति के लिए दौरे की ससंख्या में असाधारण वृद्धि है।
- कुछ ही मिनटों में बार-बार दौरे
- बार-बार दौरे जो चेतना अथवा सामान्य व्यवहार में उन दोनों के बीच आ गया नहीं है (स्थिति एपिलेप्टिकस)।

यदि कोई नया लक्षण हो आपके स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता कॉल करें :

- बालों के झड़ने
- मतली अथवा उल्टी
- लाल चकत्ते।
- इस तरह के उनींदापन, बेचैनी, भ्रम, बेहोश करने की क्रिया के रूप में दवाओं के साइड इफेक्ट।

NOTES

- झटके अथवा असामान्य आंदोलनों अथवा समन्वय के साथ समस्याओं

निदान—मिर्गी को रोकने कोई ज्ञात तरीका नहीं है। उचित आहार एवं नींद तथा अवैध ड्रग्स और शराब से दूर रहने मिर्गी के साथ लोगों में बरामदगी को ट्रिगर करने की संभावना कम हो सकती है। जोखिम भरा गतिविधियों के दौरा हेलमेट पहने द्वारा सिर पर चोट के जोखिम को कम। यह एक मस्तिष्क की चोट है कि बरामदगी तथा मिर्गी की ओर जाता है की संभावना को कमर कर सकते हैं।

मिर्गी के लक्षण—दोहराए व्यवहार के कई प्रकार के एक स्नायविक समस्या का प्रतिनिधित्व करता है, एक डॉक्टर की स्थापना के लिए किया जाए अथवा नहीं वे दौरे कर रहे हैं की जरूरत है।

- सामान्यीकृत बरामदगी : मस्तिष्क के सभी क्षेत्रों में एक सामान्यीकृत जब्ती में शामिल हैं। कभी-कभी इन के रूप में भव्य मल दौरे में भेजा जाता है।
- व्यक्ति इस तरह के एक जब्ती का सामना कर चिल्ला कर सकते हैं अथवा कुछ ध्वनि बनाने, एक मिनट के लिए कई सेकंड के लिए ठोस बनाना एवं फिर हाथ और पैर की लयबद्ध आंदोलनों की है। अक्सर लयबद्ध रुकने से पहले धीमी गति से आंदोलना।
- आँखें आम तौर पर खुले हैं।
- व्यक्ति श्वास नहीं प्रतीत हो सकता है एवं वास्तव में नीला हो। यह गहरी, शोर साँस की अवधि के द्वारा पीछा किया जा सकता है।
- चेतना के लिए वापसी क्रमिक है तथा व्यक्ति पिछले कुछ समय से भ्रमित हो सकता है—घंटे के लिए मिनट।
- मूत्र का नुकसान आम है।
- व्यक्ति अक्सर एक सामान्यीकृत जब्ती के बाद उलझन में हो जाएगा।
- आंशिक अथवा फोकल बरामदगी : मस्तिष्क के केवल हिस्सा शामिल है, शरीर के इतने ही हिस्सा प्रभावित होता है। मस्तिष्क असामान्य

विद्युतीय गतिविधि होने की ओर से निर्भर करता है, लक्षण भिन्न हो सकते हैं।

NOTES

- हाथ से मस्तिष्क को नियंत्रित आंदोलनों का हिस्सा शामिल है, उसके बाद ही हाथ लयबद्ध अथवा झटकेदार आंदोलनों दिखा सकते हैं।
- मस्तिष्क के अन्य क्षेत्रों को शामिल कर रहे हैं, लक्षण इस तरह के एक के कपड़े में उठा अथवा होंठ मारना के रूप में पेट अथवा छोटे दोहराव आंदोलनों में एक पूर्ण भावना की तरह अजीब उत्तेजना शामिल हो सकता है।
- कभी–कभी एक आंशिक जब्ती के साथ व्यक्ति स्तब्ध अथवा उलझन में प्रकट होता है। यह एक जटिल आंशिक जब्ती का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। अवधि जटिल एक व्यक्ति जो पूरी तरह से सतर्क तथा बेहोश होने के बीच है। वर्णन करने के लिए डॉक्टरों द्वारा किया जाता है।
- अनुपस्थिति अथवा पेटिट मल दौरे : ये बचपन में सबसे आम हैं।
- चेतना की हानि व्यक्ति अक्सर उदास से घूर के साथ मौजूद है।
- दोहराए निमिष अथवा अन्य छोटे आंदोलनों मौजूद हो सकता है।
- आमतौर पर इन बरामदगी संक्षिप्त कर रहे हैं, केवल कुछ सेकंड तक चलने वाले। कुछ लोगों को एक दिन में इनमें से कई हो सकता है।

2.2 उद्देश्य

- वह प्राय: विचलित नहीं करता है लगता है क्या वह करने के लिए टी भुगतान ध्यान रों कह।
- उन्होंने कहा कि दोपहर के भोजन के लाइन में बच्चों में मुलाकात उन्हें गुस्सा बना रही है।
- वह कर सकते हैं टी एक पैंसिल सही ढंग से पकड़, तो वह लिखावट के साथ संघर्ष।

- वह परेशान है जब एक गतिविधि से दूसरे में स्विच करने के लिए कहा जाता है।

- उन्होंने कहा कि विधानसभाओं के दौरान नीचे पिघला देता है तथा जिम जाने के लिए है।

आप व्यवहार के इस प्रकार देख जब आपका बच्चा एक बच्चा था शुरू कर दिया था किन्तु अब यह स्कूल में उसकी प्रगति हानि पहुंचा रहा है। अगर वह एडीएचडी हो सकता है आप सोच रहा हूँ। परन्तु अपने शिक्षक आपको हानि बताता है कि वह सोचता है कि वह संवेदी प्रसंस्करण मुद्दों हो सकता है।

संवेदी प्रसंस्करण मुद्दे क्या हैं ?

कुछ बच्चों को मुसीबत जानकारी उनके होश में बातें ध्वनि, स्पर्श, स्वाद, दृष्टि तथा गंध की तरह लेने से निपटने है लगता है। वहाँ भी दो अन्य कम प्रसिद्ध होश है कि प्रभावित किया जा सकता है। पहले शरीर के प्रति जागरूकता की भावना है, कर रहे हैं, जबकि दूसरा आंदोलन, संतुलन तथा समन्वय शामिल है। इसके अलावा, संवेदी मुद्दों के साथ बच्चों को इनपुट अथवा दोनों के लिए इनपुट करने के लिए अति, undersenssitive हो सकता है। जबकि संवेदी संसाधन के मुद्दों के लिए एक शिक्षण विकार अथवा सरकारी निदान नहीं हैं, वे यह मुश्किल बच्चों को स्कूल में सफल होने के लिए कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, बहुत ज्यादा संवेदनशील बच्चे संवेदी उत्तेजना को आसानी से जवाब देते हैं तथा यह भारी पा सकते हैं। वे कर सकते हैं :

- चमकदार रोशनी तथा एम्बुलेंस सायरन की तरह शोर बर्दाश्त करने में असमर्थ हो।

- कपड़े पहनना, क्योंकि यह लापरवाही या परेशान यहाँ तक कि सभी टैग तथा लेबल-या जूते बाहर काटने क्योंकि उन्हें लगता है के बाद लगता है इनकार "बहुत तंग।"

- पृष्ठभूमि शोर से विचलित हो दूसरों डॉन कि टी सुनने के लिए लग रहे हैं।

- आश्चर्य स्पर्श से भयभीत हो जाओ तथा गले से बचने तथा परिचित वयस्कों के साथ भी मित्रता वाली।

- झूलों तथा उपकरण खेल का मैदान के अत्यधिक भयभीत होना।
- अक्सर मुसीबत जानने हैं, जहाँ उनके शरीर अन्य वस्तुओं अथवा लोगों के संबंध में है।
- लोगों तथा चीजों टक्कर तथा अनाड़ी दिखाई।
- मुसीबत बल की राशि से संवेदन है को लागू करने के लिए फिर; उदाहरण के लिए, वे कागज चीर सकता है जब मिटाकर, बहुत कठिन पिंच अथवा वस्तुओं नीचे स्लैम।
- बंद चलाते हैं अथवा बोल्ट, जब वे दूर से उन्हें जो कुछ भी विक्षुब्ध है पाने के लिए अभिभूत फिर
- जब अभिभूत चर meltdowns है।

NOTES

इस बीच, undersensitive बच्चों को अधिक संवेदी उत्तेजना बाहर की तलाश करना चाहते हैं। वे कर सकते हैं:

- एक निरंतर लोगों को अथवा बनावट को छूने के लिए की जरूरत है, तब भी जब यह सामाजिक रुप से स्वीकार्य नहीं है
- नहीं व्यक्तिगत जगह यहाँ तक कि जब बच्चों को एक ही उम्र काफी पुरानी इसे समझने की समझ
- दर्द के लिए एक अत्यंत उच्च सहनशीलता होती है।
- अपने स्वयं के ताकत समझ में नहीं
- बहुत बेचैन तथा अभी भी बैठने के लिए असमर्थ हो
- कूद जोड़ने से तथा दुर्घटनाग्रस्त गतिविधियों प्यार
- तंग भालू गले की तरह गहरे दबाव का आनंद लें
- लालसा तेज, कताई तथा/अथवा तीव्र आंदोलन
- हवा में फेंक दिया जा रहा प्यार तथा फर्नीचर तथा ट्रैम्पोलाइंस पर कूद।

आप देख सकते हैं कि इन कार्यों ग्रेड स्कूल के बच्चों कौन क्या, सक्रियता की तरह दिखता है जबकि वास्तव में वे निवेश की मांग कर रहे हैं सहित "नकारात्मक

NOTES

व्यवहार" को प्रदर्शित कर सकती undersensitive हैं वे साथ भ्रमित हो सकता है। तथा वास्तव में संवेदी समस्याओं के साथ बच्चों के व्यवहार के कई एडीएचडी के लक्षणों के साथ अभी भी बैठे अथवा पिघल जब वे एक गतिविधि दूसरे करने के लिए (विशेष रुप से एक वे आनंद ले रहे हैं) से एक संक्रमण बनाने के लिए उम्मीद कर रहे हैं करने के लिए ध्यान केंद्रित कर ओवरलैप, मुसीबत से।

यह भी एक कारण यह महत्वपूर्ण है कि बच्चों को साक्षात्कार तथा रेटिंग पैमाने से सावधान उपयोग के बिना, बच्चों का चिकित्सक के कार्यालय में एक सरसरी यात्रा के बाद एडीएचडी के साथ का निदान नहीं किया जा उसके व्यवहार का एक विस्तृत चित्र प्राप्त करने के लिए है। एडीएचडी के साथ कुछ बच्चों को भी संवेदी मुद्दे हैं।

एक 2009 से एक अध्ययन में पाया गया कि हर 6 बच्चों में 1 संवेदी मुद्दों यह मुश्किल जानने के लिए तथा स्कूल में कार्य करने के लिए करें कि है। जबकि संवेदी संसाधन के मुद्दों अक्सर ऑटिस्टिक बच्चों में देखा जाता है, वे भी एडीएचडी, ओसीडी तथा अन्य विकासात्मक देरी-साथ अथवा बिना किसी अन्य निदान के साथ-साथ उन लोगों में पाय जा सकता है।

आप स्कूल में बेहतर कर संवेदी संसाधन के मुद्दों के साथ अपने बच्चे को मदद कर सकते हैं?

वहाँ संवेदी संसाधन के मुद्दों के इलाज के लिए कोई दवा है, लेकिन वहां के उपचारों के साथ-साथ व्यावहारिक परिवर्तन आप स्कूल तथा घर पर कर सकते हैं अपने बच्चें को लग रहा है तथा बेहतर कर मदद करने के लिए कर रहे हैं।

व्यावसायिक चिकित्सक अथवा ओटीएस) विशेषज्ञों ने जो बच्चे संवेद मुद्दे हैं जो के साथ काम कर रहे हैं। ओटीएम के बहुमत, स्कूलों में काम करते हैं, हालांकि आप भी उन्हें निजी प्रैक्टिस में पा सकते हैं। वे शारीरिक गतिविधियों है कि उनके संवेदी इनपुट विनियमित करने के लिए तैयार कर रहे हैं में बच्चों व्यस्त हैं।

आप तथा आपके बच्चे के शिक्षक परिवर्तन आप मदद करने के लिए उसे तथा अधिक आरामदायक, सुरक्षित तथा कक्षा में केंद्रित कर सकेंगे कर सकते है के बारे में बात कर सकते हैं। उदाहरण के लिए:

- यकीन है कि अपनी कुर्सी उसके लिए एक अच्छा फिट है। जब वह 'अपने डेस्क पर बैठे है, वह अपने पैरों फ्लैट मेज पर फर्श पर अपनी कोहनी रख दिया तथा आराम करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

NOTES

• बच्चा जो थोड़ा स्थानातरित करने के लिए की जरूरत है के लिए, यदि आप घर से एक फुलाया बैठा तकिया अथवा या तकिया तो वह दोनों कसमसा कर सकते हैं। कोशिश करते हैं तथा अपनी सीट में रह सकता है।

• कुछ बच्चों को बंद अगर के शिक्षक के पास बैठने के लिए बेहतर हैं। हालांकि, अपने बच्चे को आसानी से शोर से विचलित कर रहा है, वह जहां शोर से आ रही है करने के लिए अक्सर चारों ओर मोड़ खत्म हो सकता है।

• यदि संभव हो, गूंज तथा फ्लोरोसेंट प्रकाश झिलमिलाते को समाप्त।

• यकीन है कि वह सुनिश्चित करें' शोर का ध्यान भंग सूत्रों के बगल में बैठे नहीं रहा है।

• जानते हुए भी, जहां उनके शरीर के अन्य लोगों तथा चीज़ों तथा व्यक्तिगत अंतरिक्ष के विचार के संबंध में है पर उसके साथ ओटी काम लो।

• इस तरह, हलकों में चल रहा तक मिनी ट्रैम्पोलिन पर कूद तथा खट्टे कैंडी पर चूसने तो वह इनपुट वह craves हो जाता है और नहीं करता है के रूप में संवेदी टूटता प्रदान करें' टी दूसरों टक्कर।

• इनपुट प्रदान करने के fidgets तथा चबाने वाले मदों के लिए अनुमति दें, ओटी कैटलॉग में उपलब्ध है,

दोनों सकल तथा ठीक मोटर कौशल पर उसके साथ ओटी काम है तो वह 's तथा अधिक विश्वास है, चाहे वह' एस जिम कक्षा में अथवा नोट लेने

• meltdowns अथवा पेंच से बचने के लिए उसे स्कूल विधानसभाओं को छोड़, अथवा एक द्वारा के पास बैठने के लिए इतना है कि वह एक शिक्षक के साथ दालान में ब्रेक ले सकता है जब वह खुद को अभिभूत हो रही महसूस करने के लिए शुरू होता है अनुमति देते हैं।

• कैफेटेरिया भी उत्तेजक है, तो तथा एक अथवा अधिक दोपहर के भोजन के साथी एक शिक्षक अथवा सहयोगी के साथ एक शांत कमरे में खाने के होने के बारे में देखते हैं।

• एक स्पष्ट दृश्य अनुसूची बदलाव के लिए तैयार करने के साथ बहुत पोस्ट किया है।

समर्थन तथा समझ शिक्षक से रहने की जगह है, तथा शायद एक ओटी के साथ काम के साथ, संवेदी संसाधन के मुद्दों के साथ अपने बच्चें को कक्षा में

NOTES

सफलता के लिए दुरुस्त किया जा सकता है, खेल में मैदान पर तथा दोस्तों के साथ।

2.3 मिर्गी

मिर्गी के साथ लोगों को बार-बार होने बरामदगी (फिट) हो जाते हैं। बरामदगी मस्तिष्क में विद्युतीय गतिविधि की अचानक वृद्धि की वजह से हो—मस्तिष्क में विद्युतीय गतिविधि की एक अधिभार नहीं है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संदेश प्रणाली में एक अस्थायी अशांति का कारण बनता है। एक जब्ती रोगी वेह मस्तिष्क हो जाता है के दौरान "रुका" अथवा "मिश्रित"।

हमारे शरीर में हर समारोह मस्तिष्क में सदंश प्रणाली से शुरू हो रहा है। एक जब्ती के दौरान क्या मिर्गी के अनुभवों के साथ एक रोगी उसकी/उसके मस्तिष्क की क्या बात यह है कि मिरगी गतिविधि शुरू होता है, तथा कैसे व्यापक रूप से तथा जल्दी से यह उस क्षेत्र से फैलता है पर निर्भर करेगा। नतीजतन, वहाँ बरामदगी के कई प्रकार हैं तथा प्रत्येक रोगी उसकी।

शब्द "मिर्गी" पास की बात है, पर, पर" ग्रीक शब्द एपि अर्थ से आता है, तथा ग्रीक शब्द Leptos अर्थ "जब्ती"। उन जड़ों से हम पुरानी फ्रांसीसी शब्द epilepsie, तथा लैटिन शब्द मिर्गी तथा ग्रीक शब्दों मिर्गी तथा epilepsies है।

कैसे आम मिर्गी है ?

लगभग 50 प्रत्येक 100,000 लोगों में से मिर्गी तथा दौरे से प्रभावित हो कहा जाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में मिर्गी-3 मिलियन अमेरिकी अधिक मिरगी फाउंडेशन के अनुसार मिर्गी तथा दौरे से प्रभावित हैं। बरामदगी तथा मिरगी के बारे में 200,000 नए मामले हर साल संयुक्त राज्य अमेरिका में पाए जाते हैं। सभी अमेरिकियों के 10% उनके जीवनकाल के दौरान एक जब्ती के लिए कुछ समय का अनुभव होगा।

ब्रिटेन में मिर्गी—यूनाइटेड किंगडम में मिर्गी कार्रवाई 460,000 लोगों के अनुसार मिर्गी की है।

दुनिया भर में मिर्गी—मिर्गी के लिए राष्ट्रीय सोसायटी (यूके) के बारे में 50 लाख लोग दुनिया भर में मिर्गी है के अनुसार।

मिर्गी तथा जीवन प्रत्याशा

ऑक्सफोर्ड तथा यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 2013 में लैंसेट में खबर दी है कि समय से पहले मौत 11 बार मिर्गी के साथ लोगों में आम है जनसंख्या के बाकी की तुलना में। लेखकों ने कहा कि जोखिम भी अधिक है यदि मिर्गी के साथ एक व्यक्ति को भी एक मानसिक बीमारी है।

आत्महत्याएं, दुर्घटनाओं तथा हमारे जल्दी होने वाली मौतों की 15.8% के लिए जिम्मेदार। इन 15.8% के बीच, बहुमत एक मानसिक विकार के साथ का निदान किया गया था।

प्रमुख शोधकर्ता, सीना फेज़ेल ने कहा:

"हमारे परिणाम, महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य निहितार्थ है दुनिया भर के रूप में लगभग 70 लाख लोगों को मिर्गी है, तथा व जोर देते हैं कि ध्यान से आकलन करने तथा मिर्गी के साथ लोगों को मदद कर सकता है इन रोगियों में अकाल मृत्यु का खतरा कम में मानक की जांच के हिस्से के रूप में मानसिक विकारों के इलाज के। हमारा अध्ययन में यह भी मिर्गी के साथ लोगो में मृत्यु रोके कारणों के रूप में आत्महत्या तथा गैर वाहन दुर्घटनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

एक स्वीडिश अध्ययन में पाया गया है कि युवा पुरुषों के लिए जो सख्ती का प्रयोग मिर्गी के कम जोखिम जीवन में बाद में हो सकता है।

विकासशील देशों में मिर्गी

वहाँ औद्योगिक देशों की तुलना में विकासशील देशों में मिर्गी के साथ दो प्रकार के में कई लोग हैं। दुर्भाग्य से, गरीब देशों में लोगों की 60% से अधिक मिर्गी के लिए उचित चिकित्सा देखभाल प्राप्त नहीं होता है, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्लायल के शोधकर्ताओं पत्रिका लैंसेट में सूचना दी।

लेखकों ने कहा कि विकासशील देशों में मिर्गी का बोझ है "के तहत स्वीकार किया स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा", भूले ही विकार के लिए निदान बहुत लागत प्रभावी है।

प्रमुख लेखक, चार्ल्स न्यूटन, मनोरोग विभाग की, ने कहा:

"कम तथा निम्न-माध्यम आय वाले देशों में मिर्गी के महामारी विज्ञान पर सटीक आंकड़े पाने बहुत मुश्किल है—डेटा की तरह हम की जरूरत है इकट्ठा

NOTES

करने के लिए बहुत कुछ सर्वेक्षण किए गए हैं, तथा इस तरह के अध्ययन विशेष रूप से देशों के लिए जिसका स्वास्थ्य, महंगे होते हैं अनुसंधान के वित्तपोषण बहुत सीमित होने की संभावना है।

हालांकि, शोध हम करते हैं पता चलता है कि इन क्षेत्रों में मिर्गी का बोझ कम से कम दोगुना है कि उच्च आय वाले देशों में पाया, तथा दुर्भाग्य से, निदान, उपचार तथा मिर्गी के चल रहे प्रबंधन के लिए पर्याप्त सुविधाएं के कई में लगभग न के बराबर है दुनिया के सबसे गरीब क्षेत्रों। मिर्गी अथवा उनके परिवारों के साथ कई लोगों को भी पता नहीं है कि वे एक विकार है कि जैव चिकित्सा उपचार के साथ नियंत्रित किया जा सकता है, तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जागरूकता उठाया है तथा चिकित्सा देखभाल इन क्षेत्रों में सुधार हुआ है।"

बरामदगी के प्रकार

वहाँ निदान जब मिर्गी के साथ एक रोगी के इलाज के लिए एक डाक्टर बना सकता है के तीन प्रकार है:

- अज्ञातहेतुक-इसका आशय है कोई स्पष्ट कारण नहीं है।
- अज्ञातोत्पन्न-इसका मतलब चिकित्सा सोचता है कि वहाँ सबसे शायद एक कारण है, लेकिन यह पता नहीं लगा सकते।
- रोगसूचक-इसका आशय है डॉक्टर जानता है कि कारण है।

बरामदगी के तीन विवरण मस्तिष्क मिरगी गतिविधि रोगी के मस्तिष्क का केवल भाग में जगह ले ली। वहाँ आंशिक जब्ती के दो तरह के है :

आंशिक जब्ती

एक आंशिक जब्ती का मतलब मिरगी गतिविधि रोगी के मस्तिष्क का केल भाग में जगह ले ली। वहाँ आंशिक जब्ती के दो तरह के है :

- सरल आंशिक जब्त की-रागी जब्ती के दौरान जागरूक है। अधिकतर मामलों में मरीज भी, उसकी/उसके परिवेश के बारे में पता है, भले ही जब्ती प्रगति पर है।
- परिसर आंशिक जब्त की-मरीज की चेतना बिगड़ा है। रोगी आम तौर पर जब्ती याद नहीं होगा, तथा यदि वह/वह करता है, इसके बारे में याद अस्पष्ट हो जाएगा।

NOTES

सामान्यीकृत जब्त की

एक सामान्यीकृत जब्ती तब होता है जब मस्तिष्क के दोनों हिस्सों मिरगी गतिविधि है। जबकि जब्ती कार्य प्रगति पर है मरीज की चेतना को खो दिया है।

माध्यमिक सामान्यीकृत जब्त की

एक माध्यमिक सामान्यीकृत जब्ती तब होता है जब मिरगी गतिविधि एक आंशिक जब्ती के रूप में शुरू होता है, किन्तु फिर मस्तिष्क के दोनों हिस्सों के लिए फैलता है। इस विकास होता है, रोगी चेतना खो देता है।

मिर्गी के लक्षण

मिर्गी के मुख्य लक्षण बरामदगी दोहराया जाता है। वहाँ कुछ लक्षण है जो एक व्यक्ति मिर्गी है का सकेंत हो सकता है। इनमें से एक अधिक लक्षण मौजूद हैं एक चिकित्सा परीक्षा की सलाह दी है, विशेषकर अगर वे पुनरावृत्ति होना:

- कोई तापमान (कोई साथ एक ऐंठन बुखार)
- अंधकार, अथवा उलझन में स्मृति की कमी मंत्र।
- रुक-रुक कर बेहोशी मंत्र है, जिसके दौरान आंत्र अथवा मूत्राशय पर नियंत्रण खो दिया है। यह अक्सर चरम द्वारा पीछा किया जाता थकान।
- एक छोटी अवधि के लिए व्यक्ति निर्देश अथवा प्रश्नों के उत्तर नहीं देता है।
- व्यक्ति कठोर हो जाता है, अचानक, कोई स्पष्ट कारण के लिए
- व्यक्ति अचानक कोई स्पष्ट कारण के लिए गिर जाता है
- स्पष्ट उत्तेजनाओं बिना पलक के अचानक मुकाबलों
- चबाने के अचानक मुकाबलों कोई स्पष कारण के बिना
- थोड़े समय के लिए व्यक्ति घबड़ाया हुआ, तथा संवाद करने में असमर्थ रहा है
- दोहराव आंदोलनों कि अनुचित प्रतीत
- व्यक्ति किसी स्पष्ट कारण के भयभीत हो जाता है, वह/वह भी आतंक अथवा गुस्से में हो सकता है

NOTES

- इस तरह के गंध, स्पर्श तथा ध्वनि के रूप में होश में अजीब परिवर्तन,
- हाथ, पैर, अथवा शरीर झटका, बच्चों में इन तेजी से मरोड़ते आंदोलनों के क्लस्टर के रूप में दिखाई देगा।

निम्न स्थितियों के रूप में वे इसी तरह के लक्षण उपस्थति हो सकता है, तथा कभी कभी मिर्गी के रूप में गलत निदान कर रहे हैं समाप्त किया जा करने की जरूरत है :

- मिर्गी जैसे लक्षणों के साथ एक तेज बुखार
- बेहोशी
- नार्कोलेप्सी (दिन के समय नींद के प्रकरणों आवर्ती तथा अक्सर रात में नींद बाधित)
- Cataplexy (चरम सामान्यीकृत कमजोरी का क्षणिक हमले, अक्सर इस तरह के आश्चर्य की बात है, भय अथवा गुस्से के रूप में, एक भावनात्मक प्रतिक्रिया से उपजी; narcolepsy के एक घटक quadrad)
- नींद संबंधी दोष
- बुरे सपने
- आंतक के हमले
- लोप राज्यों (एक दुर्लभ मानसिक विकार प्रतिवर्ती की विशेषता भूलने की बीमारी व्यक्तिगत पहचान के लिए)
- साइकोजेनिक बरामदगी (एक नैदानिक प्रकरण जो मिर्गी का दौरा की तरह दिखता है, लेकिन मिर्गी के कारण नहीं है। ईईजी एक हमले के दौरान सामान्य है, तथा व्यवहार अक्सर इस तरह के एक रूपांतरण विकार जैसे मनोरोग आशंति से संबंधित है,)
- सांस होल्डिंग एपिसोड (जब एक बच्चे के गुस्से का जवाब वहाँ जोरदार हो सकता है रो रही है तथा बाद में एपनिया तथा नीलिमा-बच्चे तो सांस लेने तथा चेतना की हानि के साथ त्वचा का रंग परिवर्तन बंद हो जाता है)।

अगले पृष्ठ पर हम मिर्गी के लिए उपचार, एक गोली के संभावित विकास फैटी एसिड होता है तथा उपचार संगीत को शामिल में बरामदगी तथा नवीनतम शोध अध्ययन को दबाने के लिए सहित कम से विशष ध्यान दें।

एईडी संरचनाओं तथा एक जब्ती के विकास के दौरान शामिल प्रक्रियाओं को संशोधित करने के उद्देश्य से कर रहे हैं; न्यूरॉन्स, रिसेप्टर्स, glia, आयन चैनलों तथा निरोधात्मक अथवा उत्तेजक synapses भी शामिल है। निषेध रोक अथवा जब्ती गतिविधि को रोकने के लिए शुरू हो रहा है।

NOTES

वयस्कों के रूप में ही एईडी ले। वे गोलियां, कैप्सूल, सिरप अथवा छिड़काव के रूप में मौजूद हो सकता है। वयस्कों के इलाज के मामले में के रूप में, एईडी बरामदगी को रोकने के लिए डिजाइन किए हैं। कुछ, जब्ती के प्रकार की एक सीमित संख्या के साथ प्रभावी हैं, जबकि अन्य एक व्यापक रेंज का इलाज हो सकता है। डॉक्टरों सिर्फ एक दवा के साथ दौरे को नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे, किन्तु कुछ बच्चों को एक से अधिक लेने की जरूरत हो सकती है। बचपन एईडी की सफलता भी अनुपालन पर काफी हद तक निर्भर करता है।

यहाँ सबसे अधिक निर्धारित विरोधी मिरगी दवाओं (एईडी) की एक सूची है।

- एसिटाजोलामाइड (ब्रांड नाम Diamox)
- acetazolmide संशोधित रिलीज (ब्रांड नाम Diamox एसआर।
- कार्बमेज़पाइन (ब्रांड नाम Tegretol)
- कार्बमेज़पाइन संशोधित रिलीज (ब्रांड नाम Tegretol मंदबुद्धि)
- clobazam (ब्रांड नाम Frisium)
- क्लोनाज़ेपम (ब्रांड नाम Rivotril)
- ethosuximide (ब्रांड नाम Emeside-Zarontin)
- gabapentin (ब्राडं नाम Neurontin)
- lacosamide (ब्राडं ना Vimpat)
- लामोत्रिगिने (ब्रांड नाम Lamictal)
- levetiracetam (ब्रांड नाम keppra)
- ओक्स्कार्बज़ेपिंन (ब्रांड नाम Trileptal phenobarbital)
- perampanel (ब्रांड नाम Fycompa) मिर्गी में आंशिक शुरुआत बरामदगी के लिए एक adjunctive उपचार के रूप में गोलियाँ एफडीए द्वारा अनुमोदित किया गया था सोमवार 22 अक्टूबर, 2012 Fycompa पहले से ही यूरोपीय संघ

(27 संप्रभु राज्यों), नॉर्वे और आइसलैंड में मंजूरी दे दी है, तथा किया जाता है तथा Eisai द्वारा विपणन किया।

- फिनाइटोसन (ब्रांड नाम Epanutin)
- Pregabalin (ब्रांड नाम Lyrica)
- primidone (ब्रांड नाम Mysoline)
- rufinamide (ब्रांड नाम Inovelon)
- सोडियम वैल्प्रोएट (ब्रांड नाम Epilim-Episenta)
- सोडियम वैल्प्रोएट संशाधित रिलीज (ब्रांड नाम Epilim Chrono)
- tiagabine (ब्रांड नाम Gabitril)
- टोपिरामेट (ब्रांड नाम Topamax)
- वैल्प्रोइक एसिड (ब्रांड नाम Convulex)
- vigabatrin (ब्रांड नाम Sabril)
- zonisamide (ब्रांड नाम Zonegram)

नई मिर्गी दवाओं के लिए फैटी एसिड

कुछ फैटी एसिड वयस्कों तथा बच्चों में नई मिर्गी दवाओं के लिए आधार के रूप में हो सकता है, लंदन में वैज्ञानिकों की रिपोर्ट में neuropharmacology। उन्होंनें बताया कि फैटी एसिड आधारित दवाओं समान लक्षण नियंत्रण प्रदान कर सकते है ketogenic आहार के रूप में करते हैं।

वे ketogenic आहार में विशिट फैटी एसिड होता है कि बरामदगी को नियंत्रित करने में प्रभावी है। वैज्ञानिकों, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन तथा रॉयल होलोवे अस्पताल से उम्मीद उनके शोध रोगी को गंभीर दुष्प्रभाव भुगतना बनाने वेह लिए बिना नए विरोधी मिरगी उपचारों जो आहार के रूप में ही लाभकारी प्रभाव है के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रोफेसर मैथ्यू वाकर ने कहा :

"मिर्गी दुनिया भर में 50 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित करता है तथा लगभग इन लोगों में से एक तिहाई मिर्गी जाता है कि पर्याप्त रूप से हमारे वर्तमान उपचार द्वारा नियंत्रित नहीं की है। इस खोज बच्चों तथा वयस्कों में दवा प्रतिरोध

ी epilepsies के उपचार के लिए एक पूरी नई दृष्टिकोण प्रदान करता है।"

Ketoganic आहार आमतौर पर गंभीर दवा प्रतिरोधी मिर्गी के साथ बच्चों के लिए निर्धारित किया गया है। यह एक उच्च वसा कम carb आहार जो कार्बोहाइड्रेट के बजाय वसा को जलाने के लिए शरीर के लिए मजबूर द्वारा भुखमरी को उत्तेजित करता है है। फिर भी यह करने के लिए नेतृत्व कर सकते हैं अस्थि भंग, विकास मंदता, हाइपोग्लाइसीमिया (निम्न रक्त शर्करा) तथा कब्ज

NOTES

2.4 संवेदी विकार

संवेदी प्रसंस्करण (कभी कभी "संवेदी एकीकरण" अथवा एसआई कहा जाता है) एक शब्द है कि जिस तरह से तंत्रिका तंत्र होश से संदेश प्राप्त करता तथा उन्हें उचित मोटर तथा व्यवहार प्रतिक्रियाओं में बदल जाता है को संदर्भित करता है। आप, एक हैमबर्गर काट रहा एक साइकिल की सवारी, अथवा किताब पढ़ रहे हैं, गतिविधि के अपने सफल समापन प्रसंस्करण सनसनी अथवा की आवश्यकता है "संवेदी एकीकरण।"

संवेदी प्रसंस्करण विकार एक शर्त है जब संवेदी संकेतों उपयुक्त प्रतिक्रिया में संगठित नहीं मिलता मौजूद है कि है। अग्रणी व्यावसायिक चिकित्सक तथा न्यूरोसाइंटिस्ट ए जीन आयरेस, पीएचडी, एक स्नायविक "ट्रैफिक जाम" कि जानकारी संवेदी जानकारी सही ढंग से व्याख्या की जरूरत को प्राप्त करने से मस्तिष्क के कुछ भागों से बचाता है करने के लिए एसपीडी की तुलना। एसपीडी के साथ एक व्यक्ति के लिए यह मुश्किल कार्रवाई करने के लिए अथवा जानकारी पर कदम उठाना होश है, जो अनगिनत प्रतिदिन के कार्यों के निष्पादन में चुनौतियों बनाता है के माध्यम से प्राप्त पाता है। मोटर भद्दापन, व्यवहार की समस्याओं, चिंता, अवसाद, स्कूल की विफलता, और अन्य प्रभावों परिणाम यदि विकार प्रभावी ढंग से इलाज नहीं किया गय है हो सकता है।

एक अध्ययन में से पता चलता है कि कम से कम 1 में 20 बच्चों के दैनिक जीवन एसपीडी से प्रभावित है। एक अन्य शोध अध्ययन संवेदी प्रसंस्करण विकार वैज्ञानिक कार्य समूह पता चलता है कि हर 6 बच्चों में 1 का अनुभव करता संवेदी लक्षण रोजमर्रा की जिंदगी कार्यों के पहलुओं को प्रभावित करने के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। संवेदी प्रसंस्करण विकार के लक्षण, सबसे विकारों के लोगों की तरह, गंभीरता की एक व्यापक स्पेक्ट्रम के भीतर हो। जबकि हम में से ज्यादातर संवेदी सूचना संसाधन कभी कठिनाइयों, बच्चों तथा पुरानी हैं, तथा वे रोजमर्श की जिंदगी को बाधित।

क्या संवेदी प्रसंस्करण विकार की तरह दिखता है

संवेदी प्रसंस्करण का सही कारण विकार की तरह एडीएचडी वेह कारणों बहुत से अन्य neurodevelopmental विकार-गया है कि पहचान अभी तक नहीं किया गया। हालांकि, प्रारंभिक अध्ययन एवं अनुसंधान कुछ प्रमुख दावेदार सुझाव देते हैं।

सनसनीखेज बच्चे से: आशा तथा लुसी जेन मिलर, पीएचडी, ओटीआर द्वारा संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ बच्चों के लिए मदद

संवेदी प्रसंस्करण विकार केवल एक भावना-उदाहरण के लिए में लोगों को प्रभावित कर सकते हैं, बस को छुने अथवा सिर्फ दृष्टि-अथवा सिर्फ आंदोलन-या एकाधिक होश में। एसपीडी के साथ एक व्यक्ति को अति-प्रतिक्रिया सनसनी तथा असहनीय होने के लिए कपड़े, शारीरिक संपर्क, प्रकाश, ध्वनि, भोजन, अथवा अन्य संवेदी इनपुट को खोजने के लिए कर सकते हैं। अंडर जवाब एक तथा हो

सकता है तथा उत्तेजना के कम अथवा कोई प्रतिक्रिया, यहां तक कि दर्द य चरम गर्म तथा ठंडे दिखा। बच्चों जिसका संवेदी मांसपेशियों तथा जोड़ो से संदेशों के प्रसंस्करण बिगड़ा है में, आसन तथा मोटर कौशल प्रभावित हो सकते हैं। ये "फ्लॉपी बच्चों को" जो नए माता-पिता चिंता और बच्चे जो "klutz" तथा "स्पॅज" खेल के मैदान पर कहा जाता है न पड़े। फिर भी अन्य बच्चों सनसनी के लिए एक भूख सदा ओवरड्राइव में है कि दिखा रहे हैं। इन बच्चों को अक्सर गलत निदाने कर रहे हैं-एवं अनुपयुक्त औषधीय-एडीएचडी के लिए।

संवेदी प्रसंस्करण विकार सबसे अधिक बच्चों में पता चला है, किन्तु लोग हैं, जो इलाज के बिना वयस्काता तक पहुँच भी लक्षण अनुभव तथ जारी रखने वेह लिए उनके अक्षमता के प्रभावित होने सही तथा उचित रूप से संवेदी संदेशों की वयाख्या करने के।

ये "सनसनीखेज वयस्कों" कठिनाई दिनचर्या और गतिविधियों काम, करीबी रिश्तों, तथा मनोरंजन में शामिल प्रदर्शन हो सकता है। क्योंकि एसपीडी के साथ वयस्कों उनके जीव के अधिकांश के लिए संघर्ष किया है, वे भी अवसाद, underachievement, सामाजिक अलगाव, तथा/अथवा अन्य माध्यमिक प्रभाव हो सकता है।

दु:ख की बात गलत निदान आम है क्योंकि कई स्वास्थ्य देखभाला पेशेवर संवेदी मुद्दों पहचानने के लिए प्रशिक्षित नहीं है। संवेदी प्रसंस्करण विकार फांउडेशन,

इन मुद्दों पर शोध उनके लक्षण तथा उपचार के बारे में जनता को शिक्षित करने और पेशेवरों, तथा जो लोग संवेदी प्रसंस्करण विकार एवं अन्य शर्तों के साथ जुड़े संवेदी चुनौतियों के साथ रहते हैं कि वकालत करने के लिए समर्पित है।

NOTES

संवेदी प्रसंस्करण विकार के कारणा

क्या संवेदी प्रसंस्करण विकार का कारण बनात हैं, एसपीडी के साथ एक बच्चे की हर माता-पिता के लिए एक दबाने सवालु है। कई चिंता है कि वे किसी भी तरह कर रहे हैं अपने बच्चे के संवेदी मुद्दों के लिए दोषी ठहराते है।

"यह कुछ मैंने किया है ?" माता-पिता जानना चाहते हैं।

एसपीडी के कारणों विषयों संवेदी प्रसंस्करण विकार फाउंडेशन तथा उनके सहयोगियों कहीं एवक में शोधकर्ताओं का अध्ययन किया गया है शामिल हैं। प्रारंभिक शोध बताते हैं कि एसपीडी अक्सर विरासत में मिला है। यदि हां, तो एसपीडी के कारणों बच्चे की आनुवंशिक सामग्री में कोडित रहे हैं। जन्म के पूर्व एवं जन्म जटिलताएं भी फंसाया गया है, तथा पर्यावरणीय कारकों शामिल हो सकता है।

बेशक, किसी भी विकास तथा/अथवा व्यवहार विकार के साथ के रूप में, एसपीडी के कारणों किारक है कि दोनों आनुवांशिक एवं पर्यावरणीय हैं का परिणाम होने की संभावना है। केवल तथा अधिक शोध के साथ प्रत्येक की भूमिका की पहचान करना संभव हो जाएंगा।

करणीय तथा प्रसार में अनुसंधान का एक सारांश सनसनीखेज बच्चें में निहित है: आशा एवं संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ बच्चों वक्र लिए सहायता (न्यू यॉर्क: पेरिगी, 2006)।

संवेदी प्रसंस्करण विकार के भावनात्मक तथा अन्य प्रभावों

संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ बच्चे अक्सर मोटर कौशल तथा अन्य क्षमताओं स्कूल सफलता और बचपन उपलब्धियों के लिए आवश्यक के साथ समस्या है। परणिामत: वे अक्सर सामाजिक रूप से अलग हो जाते हैं तथा कम आत्म सम्मान तथा अन्य सामाजिक/भावनात्मक मुद्दों से ग्रस्त हैं।

इन कठिनाइयों बच्चों एसपीडी के साथ उच्च जोखिम में कई, भावनात्मक, सामाजिक तथा शैक्षिक समस्याओं के लिए, डाल दोस्त बनाने अथवा एक समूह, गरीब-अवधारणा, शैक्षिक विफलता का एक हिस्सा बनने के लिए असमर्थता सहित, तथा अनाड़ी, असहयोगी, झुझारू लेबल किया जा रहा विघटनकारी,

अथवा ''नियंत्रण से बाहर।'' चिंता, अवसाद, आक्रामकता, या अन्य व्यवहार की समस्याओं का पलान कर सकते हैं। माता-पिता को लोग हैं, जो बच्चे के से अनजान हैं द्वारा अपने बच्चों के व्यवहार के लिए दोषी ठहराया जा सकता ''छिपा बाधा।''

संवेदी प्रसंस्करण विकार के लिए प्रभावी उपचार उपलब्ध है, किन्तु संवेदी लक्षणों के साथ अभी तक भी कई बच्चों में गलत निदान कर रहे हैं तथा ठीक से इलाज नहीं। अनुपचारित एसपीडी कि वयस्कता में बनी रहती है एक व्यक्ति की शादी, काम तथा सामाजिक वातावरण में सफल होने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

कैसे संवेदी प्रसंस्करण विकार व्यवहार किया जाता है

संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ अधिकांश बच्चों को बस के रूप में अपने साथियों के रूप में बुद्धिमान होते हैं। कई बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली है। उनके दिमाग बस अलग ढंग से तार कर रहे हैं। वे तरीके कि कैसे वे जानकारी प्रक्रिया अनुकूलित कर रहे हैं में पढ़ाया जाने की जरूरत हैं, एंव के अवकाश गतिविधियों के अनुरूप है कि उनके अपने संवेदी प्रसंस्करण की जरूरत की जरूरत है। एक बार जब संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ बच्चों को सटीकता से निदान किया गया, वे एक संवेदी एकीकरण दृष्टिकोण के साथ व्यावसायिक चिकित्सा के एक उपचार कार्यक्रम से लाभ। जब उचित हो तथा एक अच्दी तरह से प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा लागू किया, य अन्य पूरक चिकित्सा ओटी-एसआई के साथ प्रभावी ढंग जोड़ा जा सकता है चिकित्सा सुन।

एक संवेदी एकीकरण दृष्टिकोण के साथ व्यावसायिक चिकित्सा आम तौर पर एक संवेदी युक्त वातावरण कभी कभी कहा जाता है में जगह लेता है "OT जिम।'' ओटी सत्र के दौरान, चिकित्सक मजा गतिविधियों है कि आसानी से संरचित कर रहे तो बच्चे को लगातार चुनौती दी है, किन्तु हमेशा सफल के माध्यम से बच्चे को मार्गदर्शन करता है।

व्यावसायिक चिकित्सा के लक्ष्य को एक, सक्रिय सार्थक, तथा मजेदार तरीके से सनसनी के उपयुक्त जवाब को बढ़ावा जो बच्चे को एक अधिक कार्यात्मक तरीके से व्यवहार करने में सक्षम है है। समय के साथ, उपयुक्त प्रतिक्रिया घर, स्कूल, एवं बड़े समुदाय सहित क्लिनिक से परे पर्यावरण के लिए सामान्य। प्रभावी व्यावसायिक चिकित्सा इस प्रकार एसपीडी के साथ बच्चों में इस तरह के, दोस्तों के साथ खेल रहा है स्कूल का आनंद ले रहे, भोजन, ड्रेसिंग, तथा सो के रूप में बचपन की सामान्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए सक्षम बनाता है।

आदर्श रूप में, एसपीडी के लिए व्यावसायिक चिकित्सा परिवार केंद्रित कर रहा है। माता-पिता को शामिल कर रहे हैं तथा चिकित्सीय गतिविधियों में शामिल होने के लिए अपने बच्चे के संवेदी चुनौतियों एंव तरीकों के बारे में अधिक जानने के लिए चिकित्सक के साथ काम (कभी कभी एक "संवेदी आहार कहा जाता है)" घर पर तथा कहीं तथा। बच्चे के चिकित्सक परिवार जो बच्चे के साथ नियमित रूप से बातचीत के बाहर शिक्षकों एवं दूसरों के लिए उपाय प्रदान कर सकता। परिवार के इलाज के लिए अपने स्वयं के प्राथमिकताओं से संवाद करने का अवसर है।

संवेदी प्रसंस्करण विकार के लए उपचार में मदद करता है माता-पिता एवं अन्य लोगों के जो रहते हैं तथा सनसनीखेज बच्चो के साथ काम को समझने के लिए कि संवेदी प्रसंस्करण विकार असली है, भले ही यह है "छिपा।" इस आश्वासन के साथ, वे स्कूल में अपने बच्चे के लिए एवं समुदाय के भीतर बेहतर अधिवक्ताओं बन जाते हैं।

संवेदी प्रसंस्करण विकर के लिए इलाज के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, के बार में पता लगाने के स्टार सेंटर, एसपीडी फाउंडेशन के साथ colocated।

मस्तिष्क विकार के 2.5 कारण

संवेदी प्रंसस्करण विकार एक शर्त है जो है मस्तिष्क प्राप्त करने तथा जानकारी है कि इंद्रियों के माध्यम से में आता है का जवाब मुसीबत है।

इस्तेमाल किया हालत संवेदी एकीकरण रोग कहा जाता है।

संवेदी प्रसंस्करण विकार के साथ कुछ लोगों को अपने वातावरण में बातें करने के लिए अति कर रहे हैं। आम ध्वनियों दर्दनाक अथवा भारी हो सकता है। एक शर्ट की हल्के स्पर्श मसलना सकता है त्वचा।

संवेदी प्रसंस्करण विकार हो सकता है के साथ अन्य:

बेबुनियाद बनें

बातें टक्कर

बताने के लिए जहां उनके अंग अंतरिक्ष में असमर्थ हो रहे हैं

बातचीत अथवा खेल में संलग्न करने के लिए मुश्किल हो सकता है

संवेदी संसाधन की समस्याओं को आम तौर पर बच्चों में पहचाने जाते हैं। किन्तु वे भी वयस्कों को प्रभावित कर सकते हैं। संवेदी संसाधन की समस्याओं को आमतौर पर जैसे विकासात्मक विकारों में देखा जाता है आत्मकेंद्रित।

संवेदी प्रसंस्करण विकार एक स्टैंड-अलोन विकार के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है। किन्तु कई विशेषज्ञों लगता है कि बदलना चाहिए।

संवेदी प्रंसस्करण विकार के लक्षण

संवेदी प्रसंस्करण विकार श्रवण, स्पर्श, या स्वाद कि तरह एक भावना को प्रभावित कर सकता। या यह कई होश प्रभावित कर सकता है। एक लोग अधिक या बातें वे के साथ परेशानियाँ तहत उत्तरदायी हो सकता है।

कई बीमारियों की तरह, संवेदी प्रसंस्करण विकार के लक्षण एक स्पेक्ट्म पर मौजूद हैं।

कुछ बच्चों में, उदाहरण के लिए, खिड़की के बाहर एक पत्ता धौंकनी की आवाज उन्हें टेबल के नीचे उल्टी अथवा गोता करने के लिए कारण हो सकता है। वे जब छुआ चीख कर सकते हैं। वे कुछ खाद्य पदार्थों की बनावअ से घटना सकता है।

लेकिन दूसरों को उनके आसपास कुछ भी करने के लिए अनुत्तदायी लगते हैं। वे अत्यधिक गर्मी अथवा ठंड अथवा यहाँ तक कि दर्द के लिए प्रतिक्रिया करने में विफल हो सकता।

संवेदी प्रंसस्करण विकार के साथ कई बच्चों को उधम मचाते बच्चों को उत्सुक हो जाते हैं कि रूप में वे बड़े होने के रूप में बाहर शुरू करते हैं। इन बच्चों का अक्सर अच्छी तरह से बदल संभाल नहीं है। वे अक्सर नखरे फेंक या meltdowns हो सकता है।

कई बच्चों को समय-समय पर इस तरह के लक्षण है। किन्तु चिकित्सक संवेदी प्रसंस्करण विकार या निदान पर विचार जब लक्षण काफी गंभीर सामान्य कामकाज प्रभावित करने के लिए बन गया है एवं रोजमर्रा की जिंदगी को बाधित।

संवेदी प्रसंस्करण विकार के कारण

संवेदी संसाधन की समस्याओं का सही कारण की पहचान नहीं कि गई है। जुड़वा बच्चों के 2006 के एक अध्ययन में पाया गया कि अतिसंवेदनशीलता प्रकाश एवं ध्वनि एक मजबूत आनुवांशकि घटक हो सकता है।

अन्य प्रयोगों से पता चला है कि असामान्य है संवेदी संसाधन की समस्याओं के साथ बच्चों मस्तिष्क गतिविधि जब वे एक साथ प्रकाश और ध्वनि के संपर्क में हैं।

फिर भी अन्य प्रयोगों से पता चला है कि संवेदी संसाधन की समस्याओं के साथ बच्चों को एक करने के लिए दृढ़ता से प्रतिक्रिया करने के लिए जारी रहेगा स्ट्रोक हाथ अथवा एक तेज आवाज पर है, जबकि अन्य बच्चों को जल्दी से सनसनी आदत हो

संवेदी प्रसंस्करण विकार

संवेदी प्रसंस्करण विकार कई नामों (संवेदी एकीकरण शिथिलता, neurosensory, रोग, आदि), किन्तु कोई बात नहीं क्या आप इसे कहते हैं, इसके बारे में अंतर्निहित कारणों में परिवर्तन नहीं करते से भी जाना जाता।

हमारे संवेदी प्रणाली एक "पढ़ सकते हैं एवं प्रतिक्रिया" प्रणाली है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर "preprogrammed" है पर्यावरण stimuli करने के लिए उचित प्रतिक्रिया करने के लिए है। इस प्रोग्रामिंग जीवन भर होता है और 'संवेदी सीखने' अथवा प्रसंस्करण के रूप में सोचा जा सकता है।

इस बात का स्पष्ट उदाहरण एक बच्चे एक गर्म स्टोव पर अपने हाथ रखकर है..... एक बार यह किया जाता है, यह शायद ही कभी फिर से किया जाता है। इसका करण यह है गर्म स्टोव के जलने एवं दर्दनाक 'सनसनी' हमारे संवेदी स्मृति में जमा हुआ हो जाता है, एवं हमें इस गलती को फिर से करने से रोकता है। इस तरह से शरीर के काम में सभी संवेदी पैटर्न।

डॉ ब्रसू लिप्टन से इस महान उद्धरण वास्तव में चीजों को आगे समझाने में मदद करता है:

तंत्रिका तंत्र के समारोह पर्यावरण अनुभव तथा अन्य सभी कोशिकाओं के व्यवहार के समन्वय के लिए है।

डॉ ब्रूस लिप्टन बोध तथा Cordination

प्रमुख तत्वों यहाँ समझने के लिए कर रहे हैं धारणा तथा समन्वय। उचित ध ारणा के बिना, वहाँ उचित (सामान्य) समन्वय नहीं हो सकता। बच्चे जो एसपीडी से ग्रस्त हैं, असमर्थता अपने वातावरण को ठीक से अनुभव करने के लिए, कि दृष्टि से होना है कि क्या है सुनवाइ एवं लगाता है, संतुलन तथा समन्वय, स्पर्श तथा स्पर्श भावना, या दूसरों।

इस को समझने के लिए सबसे अच्छा तरीका है पूरे शरीर के लिए पूरे तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी तथा नसों) "एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम" के रूप में के बारे में सोचना है। यह लगातार पर्यावरण मानता है के माध्यम से यह लाखों लोगों की तथा संवेदी रिसेप्टर्स तथा तंत्रिका अंत के लाखों है एवं फिर "पढ़ने एवं जवाब" तदनुसार।

सादृश्य एक कदम एवं आगे ले रहा है, यह पता चला है कि मस्तिष्क तथा ऊपरी गर्दन क्षेत्रों अनिवार्य रूप से "वायु यातायात नियंत्रण टॉवर" के रूप में कार्य तथा प्रसंस्करण के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं, को एकीकृत, संगठन, और सभी भर से संवेदी सूचना "फिल्टरिंग" महत्वपूर्ण है शरीर। दूसरे शब्दों में,

NOTES

यह ''में'' कुछ संवेदी जानकारी दे के प्रभारी है तथा इस तरह के प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के रूप में यह पर ले जात है उच्च मस्तिष्क क्षेत्रों के लिए सीढ़ी ऊपर ... एवं बदले में, यह ''फिल्टर'' बाहर सभी संवेदी जानकारी के महत्वपूर्ण नहीं समझा पर्याप्त उन उच्चतर केन्द्रों तक पहुंचने के लिए।

क्या बच्चे जो एसपीडी जैसी चीजों से ग्रस्त हैं, जोड़े/एडीएचडी, तथा एएसडी आम में है, वे एक असमर्थता के ठीक से प्रक्रिया, एकीकृत समन्वय, तथा उनके संवेदी पर्यावरण के लिए अनुकूल होता है। इन मुद्दों के सभी वास्तव में मस्तिष्क संबंधी इनपुट तथा समन्वय की समस्याओं, नहीं उत्पादन एवं व्यवहार की समस्याओं कर रहे हैं।

एसपीडी के साथ बच्चों के लिए, यह "धारणा एवं समन्वय'' प्रणाली को अनिवार्य रूप से ''क्रमादेशित'' सही ढंग से नहीं है। विभिन्न कारणों से, यह असंतुलित तथा अव्यवस्थति हो जाता है के रूप में बच्चे को विकासित करता है, अनुचित तंत्रिका विज्ञान तथा मस्तिष्क के विकास के लिए अग्रणी।

एक निदान हो रही है

दुर्भागय से, हम दृढ़ता से लगता है कि संवेदी मुद्दों वहाँ बाहर सबसे अधिक याद किया निदान से एक हैं। एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल को समझाता है इस तरह के जोड़े/एडीएचडी, स्वलीनता स्पेक्ट्रम विकार तथा कई लर्निंग और व्यवहार के मुद्दे के रूप में कई आम की स्थिति संवेदी आधारित चुनौतियों है, तथा इस चुनौतियों मिं से इसलिए उचित देखभाल संवेदी प्रसंस्करण पहलू को संबोधित करना चाहिए।

दुर्भाग्ल से, कई स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को पहचना तथा संवेदी चुनौतियों के इलाज के लिए, खासकर छोटे बच्चों में प्रशिक्षित नहीं है। ऐसे कई चेतावनी के संकेत है कि संवेदी चुनौतियों विकसित कर रहे हैं रहे हैं, किन्तु भी अक्सर कम उम्र में याद किया एवं के साथ ''वे इसे से बाहर हो जाओंगे'' या बच्चे के डॉक्टर द्वारा खारिज कर रहे हैं ''के लिए प्रतीक्षा करें तथा देखतें हैं क्या होता है।''

ठीक है, इंतजार कर रहे हैं एवं देख कुछ नहीं कर के रूप में ही है, और भी अक्सर इन बच्चों की जिंदगी इन चुनौतियों पर काबू पाने में एक कठिन समय बाद की है। यह समुदाय को शिक्षित करने के हमारे मिशन, तथा विशेष रूप माता–पिता, कैसे इन चुनौतियों को समझते हैं और यह भी कि कैसे उन्हें जितनी जल्दी हो सके इलाज के लिए है।

नीचे आम मामले के इतिहास निष्कर्ष हम संवेदी प्रसंस्करण विकार और एडीएचडी जैसी चीजों के साथ का निदान बच्चों में देखते हैं कि एक सूचनी है। इन मुद्दों में से प्रत्येक पता लगाया तथा कहा कि ''वायु यातायात नियंत्रण टॉवर''

प्रारंभिक जीवन में करने के लिए चोट से जुड़े ... अक्सर के रूप में जल्दी जन्म की प्रक्रिया के रूप में किया जा सकता है। हमारे कार्यालय में हम पाते हैं कि उनमें से 90% से अधिक है जो इन निदान है जन्म के समय ऊपरी मर्दन की चोट के कुछ फार्म था।

NOTES

आम लक्षण एवं मस्तिष्क संबंधी रोग और असमन्वय के संकेतक:

- सी-सेक्शन, निर्वाता, संदंश, अथवा वृद्धि हुई कठिनाई, खींच, अथवा बच्चे की घुमा: श्रम एवं वितरण की प्रक्रिया के दौरान हस्तक्षेप का प्रयोग रों सिर तथा गर्दन के प्रसव के दौरान।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) शिक्षण विधियों पर प्रकाश डालिए।

(2) मिर्गी के क्या लक्षण हैं ? लिखिए।

(3) इन्द्रिय अक्षम बच्चों के बारे में विस्तृत बताइये।

(4) संवेदी विकारों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(5) निम्न पर टिप्पणी लिखिए :

(i) मिर्गी के लक्षण

(ii) संवेदी विकार

लघु उत्तरीय प्रश्न

(1) मन्द बुद्धि बालक किस प्रकार के होते हैं ?

(2) मिर्गी से आप क्या समझते हैं ?

(3) संवेदी विकार के कारण स्पष्ट कीजिए।

(4) जीवन प्रत्याशा से क्या तात्पर्य हैं !

(5) मिर्गी रोग से बचाव किस प्रकार किया जाता है ?

NOTES

8 कुष्ठ रोग ठीक छात्रों, कंद तथा मल्टीपल स्क्लेरोसिस एवं अन्य विकलांगता हालत

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- प्राक्कथन
- क्षय रोग क्या है ?
- तपेदिक के कारण
- क्षय रोक की रोकथाम
- टीबी के लक्षण
- क्षय रोग टीकाकरण
- बहुविकलांगता
- शिक्षण रणनीतियाँ

उद्देश्य : इस अध्याय अध्यनन के पश्चात आप निम्न तथ्यों को समझ सकेंगे:

- प्राक्कथन
- क्षय रोग क्या है ?
- तपेदिक के कारण
- क्षय रोक की रोकथाम
- टीबी के लक्षण
- क्षय रोग टीकाकरण
- बहुविकलांगता
- शिक्षण रणनीतियाँ
- परीक्षापयोगी प्रश्नः

प्राक्कथन

कुष्ठ रोग क्या है ?

कुष्ठ रोग त्वचा एवं नसों जो, अगर अनुपचारित छोड़ दिया, विकलांगता तथा अंधपन का करण बन ाकतसा एक संक्रामक रोग है। यह यह हमेशा बैक्टीरिया (Myobacterium) लेप्री कहा जाता है के कारण होता है। बैक्टीरिया, धीरे-धीरे गुणा तो ऊष्मायन अवधि पाँच साल है, किन्तु ऊपर 20 साल के लिए हो सकता है। हम जानते हैं कि संचरण अभी हो होता है बच्चों तीन के रूप में के रूप में युवा के रूप में अभी समाधान कर रहे हैं।

कुष्ठ अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरीकों से प्रकट कर सकते हैं। आप को वर्गीकृत करने एवं कुष्ठ रोग के उपचार के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं यहाँ।

कुष्ठ आज

कुष्ठ दुनिया के सबसे पुराने रोगों अभी तक लाखों लोग अभी दुनिया भर में प्रभावित कर रहे हैं में से एक है। 2014 में, 213,899 लोगों को कुष्ठ रोग के साथ निदान किया गया एवं यह अनुमान है लाखों लोगों की अधिक (undiagonsed) जाना है।

हम जानते हैं कि कुष्ठ रोग के रूप में युवा बच्चों को हर साल का निदान किया जा सकता है बीमारी अभी भी प्रेषित किया जा रहा है। देशों हम में काम के दो में, बच्चों की उच्च संख्या 2014 में कुष्ठ रोग के लिए उपचार शुरू कर दिया।

- बांग्लादेश 197 बच्चों
- भारत 11,365 बच्चों

कैसे कुष्ठ रोग का निदान के बारे में तथा अधिक जानकारी प्राप्त यहाँ।

एक इलाज बीमारी

कुष्ठ छह महीने अथवा एक साल के बहु ड्रग थेरेपी (MDT) उपचार के एक कोर्स के माध्यम से पूरी तरह से इलाज सम्भव है। जागरुकता की कमी तथा कलंक है कि इस बीमारी चारों ओर से घेरे के कारण, कुछ लोगों को मदद लेने में देरी एवं जीवन को बदलने विकलांग को रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी निदान कर रहे हैं।

यही कारण है कि व्यापक जल्दी पता लगाने एवं उपचार कुंजी है। इतना ही नहीं यह प्रसारण के चक्र को तोड़ने सकता है, किन्तु यह भी लोग हैं जो पहले से ही

NOTES

बार वे निदान कर रहे हैं द्वारा दिखाई विकलांग है की संख्या कम कर सकता है।

भारत में वर्तमान में 17 कानूनों जो कुष्ठ रोग के साथ लोगों के खिलाफ भेदभाव कर रहे हैं। इन चुनावों में एवं तलाक के लिए कुष्ठ जा रहा है मैदान में चलने से रोका जा रहा है शामिल हैं। भय तथा बीमारी के बारे में शिक्षा की कमी से कुष्ठ रोग स्टेम के भेदभाव।

एक अक्षम करने की बीमारी

कुष्ठ रोग से पसों को होने वाली क्षति संज्ञाहरण कुष्ठ रोग के साथ लोगों को अर्थ रोग से प्रभावित उन क्षेत्रों में दर्द महसूस नहीं कर सकते हैं की ओर जाता है एवं सूचना नहीं करता है, तो वे अपने पैरों में कटौती चलने या एक चूल्हे पर अपने हाथ जला।

उपचार के बिना, इन चोटों संक्रमित हो जाते हैं कर सकते हैं एवं अंत में मुख्य रूप से पर कुष्ठ रोग से जुड़ी जीवन को बदलने विकलांग हो सकता है।

कुछ रोग के प्रभाव

आदिल कुष्ठ रोग के साथ एक निदान जब वह केवल तीन साल की थी। अब पाँच साल की उम्र, वह अब ठीक हो गया है, किन्तु उनके छोटे भाई रोग के लक्षण दिखाई के लिए शुरू कर रहा है।

उद्देश्य

- कुछ रोग त्वचा एवं नसों की एक जीवाणु रोग है
- कुष्ठ रोग पूरी तरह से इलाज सम्भव है
- कुष्ठ रोग स्थायी विकलांग पैदा कर सकता है यदि अनुपचारित छोड़ दिया
- कुष्ठ रोग का कारण बनता है संज्ञाहरण, जिसका अर्थ है लोगों को प्रभावित क्षेत्रों में दर्द महसूस करने में असमर्थ हैं
- 2014 में लगभग 214,000 लोगों को कुष्ठ रोग के साथ का निदान किया गया
- दक्षिण–पूर्ण एशिया इनमें से 72% के लिए जिम्मेदार नए मामले
- कुष्ठ रोग उपचार निःशुल्क है, किन्तु कई लोगों से अनजान हैं कि यह उपलब्ध है कर रहे हैं
- नौ बैंडेड वर्मी मनुष्य के लिए कुष्ठ रोग हस्तांतरण कर सकते हैं।
- में पिछले रविवार को January निशान विश्व कुष्ठ दिवस

NOTES

क्षण रोग क्या है ?

क्षय रोग, मुख्य रूप से टीबी के रूप में जाना जाता है, एक जीवाणु संक्रमरण है कि आपके शरीर में किसी भी अंग को लिम्फ नोड्स एवं खून के माध्यम से फैल सकता है। यह सबसे अधिक बार में पाया जाता है फेफड़ों। क्योंकि जीवाणु शरीर में एक निष्क्रिय रूप में रह सकते हैं। ज्यादातर लोग हैं जो टीवी के सम्पर्क में है लक्षण कभी नहीं विकसित करता है, किन्तु अगर प्रतिरक्षा प्रणाली इस तरह के साथ लोगों के रूप में, कमजोर एचआईवी अथवा बुजुर्ग वयस्कों, टीबी के जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं कर सकते हैं। उनके सक्रिय राज्य में, टीबी के जीवाण्यु अंगों के संक्रमित में ऊतक के मौत के कारण बन। सक्रिय टीबी रोग घातक हो सकती हैं, किन्तु अनुपचारित छोड़ दिया।

क्योंकि बैक्टीरिया ही क्षय रोग के कारण हवा के माध्यम से प्रेषित कर रहे हैं, रोग संक्रामक हो सकता है संक्रमरण सबसे होने के लिये करता है, तो आप किसी की टीबी के साथ एक दिन के लिए दिन के आधार पर, इस तरह के रहने वाले या कोई है, जो सक्रिय रोग है के साथ बंद में कररने से के रूप में सम्पर्क में हैं की सम्भवना है। क्योंकि बैक्टीरिया आम तौर पर अव्यक्त के बाद में शरीर पर आक्रमरण रहने के लिए, केवल टीबी से संक्रमित लोगों की एक छोटी संख्या कभी सक्रिय रोग होगा। शेष क्या अव्यक्त टीबी संक्रमण कहा जाता है होगा—वे संक्रमण के कोई संकेत नहीं दिखा सकते हैं एवं न दूसरों को रोग का प्रसार करने में सक्षम हो जाएगा, जब कि कि उनकी बीमारी सक्रिय हो जाता है।

क्योंकि इन अव्यक्त संक्रमण अंत में सक्रिय हो सकता है, यहाँ तक कि लक्षण के बिना लोगों को चिकित्सा उपचार प्राप्त करनाचाहिए। दवा निष्क्रिय बैक्टीरिया से छुटकारा में सहायता कर सकते हैं इससे पहले कि वे सक्रिय हो जाते हैं।

टीबी एक बार एक व्यापक रोग था। यह वस्तुतः की मदद से नष्ट हो गया था एंटीबायोटिक दवाओं 1950 के दशक में विकसित की है, किन्तु इस रोग शक्तिशाली नए रूपों में फिर जाग उठा है—बहु दवा प्रतिरोधी टीबी तथा बड़े पैमाने पर दवा प्रतिरोधी टीबी। आज, रोग के इन नए तथा खतरनाक रूपों—आमतौर पर इस्तेमाल किया नशीली दवाओं के उपचार में से कुछ के लिए प्रतिरोधी—दुनिया भर में कई बड़े शहरों में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा की है। आप टीबी है—अपनी सक्रिय अथवा अव्यक्त राज्य में—आप चिकित्सा उपचार लेनी होगी।

क्षय रोग एक लम्बे, समृद्ध इतिहास रहा है, जहाँ तक प्राचीन मिस्र के रूप में वापस डेटिंग, अपनी उपस्थिति मिस्र की ममियों के संरक्षित कांटा में पाया के सबूत के साथ।

18वीं और 19वीं शताब्दी में, एक तपेदिक महामारी यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका, भर भगदड़ मचाई से पहले जर्मन सूक्ष्मजीवन विज्ञानी रॉबर्ट कोच ने 1882 में तपेदिक के माइक्रोबियल कारणों की खोज की थी।

कोच के खोज के बाद, टीक तथा प्रभाव दवा उपचार के विकास विश्वास है कि रोग लगभग हरया था का नेतृत्व किया। एक बिन्दु संयुक्त राष्ट्र में, भविष्यवाणी की है कि तपेदिक (टीबी) 2025 तक दुनिया भर में सफाया हो जाएगा।

हालांकि मध्य 80 के दशक में, टीबी मामलों अमेरिका में में एक बार फिर तथ दुनिया भर में इस हद तक कि 1993 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषणा की कि टीबी एक वैश्विक आपात था वृद्धि करने के लिए, शुरू किया, पहली बार है कि एक बीमारी के रूप में चिहिन्त किया गया था।

सौभाग्य से, उचित उपचार के साथ लगभग तपेदिक के भ्सी मामलों का इलाज कर रहे हैं। टीबी के मामले 1993 के बाद से अमेरिका में कमी आई है, किन्तु इस रोग एक चिन्ता का विषय बनी हुई है। तपेदिक से मर जाएगा के साथ बीमार लोगों की दो-तिहाई उचित उपचार के बिना।

इस लेख के सामग्री :

- तपेदिक क्या है ?
- क्या तपेदिक का कारण बनता है ?
- तपेदिक के लक्षण
- टेस्ट तथा तपेदिक के निदान
- उपचार और तपेदिक की रोकथाम

आप किसी भी हाल के घटनाक्रमों कि MNT के समाचारों के अन्तर्गत आने वाले किया गया है कुछ वर्गों के अंत में परिचय देखेंगे इसके अतिरिक्त सम्बन्धित स्थिति की जानकारी के लिंक के लिए बाहर देखों।

तपेदिक पर त्वरित तथ्य

यहाँ क्षय रोग के बारे कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु हैं तथा अधिक विस्तार और समर्थन जानकारी मुख्य लेख में हैं।

- 2012 में, 13 लाख लोगों को दुनिया भर में टीबी के एक अनुमान के अनुसार 8.6 मिलियन नए मामले तपेदिक की वजह से मौत हो चुकी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 9 लाख लोगों को एक साल के इन स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा “याद” 3 लाख के साथ, टीबी से बीमार मिलता है।

NOTES

- टीबी शीर्ष 344 करने के लिए 15 वर्ष की महिलाओं के लिए मौत के कारणों में से एक है।

- क्षय रोग जीवाणु (के कारण होता है माइकोबैक्टीरियम क्षय रोग) है कि सबसे अधिक बार फेफड़ों को प्रभावित है, फिर यह भी इस तरह के गुर्दे और दिल के रूप में अन्य अंगों को प्रभावित कर सकते हैं।

- टीबी या तो सक्रिय या अव्यक्त हो सकता है (जहाँ कोई लक्षण नहीं होते हैं तथा इस शर्त पर पारित नहीं किया जा सकता है)।

- टीबी के लक्षणों (खांसी, बुखा, रात को पसीना, वजन घटाने आदि) कई महीनों के लिए हल्के हो सकता है एवं टीबी से बीमार लोगों को एक वर्ष की अवधि में निकट सम्पर्क के माध्यम से 10-15 अन्य लोगों को संक्रमित कर सकते हैं।

- टीबी एक हवाई रोगजनक जिसका अर्थ है कि बैक्टीरिया है कि टीबी का कारण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक हवा के माध्यम से फैल सकता है।

- समझौता किया प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ लोगों को सक्रिय टीबी के विकास एवं रोग से मरने का खतरा सबसे अधिक कर रहे हैं, के साथ लोगों को एचआईवी 26-31 गुना अधिक टीवी विकसित होने की सम्भावना है।

- तम्बाकू का प्रयोग टीबी मामलों संसार में धूम्रपान के कारण 20 से अधिक के साथ सक्रिय टीबी के विकास के जोखिम को बढ़ाने के लिए पाया गया है।

- टीबे के जीवाणु के लिए एक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं प्रतिजैविक दवाओं में कि उन्हें पूरी तरह से मारने के लिए असफल।

- तपेदिक के लिए सबसे आम नैदानिक परीक्षण एक त्वचा परीक्षण है।

- टीबी मामलों में बहुतम आइसोनियाज़िड और सबसे शक्तिशाली, पहली लाइन रिफैम्पिसिन विरोधी टीबी दवाअें के साथ, प्रतिजैविक दवाओं है कि उन्हें पूरी तरह से मारने के लिए विफल एक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं।

- यह महत्वपूर्ण दिया उपचार के किसी भी पाठ्यक्रम को पूरी तरह से संक्रमरण के सफल उन्मूलन के अवसर बढ़ाने के लिए तथा एंटीबायोटिक प्रतिरोध विकसित होने का खतरा कम करने के लिए पूरा कर रहे हैं कि है।

टीबी एक संक्रामक रोग है कि मुख्य रूप से पर फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह दूसरे स्थान पर है दुनिया भर में एक भी संक्रामक एजेंट की वजह से सबसे बड़ी हत्यारा एवं 2012 में, 13 लाख लोगों को, बीमारी से मृत्यु हो गई 8.6 मिलियन बीमार पड़ साथ।

टीबी आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है जबकि यह शरीर के चारों ओर अन्य अंगों में फैल सकता है।

डॉक्टरों तपेदिक संक्रमरण के दो प्रकार के बीच एक अन्तर अव्यक्त एवं सक्रिय। अव्यक्त टीबी में, टीबी के जीवाणु एक निष्क्रिय स्थिति में शरीर में रहते हैं। वे कोई लक्षण पैदा कर तथा संक्रामक नहीं हैं किन्तु वे सक्रिय हो जाते हैं कर सकते हैं। सक्रिय टीबी में, जीवाणु लक्षण पैदा करते हैं तथा दूसरों के लिए प्रेषित किया जा सकता है।

दुनिया की आबादी एक लगभग एक-तिहाई अव्यक्त टीबी माना जाता है। वहाँ सक्रिय टीबी बनने अव्यक्त टीबी के एक 10% मौका है, किन्तु इस जोखिम लोग है, जो समझौत किया है प्रतिरक्षा प्रणाली यानी एचआईवी अथवा साथ जी रहे लोगों में बहुत अधिक है कुपोषण अथवा लोग हैं, जो धूम्रपान करते हैं।

टीबी सभी आयु समूहों एवं दुनिया के सभी भागों को प्रभावित करता है। हालांकि, इस रोग ज्यादातर युवा वयस्कों तथा विकासशील देशों में रहने वाले लोगों को प्रभावित करता है। 2012 में, सूचना टीबी मामलों के 80% केवल 22 देशों में हुई।

क्या तपेदिक का कारण बनता है ?

माइकोबैक्टीरियम क्षमरोग जीवाणु टीबी का कारण बनता है। यह हवा के माध्यम से जब टीबी के साथ एक व्यक्ति (जिसका फेफड़ों से प्रभावित होते हैं) खांसी, छींकने, थूक, हंसते हुए कहते हैं अथवा वार्ता फैला हुआ है।

टीबी संक्रामक है किन्तु यह पकड़ने के लिए आसान नहीं है। किसी से पकड़ने टीबी की सम्भावना है कि आप रहते हैं अथवा साथ किसी अनजान व्यक्ति की तुलना में अधिक हैं। जो कम से कम दो सप्ताह के लिए उचित उपचार प्राप्त हुआ है सक्रिय टीबी के साथ अधिकांश लोगों को नहीं रह गया है संक्रामक हैं।

के बाद से एंटीबायोटिक दवाओं टीबी से लड़ने के लिए प्रयोग किया जाने लगा, कुछ उपभेदों दवाओं के लिए प्रतिरोधी बन गए हैं। बहुदबा प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) पैदा होती है जब एक एंटीबायोटिक जीवित बैक्टीरिया एक ही समय में है कि एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोध विकसित कर रहा है तथा अक्सर अन्य लोगों के साथ, बैक्टीरिया है कि यह लक्षित करता है के सभी को मारने के लिए विफल रहता है।

एमडीआर-टीबी केवल बहुत विशिष्ट विरोधी टीबी दवाओं, जो अक्सर सीमित हैं अथवा आसानी से उपलब्ध नहीं के उपयोग के साथ इलाज तथा इलाज सम्भव हैं। 2012 में, चारों ओर 450,000 लोग एमडीआर-टीबी का विकास किया।

कौन खतरे में है?

समझौता किया प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ लोगों को सक्रिय तपेदिक के विकास का खतरा सबसे अधिक है।

एचआईवी प्रतिरक्षा प्रणाली को दवा, यह मुश्किल शरीर टीबी के जीवाणु को नियंत्रित करने के लिए बना रही है। जो लोग दोनों एचआईवी तथा टीबी से संक्रमित कर रहे हैं चारों ओर 20-30% अधिक जो लोग एचआईवी की जरूरत नहीं है कि तुलना में सक्रिय टीबी विकसित होने की सम्भावना है।

तम्बाकू का प्रयोग भी सक्रिय टीबी के विकास के जोखिम को बढ़ाने के लिए पाया गया है। दुनिया भर में टीबी के मामलों की 20% से अधिक धूम्रपान से सम्बन्धित हैं।

MNT खबर से तपेदिक का कारण बनता है पर हाल के घटनाक्रम

दवा प्रतिरोधी टीबी के खतरनाक प्रसार वैश्विक स्वास्थ्य की धमकी

चिकित्सा सहायता संगठन जैसा फ्रंटियर्स/बॉर्डर्स (एमएसएफ) डॉक्टर्स विदाउट दवा प्रतिरोधी तपेदिक के खतरनाक प्रसार, जो वे रूप में उल्लेख के बारे में एक ब्रीफिंग पत्र प्रकाशित किया गया है

लाइलाज तपेदिक के मरीजों के संक्रमण के प्रसार कर रहे हैं

सैसेट में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चला है कि लाइलाज तपेदिक के साथ दक्षिण अफ्रीका में रोगियों का समुदाय है, जो शोधकर्ताओं के अनुसार, रोग के प्रसार के लिए योगदान दे रहा हैं में छुट्टी दे दी जा रही है।

अध्ययन के तरीकों की व्याख्या एक परजीवी कृमि बढ़ जाती है टीबी जोखिम में सहायता करता है

परजीवी कृमि का एक रूप—रोग का एक अव्यक्त रूप के साथ उन लोगों में तपेदिक के लिए संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं अध्ययन helminths के साथ है कि संक्रमण से पता चला है। अब, नए शोध क्यों है पर प्रकाश डालता है, नई रण्नीतियों के लिए दरवाजा खोलने बीमारी को रोकने के।

तपेदिक के लक्षण

जबकि अव्यक्त टीबी symptomless है, सक्रिय टीबी के लक्षण निम्नलिखित सम्मिलित हैं :

- खाँसी बलगम अथवा रक्त के साथ कभी कभी,
- ठंड लगना

- थकान
- बुखार
- वजन में कमी
- भूख के कमी एवं
- रात को पसीना।

क्षय रोग पर फेफड़ों को प्रभावित करता है, किन्तु शरीर के अन्य भागों को प्रभावित कर सकते हैं। टीबी फेफड़ों के बार होता है, लक्षण तदनुसार भिन्न हो सकते हैं। उपचार के बिना, टीबी खून के माध्यम से शरीर के अन्य भागों में फैल सकते हैं :

- टीबी हड्डियों को संक्रमित रीढ़ की हड्डी में दर्द एवं जोड़ों के विनाश के लिए नेतृत्व कर सकते हैं।

- टीबी मस्तिष्क को संक्रमित पैदा कर सकता है मस्तिष्क ज्वर

- टीबी जिगर को संक्रमित एवं गुर्दे मूत्र में रक्त के लिए अपने अपशिष्ट निस्पंदन कार्यों बाधित करते हैं तथा नेतृत्व कर सकते हैं।

- टीबी बिल को संक्रमित दिल की रक्त पम्प करने, एक शर्त हृदय कहा जाता है, जिसके फलस्वरूप क्षमता खराब कर सकते हैं तीव्र सम्पीइन की घातक हो सकती है।

TUBERCLOSIS 3.4 कारण

टीबी के जोखिम कारक क्या हैं ?

टीबी रोगाणु से संक्रमित होने की सम्भवना को लोगों की है कि जो दूसरों संक्रमित हैं थ्सा निकट सम्पर्क में रहे हैं के लिए सबसे अधिक हैं। यह भी शामिल है :

- परिवार एवं संक्रामक टीबी रोग के साथ एक व्यक्ति के दोतों

- लोगों को, जो टीबी की उच्च दर के साथ दुनिया के क्षेत्रों से आकर बस गए हैं

- एचआईवी संक्रमण के साथ जी रहे टीबी संचरण की उच्च दर, बेघर व्यक्तियों सहित, इंजेक्शन से नशा एवं लोगों के साथ समूहों के लोग

- जो लोग काम करते हैं अथवा सुविधाओं संस्थाओं है कि जो लोग इस तरह के अस्पतालों, बेघर आश्रयों, सुधारक सुविधाओं, नर्सिंग होम एवं आवासीय घरों

एचआईवी के साथ उन लोगों के लिए रूप में टीबी के लिए उच्च जोखिम में हैं घर में रहेत हैं।

NOTES

हर कोई जो टीबी रोगाणु से संक्रमित है टीबी रोग विकसित करता है। सक्रिय टीबी रोग के विकास के लिए सबसे अधिक खतरा होता लोग एक कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित के साथ उन कर रहे हैं :

- शिशुओं तथा छोटे बच्चों, जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली परिपक्व नहीं किया है।
- जैसे मधुमेह अथवा गुर्दे की बीमारी के रूप में पुरानी शर्तों के साथ लोगों
- एचआईवी/एड्स के साथ लोगों को
- अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं
- कैंसर रोगियों कीमोथेरेपी
- रुमेटी गठिया अथवा के रूप में स्व-प्रतिरक्षित बीमारियों के लिए कुछ विशेष उपचार प्राप्त करने के साथ लोगों को क्रोहन रोगा

क्षय रोग की रोकथाम

आप टीबी से संक्रमित हो गए हैं, किन्तु सक्रिय टीबी रोग नहीं है, तो आप निवारक चिकित्सा मिल सकता है। इस इलाज रोगाणु कि किसी भी नुकसान अभी नहीं कर रहे हैं को मारता है, किन्तु इतना भविष्य में कर सकता है। सबसे आम निवारक चिकित्सा 6 से 9 महीने के लिए दवा आइसोनियाजिड (INH) के एक दैनिक खुराक है। आप अपनी दवा के रूप में अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता द्वारा निर्देश ले, तो यह आपको सक्रिय टीबी रोग विकसित करने से रख सकते हैं।

वहाँ बीसीजी, या Bacillus Calmette-Guerin कहा जाता टीबी के खिलाफ एक टीका है। यह कई विदेशी देशों में प्रयोग किया जाता है, जहाँ टीबी अधिक आम है। किन्तु यह संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत बार इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि अमेरिका में टीबी से संक्रमित होने की सम्भावना कम है। यह भी टीबी त्वचा परीक्षण की सटीकता कम हो सकता है। बीसीजी सक्रिय टीबी के उच्च व्यापकता के साथ आबादी में लगभग आधे से बच्चों में टीबी की घटनाओं को कम करने में प्रभावी है किन्तु बहुत कम वयस्कों में प्रभावी है।

TUBERCLOSIS के 3.6 Treatment

टीबी के लक्षण

टीबी के विशिष्ट लक्षण में शामिल हैं :

NOTES

- एक लगातार खांसी कि तीन सप्ताह से अधिक समय तक रहता है एवं आम तौर पर कफ, जो खूनी हो सकता है लाता है।
- वजन घटना
- रात को पसीना
- उच्च तापमान (बुखार)
- थकान तथा थकान
- भूख में कमी
- नई सूजन है कि कुछ सप्ताह के बाद दूर नहीं गए।

यदि आप एक खाँसी की तीन सप्ताह से अधिक समय तक रहता है अथवा यदि आप रक्त को खाँसी है, तो आप एक जीपी देखना चाहिए।

बारे में अधिक पढ़ें टीबी के लक्षण तथा टीबी के निदान।

क्या टीबी का कारण बनता है?

टीबी एक जीवाणु माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग कहा जाता है के कारण होता है।

टीबी फेफड़ों को प्रभावित करता है कि सबसे अधिक संक्रामक प्रकार है, किन्तु यह आम तौर पर केवल बीमार रोगियों के साथ करने के लिए लम्बे समय तक प्रदर्शन के बाद से फैलता है। उदाहरण के लिए, यह अक्सर एक परिवार, जो एक ही घर में रहते हैं भीतर से फैलता है।

सबसे स्वस्थ लोगों में, प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को मानता है और आप कोई लक्षण नहीं।

कभी-कभी प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को मारने नहीं कर सकता है, किन्तु यह शरीर में फैल को रोकने के लिए प्रबन्धन करता है। इसका मतलब यह है कि आप किसी भी लक्षण नहीं होगा, लेकिन बैक्टीरिया आपके शरीर में ही रहेगा। यह "अव्यक्त टीबी" के रूप में जाना जाता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मारने अथवा संक्रमण को रोकने के लिए विफल रहता है, यह फेफड़ों या शरीर एवं लक्षण के अन्य भागों के भीतर फैले कुढ हफ्तों या महीनों के भीतर का विकास होगा कर सकते हैं। यह "सक्रिय टीबी" के रूप में जाना जाता है।

अव्यक्त टीबी एक बाद की तारीख में एक सक्रिय टीबी संक्रमण के रूप में विकसित कर सकता है, खासकर यदि आपके प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर हो जाता है।

कौन प्रभावित है ?

इससे पहले कि प्रतिजैविक दवाओं के शुरू किए गए थे, टीबी ब्रिटेन में एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या थी। आजकल हालत बहुत कम आम है।

हालांकि पिछले 20 वर्षों में, टीबी मामलों में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है, विशेष रूप में जातीय अल्पसंख्यक समुदाओं जो देशों से मूल रूप से कर रहे हैं, जहाँ टीबी ज्यादा आम है के बीच में।

2014 में, टीबी से अधिक 6,500 मामलों में इंग्लैण्ड में सूचित किया गया। इनमें से चारों ओर 4,700 प्रभावित लोगों UK के बाहर पैदा हुए थे।

अनुमानतः दुनिया की आबादी का लगभग एक तिहाई अव्यक्त टीबी से संक्रमित है। इनमें से 10% तक कुछ बिन्दु पर सक्रिय हो जाएगा।

कैसे टीबी इलाज किया जाता है

उपचार के साथ, टीबी आमतौर पर ठीक किया जा सकता। ज्यादातर लोगों को छह महीने के लिए आम तौर पर, एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। इसका कारण यह है कि टीबी के कुछ रूपों कुछ एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी रहे हैं। आप छह अथवा अधिक विभिन्न दवाओं के साथ टीबी की दवा प्रतिरोधी फार्म, उपचार से संक्रमित हैं जो जरूरत हो सकती है।

आप कोई है जो टीबी के साथ निकट सम्पर्क में हैं, तो परीक्षण देखने के लिए अगर आप भी संक्रमित हैं किया जा सकता है। ये एक छाती शामिल कर हैं एक्स-रे, रक्त परीक्षण तथा एक त्वचा परीक्षण मैनटॉक्स परीक्षण कहा जाता है।

क्षय रोग टीकाकरण

बीसीजी वैक्सीन 10 लोग हैं, जो यह दिया जाता है से बाहर से 8 में टीबी के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

वर्तमान में, बीसीजी टीकाकरण केवल लोग हैं, जो टीबी के विकसित होने का अधिक खतरा होता हैं के समूहों के लिए सिफारिश की हैं।

यह 16 वर्ष की आयु जो रहते हैं तथा की उच्च दर के साथ एक क्षेत्र में स्थानीय लोगों के साथ काम करने जा रहे तहत टीबी की उच्च दर अथवा जो उच्च टीबी दरों के साथ देशों से निकट परिवार के सदस्यों के साथ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को तथा लोगों को भी शामिल है तीन महीने से अधिक के लिए टीबी।

यह भी सिफारिश की है कि इस तरह के स्वास्थ्य कार्यकताओं के रूप में कुछ लोगों को, क्योंकि टीबी करार करते हुए काम करने का जोखिम बढ़ जाता है की टीका लगाया जाता है।

NOTES

उच्च टीबी दरों के साथ देश

दुनिया के कुछ हिस्सों कि टीबी की उच्च दर है में शामिल हैं :

- अफ्रीका-विशेष रूप में उप सहारा अफ्रीका (सभी अफ्रीकी देशों सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में) तथा पश्चिम अफ्रीका
- दक्षिण पूर्व एशिया-सहित भारत, पाकिस्तान, इंडोनेशिया तथा बांग्लादेश
- रूस
- चीन
- दक्षिण अमेरिका
- पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र (प्रशांत महासागर के पश्चिम में)-वियतनाम तथा कंबोडिया सहित ?

सारांश

बहु विकलांगता

Sprayberry वर्तमान में तीन (3) एकाधिक विकलांगता शिक्षकों कार्यरत हैं। जेमी इवांस एवं VaShida टेलर प्राथमिक छात्रों को सिखाता है। लीघ एल्मोर माध्यमिक सिखाता है।

तथा भाषण, शारीरिक गतिशीलता, सीखने, मानसिक मंदता, दृश्य, श्रवण, मस्तिष्क की चोट संभवत: दूसरों: कई विकलांग बच्चों विभिन्न विकलांग है कि शामिल हो सकते हैं का एक संयोजन होगा। कई विकलांग के साथ साथ, वे भी संवेदी घाटा एवं व्यवहार तथा या सामाजिक समस्याओं का प्रदर्शन कर सकते हैं। कई विकलांग बच्चों-के रूप में भी कई exceptionalities करने के लिए भेजा गम्भीरता एवं विशेषताओं में अलग-अलग होंगे। इन छात्रों श्रवण प्रसंस्करण में कमजोरी दिखा रहे हैं तथा भाषण सीमा होती है। शारीरिक गतिशीता अक्सर जरूरत के एक क्षेत्र हो जाएगा। इन छात्रों को प्राप्त करने तथा कौशल को याद करने तथा या एक से दूसरे स्थिति से इन कौशल के हस्तांतरण कठिनाई हो सकती है। समर्थन आमतौर पर कक्षा के दायरे से परे की जरूरत है। वहाँ अक्सर अधिक गम्भीर कई विकलांग जो मस्तिष्क पक्षाघात एवं गम्भीर आत्मकेन्द्रित तथा मस्तिष्क की चोटों के साथ छात्रों को शामिल हो सकते हैं से कुछ के साथ चिकित्सा निहितार्थ हैं। इन छात्रों के लिए कई शैक्षिक निहितार्थ हैं।

क्या बारे में विशेष शिक्षा विशेष है ? विशेष शिक्षा सबसे शैक्षिक न्यायालय में संघीय कानून द्वारा शासित है। विकलांग शिक्षा अधिनियम के साथ व्यक्तियों के तहत् विशेष शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है :

"विशेष रूप से एक विकलांगता के साथ एक बच्चे की अद्‌वितीय जरूरतों को पूरा करने, निर्देश तैयार किया गया है माता पिता के लिए किसी कीमत पर।"

NOTES

विशेष शिक्षा जगत सुनिश्चित करने के लिए सभी छात्रों को शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए प्रदान की जातती हैं इसके अलावा सेवाओं, समर्थन, कार्यक्रम, विशेष नियुक्तियों तथा वातावरण प्रदान करने के लिए है। विशेष शिक्षा माता पिता के लिए किसी कीमत पर योग्यता के छात्रों के लिए प्रदान की जाती है। वहाँ जो विशेष सीखने की जरूरतों है कई छात्रों कर रहे हैं तथा इन जरूरतों को विशेष शिक्षा के माध्यम से संबोधित कर रहे हैं। विशेष शिक्षा के समर्थन की सीमा की जरूरत है एवं शैक्षिक न्यायालय आधार पर भिन्न होगी। प्रत्येक देश, राज्य या शैक्षिक अधिकार क्षेत्र की विभिन्न नीतियों, नियमों, विनियमों एवं कानून है कि नियंत्रित करता है क्या विशेष शिक्षा है होगा। अमेरिका में, शासी कानून है :

विकलांग शिक्षा अधिनियम के साथ व्यक्तियों

Sprayberry के एकाधिक विकलांगता कखाओं अपने बच्चे के लिए निम्नलिखित प्रदान करते हैं:

- संगीत का वक्त
- शिक्षाविदों
- पीटी/ओटी के लिए मोटर कक्ष की यात्रा
- जिम

गिर महोत्सव वैलेंटाइन्स दिवस सितारे, आर्ट शो एवं कई और अधिक के साथ Tailgating: बच्चों सहित हमारे घटनाओं के सभी में भाग लेते हैं। प्रत्येक बच्चे को एक पीटी/OT रूपरेखा है कि प्रत्येक शिक्षक इस प्रकार है। प्रत्येक वर्ग भी दो (2) पैरा शिक्षकों है।

अवधि पता चलता है, यह विकलांगता श्रेणी की स्थिति है कि एक छात्र की सीखने तथा एक अकादमिक व्यवस्था में सफलता प्राप्त करने की क्षमता को प्रभावित कर सकता का एक संयोजन शामिल हैं। गम्भीर विकलांग छात्र मुख्यत: इस छाता शब्दावली के तहत शामिल किए गए हैं।

एकाधिक विकलांग "सहवर्ती दोष, संयोजन, जिनमें से एक गम्भीर शैक्षिक समस्याओं है कि वह एक के लिए पूरी तरह विशेष शिक्षा कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया जा सकता का कारण बनता है के रूप में एक नियमन में परिभाषित कर रहे हैं दोष की।" (34 सीएफआर, सेकण्ड 300 (ख) [6])

यह विकलांगता श्रेणी सबसे गंभीर शारीरिक, संज्ञानात्मक तथा मिलनसार impairments के साथ उन छात्रों में शामिल हैं। हालांकि यह ध्यान दिया जाना

NOTES

चाहिए, कि इन छात्रों को भी औसत अथवा यहाँ तक कि ऊपर औसत बुद्धि हो सकता है। इस श्रेणी में छात्रों के बीच आम कनेक्शन सिर्फ वे दो अथवा अधिक coexisting से अक्षम हैं, किन्तु वे आम तौर कौशल क्षेत्रों के किसी भी संख्या भर में व्यापक समर्थन की जरूरत है कि नहीं है।

प्रसार

शिक्षा विभाग 5,971,495 2003-2004 स्कूल वर्ष में विशेष शिक्षा सेवाओं को प्राप्त करने के लिए छात्रों की रिपोर्ट। उस नंबर लगभग 2.2% अथवा 132,333 छात्रों के, विशेष शिक्षा एकाधिक विकलांगता की एक वर्गीकरण के आधार पर सेवाएं प्राप्त किया।

लक्षण

एकाधिक विकलांगता श्रेणी विशिष्ट परिस्थितियों तथा दोष की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करता है। एक कक्षा के शिक्षक एक विकलांग के साथ उनके व्यक्तिगत छात्र के बारे में जानने के लिए सर्वोत्तम स्थानों में अतीत के आकलन तथा Individualized शिक्षा कार्यक्रम कर रहे हैं। छात्र के बारे में सीखने में अगला कदम छात्र के माता/पिता के साथ एक रिश्ता बनाने के लिए, के रूप में वे वास्तव में अपने बच्चे की क्षमताओं पर सबसे बड़ा विशेषज्ञ हैं।

बौद्धिक कार्य, अनुकूली कौशल, मोटर कौशल, संवेदी कामकाज तथा संचार कौशल: हालांकि, कई विकलांग बच्चों को मुख्य तौर पर विकास के पाँच अलग क्षेत्रों में घाटे को साझा करेंगे।

लर्निंग पर प्रभाव

एकाधिक विकलांगता रेणी के अन्तर्गत कार्य किया छात्रों के अधिकांश संज्ञानात्मक हानि के कुछ स्तर की क्या जरूरत है, किन्तु इस हानि के विशिष्ट निदान अक्सर अस्पष्ट या अनिर्धारित हो सकता है। इन छात्रों की क्षमता के स्तर के बुनियादी जीवन कौशल के लिए कार्यात्मक शिक्षाविदों से व्यापक रूप से भिन्न हो सकते हैं। हालांकि, इन छात्रों के सबसे अभी भी जब उचित समर्थन करता है एवं सामग्री प्रदान की अपने स्वयं के स्तर पर सीखने का काफी सक्षम हैं।

जबकि आयु उपयुक्त अनुकूली कौशल विकसित करने के लिए कई विकलांग के साथ छात्रों के लिए एक चुनौती है, उनके सीखने की क्षमता जीवन कौशल क्षेत्रों की संख्या में स्वतंत्रता के कुछ स्तर के साथ उन्हें प्रदान कर सकते हैं। के रूप में इन कौशल समुदाय में उनके सम्मिलित किए जाने के लिए बिल्कुल जरूरी हैं इन छात्रों के लिए उपयुक्त शैक्षिक प्रोग्रामिंग, आत्म देखभाल तथा आत्म वकालत घटकों को शामिल करना चाहिए।

NOTES

मोटर विकास में घाटे इन आत्म देखभाल क्षेत्रों में स्वतत्रंता को प्रभावित कर सकता है अएवं यह भी पर्यावरण के लिए गतिशीलता तथा पहुँच को सीमित करना बाध्य कर सकते हैं। इन घाटों गरीब मांसपेशी टोन अथवा विशिष्ट स्थिति का एक अपरिहार्य पहलू का एक परिणाम हो सकता है। आर्थोपेडिक का समर्थन करता है के साथ संयोजन के रूप में शारीरिक चिकित्सा स्वतंत्र यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो सकता है। संवेदी दोष भी कई विकलांग छात्रों में मौजूद हो सकता है तथा उनकी सुनने तथा/अथवा दृश्य हानि की बारीकियों को जानने के लिए एक उपयुक्त शिक्षण कार्यक्रम के विकास के लिए नितांत आवश्यक है। संवेदी दोष की वजह से शिक्षण पर संभावित प्रभाव के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी के लिए इन विकृतियों पर विशिष्ट श्रेणी वर्गों का संदर्भ लें।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात, कई विकलांग छात्रों संचार के क्षेत्र में घाटा है, यह मुश्किल के लिए उन्हें उनके आसपास उन लोगों के लिए उनकी आवश्यकताओं, जरूरत है तथा दर्द से संवाद करने के लिए बना रही है। यह सीमा बच्चे के भावनात्मक तथा बौद्धिक विकास के लिए विनाशकारी हो सकता है, किन्तु सहायक तकनीक तथा आगम संचार प्रणाली के उपयोग के माध्यम से सम्बोधित किया जा सकता है।

शिक्षण रणनीतियों

कई विकलांग के साथ एक छात्र के लिए एक उपयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम निर्धारण इन छात्रों के लिए आवश्यक व्यापक समर्थन की विविधता के कारण एक चुनौतीपूर्ण काम हा सकता है। नियोजन प्रक्रिया अभिभावकों, शिक्षकों, भौतिक चिकित्सक, सहायक तकनीक शिक्षकों तथा अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ के किसी भी संख्या सहित एक बहु–विषयक प्रक्रिया, होना चाहिए। बेशक, योजना प्रक्रिया के केन्द्र में छात्र होना चाहिए तथा शक्तियों तथा छात्र की इच्छाओं को पूरी प्रक्रिया मार्गदर्शन करना चाहिए। सफलता के लिए विशेष कदम पहचान करने की आवश्यकता है तथा समय प्रत्येक शैक्षिक उद्देश्य के लिए निर्धारित किया है। इसके अलावा, संसाधनों एवं समर्थन करता है छात्र के लिए आवश्यक अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में परिभाषित किया तथा संबोधित किया जाना चाहिए।

कि सभी लोगों के लिए विशेष रूप से प्रभावी हो सकता है समर्थन का एक क्षेत्र है सहकर्मी ट्यूशन है। सहकर्मी ट्यूशन अलग शोध अध्ययन के एक नंबर में एक से अधिक विलांग छात्रों के लिए सकारात्मक परिणाम है सिद्ध किया गया है। हालांकि, ध्यान रखा जाना चाहिए कि ट्यूशन में वन–वे संबंध नहीं है, किन्तु पारस्परिक है। कई विकलांग छात्र भी ट्यूशन प्रक्रिया के लिए कुछ प्रदान करने के लिए, भले ही वह एक साधारण सामाजिक व्यवहार है सक्षम होना चाहिए। दोनों पक्षों पर कुछ प्रशिक्षण इस एक उपयोगी समर्थन प्रणाली बनाने के लिए आवश्यक हो जाएगा।

NOTES

सहायक तकनीक

सहायक तकनीक कार्यात्मक एवं मिलनसार सीमाओं पर काबू पाने में कई विकलांग के साथ छात्रों के लिए एक प्रभावी उपकरण हो सकता है। मूल्यांकन की एक किस्म योग्य पेशेवरों द्वारा आयोजित किया जाना चाहिए। व्यक्तिगत छात्र की जरूरतों के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी समर्थन निर्धारित करने के लिए। पोजिशनिंग, भाषा, मोटर, कौशल तथा संवेदी मुद्दों सब सबसे प्रभावी समर्थन प्रणाली को लागू करने में विचार करने की आवश्यकता। दोनों पर्यावरण और विशिष्ट कार्यों सम्बोधित करने की भी सबसे उपयुक्त सहायक तकनीक के चयन मार्गदर्शन करना चाहिए।

एक विशेष रूप से होनहार तकनीकी समर्थन हाथ में पर्सनल कम्प्यूटर में पाया जा सकता। इस तरह के दृश्य सहायक, शिक्षकों एवं सेवा प्रदाताओं के रूप में सॉफ्टवेयर का उपयोग विभिन्न कौशल सेट तथा निर्देश की एक संख्या कार्यक्रम कर सकते हैं किसी भी समय छात्र की पहुँच में हो। इन प्रौद्योगिकी डिजिटल चित्र अथवा रेखा चित्र के रूप में दृश्य जानकारी, साथ ही ऑडियो संदेश एवं निर्देश शामिल कर सकते हैं। यह मदद करने के लिए छात्रों को इस तरह के व्यावसायिक प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान के रूप में समुदाय में स्वतंत्रता प्राप्त, में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकता है। ये हाथ में कम्प्यूटर, एक टच स्क्रीन का उपयोग मोटर नियंत्रण मुद्दों के साथ छात्रों के लिए उन्हें तथा अधिक सुलभ बनाने। सबसे अच्छी बात यह है कि वे पोर्टेबल हैं एवं छात्रों को लगभग किसी भी सेटिंग में उन लोगों के साथ कम्प्यूटर ले सकते हैं। उन्होंने यह भी अपरिचित व्यक्तियों के साथ संचार के समर्थन में काफी कारगर हो सकता है उन्हें एक आगम संचार प्रणाली में इस्तेमाल के लिए एक उत्कृष्ट साधन बन गया है।

आगम एवं वैकल्पिक संचार (एएसी)

कई संवेदी, संज्ञानात्मक एवं शारीरिक रूप से अक्षम के साथ व्यक्तियों में सार्थक संचार सहायक कई वर्षों के लिए विशेष शिखा तथा पुनर्वास पेशेवरों के लिए एक केन्द्रीय मुद्दा रहा है। साइन लैंग्वेज मिलनसार कौशल है कि संचार सहायता कर सकता हैं एवं दोहरी संवेदी दोष वाले विकासात्मक सक्षम व्यक्तियों में बहुत प्रभावी हो सकता का सबसे स्पष्ट विकल्प है। हालांकि, कई विकलांग तथा अतिरिक्त संज्ञानात्मक मुद्दों के साथ व्यक्तियों में, सांकेतिक भाषा कभी-कभी एक सीमित संचार रणनीति हो सकती है। Gestural संचार अकेले अक्सर तत्काल उपस्थित करने के लिए इस आबादी में सामाजिक सम्पर्क, आइटम अथवा चीजें हैं जो कि विशेष क्षण में हुआ जा सकता है प्रतिबन्धित करता है। इसके साथ-साथ शारीरिक रूप से अक्षम coexisting के साथ कई व्यक्तियों को अपने ठीक मोटर कौशल में सीमाओं के कारण प्रभावी रूप से किसी भी प्रकार की gestural संचार

का उपयोग करने में असमर्थ हैं। सामग्री तथा कई विकलांग छात्रों के लिए संचार बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया उपकरण इस खाई को पाटने एवं संवाद एवं उनके जीवन में उद्देश्यपूर्ण विकल्प बनाने के लिए साधन के साथ इन व्यक्तियों प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जा सकता।

व्यक्तियों, जो अन्य तरीकों से संचार करने में असमर्थ हैं के लिए आगम संचार प्रणाली के उपयोग में तेजी से पिछले तीस वर्षों से पिछले तीस वर्षों में बढ़ रही है, के रूप में दोनों प्रौद्योगकी तथा अनुसंधान चुनौती तक पहुँच गई है। आगम तथा वैकल्पिक संचार किसी भी शिक्षण तकनीक, उपकरण अथवा प्रणाली का समर्थन तथा कई, संवेदी शारीरिक एवं संज्ञानात्मक impariments के साथ व्यक्तियों में संचार सहारा देने के लिए कार्य करता है कि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह ठोस तथा स्पर्श प्रतीक प्रणाली, विकल्प बोर्डों, वस्तु संकेतों और प्रतीकों, शारीरिक मॉडलिंग एवं उत्साह तथा कम्प्यूटर या microwitch प्रौद्योगिकी पर निर्भर तकनीक के किसी भी संख्या शामिल कर सकते हैं। Microwitches आमतौर पर गति के सबसे सीमित शारीरिक सीमा के साथ उन छात्रों के साथ किया जाता है, इन उपकरणों ऊर्जा की कम से कम खर्च के साथ प्रौद्योगिकी के हेरफेर की अनुमति देकर थकान के लिए नियंत्रित करते हैं। आगम तथा वैकल्पिक संचार उपकरणों और प्रणालियों के अन्तिम लक्ष्य को दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए, अनगिनत भावनात्मक तथा सामाजिक लाभ है कि किसी अन्य व्यक्ति के साथ पारस्परिकबातचीत से आ सकता है में साझा करने का अर्थ है के साथ छात्र प्रदान करना है। चाहे कम तकनीक या उच्च तकनीक, आगम संचार उपकरणों सभी शेयर चार प्रमुख विशेषताएं: प्रतीत, प्रदर्शित करता है, चयन तथा उत्पादन। चाहे कम तकनीक या उच्च तकनीक, आगम संचार उपकरणों सभी शेयर चार प्रमुख विशेषताएं: प्रतीक, प्रदर्शित करता है, चयन तथा उत्पादन। चाहे कम तकनीक अथवा उच्च तकनीक, आगम संचार उपकरणों सभी शेयर चार प्रमुख विशेषताएं: प्रतीक, प्रदर्शित करता है, चयन एवं उत्पादन।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) क्षय रोग क्या है ? विस्तारपूर्वक समझाइये ?

(2) तपेदिक के कारणों पर प्रकाश डालिए।

(3) क्षय रोग को रोकने के लिए क्या-क्या उपाय किये जा सकते हैं ?

(4) बहुविकलांगता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(5) निम्न पर टिप्पणी लिखिए—

NOTES

(i) क्षय रोग

(ii) शिक्षण रण्नीतियाँ

लघुउत्तरीय प्रश्न

(1) कुष्ठ रोग क्या है ?

(2) क्षय रोग का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(3) बहुविकलांगता से क्या अभिप्राय है ?

(4) क्षय रोग के कारण बताइये।

(5) निम्न तथ्यों को स्पष्ट कीजिए—

(i) बहुविकलांगता

(ii) शिक्षण रण्नीतियाँ

9 शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी घर और स्कूल में पर्यावरण

NOTES

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- प्राक्कथन
- शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी स्वीकृतिशिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ
- घर पर पर्यावरण
- निष्कर्ष
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न

उद्देश्य— इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेगें:—

- प्राक्कथन
- शिक्षक के लिए शिक्षण तकनीकी स्वीकृति शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ
- घर पर पर्यावरण
- निष्कर्ष

प्राक्कथन

एक बच्चे के लिए सेरेब्रल पाल्सी की सीमाएँ

मस्तिष्क पक्षाघात के साथ एक बच्चा सीमाओं के एक नंबर होगा। ये सीमाएँ बड़े मोटर कौशल, छोटे मोटर कौशल में अथवा अतिरिक्त आंदोलनों कि अनैच्छिक हैं में घाटे से संबंधित हो सकता है। यह एक बच्चे कि असामान्य लग रहा है कि किसी भी बदलने या यहाँ तक आराम से, जबकि करने के लिए को कर रहा है हो सकता है। के विभिन्न सीमाओं कि सीपी के साथ एक बच्चे के साथ सौदा करना चाहिए पर दृष्टि डालते हैं—

मोशन रेंज में सीमाओं दिमाग पक्षाघात के साथ बच्चे अक्सर काठिन्य की है। यदि यह पैरों में काठिन्य वे पैरों की कैंची उपस्थिति जब पैर बढ़ाया जाता है हो सकता है। यह ambulation सीमित हो जाता है है कि बच्चे व्हीलचेयर बाध्य होने के लिए अथवा एक बॉकर या अन्य सहायक उपकरण के उपयोग के साथ चल सकता है की आवश्यकता है शायद।

ऊपरी पैरों की गति की सीमा सीमित किया जा सकता। सामान्य तौर पर इस फ्रोजेन शोल्डर और flexed कोहनी की स्थिति में जमे हुए हथियार होने सम्मिलित कै। कलाई flexed स्थिति में जमे हुए किया जा सकता है और हाथ clenched हो सकता है। इन बच्चों को सामान्यता आदेश से तो एक साथ clenched किया जा रहा हाथ रखने के लिए इस तरह के रूप जमाने हाथ तौलिए लुढ़का दिया जाता है।

ललित मोटर नियंत्रण की सीमाएँ—मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों चम्मच, कांटे, पेंसिल और crayons की तरह हर रोज चीजों के साथ परेशानी हो सकती है। इसका मतलब यह हो सकता है कि अपने आप को द्वारा खाने सहायक उपकरणों कि पकड़े और लोभी के साथ सहायता कर सकते हैं बिना मुश्किल है। स्कूल पेंसिल और crayons का उपयोग करने में असमर्थता द्वारा सीमित किया जा सकता है। एक है कि मस्तिष्क पक्षाघात के साथ एक बच्चे में हिस्सा नहीं ले सकते, तो उनके ठीक मोटर नियंत्रण प्रभावित होता है— बच्चों के लिए रंग सामान्यतः एक सामाजिक गतिविधि है। कुछ बच्चों को अपने हाथ पैरों कि खिला और कैसे सहायक उपकरणों के बिना लगभग असंभव लिखने के लिए सीखने की तरह बातें कर के झटके की है।

भाषण की सीमाएँ—सीपी के साथ बच्चे भाषण अथवा चेहरे grimaces कि सुगम भाषण बात करने की क्षमता को प्रभावित slurred है सकते हैं। उन्होंने यह भी एक "आवाज कंपन" कि आवाज निरन्तर tremulous बनाता है हो सकता है। मुश्किल भाषण के साथ, बच्चे को हो रही है क्योंकि लोग उन्हें समझ में नहीं आता उनके अन्य आवश्यकताओं को पूरा में सीमाओं हो सकता है। इस कारण से, कुछ बच्चों भाषण सहायक उपकरणों की जरूरत है दूसरों के साथ संवाद करने में

सक्षम हो। भाषण चिकित्सा भी कुछ बच्चों को सही तरीके से और बुद्धिमानी से बात करने के लिए सीखने में सहायता कर सकते हैं। के रूप में बच्चे के भाषण और वयस्कता के लिए जारी रखने शुरू होगा इस प्रकार के भाषण चिकित्सा के रूप में जल्द शुरू कर सकते हैं। कुछ बच्चों को चिकित्सा के इस प्रकार के साथ बहुत अच्दी तरह से करते हैं जबकि दूसरों सुगम भाषण अपना पूरा जीवन के साथ परेशानी है।

आंत्र और मूत्राशय समारोह की सीमाएँ—जहाँ मस्तिष्क क्षति सीपी के मामलों में किया जाता है के आधार पर, बच्चों को उनके आंत्र और मूत्राशय समारोह में दोष है, आंत्र मूत्राशय की अनिवार्य रूप से असंयमी जा रहा है कर सकते हैं। मस्तिष्क से तंत्रिका समारोह पाचन तंत्र अथवा मूत्राशय और मूत्राशय में कैथेटर के लिए उचित सर्केत नहीं भेजता रखा जा करना पड़ सकता है या रोगी वयस्कता के द्वारा disapered करना पड़ सकता है।

अनुभूति की सीमाएँ—मस्तिष्क पक्षाघात के साथ अनेक बच्चों में रहते हैं जबकि अनिवार्य रूप से पंगु निकायों और बरकरार दिमाग, दूसरों के महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक क्षमताओं तथा सीखने की समस्याओं, गरीब नींद ने और बढ़ा दिया है। मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों में संज्ञानत्मक क्षमता की सीमा बहुत अच्छा है। कुछ स्कूल में हिस्सा लेने या अन्य बच्चों के साथ खेलने में हिस्सा लेने जबकि दूसरों को जानने के लिए और सार्थक तरीके से समाज में शामिल होने के लिए कुछ करने की क्षमता है करने के लिए कोई क्षमता है।

Truncal आसन की सीमाएँ—मस्तिष्क पक्षाघात के साथ कुछ बालकों को एक मुद्रा धारण करने के लिए यानी, उनके ट्रंक की स्थिति बनाए रखने के करने में असमर्थता है। इन बच्चों को नियमित रूप से व्हीलचेयर में अचदी तरह से नहीं करते है परंतु ढाला कुर्सियों कि उनके आसन को बनाए रखने का निवासी होना जरूरी कुछ बच्चे में गरीब आसन स्कोलियोसिस या रीढ़ कि ट्रंक और रीढ़ की हड्डी क्षेत्र के स्थायी विरूपण की ओर जाता है की वक्रता की ओर जाता है। अन्य बच्चें को अंतरिक्ष में उनकी गर्दन पकड़ समस्या है और आगे एक ईमानदार मुद्रा बनाए रखने के लिए ब्रेसिंग की आवश्यकता है।

सामाजिक और भावनात्मक विकास की सीमाएँ—मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चे अक्सर बहिष्कृत के रूप में इलाज कर रहे हैं, छेड़ा अन्य बच्चों के माहर से और दोस्तों और साथियों के बिना अकेला जीवन जीते हैं। इन बच्चों को उचित सामाजिक विकास नहीं सीखते हैं और के रूप में बच्चों भावनात्मक क्षमताओं की सीमा नहीं है। इस कारण बनता है और मस्तिष्क पक्षाघात की सुविधाओं इसलिए इन बच्चों अधिक उनके साथियों के माध्यम से स्वीकार कर रहे हैं करने के लिए के रूप में अन्य बच्चों की शिक्षा के द्वारा कभी कभी allayed जा सकता है। इन

NOTES

बच्चों भाई बहन हैं, वे के रूप में अधिक उनके साथियों द्वारा स्वीकार किए जाने की संभावना है एक बेहतर सामाजिक तथा भावनात्मक विकास हो जाते हैं।

Ambulation की सीमाएँ—मस्तिष्क पक्षाघात के साथ कुछ बच्चों को उचित दक्षता के साथ चलना है, वहीं अन्य सहायक उपकरणों अथवा बिल्कुल बिना चल नहीं सकता। गंभीर मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चे दिन के अधिक असमर्थ भर व्हीलचेयर क्योंकि पैर, घुटने और कूल्हों की अवकुचन की जीमन पर कदम के लिए किसी भी क्षमता है करने के लिए बाध्य कर रहे हैं। यह एक परेशानी है कि भौतिक चिकित्सा के साथ दूर किया जा सकता कि अगर यह चिकित्सा कम आयु में ही शुरू हो गया है हो रहा है।

सौभाग्य् से यह शारीरिक और व्यावसायिक चिकित्सा जहाँ बच्चे की सीमाओं के अनेक कामयाब रहे अथवा बच्चे के जीवन को आसान बनाने के दूर किया जा सकता का युग है। बड़े मोटर कौशल ऐसे वॉकर और कंस कि ambulation सुरक्षित और तेज बनाने के रूप में भौतिक चिकित्सा और सहायक उपकरणों, के द्वारा सुधार प्रकार के अलग प्रकार के अवकुंचन को कम करने और हाथ पैरों के उपयोग को अधिकतम करने के लिए बनाया जा सकता है। एक ही truncal आसन और छोटे मोटर कौशल के साथ सच है। व्यावसायिक और भौतिक चिकित्सा अभ्यास के उपयोग के माध्यम तथा सहायक उपकरणों के उपयोग के माध्यम समारोह को अधिकतम करने के तो बच्चे को स्वतंत्र रूप से खाने अथवा एक लेखन को लागू उपयोग कर सकते हैं उपयोग किया जा सकता।

व्यक्तिगत और पारिवारिक चिकित्सा जब बच्चे सेरेब्रल पाल्सी होने का एक परिणाम के रूप में भावनात्मक परेशानियों का सामना कर रहा है नियोजित किया जा सकता। पूरे परिवार, ताकि सभी लोग प्रभावित बच्चे का समर्थन कर सकते तथा परिवार की घटनाओं और समारोहों में पीड़ित बच्चे को सम्मिलित करने के तरीके सीख सकते हैं। शामिल करने की जरूरत हो सकती है। सामान्य मनोभाव के साथ बच्चे अवसाद का एक विशेष जोखिम पर उनकी हालत की वजह से होते हैं और वे भिन्न भिन्न मनोचिकित्सा से लाभ होगा।

उद्देश्य

- सेरेब्रल पाल्सी की वजह से बच्चों, युवाओं और शारीरिक और/अथवा मानसिक विकलांगता की स्थिति में वयस्कों मं सहायता करने के लिए एक सरल जीवन व्यतीत करने और आत्मनिर्भर उचित इलाज के सहायता किया जाना है।

- मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों के माता पिता के लिए भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के लिए और मकसद के लिए उन्हें एक लंबी अवधि के आध ार पर उचित मदद और सेवाओं उनके आश्रित बच्चों के लिए प्रदान करते हैं।

NOTES

• माता-पिता के साथ निकट संबंध बनाए रखने माध्यम उपलब्ध सामुदायिक संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से उन समस्त सीपी पीड़ित मामलों के पुनर्वास के लिए।

• प्रशिक्षण आयोजित करने के आदमी शक्ति उचित इलाज और पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिए जरूरी निर्माण करने के लिए।

• सेरेब्रल पाल्सी के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में इस संस्थाने का विकास करना।

• सीपी पर सीपी तथा पठन सामग्री की रोकथाम के लिए तरीके का प्रचार के माध्यम से जनता में जागरूकता का निर्माण करने के लिए।

अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसियों और संगठनों के अनुसंधान के निष्कर्षों से ज्ञान तथा कौशल का उपयोग करने के लाभ

शिक्षक के लिए 4.3 शिक्षक तकनीकों

स्वीकृति-शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ

कक्षाओं पारपरिक कक्षाओं में विशेष जरूरत वाले बच्चों को मुख्य धारा के साथ, छात्रों शैक्षिक तथा सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पहले से कहीं अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

शिक्षकों के लिए दस युक्तियाँ

शिक्षकों हमारे समाज में गुमनाम नायकों हैं। वे सुनिश्चित युवा लोगों को जानकारी वे उत्पादक वयस्कों बनने के लिए आवश्यकता के साथ सशस्त्र रहे हैं। वे उत्तरोत्तर ऊपर की ओर छात्रों को स्थानांतरित करने के लिए जारी रखें। परिदृश्यों का सबसे अच्छा, में शिक्षकों के बालको के लिए सब कुछ वे इतिहास, विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के बारे में पता करने की जरूरत सिखाना। उन्होंने यह भी बच्चों को खुद को भीतर गहरे खुदाई करने के लिए अच्छी तरह से गोल व्यक्तियों बनने के लिए और अन्य लोगों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

सामान्यत: शिक्षकों को समस्त लोगों के लिए सब बातों होना करने के लिए मजबूर किया गया है एक वैकल्पिक फैशन में एक बच्चे के सीखने के माहौल में भाग लेने के एक विकलांगता है कि भले ही वे अलग ढंग से संवाद, या पूरे काम को प्रोत्साहित करने के लिए: शिक्षकों कि उनकी कक्षाओं में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए है के मामले में वहाँ एक और काम है।

भागीदारी विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए स्वीकृति की ओर जाता है, क्योंकि यह सहायता करता है उन्हें पता चलता है कि वे कक्षा के वातावरण के साथ

काम कर सकते हैं। यह उन्हें दूसरों वे समझ वर्ग सबक करने में सक्षम हैं दिखाने के लिए अनुमति देता है, और वे रिश्तों को बनाने में सक्षम हैं। यह सहायता करता है बच्चे निर्भरता से दूर कदम उठाना और यह उनहें असाधारण सामाजिक रूप से समायोजित वयस्कों में विकसित सहायता करता है। यह भी में और कक्षा के बाहर नकारात्क सहकर्मी बातचीत कम करता है।

यहाँ 10 तरीके एक शिक्षक विशेष आवश्यकताओं के छात्रों की स्वीकृति प्रोत्साहित कर सकते हैं कर रहे हैं।

1. एक बच्चे की विकलांगता की प्रकृति को समझना।

शिक्षक की सहायता से एक बच्चे सकारात्मक आत्मसम्मान को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आत्मकविश्वास एक बच्चे की प्रमुख चिंताओं में सम्मिलित हैं, खासकर यदि वह या वह विशेष जरूरतों है। बनाने का एक भाग यकीन है कि एक बच्चे को एक स्वस्थ आत्म छवि विकसित करता है और सीखता में कक्षा को समझने के लिए एक के विकलांग सीखने के लिए उनकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है। एक बच्चे को एक भाषण पीढ़ी डिवाइस का उपयोग संचार करते हैं, वे कक्षा में एक समय पर फैशन में प्रतिक्रिया करने के लिए तत्प हो जाएगा? अगर वे एक व्हीलचेयर का उपयोग वे कैसे शारीरिक शिक्षा, अवकाश, कक्षा निष्पादन तथा प्रयोगशाला अभ्यास में भाग ले सकते? एक बार एक शिक्षक एक बच्चे की योग्यता व चुनौतियों को समझता है, वह या वह कैसे सबक योजनाओं के साथ आगे बढ़ना के बारे में एक बेहतर विचार होगा।

2. देखने के एक दयालु बिंदु से सिखाओ।

जब क शिक्षक कक्षा परियोजना है कि एक सीधा व्याख्यान अथवा परीक्षण की तुलना में अधिक जटिल है विचार कर रहा है, पर विचार कैसे विशेष जरूरतों के साथ एक बच्चे काम पूर्ण होगा। जीवन में यह एक समय हो गया है जब बच्चों में फिट करने के लिए पसंद करते हैं परियोजना को पूरा मतलब है विशेष आवश्यकताओं के साथ एक बच्चे एक तरीका है कि सहपाठियों से बहुत ज्यादा ध्यान आकर्षित करता है इसके बारे में जाना होगा, तो विकलांग बच्चे को पहले से ही बाहर खड़े बारे में चिंतित है। शायद यह पूर्ण कक्षा के लिए काम पर पुनर्विचार करने के लिए सबसे अच्छा है। कई मामलों में विशेष जरूरतों बच्चों बार अपने लाभ के लिए उतारा जरूरत नहीं है। लेकिन वे भी जरूरतों तो बहद तरीका अन्य छात्रों के काम है कि यह अवांछित ध्यान आकषित करती है को संतुष्ट से हो नहीं करना चाहिए।

3. सुनिश्चित करें कि छात्रों को संवेदनशीलता दिखा रहे हैं।

अध्ययन बताते हैं कि विशेष जरूरत वाले बच्चों को अन्य छात्रों की तुलना में सामान्यत: तंग कर रहे हैं और यह बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। आज

बदमाशी रोकथाम स्कूल की गतिविधियों के क्षेत्र में बर्दाशत नहीं किया जाना चाहिए। आज, बदमाशी रोकथान स्कूल की गतिविधियों के क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ, नए कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के बच्चों के मध्य दयालुता के आदर्श होते जा रहे हैं। लेकिन अक्सर, स्थितियों छात्रों के मध्य हो जाएगा। यदि इन पाए जाते हैं, छात्रों को एक तरफ पता लगाने के लिए कि समस्या क्या है ले लो। इसका कारण बताएँ बदमाशी गलत है, और क्यों एक छात्र के रूख बदलने के लिए की आवश्यकता है। और अगर एक चेतावनी काम नहीं करता है, यह सुनिश्चित करने के लिए एक कक्षा समस्त युवा लोगों के लिए एक सुरक्षित, शैक्षिक और मजेदार माहौल है एक छात्र के माता-पिता से बात करने के भय मत बनो।

4. व्याख्यान के दौरान एक विशेष जरूरतों छात्र पर बुलाया गया।

यह एक साधारण लग सकता है, किंतु ये विकलांग छात्र कक्षा में भाग लेना चाहते। अगर वे बातचीत करने के लिए विकल्प अथवा सहायतक उपकरणों का उपयोग करें, उन्हें इसका उपयोग करने के सवालों के जवाब देने की अनुमति है। छात्रों पर कॉल, जब वे एक सवाल का उत्तर देने के लिए आगे आए, या वे नहीं है, तब भी जब।

यह सबसे अच्छा एक छात्र की paraprofessional अथवा सहयोगी, या उसके माता पिता के साथ पूरा करने के लिए हो सकता है, तो एक शिक्षक कैसे एक बच्चे को कक्षा में भाग ले सकते हैं के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसे एक शिक्षक पर्याप्त रूप से एक छात्र की इनपुट के लिए योजना बना सकते हैं।

5. तरीके शारीरिक हिस्सा लेने के लिए इसी तरह के मार्गों का पता लगाएँ।

शारीरिक कठिनाइयों के साथ बच्चे अक्सर मुसीबत गतिविधियों में हिस्सा लेने की है। शिक्षक है कि कक्षाओं कि इस तरह के जिम या संगीत के रूप में भौतिक भागीदारी की आवश्यकता होती है हिदायत, विशेष जरूरतों हिस्सा लेने के साथ एक छात्र के लिए तरीकों की पहचान करनी चाहिए। यह स्वीकार्य एक जिम शिक्षक विकलांग एक टीम के मैनेजर के साथ एक छात्र बनाने के लिए नहीं है वे खेल खेलने के लिए चाहते हैं। छात्रों बेसबॉल खेल रहे हैं, तो ठिकानों के आसपास एक छात्र पहिया जाने अथवा अगर कोई अनुकूली उपकरण प्राप्त करने की संभावना है, एक शिक्षक इस पर गौर करना चाहिए।

6. बच्चों जानकारी वे एक सहपाठी की विकलांगता के बारे में की जरूरत सब दे।

कारण विशेष जरूरतों बच्चों के कटा हुआ अनुभव का हिस्सा अन्य बच्चों के लिए वहाँ रहस्य की एक हवा है कि विकलांगता चारों ओर से घेरे है कि है।

NOTES

शिक्षकों बच्चों कि एक विशेष जरूरतों छात्र की तुलना में भिन्न वे करते स्थानांतरित कर सकते हैं समझा जाना चाहिए। या वे अलग ढंग से की तुलना में वे करते हैं बात कर सकता हूँ। हालांकि वे हितों है कि अन्य बच्चों के समान हैं, और अनेक मामलों में, वे अपने साथियों के साथ आम में एक बुहत कुछ है। छात्रों के साथ एक संवाद शुरू करें। एक छात्र या ऐसा नहीं कर सकते कर सकते हैं के बारे में अपने सभी प्रश्नों के उत्तर दें। उन्हें पता है विशेष जरूरत वाले छात्रों सब कुछ वे उन्हें कहते हैं कि समझते हैं कि चलो, तो यह ठीक है अगर वे छात्र से बात करना चाहते। छात्रों को पता है कि अगर वे सज्जन कर रहे हैं, वे स्पर्श तथा छात्र के साथ खेल सकते हैं। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक अतिथि वक्ता लगता है और अधिक उपयोगी हो सकता है, स्कूल के लिए किसी को आमंत्रित करते हैं। माहौल है जहाँ हर कोई आराम से बनाया जा रहा है समस्त छात्रों के लिए उपयोगी है।

7. विविधता और सामाजिक स्वीकृति के महत्व पर चर्चा।

जब तक बच्चे स्कूल जाते हैं, वे अक्सर एक निर्वात में रहते हैं। घर पर लोगों को सबसे अधिक बार समान स्वयं को कर रहे हैं, और नए लोगों से है कि अलग हैं अजीब लग सकता है। एक शिक्षक की मदद कर सकते छात्रों वहाँ दुनिया में लोगों के समक्ष विभिन्न प्रकार हैं कि देखते हैं, और हर किसी को कुछ योगदान करने के लिए है। छात्रों लोग हैं कि विकलांग है कि कुछ दुनिया के लिए अद्‌वितीय योगदान दिया है के उदाहरणे दे। इस तरह, वे पृथक किया जा रहा है दखेंगे मूल्यावान है।

8. के अर्थ को ध्वस्त ''सामान्य''।

प्रत्येक व्यक्ति को क्या सामान्य है की अपनी परिभाषा ह। विकलांग लोगों को वे दिन में पूर्ण कायोद्ध की निश्चित संख्या है, और कुछ मायनों में वे लक्ष्यों को पूर्ण किया है। शिक्षक की व्याख्या कर सकते हैं कि इस विशेष आवश्यकता वाले छात्र के रूप में सामान्य है के रूप में एक और छात्र की दैनिक दिनचर्या अपने अथवा खुद के लिए है।

9. एक बच्चे से पूछें-किसी भी बच्चे-अगर आप उन्हें सहायता कर सकते हैं।

एक बच्चे को एक कठिन समय तक पहुँचने अथवा भाग लेने वाले होने जा रहा है, तो उन्हें सीधे पूछते है कि एक शिक्षक कर सकते हैं। कि विशेष जरूरतों और अपने सहपाठियों के साथ एक छात्र के मध्य बर्फ तोड़ने का मतलब है, तो क्यों कुछ समूह कार्य शेड्यूल नहीं तो छात्र एक दूसरे को बेहतर जानते हैं कर सकते हैं?

10. पता लकीर के फकीर।

नकारात्मक धारणाओं को तोड़ने के लिए irritatingly मुश्किल हो सकता है परन्तु बच्चों, वयस्कों की तुलना में अधिक है, क्षमता पाठ्यक्रम को बदलने और एक और अधिक सकारात्मक सड़क ले जाना हैं। सभी बच्चों को-न सिर्फ विकलांगों-जरूरत को पता है कि वे अदवितीय हैं। समस्त युवा लोगों को उन से पहलुओं है कि दूसरों को विचार नहीं कर सकते हैं: लोगों ढालना है कि लकीर के फकीर भी अक्सर बनाए रखने में फिट नहीं बैठते। शिक्षक सहायता करने के लिए बच्चों को पिछले लकीर के फकीर ले जाते हैं, और हर मोड़ पर यह बच्चों को खुद को प्यार करने के लिए जानने में सहायता करता है और दूसरों के वे समझते हैं कि हर किसी को पृथक है की क्षमता है कि भूमिका मॉडल हैं।

NOTES

ध्यान भंग क्या एस वास्तव में महत्त्वपूर्ण-भावनात्मक तथा नैतिक समर्थन के अपने बच्चे को बहुत दे रही हैं।

• अपने खुद के विशेषज्ञ बनें। अपने स्वयं के अनुसंधान करने व विकलांगता कार्यक्रम, चिकित्सा, और शैक्षिक तकनीक सीखने में नवीन घटनाक्रम से अवगत रह सकते। आप दूसरों को देखने के लिए परीक्षा जा सकता है—शिक्षकों, चिकित्सक, डॉक्टरों, विशेष रूप से पहली बार में, समाधान के लिए। लेकिन आप अपने बच्चे पर अग्रणी विशेषज्ञ कर रहे हैं। तो प्रभाव लेने जब यह उपकरण वह या वह आदेश जानने के लिए की आवश्यकता है पाने के लिए आता है।

• अपने बच्चे के लिए एक वकील हो। आप अपने बच्चे के लिए विशेष आवश्यकता पाने के लिए फिर से समय और समय को बात करने के लिए हो सकता। एक सक्रिय माता पिता और अपने संचार कौशल पर काम के रूप में अपनी भूमिका को गले। यह समय पर निराशा हो सकती है, लेकिन शांत तथा उचित है, फिर भी फर्म शेष द्वारा, आप अपने बच्चे के लिए एक बड़ा अंतर कर सकते हैं।

• अन्य समस्त outweighs अपने प्रभाव है कि याद रखें। आपके बच्चे को अपने नेतृत्व का पालन करेंगे। आप आशावाद कड़ी मेहनत, और हास्य की भावना के साथ चुनौतियों सीखने दृष्टिकोण, तो आपके बच्चे अपने दृष्टिकोण को गले लगाने के लिए की संभावना है अथवा कम से कम एक बति टक्कर, बजाय एक अवरोध के रूप में चुनौतियों को देखते हैं। क्या अपने बच्चे के लिए कार्य करता है सीखने और यह सबसे अच्छा तुम कर सकते हो लागू करने पर अपनी सामर्थ्य ध्यान दें।

ताकत ही नहीं, कमजोरियाँ पर ध्यान दें

आपका बच्चा अपनी अधिगम विकलांगता से परिभाषित नहीं है। एक अधिगम विकलांगता कमजोरी के एक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वहाँ

NOTES

ताकत के अनेक और अधिक क्षेत्र हैं। अपने बच्चे के उपहार तथा प्रतिभा पर ध्यान दें। आपके बच्चे के जीवन और समय नहीं करना चाहिए सीखने विकलांगता के चारों ओर घूमता। गतिविधियों जहाँ वह या वह समझने की शक्ति से पोषण, और उनके लिए बहुत समय बनाते हैं।

विकलांग टिप 1 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना आपके बच्चे की शिक्षा के प्रभारी ले लो

अंतहीन बजट में कटौती और अपर्याप्त वित्त पोषित विद्यालयों के इस युग में आपके बच्चे की शिक्षा में अपनी भूमिका को पहले1 से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है आराम से बैठे और किसी तथा उपकरण वे सीखने की आवश्यकता के साथ अपने बच्चे को प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हो सकता है मत आप और आपके बच्चे की शिक्षा में एक सक्रिय भूमिका ले जाना चाहिए सकता है। अगर वहाँ शैक्षणिक आवश्यकता का प्रदर्शन किया है स्कूल कानून द्वारा जरूरी है एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) है कि उद्धार विकसित करने के लिए कुछ एक ह कि छात्र उपलब्धि अधिकतम शैक्षिक लाभ, लेकिन आवश्यक नहीं कि। माता पिता जो अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छा चाहते हैं तो इस मानक निराशा मिल सकता है। विशेष शिक्षा के कानूनों और सेवाओं के लिए अपने स्कूल के दिशा-निर्देशों को समझना तुम विधाल में अपने बच्चे के लिए सबसे अच्छा समर्थन प्राप्त करने में मदद करेगा। आपके बच्चे के आवास और मद सेवाओं के कई प्रकार के लिए पात्र हो सकता है, किन्तु स्कूल सेवाएँ प्रदान नहीं हो सकता है जब तक आप उन्हें के लिए पूछना।

अपने बच्चे के विद्यालय के साथ संवाद स्थापित करने की युक्तिया:

अपने बच्चे के लिए एक मुखर वकील होने के नाते चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप एक उचित शिक्षा के लिए अपने बच्चे के अधिकार की रक्षा के लिए बेहतर संचार और बातचीत कौशल तथा विश्वास की जरूरत होगी।

- अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें। बैठकों से पहले लिख आप क्या हासिल करना चाहते हैं। तय करें कि सबसे महत्त्वपूर्ण हैं, और आप क्या बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

- एक अच्छे श्रोता बनो। विद्यालय के अधिकारियों को अपनी राय समझाने दें। आप डॉन हैं टी समझते हैं कि किसी व्यक्ति को कह रहा है स्पष्टीकरण के लिए पूछना।'' क्या मैंने सुना है आप कह है.......यह सुनिश्चित करें कि दोनों को समझने में सहायता कर सकते हैं।

- नवीन समाधान प्रदान करते हैं। आप एक नहीं होने का लाभ है'', ... प्रणाली का हिस्सा'' और नए विचारों को हो सकता हैं। अपना शोध करें और क्या अन्य विद्यालयों किया है के उदाहरण हैं।

NOTES

• फोकस रखें। स्कूल प्रणाली बच्चों की एक बड़ी संख्या के साथ कार्य कर रहा है;आप केवल अपने बच्चे के साथ संबंध है। अपने बच्चे पर ध्यान केन्द्रित बैठक की सहायता करें। अपने बच्चे का उल्लेख नाम अक्सर, डॉन सामान्यीकरण में टी बाहाव तथा बड़ युद्ध की इच्छा को रोकना।

• शांत रहो, एकत्र और सकारात्मक। यह सोचते हैं कि हर किसी की सहायता करना चाहता है बैठक में जाओं। यदि आप आपके द्वारा अफसोस कहना है, तो बस माफी माँगता हूँ और ट्रैक पर वापस पाने के लिए कोशिश करें।

• डॉन 'टी आसानी से हार। यदि आप 'स्कूल से संतुष्ट नहीं फिर रो प्रतिक्रिया, फिर प्रयास करें।

स्कूल प्रणाली की सीमाओं को पहचानों

• माता पिता को कभी कभी अपने बालक के अधिकगम विकलांगता के लिए प्राथमिक समाधान के रूप में विद्यालय में अपने समय और ऊर्जा के सभी निवेश की गतली। यह पहचान करने के लिए है कि अपने बच्चे के लिए विद्यालय स्थिति शायद कभी नहीं सही नहीं होंगे बेहतर है। बहुत सारे नियमों और सीमित फंडिंग कि सेवाओं मतलब है व रहने की जगह अपने बच्चे को प्राप्त करता है नहीं हो सकता है वास्तव ममें आप उनके लिए क्या कल्पना है तथा यह शायद आप कुंठा क्रोध और तनाव का कारण होगा।

पहचान करने के लिए है कि स्कूले अपने बच्चे के लिए समाधान का सिर्फ एक भाग हो सकता है और तनाव से कुछ पीछे छोड़ देंगे की प्रयास करो। (समर्थन, प्रोत्साहन और आशावाद की) आपका रवैया अपने बच्चे पर सबसे स्थायी प्रभाव प्रड़ेगा।

विकलांग टिप 2 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: पहचानें कैसे अपने बच्चे को सबसे अच्छा सीखता है

हर कोई–अधिगम विकलांगता या अपने खुद के अद्वितीय सीखने की शैली नहीं–नहीं है। कुछ लोगों को ऐसा करने से दूसरों को देखने सुनने से पढ़ने, दूसरों को, और अभी भी द्वारा सबसे अच्छा सीखते हैं। आप उसके प्राथमिक सीखने की शैली की पहचान करके एक अधिगम विकलांगता के साथ एक बच्चे कर सकते हैं।

अपने बच्चे को एक दृश्य शिक्षार्थी, एक श्रवण शिक्षार्थी अथवा एक kinesthetic शिक्षार्थी है? एक बार जब आप समझ गए होंगे कि कैसे वह या वह सबसे अच्छा सीखता है, तो आप यह सुनिश्चित करें कि सीखने के प्रकार कक्षा में और घर अध्ययन के प्रबलित है बनाने के लिए कदमे उठा सकते हैं। निम्न सूची में सहायता मिलेगी आप यह निर्धारित शिक्षार्थी की मिस प्रकार आपका बच्चा है।

NOTES

अपने बालक का एक दृश्य शिक्षार्थी है?

● यदि आपका बच्चा एक दृश्य शिक्षार्थी है, वह अथवा वह:

● देखने अथवा पढ़ने से सबसे अच्छा सीखता

● जब सामग्री प्रस्तुत किया और नेत्रहीन, मौखिक रूप से नहीं परीक्षण किया जाता है। अच्छी तरह से करता है

● लिखित नोट्स निर्देश चित्रे चार्ट नक्शे तथा चित्रों से लाभ

● आकर्षित पढ़ा है, और लिखने के लिए प्यारे कर सकते हैं; शायद एक अच्छा स्पेलर है।

अपने बालक को एक श्रवण शिक्षार्थी है?

यदि आपका बालक एक श्रवण शिक्षार्थी है, वह या वह:

● सुनकर सबसे अच्छा सीखता

● व्याख्यान आधारित वातावरण में तथा मौखिक रिपोर्ट और परीक्षण पर अच्छी प्रकार से करता है

● कक्षा चर्चा, बोले एक दिशा निर्देश, अध्ययन समूहों से लाभ

● संगीत, भाषा, और मंच पर किया जा रहा है प्यार कर सकते हैं

अपने बच्चे को एक Kinesthetic शिक्षार्थी है?

यदि आपका बच्चा एक kinesthetic शिक्षार्थी है, वहे या वह:

● कर रहे हैं व ले जाकर सबसे अच्छा सीखता

● जब वह, स्थानांतरिक कर सकते हैं स्पर्श करते हैं, का पता लगाने, तथा बनाने के क्रम में जानने के लिए अच्छी तरह से करता है।

● से गतिविधियों, प्रयोगशाला कक्षाएं, सहारा, नाटाकों, और क्षेत्र यात्राएं हाथ लाभ

● खेल, नाटक, नृत्य मार्शल आर्ट, व कला और शिल्प प्यार मई।

शिक्षार्थियों के विभिन्न प्रकार के लिए पढ़ टिप्स

दृश्य शिक्षार्थियों के लिए सुझाव:

● किताबें, वीडियों कप्यूटर, दृश्य एड्स तथा फ्लैशकार्ड का प्रयोग करें।

● विस्तृत, कलरकोडेड अथवा प्रकाश डाला बनाओ नोटों।

● रूपरेखा, चित्र, और सूची बनाएँ।

• उपयोग चित्र और चित्रों (अधिकमानतः रंग में)।

• कक्षा में विस्तृत नोट ले लो।

विकलांग टिप 3 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: लगता है कि जीवन की सफलता, बल्कि विद्यालय की सफलता से

सफलता अलग अलग लोगों को भिन्न-भिन्न बातें मतलब है, लेकिन अपनी आशाओं और अपने बच्चे के लिए सपने शायद अच्छी रिपोर्ट कार्ड से बाहर भी। शायद तुम उम्मीद है कि आपके बच्चे के भविष्य के लिए एक पूरा काम और संतोषजनक रिश्ते, उदाहरण के लिए अथवा एक खुश परिवार और संतोष की भावना भी शामिल है।

मुद्दा यह है कि में सफलता है जीवन केवल स्कूल से rather सफलता-निर्भर करता है, शिक्षाविदों पर नहीं है बल्कि स्वयं की एक स्वस्थ भावना जैसी चीजों पर, इच्छा के लिए पूछने के लिए और मदद को स्वीकार करने, चुनौतियों, के बावजूद की प्रयास करते रहें दृढ़ संकल्प दूसरों के साथ स्वस्थ संबंधों और अन्य गुण है कि ग्रेड तथा SAT स्कोर के रूप में अंदाजा लगाना उतना मुमकीन नहीं है बनाने की क्षमता।

उक 20 साल के अध्ययन है कि वयस्कता में विकलांग सीखने के साथ बालकों का पालन पहचान के पश्चात् छह "जीवन सफलता" जिम्मेदार बताते हैं। इन व्यापक कौशल पर ध्यान केंद्रित करके, आप अपने बालक के जीवन में एक बहुत पैर छोड़ देना कर सकते हैं।

सीखना विकलांग और # 1 सफलता: आत्म जागरूकता तथा आत्मविश्वास

सीखने विकलांग आत्म जागरूकता और आत्मविश्वास (शक्तियों, कमजोरियाँ और विशेष प्रतिभा के बारे में ज्ञान) के साथ बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कक्षा में संघर्ष बालकों को उनकी क्षमता पर संदेह और अपनी शक्ति पर सवाल खड़ा हो सकता है।

• अपने बच्चे से पूछों अपने अथवा अपने शक्तियों और कमजोरियों की सूची और अपने स्वयं के शक्तियों और अपने बच्चे के साथ कमजोरियों के बारे में बात करने के लिए।

• सीखने विकलांग के साथ वयस्कों के लिए बात करने के लिए अपने बालक को प्रोत्साहित करें और उनकी चुनौतियों, और साथ ही अपनी शक्ति के बारें में पूछने के लिए।

• गतिविधियों है कि उसके अथवा उसकी क्षमताओं के भीतर हैं पर अपने बच्चे के साथ कार्य करें। इस सफलता और योग्यता की भावनाओं को बनाने में सहायता मिलेगी।

NOTES

● अपने बच्चे को अपने अथवा अपने शक्तियों और जुन्न का विकास सहायता करें। एक क्षेत्र में भावुक और कुशल लग रहा है भी और क्षेत्रों में कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

सीखना विकलांग और सफलता # 2 : सक्रिय होने के नाते

एक सक्रिय व्यक्ति निर्णय लेने और समस्याओं को हल करने अथवा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई करने से सक्षम है। सीखने विकलांग लोगों के लिए, सक्रिय किया जा रहा है भी खुद वकालत (उदाहरण के लिए, कक्षा के सम्मुख में एक सीट के लिए पूछ) सम्मिलित है और विकल्पों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए इच्छा।

● समस्या को हल करने के बारे में अपने सीखने विकलांग बच्चे से बात करें और साझा करें अपने जीवन में समस्याओं के दृष्टिकोण।

● अपने बच्चे से पूछा तो वह कैसे समस्याओं दृष्टिकोण। कैसे समस्याओं उसे कर सकता हूँ अथवा उसकी लग रहा है ? वह या वह क्या कार्रवाई करने के लिए कैसे तय करता है ?

● यदि आपका बच्चा विकल्प बनाने और कार्रवाई करने में संकोच है, कुछ प्रदान करने की प्रयास सुरक्षित" क्या रात के खाने के लिए बनाने के लिए चुनने अथवा कोई शेड्यूलिंग विरोध के लिए एक समाधान के बारे में सोच की तरह, पानी का परीक्षण करने स्थितियों।

● विभिन्न समस्याओं, संभव निर्णय, और अपने बच्चे के साथ परिणामों पर चर्चा करें। अपने बच्चे को स्थिति का भाग हो सकता है और अपने खुद के निर्णय लेने का नाटक है।

विकलांग सीखने और सफलात # 3 : दृढ़ता

दृढ़ता चुनौतियों और विफलताओं, और लचीलापन के किया जा रहा है, तो चीजें काम नहीं कर रहे योजनाओं को बदलने के लिए रखने केलिए ड्राइव है। बच्चे (या वयस्क) सीखने विकलांग के साथ उनके विकलांगता के कारण कठिन तथा लंबे समय तक काम करने के लिए जरुरत हो सकती है।

● अपने बच्चे को अपने अथवा अपने शक्तियों और जुन्न का विकास सहायता करें। एक क्षेत्र में भावुक और कुशल लग रहा है भी और क्षेत्रों में कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित कर सकते हैं।अपनी समय के बारे में विकलांग बच्चे सीखने के साथ बात करें जब वह बच गया -क्यों वह या वह आगे बढ़ते रहने के किया ? जब आप चुनौतियों से लड़ना चाहिए और नहीं किया हैं कि बारे में शेयर कहानियों को त्याग दिया।

- अपने बच्चे को बहुत मेहनत की है, बल्कि अपने या अपने लक्ष्य को प्राप्त करने आगे बढ़ने के लिए विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा सफल नहीं रही है।

सीखना विकलांग तथा सफलता # 4 : लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता

NOTES

यथार्थवादी और प्राप्य लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता जीवन की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। यह भी लचीलापन अनुकूल और बदलती परिस्थितियों, सीमाओं, अथवा चुनौतियों के अनुसार लक्ष्यों को समायोजित करने के सम्मिलित है।

- अपने बच्चे को कुछ कम या दीर्घकालिक लक्ष्यों की पहचान करने और उठाए जाने वाले कदम और एक समय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लिखने में सहायत करें। समय-समय पर चेक इन प्रगति के बारे में बात करते हैं और उसमें जरुरत के अनुसार फेरबदल कर सकते हैं।

- आप क्या करते हैं जब आप मुश्किलों का सामना के रुप में अपने बच्चे के साथ अपनी खुद की छोटी और लंबी अविधि के लक्ष्यों के बारे में बात करें, साथ ही।

- अपने बच्चे के साथ मनाते हैं जब वह एक लक्ष्य प्राप्त होता है। कुछ लक्ष्यों भी प्राप्त करने के लिए कठिन साबित हो रहे है, तो क्यों और कैसे की योजना अथवा लक्ष्य उन्हें संभव बनाने के लिए समायोजत किया जा सकता है के बारे में बात करते हैं।

सीखना विकलांग और सफलता # 5 : यह जानते हुए सहायता के लिए पूछना करने के लिए कैसे

मजबूत समर्थन प्रणाली सीखने विकलांग लोंगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सफल लोग जब वे इसकी आवश्यकता मदद के लिए पूछना और समर्थन के लिए दूसरों तक पहुंचने के लिए सक्षम हैं।

- अपने बच्चे को पोषण मदद और अच्छे संबंधों को विकासित। मॉडल क्या यह इतना अपने बच्चे को जानता है क्या यह सहायता और दूसरों का समर्थन करने का मतलब है एक अच्छा दोस्त और रिश्तेदार होने का क्या मतलब।

- अपने बच्चे को प्रदर्शित परिवार स्थितियों में सहायता के लिए पूछना करने के लिए कैसे।

- मदद की जरूरत है, वे इसे कैसे मिल गया, और क्यों यह अच्छा था मदद के लिए पूछना लोगों के शेयर उदाहरण। रोल प्ले परिस्थितियों में आपको मदद की जरुरत हो सकती के साथ अपने बालक को प्रस्तुत करते हैं।

NOTES

सीखना विकलांग और सफलता # 6 : तनाव को संभालने की क्षमता

सीखने विकलांग बच्चों सीखें कि कैसे करने के लिए, तो **तनाव को विनियमित और को शांत करने में,** वे ज्यादा बेहतर चुनौतियों को पार करने के लिए सुसज्जित किया जाएगा।

- शब्दों का प्रयोग करें भावनाओं की पहचान करने और अपने बच्चे को विशेष भावनाओं की पहचान करना सीखने में सहायता करेगा।

अपने बच्चे को क्या शब्द वे तनाव का वर्णन करने के प्रयोग करेंगे पूछो। अपने बालक को पहचान करता है जब वह या बर जोर दिया अनुभव कर रही है ?

- अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें की पहचान करने और गतिविधियों है कि सहायता के खेल, खेल, संगीत की तरह तनाव को कम अथवा एक पत्रिका में लिखित रुप में हिस्स लेने के लिए।

- अपने बच्चे से पूछो गतिविधियों और स्थितियों उन्हें जोर देकर कहा है कि लग रहा है वर्णन करने के लिए। परिदृश्यों पर विभाजित करें और कैसे तनाव और निराशा की भारी भावनाओं से बचा जा सकता है के बारे में बात करते हैं।

अपने बच्चे में तानव को स्वीकार करते हुए

यह अलग–अलग तरीकों से तनाव प्रकट कर सकते हैं के बारे में पता होना जरुरी है। आपके बच्चे को बहुत अलग तरीके से व्यवहार आप जब वह तनाव में है कर सकते हैं। तनाव के कुछ लक्षण अधिक स्पष्ट कर रहे हैं: आंदोलन, मुसीबर सो, और चिंता है कि बंद नहीं होंगे। बल्कि कुछ लोगों को बच्चों नीचे बाहर शामिल–बंद, अंतरिक्ष, और जब जोर देकर कहा वापस लेने। यह इन इशारों को नजरअंदाज, इसलिए किसी भी व्यवहार साधारण के बाहर है कि बचाव का ध्यान रखें आसान है।

विकलांग टिप 4 सीखने के साथ बालकों की मदद करना: पर बल देना चाहिए स्वस्था जीवन शैली की आदतों

यह सामान्य ज्ञान है कि शिक्ष शरीर सम्मिलित है और साथ ही मस्तिष्क, लेकिन अपने बच्चे के खाने, सोने की तरह लग सकता है, और व्यायाम की आदतों और भी अधिक महत्वपूर्ण से आपको लगता है हो सकता है। सीखने विकलांग बच्चों सही भोजन और पर्याप्त नींद और व्यायाम मिल रहे हैं, वे बेहतर, ध्यान केंद्रित ध्यान केंद्रित है, और कड़ी मेहनत करने में तत्पर हो जाएगा।

- व्यायाम—व्यायाम शरीर के लिए केवल अच्छा नहीं है, यह' मन के लिए रों अच्छा। नियमित शारीरिक गतिविधि मूड, ऊर्जा, और मानसिक स्पष्टता में बड़ा अंतर पड़ता है। बाहर मिलता हैं, ले जाते हैं, और खेलने के लिए अपने सीखने विकलांग बच्चे को प्रात्साहित करें। बल्कि अपने बच्चे को थका और

विद्यालय से दूर ले जा रही है कि तुलना में, नियमित रूप से व्यायाम वास्तव में उसे मनाने चेतवानी और दिन भर में चौकस सहायता मिलेगी। व्यायाम भी तनाव और हताशा के लिए एक महान मारक है।

NOTES

- आहार--एक स्वस्थ, पोषक तत्व अमीर आहार अपने बच्चे को मदद करेगा' रों वृद्धि और विकास। एक आहार साबुत अनाज, फल, सब्जियां, और दुबला प्रोटीन से भरा में सहायता मिलेगी मानसिक फोकस को बढ़ावा देने के। सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे को एक अच्छा नाश्ते के साथ दिन शुरू होता हैं हो सकता है और नहीं करता है' टी भोजन अथवा नाश्ते बीच अधिक से अधिक 4 घंटे चले जाते हैं। यह मदद मिलेगी अपने अथवा अपने ऊर्जा का स्तर स्थिर रखने के।

- नींद--विकलांगता या नहीं सीखना, अपने बच्चे को मुसीबत यदि वह अच्छी तरह से आराम किया नहीं हैं सीखने के लिए जा रहा है। बच्चे अधिक की आवश्यकता नींद वयस्कों की तुलना में है। औसत पर, preschoolers प्रति रात 11-13 घंटे से, मिडिल स्कूल के बालकों के बारे में 10-11 घंटे की जरूरत की जरूरत है, और किशोर और preteens 8 से जरूरत साढ़े -10 घंटे। आप सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे को नींद वह या वह सेट सोने से लागू करके की आवश्यक हो रही है बनाने में मदद कर सकते हैं। प्रकाश के प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक एक या दो घंटे का पावर बंद रोशनी से पहले से कर सकते हैं।

प्रोत्साहित स्वस्थ भावनात्मक आदतों

स्वस्थ शारीरिक आदतों के अतिरिक्त आप भी स्वस्थ भावनात्मक आदतों के लिए बच्चों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप की तरह, वे उनके सीखने विकलांगता द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों से निराश हो सकता है। उनका गुस्सा, कुंठा, अथवा निराशा की भावनाओं को व्यक्त करने के लिए उन्हें दुकानों देने की कोशिश करें। सुनो, जब वे बात करते हैं और एक ऐसा माहौल अभिव्यक्ति के लिए खुला बनाना चाहते हैं। ऐसा करने से उन्हें अपनी भावनाओं के साथ कनेक्ट और अंततः, कैसे को शांत करने और अपनी भावनाओं को विनियमित करने के लिए सीखने मे सहायता करेगा।

विकलांग टिप 5 सीखने के साथ बच्चों की सहायता करना: अपने आप का ध्यान रखना भी

कभी कभी माता पिता का सबसे मुश्किल हिस्सा आप की देखभाल करने के याद कर रहा है। यह है कि आपके बच्चे की आवश्यकता में पकड़े करने के लिए अपनी जरूरतों को भूलने जबकि आसान है। लेकिन अगर आप अपने आप को देशभाल नही है, आप जल के जोखिम को चलाते हैं।

यह आपके शरीरिक और भावनात्मक जरूरतों को पूर्ण करने, ताकि आप अपने बच्चे के लिए एक स्वस्थ अंतरिक्ष में हैं महत्वपूर्ण है। असव अपने बच्चे को

मदद करने में सक्षम अगर आप परेशान कर रहे हैं नष्ट हो, और भावनात्मक रूप से समाप्त नहीं किया जाएगा। जब आप शांत कर रहे हैं और ध्यान केंद्रित, दूसरे हाथ पर, तो बेहतर अपने बच्चे के साथ जुड़ने और उसकी मदद करने में सक्षम हो अथवा उसके शांत हो सकता है और भी जोर दिया।

आप एक तरह से उन्हें शामिल और मदद के लिए पूछना जब आपकों उसकी जरूरत जानने के लिए मिल सकता है अपने पति अथवा पत्नी, दोस्तों, और परिवार के सदस्यों को उपयोगी टीम के साथी हो सकता है।

खुद की देखभाल के लिए टिप्स

- जानें कि कैसे तनाव का प्रबंधन अपने जीवन में। स्वंय को आराम और संपीड़ित के लिए दैनिक समय बनाओ।
- संचार अपने पति या पत्नी, परिवार, और दोस्तों के साथ खुला की तर्ज रखें। जब आपकों जरूरत हो सहायता के लिए कहें।
- अच्छी तरह से खाने, व्यायाम, और पर्याप्त आराम हो रही द्वारा अपना ख्याल रखना।
- एक सीखने विकार सहायता समूह में सम्मिलित हों। प्रोत्साहन और सलाह आप' अन्य माता-पिता से प्राप्त करेंगे अमूल्य हो सकता है।
- जब भी संभव हो दिन के लिए दिन के शैक्षणिक जिम्मेदारियों के लिए जिम्मेदारी के कुछ साझा करने के लिए शिक्षकों, चिकित्सक, तथ्ज्ञा ट्यूटर्स भर्ती।

परिवार और दोस्तों के अपने बच्चे की अधिगम विकलांगता के बारे में के साथ वार्तालाप

कुछ माता पिता अपने बच्चे की सीखने की विकलांगता एक गुप्त, जो, यहां तक कि सबसे अच्छा इरादों के साथ, शर्म की बात है या अपराध की तरह लग सकता है रखने के लिए। जानने के बिना, विस्तारित परिवार और दोस्तों के विकलांगता समझते हैं अथवा लगता है कि अपने बच्चे के व्यवहार आलस्य अथवा सक्रियता से उत्पन्न कर रहा है नहीं हो सकता है। एक बार जब वे क्या हो रहा है के बारे में पता कर रहे हैं, वे अपने बच्चे की प्रगति का समर्थन कर सकते हैं।

परिवार के भीतर, भाई बहन महसूस कर सकते हैं कि उनके भाई अथवा बहन एक सीखने विकलांगता के साथ औ अधिक ध्यान, कम अनुशासन और अधिमान्य उपचार हो रही है। यहां तक कि अगर अपने अन्य बालकों समझते हैं कि अधिगमन विकलांगता विशेष चुनौतियों बनाता है, वे आसानी से जलन हो रही है या उपेक्षित महसूस कर सकते हैं। माता-पिता को अपने बच्चों है कि वे प्यार करता था कर रहे हैं के सभी आश्वस्त गृहकार्य में मदद प्रदान करके इन भावनाओं

पर अंकुश लगाने के लिए, और एक सीखने विकलांग बच्चे के लिए कोई विशेष दिनचर्या में परिवार के सदस्यों को सम्मिलित करके कर सकते हैं।

NOTES

घर पर 4.4 पर्यावरण

विकलांग छात्रों के स्कूल के अनुभवों सकारात्मक या नकारात्मक नजरिए तथा छात्र और कर्मचारी के व्यवहार से और सामान्य स्कूल नीतियों से प्रभावित किया जा सकता है। स्कूल सलाहकारों विकलांग छात्रों के संबंध में स्कूल जलवायु का आकलन करने और और हस्तक्षेप की शुरुआत अथवा बदलाव के लिए वकालत जब उचित में बढ़त बनाने के कर सकते हैं। यह लेख कारकों हस्तक्षेप के कोशिशें के लिए विकलांग और सुझावों के साथ छात्रों के लिए सकारात्मक स्कूल अनुभव बनाने के विचार करने के लिए के एक सिंहावलोकन प्रदान करता है।

विकलांग व्यक्तियों अक्सर कंलकित कर रहे हैं, दोनों के कार्य में और दैनिक जीवन में व्यवहार और शरीरिक बाधाओं का समाना। हालांकि संघीय कानून (जैसे, 1990 की अमेरिकी विकलांगता अधिनियम) विकलांग व्यक्तियों के निहित अधिकारों की रक्षा करता है कि कानून हमेशा भेदभाव और पूर्वाग्रह की सूक्ष्म रुपों से बचाने नहीं कर सकते। विकलांग के साथ स्कूल आयु के छात्रों को अक्सार अपने एक विकलांगता होने से संबंधित नकारात्मक स्कूल अनुभवों, और स्कूल सलाहकारों, प्रशासकों, और शिक्षकों को और अधिक सकारात्मक स्कूल अनुभव है कि उनके शैक्षिक, कैरियर, तथा व्यक्तिगत/सामाजिक विकास को बढ़ावा देने बनाने के लिए कर सकते हैं। नजरिए और स्कूल स्टाफ के व्यवहार और छात्रों के साथ-साथ प्रणालीगत कराकों स्कूल से संबंधित जांच करके, अन्य स्कूल कर्मियों के सहयोग से विद्यालय सलाहकारों हस्तक्षेप के लिए क्षेत्रों को निध ारित और तदनुसार उत्तर कर सकते हैं।

विकलांग छात्रों के प्रति रुख

पिछले 20 वर्षों के लिए, शोधकर्ताओं ने विकलांगा व्यक्तियों की ओर पेशेवरों की एक किस्म के नजरिए की जांच की है। हालांकि अनेक शोधकर्ताओं ने पाया कि सामान्य रुप में लोगों को विकलांग (Gething, Lacour, और व्हीलर, 1994; Yiker, 1994) के साथ व्यक्तियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण के अधि ाकारी, अधिकतर अनुसंधान संकारात्मक अथवा के रुप में व्यवहार पहचान के बिना प्रदान की एक और करने के लिए व्यक्तियों को सिर्फ एक ही समूह की तुलना नकारात्मक। स्कूल सलाहकारों और शिक्षकों के संबंध में, बहुत कम शोध ा पिछले 10 वर्षों में आयोजित किया गया है, और कहा कि अनुसंधान के सबसे शिक्षकों पर ध्यान केंद्रित करने तथा/या के रुप में विशेष रुप से विकलांग छात्रों के प्रति रवैया का विरोध करने के सम्मिलित किए जाने के प्रति रवैया की जांच की है, किया है। अनुसंधान का सारांश नीचे चलता है कि स्कूल कर्मियों और छात्रों विकलांग छात्रों की ओर थोड़ा नकारात्मक नजरिए के अधिकारी हो सकता है और

NOTES

विधायल सलाहकारों के नजरिए के लिए इसी तरह, अगर नहीं की तुलना में ज्यादा सकारात्मक, अन्य स्कूल कर्मियों के हैं कि।

हाल के शोध से पता चलता है छात्रों और शिक्षकों के नि: शक्त छात्रों की ओर कुछ हद तक नकारात्मक नजरिए के अधिकारी, अथवा वे के रूप में से व्यक्तियों के लिए अलग तथा अवर विकलांग विकलांग के बिना के साथ व्यक्तियों को देखना है कि (Gething एट अल।, 1994) । 1990 से 2000 के मध्य प्रकाशित शोध अध्ययन, विकलांग, नोविकी और Sandiesom (2002) के साथ बालकों के प्रति रवैया की जांच के अपने मेटा-विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला है कि विकलांग बच्चों के बिना साधारणत: या तो शरीरिक या बौद्धिक विकलांग के बिना बच्चों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी। इसके अतिरिक्त McDougall, De Wit, राजा, मिलर, और Killip (2004) नि:शक्त छात्रों की ओर नौवें ग्रेड छात्रों के व्यवहार की जांच की और पाया कि, हालांकि बहुमत नजरिए सकारात्मक करने के लिए के रूप से तटस्थ वर्गीकृति किया था, 20 से कुछ अधिक% नकारात्मक नजरिए था। उन्होंने यह भी पाया कि महिलाओं से थोड़ा ज्यादा सकारात्मक दृष्टिकोण से किया पुरुषों, और छात्रों को, जो एक विकलांगता के साथ एक दोस्त अथवा सहपाठी था विकलांग छात्रों के साथ सीधे संपर्क के बिना उन छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण था। आखिर में, हेस्टिंग्स और Oakfor (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों संज्ञानात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की ओर से व्यवहार और/या भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रों की ओर अधिक नकारात्मक नजरिए के पास थी। पूर्व स्कूल पर और अन्य छात्रों पर एक और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था। हेस्टिंग्स और Oakford (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों व्यवहार और/या संज्ञानात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की ओर से भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रों की ओर अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था। हेस्टिंग्स और Oakford (2003) में पाया गया कि छात्र शिक्षकों व्यवहार और/या संज्ञानात्मक विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की और से भावनात्मक समस्याओं के साथ छात्रो की ओर अधिक नाकारत्मक नजरिए के पास थी। पूर्व स्कूल पर और अन्य छात्रों पर एक और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की माना जाता था।

विकलांग छात्रों की ओर विभिन्न पेशेवरों के व्यवहार की तुलना में Yuker (1994) नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों, विशेष शिक्षा शिक्षकों, प्रशासकों, तथा विकलांग छात्रों की ओर अन्य शिक्षकों के व्यवहार के मध्य कुछ मतभेद की सूचना दी, लेकिन वह राज्य नहीं कहा कि क्या उनके नजरिए की प्रवृत्ति सकारात्मक या नकारात्मक हो। साथ ही, कार्नी और कोबिया (1994) परामर्शदाता शिक्षा स्नातक छात्रों के व्यवहार की जांच की और पाया कि स्कूल परामर्श कार्यक्रम में छात्रों समुदाय परामर्श कार्यक्रम में छात्रों की तुलना में काफी ज्यादा सकारात्मक

दृष्टिकोण है, लेकिन पुनर्सुधार परामर्श छात्रों की तुलना में काफी कम सकारात्मक दृष्टिकोण था। फिर से, और अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ मनुष्यों है कि क्या वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण या बस कम नकारात्क नजरिए के पास स्पष्ट नहीं हैं। आखिरकार, Milsom (2001) स्कूल सलाहकारों पाया Eichinger, रीज़ों द्वारा रिपोर्ट पूर्व सेवा शिक्षकों के समान ही विकलांगा विधार्थी के प्रति रवैया है, और Sirotnik (1991)।

सम्मिलित किए जाने के बारे में दृष्टिकोण के संबंध में, Isaacs, ग्रीन, और Valesky (1998) प्राथमिक स्कूल सलाहकारों सर्वेक्षण किया और पाया है कि वे सम्मिलित किए जाने के बारे में कुछ हद तक सकारात्मक दृष्टिकोण था। इसके विपरीत, Praisner (2003) में पाया गया कि स्कूल प्रिंसिपलों के बहुमत शामिल किए जाने की ओर या तो नकारात्मक या उभयभावी नजरिए था। वह पाया गया कि प्रिंसिपलों जो अधिक प्रशिक्षण पूर्ण किया था (दोनों पूर्व सेवा और सेवाकालीन) शामिल किए जाने और विशेष शिक्षा से संबंधित और अधिक अनुकूल व्यवहार किया था। विकलांग छात्रों के साथ पहले सकारात्मक अनुभव भी प्रिंसिपलों के मध्य शामिल किए जाने की ओर अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण में हुई।

Tuker और ब्लॉक (1986) की रिपोर्ट है कि विकलांग व्यक्तियों के प्रति रवैया सकारात्मक मुख्य धारा की ओर व्यवहार के साथ सहसंबद्ध होते हैं। हालांकि मुख्य धारा और सम्मिलित किए जाने धारणात्मक अलग हैं (गली देखते हैं, nd, इन अवधारणाओं की परिभाषा के लिए), दोनों नियमित शिक्षा कक्षाओं में विकलांग के साथ छात्रों को एकीकृत करने के विचार से संबंधित हैं। वहाँ सम्मिलित किए जाने और विकलांग छात्रों के प्रति रवैया के बारे में दृष्टिाकोण के बीच सकारात्मक सहसंबंध समर्थन करने के लिए कोई शोध है, हालांकि, विकलांग और मुख्य धारा में लोन के प्रति रवैया के साथ छात्रों के प्रति रवैया के बीच सकारात्मक संबंध को देखते हुए यह संभावना है कि ऐसे रिश्ते हो सकता है लगता है।

विकलांग व्यक्तियों के प्रति व्यवहार

सिर्फ इसलिए कि एक शिक्षक अथवा एक छात्र एक नकारात्मक रवैया के पास आवश्यक नहीं हैं कि व्यक्ति एक विकलांगता के साथ का छात्र की ओर नकारात्मक कार्य करेगा। विचारों तथा कार्यों अक्सर पृथक कर रहे हैं; हालांकि, नकारात्मक नजरिए पूर्वाग्रह और भेदभाव (Millington, Strohmer, रीड, और स्पेंगलरए 1996) से जोड़ा गया है। वास्तव में, शिक्षकों, जो निः शक्त विधार्थी के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण है कम उपलब्धि और उन छात्रों (बीएटी, एंडरसन, और Antonak, 1997) से अनुचित व्यवहार की उम्मीद करते हैं। स्कूल कर्मियों तथा छात्रों विकलांगा छात्रों की ओर से नकारात्मक नजरिए विभिन्न तरीकों से में खुद को प्रकअ कर सकते हैं।

NOTES

Praisner (2003) ने सुझाव दिया कि स्कूल प्रिंसिपलों के नजरिए (पी/136) "या तो छात्रों सामान्य शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया जा करने के लिए के लिए बढ़ा अवसरों में अथवा विशेष शिक्षा सेवाओं की अलग प्रकृति को कम करने के लिए सीमित कोशिशे में परिणाम सकता है"। वह पाया गया कि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रिंसिपलों से नकारात्क दृष्टिकोण के साथ प्रिंसिपलों विकलांग छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा नियुक्तियों की अनुशंसा करने के लिए तथा अधिक संभावना थी। संक्षेप में, विकलांग के साथ छात्रों के लिए भविष्य के अवसरों एक मुख्य है जो एक नकारात्मक रवैया के पास से प्रभावित किया जा सकता है, खासकर अगर उन छात्रों को रोका अथवा नियमित रूप से शैक्षिक पाठ्यक्रम (जैसे, बीजगणित) एक 4 साल कॉलेज में प्रवेश के लिए जरुरत को पूरा करने से हतोत्साहित किया जाता है।

एक स्कूल काउंसलर, जो नि: शक्त छात्रों की ओर एक नकारात्मक रवैया के पास की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा हो सकता है। तो, के रूप में हन्ना (1998) ने सुझाव दिया, शिक्षकों, जो नकारात्मक दृष्टिकोण है अक्सर विकलांग छात्रों को पढ़ाने के लिए अनिच्छुक रहे हैं, यह संभावना है कि स्कूल सलाहकारों जो नकारात्मक नजरिए विकलांग छात्रों के साथ सम्मिलित होने के लिए अनिच्छुक होगा लगता है। पेशेवरों, जो व्यक्तियों, जो विकलांग उन व्यक्तियों अथव्रक " अपने ग्राहकों के विकास के लिए उपेक्षा अवसर" के साथ संपर्क से बचने के सकता है है के साथ असहज महसूस करते हैं (बेकविथ और मैथ्यू, 1994, पी/53)। इस प्रकार, स्कूल सलाहकारों जो नि: शक्त विद्यार्थियों के साथ असहज महसूस करते हैं व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम बैठकों में भाग लेने से बचने के लिए चुन सकते हैं और/या उन छात्रों के संबोधित करने के लिए अन्य स्कूल कर्मियों पर विश्वास कर सकते है शैक्षिक, कैरियर, और व्यक्तिगत/ सामाजिक जरुरतों। इसके अलावा, बोवेन और ग्लेन (1998) ने सुझाव दिया कि विकलांग छात्रों के विरूद्ध स्कूल काउंसलर पूर्वाग्रह एक स्कूल परामर्शदाता विकलांग छात्रों के लिए कम उम्मीदों होने से परिणाम सकता है। इस अर्थ में, स्कूल सलाहकारों जिसका व्यवहार उनके नकारात्मक दृष्टिकोण के अनुरूप अध्ययन के एवं अधिक कठोर पाठ्यक्रमों, संभवत: उनके भविष्य के करियर विकल्प को सीमित करने से नि: शक्त छात्रों को हतोत्साहित कर सकते हैं कर रहे हैं। वास्तव में, Janiga तथा Costenbader (2002) सूचना विकलांग छात्रों को सबसे अधिक बार व्यावसायिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस अर्थ में, स्कूल सलाहकारों जिसका व्यवहार उनके नकारात्मक दृष्टिकोण के अनुरूप अध्ययन के और ज्यादा कठोर पाठ्यक्रमों, संभवत: उनके भविष्य के करियर विकल्प को सीमित करने से नि: शक्त छात्रों को हतोत्साहित कर सकते हैं कर रहे हैं। वास्तव में, Janiga और Costenbaber (2002) सूचना विकलांग छात्रों को सबसे अधिक बार व्यावसायिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस

आशय में, स्कूल सलाहकारों जिसका व्यवहार उनके नकारात्मक दृष्टिकोण के अनुरुप अध्ययन के और अधिक कठोर पाठ्यक्रमों, संभवतः उनके भविष्य के करियर विकल्प को सीमित करने से निः शक्त छात्रों को हतोत्साहित कर सकते हैं कर रहे हैं। वास्तवा में, Janiga और Costenbader (2002) सूचना विकलांगा छात्रों को सबसे ज्यादा बार व्यावसायिक शिक्षा का आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षकों, जो निः शक्त छात्रों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण है कम उपलब्धि तथा उन छात्रों से अनुचित व्यवहार की उम्मीद करते हैं।

NOTES

छात्र विकलांग अपने साथियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण से संबंधित व्यवहार भी जांच करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जैसा कि पूर्व में चर्चा की, छात्रों को निः शक्त (नोविकी और Sandieson, 2002) के बिना साथियों के साथ बातचीत के पसंद करते हैं, और कहा कि खोज से संबंधित, Heinrichs (2003) ने इशारा दिया कि कि विकलांग छात्रों अधिक अस्वीकृति का अनुभव साथियों द्वारा की तुलना में विकलांग के बिना छात्रों से करते हैं। विकलांग छात्रों की ओर निर्देशित ध मकाने वाला सामान्य है, और Heinrichs कि इन छात्रों में से, संज्ञानात्मक व्यवहार, और/या शारीरिक मतभेद उन्हें "आसान लक्ष्य" (पी/196) बनाने का सुझाव दिया। धमकाना अनेक रूपों ले सकते हैं, तथा अस्वीकृति लंबे समय तक चलेन प्रभाव (बील और स्कॉट, 2001) हो सकता है।

नकारात्मक नजरिए और व्यवहार से संबंधित छात्र परिणामों

विकलांग व्यक्तियों अक्सर नकारात्मक नजरिए (Brillhart, जे, और Wyers, 1990) भली। इसके अतिरिक्त नकारात्मक नजरिए और दूसरों के कार्यों को नकारात्मक रूप से विकलांग (Yuker, 1994) क्योंकि उनके आत्म धारणा बहुत नजरिए तथा दूसरों की अपेक्षाओं से प्रभावित हैं के साथ व्यवहार, सामाजिक संबंध ों, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और व्यक्तियों के (Oermann) प्रभावित कर सकते हैं और लिंड्ग्रेन, 1995)। उदाहरण के लिए, यदि शिक्षकों विकलांग छात्रों से शैक्षणिक उपलब्धि और उचित व्यवहार के मामले में कम उम्मीदें हैं (बीएटी एट अल।, 1997), तो उन छात्रों अधिक अपेक्षा के अनुरूप व्यवहार करने की संभावना हो सकती है। यही कारण है कि वे अनुचित व्यवहार प्रदर्शन तथा स्कूल में कम कोशिश डाल सकता है, है।

मदीना और लूना (2004) मैक्सिकन अमेरिकी छात्रों के अनुभवों विशेष शिक्षा में दाखिला लिया और नकारात्मक शैक्षिक और समाजिक व्यक्तिगत/परिणामों की सूचना दी का पता लगाया। छात्रों, शिक्षकों के माध्यम अपमान महसूस कर सूचना दी संकेत दिया है कि शिक्षकों को विकलांग के बिना उनके साथियों द्वारा उन पर निर्देशित अपमानजनक टिप्पणियां नोटस नहीं किया था और बताया कि वे विश्वास नहीं था कि उनके शिक्षकों उनके बारे में परवाह। उन्होंने यह भी लग रहा है"अलगाव भावना, उदासीनता, तथा उनकी कक्षाओं, शिक्षकों और सहपाठियों

के बारे में चिंता" (मदीना और लूना, पी। 15) की सूचना दी। इसी तरह, Rodis, Garrod, और Boscardin (2001) की रिपोर्ट है कि नि: शक्त छात्रों को ज्यादातर महसूस किया दोनो शिक्षकों और साथियों के माध्यम से गलत समझा।

सभी छात्रों के लिए, नकारात्मक नजरिए तथा व्यवहार साथियों द्वारा प्रदर्शित लंबे समय तक चलने प्रभाव हो सकता है।

सभी छात्रों के लिए, नकारात्मक नजरिए तथा व्यवहार साथियों द्वारा प्रदर्शित लंबे समय से स्थायी प्रभाव हो सकता है। धमकी और रिलेशनल आक्रामकता हाल पेशेवर साहित्य में संबोधित किया गया है, तथा परिहार या विकलांग के साथ छात्रों की अस्वीकृति अपने साथियों के साथ ही संभावित शारीरिक या मौखिक आक्रामकता से उन्हें की ओर निर्देशित बदमाशी के रूप में देखा जाना चाहिए और इस तरह के रूप में संबोधित किया। कई नकारात्मक परिणामों बदमाशी (सील एंड यंग, 2003 देखें) से जुड़े हुए हैं, और सामान्य परिणामों शैक्षिक समस्याओं, अनुपस्थिति अकेलापन, और मित्र (रॉबर्ट्स एंड Coursol, 1996) की हानि सम्मिलित हैं।

व्यवहार को समझना

नकारात्मक नजरिए और विकलांग के साथ अपने साथियों की ओर छात्रों के व्यवहार में अनेक कारणों से हो सकता है, लेकिन अनुभवजन्य अनुसंधान किसी भी विशिष्ट कारणों की पहचान नहीं की है। फिर भी, छात्र व्यवहार का आकलन करने के लिए किसी भी विघालय आधारित हस्तक्षेप को लागू करने से पूर्व महत्वपूर्ण है। Salend (1994) sociograms, प्रत्यक्ष अवलोकन, और औपचारिक व्यवहार आकलन सहित विकलांग, के साथ छात्रों की ओन नियमित शिक्षा छात्रों के व्यवहार का आकलन करने के लिए तरीके का एक नंबर की पहचान क।

हालांकि अनुसंधान नकारात्मक छात्र व्यवहार के लिए वजहों की पहचान करने दुर्लभ है, नि: शक्त छात्रों की ओर शिक्षकों की ओर से नकारात्मक के लिए स्पष्टीकरण के एक नंबर का प्रस्ताव है। अनुसंधान पूर्व से उद्धत (यानी, Praisner, 2003) पता चलता है कि एक कारण स्कूल कर्मियों विकलांग छात्रों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण के अधिकारी हो सकता है कि वे उन व्यक्तियों के बारे में अधिकतर प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया था और इसलिए प्रभावी रूप से विकलांग छात्रों के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार नहीं लग रहा है। इस विषय लगातार दोनों स्कूल सलाहकारों और शिक्षकों से संबंधित साहित्य में उभरा है। स्कूल Milsom (2002) द्वारा सर्वेक्षण किया सलाहकारों से पूर्व स्कूल सलाहकारों के रूप से कार्यरत किया जा रहा करने के लिए कम से कम औपचारिक विकलांग छात्रों से संबंधित प्रशिक्षण पूरा करने की सूचना दी है और संकेत दिया कि वे कुछ हद तक विकलांग छात्रों के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार महसूस किया। साथ ही, Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग विधार्थी के

साथ काम करने के कारण वे ज्ञान के अधिकारी नही था अथवा सक्षम महसूस बल दिया महसूस किया। अंत में, Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोई पूर्व प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्राप्त किया। वास्तव में, विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इन क्षेत्र की तुलना में किया था नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी। Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग छात्रों के साथ काम करने के वजह वे ज्ञान के अधिकारी नहीं था अथवा सक्षम महसूस बल दिया महसूस किया। अंत में, Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोई पूर्व सेवा प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्राप्त किया। वास्तव में, विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था नियमित शिक्षा के शिक्षकों से कम प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी। Forlin (2001) की रिपोर्ट है कि शिक्षकों को जब विकलांग छात्रों के साथ काम करने के कारण वे ज्ञान के अधिकारी नहीं था अथवा सक्षम महसूस बल दिया महसूस किया। अंत में, Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों विशेष शिक्षा और नियमित रूप से शिक्षा के शिक्षकों विकलांग छात्रों के लिए प्रभावी सम्मिलित किए जाने से संबंधित कोई पूर्व सेवा प्रशिक्षण के लिए थोड़ा प्राप्त किया। वास्तव में, विशेष शिक्षा के शिक्षकों के लिए इस क्षेत्र की तुलना में किया था नियमित शिक्षा के शिक्षकों में कम प्रशिक्षण प्राप्त कर सूचना दी।

NOTES

महसूस कर तैयार नहीं करने के अतिरिक्त स्कूल कर्मियों भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन पर रखा मांगों को सम्मुख करना पड़ता है। विकलांगता कानून (जैसे, विकलांग शिक्षा अधिनियम के साथ व्यक्तियों) और कोई बाल वाम पीछे, सिस्टम है, जिसमें स्कूल कर्मियों छात्र परिणामों के लिए उत्तरदायी आयोजित कर रहे हैं बनाने सहित वर्तमान शैक्षिक सुधारों,। Forlin (2001) में पाया गया कि शिक्षकों को तनाव का उच्च स्तर की सूचना दी, जब वे वे व्यक्तिगत रूप से विकलांग छात्रों की शैक्षिक परिणामों के लिए उत्तरदायी आयोजित की जाएगी महसूस किया। शिक्षकों ने भी चिंतित है कि अधिक समय विकलांग छात्रों की आवश्यकतायों को संबोधित खर्ज उनके होने में कम समय में परिणाम विकलांग के बिना छात्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। "तनाव के उच्चतम स्तर एक शिक्षक की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता से उनकी कक्षाओं में समस्त छात्रों के लिए प्रभावी शिक्षण बनाए रखने के लिए आते दिखाई देते हैं" (Forlin, पी। 242)।

इस प्रकार, जाहिए है, नकारात्मक नजरिए शिक्षकों, जो छात्रों के बारे में और के बारे में प्रभावी रहा है, बल्कि जो अपने काम के लिए पर थोड़ा नियंत्रण या

NOTES

समर्थन हो सकता है परवाह चिह्नित करने के लिए लग रहे हैं। तनाव तथा हताशा स्वाभाविक परिणाम, ऐसी स्थितियों में होने लगते है। यह संभावना है कि शिक्षकों के बहुमत अधिक सकारात्मक अगर वे विकलांग तथा उन छात्रों के साथ काम करने के लिए प्रभावी रणनीति के साथ छात्रों के बारे में अधिक ज्ञान था होगा।

हस्तक्षेप के नजरिए में सुधार करने के

विकलांग छात्रों के लिए अधिवक्ताओं के रूप में, स्कूल सलाहकारों, उनके भवनों में बढ़त बनाने के लिए सुनिश्चित करने के लिए कि इन विद्यार्थियों को सकारात्मक स्कूल अनुभव भविष्य के शैक्षणिक और कैरियर की सफलता के लिए कौशल का विकास, सामाजिक कौशल विकसित, और भावनात्मक स्वास्थ्य का आनंद तैनात हैं। कार्यक्रमों की एक संख्या स्कूल कर्मियों के प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने ओर सभी छात्रों के बीच सकारात्मक बातचीत की सुविधा के लिए एक प्रयास में शुरू किया जा सकता है। आत्म जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है, यद्यपि और स्कूल सलाहकारों समय देने के लिए ईमानदारी से अपने स्वंय के विश्वासों का आकलन करने के से लाभ उठा सकते के बारे में और स्वीकार करने या स्कूल आधारित हस्तक्षेप पर काम करने के लिए स्वयं सेवा करने से पहले विकलांग छात्रों के प्रति व्यवहार। स्कूल सलाहकारों जो नकारात्मक दृष्टिकोण के अधिकारी (Milsom देखने के व्यावसायिक विकास गतिविधियों में हिस्सा लेने की सोच सकते हैं, 2002) आने स्वयं के पूर्वग्रहों को संबोधित करने के। क्योंकि स्कूल सलाहकारों के साथ निः शक्त छात्रों को एक पेशेवर, नैतिक, और multiculturally सक्षम स्कूल काउंसलर के महत्वपूर्ण गुणों के रूप में देखी जा सकी है काम कर की ओर से समस्त छात्रों, आराम और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं।

लक्ष्य निर्धारण स्कूल कार्मिक

अनेक स्कूल कर्मियों द्‌वारा पूरा विकलांग छात्रों से संबंधित प्रशिक्षण के सीमित मात्रा को देखते हुए, और अनुसंधान सुझाव है कि अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण उचित पूर्व सेवा शिक्षा के अधिक से अधिक मात्रा के साथ जुड़े रहे दिए गए, इन–सेवा अथवा अन्य व्यावसायिक विकास गतिविधियों के रूप में देखी जा सकती है एक महत्वपूर्ण विकलांग छात्रों के लिए सकारात्मक स्कूल अनुभव बनाने से संबंधित हस्तक्षेप। Praisner (2003) सामान्य रूप में निः शक्त छात्रों से संबंधित सेवाकालीन प्रशिक्षण की वकालत की है, तथा पेस (2003) नियमित रूप से शिक्षा छात्र शिक्षक पर्यवेक्षकों के मध्य निः शक्त छात्रों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी व्यावसायिक विकास सेमिनार पाया। हालांकि, अन्य शोधकर्ताओं एक विशिष्ट सामग्री क्षेत्र की पहचान करने की सिफारिश की है (जैसे,) निः शक्त छात्रों को शिक्षक व्यावसायिक विकास के लिए के रूप में महत्वपूर्ण के लिए व्यवहार उपायों।

NOTES

कई शोधकर्ताओं (लिबरमैन, जेम्स, और Ludwa, 2004; Pavri, 2004; Schepis, रीड, Owenbey, तथा Clary, 2003) की सिफारिशा की है कि स्कूल स्टाफ विकलांग के बिना और छात्रों विकलांग छात्रों के बीच सहकारी संबंधों को बढ़ावा देने से सहायता करने के एिल प्रशिक्षित किया जा। उन्होंने सुझाव दिया कि इन छात्रों के मध्य सफल बातचीत अक्सर प्राकृतिक रूप से नहीं होती है, और शिक्षकों अगर वे विकलांग छात्रों को अपने साथियों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े करना चाहते है प्रभावी तरीके से बातचीत की सुविधा के लिए सक्षम होना चाहिए। साथ ही, Salend (1994) ने संकेत दिया नियमित रूप से शिक्षा कक्षाओं में विकलांग छात्रों के लिए है कि सफल सम्मिलित किए जाने (यानी, छात्रों अकादमिक और सामाजिक रुप से सफल होने) विकलांग के बिना और छेत्रों के बीच सहकारी बातचीत की जरुरत है।

Pavri (2004) में पाया गया कि दोनों सामान्य और विशेष शिक्षा के शिक्षकों की शुरुआत और विकलांग के बिना तथा छात्रों विकलांग छात्रों के बीच सहकारी सामाजिक संबंधों का समर्थन करने के लिए विचारों की जरुरत है। साथ ही, अपने अनुसंधान Schepis एट अल के द्वारा (2003) में पाया गया कि पूर्वस्कूली शिक्षकों जो एक पेशेवर विकास प्रशिक्षण उन्हें छात्रों बातचीत और विकलांग छात्रों विकलांग के बिना उन लोगों के मध्य पारस्परिक बातचीत में वृद्धि करने में सक्षम थे कि सहायता करने के लिए रणनीति देने के लिए बनाया पूरा किया। समय के साथ छात्र बातचीत में वृद्धि हुई दोनों जब शिक्षकों को उपस्थित थे और जब वे नहीं थे, सुझाव है कि शिक्षकों को इन छात्रों के मध्य सहकारी संबंधों की सुविधा के लिए सीख सकते हैं और विधार्थी को अगर के अवसरों और/अथवा प्रोत्साहन के साथ प्रदान की जाती हैं कैसे बातचीत करने के लिए सीख सकते हैं कि।

व्यावसायिक विकास गतिविधियों को भी कक्षा में शिक्षकों की सहायता करने के लिए बनाया जा सकता है। वॉन (2002) और कॉर्बेट (2001) सुझाव स्कूलों बेहतर सभी शिक्षार्थियों क जरुरतों को पूरा कर सकते हैं कि अगर शिक्षकों तरीके कि सीखने के लिए किसी भी कक्षा में उपस्थित शैलियों की सामी को फायत होगा में कक्षा के सबक को संशोधित करने के बारे में जानें। नि: शक्त छात्रों को सिर्फ छात्रों को, जो शिक्षा और मूल्यांकन के रचनात्मक तरीकों से लाभ उठा सकते नहीं हैं, और शिक्षकों को शायद मदद कर रहा तरह वे सामान्य रुप में शिक्षण दृष्टिकोण विकलांग छात्रों को समायोजित करने के लिए होने से संबंधित कम हताशा का परिणाम देगा reframe/ स्कूल प्रिंसिपलों मॉडल कर सकते हैं या नवीन तकनीकों (डोयल, 2002) में अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के कोशिशों में सह सिखाने।

यह संभावना है कि शिक्षकों के बहुमत अधिक सकारात्मक अगर वे विकलांग और उन छात्रों के साथ कार्य करने के लिए प्रभावी रणनीति के साथ छात्रों के बारे में अधिक ज्ञान था होगा।

NOTES

कैसे स्कूल सलाकारों, जो भी इस तरह की सामग्री के सीमित ज्ञान हो सकता है कर सकते हैं, इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका किसी भी प्रकार का ले ? पहला, वे प्रशासकों के ध्यान में इस सामग्री क्षेत्र में प्रशिक्षण और समर्थन की जरुरत पर लाने के लिए और वकालत कि सेवाकालीन समय विकलांग छात्रों के साथ काम करने के लिए प्रभावी प्रथाओं को संबोधित करने के लिए समर्पित किया जा सकता है। स्कूल सलाहकारों तो समन्वयकों तथा सहयोगियों के रुप में काम कर सकत हैं, व्यक्तियों, जो प्रशिक्षण के इस प्रकार प्रदान कर सकते हैं कि पहचान। विकलांग छात्रों के बारे में सीमित ज्ञान के साथ विद्यालय सलाहकारों भी इस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीख संभावना होगी।

छात्रों के साथ हस्तक्षेप

शिक्षक सहायता करने के लिए छात्रों को सहकारी संबंधों को विकासित करने, और अनुसंधान विकलांग अपने साथियों की ओर छात्र व्यवहार की जांच है कि विकलांग छात्रों के साथ संपर्क सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म दे सकता का सुझाव दिया है वे लिए उत्साहित किया जा रहा है। वास्तव में, लिबरमैन एट अल। (2004) ने कहा कि छात्रों की समझ और विकलांग छात्रों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करने सिर्फ प्रभावी तरीका है नि: शक्त छात्रों के साथ सकारात्मक संपर्क। इसलिए, छात्र बातचीत एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, औ संराचित गतिविधियों छात्रों को सफलतापूर्वक एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए कौशल के विकास में सहायता करने के संबंध में सिफारिश की गई है। विशिष्ट सुझाव के एक नंबर साहित्य में प्रदान किया गया है।

सैलिसबरी, Gallucci, Palmobaro, और पेक (1995) के साथ और विकलांग के बिना छात्रों के मध्य सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें प्रदान की है। अपनी सूची में शामिल सहकारी शिक्षण समूहों, जो वे विकलांग छात्रों के लिए दोनों सामाजिक और शैक्षणिक लाभ प्रदान कर सकता है इशोर दिया थे। साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया है कि शिक्षकों को विद्यार्थियों विकलांग छात्रों से संबंधित चिंताओं के लिए एक आवाज प्रदान करने के लिए और उन्हें समझ या सहानुभूति विकसित करने में सहायता करने के लिए सहयोगी समस्या को सुलझाने के (जैसे, नियमित रुप से कक्षा बैठकों के माध्यम से)में छात्रों को व्यस्त हैं। विशेष रूप से, छात्रों को, जो एक विकलांगता एक खास रुप से व्यवहार कर के साथ एक छात्र के लिए संभावित कारणों उत्पन्न करना होगा कि छात्र के लिए का एक बड़ा समझ और सहानुभूति का विकास हो सकता है। सहकर्मी ट्यूटर्स भी दोनों तक रुप से अकादमिक विकलांग छात्रों की सहायता करने के लिए और छात्रों के बीच सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देने के रुप में सुझावा दिया गया था। आखिर में, सेलिसबरी एट अल। एक प्रभावी तरीका के रुप में शिक्षकों से सिफारिश की मॉडलिंग छात्रों को पढ़ाने कैसे बातचीत करने के

NOTES

लिए करने के लिए। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत देख के द्वारा अन्य छात्रों के लिए न सिर्फ कि छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक दाएं आंख दृश्य नुकसान है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाईं आंख), लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत देख के द्वारा अन्य छात्रों के लिए न केवल कि छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक दाएं आंख दृश्य नुकसान है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाईं आंख), लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे। एक शिक्षक एक विकलांगता के साथ एक छात्र के साथ बातचीत करने के लिए कैसे (जैसे, शायद यह एक छात्र है जो छात्र के लिए दिखाई दे शेष द्वारा एक दाएं आंख दृश्य नुकसान है के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है सीखना होगा बाईं आंख), लेकिन यह भी है कि छात्र अन्य अनेक तरीकों से उन्हें इसी तरह की है देखेंगे।

रिसर्च विकलांग अपने साथियों की ओर छात्र व्यवहार की जांच के निः शक्त छात्रों के साथ है कि संपर्क का सुझाव दिया है सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म दे सकता है।

एक दूसरे के साथ मिलकर बातचीत करने में सक्षम होने के अतिरिक्त छात्रों को सामान्य रुप में विविधता के लिए एक प्रशंसा पाने से लाभ होता है। Heinrichs (2003) सुझाव स्कूलों में मदद कर सकते है कि छात्रों को सहानुभूति और क्रोध प्रबंधन कौशल शिक्षण और सामान्य पाठ्यक्रम के माध्यम से दूसरों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने से अंतर के लिए सहिष्णुता तथा सम्मान का विकास। चरित्र शिक्षा उपलब्ध प्रोग्राम के अलग प्रकार के एक आधार है जहाँ से विचार विमर्श और गतिविधियों विकलांग छात्रों वेह लिए विशष्टि सम्मिलित किया जा सकता के रुप में इस्तेमाल किया जा सकता।

स्कूल सलाहकारों छात्रों के साथ सीधे सेवा गतिविधियों के माध्यम से समान एजेंडा (यानी, विविधता तथा सहयोग) को बढ़ावा देने के कर सकते हैं। दोनों छोटे समूह और कक्षा मार्गदर्शन गतिविधियों के साथ और विकआंग के बिना छात्रों के मध्य मतभेद और बातचीत के लिए सम्मान को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही, स्कूल सलाहकारों सहकर्मी ट्यूशन कार्यक्रमों के समन्वयकों के रुप मे सेवा तथा कक्षा आधारित गतिविधियों के कार्यान्वयन में शिक्षकों के साथ सहयोग कर सकते हैं।

NOTES

स्कूल-व्यापी विचार

प्रोग्रामिंग के किसी भी प्रकार के सफल क्रियान्वयन के प्रशासकों और स्कूल कर्मियों से सहकारी कोशिशों के समर्थन पर निर्भर करता हैं। वॉन (2002) ने सिफारिशा की कि स्कूलो तथा प्रक्रियाओं के साथ मौजूद नीतियों (विकलांग छात्रों के बारे में यानी, नजरीय और विश्वासों) उनकी संस्कृतियों का आकलन करने के समय करते हैं। नकारात्मक संदेशों अनजाने भाषा अथवा प्रक्रियाओं के माध्यम से छात्रों को नहीं भेजी जा सकती है। उदाहरण के लिए, स्कूलों है कि विभिन्न विकलांग छात्रों विशेष तौर (जैसे, विशेष शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए विशेष डिप्लोमा जारी करने), बजाय स्वीकार करते हैं कि समस्त छात्रों को अलग ढंग से जानने के लिए, अनजाने उन छात्रों है कि वे अन्य छात्रों की तुलना में कम योग्य हैं से कर सकते हैं। छात्र स्कूल कर्मियों की मान्यताओं के प्रेमी हैं, तब भी जब उन मान्यताओं verbalized नहीं कर रहे हैं। शिक्षकों चाहिए "व्यक्तिगत प्रतिबद्धता, आशा तथा आशावाद के उच्च स्तर" दिखाने (verbalized और विलियम्स, 2003, पृ। 32) इतना है कि छात्रों को अपनी आकांक्षाओं को सीमित नहीं है। उदाहरण के लिण आमंत्रित और कॉलेज मेलों में भाग लेने के या कॉलेज के लिए रजिस्टर समस्त छात्रों को प्रोत्साहित करने के द्वारा प्रवेश परीक्षा, स्कूल कर्मियों उनका विश्वास है कि सभी छात्रों के पश्चात् माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ाने का अधिकार है संवाद।

बाहर किया जा रहा से विकलांग छात्रों को रोकने के लिए एक और कोशिश में, स्कूल कर्मियों स्कूल के नियमों के अपने प्रवर्तन पड़ताल करनी चाहिए। सभी छात्रों को स्कूल के नियमों का पालन करने की कोशिश की जानी चाहिए, और अनुशासनात्मक कार्रवाई न्यायसंगत होना चाहिए (सेलिसबरी एट अल।, 1995)। धमकी और चिढ़ा संभावना पीछा जब कुछ छात्रों को दूसरों की तुलना में विभिन्न मानकों करने के लिए आयोजित कर रहे है। इसी तरह दोनों व्यवहार और शिक्षाविदों के संबंध में सभी छात्रों के लिए अधिक उम्मीदें (कॉर्बेट, 2001;। सेलिसबरी एट अल) के छात्रों को मदद मिलेगी विकलांग की संभावनाओं को वास्तविकता के साथ और यहायता अन्य छात्रों के एक समझ है कि विकलांग छात्रों हर में विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं है विकसित उनके जीवन का क्षेत्र।

अंत में, schoolwide पहल को बढ़ावा देने और विविधता का जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है (Kugelmass, 2001)। उदाहरण के लिए, छात्र परियोजनाओं, स्कूल की गतिविधियों, और दीवारों पर कलाकृति पर प्रकाश डाला जा सकता है। Mc Dougall एट अल। (2004) स्कूल आधारित कार्यक्रमों है कि बजाय समस्त छात्रों को प्रतियोगिता के साथ-साथ प्रोग्राम हैं जो सम्मान और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सफलता पर जोर के कार्यान्वयन की सिफारिश की।

निष्कर्ष

स्कूल सलाहकारों उनके प्रशिक्षण से आकर्षित कर सकते हैं तथा आचरण के मूल्यांकन की जरूरत है क्रम में विकलांग छात्रों के लिए सकारात्मक बनाने के लिए परिवर्तन के लिए क्षमता, व्यवस्थित कार्यक्रम संबंधी, और व्यवहार क्षेत्रों की पहचान करने। अन्य स्कूल कर्मियों के सहयोग से वे स्कूल नीतियों कि समस्म छात्रों के लिए न्यायसंगत परिणामों में सम्मान, अधिक उम्मीदें, और ब्याज संवाद स्थापित करने के लिण कर सकते हैं। उन्होंने यह भी विकलांग छात्रों के साथ काम करने के संबंध में स्कूल कर्मियों के लिए चल रहे व्यावसायिक विकास के महत्व को प्रशासकों के ध्यान में ला सकते हैं। यह प्रत्यक्ष सेवाओं के छात्रों के लिए अथवा शिक्षकों के सहयोग से की पेशकाश की के माध्यम से हो या नहीं, स्कूल सलाहकारों कोशिश कर सकते हैं छात्रों को सफलतापूर्वक उनसे बातचीत करने के लिए और संबंधित कौशल विकलांग छात्रों के लिए प्रशंसा का विकास। आखिरकार, अधिक उम्मीदें संवाद स्थापित करने और सहायता प्रदान करके, स्कूल सलाहकारों की सहायता कर सकते है विकलांग छात्रों को समझते हैं कि उनके विकलांग अपनी आकांक्षाओं को सीमित करने के कारणों नहीं होना चाहिए।

Scis हमेशा तुरंत पहचानने योग्य नहीं है। निम्नलिखित चोटों रीढ़ की हड्डी को संभावित नुकसान के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए:

- सिर की चोटों, विशेष रूप से सामना करने के लिए आघात के साथ उन
- श्रेणि भंग
- रीढ़ की हड्डी के क्षेत्र में चोटो मर्मज
- ऊँचाई से गिरने से चोट लगने की घटनाएं

इन चोटों के कोई भी लक्षण (तीव्र सिर, गर्दन, अथवा दर्द जैसा कि ऊपर उल्लेख से किसी के साथ एक साथ होते हैं, साथ पैरों में महसूस की गिरावट; शरीर का भाग पर नियंत्रण की कमी, मूत्र या आत्र समस्याओं, चलने में परेशानी, दर्द या छाती क्षेत्र में दबाव बैंड, साँ लेने में कठिनाई, सिर अथवा रीढ़ गांठ), तो एससीआई फंसा हो सकता है।

एक एससीआई ध्यान से किया जाना चाहिए होने का संदेह एक व्यक्ति को आगे चोट रीढ़ एक आपातकालीन कमरे अथवा ट्रॉमा सेंटर स्थिर करने के लिए रखा जाना चाहिए जाया करने से रोकते है। एक डॉक्टर दुर्घटना की प्रकृति का निध ारण व्यक्ति पर सवाल खड़ा होगा, तथा मेडिकल स्टाफ संवेदी समारोह और आंदोलन के लिए रोगी का परीक्षण कर सकते हैं। घायल व्यक्ति गर्दन में दर्द की शिकायत है, तो पूर्ण रूप से, जाग रही है या कमजोरी या न्यूरोलॉजिकल चोट के साफ चि न हैं, नैदानिक परीक्षण प्रदर्शन किया जाएगा।

NOTES

इस परिणाम सम्मिलित हो सकते हैं

• एक सीटी ("बिल्ली") स्कैन। यह दृष्टिकोण कंम्यूटर का उपयोग करता पार अनुभागीय छवियों कि स्थान तथा नुकसान की मात्रा दिखाने के लिए और इस तरह के खुन के थक्के (रक्तगुल्म) के रूप में समस्याओं प्रकट हो सकता है की एक श्रृंखला बनाने के लिए।

• एक एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग) स्कैन एक एमआरआई मशीन घायल क्षेत्र के एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और तंरगों का उपयोग करते हुए "एक तस्वीर लेता है"। एक कंप्यूटर रीढ़ हर्नियेटेड डिस्क तथा अन्य असमान्यताओं का खुलासा करने के लिए की एक छवि बनाता ।

• एक myelogram। यह रीढ़ की हड्डी एक डाई के पश्चात् ही लिया की एक एक्स-रे इंजेक्ट किया जाता है।

• somatosensory क्षमता (SSEP) परीक्षण या चुबंकीय उत्तेजना उत्पन्न की। इन परिक्षणों प्रदर्शन तंत्रिका संकेतो रीढ़ की हड्डी के द्वारा पारित कर सकते हैं यदि दिखा सकते हैं।

• रीढ़ एक्स-रे। ये रीढ़ की हड्डियों के फ्रैक्चर अथवा नुकसान दिखा सकते हैं।

चोट के बाद तीसरे दिन के बारे में पर, डॉक्टर मरीजों चोट की गंभीरता का निदान करने के लिए एक पूर्ण तंत्रिक विज्ञान की परीक्षा में सुधार के होने की संभावना हद तक भविष्यवाणी देने के लिए और। इस मरीज की मांसपेशियों की शक्ति और हल्के स्पर्श और एक चिढ़ को अनुभव करने की क्षमता का परिणाम शामिल है। डॉक्टरों इस निदान के लिए मानक एशिया (अमेरिकी रीढ़ की हड्डी में चोट एसोसिएशन) हानि स्केल का उपयोग करें। एक्स-रे, एमआरआई या अधि क उन्नत इमेजिंग तकनीक भी रीढ़ की हड्डी की पूर्ण लंम्बाई कल्पना करने के लिए उपयोग किया जाता है।

एशिया हानि स्केल, पाँच वर्गीकरण स्तर है प्रभावित क्षेत्र में तंत्रिक समारोह का पूर्ण नुकरान से लेकर पूरी तरह से सामान्य:

• एक: हानि पूरा हो गया है। कोई मोटर अथवा संवेदी समारोह चोट के स्तर के नीचे छोड़ दिया है।

• बी: नुकसान अधूरा है। संवेदी समारोह, लेकिन नहीं मोटर समारोह, तंत्रिका संबंधी स्तर (चोट के स्तर से ऊपर पहले सामान्य स्तर) के नीचे संरक्षित है और कुछ सनसनी त्रिक खंडों एस 4 और S5 में संरक्षित है।

• सी: हानि अधूरा है। मोटर समारोह तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे संरक्षित है,

बल्कि तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे कुंजी मांसपेशियों के आधे से अधिक एक मांसपेशी ग्रेड है कम से कम 3 (यानी, वे काफी मजबूत गुरूत्वाकर्षण के विरूद्ध स्थानांतरित करने के लिए नहीं है)।

NOTES

- डी: हानि अधूरा है। मोटर समारोह तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे संरक्षित है, और तंत्रिका संबंधी स्तर से नीचे कुंजी मांसपेशियों से कम से कम आधे के 3 अथवा उससे अधिक (यानी, जोड़ों गुरूत्वाकर्षण के खिलाफ ले जाया जा सकता) एक मांसपेशी ग्रेड है।

- ई: रोगी के कार्यों सामान्य हैं समस्त मोटर और संवेदी कार्यों निर्बाध रहे हैं।

इसे समझने के लिए, एक व्यक्ति को एशिया पैमाने कार्यों बी स्तर पर एक मनुष्य की तुलना में बेहतर पर सी स्तर के रूप में वर्गीकृत। समय था, एक मरीज को एक सी 4 quadripegic चिह्नित किया गया हो सकता है। आज, यद्यपि एशिया के पैमाने का उपयोग, वर्गीकरण सी 4 एशिया एक tetraplegic हो सकता है। मांसपेशी शक्ति ग्रेड के बारे में, शून्य मांयपेशी आंदोलन के अभाव को पूरा करने के लिए इसी, सबसे कम है। पाँच पूर्ण, सामान्य शक्ति का प्रतिनिधित्व, सबसे ज्यादा है।

CRPD और आईसीएफ दोनों की सुविधा अथवा विकलांग लोगों के लिए भागीदारी सीमित में माहौल की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस रिपोर्ट बाधाओं के व्यापक सबूत निम्नलिखित सहित दस्तावेजों

- अपर्याप्त नीतियों तथा मानकों। नीति डिजाइन हमेशा विकलांग लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखता है, या मौजूदा नीतियों और मानकों के लागू नहीं कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, समावेशी शिक्षा नीतियों के लिए, 28 देशों की समीक्षा शिक्षा में हिस्सा लेने वाले सभी फास्ट ट्रैक पहल भागीदारी के लिए पाया गया है कि 18 देशों या तो अपने प्रस्ताविक रणनीतियों की बहुत कम विस्तार प्रदान की स्कूलों में विकलांग बच्चो को शमिल करने या विकलांगता का उल्लेख नहीं किया था या सम्मिलित किए जाने पर समस्त (6)। शिक्षा नीति में आम अंतराल विकलांग बच्चों स्कूल में भाग लेने के लिए वित्तीय और अन्य लक्षित सुरक्षा और मदद सेवाओं की कमी सम्मिलित हैं।

- नकारात्मक नजरिय। विश्वासों और पूर्वाग्रहों शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल, और सामाजिक भागीदारी के लिए बाधाओं का गठन। उदाहरण के लिए, शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों, अन्य बच्चों तथा यहाँ तक कि परिवार के सदस्यों के नजरिए मुख्य धारा के स्कूलों में विकलांग बच्चों के सम्मिलित किए जाने प्रभावित करते हैं। उपलब्ध समायोजन के बारे में नियोक्ताओं द्वारा गलत धारणाएँ कि विकलांग लोगों को उनके गैर विकलांग सहयोगियों की तुलना में उत्पादक हैं, तथा अज्ञानता व्यवस्था सीमा रोजगार के अवसर काम करने के लिए।

• सेवाओं के प्रावधान का अभाव। विकलांग लोगों को विशेष रूप से इस तरह के स्वास्थ्य की देखभाल, पुनर्वास, और समर्थन और मदद के रूप में सेवाओं में कमी के भय रहता है। चार दक्षिणी अफ्रीकी देशों से डाटा में पाया गया कि लोगों के सिर्फ 26-55% चिकित्सा पुनर्वास वे आवश्यक प्राप्त; 17-37% सहायक उपकरणों वे आवश्य प्राप्त; 5-23% व्यवसायिक प्रशिक्षण वे आवश्यक प्राप्त; और 5-24% कल्याण सेवाओं वे जरूरत (7-10) प्राप्त किया। भारत के उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु राज्यो में एक शोध में पाया है कि लागत के पश्चात् क्षेत्र में सेवाएँ की कमी स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग नहीं कर विकलांग लोगों के लिए दूसरा सबसे लगातार कारण था।

• सेवा प्रदान करने के साथ कोई समस्या। सेवाओं की खराब समन्वय, अपर्याप्त स्टाफ, और कमजोर स्टाफ दक्षताओं विकलांग व्यक्तियों के लिए गुणवत्ता, पहुंच तथा सेवाओं की पर्याप्तता को प्रभावित कर सकते हैं। 51 देशों से विश्व स्वास्थ्य सर्वेक्षण डेटा से पता चला कि विकलांग लोगों के रूप में दो बार उनकी आवश्यकताओं चार गुना अधिक बुरी तरह से इलाज किया जा की सभावना और लगभग तीन गुना अधिक होने की संभावना को पूरा करने के लिए अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता कौशल खोजने की संभावना की तुलना में अधिक थे करने के लिए हो सकता है से इनकार जरूरत स्वास्थ्य देखभाल। अनेक व्यक्तिगत समर्थन कार्यकर्ताओं खराब भुगतान किया है और अपर्याप्त प्रशिक्षण दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अध्ययन में पाया जाता है कि सामाजिक देखभाल कार्यकर्ता के 80% कोई औपचारिक योग्यता अथवा नहीं लिया था।

• अपर्याप्त धन। को लागू करने की नीतियों और योजनाओं के लिए आंवटित संसाधन अक्सर अपर्याप्त हैं। प्रभाव वित्तपोषण की कमी समस्त आय सेटिंग्स भर में स्थायी सेवाओं के लिए एक प्रमुख बाधा है। उदाहरण के लिए, उच्च आय वाले देशों, 20% और विकलांग लोगों के 40% के मध्य में आम तौर पर सारांश 10 नहीं है उनकी जरूरतों को प्रतिदिन की गतिविधियों (13-18) के साथ मदद के लिए मुलाकात की है। कई कम आय और मध्यम आय वाले देशों में सरकारों प्रदान नहीं कर सकते पर्याप्त सेवाओं और वाणिज्यिक सेवा प्रदाताओं अनुपलब्ध या घरों के लिए सस्ती नहीं हैं। 51 देशों में 2002-04 विश्व स्वास्थ्य सर्वेक्षण से विश्लेषण से पता चला कि विकलांग लोगों के स्वास्थ्य देखभाल की लागत में से छूट अथवा कटौती प्राप्त करने में विकलांग के बिना लोगों की तुलना में अधिक परेशनियाँ था।

• पहुँच का अभाव। कई बनाया वातारण, परिवहन व्यवस्था और जानकारी (सर्वजनिक स्थानों सहित) समस्त के लिए सुलभ नहीं है। परिवहन के लिए उपयोगी की कमी के कारण किसी विकलांग व्यक्ति के लिए एक लगातार कारण काम की तलाश अथवा स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंचने से रोका से हतोत्साहित

किया जा रहा है। पहुँच पर कानून, यहाँ तक कि 20 से 40 साल पूर्व डेटिंग कर उन के साथ देशों से रिपोर्ट, अनुपालन (19-22) का स्तर कम की पुष्टि करें। लिटिल जानकारी उपयोग में आसान प्रारूप में उपलब्ध है, और विकलांग लोगों के अनेक संचार जरूरतों unmet की हैं। बहरे लोगों को अक्सर मुसीबत सांकेतिक भाषा व्याख्या पर पहुँचने में समस्या: 93 देशों के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 31 देशों काई व्याख्या सेवा था, परन्तु 30 देशों में 20 या इससे कम योग्य दुभाषिए (23) था। विकलांग लोगों को गैर-विकलांग लोगों की तुलना में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपयोग की काफी कम दर है, और कुछ मामलों में वे जैसे टेलीफोन, टेलीविजन, और इंटरनेट के रूप में भी बुनियादी उत्पादों और सेवाओं को एक्सेस नहीं कर सकता हैं।

NOTES

- परामर्श तथा भागीदारी का अभाव। विकलांग के साथ बहुत से लोग मामलों में निर्णय लेने से बाहर रखा गया सीधे, अपने जीवन को प्रभावित उदाहरण के लिए जहाँ विकलांग लोगों के कैसे समर्थन अपने घरों में उन्हें प्रदान की जाती है पर विकल्प तथा नियंत्रण की कमी के लिए।

- डेटा सबूत का अभाव। प्रोग्राम हैं जो काम समझ तथा कार्रवाई बाधित कर सकते हैं पर विकलांगता और सबूत पर कठोर और तुलनीय डेटा की कमी। विकलांग और उनके परिस्थितियाँ के साथ लोगों की संख्या को समझना अक्षम करने बाधाओं को हटाने तथा विकलांग लोगों के भाग लेने के लिए अनुमति देने के लिए सेवाएँ प्रदान करने के कोशिश को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए, पर्यावरण के लिए बेहतर उपाय तथा विकलांगता के विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रभावों लागते प्रभावी पर्यावरण उपायों की पहचान की सुविधा के लिए विकसित करने के आवश्यकता। विकलांग लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं? अक्षम करने बाधाओं नुकसान विकलांग लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं? अक्षम करने बाधाओं नुकसान विकलांग लोगों के माध्यम में अनुभव करने के लिए योगदान करते हैं। गरीब स्वास्थ्य परिणामों बढ़ाने से प्रणाम बताते हैं कि विकलांग लोगों के सामान्य आबादी की तुलना स्वास्थ्य के गरीब स्तर अनुभव। समूह और सेटिंग के अनुसार, विकलांग व्यक्तियों को रोका जा सकता माध्यमिक की स्थिति, यह morbidities, और आयु से संबंधित शर्तों के अधिक से अधिक जोखिम हो सकता है। कुछ अध्ययनों से यह भी संकेत दिया है कि विकलांग लोगों के जैसे धूम्रपान, गरीब आहार और शरीरिक निष्क्रियता के रूप में जोखिम भरा व्यवहार की उच्च्व दर हैं। विकलांग मनुष्यों को भी हिंसा के संपर्क में होने का अधिक खतरा है। विकलांगता (सहायक उपकरणों सहित) पुनर्वास सेवाओं के लिए 11 अपूर्ण आवश्यकता पर विश्व रिर्पाट सामान्य स्वास्थ्य की स्थिति में गिरावट, गतिविधि सीमाओं, भागीदारी प्रतिबंध और जीवन के कम गुणवत्ता सहित विकलांग मनुष्यों के लिए गरीब परिणामों में परिणाम कर सकते हैं। विकलांग के साथ

NOTES

लोअर शैक्षिक उपलब्धियों बच्चे कम विकलांग के बिन अपने साथियों से स्कूल शुरू तथा रहने की कम दर की संभावना और स्कूलों में प्रचारित किया जा रहा है। शिक्षा पूरी होने के बाद पैटर्न गरीब देशों में और अधिक स्पष्ट के साथ, दोनों कम आय और उच्च आय वाले देशों में समस्त आयु समूहों के पार पाए जाते हैं। विकलांग बच्चों का प्रतिशत तथा गैर विकलांग बच्चो प्राथमिक विद्यालय पर्वतमाला में हिस्सा लेने की इंडोनेशिया में 60% तक भारत में 10% से प्रतिशत के बीच का अंतर। माध्यमिक शिक्षा में उपस्थिति में अन्तर कंबोडिया में 15% से इंडोनेशिया में 58% के साध्य है। यहाँ तक कि इस ढ़ग के पूर्वी यूरोप में उन के रूप में उच्च प्राथमिक विद्यालय नामांकन दरों, साथ देशों में, विकलांग के साथ अनेक बच्चों स्कूल में भाग लेने नहीं है। कम विकलांग आर्थिक भागीदारी करने वाले लोगों के बेरोजगार होने के लिए और जब कार्यरत सामान्य तौर पर कम भी संभावना है। विश्व स्वास्थ्य सर्वेक्षण से वैश्विक डेटा बताते हैं कि रोजगार दरों विकलांग पुरूषों (53%) तथा विकलांग महिलाओं (20%) गैर विकलांग पुरूषों (65%) और महिलाओं (30%) के लिए की तुलना में कम कर रहे हैं के लिए। अर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) (25) से एक ताजा अध्ययन से पता चला है 27 देशों में workingage कि विकलांग व्यक्तियों का अनुभव महत्वपूर्ण श्रम बाजार नुकसान तथा विकलांग के बिना workingage व्यक्तियों से भी बदतर श्रम बाजार परिणामों। औसत पर, अपने रोजगार की दर 44% पर आधे से ज्यादा है कि लोगों के लिए विकलांगता (75%) के बिना किया गया था। निष्क्रियता दर विकलांगता के बिना व्यक्तियों के मध्य लगभग 2.5 गुना अधिक है (49% और 20% क्रमशः) विकलांग के साथ गरीबी लोग की उच्च दर इस प्रकार गैर-विकलांग लोगों की तुलना में गरीबी की उच्च दर का अनुभव। व्यक्तियों और एक के बिना घरों की तुलना में तथा कम संपत्ति- खाद्य असुरक्षा, गरीबी आवास, सुरक्षित पानी और स्वच्छता के उपयोग की कमी, और स्वास्थ्य देखभाल के लिए अपर्याप्त उपयोग सहित- औसत पर, विकलांग और एक विकलांग सदस्य के साथ परिवारों के साथ लोगों को कमी की उच्च दर का अनुभव विकलांगता। विकलांग लोगों को व्यक्तिगत समर्थन के लिए या चिकित्सा देखभाल या सहायक उपकरणों के लिए अतिरिक्त लागत हो सकती है। क्योंकि इन ज्यादा लागत की, विकलांग तथा उनके परिवारों के साथ लोगों को समान आय के साथ गैर-विकलांग लोगों की तुलना में गरीब होने की कोशिश है। कम आय वाले देशों में विकलांग लोगों की 50% अधिक गैर-विकलांग लोगों (4) से आपत्तिजनक स्वास्थ्य व्यय अनुभव होने की संभावना है। बढ़ी हुई निर्भरता और संस्थागत समाधान पर प्रतिबंधित भागीदारी रिलयांस, समुदाय में रहने वाले और अपर्याप्त सेवाओं की कमी पृथक और दूसरों पर निर्भर विकलांग लोगों के छोड़ दें। संयुक्त राज्य अमेरिका में विकलांगता के साथ 1505 गैर बुजुर्ग वयस्कों के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 42% में या एक बिस्तर अथवा एक कुर्सी से बाहर ले जाने लिए विफल होने की जानकारी दी है

NOTES

क्योंकि कोई भी यहायता करने के लिए (26) उपलब्ध था। आवासीय संस्थनों सारांश 12 स्वायत्तता की कमी, व्यापक समुदाय से विकलांग लोगों के अलगावा, और अन्य मानव अधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार होने की सूचना है। अधिकांश समर्थन परिवार के सदस्यों अथवा सामाजिक नेटवर्क से आता है। लेकिन अनौपचारिक समर्थन पर विशेष निर्भरता देखभाल करने वाले के लिए प्रतिकूल परिणामों, तनाव, अलगाव, और खो सामाजिक आर्थिक अवसरों सहित हो सकता है। इन परेशानियों परिवार के सदस्यों का उम्र के रूप में वृद्धि हुई है। विकास विकलांग बच्चों के परिवारों के संयुक्त राज्य अमेरिका के सदस्यों में अन्य परिवारों में उन लोगों की तुलना में कम घंटे कार्य करते हैं, है, और अधिक उनके रोजगार को छोड़ दिया है कि संभावना है और ज्यादा गंभीर वित्तीय समस्या है, और कम एक नया काम पर ले जाने की संभावना है। बाधाओं और असमानताओं को संबोधित करते यह रिपोर्ट कैसे बाधाओं को जो विकलांग लोगों के स्वास्थ्य, पुनर्वास, समर्थन और मदद वातावरण, शिक्षा और रोजगार में सामना काबू पाने के लिए पर सबसे अच्छा उपलब्ध वैज्ञानिक बाबूत संश्लेषण करती। विस्तृत जानकारी की रिपोर्ट अध्यायों में पाया जा सकता है, समीक्षा यहाँ CRPD के साथ लाइन में विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार लाने के लिए दिशा प्रदान करना है। अधि ाक समावेशी मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के समस्त स्तरों बनाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों विकलांग स्वास्थ्य असमानताओं और unmet की आवश्यकता कम हो जाएगा के साथ लोगों को सुलभ बनाने के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए बाधाओं को संबोधित करते। दृष्टिकोण की एक किस्म, इस प्रकार की सुविधाओं के लिए संरचनात्मक संशोधनों के रूप में भौतिक, संचार और संचार बाधाओं को दूर करने, सार्वभौमिक डिजाइन सुविधाओं के समक्ष उपकरणों का उपयोग उचित प्रारूप में सूचना संप्रेषण, नियुक्ति प्रणाली में समायोजन करने और के वैकल्पिक मॉडल का उपयोग मुख्य धारा स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में इस्तेमाल किया गया है सेवा प्रदान करना। समुदाय आधारित पुनर्वाय मौजूदा सेवाओं में तथा स्क्रीनिंग में विकलांग लोगों के लिए पहुँच को सुविधाजनक बनाने तथा निवारण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को बढ़ावा देने के Lessresourced सेटिंग्स में सफल रहा है। उच्च आय वाले देशों में विकलांगता का उपयोग और गुणवत्ता मानकों सार्वजनिक, निजी, और स्वैच्छिक सेवा प्रदाताओं के साथ अनुबंध ा में सम्मिलित किया गया है। सेवाओं को लक्षित, व्यक्तिगत देखभाल की योजना को विकसित करने, और की पहचान करने के लिए एक देखभाल समन्वयक जटिल स्वास्थ्य जरूरतों तथा मुश्किल से पहुँच के समूहों के साथ लोगों तक पहुँच सकते है के रूप में इस तरह के उपायों। विकलांग लोगों को प्राथमिक देखभाल टीमों से सेवाओं, वल्कि विशेषज्ञ सेवाओं, संगठनों प्राप्त करना चाहिए, तथा व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए संस्थानों उपलब्ध होना चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा प्रदाता व्यवहार, ज्ञान, और कौशल में सुधार करने के लिए, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए शिक्षा प्रासंगिक विकलांगता जानकारी हो की आवश्यकता है। विकलांग लोगों को सम्मिलित शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रदाताओं ज्ञान और व्यवहार में सुधार कर सकते हैं। विकलांग लोगों के सशक्तिकरण बेहतर आत्म प्रबंधन पाठ्क्रम साथियों के समर्थन के माध्यम से अपने स्वास्थ्य का प्रबंधन करने तथा जानकारी प्रवाधान स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने में अपने प्रभवी है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम कर सकते हैं। वित्तपोषण विकल्पों की एक सीमा कवरेज तथा स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की सामर्थ्य में सुधार करने की क्षमता है। ये विकलांगता पर है कि बीमा और विश्व रिपोर्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 13 copayments विकलांग लोगों के लिए सस्ती कर रहे हैं सुनिश्चित करने में शम्मिलित हैं। विकलांग लोगों के जो वित्तपोषण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के अन्य साधन, बाहर की जेब से भुगतान को कम करने, और सहायता प्रदान करने अप्रत्यक्ष लागत को पूर्ण करने के स्वास्थ्य देखभाल में विकलांग बच्चों के शमिल किए जाने सार्वभौमिक प्राथमिक पुर्ण को बढ़ावा देता है, लागत प्रभावी है और भेदभाव के उन्मूलन के लिए योगदान देता है। शिक्षा के क्षेत्र में विकलांग बच्चों सहित प्रणालियों और स्कूलों में बदलाव की आवश्कता है। शिक्षा के समावेशी सिस्टम की सफलता बहुत हद तक एक देश की उचित कानून को अपनाने के लिए प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है; स्पष्ट नीति दिशा प्रदान करते है; कार्रवाई की राष्ट्रीय योजना विकसित करना; कार्यान्वयन के लिए बुनियादी ढ़ाचे तथा क्षमता की स्थापना; और लम्बी अवधि के वित्त पोषण से लाभ। यह सुनिश्चित करना शिक्षा का एक ही मानक हो सकता है कि विकलांग बच्चों के रूप में अपने साथियों ज्यादातर वृद्धि वित्तपोषण की आवश्यकता है। एक समावेशी सीखने के माहौल बनाना सीखने और अपनी क्षमता को प्राप्त करने में सभी बच्चों को सहायक करेंगे। शिक्षा प्रणाली परीक्षा प्रणाली के पाठ्यक्रम में परिवर्तन, शिक्षण विधियों और सामग्री, और मूल्यांकन और के साथ और ज्यादा शिक्षर्थी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। कई देशों में एक उपकरण शैक्षिक सेटिंग्स में विकलांग बच्चों के सम्मिलित किए जाने का सर्मथन करने के रूप में अलग-अलग शिक्षा योजनाओं को अपनाया है। शारीरिक बाधाओं के साथ शिक्षा के क्षेत्र में विकलांग सारांश 16 चेहरे बच्चों को आसानी से इस प्रकार के कक्षाओं के लेआउट बदलने के रूप में सरल उपायों के साथ दूर किया जा सकता से कई। कुछ बच्चों को, विशेषज्ञ शिक्षा के शिक्षकों, कक्षा सहायकों सहित अतिरिक्त सहायता सेवाओं के लिए उपयोग की जरूरत होगी और चिकित्या सेवाओं।

Q.1 दिशा शर्तों को परिभाषित करे:

सामाओं के एक नंबर होगा। ये सीमाएँ बड़े मोटर कौशल, छोटे मोटर कौशल में में जरूरत अतिरिक्त आंदोलनों कि अनैच्छिक हैं में घाटे से संबंधित हो सकता है।

यह एक बच्चे कि असामान्य लग रहा है कि किसी भी बदलने या यहाँ तक आराम से, जबकि करने के लिए कोशिश कर रहा है हो सकता है। के विभिन्न सीमाओं कि सीपी के साथ एक बच्चे के साथ सौदा करना चाहिए पर दृष्टि डालते है:—

मोशन रेंज में सीमाओं। दिमाग पक्षाघात के साथ बच्चे अक्सर काठिन्य की है। यदि यह पैरों में काठिन्य, वे पैरों की कैंची उपस्थिति जब पैर बढ़ाया जाता है हो सकता है। यह ambulation सीमित हो जाता है कि बच्चे व्हीलचेयर बाध्य होने के लिए अथवा एक वॉकर या अन्य यहायक उपकरण के उपयोग के साथ चल सकता है की जरूरत है शायद।

NOTES

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) 'शिक्षण तकनीकी' को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

(2) शिक्षकों के लिए दी गई युक्तियों को लिखिए।

(3) शिक्षण कार्य में वातावरण का क्या योगदान है? समझाइये।

(4) बालक के लिए घर की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(5) निम्न पर टिप्पणी लिखिए:—

(i) घर और पर्यावरण

(ii) शिक्षण तकनीकी

लघु उत्तरीय प्रश्न

(1) पर्यावरण की भूमिका को स्पष्ट की स्पष्ट कीजिए।

(2) पर्यावरण से आप से आप क्या समझते हैं?

(3) शिक्षण तकनीकी की क्या अर्थ है?

(4) बालक के लिए विद्यालय की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(5) विद्यालय पर वातावरण का क्या प्रभाव पड़ता है?

●●

10 सुगम अध्यायन-शिक्षा IEP, TLM का विकास, सहायक तकनीक

अध्याय में सम्मिलित विषय सामग्री

- प्राक्किथन
- शिक्षा के लिए मार्ग दर्शन
- टी. एल. एम.
- परीक्षा उपयोग प्रश्न

उद्देश्य— इस अध्याय अध्ययन के पश्चात् आप निम्न तथ्यों को समझ सकेगें:—

- प्राक्कथन
- शिक्षण के लिए मार्ग दर्शन
- टी. एल. एम.
- टी. एल. एम.

प्राक्कथन

एक संघीय कानून कहा जाता विंकलांग शिक्षा अधिनियम के साथ व्यक्तियों (आईडिया) की जरूरत है कि पब्लिक स्कूलों प्राप्त हर बच्चे के लिए एक IEP बनाने विशेष शिक्षा सेवाओं। हाई स्कूल स्नातन या 22 की एक अधिकतम उम्र (जो पहले हो) के माध्यम से 3 साल की उम्र से बालकों को एक IEP लिए योग्य हो सकते।

IEP प्रत्येक बच्चे की अद्‌वितीय सीखने मुद्दों का समाधान करने के लिए होती है तथा विशिष्ट शैक्षिक लक्ष्यों को शामिल किया गया है। यह कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज है विद्यालय सब कुछ यह IEP में वादा किया प्रदान करनी चाहिए।

यहाँ एक IEP में शामिल करना चाहिए पर एक नजर, कानून के माध यम से बताया गया है:

- अपने बच्चों का विवरण प्रदर्शन (खटखटाने) की रो वर्तमान स्तर-यह कैसे अपका बालक विद्यालय में अब आ रहा है
- आपके बच्चे वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों
- विशेष शिक्षा का समर्थन करता है तथा सेवाओं है कि विद्यालय प्रदान करेगा अपने बच्चे को लक्ष्य हासिल कर पाएं
- संशोधन और रहने की जगह स्कूल में सहायता करने के लिए अपने बच्चे प्रगति प्रदान करेगा
- अपने बालकों को जब मानकीकृति परीक्षणों लेने की अनुमति दी जाएगी आवास
- कैसे और कब विद्यालय के लिए अपने बच्चे को मापने होगा वार्षिक लक्ष्य की ओर प्रगति
- संक्रमण की योजना बना है कि हाई स्कूल के पश्चात् जीवन के लिए तैयार करता है किशोर

कौन एक IEP के लिए उत्तीर्ण?

आपका बच्चा गणित वर्ग में संघर्ष, और स्कूल के पश्चात् शिक्षक की हस्तक्षेप-अलावा मदद, उसकी गलतियाँ है। इसे मदद सही करने के लिए एक मौका। इस तरह एक परिद्यश्य अपने बच्चे को नहीं है एक IEP के लिए पात्र। पूर्व में एक बच्चे विशेष शिक्षा सेवाओं प्राप्त कर सकते हैं दो बातें होती हैं चाहिए।

1. एक मूल्यांकन। माता-पिता, शिक्षकों, एक परामर्शदाता, एक चिकित्सक अथवा जो एक बच्चे को शक है किसी और को कर सकते हैं जूझ रहा है एक

NOTES

मूल्यांकन का अनुरोध। स्कूल मनोवैज्ञानिक और अन्य पेशेवरों के लिए अपने बच्चे भिन्न-भिन्न परीक्षणों दे सकता है। उन्होनें यह भी कक्षा में अपने बालक को देख सकते हैं।

ध्यान रखें कि एक चिकित्सक अथवा चिकित्सा पेशेवर नहीं स्कूल निदान चिकित्सा शर्तों, सहित एडीएचडी। स्कूल मूल्यांकनकर्ताओं "निदान।" की वेशकश नहीं के बारे में और ज्यादा जानकरी प्राप्त व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया।

2. एक निर्णय। IEP टीम है, जो माता-पिता तथा स्कूल के अधिकारियों, शामिल हैं का फैसला करता है या नहीं, अपने बालक को आदेश जानने के लिए विशेष शिक्षा सेवाओं की जरूरत सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम। आईडिया का कहना है कि हो रही 13 विकलांग के किसी भी विशेष शिक्षा के लिए एक बालक अर्हता प्राप्त कर सकते। स्कूल और माता-पिता के मूल्यांकन समीक्षा करेंगे और निर्धारित परिणाम बताते हैं कि क्या है कि आपके बालक सेवाओं और समर्थन की जरूरत है।

IEP टीम इस बात से सहमत हैं कि आपका बच्चा सेवाओं की आवश्यता है, तो अगले कदम के एक IEP तैयार करना है। अपने बच्चे को अयोग्य पाया जाता है, तो आप सभी भी सेवाएँ प्राप्त करने की कोशिश कर सकते हैं अपने बालक के लिए।

एक IEP में क्या है?

IEP को बच्चों की अद्‌वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन कर रहे हैं। इसका मतलब है कि हर IEP भिन्न दिखेगा। लेकिन कानून द्‌वारा, सभी IEP को निम्नलिखित तत्व शामिल होना चाहिए।

आपके बालक के शैक्षिक प्रदर्शन (खटखटाने) के वर्तमान स्तर: यह आपके बालक वर्तमान क्षमताओं, कौशल, कमजोरियों और ताकत का पूर्ण रूप से वर्णन है। यह IEP का हिस्सा बताते हैं कि कैसे अपने बच्चे की सीखने मुद्दों सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम जानने के लिए अपनी क्षमता को प्रभावित कर रहा है। खटखटाने से (भी कभी-कभी पीएलपी अथवा PLAAFP कहा जाता है) पर कैसे अपने बच्चे को शैक्षिक विषयों और हर रोज अथवा "कार्यात्मक" गतिविधियों, सामाजिक तरल संभालती विवरण सम्मिलित हैं।

खटखटाने से शिक्षक टिप्पणियों पर आधारित होना चाहिए तथा उद्देश्य डेटा, परिक्षण के परिणाम की तरह। यह महत्वपूर्ण है कि खटखटाने से बस कॉपी नहीं है एक वर्ष की IEP से अलग करने के लिए "जैसा है"। हर साल अपने बालक को परिपक्व होती है और स्वामी कौशल। और हर साल काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। तो अपने प्रदर्शन और आवश्यकताऐं बदल जाएगा।

अपने बालक के मूल्यांकन और परीक्षण के परिणामः इस जिले में व्यापक तथा राज्य आकलन शामिल होना चाहिए।

NOTES

विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के प्रदान करने की IEP बाहर मंत्र क्या मदद और सेवाओं के प्रकार अपने बालक को प्राप्त होगा। अपने बालक के लिए जा रहा है स्पीच थेरेपी, उदाहरण के लिए, यह कहना होगा कितने मिनट एक सप्ताह वह इस चिकित्या प्राप्त होगा।

आवास और संशोधनः ये यहायता अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम सीखते हैं। आवास में बदलाव कर रहें हैं कि कैसे एक बच्चे को पता चलता कि वह क्या सीखा है। वे उसके सीखने मुद्दों पर अपने बच्चे को काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, वह परीक्षण पर अलावा समय दिया जा सकता है।

संशोधन में बदलाव कर रहें हैं क्या करने के लिए सिखाया या एक छात्र की उम्मीद है। कुछ IEP को यह ग्रेड-स्तर उम्मीदों एक बच्चे अगले ग्रेड पर जाने के पूर्ण करना होगा का प्रतिशत को परिभाषित करता है क्या कहते हैं है "संशोधित प्रचार मापदंड"।

पूरक एड्स तथा सेवाओंः इन का समर्थन करता है एक बच्चे का सामान्य शिक्षा कक्षा में जानने में मदद कर रहे हैं। वे एक एक पर एक सहयोगी सम्मिलित हो सकता है कक्षा नोट्स, उपकरण अथवा प्रकाश डाला सहायक तकनीक इस तरह के सॉफ्टवेयर के रूप में।

वार्षिक शैक्षिक लक्ष्योंः ये, यथार्थवादी प्राप्त तथा मध्यम श्रेणी का होना चाहिए। IEP शैक्षिक और सूचीबद्ध करता है कार्यात्मक कौशल कि IEP टीम सोचता है कि अपने बालक को साल के अंत तक प्राप्त कर सकते हैं। वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों की मदद करनी चाहिए अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा कक्षा में हिस्सा लेते हैं।

अपने बच्चे को एकाधिक या गंभीर विकलांग है, तो कानून है कि IEP सूची अल्पकालिन लक्ष्यों की जरूरत है। ये भी उद्देश्यों या मानक कहा जाता है।

कैसे अपने बच्चे की प्रगति मापा जाएगा तथा सूचना के लिए आप का विवरण कानून के अनुसार, IEP समझाने चाहिए कि कैसे स्कूल लक्ष्य की ओर अपने बालक की प्रगति को ट्रेक करेगा। और यह वर्णन करना चाहिए कि कैसे विद्यालय आप के साथ उन परिणामों को साझा करेंगे।

उदाहरण के लिए, एक लक्ष्य हो सकता है कि आपके बालक ग्रेड स्तर पढ़ने में सक्षम हो। IEP के लिए उदाहरण तथा कितनी बार उन परिणामों आप के लिए सूचित किया जाएगा, कि कैसे हो जाएगा पर नजर रखी-अनौपचारिक तथा औपचारिक आकलन निर्दिष्ट करेगा। इन अंतरिम रिपोर्ट दिखाती है कि आपके बच्चे की

NOTES

प्रगति रूक गई है, तो आप और IEP टीम नवीन उपायों पर चर्चा हो सकती है।

कितना अपने बच्चे को सामान्य शिक्षा वर्गों और गतिविधियों में हिस्सा लेंगे के बारे में स्पष्टीकरण: पूरा स्तर संभर पर भागीदारी कानून द्वारा जरूरी है। यह कहा जाता है कम से कम प्रतिबंधन वातावरण।

तारीख IEP में लागू होंगे: अनेक राज्यों में इस के लिए औपचारिक समय है।

आपके बच्चे की उम्र और स्थिति पर निर्भर करता है, उसकी IEP भी सम्मिलित हो सकता है।

एक संक्रमण योजना: इस में लात मारता है, जब आपका बच्चा 16 बदल जाता है संक्रमण की योजना बना सेवाओं और समर्थन भी सम्मिलित है उच्च विद्यालय से एक छात्र स्नातक में मदद और विधि पश्चात् के उच्च विद्यालय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए।

विस्तारित स्कूल वर्ष सेवाएँ: कुछ छात्रों में इस तरह के रूप में गर्मियों के समय नियमित रूप से स्कूल वर्ष के बाहर विशेष शिक्षा सेवाओं, प्राप्त अथवा कम सामान्य, सर्दियों तोड़ने की तरह विस्तारित ब्रेक के दौरान।

कौन एक IEP उत्पन्न करता है?

आपके बच्चे के IEP टीम IEP पैदा करता है। टीम प्रत्येक व्यक्ति को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कानून के अनुसार, टीम में सम्मिलित है:

- तुम्हें पता है, छात्र 's माता-पिता (रों) आईडिया अभिभावकों को अपने बच्चे के सभी में हिस्सा लेने के कानूनी अधिकार देता है, रो IEP बैठकों। अभिभावकों के रूप में, आप की टीम के एक पूर्ण और समान सदस्य रहे हैं। सब के पश्चात् आप शायद अपने बच्चे को पता है कि एस शक्तियों और किसी और की तुलना में बेहतर संघर्ष। अपनी चिंताओं तथा उनकी शिक्षा के बारे में सुझाव अमूल्य रहे हैं।
- कम से कम अपने बच्चे में से एक 's सामान्य शिक्षा के शिक्षकों।
- कम से कम एक विशेष शिक्षा शिक्षकों अथवा अन्य विशेष शिक्षा प्रदाता।
- एक स्कूल जिला प्रतिनिधि दोनों सामान्य शिक्षा तथा विशेष शिक्षा के बारे में जानकार। इस व्यक्ति का भी निर्णय है कि स्कूल संसाधनों को सम्मिलित करने के लिए अधिकार होना चाहिए। दूसरें शब्दों में, स्कूल प्रतिनिधि सोचता है कि यदि आपके बालक स्पीच थेरेपी दी जानी चाहिए, वह ऐसा करने के लिए अधिकार होना चाहिए।
- एक स्कूल मनोवैज्ञानिक अथवा विशेषज्ञ जो छात्र व्याख्या कर सकते है एस मूल्यांकन और परीक्षण के परिणाम।

• जब अपने बच्चे को 16 बदल जाता है, वह उसकी IEP टीम के एक सदस्य के रूप में हिस्सा लेने और एक संक्रमण योजना विकसित करने में सहायता की उम्मीद की जा जाएगा। कोई बाहरी एजेंसी से, इस तरह के एक पोस्ट के रूप में एक प्रतिनिधि-उच्च विद्यालय व्यावसायिक कार्यक्रम, बैठकों में सम्मिलित हो सकते।

NOTES

तुम भी अपने बच्चे की IEP बैठक में भाग लेने अन्य लोगों को आमंत्रित करने का अधिकार है। और सहभागियों के स्कूल अग्रिम लिखित नोटिस भेजने के लिए सुनिश्चित करें। आप इसे उपयोगी आमंत्रित करने के लिए मिल सकता है:

• आप एक पेशेवर कार्य पर रखा गया है, जो ज्ञान अथवा आपके बच्चे के बारे में विशेषज्ञता हासिल है। उदाहरण: एक निजी शिक्षक अथवा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर (जैसे कि एक के रूप में भाषण भाषा रोगविज्ञानी)।

• एक दोस्त एक के रूप में सेवा करने के लिए "कान के अतिरिक्त जोड़ी" अथवा आप के लिए नोट लेने के लिए।

• एक अनुवादक, यदि आप 'बहरा फिर या डॉन' टी बोलते हैं या धाराप्रवाह अंग्रेजी पढ़ें। आप विद्यालय एक अनुवादक प्रदान करने के लिए कह सकता है। आईडिया की आवश्यकता है कि स्कूल जिलों माता-पिता जो इस सेवा की जरूरत है समायोजित करने के लिए उनकी पूर्ण कोशिश।

• तुम्हारा बच्चा। यदि आपका बालक जवान है, तो आप इस से अधिक IEP टीम के साथ बात करने के लिए कर सकते हैं। अपने बच्चे पर विचार करें, रों उम्र कैसे उसकी हालत उसे, परिपक्वता के बारे में उनकी स्तर तथा सूचना एक IEP बैठक के दौरान चर्चा को समझने के लिए अपनी क्षमता को प्रभावित करता है।

IEP को में लक्ष्यों को किस प्रकार कर रहे हैं?

कानून की जरूरत है कि हर IEP शामिल वार्षिक शैक्षिक लक्ष्यों को छात्र के लिए IEP लक्ष्यों, विशिष्ट यथार्थवादी और मध्यम श्रेणी का होना चाहिए। यह बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह है कि कैसे आप टीम यदि आपके बालक अच्छी प्रगति कर कहा है बता सकते है।

"जेक अपने पढ़ने कौशल में सुधार होगा" है नहीं एक विशिष्ट अथवा औसत दर्जे का लक्ष्य। आप उसके सुधार कैसे मापते है? सुधार कितना पर्याप्त है?

यहाँ कैसे एक, विशिष्ट यथार्थवादी तथा मध्यम श्रेणी का लक्ष्य बनाने के लिए का एक उदाहरण है। एक दूसरे ग्रेड किताब को देखते हुए, जेक याद्यच्छिे गलतियों के साथ 110-130 wpm में मौखिक रूप से एक मार्ग को पढ़ने के लिए (प्रति मिनट शब्द) में सक्षम हो जाएगा।

NOTES

IEP टीम की बैठक में लक्ष्यों को उत्पन्न करता है। जब लक्ष्यों का मूल्यांकन आप चार्च:

- अपने बच्चे को दिखा माप लक्ष्य की ओर प्रगति। मानकीकृत परिक्षण तथा पाठ्यक्रम आधारित माप (सीबीएम) प्रगति को मापने के दो उद्देश्य ढंग हैं। सीबीएम लगातार प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों को शमिल-सक्षित परिक्षण-निर्धारण करने के लिए कितनी अच्छी प्रकार एक छात्र प्रगति पर है। IEP लक्ष्यों को एक विशिष्ट और मध्यम श्रेणी का रास्ता में लिखे गये हैं, तो यह जानकारी आप कैसे अपने बालक को क्या कर रहा है की एक अच्छी तस्वीर पेश करेंगे।

- लक्ष्य की ओर प्रगति आप को सूचित किया जाएगा। यह नियमित रूप से किया जाना चाहिए। बस नहीं एक बार एक साल। आप करूँगा सामान्य तौर पर लक्ष्य की ओर प्रगति पर एक रिपोर्ट भेजी जब रिपोर्ट कार्ड जारी किए जाते हैं।

क्या IEP बैठकों में क्या होता है?

कानून एक साल में कम से कम एक बार IEP की समीक्षा करने के IEP टीम की जरूरत है। लेकिन IEP टीम किसी भी समय आप या स्कूल एक बार बैठक चाहते मिल सकते हैं। कई टीमें साल में एक बार की तुलना में अधिकांश मिलते हैं।

IEP बैठक सुनिश्चित करते हुए अपने बच्चे की IEP उसके लिए कार्य कर रहा है के लिए महत्वपूर्ण है। यह आप शिक्षकों आपके बच्चे की कमजोरियों और शक्ति के साथ चर्चा करने का मौका देता है। आपका बच्चा किसी भी अपने लक्ष्यों को पूर्ण नहीं किया, तो उस तिमाही, आप अपने बच्चे को मदद करने के लिए नए तरीके बाहर हथौड़ा कर सकते हैं। यह लक्ष्य को संशोधित करने और उम्मीदों का समायोजन हो सकता है। या यह अपने बच्चे को अधिक अथवा सेवाओं और समर्थन के विभिन्न प्रकार देने के हो सकता है।

IEP बैठक है, जब आप, शिक्षकों तथा स्कूल देने के लिए और कैसे बच्चे को क्या कर रहा है पर इनपुट मिलता है। आप पर चर्चा करेंगे कि क्या कारगर है, क्या बदलने की आवश्यकता है, और अपने बच्चे को हो रहा है या आगे पीछे रहा। आपके बच्चे की भावनाओं और मंशा, बातचीत में सम्मिलित किया जाना चाहिए या नहीं, वह IEP बैठक में आती है।

यहाँ कुछ अन्य मुख्य बातें आप पर तथा टीम के बाकी वार्षिक दौरान चर्चा कर सकते हैं IEP समीक्षा बैठक:

- आपके बालक 's ताकत। किसी भी सफलता के लिए अपने बच्चे स्कूल के बाहर किया गया है साझा करें। चलो एसा कहना अपने बच्चे को ध्यान मुद्दों और सामाजिक कौशल के साथ के साथ संघर्ष। उनकी IEP टीम है कि वह यह

आसान अपने फुटबॉल कोच से निर्देशों का पालन करने के लिए मिलता है तथा टीम के साथी सहयोग में बेहतर है जानना चाहता हूँ जाएगा।

NOTES

• अपनी चिंताओं तथा अपने बच्चे को सुधारने के लिए सुझाव शिक्षा। बैठक साझा करने के लिए जहाँ आप अभी भी देखने के लिए अपने बच्चे के लिए संघर्ष एक अच्छा समय है। वह अभी भी एक कठिन समय वर्तनी है? वह निरंतर कार्य खो रहा है? आप उसके लिए आसान इन कार्यों को करने के लिए किसी भी विचार है, तो आप उन्हें साझा कर सकते हैं।

• कितनी सही प्रकार से संशोधन और (जैसे कि आवास सहायता तकनीक) की सहायता कर रहे हैं। यदि वे नहीं कर रहे टी की उम्मीद के रूप में अपने बच्चे की मदद करने, टीम उन्नयन पर चर्चा कर सकते हैं, बंद किए जा रहे हैं या उन्हें जगह। टीम ने किसी भी नवीन शिक्षा और प्रौद्योगिकी उपकरण है कि आपके बच्चे के लिए सही हो सकता है पर विचार कर सकते हैं।

• अपने बच्चे के परिणाम पहला अथवा हाल ही में मूल्यांकन, अगर वहाँ एक है। आपके बच्चे को प्रत्येक तीन साल में मूल्यांकन किया जाना चाहिए। स्कूल मनोवैज्ञानिक या पेशेवर मूल्यांकन का आयोजन सामान्य तौर पर IEP बैठक में परिणामों की व्याख्या करेगा।

बैठक के दौरान दल के नेता शैक्षणिक और कार्यात्मक प्रदर्शन (खटखटाने) और लक्ष्यों की आपके बच्चे के अभी के स्तर के बारे में एक बयान लिखेंगे। बयान क्या आप और टीम की बैठक में चर्चा की है पर आधारित है। दल के नेता भी IEP में कोई बदलाव है कि टीम सहित आप है पर सहमति दस्तावेज होगा।

कैसे एक IEP प्रभाव में चला जाता है?

स्कूल विशेष शिक्षा सेवाएँ प्रदान जब तक आप अपने अनुमति है, जो कानून के रूप में के लिए संदर्भित करता देना शुरू नहीं कर सकते "सहमति"। तुम IEP बैठक के आखिर में कहा जा सकता है प्रस्तावित IEP हेतु अपनी सहमति देने के लिए। (कुछ राज्य माता-पिता की जरूरत होती है एक हस्ताक्षर की तरह, लिखित अनुमति देने के लिए। कुछ राज्यों में नहीं है)।

आप मौके पर अंतिम निर्णय लेने से सहज अनुभव नहीं करते हैं, तो आप इसकी समीक्षा करने IEP घर ले जाने का अधिकार है। कुछ स्कूलों में जल्द ही बैठक के पश्चात् आप के लिए प्रस्तावित IEP की एक प्रति डाक और अपने हस्ताक्षर के लिए पूछना। सुनिश्चित करे हस्ताक्षर करने से पहले उसमें जो कुछ अच्छी तरह जांचें।

आप पूर्ण रूप से प्रस्ताविक IEP से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप कुछ ही विकल्प है:

NOTES

● आप प्रस्तावित IEP के सिर्फ भागों स्वीकार कर सकते हैं। जो आइटम आप ये सहमत हैं और जो आइटम आप के साथ, अथवा विवाद असहमत कहो। लिखित रूप में अपनी असहमति के बारे में बताएँ और अपनी आपत्तियों के लिए पूछना IEP में सम्मिलित किया जाना। IEP टीम IEP दस्तावेज के परिशिष्ट के रूप अपनी आपत्तियों शामिल होंगे। सिर्फ IEP के कुछ हिस्सों आप लागू किया जाएगा करने के लिए सहमत हैं।

● समस्त प्रस्ताविक IEP इंकार कर दिया। IEP फार्म पर अपनी असहमति नोट। यदि आप IEP बैठक में अपनी उपस्थिति का संकेत करने के IEP पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा रहे हैं, सुनिश्चित करें कि आपके हस्ताक्षर स्पष्ट रूप से सिर्फ अपनी उपस्थिति प्रस्तावित IEP के लिए आपकी सहमति नहीं इंगित करता है।

● एक अन्य बैठक के लिए पूछें अपनी चिंताओं पर चर्चा की। आप कानूनी किसी भी समय एक IEP टीम मीटिंग कॉल करने के लिए अधिकार नहीं है। आप IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अच्छें रिश्तें है, तो आप शायद चीजों को बाहर कार्य कर सकते हैं।

यह भी जब एक स्कूल अपने बच्चे की IEP बदलना है, विद्यालय आप देने के लिए क्या कहते हैं है कि ध्यान देना महत्वपूर्ण है "पूर्ण लिखित नोटिस।" उदाहरण के लिए, अगर स्कूल में, अपने बच्चे की सेवाओं को कम करने के लिए उन्हें जोड़ने अथवा परिवर्तित उन्हें करना चाहता है किसी भी तरह से, यह लिखित रूप में समय से आगे में बताने के लिए है। पूर्ण निखित सूचना माता-पिता अपने सहमति वापस लेने और स्कूल के साथ विवाद को सुलझाने के मार्ग तलाशने के लिए एक अवसर देता है।

क्या होगा यदि आप एक विवाद है?

वहाँ एक समय था जब आप और विद्यालय आंख नहीं दिख रहा है और अपने मतभेदों के माध्यम से बात नहीं कर सकते हो सकता है। अगर ऐसा होता है, आईडिया माता-पिता देता है अनेक विकल्प।

आप निम्नलिखित चरणों का, ले जा सकते हैं सामान्यतौर पर दिखाए गए क्रम में कर रहे है:

1. एक मध्यस्थता सत्र के लिए पूछें। स्कूल स्वचालित रूप से एक मध यस्थता सत्र प्रदान नहीं करता है, तो आप एक अनुरोध कर सकते हैं। (लिखित रूप में ऐसा करने के लिए सुनिश्चित करें)। इस बैठक में, एक मध्यस्त सहायता करता है हर पार्टी अपनी स्थिति को व्यक्त करने और अन्य दलों के उन को समझते हैं। मध्यस्थ चर्चा का प्रबधंन और सहायता करता है समूह किसी समझौते पर पहुँचने। मध्यस्थ समाधान की सिफारिश अथवा पक्ष लेना नहीं है।

NOTES

2. एक फाइल कारण प्रक्रिया शिकायत। आप वास्तव में मध्यस्त के परिणामों से संतुष्ट नहीं है, तो आप एक प्रार्थना कर सकते हैं कारण प्रक्रिया सुनवाई एक अधिकारिक बैठक जहाँ माता-पिता और विद्यालय के अधिकारियों वर्तमान तर्क और सबूत है एक सुनावाई अधिकारी या प्रशासनिक कानून न्यायाधीश करने के लिए। इस व्यक्ति को है नहीं विद्यालय जिले का एक कर्मचारी।

माता-पिता और जिला वकीलों तथा वर्तमान सबूत लाने के लिए अनुमति दी जाती है। (प्रत्येक राज्य तरीके अलग-अलग है, शिक्षा के अपने राज्य विभाग से परामर्श इस शिकायत दर्ज करने और क्या उस में सम्मिलित करने के लिए पता लगाने के लिए।)

3. एक पकड़ो संकल्प सत्र। कारण प्रक्रिया सुनवाई से पहले, जिले विद्यालय धारण करने के लिए क्या एक कहा जाता है कि आवश्यकता है संकल्प सत्र। यह आपको के मध्य एक बैठक है, IEP टीम और किसी की प्रमुख सदस्य जिले के लिए निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया। आप (अपने खर्च पर) एक वकील ला सकते हैं, परन्तु आप के लिए आवश्यक नहीं कर रहे हैं। जिला स्कूल सिर्फ एक वकील ला सकता है अगर आप कर रहे हैं।

4. एक दीवानी मुकदमा दायर करें। यह अगले विकल्प है यदि आप उचित प्रक्रिया सुनवाई के परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। यह सबसे चरम विकल्प माता-पिता के लिए उपलब्ध है। ऐसा नहीं है कि माता-पिता एक वकील किराया तथा व्यापक कानून कार्यवाही के द्वारा जाने की आवश्यकता है।

5. जब एक समझौता किया है, यह लिखित रूप में मिलता है। बल्कि अगर आप एक समझौते के दौरान मध्यस्थता तक पहुँचते हैं, एक संकल्प सत्र अथवा सिविल सूट आप इनकी एक प्रति लिखित रूप में की आवश्यकता है। वास्तव में, अपने बच्चे की IEP में किए गए परिवर्तन और कदम स्कूल ले लाएगा प्रलेखित किया जाना चाहिए।

निजी स्कूलों IEP को हैं?

निजी विद्यालयों कानून द्वारा अपेक्षित विशेष शिक्षा सेवाएँ प्रदान करने के लिए नहीं कर रहे हैं। यदि आपका बच्चा एक में है निजी स्कूल, आप पब्लिक स्कूल जिले विशेष शिक्षा सेवाओं के लिए अपने बालक का मूल्याकंन करने के लिए कह सकते हैं। जिले आपके अनुरोध करने के लिए सहमत हैं, तो मूल्यांकन आप कोई शुल्क लिए आयोजित की जाएगी।

आईडिया प्रदान करने के लिए कुछ सार्वजनिक धन भिन्न सेट करने के स्कूल जिलों की आवश्यकता निजी स्कूल में छात्रों के लिए विशेष शिक्षा सेवाओं। लेकिन इस वित्त पोषण सीमित है। अपने बच्चे के स्कूल जिले के साथ कार्य करने के लिए सहमत हैं, वे एक साथ बनाने के लिए क्या एक कहा जाता है काम

NOTES

कर सकते है "सेवाओं योजना।" यह योजना कम सेवाएँ प्रदान करने की तुलना में अपने बालक को एक पब्लिक स्कूल में प्राप्त होगा की संभावना है।

क्या यात्रा को आसान बनाने के कर सकते हैं?

के पश्चात् आप अपने बच्चे की IEP से सहमत हैं और एक प्रति प्राप्त हुआ है, यह इसे दूर फाइल और भूल जाएँ आकर्षक हो सकता है। परंतु ध्यान दे अपने बच्चे को सुनिश्चित करने में मदद करेगा सेवाओं का वादा किया जाता है। के बाद से अनेक लोगों IEP बाहर ले जाने के लिए जिम्मेदार हैं, कभी–कभी विवरण अनदेखी की जा सकती है।

- IEP दल के नेता से संपर्क करें आप चिंता है जब। टीम पर कोई भी आपकी परेशानियों का समाधान कर सकते हैं, तो आप जिले विशेष शिक्षा निदेशक संपर्क कर सकते हैं। आप डॉन हैं, टी जवाब तथा कार्रवाई मिलता है, एक IEP बैटक का अनुरोध करें। आप डॉन टी वार्षिक IEP बैठक के लिए प्रतीक्षा करने के लिए है।

- अपने नियमित रूप से अभिभावक–शिक्षक कॉन्फ्रेंस के दौरान IEP का उल्लेख करना सुनिश्चित करें। यह अगर IEP पीछा किया जा रहा है शिक्षक पूछने का अवसर है। आप किसी भी चिंताओं पर आप आधारित है व्यक्त कर सकते हैं कि तुम क्या' को देख फिर से अपने बच्चे और उनके विद्यालयों में।

- इन सबसे ऊपर, याद रखें कि IEP अपने बच्चे को प्रतिबिंबित करने के लिए की आवश्यकता है' s वर्तमान जरूरतों। आपको बच्चे, मास्तर कौशल में प्रगति ज्ञान प्राप्त करने के लिए जा रहा है। और शायद नवीन चुनौतियों में चलाने। यहि कारण है कि' s क्यों महत्वपूर्ण है उसकी IEP विकसित करने के लिए के लिए। यह तस्तावेज होना चाहिए कि वह' s में महारत हासिल है और नवीन लक्ष्य और आवास सूचीबद्ध करना चाहिए।

- अन्य माता–पिता के साथ कनेक्ट जो IEP को साथ अनुभव है। हमारे में माता–पिता की ऑनलाइन समुदाय का समर्थन, समझ और माता–पिता के परिक्षण सलाह का एक स्रोत हो सकता है।

और अधिक व्यावहारिक सुझावों के लिए हमारे काम का उपयोग करके देखें IEP बैठक टूलकिट आप हर IEP बैठक के लिए तैयार करने में सहायता करने के और अन्य IEP संसाधनों। आप यह भी कर सकते हैं हमारे विशेषज्ञों की ओर रूख कैसे समझते हैं और अपने बच्चे की IRP के सबसे बनाने के लिए पर सलाह के लिए।

उद्देश्य

- सेरेब्रल पाल्सी के कारण बच्चों, युवाओं और शारीरिक और/या मानसिक

विकलांगता की स्थिति में वयस्कों में मदद करने के लिए एक सरल जीवन व्यतीत करने और आत्मनिर्भर उचित इलाज के द्वारा किया जाना है।

- मस्तिष्क पक्षाघात के साथ बच्चों के माता-पिता के लिए भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के लिए और मकसद के लिए उन्हें एक लम्बी अवधि के आधार पर उचित मदद और सेवाओं उनके आश्रित बालकों के लिए प्रदान करते हैं।

- माता-पिता के साथ निकट संबंध बनाए रखने के माध्यम से उपलब्ध सामुदायिक संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से उन सभी सीपी पीड़ित मामलों के पुनर्वास के लिए।

- प्रशिक्षण आयोजित करने के आदमी शक्ति उचित इलाज और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए जरूरी निर्माण करने के लिए।

- सेरेब्रल पाल्सी के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में इस संस्थान का विकास करना।

- सीपी पर सीपी और पठन सामग्री की रोकथाम के लिए तौर-तरीके का प्रचार के माध्यम से जनता में जागरूकता का निर्माण करने के लिए।

अंतरराष्ट्रीय अनुसधान एजेंसियों और संगठनों के अनुसंधान के निष्कर्षों से ज्ञान तथा कौशल का उपयोग करने के लाभ

शिक्षकों के लिए 5.3 मार्गदर्शन

चरण 1. बाल संभवत: विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं की जरूरत होगी, के रूप में पहचान की है।

"बाल का पता लगाएं। राज्य राज्य में विकलांग जो विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं की आवश्यकता के साथ, की पहचान करनी चाहिए का पता लगाने, और मूल्यांकन सभी बच्चों। ऐसा करने के लिए राज्यों का संचालन "बाल खोजे" गतिविधियों। एक बच्चे "का पता लगाएं बाल," के माध्यम से पहचान् की जा सकती है और यदि "बाल खोजे" प्रणाली अपने बच्चे का मूल्यांकन कर सकते माता-पिता कहा जा सकता है। माता-पिता भी "बाल खोजे" प्रणाली फोन ज्यादा चाहते हैं कि उनके बच्चे का मूल्यांकन किया जा सकता है। अथवा

रेफरल या मूल्यांकन के अनुरोध। एक विद्यालय पेशेवर पूछ सकते हैं कि बच्चे अगर वह या वह एक विकलांगता को देखने के लिए मूल्यांकन किया जाना। माता-पिता भी पूछने के लिए कि उनके बच्चे का मूल्यांकन किया जा बच्चे के शिक्षक अथवा अन्य स्कूल पेशेवर संपर्क कर सकते हैं। यह अनुरोध मौखिक या लिखित रूप में हो सकता है। पहले बच्चे मूल्यांकन किया जा सकता अभिभावकों की सहमति की जरूरत है। मूल्यांकन एक उचित समय माता-पिता के पश्चात् सहमति देता है के अंदर पूर्ण किया जाना चाहिए।

NOTES

मूल्यांकन बच्चे की संदिग्ध विकलांगता से संबंधित समस्त क्षेत्रों में बच्चे का आकलन करना चाहिए। मूल्यांकन परिणाम विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए बच्चे की पात्रता तय करने के लिए और बच्चे के लिए एक उपयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम के बारे में निर्णय लेने के लिए उपयोग किया जाएगा। माता-पिता के मूल्यांकन से असहमत हैं, वे एक स्वतंत्र शैक्षिक मूल्यांकन (IEE) के लिए अपने बच्चे को लेने का अधिकार है। वे पाते हैं कि विद्यालय प्रणाली इस IEE के लिए भुगतान पूछ सकते हैं।

योग्य पेशेवरों तथा माता-पिता के एक समूह ने बच्चे के मूल्यांकन परिणाम देखें। साथ में, वे यह निर्णय करें कि बालक, "विकलांग बालक" एक के रूप में विचार से परिभाषित किया। माता-पिता को पात्रता निर्णय को चुनौती देने की एक सुनवाई के लिए कह सकता है। के रूप में आईडिया द्वारा परिभाषित बच्चे, "एक विकलांग बच्चे" एक होना पाया मिलता है, तो वह या विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए पात्र है। 30 कैलेंडर दिनों एक बच्चे के पश्चात् पात्र निध ारित किया जाता है के भीतर, IEP टीम बच्चे के लिए एक IEP लिखने के लिए पूर्ण करना होगा।

चरण 5. IEP बैठक निर्धारित है।

स्कूल प्रणाली कार्यक्रम तथा IEP बैठक आयोजित करता है। स्कूल स्टाफ करना होगा:

- माता-पिता सहित प्रतिभागियों से संपर्क करें;
- काफी पूर्ण सुनिश्चित करें कि वे भाग लेने के लिए एक अवसर बनाने के लिए माता-पिता को देगा;
- एक समय में बैठक अनुसूची और माता-पिता तथा स्कूल के लिए सहमत जगह;
- माता-पिता को बता उद्देश्य, समय तथा बैठक का स्थान;
- माता-पिता जो में हिस्सा लेने दिया जाएगा बताओं; तथा
- माता-पिता बताते हैं कि वे बैठक जो ज्ञान अथवा बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता के लिए लोगों को आमंत्रित कर सकते हैं।

IEP टीम बच्चे की आवश्यकता के बारे में बात करते हैं और छात्र की IEP लिखने के लिए एकत्रित करता है। माता-पिता और छात्र (जब उचित) टीम का हिस्सा हैं। बच्चे की नियुक्ति एक अलग समूह द्वारा निर्णय लिया गया हैं, तो माता-पिता के साथ-साथ उस समूह का भाग होना चाहिए।

इससे पहले कि स्कूल प्रणाली प्रथम बार के लिए बच्चे के लिए विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के प्रदान कर सकता है, माता-पिता की सहमति देना

चाहिए। बच्चे बैठक के बाद जितनी जल्दी हो सके सेवाओं को प्राप्त करने शुरू होता है।

माता-पिता IEP और प्लेसमेंट से सहमत नहीं हैं, वे IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अपनी चिंताओं पर चर्चा करने और एक समझौते पर बाहर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। अगर वे अब भी असहमत हैं, माता-पिता मध्यस्थता के लिए पूछ सकते हैं, अथवा स्कूल मध्यस्थता की पेशकश कर सकते। माता-पिता को राज्य शिक्षा एजेंसी के साथ एक शिकायत दर्ज कर सकते हैं और एक उचित प्रक्रिया सुनवाई जिस पर समय मध्यस्थता उपलब्ध होना चाहिए अनुरोधा कर सकते हैं।

NOTES

विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि बच्चे की IEP किया जा रहा है के रूप में यह लिखा गया था बनाता है। माता-पिता को IEP की एक प्रति दी जाती है। बच्चे के शिक्षकों तथा सेवा प्रदाताओं में से प्रत्येक IEP की पहुंच है और IEP बाहर ले जाने के लिए अपने या अपने विशिसष्ट जिम्मेदारियों को जानता है। यह आवास, संशोधन, और समर्थन करता है कि IEP ध्यान में रखते हुए बालक को प्रदान किया जाना चाहिए, भी सम्मिलित है।

वार्षिक लक्ष्य की ओर बच्चे की प्रगति, मापा के रूप में IEP में कहा गया है। उसके माता-पिता को नियमित रूप से अपने बच्चे की उन्नति के बारे में सूचित कर रहे हैं और कहा कि प्रगति के लिए कि क्या पर्याप्त है बच्चे साल के अंत तक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए। ये प्रगति रिर्पाट में कम से कम के रूप में अधिंकाश माता-पिता को दिया जाना चाहिए के रूप में माता-पिता अपने nondisabled बच्चों की प्रगति के बारे में सूचित कर रहे हैं।

बच्चे की IEP कम से कम एक बार एक वर्ष IEP टीम के माध्यम से समीक्षा की जाती है, या अधिक बार अलग माता-पिता या स्कूल एक समीक्षा के लिए पूछना। यदि जरूरी हो, IEP संशोधित किया गया है। माता-पिता, टीम के सदस्यों के रूप में, इन बैठकों में हिस्सा लेने के आमंत्रित किया जाना चाहिए। माता-पिता को परिवर्तन के लिए सुझाव कर सकते हैं, इस बात से सहमत कर सकते हैं या IEP लक्ष्यों से असहमत हैं, और इस बात से सहमत अथवा नियुक्ति से असहमत हैं।

माता-पिता IEP और प्लैसमेंट से सहमत नहीं है, वे IEP टीम के अन्य सदस्यों के साथ अपनी चिंताओं पर चर्चा करने और एक समझौते पर बाहर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। वहाँ अतिरिक्त परिक्षण, एक स्वतंत्र मूल्यांकन, या मध्यस्थता के लिए पूछ (यदि उपलब्ध हो) या एक कारण प्रक्रिया सुनवाई सहित कई विकल्प, कर रहे हैं। उन्होंने यह भी राज्य शिक्षा एजेंसी के साथ एक शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

NOTES

कम से कम हर तीन साल पर बच्चे को दुबारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यह मूल्यांकन अक्सर एक "त्रिवार्षिक"। कहा जाता है इसका उद्देश्य के रूप में आईडिया द्वारा परिभाषित जानने के लिए कि बालक को एक बना हुआ है कि "एक विकलांग बच्चे," और बच्चे की शैक्षिक आवश्यकतओं क्या कर रहे हैं। हालांकि, बच्चे को अधिक बार बच्चे के माता-पिता या अध्यापक एक नया मूल्यांकन के लिए पूछता है कि स्थिति वारंट अथवा यदि पुनः मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

जाहिर है, IEP विकलांग और जो लोग उन्हें शिक्षित करने में सम्मिलित कर रहे हैं के लिए बच्चों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है। सही तरीके से किया, IEP शिक्षण, शिक्षा और परिणामों में सुधार करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन किया गया हैं के मध्य में। माइड के इस भाग को कैसे IEP लिखा है पर किसके माध्यम बारीकी से लग रहा है, और क्या जानकारी चाहिए, कम से कम, होते हैं।

कानून के अनुसार, IEP बच्चे और शैक्षक अपने या अपने अद्पितीय जरूरतों को पूर्ण करने के लिए डिजाइन कार्यक्रम के बारे में कुछ जानकारी सम्मिलित करना चाहिए। संक्षेप में, यह जानकारी है।

• वर्त्तमान प्रदर्शन। IEP राज्य कैसे बच्चे को वर्तमान में विद्यालय (शैक्षिक प्रदर्शन के वर्तमान स्तर के रूप में जाना जाता है) में कर रहा है चाहिए। यह जानकारी सामान्य तौर पर इस तरह के कक्षा परिणाम और कार्य, अलग-अलग सेवाओं के लिए या पुनर्मूल्यांकन के दौरान पात्रता तय करने के लिए दिए गए परीक्षण, तथा अभिभावकों, शिक्षकों, संबंधित सेवा प्रदाताओं द्वारा की गई टिप्पणियों, और अन्य स्कूल स्टाफ के रूप में मूल्यांकन के परिणाम से आता है। "वर्तमान प्रदर्शन" के बारे में बयान कैसे बच्चे की विकलांगता उसके भागीदारी और सामान्य पाठयक्रम में प्रगति को प्रभावित करता है भी सम्मिलित है।

• वार्षिक लक्ष्यों। इन लक्ष्यों को उस बच्चे यथोचित एक वर्ष में पूर्ण कर सकते हैं कर रहे है। लक्ष्यों को अल्पकालित उद्देश्यों या मानक में टूट जाते हैं। लक्ष्य शेक्षिक हो सकता है, सामाजिक अथवा व्यवहार जरूरतों का पूरा, शारीरिक जरूरतों से संबंधित हैं, या अन्य शेक्षिक आवश्यकताओं को पूरा। लक्ष्यों को औसत दर्जे का अर्थ हो सकता है कि यह मापने के लिए छात्र के लक्ष्य को प्राप्त किया है या नहीं संभव होना चाहिए।

• विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं। IEP को सूचीबद्ध करना चाहिए विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के बच्चे की ओर से बच्चे को उपलब्ध कराई जाने वाली या। पूरक एड्स और सेवाओं है कि बच्चे की आवश्यकता भी शामिल है। यह भी संशोधनों के कार्यक्रम के लिए (परिवर्तन) भी सम्मिलित है या के

लिए समर्थन करता है, स्कूल सर्मियों-इस तरह के प्रशिक्षण या व्यावसायिक विकास-उस बच्चे की मदद के लिए प्रदान किया जाएगा के रूप में।

NOTES

• nondisabled बच्चों के साथ भागीदारी। IEP हद तक समझाने चाहिए (यदि हो तो) के लिए जो बच्चे नियमित रूप से कक्षा में nondisabled बच्चों और अन्य स्कूल की गतिविधियों के साथ हिस्सा लेने के नहीं होंगे।

• राज्य और जिला चौड़ा परीक्षण में भाग लेना। ज्यादातर राज्यों तथा जिलों कुछ ग्रेड या आयु समूह में बच्चों के लिए उपलब्धि परीक्षण दे। IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए इन परीक्षणों के प्रशासन में क्या संशोधन बच्चे की जरूरत होगी। एक परिक्षण बच्चे के उचित नहीं है, तो IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए क्यों परीक्षण उचित और कैसे बच्चे के बजाय परिक्षण किया जाएगा नहीं है।

• तिथि और स्थानों। IEP राज्य जब सेवाओं, शुरू हो जाएगा कि वे कितनी बार प्रदान किया जाएगा, जहाँ वे उपलब्ध कराया जाएगा, और कितनी देर तक वे चलेगा चाहिए।

• संक्रमण सेवा की आवश्कता है। शुरूआत जब बच्चे, (या छोटी यदि उपयुक्त हो) 14 साल की उम्र है, IEP (IEP के लागू भागों के भीतर) को सबोंधित करना चाहिए पाठ्यक्रमों वह या वह अपने या अपने पश्चात् स्कूल के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए ले जाने की जरूरत हैं संक्रमण सेवाओं की जरूरत का विवरण भी बच्चे के पश्चात् IEP को में से प्रत्येक में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

• जरूरत संक्रमण सेवाओं। शुरूआत जग बच्चे, (या छोटी यदि उपयुक्त हो) 16 साल की उम्र है, IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए क्या संक्रमण सेवाओं में सहायता करने के बच्चे को स्कूल छोड़ने के लिए तैयार की आवश्यकता है।

• बालिग होने की उम्र। कम से कम एक साल से पूर्ण बच्चे वयस्कता की उम्र तक पहुँच जाता है शुरू IEP एक बयान है कि छात्र है कि बहुमत की उम्र में उसके समक्ष स्थांनातरित करेंगे किसी भी अधिकार के बारे में बताया जा चुका है सम्मिलित करना चाहिए। (यह बयान केवल कहा गया है कि बहुमत की उम्र में अधिकारों का हस्तांतरण में जरूरत होगी।)

• मापने प्रगति। IEP स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि कैसे बालक की प्रगति माना जाएगा और कैसे माता-पिता है कि प्रगति के बारे में सूचित कर दिया जाएगा।

अधिक जानकारी इन IEP भागों तत्पश्चात् इस गाइड में के बारे में दिया जाएगा। तक नमूना IEP रूप है, प्रस्तुत किया जाएगा का वर्णन संघीय नियमों के साथ "IEP की सामग्री", आप किस प्रकार की जानकारी एक IEP में एक बालक के बारे में कब्जा करने के लिए महत्वपूर्ण है कि पूरी समझ पाने में सहायता

NOTES

करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बच्चे के IEP भिन्न है उपयोगी है। दस्तावेज है कि बच्चे के लिए ही तैयार किया जाता है। ऐसा नहीं है कि बच्चे की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए डिजाइन व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम का वर्णन है।

अमेरिका और स्कूल प्रणाली जानकारी वे एक IEP में आवश्यकता के बारे में लचीलेपन का एक बड़ा सौदा है। कुछ राज्यों और स्कूल प्रणाली IEP में अलावा जानकारी में शामिल करने के लिए अन्य राज्य और संघीय आवश्यकताओं के साथ अपने अनुपालन दस्तावेज के लिए चुना है। (संघीय कानून है कि स्कूल जिलों प्रलेखन बनाए रखने के संघीय जरूरत के साथ उनके अनुपालन प्रदर्शित करने की आवश्यकता है।) सामान्य शब्दों में, IEP को में अतिरिक्त तत्वों दस्तावेज के लिए है कि राज्य या जिला स्कूल जैसे संघीय या राज्य के कानून के कुछ पहलुओं, से मुलाकात की है सम्मिलित किया जा सकता:

- बैठक के आयोजन में लिखने के लिए, समीक्षा और, यदि आवश्यक हो, एक समय पर तरीके से एक बच्चे के IEP को संशोधित,
- प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों वे कानून के तहत राशि की एक प्रति के साथ माता-पिता प्रदान करने;
- कम से कम प्रतिबंधक वातावरण में बच्चे को रखने; तथा
- माता-पिता की सहमती प्राप्त करने के।

विभिन्न स्थानों में IEP प्रपत्र

जबकि कानून हमें बताता है कि कौन सी जानकारी IEP में सम्मिलित किया जाना चाहिए, यह करता है नहीं क्या IEP की तरह दिखना चाहिए निर्दिष्ट करें। कोई एक अथवा हष्टिकोण या उपस्थिति की आवश्यकता है या यह भी सुझाव दिया है। हर राज्य की क्या अपने IEP को कैसा लगेगा फैसला कर सकते हैं। कुछ राज्यों में भिन्न-भिन्न स्कूल प्रणाली के लिए अपने स्वयं IEP रूपों डिजाइन। इ

इस प्रकार संयुक्त राज्य भर में अनेक अलग-अलग रूपों IEP किया जाता है। क्या महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक फार्म के रूप में स्पष्ट है और संभव के रूप में उपयोगी हो, ताकी माता-पिता, शिक्षकों, संबंधित सेवा प्रदाताओं, प्रशासकों, और दूसरों को आसानी से कर सकते हैं का उपयोग लिखने और विकलांग के साथ अपने छात्रों के लिए प्रभावी IEP को लागू करने के लिए प्रपत्र।

कानून के अनूसार, कुछ व्यक्तियों एक बच्चे की Individualized शिक्षा कार्यक्रम लेखन में सम्मिलित किया जाना चाहिए। ये बाई गए चित्र में पहचाने जाते हैं। ध्यान दें कि एक IEP टीम के सदस्य टीम पदों अगर ठीक से योग्य तथा नामित के एक से अधिक भर सकते हैं। उदाहरण के लिए, स्कूल प्रणाली

प्रतिनिधि भी व्यक्ति जो बच्चे के मूल्यांकन परिणामों की उल्लेखना कर सकते हैं हो सकता हैं।

NOTES

इन लोगों को एक टीम के बच्चे की IEP लिखने के रूप में एक साथ कार्य करना चाहिए। IEP लिखने के लिए एक बैठक का निर्णय लेने से है कि बच्चे विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं के लिए पात्र है के 30 कैलेंडर दिनों के भीतर आयोजित किया जाना चाहिए।

प्रत्येक टीम के सदस्य IEP बैठक के लिए महत्वपूर्ण जानकारी लाता है। सदस्य अपने जानकारी साक्षा करने और एक साथ कार्य बच्चे के Individualized शिक्षा कार्यक्रम लिखने के लिए। प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी बच्चे की टीम की समझ और क्या सेवाओं बच्चे जरूरतों को कहते हैं।

माता-पिता को IEP टीम के प्रमुख सदस्य हैं। वे अपने बच्चे को बहुत अच्छे ढंग से जानते हैं और अपने बच्चे की शक्तियों तथा जरूरतों के साथ ही शिक्षा को बढ़ाने के लिए अपने विचारों के बारे में बात कर सकते हैं। वे बच्चे है कि सिर्फ एक माता-पिता को पता कर सकते हैं कि अन्य पहलुओं कैसे अपने बच्चे को सिखता है में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं, क्या उसके अथवा उसके हितों रहें, और। वे क्या टीम के अन्य सदस्यों को लगता है कि उनके बच्चे स्कूल में पर काम करे और अपने सुझाव साझा की आवश्यकता है सुन सकते हैं। उन्होंने यह भी कौशल बच्चे स्कूल में सीख रहा है घर पर उपयोग किया जा रहा है कि क्या पर रिर्पाट कर सकते हैं।

शिकक IEP बैठक में महत्वपूर्ण प्रतिभागियों के रूप में अच्छी तरह से कर रहे हैं। कम से कम बच्चे की नियमित शिक्षा के शिक्षकों में से एक पर IEP टीम पर होना चाहिए अगर बच्चे है (या हो सकता है) नियमित रूप से शिक्षा वातावरण में हिस्सा लेने। नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका टीम के साथ साझा करने के लिए एक महान सौदा है। उदाहरण के लिए, वह अथवा वह बारे में बात कर सकते है:

- नियमित रूप से कक्षा में सामान्य पाठ्यक्रम;
- एड्स सेवाएं या सहायता मिलने बच्चे को सीखने और प्राप्त शैक्षिक कार्यक्रम में परिवर्तन; तथा
- रणनीतियों, व्यवहार के साथ बच्चे को सहायता करने के लिए करता है, तो व्यवहार एक मुद्दा है।

नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका भी IEP टीम के साथ चर्चा कर सकते हैं स्कूल स्टाफ है कि इतना है कि बच्चे को यह कर सकते है के लिए समर्थन करता है:

NOTES

- उसके वार्षिक लक्ष्य को ओर अग्रिम;
- शामिल है और सामान्य पाठ्यक्रम में प्रगति हो;
- पाठ्येतर तथा अन्य गतिविधियों में भाग लेने; तथा
- अन्य बालक दोनों के साथ और विकलांग के बिना साथ शिक्षित किया।

स्कूल स्टाफ के लिए समर्थन व्यावसायिक विकास अथवा अधिक प्रतिक्षण शामिल हो सकते है। व्यावसायिक विकास और प्रतिक्षण शिक्षकों, प्रशासकों, बस चालकों, कैफेटेरिया कार्यकर्ताओं, और अन्य जो विकलांग बालकों के लिए सेवाएं प्रदान करने के महत्वपूर्ण हैं।

बच्चे की विशेष शिक्षा शिक्षक महत्वपूर्ण जानकारी और कैसे विकलांग बच्चों को शिक्षित कराने के बारे में अनुभव योगदान देता है। विशेष शिक्षा क्षेत्र में अपने या अपने प्रशिक्षण के कारण इस शिक्षक के रूप में इस तरह के मुद्दों के बारे में बात कर सकते है:

- कैसे सहायता करने के लिए बच्चे को सीखने में सामान्य पाठ्यक्रम संशोधित करने के लिए;
- अनुपूरक एड्स और सेवाओं है कि बच्चे नियमित रूप से कक्षा और अन्य स्थानों में सफल होने के लिए जरूरत हो सकती है;
- कैसे परीक्षण संशोधन कारने के लिए इतना है कि छात्र को दिखा सकते हैं वह अथवा वह क्या सीखा है; तथा
- individualizing अनुदेश के अन्य पहलुओं छात्र की खास अवश्यकताओं का ध्यान ।

IEP लिखने के लिए मदद करने के अतिरिक्त विशेष शिक्षक छात्र के साथ काम करने IEP बाहर ले जाने के लिए जिम्मेदारी है। वह या वह हो सकता है:

- एक संसाधन कक्ष अथवा विशेष शिक्षा सेवाओं को प्राप्त करने के लिए छात्रों के लिए समर्पित कक्षा में छात्र के साथ कार्य करते हैं;
- टम नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक के साथ सिखाना; तथा
- अन्य स्कूल स्टाफ, विशेष रूप से नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक, के साथ काम बच्चे के अद्‌वितीय आवश्यकताओं को संबोधित के बारे में विशेषज्ञता प्रदान करने।

IEP टीम का एक अन्य महत्वपूर्ण सदस्य है व्यक्ति जो व्याख्या कर सकते हैं क्या बालकों मूल्यांकन के परिणाम मतलब उचित अनुदेश को डिजाइन करने के संदर्भ में। मूल्यांकन परिणाम का निर्धारण करने में बहुत उपयोगी कैसे बच्चे को वर्तमान में विद्यालय में क्या कर रहा है और किस क्षेत्रों बच्चा है की आवश्यकता

है। यह IEP टीम के सदस्य बच्चे के मूल्यांकन के परिणाम के शिक्षण निहितार्थ है, जो टीम की योजना उचित अनुदेश बच्चे की जरूरतों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी के बारे में बात करने के लिए सक्षम होना चाहिए ।

NOTES

भिन्न-भिन्न स्कूल प्रणाली का प्रतिनिधित्व भी एक मूल्यवान टीम के सदस्य है। इस व्यक्ति को विशेष शिक्षा सेवाओं और विकलांग बच्चों को शिक्षित करने के बारे में बहुत कुछ जानता है। वह या वह जरूरी स्कूल संसाधनों के बारे में बात कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इस व्यक्ति का अधिकार संसाधनों के लिए प्रतिबद्ध है और है कि कुछ सेवाओं IEP में निर्धारित कर रहे हैं वास्तव में प्रदान किया जाएगा सुनिश्चित करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

IEP टीम भी अतिरिक्त सम्मिलित हो सकते हैं ज्ञान या बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता के साथ व्यक्तियों। माता-पिता या स्कूल प्रणाली टीम पर भाग लेने के लिए इन व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं। माता-पिता, उदाहरण के लिए, जो बालक के बारे में बात कर सकते हैं (जैसे कि एक व्यावसायिक शिक्षक जो बच्चे के साथ काम कर रहा है के रूप में) एक वकील जो बालक को जानता है, बच्चे और उसके अथवा उसकी विकलांगता, या दूसरों के बारे में विशेष विशेषज्ञता के साथ एक पेशेवर आमंत्रित कर सकते हैं शक्ति और/या जरूरतों। स्कूल प्रणाली एक या अधिक व्यक्तियों, जो इस तरह के एक paraprofessional या संबंधित सेवाओं पेशेवर के रूप में बच्चे के बारे में विशेष विशेषज्ञता या ज्ञान की पेशकश कर सकते, आमंत्रित कर सकते हैं। क्योंकि विकासशील एक IEP (बॉक्स में पीछले पृष्ठ पर संबंधित सेवाओं की सूची देखें) संबंधित सेवाओं के लिए बच्चे की आवश्यक विचार कर रहा है का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, संबंधित सेवा पेशेवरों अक्सर IEP टीम के सदस्यों या प्रतिभागियों के रूप में सम्मिलित कर रहे हैं। वे बच्चे की जरूरतों और कैसे अपने स्वयं के पेशेवर सेवाओं के उन जरूरतों को पूरा कर सकते हैं के बारे में उनके विशेष विशेषज्ञता साझा करें। बच्चे की व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर, कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने अथवा अन्यथा IEP विकसित करने के लिए व्यावसायिक या भौतिक चिकित्सक, अनुकूल शारीरिक शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक, या भाषण भाषा पैथोलॉजिस्ट शामिल हो सकता है कि सहायता करने। कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने या अन्यथा शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक, या भाषण भाषा पैथोलॉजिस्ट सम्मिलित हो सकता है की मदद करने। कुछ संबंधित सेवा पेशेवरों IEP बैठक में भाग लेने या अन्यथा IEP विकसित करने के लिए व्यावसायिक अथवा भौतिक चिकित्सक, अनुकूल शारीरिक शिक्षा प्रदाताओं, मनोवैज्ञानिक, या भाषण पैथेलॉजिस्ट शामिल हो सकता है की यहायता करने।

एक IEP संक्रमण उम्र के एक छात्र के लिए विकसित किया जा रहा है संक्रमण सेवा एजेंसियों के प्रतिनिधियों महत्वपूर्ण प्रतिभागियों हो सकता है। (संक्रमण

के बारे में जानकारी के लिए नीचे दिए गए बॉक्स देखें।) जब भी बैठक का उद्देश्य जरूरी संक्रमण सेवाओं पर विचार करना है, स्कूल किसी अन्य एजेंसी है कि उपलब्ध कराने अथवा संक्रमण सेवाओं के लिए भुगतान के लिए जिम्मेदारी होने की संभावना है के एक प्रतिनिधि को आमंत्रित करना चाहिए। इस व्यक्ति ने टीम की योजना किसी भी संक्रमण सेवाओं छात्र की जरूरत कर सकते हैं। वह भी के लिए भुगतान या जरूरी संक्रमण सेवाएं प्रदान करने के एजेंसी के संसाधनों के लिए प्रतिबद्ध कर सकते हैं। वह या वह बैठक में हिस्सा लेने नहीं करता है, तो स्कूल के छात्र के संक्रमण सेवाओं की योजना बनाने में एजेंसी की भागीदारी प्राप्त करने के लिए वैकल्पिक कदम उठाने चाहिए।

और पिछले कम से कम नहीं परन्तु छात्र भी IEP टीम के एक सदस्य हो सकता है। संक्रमण की जरूरत है अथवा संक्रमण सेवाओं की बैठक में चर्चा होने जा रहे हैं, छात्र भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। अधिकांश छात्रों में भाग ले रहे हैं और यहां तक अपने स्वयं के IEP बैठकों अग्रणी। यह उन्हें अपने शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत आवाज के लिए और उन्हें खुद वकालत और आत्मनिर्णय के बारे में बहुत कुछ सिखा सकते हैं अनुमति देता है।

5.4 टीएलएम

नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक IEP टीम का भाग के रूप में

चार्ट बी के लिए संघीय नियमों का एक परिशिष्ट के विचार IEP के बारे में अनेक सवालों के अलावा। प्रश्न 24 IEP टीम पर नियमित रूप से शिक्षा की भूमिका संबोधित करते है। यहाँ से एक अंश है:

जबकि एक नियमित रूप से शिक्षा की अध्यापिका IEP टीम के एक सदस्य होना चाहिए अगर बच्चा है अथवा हो सकता है, नियमित रूप से शिक्षा वातावरण में भाग लेने वाले, शिक्षक (बच्चे की जरूरतों पर निर्भर करता है कि जरूरत नहीं है और विशिष्ट IEP के प्रयोजन टीम की बैठक) की बैठक की या भाग के रूप में किए गए समस्त फैसलों में भाग लेने के लिए आवश्यक हो पूरी बैठक में स्थित हो सकता है या हर बैठक में भाग लेने। उदाहरण के लिए नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक जो IEP टीम के एक सदस्य चर्चाओं और फैसलों में हिस्सा लेने चाहिए कैसे बच्चे की भागीदारी और सामान्य पाठ्यक्रम तथा नियमित रूप से शिक्षा वातावरण में भागीदारी में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से कक्षा में सामान्य पाठ्यक्रम को संशोधित करने के बारे में।

"विशिष्ट परिस्थितियों के आधार पर, यद्यपि यह आवश्यक नहीं है नियमित रूप से शिक्षा शिक्षक, उदाहरण के लिए चर्चा, और के बारे में निर्णय में हिस्सा लेने के लिए बच्चे की भौतिक चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है, यदि शिक्षक के उस भाग को लागू करने के लिए जिम्मेदार नहीं है बच्चे की IEP।

"IEP बैठकों में नियमित रूप में से शिक्षा की अध्यापिका की भागीदारी की सीमा निर्धारित करने में, सर्वजानिक एजेंसियों और माता-पिता के सन्दर्भ में बात और पर समझौते तक पहुँचने का प्रयास करना चाहिए कि क्या बच्चे की नियमित शिक्षा शिक्षक IEP टीम के एक सदस्य के लिए एक विशेष IEP बैठक में उपस्थित होना चाहिए कि और यदि हां, तो समय की अवधि के लिए क्या। किस हद तक यह IEP टीम IEP बैटकों में हिस्सा लेने के की नियमित शिक्षा शिक्षक सदस्य के लिए उपयुक्त होगा मामला-दर-मामला आधार पर निर्णय लिया जाना चाहिए।"

NOTES

Scis हमेशा तुरंत पहचानने योग्य नहीं हैं। निम्नलिखित चोटो रीढ़ की हड्डी को संभावित क्षाति के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिएः

- सिर की चोटों, विशेष रूप से सामना करने के लिए आघात के साथ उन
- श्रोणि भंग
- रीढ़ की हड्डी के क्षेत्र में चोटों मर्मज्ञ
- ऊंचाई से गिरने से चोट लगने की घटनाएँ

इन चोटों के किसी भी प्रकार लक्षण (तीव्र सिर, गर्दन, या पीठ दर्द जैसा कि ऊपर उल्लेख से किसी के साथ एक साथ होते हैं, हाथ पैरों में महसूस की गिरावट; शरीर का हिस्सा पर नियंत्रण की कमी, मूत्र या आंत्र समस्याओं, चलने में परेशानी दर्द या छाती क्षेत्र में दबाव बैंड, साँस लेने में कठिनाई सिर या रीढ़ गांठ), तो एससीआई फंसा हो सकता है।

एक एससीआई ध्यान से किया जाना चाहिए होने का संदेह एक मनुष्य को आगे चोट रीढ़ एक आपातकालीन कमरे अथवा ट्रॉमा सेंटर स्थिर करने के लिए रखा जाना चाहिए जाया करने से रोकते है। एक डॉक्टर दुर्घटना की प्रकृति का निध ारिण व्यक्ति पर सवाल खड़ा होगा, तथा मेडिकल स्टाफ संवेदी समारोह और आंदोलन के लिए रोगी का परिक्षण कर सकते हैं। घायल व्यक्ति ग्रीवा में दर्द की शिकायत है, तो पूर्ण रूप से, जाग रही है या कमजोरी या न्यूरोलॉजिकल चोट के साफ चि न हैं, नैदानिक परीक्षण प्रदर्शन किया जाएगा।

इन परीक्षणों सम्मिलित हो सकते हैं

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) 'शिक्षक एक मार्ग दर्शक के रूप में' उक्त कथन को विस्तार पूर्वक समझाइये ?

(2) शिक्षक का शिक्षण कार्य में क्या महत्व है ? लिखिए।

(3) टी. एल. एम. को पूर्ण रूप से समझाइये?

(4) सुगम अध्यापन शिक्षा क्या हैं? विचार व्यक्त कीजिए।

(5) निम्न पर टिप्पणी लिखिए:—

(i) T.L.M.

(ii) I.E.P.

लघु उत्तरीय प्रश्न

(1) T.L.M. से क्या अभिप्राय है?

(2) शिक्षण कार्य से आप क्या समझते हैं?

(3) I.E.P. का शब्दिक अर्थ बताइये?

(4) मार्ग दर्शन से क्या लाभ है?

(5) निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए—

(i) शिक्षण कार्य

(ii) मार्ग दर्शन।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY

Raja Bhoj Marg (Kolar Road), Bhopal - 462016,

Phone : 91-755-2424660, Fax : 91-755-2424640

Website :www.bhojvirtualuniversity.com